मानसिक योद्धा

डेविड मोरहाउस

Table of Contents
शीर्षक पेज
विषयसूची
प्रस्तावना
एक - भोर
दो - गोली
तीन - चयन
चार - प्रशिक्षण
पाँच - द चेंजलिंग
छह - निर्णय
सात - द फॉल
आठ - पुनर्जन्म
उपसंहार
लेखक का नोट
" आपका जीवन कभी भी समान नहीं होगा। " प्रस्थान बिंदु
नोट्स
कॉपीराइट पृष्ठ

PSYCHIC WARRIOR

DAVID MOREHOUSE

St. Martin's Paperbacks

*[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

प्रस्तावना

मैं छत को घूरता हुआ लेटा रहा, अपनी पत्नी की साँसों की आवाज़ सुनता रहा और अँधेरे में आकृतियाँ गढ़ता रहा। लाख कोशिश करने पर भी मेरे मन से उत्तेजना दूर नहीं हो रही थी; ऐसा लग रहा था मानो हर बार आँखें बंद करने पर मेरी आँखों के पीछे एक तेज़ रोशनी जल रही हो। मैं जो बन रहा था, उस विचार से मेरा दिमाग चकरा रहा था।
भर्ती हुए तीन महीने बीत चुके थे; मेरे अंदर हो रहे शारीरिक और भावनात्मक बदलाव को समझना तो दूर, उसे सहन करना भी मेरे लिए मुश्किल था। अंधेरे में मुस्कुराते हुए मैंने बुदबुदाया, "मैं समय यात्री बन रहा हूँ।" मुझे खुद भी इस पर यकीन करना मुश्किल हो रहा था। जो कुछ भी मुझे बनना था, वह मेरी आँखों के सामने बदल रहा था। मुझे नहीं पता था कि मैं कौन हूँ या क्या हूँ; मेरा अस्तित्व ही आधुनिक समय के द्रष्टाओं, समय और अंतरिक्ष के यात्रियों द्वारा टुकड़े-टुकड़े करके फिर से जोड़ दिया गया था। लेकिन वे तो बस आम इंसान थे, मैं खुद से कहता रहा। उन्हें ये सब कैसे पता चल सकता है? उन्हें कैसे यकीन हो सकता है कि वे जो कर रहे हैं वह सही है? क्या पता हमें यह सब करना ही न हो... यह काम जो हम करते हैं?
अलार्म की तेज़ आवाज़ से मेरी नींद खुली और मैं नींद में ही उसे तब तक थपथपाता रहा जब तक वह नाइटस्टैंड से गिर नहीं गया, जिससे कमरा बजने और खटकने की आवाज़ से पूरी तरह जाग गया। डेबी को थपथपाकर सुलाने के बाद, मैंने खुद को सुबह की दिनचर्या में ढाला और ऑफिस जाते समय रास्ते भर सोच-विचार करता रहा। आम कपड़ों में और लंबे बालों के साथ ऑफिस जाना अजीब लग रहा था। पिछले बारह सालों से मैं पैदल सेना का अधिकारी था, छोटे बालों के साथ। अब मैं एक आम नागरिक जैसा दिखता और महसूस करता था, ताकि यूनिट का ध्यान मुझ पर न जाए।
मैं जर्जर इमारतों के पार्किंग स्थल में पहुँचा, जो एक अत्यंत गोपनीय विशेष-पहुँच कार्यक्रम था और जहाँ मेरा कायापलट हो रहा था। मुझे यहाँ दो साल से अधिक समय बिताना था, और हर दिन मैं उन जर्जर ढाँचों को देखकर मुस्कुराता था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक बेकरी स्कूल के रूप में बेहतर दिन देख चुके थे। अब, ये दो लकड़ी की इमारतें सैनिकों और रक्षा विभाग के कर्मचारियों के एक समूह को आश्रय दे रही थीं।

यह एक ऐसे जासूसी कार्यक्रम का केंद्र था जो कल्पना और आध्यात्मिकता की सीमाओं को पार कर जाता था। यह जासूसों के एक ऐसे समूह का अड्डा था, जिन्हें सेना और रक्षा विभाग में कार्यरत हजारों लोगों में से चुन-चुनकर लाया गया था। एक गुप्त रहस्य के रूप में रखी गई इस इकाई के अस्तित्व और स्थान की जानकारी केवल रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के कुछ सदस्यों को ही थी, जिसका यह हिस्सा थी। विडंबना यह है कि डीआईए के कुछ रूढ़िवादी सदस्य भी इस इकाई के सदस्यों को दुष्ट, यहाँ तक कि शैतानी मानने लगे थे, क्योंकि हमने यहाँ जो सीखा और अभ्यास किया था, उससे वे प्रभावित थे। और अब मैं भी इसका हिस्सा था... डीआईए द्वारा 'सन स्ट्रीक' नाम दिए गए आठ लोगों के इस विलक्षण दल का। मैं कभी भी ऑफिस में सबसे पहले नहीं पहुँचता था—बाकी कई लोग हमेशा यह सम्मान हासिल कर लेते थे—जो कि अच्छी बात थी, क्योंकि इसका मतलब था कि मुझे हमेशा ज़रूरी कॉफ़ी तैयार मिलती थी। एक कप लेकर मैं वॉल्ट की तरफ गया और कल के सेशन के नोट्स निकाले। अब तक मेरी ट्रेनिंग काफी आगे बढ़ चुकी थी और मैंने अपने शुरुआती मिशनों में ज़बरदस्त सफलताएँ हासिल की थीं; दरअसल, प्रोग्राम मैनेजर बिल लेवी ने मुझे इस नई दुनिया में ढलने की प्रक्रिया तेज़ कर दी थी। इसी तेज़ी के कारण कल मुझे इस अनजानी दुनिया में कदम रखना पड़ा था।
मैंने कॉफी गटक ली और कल बनाए गए अजीबोगरीब रेखाचित्रों और आंकड़ों को घूरता रहा। मेरे रेखाचित्रों में एक रहस्यमय आकृति सबसे अलग दिख रही थी— चेहरेविहीन, लबादा ओढ़े, सिर पर हुड डाले और एक टेढ़े-मेढ़े हाथ से किसी अदृश्य चीज़ या व्यक्ति की ओर इशारा कर रही थी। अगले पन्नों में एक दूसरी दुनिया, शायद किसी दूसरे आयाम का वर्णन था... ऐसी चीज़ें जो अभी मेरी समझ से परे थीं। मैं उन्हें ध्यान से पढ़ रहा था, उनका महत्व समझने की कोशिश कर रहा था, तभी धड़ाम! किसी ने मेरे कंधे पर ज़ोर से हाथ रखा। "शहर में नए आए लड़के के लिए बुरा नहीं है।"
"हे भगवान, मेल, तुमने तो मुझे बुरी तरह डरा दिया।"
वह मुस्कुराया। “तुम्हें इतना घबराना नहीं चाहिए। तुमने अभी कुछ देखा ही नहीं है।” उसने अपनी कॉफी का एक घूंट लिया और अपने केबिन की ओर वापस चला गया। मैं उसके पीछे-पीछे गया।
मेल रिले सेना में मास्टर सार्जेंट थे; दुबले-पतले, सफ़ेद बालों वाले, फीकी आँखों वाले और दादाजी जैसे क्षमाशील स्वभाव के व्यक्ति। वे बेतहाशा

सिगरेट पीते थे और इतनी कड़क कॉफ़ी पीते थे कि शीशे पर भी निशान पड़ जाते थे। आत्म-खोज की मेरी दो साल की यात्रा में वे मेरे प्रशिक्षक और मार्गदर्शक थे। वे पहले सैन्य रिमोट व्यूअर थे—चुने हुए लक्ष्यों को देखने और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के उद्देश्य से समय और स्थान की सीमाओं को पार करने वाले पहले व्यक्ति। मैंने बचपन से ही उनकी सलाह पर भरोसा करना सीख लिया था। उनकी कही हर बात सच होती थी: न झूठ, न अतिशयोक्ति, न छल और न ही अहंकार।
“मेल, कल तुमने मुझे जिस जगह भेजा था, वो आखिर है क्या? अब तक मैंने जो ट्रेनिंग टारगेट पूरे किए हैं, उनसे तो मैं संतुष्ट हूँ, लेकिन इस एक टारगेट को पूरा करने में मुझे दिक्कत हो रही है। ये... इसे क्या कहते थे?” “खुली खोज। हम सभी समय-समय पर ऐसा करते हैं—यह हमें विनम्र बनाए रखता है।” “विनम्रता? जब से मैं यहाँ आया हूँ, मुझे हर दिन विनम्रता का अनुभव हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि विनम्र होने के लिए मुझे हवा में यूँ ही भटकने और न जाने कहाँ पहुँचने की ज़रूरत है।”
राइली ने पिता तुल्य निगाहों से मेरी ओर देखा और मुस्कुराया। “शायद अभी तुम्हें विनम्रता की ज़रूरत न हो, पर यकीन मानो, तुम्हें इसकी ज़रूरत पड़ेगी।” उसने कॉफ़ी का एक और घूंट लिया, लेकिन उसकी नज़रें मुझ पर टिकी रहीं। “कुछ महीनों में जब तुम्हें पंख मिल जाएँगे, तो अकेले उस अवलोकन कक्ष में जाना और अंतरिक्ष में छलांग लगाना—जब तुम समय और अंतरिक्ष में उड़कर वापस आओगे—तो तुम्हें लगेगा कि तुम भगवान हो, एक साक्षात भगवान। लेकिन तुम नहीं हो। तुम एक नश्वर प्राणी हो… सरकार का एक उपकरण। विनम्र रहना और इस बात को समझना कि तुम इस ब्रह्मांड में कितने तुच्छ हो, एक रिमोट व्यूअर के रूप में जीवित रहने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वास्तविकता से जुड़े उस धागे के बिना, तुम भूल जाओगे कि तुम कौन हो, और तुम वहाँ… या यहाँ भी टिक नहीं पाओगे।”
“कहाँ?” मैंने पूछा।
उन्होंने दोनों हाथों से हवा में एक बड़ा गोला बनाया। “वहाँ… ईथर में। जहाँ हम काम करते हैं।” वे मुस्कुराए। “लेकिन अब, मुझे लगता है कि बिल तुमसे मिलना चाहता है। उन सब बातों की चिंता मत करो।” उन्होंने मेरे हाथ में रखे कागजों की ओर इशारा किया। “सब कुछ जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा।”

बिल ने चश्मे के ऊपर से मेरी तरफ एक पल के लिए देखा और फिर अपना ध्यान सामने रखे कागजों पर केंद्रित कर लिया। "सन स्ट्रीक" के निर्देशक, सांवली त्वचा और काले बालों व आंखों वाले बिल में एक ऐसी तीव्रता थी जो शायद ही कभी टूटती थी। वह कई चीजों को बर्दाश्त नहीं करते थे, और मैं सावधान था कि कहीं उनकी नाराज़गी का कारण न बनूँ। "मेल ने कहा कि आप मुझसे मिलना चाहते हैं।"
बिल कागज़ों को पलटता रहा। “हाँ, मेरे पास है। तुम्हारे लिए एक और लक्ष्य है... एक प्रशिक्षण लक्ष्य।” वह थोड़ी देर रुका और मेरी तरफ देखा। “यह कोई खुली खोज नहीं है। यह एक मानक मिशन है। मैं चाहता हूँ कि तुम प्रशिक्षण के चौथे चरण को जल्द से जल्द पूरा कर लो। एक हफ्ते में हमारा एक दर्शक कम हो जाएगा, और मैं चाहता हूँ कि तुम उसकी जगह लो। मतलब, ऑपरेशनल तौर पर।”
"खैर, यह तो बहुत बढ़िया है। मैं जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना चाहता हूँ... मुझे ये सब बहुत दिलचस्प लगता है।"
“बहुत बढ़िया! क्या अब तक आपके कोई प्रश्न हैं?”
मुझे लगा कि वह रिमोट व्यूइंग के सिद्धांत या व्यवहार पर किसी बौद्धिक प्रश्न की उम्मीद कर रहे होंगे, लेकिन मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था। मैं वहाँ तीसरी कक्षा के बच्चे की तरह होंठ चबाता बैठा रहा। अचानक, कहीं से भी, मेरे अतीत का एक भूत मेरे विचारों में आ गया। "एक बात है," मैंने कहना शुरू किया। "मुझे इसे बताने में बुरा लग रहा है क्योंकि यह निजी मामला है, लेकिन यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है।" लेवी ने कुछ नहीं कहा, बस मेरी बात सुनते हुए मेरे पीछे की दीवार को घूरते रहे। "मैं सोच रहा था कि क्या मैं - या कुछ अन्य व्यूअर्स - एक विशेष प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं।"
“किस तरह की परियोजना?”
"कुछ समय पहले पनामा में मेरा एक दोस्त था। वह हेलीकॉप्टर पायलट था। वह एक अन्य पायलट और एक क्रू चीफ के साथ एक गुप्त मिशन पर था, जो इक्वाडोर और कोलंबिया के बीच सीमा युद्धों की निगरानी कर रहा था।"
"और?"
“वे मिशन से कभी वापस नहीं लौटे। और उनका कभी पता भी नहीं चला।”
और अब आप यह देखना चाहते हैं कि क्या आप इसे ढूंढ सकते हैं—”
“उनका नाम माइक फोली था। चीफ वारंट ऑफिसर फोली। मुझे पता है यह थोड़ा अजीब है, लेकिन वो मेरे भाई जैसे थे... मतलब, मैं उनसे बहुत प्यार करता था। हम सब

कुछ साथ करते थे, हमारी पत्नियां भी सब कुछ साथ करती थीं, और मुझे उन्हें अलविदा कहने का मौका भी नहीं मिला। एक दिन अचानक उन्हें लापता घोषित कर दिया गया, और उसके बाद मुझे पता ही नहीं चला कि मैं और डेबी, शेरोन फोली को अमेरिका जाने के लिए सामान पैक करने में मदद कर रहे थे। यह सब आज भी किसी बुरे सपने जैसा लगता है, और यह सब आठ साल पहले हुआ था।”
रडार की तरह, लेवी ने "दुःस्वप्न" शब्द पर ध्यान केंद्रित किया। वह कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया और अपनी ठुड्डी के नीचे उंगलियां फंसा लीं। "क्या वह तुम्हें बुरे सपनों में देखने आता है?"
“हां। कभी-कभी वह ऐसा करता है।”
“कैसे? मुझे उनके बारे में बताओ।”
“ओह, मुझे नहीं पता। इसमें कुछ भी भयानक या डरावना नहीं है। बस बात ये है कि मैं उसे देखती हूँ, आप जानते हैं…। मैं उससे बात नहीं करती; वो मुझसे बात नहीं करता।” मेरे गले में एक गांठ सी बन गई और मैंने आँसू रोकने की कोशिश की। “माफ़ कीजिए, मेरा मतलब भावुक होना नहीं था। मुझे लगा था कि अब तक मैं इससे उबर चुकी हूँ।”
“आप पाएंगे कि देखने की कला को जितना गहराई से अपनाएंगे, उतना ही आप उन सभी चीजों से बच नहीं पाएंगे जो हमें इंसान बनाती हैं। आप अंततः दुख, पीड़ा और अनगिनत अन्य भावनाओं से परे जीना सीख जाएंगे। बेशक आप उन्हें हमेशा महसूस करेंगे, लेकिन आप उन्हें बिना शर्त समझेंगे, और यह समझ आपको जीने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करेगी। इसलिए अपनी भावनाओं से शर्मिंदा न हों। उन्हें खुलकर व्यक्त करें। हम सभी यहां ऐसा ही करते हैं; यह सेहत के लिए अच्छा है।” वह कुछ देर चुप रहे। “अब मुझे अपने दोस्त फोली के बारे में और बताएं।”
“मुझे ज्यादा कुछ नहीं पता। उस समय मैं एक जनरल का सहायक था, और हम एक प्रशिक्षण अभ्यास में भाग ले रहे थे जब यह घटना घटी। जनरल ने सामरिक संचालन केंद्र में अभी-अभी एक ब्रीफिंग ली ही थी कि विमानन बटालियन कमांडर चुपके से उनके पास आए। मुझे तुरंत ही माइक के साथ कुछ गड़बड़ महसूस हुई— मुझे बस इतना पता था। बटालियन कमांडर ने मेरे बॉस को सारी बात बताई, और जनरल कार्यालय के लिए निकल गए। मैं वहीं रुक गया और पूछा कि क्या फोली ठीक हैं।”

बटालियन प्रमुख ने मुझे अजीब नज़रों से देखा; यह स्पष्ट था कि वह सोच रहे थे कि मुझे किसने बताया होगा। मैंने कहा कि मुझे कोई खास जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे बस इतना महसूस हुआ कि माइक के साथ कुछ गड़बड़ है। अनिच्छा से उन्होंने मुझे बताया कि माइक का हेलीकॉप्टर पहाड़ों में कहीं गिर गया है और अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने बस इतना ही कहा।
“उन बुरे सपनों के बारे में क्या? मुझे बताओ कि फोली तुमसे मिलने कब आता था।”
“खैर, जैसा कि मैंने कहा, ऐसा नहीं है कि वह अचानक ज़मीन से उछलकर मेरे टखने पकड़ लेता है या कुछ और करता है। असल में, यह बहुत शांत होता है, मानो वह मुझे दिलासा देने की कोशिश कर रहा हो। शेरोन कहती है कि वह उसके पास भी आया है।”
“यह कब हुआ था? 19—”
“वह 1980 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर से आखिरी शब्द जो किसी ने सुने थे, वे माइक के थे। उसने कहा, ‘एक मिनट रुको… मुझे एक समस्या है।’ और फिर चारों ओर सन्नाटा छा गया। विमान की कई बार खोजबीन की गई, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।”
"ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिकियों द्वारा अमेरिकियों की तलाश कभी नहीं की गई थी।"
“क्या?” मैं एकदम सीधा बैठ गया। “तुम्हारा क्या मतलब है?”
लेवी खड़ा हो गया और उसने अपनी पेंसिल कागज़ों पर पटक दी। "यहीं रुको।" पांच मिनट बाद वह नीले रंग के फोल्डरों का एक ढेर लेकर लौटा और उन्हें मेरी गोद में रख दिया। “मुझे लगता है कि आपको ये बहुत दिलचस्प लगेंगे। इन्हें ध्यान से देख लीजिए, और हम दोपहर के भोजन के बाद बात करेंगे।”
वह वापस डेस्क पर बैठ गया और अपना काम ऐसे उठाने लगा जैसे मैं वहाँ कभी था ही नहीं। मैं कुछ पल के लिए अवाक बैठा रहा; आखिरकार, उसने चश्मे के ऊपर से मेरी तरफ दोबारा देखा।
"ठीक है?"
“ठीक है।” मैंने असहजता से जवाब दिया। “ठीक है… धन्यवाद।”

मैं दरवाजे से बाहर निकला और जल्दी से अपनी डेस्क पर वापस आ गया। वहाँ लगभग अट्ठाईस फ़ोल्डर थे, जिनमें से प्रत्येक पर एक इंच ऊँचे लाल अक्षरों में

आगे और पीछे "अत्यंत गोपनीय—प्रोजेक्ट: ग्रिल फ्लेम" लिखा हुआ था। मैंने ये निशान पहले भी देखे थे, जब मेरी भर्ती यूनिट में हो रही थी। प्रत्येक फ़ोल्डर के अंदर टेलीटाइप संदेश की एक प्रति थी: "लापता—सेना का हेलीकॉप्टर (UH-1H), टेल नंबर नवंबर सेवन नाइन, चालक दल के साथ: CW4 डेविड सुइटर (पायलट इन कमांड), CWO माइकल फोली (को-पायलट) और सार्जेंट फर्स्ट क्लास विलियम स्टॉब (क्रू चीफ)।" संदेश के शेष भाग में उस क्षेत्र का विवरण था जहाँ उनके दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका थी, साथ ही दुर्घटना से पहले हेलीकॉप्टर को देखने या सुनने के बारे में स्थानीय लोगों की रिपोर्ट भी थीं। मैंने सभी आधिकारिक संदेशों को तेज़ी से पढ़ा, जितनी जल्दी हो सके पढ़ने की कोशिश की, लेकिन मैं उतनी तेज़ी से नहीं कर पा रहा था। मैंने फ़ोल्डरों को पलटना शुरू किया, और अंत में मुझे वह मिल गया जो लेवी मुझे दिखाना चाहता था।
मैं आठ साल पुराने रिमोट व्यूइंग सेशन के नतीजे देख रहा था, जो माइक और बाकी क्रू के लापता होने की खबर मिलने के कुछ घंटों बाद शुरू हुए थे। पाँच अलग-अलग रिमोट व्यूअर्स द्वारा 28 सेशन आयोजित किए गए थे, जिनमें से प्रत्येक सेशन में दुर्घटना का विस्तृत वर्णन था। मैंने उन रिमोट व्यूअर्स के मार्मिक विवरण पढ़े, जो हेलीकॉप्टर के अक्ष से लुढ़ककर जंगल में गिरने के दौरान मानसिक रूप से उसकी पूंछ को पकड़े हुए थे। मुझे मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था; व्यूअर्स ने वर्णन किया, मानो क्रू सदस्यों की आँखों से देख रहे हों, कि प्रत्येक ने अपने अंतिम क्षणों में क्या अनुभव किया। मैंने दो व्यूअर्स के विवरण पढ़े कि कैसे माइक ने CW4 सूटर को मरते हुए देखा। चित्रों में दिखाया गया था कि हेलीकॉप्टर अपनी पूंछ से अलग होकर बाईं ओर पड़ा हुआ था। माइक अभी भी सीट बेल्ट से बंधा हुआ था, सूटर को देख रहा था, जो विमान से लगभग बीस फीट आगे की ओर फेंका गया था। दर्शकों ने लिखा, “फोली दर्द से कराह उठा, जबकि सीडब्ल्यू4 सूटर उससे कुछ फीट दूर जंगल की ज़मीन पर रेंगता रहा। सूटर की गिरने के कुछ मिनट बाद ही मौत हो गई, और फोली यह सब देखता रहा। क्रू चीफ की जंगल की ऊपरी शाखाओं से टकराते ही कुछ ही सेकंड में मौत हो गई। फोली सबसे आखिर में मरा, शायद गिरने के पच्चीस या तीस मिनट बाद।”

मैंने अपनी आस्तीन से आँखों में आँसू पोंछे। अगले कई घंटों तक मैं माइक के जीवन के अंतिम क्षणों का विवरण देने वाले पन्ने पलटता रहा। रेखाचित्र इतने सटीक थे, मानो किसी फोटोग्राफ की तरह। संदर्भ बिंदु दिए गए थे; देखने वालों ने आसपास के भूभाग और स्थलों का वर्णन किया था। यहाँ तक कि इक्वाडोर की खोज टीमों के संबंध में विमान की स्थिति दर्शाने वाले रेखाचित्र भी थे। हर रेखाचित्र में एक प्रेत, एक पारदर्शी शरीर था: मानो लक्ष्य क्षेत्र में देखने वाले का ही एक आत्म-चित्र हो। खोज का नियंत्रण कर रही विभिन्न एजेंसियों को भेजे गए उनके लिखित संदेशों में मैं देखने वालों की निराशा को महसूस कर सकता था। "वे इतने करीब थे," मैंने धीरे से कहा। "वे उन्हें क्यों नहीं ढूंढ पाए?"
“उस दिन मौसम खराब था!” यह आवाज मेल की थी।
मैंने बिना ऊपर देखे पूछा, "तुम यहाँ कब से हो?"
“कुछ देर के लिए। बिल चाहता था कि मैं तुम्हारा हालचाल जान लूँ।”
“तुम इनमें से कौन थे?”
“तीसरा दर्शक, बिल्कुल मेरी तरह।” वह हल्के से मुस्कुराया। “यह एक बुरा अनुभव था। बिल ने मुझे बताया कि आप उनमें से एक को जानते थे।”
"हां, मैं चीफ फोली को जानता था। हम कुछ सालों तक एक तरह से भाई जैसे थे।" "खैर, अगर इससे आपको तसल्ली मिले तो, मुझे यह बात पक्के तौर पर पता है कि अंत में उन्हें कोई दर्द नहीं था। वे भ्रमित थे—वे हमेशा होते हैं—लेकिन वे तकलीफ में नहीं थे।"
“वे उन्हें क्यों नहीं ढूंढ पाए? आपके रेखाचित्र तो उत्कृष्ट हैं! आखिर समस्या क्या थी?”
“भूभाग, मौसम… इक्वाडोर के लोग… आप जो चाहें कह लें। किसी दूसरे देश के व्यक्ति को खराब मौसम का सामना करते हुए किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढने के लिए भेजना मुश्किल है जिसे वे जानते भी नहीं और जिसे वे वहां चाहते भी नहीं थे। हमें उस पार्टी में आमंत्रित नहीं किया गया था। हमने एक तरह से उनके निजी सीमा विवाद में दखल दिया, और जब हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो लंबी खोज के हमारे अनुरोधों पर कोई उत्साहजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली।” "तो हमने अपना खुद का क्यों नहीं लॉन्च किया?"
“क्योंकि उस समय युद्ध चल रहा था और हम उसमें शामिल नहीं थे। हमें अमेरिकी सैनिकों को ज़मीन पर उतारने और पहले से ही विवादित क्षेत्र में हर जगह

धावा बोलने की अनुमति नहीं थी। यह राजनीति और अन्य कई बुरी चीजों का दलदल था। मुझे खेद है।”
“अरे यार, मेल।” मैंने नाक सिकोड़ी। “मेरा मतलब ये नहीं था—”
मुझे पता है कि तुम ऐसा नहीं करते।
मैं वहीं बैठा उन फाइलों को घूरता रहा, अविश्वास और हैरानी से अपना सिर हिलाता रहा। "काश, मैं किसी तरह इस मामले को खत्म कर पाता। आप जानते हैं? मैं बस अलविदा कहना चाहता था।"
मेल ने अपनी ठंडी कॉफी का आखिरी घूंट पिया और मुंह बनाया। फिर उसने मेरे कंधे को छुआ। "क्या तुम अलविदा कहना चाहते हो? दस मिनट में दूसरी इमारत में मुझसे मिलो, और तुम्हें अलविदा कहने का मौका मिल जाएगा।"

दस मिनट बाद मैं देखने वाले कमरे में मेल के सामने खड़ा था। "अपना माहौल ठीक कर लो, फिर हम शुरू करेंगे," उसने कहा। मैंने बिस्तर के बगल में लगे कंट्रोल पैनल पर रियोस्टेट को एडजस्ट किया और मनचाही रोशनी पा ली। जैसा कि मुझे पिछले हफ्तों में सिखाया गया था, मैं देखने वाले प्लेटफॉर्म पर बैठ गया, जो एक खास तरह से डिज़ाइन किया गया बिस्तर था, किसी साइंस फिक्शन फिल्म के बिस्तर जैसा। "ठीक है, मुझे लगता है मैं तैयार हूँ। आप मुझे ठीक कहाँ भेज रहे हैं?"
मेल मॉनिटर की कुर्सी पर बैठ गया, जो मेरी स्थिति के ठीक सामने थी। उसने अपने सामने डेस्क पर लगे कंट्रोल पैनल का इस्तेमाल करके वीडियो कैमरे और टेप रिकॉर्डर चालू किए। “मैं आपको वही निर्देशांक दे रहा हूँ जिनका हमने विमान पर अंतिम मिशन के दौरान इस्तेमाल किया था। उम्मीद है कि आप वहीं से शुरू कर पाएंगे जहाँ हमने आठ साल पहले छोड़ा था।” उसने अपने पैनल की ओर देखा। “तैयार?”
मैंने गहरी सांस ली और धीरे-धीरे सांस छोड़ी। "हां।"
“आपके निर्देशांक सात, पाँच, सात, चार… आठ, तीन, तीन, छह हैं।” मेल धुंधली रोशनी में मेरे पहले जवाब का इंतजार कर रही थी।
जैसा कि मुझे सिखाया गया था, मैंने अपना दिमाग शांत किया और परिवर्तित अवस्था में प्रवेश करने की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू की। शुरुआत में यह अनुभूति सुकून देने वाली, लगभग आनंददायक थी; लेकिन कुछ ही मिनटों में यह तेज़ होने लगी। मुझे चक्कर आने लगे और मैं नशे में धुत और भ्रमित महसूस

करने लगा। कुछ ही सेकंड बाद, एक चीरने जैसी आवाज़ - जैसे वेल्क्रो को फाड़ा जा रहा हो - मेरे कानों में गूंजी। अलगाव शुरू हो चुका था। अचानक मेरा काल्पनिक शरीर अपने भौतिक स्वरूप से ऊपर उठा और अंतरिक्ष में तेज़ी से आगे बढ़ा। गति की अनुभूति बहुत तीव्र थी, और मैंने अपनी आँखें बंद रखीं, इसके समाप्त होने का इंतज़ार करता रहा।
यह सब क्यों और कैसे हुआ, यह कोई नहीं जानता था। सिद्धांत जटिल और अस्पष्ट थे। किसी भी दर्शक ने इसके पीछे की प्रक्रिया को समझने की कोशिश नहीं की; वे बस इस सफर के लिए तैयार हो गए और पहुँचने पर उन्होंने जो देखा उसका वर्णन किया। और इस तरह अचानक मैंने खुद को अंतरिक्ष के अंधेरे में लटका हुआ पाया, और नीचे ग्रह को निहार रहा था।
मैं उस सुरंग में उतरने लगा, जिसकी गति लगातार बढ़ती जा रही थी, यहाँ तक कि आसपास के तारे धुंधले होकर क्षैतिज प्रकाश की लकीरों में बदल गए और फिर ऊर्जा के एक सिलेंडर में समा गए। ऐसा लग रहा था मानो मैं चकाचौंध कर देने वाली गति से नियॉन लाइट की एक नली से गुज़र रहा हूँ। जैसे-जैसे मैं गिरता गया, सुरंग के किनारे सम्मोहक ढंग से नाचते हुए गुज़रते रहे, जब तक कि मेरा प्रेत शरीर एक झिल्ली जैसी चीज़ से टकरा नहीं गया: मैं अपने लक्ष्य क्षेत्र में पहुँच गया था। मैं चिपचिपी धुंध में, समय के किसी कोने में, चारों हाथों-पैरों के बल गिरा।
मेल एक कुशल मॉनिटर था जिसे सहज ही पता चल जाता था कि व्यूअर लक्ष्य तक पहुँच गया है। "मुझे बताओ, डेव, तुम्हें क्या दिख रहा है।"
“उम, मुझे अभी तक कुछ नहीं दिख रहा। यहाँ घना कोहरा है… और गर्मी भी…। साँस लेना मुश्किल हो रहा है।” मैंने स्थिति का अंदाज़ा लगाने और कोहरे में गहराई से देखने की कोशिश की। “यहाँ बहुत उमस है।”
“मैं समझ गया,” मेल ने कहा। “लेकिन आपको ऐसी जगह जाना होगा जहाँ से आप देख सकें। मैं आपको एक अभ्यास करवाता हूँ। लक्ष्य से पाँच सौ फीट की ऊँचाई तक पीछे हटें। वहाँ से आपको कुछ दिखाई देना चाहिए।”
मैंने अपना पूरा ध्यान हवा में तैरते हुए मेल के निर्धारित स्थान तक पहुँचने पर केंद्रित किया। जैसे ही मैं धरती की सतह से ऊपर उठा और हवा में मंडराने लगा, धुंध छंटने लगी। वहीं पहुँच गया।
मेल की आवाज़ एक बार फिर हवा में गूंजी। "अब अपनी धारणाओं का वर्णन करो।"

मुझे धरती को ढकने वाली बादलों की एक सफेद चादर दिखाई दे रही है। चादर को भेदते हुए नुकीली चट्टानें और वनस्पतियां दिखाई दे रही हैं। हालांकि, मैं धुंध के कारण सतह को नहीं देख पा रहा हूं।
“ठीक है, ध्यान से सुनो। तुमने पहले कभी इस तरह की गतिविधि नहीं की है। तुम ठीक रहोगे; बस मेरे निर्देशों का पालन करो। मैं चाहता हूँ कि तुम समय में उस बिंदु तक यात्रा करो जब सतह साफ़ और दिखाई दे रही हो।”
मैं यह कैसे करूँ?
“गति पर ध्यान केंद्रित करें। यह उन अन्य गतिविधियों से अलग नहीं है जो आपने पहले की हैं। समय में आगे या पीछे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करें जब तक कि आपको अपने नीचे की सतह दिखाई न दे।”
तनाव से मैंने अपनी गर्दन कस ली, सिर पीछे की ओर घुमाया और आँखें बंद कर लीं। मुझे अपने अंदर कुछ हलचल महसूस होने लगी, जैसे कोई ऊर्जा द्रव या विद्युत आवेश। मैंने सिर आगे की ओर झुकाया और आँखें खोलीं तो देखा कि समय दिन-ब-दिन धरती से हटता जा रहा है, और मेरे नीचे का दृश्य हर पल बदलता जा रहा है।
“हे भगवान, यह तो अविश्वसनीय है!” मैंने चिल्लाकर कहा।
“एकाग्रचित्त रहो। मनचाही तस्वीर मिलते ही तुरंत रुक जाओ।”
मैं विस्मय से देखता रहा। मेरे नीचे का भूभाग अपरिवर्तित रहा, लेकिन बादलों के पैटर्न समय के साथ झिलमिलाते और चमकते रहे, मानो किसी तेज़ स्लाइड शो की तरह बदल रहे हों। मैंने देखा कि बादल छंटने लगे हैं, धीरे- धीरे उनकी बाहरी सीमाएँ छंटती जा रही हैं। ध्यान से देखते हुए, मैं सही क्षण की प्रतीक्षा करने लगा। "ठीक है, मुझे मिल गया! आसमान साफ़ है!"
मुझे लगा कि मेल मेरी अनुभवहीनता और उत्साह पर हंस रही है, लेकिन मैं खुद को रोक नहीं पाई। यह हवाई जहाज में मेरी पहली एकल उड़ान की तरह था—मैं नियंत्रण में थी, लेकिन साथ ही साथ बेकाबू भी।
“ठीक है, सतह की ओर बढ़ना शुरू करो। निर्देशांक स्थल पर वापस जाओ और मुझे बताओ कि तुम्हें क्या दिखाई देता है।”
पलक झपकते ही मैं लगभग तीस फुट व्यास के एक छोटे से खुले मैदान में खड़ा था, जो घने घने जंगल से घिरा हुआ था। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ थे, लेकिन झाड़ियों के बीच से मुझे दूर एक और पहाड़ दिखाई दे रहा था। जैसे कोई अजीबोगरीब आभास में हवा में चलता है, वैसे ही मैं झाड़ियों के बीच से उस

खाली जगह की ओर बढ़ा। मेरी निगाहें दूर की पहाड़ियों और चट्टानों पर टिकी थीं; मुझे ज़मीन का एहसास ही नहीं रहा। घनी पत्तियों के बीच एक खाली जगह पर रुककर मैंने देखा कि मेरे आस-पास क्या है। किसी कारणवश मैंने अपने पैरों की ओर देखा, तो पाया कि मैं हवा में तैर रहा था, नुकीली चट्टानों के अगले स्तर से सैकड़ों फुट ऊपर। दूर तक नज़रें गड़ाए, मैं जंगल से निकलकर सीधे एक चट्टान से नीचे हवा में आ गिरा था। "अरे बाप रे!" मैंने चीख मारी, जिससे मेल चौंक गई।
“क्या? क्या हुआ?”
“मैं ठीक हूँ… मैं ठीक हूँ। एक पल के लिए मैं बुरी तरह डर गई थी, लेकिन अब मैं संभल गई हूँ।”
“मैं चाहता हूं कि तुम दुर्घटनास्थल पर जाओ। खुद पर काबू रखो और ध्यान केंद्रित करो; दुर्घटनास्थल पर जाओ।”
“मैं अब वहीं जा रहा हूँ—कम से कम मुझे तो यही लगता है कि मैं वहीं जा रहा हूँ। मैं अब काफी तेज़ी से आगे बढ़ रहा हूँ।” पेड़ और झाड़ियाँ इंद्रधनुषी हरे रंग की धुंधली रोशनी में मेरे सामने से तेज़ी से गुज़र रही थीं। मुझे फिर से चक्कर आने लगे, पेट में वो बेचैनी इतनी बढ़ गई कि मुझे लगा जैसे मैं उल्टी कर ही दूँगा।
मेल मेरी शारीरिक स्थिति को पीला और पसीने से तर होते देख मजे से देख रहा था। उसने पहले भी दर्शकों को इस तरह एक ही लक्ष्य पर केंद्रित होते देखा था। उसने उन्हें बीमार पड़ते भी देखा था। "डेव, थोड़ा धीमा होने पर ध्यान दो। तुम बहुत तेज़ चल रहे हो... धीमे हो जाओ... संभलकर रहो।"
मैंने अपनी गति धीमी करने की पूरी कोशिश की, लेकिन यह किसी ट्रेन को रोकने जैसा था। मैं उसी गति से आगे बढ़ता रहा। मेरा काल्पनिक शरीर रास्ते में आने वाली हर चीज़ को पार कर गया। जब मैं छोटी-छोटी चीज़ों से टकराता, तो कुछ नहीं होता; लेकिन जब मैं पेड़ों और चट्टानों जैसी बड़ी चीज़ों से टकराता, तो मुझे ऐसा लगता जैसे हवा का एक झोंका मेरे चेहरे पर लग रहा हो। यह मेरे जीवन का सबसे अजीब अनुभव था। मुझे जो कुछ भी दिखाई दे रहा था, वह अंधेरा होने लगा, मानो सूरज डूब रहा हो, लेकिन अब कोई रंग नहीं था, केवल धूसर और काला रंग था। "कुछ गड़बड़ है!" मैं चिल्लाया। "कुछ बहुत बड़ी गड़बड़ है!"
“क्या? मुझे बताओ तुम क्या देख रहे हो।”

“सब कुछ अंधेरा हो रहा है… सब कुछ…” मैं बेहोश हो गया। मेरा शरीर वास्तविकता और उस सन्नाटे में मौजूद दुनिया के बीच अधर में लटका हुआ था। मेल मुझे खामोश दुनिया में छोड़कर चला गया। वह जानता था कि मैं कहाँ हूँ; वह भी वहाँ जा चुका था।
जैसे-जैसे अंधेरा छंटता गया, मैंने अपनी आँखें खोलीं। किसी दूसरी दुनिया में, किसी दूसरे समय में खड़े होने का एक अजीब सा एहसास था। मैं यह नहीं बता सकता था कि मैं सपना देख रहा था या नहीं; मेरे सामने जो दृश्य थे, वे थे भी और नहीं भी। अगर मैं उन्हें ध्यान से देखता, तो वे कुछ और ही रूप ले लेते। मैं अपने पैरों के नीचे की ज़मीन देख सकता था, लेकिन कुछ भी महसूस नहीं कर पा रहा था। एक हल्की धुंध ने उस जगह को घेर रखा था जहाँ मैं खड़ा था, जो आसपास के जंगल में जाते-जाते और घनी होती जा रही थी।
एक लगभग त्रिकोणीय वस्तु ने मेरा ध्यान खींचा और मैं अंधेरे में उसके पास गया। वह लगभग एक फुट चौड़ी और आधार पर लगभग दो फुट लंबी थी, जिसके किनारे टेढ़े-मेढ़े थे, मानो उसे उसके मूल स्थान से उखाड़ दिया गया हो। मैंने उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया और जैसे ही मेरा हाथ दूसरी तरफ से आर-पार हो गया, मैं चौंक गया। "अरे बाप रे!" मैंने अपने हाथ को देखा कि वह सही सलामत है या नहीं।
मेल ने पूछा, "क्या आप मुझे बताना चाहेंगे कि क्या हुआ था?"
मुझे खेद है। मैंने किसी चीज को छूने की कोशिश की, किसी चीज के एक टुकड़े को, लेकिन—"
“आप किसी चीज को छू नहीं सकते। वहां कुछ भी भौतिक नहीं है। कोशिश में समय बर्बाद न करें, इससे केवल भ्रम ही होगा। अपने लक्ष्य की तलाश करें, लेकिन अपने भीतर भी झांकें; जिस घटना को आप देखने आए हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें। सोचें—”
“रुको!” मैंने कहा। “कुछ हिल रहा है। उधर, जंगल के किनारे के पास, जहाँ पेड़ घने हो जाते हैं।” मैं उस तरफ बढ़ा जहाँ से मुझे आवाज़ आने का अंदाज़ा था, वहाँ मुझे नीचे कुछ चमकता हुआ दिखाई दिया, जो अजीब सी रोशनी में दमक रहा था। वह वस्तु पहले वाली जैसी ही थी, बस आकार में बड़ी थी। मैं उसे घूरता रहा, समझने की कोशिश करता रहा।
"बस यही बचा है," धुंध से एक आवाज आई।
“वहाँ कौन है? यह किसने कहा?”

“भारतीय इसका अधिकांश हिस्सा ले गए। उन्हें इसमें लगभग एक साल लग गया। उनके लिए उपयोगी कोई भी चीज़ अब नहीं बची है। अच्छा ही हुआ... इसने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया।”
धुंध में मुझसे लगभग दस फीट दूर एक दुबला-पतला युवक प्रकट हुआ। मैं केवल उसकी परछाई ही देख पा रहा था; धुंध में और कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। "तुम कौन हो?" मैंने आंखें सिकोड़ते हुए पूछा।
"क्या तुम्हें भी इतना ही समय हो गया है, डेविड?"
“तुम क्या बात कर रहे हो? इतना समय हो गया—?” और फिर मुझे अचानक याद आया। “माइक? माइक, क्या तुम हो?”

मुझे आश्चर्य होता था कि यह फिर से कैसा होगा... मैं आपके पास कितनी बार आ चुका हूँ, लेकिन आपको याद ही नहीं रहता।
“मुझे याद है—ये सपने हैं, है ना? तुम सपनों में मेरे पास आए हो, है ना?” मैं उस आकृति के करीब गया। मैं उससे लगभग तीन फीट दूर रुका, लेकिन वह दस फीट की दूरी से जितना स्पष्ट दिख रहा था, उससे ज़्यादा स्पष्ट नहीं था। “इससे आपको और करीब आने में कोई मदद नहीं मिलेगी। आपकी आंखों के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।”
मुझे तुम्हारी आंखें या तुम्हारा चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है।
“ऐसा इसलिए है क्योंकि तुमने अभी तक इस दुनिया में देखना नहीं सीखा है। लेकिन तुम सीख जाओगे। जो लोग पहले यहाँ आए थे, वे देखना जानते थे। उन्होंने हमें मरते हुए देखा। मैंने उन्हें महसूस किया। मैंने उन्हें अपने अंदर और अपने आस-पास महसूस किया; वे बहुत सुकून देने वाले थे। उन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि क्या हुआ था।”
“आखिर हुआ क्या?” ये सवाल पूछते हुए मुझे बहुत बेवकूफी महसूस हुई। मैं तो बस ऐसे ही फंस गया था, जैसे हमेशा उसके जीवित रहते फंसता था। मुझे लगभग महसूस हो रहा था कि वो मुस्कुरा रहा है।
"खैर, मेरी तो मृत्यु हो ही गई।"
“बिल्कुल। लेकिन हुआ क्या—मेरा मतलब है, हेलीकॉप्टर का क्या हुआ?”
“अब इनमें से कुछ भी मायने नहीं रखता।” कुछ देर का मौन रहा। “जो मायने रखता है वो है अलविदा कहना… और मैं तुमसे प्यार करता/करती हूँ। और इतने सालों तक शैरन का ख्याल रखने के लिए धन्यवाद।”

"कैसे-?"
“हम यहाँ सब कुछ देखते हैं। आगे, पीछे… सब कुछ। मैंने तुम्हें रोते हुए देखा। मैंने तुम्हारी दूसरी बेटी को भी तुम्हारी दुनिया में आते हुए देखा। मैं उसे तुमसे पहले जानती थी।”
आठ साल की भावनाएँ मेरे भीतर उमड़ पड़ीं और मेरी आँखों से आँसू बहने लगे। "हे भगवान!" मैं खुलकर रोने लगी, दुख और खुशी दोनों से अभिभूत थी।
“कोई बात नहीं, डेविड। कोई बात नहीं। मेरे लिए मत रोओ।”
“मैं तुम्हारे लिए नहीं रो रही हूँ, बेवकूफ। मैं इसलिए रो रही हूँ क्योंकि मुझे तुम्हारी याद आ रही है। तुम मेरे भाई थे, और मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है।” माइक मेरे करीब आया, और जैसे ही वह आया, मुझे एक ऐसी गर्माहट महसूस हुई जिसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकती। वह मेरे पास खड़ा मुझे रोते हुए देख रहा था, और मेरे आस-पास सब कुछ पहले से हल्का हो गया। ऐसा लग रहा था मानो उसके चारों ओर कोई अदृश्य प्रकाश या ऊर्जा हो, और उसके मेरे करीब होने से मैं किसी तरह उसकी सुरक्षात्मक चमक में समा गई। मैंने ऊपर उसकी ओर देखा, और मुझे उसका चेहरा दिखाई दिया, उसका प्यारा और स्नेहपूर्ण चेहरा, ठीक वैसा ही जैसा मैंने उसे आठ साल पहले देखा था।
“आप कैसे हैं?” उसने पूछा।
मैं मज़ाक करने की कोशिश में अटक गया। "अच्छा, तुमसे बेहतर।" मैंने मुस्कुराने की कोशिश की।
माइक ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "ओह, सच में? कौन बूढ़ा हो रहा है और कौन नहीं?"
“हाँ, तुम सही कह रही हो।” मैं थोड़ी देर रुकी, अपने मन में उठने वाली दस हज़ार बातों को समेटने की कोशिश कर रही थी। मैं आठ सालों में आए खालीपन को भरना चाहती थी। “जानती हो, तुम्हारे मुझे छोड़कर जाने का दुख मैं कभी भुला नहीं पाई। डेबी और शेरोन भी नहीं। तुम्हें न तो समझाया जा सकता था, न स्वीकार किया जा सकता था, और न ही भुलाया जा सकता था।”
“अच्छा है—मतलब, भुलाया नहीं गया। यहाँ तो यह एक तरह से रुतबे की बात है।” उसने चारों ओर नज़र घुमाई। “लेकिन स्वीकृति—तुम्हें यह महसूस करना होगा। तुम्हें समझना होगा कि मैं मर चुका हूँ, पर गया नहीं हूँ। मैं आगे बढ़ चुका हूँ, ऐसी चीज़ें जिन्हें मैं तुम्हें समझा नहीं सकता। अभी तुम्हारी

नज़रें इसके लिए तैयार नहीं हैं, पर हो जाएँगी। जो दूसरा आदमी अभी तुम्हारे साथ है, उसका नाम क्या है?”
"मेल रिले।"
“हाँ, वही है, मेल रिले।” माइक ने आह भरी। “खैर, उसकी आँखें तो वैसी ही हैं, और मैंने उसे पहले भी देखा है। वह एक नेक और दयालु इंसान है। जब उसने हमें पाया तो वह रो पड़ा था। उसकी बात सुनो, वह तुम्हें इस मुश्किल से बाहर निकाल देगा। वह तुम्हें तुम्हारी आँखें और वरदान देगा। मुझे पता है तुमने दूसरों को भी देखा है। उन्होंने मुझे बताया कि तुम्हें रेगिस्तान में एक संदेश मिला था। डेविड, जो तुम्हें बताया जा रहा है उसे सुनो; यह महत्वपूर्ण है। न सिर्फ तुम्हारे लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए।”
मैंने सिर हिलाया। "अब, एक मिनट रुको—"
माइक ने मुझे बीच में ही रोक दिया। “अब अलविदा कहने का समय आ गया है, डेव। मुझे जाना होगा; हमारा काम फिलहाल खत्म हो गया है। तुम डेबी को बताना कि मैं उसे याद कर रहा हूँ, और शेरोन को भी बताना कि मैं उसके लिए खुश हूँ। उसे बताना कि मैंने कहा है कि उसे उससे शादी कर लेनी चाहिए।”
मुझे समझ नहीं आया कि वह क्या कह रहा था, और यह मेरे चेहरे पर साफ दिख रहा था।

बस उसे यह बता दो। वह समझ जाएगी।
मैं घुटनों के बल बैठा उसे ऐसे देख रहा था मानो वह कोई देवता हो। मेरे भीतर की गर्माहट तेज होते ही मेरी आँखों से फिर आँसू बहने लगे। माइक ने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया, मेरे कंधे को छुआ और मेरे गाल को सहलाया। मैंने जो देखा था, उसके लिए मैं आभारी था। मैं एक ऐसी भावना से भर गया था जिसके अस्तित्व के बारे में मुझे पहले कभी पता नहीं था, एक ऐसी भावना जिसे मैं समझा नहीं सकता था। मैंने देखा कि माइक की छवि प्रकाश में धुंधली पड़ गई। "मत जाओ," मैंने विनती की। "कृपया, मत जाओ।" मैंने उस जगह को छूने की कोशिश की जहाँ वह एक पल पहले था... और वहाँ कुछ नहीं था। जैसे ही अंधेरा मेरे चारों ओर फिर से छाने लगा, कहीं से एक आवाज़ आई: "अपनी आँखें खोलो, डेव।" और फिर कुछ नहीं। मैं सुन्न महसूस कर रहा था, वहीं घुटनों के बल बैठा रहा।
“वापस आने का समय हो गया है, डेव,” मेल की शांत आवाज़ ने कहा। “अभी के लिए तुम्हारा काम हो गया है। रिश्ता तोड़ो और वापस आ जाओ।”

मैंने वही किया जो मुझे सिखाया गया था, और चक्र उलटने लगा। वर्षों बीतने के साथ, लक्ष्य तक पहुँचने की प्रक्रिया मेरे लिए आसान होती चली गई। आखिरकार मैं मेल द्वारा प्रशिक्षित सर्वश्रेष्ठ पर्यवेक्षकों में से एक बन गया। लेकिन यह वास्तव में मेरी कोई कोशिश नहीं थी। मेल ही शिक्षक थे; वे ही रक्षक थे और मुझे उनसे वैसे ही सीखना था जैसे एक बेटा अपने पिता से सीखता है।
माइक ने जो कहा था, मैं उसे कभी नहीं भूला। चार साल बीत गए, फिर मैंने उसे दोबारा देखा, वो भी एक अलौकिक अवस्था में। लेकिन उस समय हालात अलग थे; मेरा जीवन बदल चुका था और एक नई नियति मेरे सामने थी। यह कहानी है कि मैं उस नियति तक कैसे पहुँचा और कैसे मैं वॉचर बना।

एक

भोर
मैंने अपना बचपन सेना में बिताया; मैं एक घुमक्कड़ बच्ची थी, अपने परिवार के साथ एक चौकी से दूसरी चौकी घूमती रहती थी। मुझे जीवन के बारे में सिर्फ वही पता था जो एक सैनिक और उसकी पत्नी ने मुझे सिखाया था, और मैंने कभी भी सैनिक बनने के अलावा कुछ और बनने की कल्पना नहीं की थी। जब मैं छोटी थी, तो मैं सैनिकों के बच्चों के साथ खेलती थी, और हम हमेशा अपने पिताओं की नकल करते थे। हमें उन पर बहुत गर्व था, भले ही हम उनसे बहुत कम मिलते थे। मेरे बचपन की तस्वीरों में प्लास्टिक के हथियारों की तस्वीरें भरी पड़ी हैं, जिनमें जैतून के हरे रंग से रंगे छोटे वाहन हैं जिन पर "अमेरिकी सेना" लिखा हुआ है। मेरे बचपन का हर पहलू सेना, उसकी जीवनशैली, उसके हथियारों और उपकरणों के इर्द-गिर्द घूमता था। चार साल की उम्र तक मैं सेना के मौजूदा टैंक के अधिकांश प्रमुख बाहरी हिस्सों के नाम बता सकती थी।
यह एक ऐसा जीवन था जहाँ आप अपने पिता के अधिकार का सम्मान करते थे, भले ही वे कभी-कभार ही मौजूद रहते थे। आपने उनकी धुंधली होती मानसिक छवि से प्रेम करना सीखा, न कि उनके शारीरिक अस्तित्व से। आप कह सकते हैं कि मेरा पालन-पोषण देशभक्ति और राष्ट्र सेवा के युग में हुआ, एक ऐसा युग जो मेरे बड़े होने के साथ-साथ एक ऐसी पीढ़ी में परिवर्तित हो गया जहाँ प्रत्यक्ष विद्रोह का चलन था।
जनमत के लगातार दबाव में आकर मेरी देशभक्ति की भावना धीरे-धीरे कमजोर होती चली गई, और जिन बातों को मुझे पवित्र मानना सिखाया गया था, वे किशोरावस्था के धुंध में धीरे-धीरे गुम हो गईं। अंततः 1970 में वियतनाम युद्ध के खिलाफ फैले आक्रोश की लहर में मैं बह गया। युद्ध के दौरान मैंने अपने परिवार की परंपराओं का विरोध किया, जैसा कि मुझे लगता है कि सभी बच्चे अंततः करते हैं (कम से कम मेरे बेटे के मामले में तो यही सच है)। मैंने अपने बाल लंबे कर लिए, ऐसे कपड़े पहने जो सैन फ्रांसिस्को के हाइट-ऐशबरी इलाके में आसानी से फिट हो जाते, और मैंने लगभग हर वो काम किया जिससे मुझे लगता था कि मेरे माता-पिता नाराज हो सकते हैं। सच कहूँ तो, मुझे आश्चर्य है कि मैं उन वर्षों में कैसे बच गया।

हाई स्कूल में मेरा ध्यान एक चीज़ से दूसरी चीज़ पर भटकता रहा, भविष्य के बारे में मैंने ज़्यादा सोचा ही नहीं। हाई स्कूल से निकलने के बाद पहले साल मैंने कुछ खास नहीं किया। मैंने लाइफगार्ड का काम किया और अपने भाई के साथ रॉक क्लाइंबिंग की। मैंने मीरा कोस्टा नाम के एक छोटे से कम्युनिटी कॉलेज में दाखिला लिया। आखिरकार मैंने छात्र संघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा और जीत गया, जिसके चलते मुझे एक बड़े विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति मिल गई। वहीं रहते हुए मैं मॉर्मन चर्च में भी शामिल हो गया। हालाँकि मैं संगठित धर्म का घोर विरोधी था, फिर भी मॉर्मन धर्म मुझे समझ में आया और कुछ महीनों बाद मैंने धर्म परिवर्तन कर लिया। संस्थागत धर्म से मेरा यह पहला अनुभव था।
चूंकि मेरा भविष्य लगभग तय हो चुका था, इसलिए मैंने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि मैं आगे क्या कर सकता हूँ। हालांकि, इस समय एक बात स्पष्ट थी: मुझे आगे बढ़ना ही था। मुझे आभास हुआ कि कहीं न कहीं मेरे लिए कुछ बेहतर है, और मुझे उसे ढूंढना ही था। शायद यही कारण है कि मैंने कभी गंभीरता से डॉक्टर, वकील या सैनिक के अलावा कुछ और बनने की कोशिश नहीं की। अपने और अपने परिवार के बीच जो दूरी मैंने खुद बनाई थी, उसके बावजूद मुझे लगता है कि मेरे मन की गहराई में मुझे हमेशा से यह पता था कि मेरा एक भाग्य है। हम सभी का एक भाग्य होता है, और 1975 की एक पतझड़ के दिन मैंने अपना भाग्य पहचान लिया।
डॉक्टर बनने की योजना बनाकर, मैंने छात्र नेतृत्व छात्रवृत्ति पर ब्रिगहम यंग विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। मैंने प्री-मेडिकल कक्षाओं में दाखिला लिया, लोगों को अपनी योजनाओं के बारे में बताया, और इसी तरह आगे बढ़ा। यूटा के प्रोवो शहर के ऊपर एक ऊंचे पहाड़ पर मेरी किस्मत ने मुझे घेर लिया। कैंपस के ऊपर एक विशाल "Y" बना हुआ है, जो ब्रिगहम यंग विश्वविद्यालय का कॉलेज का प्रतीक है। इस "Y" को पूरी घाटी से दिखाई देने के लिए हर साल सफेदी की एक परत चढ़ानी पड़ती है। सैकड़ों छात्र पुराने जमाने की तरह बाल्टियों से सफेदी भरकर घुमावदार संकरे रास्ते पर ऊपर की ओर धकेलते हैं, जबकि कुछ बदकिस्मत छात्र उस चिपचिपी सफेदी को "Y" बनाने वाली चट्टानों पर फेंक देते हैं। नए छात्रों के बीच यह अफवाह थी कि यह "जीवनसाथी से मिलने" के लिए एक अच्छी जगह है। मुझे यह "जीवनसाथी" वाली बात समझ में नहीं आई। जहाँ तक मेरा सवाल है, ब्रिगहम यंग विश्वविद्यालय में

"डेट" और "जीवनसाथी" की अवधारणा अक्सर एक जैसी ही होती थी। हालाँकि, मुझे यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा कि इस विश्वविद्यालय में चीजों को "शाश्वत" नजरिए से देखा जाता है। आखिरकार, बीवाईयू एक चर्च स्कूल था। लोग शादी करते, बस जाते, बच्चे पैदा करते... और फिर भी पढ़ाई जारी रखते। मैं इस जीवनशैली से अनजान थी, और जीवनसाथी की बजाय एक डेट मुझे कहीं बेहतर लग रही थी। लेकिन मैंने हिम्मत जुटाई, खुद को समझाया कि मैं जीवनसाथी की फिलॉसफी के आगे नहीं झुकूंगी, और सावधानी से कुछ दोस्तों के साथ उत्सव में शामिल होने चली गई।
वहाँ महिलाओं की कोई कमी नहीं थी, लेकिन हम सब इतनी ज़ोर-ज़ोर से सांस ले रहे थे और उन गंदी बाल्टियों को उछाल रहे थे कि हममें से शायद ही किसी को बोलने का समय या सांस लेने की फुर्सत मिली। जब सोचने-समझने का मौका मिला, तब तक दिन लगभग ढल चुका था और मैं सिर से पैर तक धूल, पसीने और सफेदी से लथपथ थी।
मैं बाल्टी भरने की कतार में सबसे ऊपर पहुँचने में कामयाब हो गया था, और जैसे ही धुलाई से भरी आखिरी बाल्टियाँ चट्टानों पर बिखेरी गईं, मैंने पहली बार पीछे मुड़कर अपने पीछे फैली खूबसूरत घाटी को देखा। यह एक अद्भुत और मनमोहक जगह थी। उस पल मुझे एहसास हुआ कि दशकों पहले जब पहले मॉर्मन बसने वालों ने इस घाटी को देखा होगा, तो उन्हें कैसा महसूस हुआ होगा, और मेरे मन में एक अनकही शांति का भाव उमड़ आया।
अपने रंगे हुए हाथ के पिछले हिस्से से माथे से पसीना पोंछते हुए, मैंने उसे देखा—एक सेना का कर्नल वहाँ खड़ा था, सूरज उसकी पीठ पर पड़ रहा था, और वह अपने से काफी छोटे एक जवान आदमी से बात कर रहा था, जिसने भी मिलिट्री वर्दी पहनी हुई थी। सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन जो मैंने देखा, वह मेरे दिल को छू गया। उन्नीस साल के युवक के मन में चल रही सारी उलझनों के बीच, इस अधिकारी को देखना घर लौटने जैसा था। मुझे अचानक एहसास हुआ कि मेरा भविष्य मेरे सामने खड़ा है। अगले ही दिन मैं सेना के ROTC कार्यक्रम में शामिल हो गया।
मुझे कैडेट बनना बहुत अच्छा लगा। मैंने पहले कभी इतना सही महसूस नहीं किया था। उन कुछ ही सालों में मैंने अपने बारे में इतना कुछ सीखा जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। मैंने सेना और उसमें लगने वाली निष्ठा और सेवा को एक नए नजरिए से देखा। मुझे अच्छे लोगों ने शिक्षित किया, जिन्होंने मेरी

लेकिन एक और बात तय थी; वो थी जीवनसाथी का सवाल। मैंने अपने पिता से दो सौ डॉलर की शर्त लगाई थी कि मैं इक्कीस साल की उम्र तक शादी नहीं करूंगी। मैं किसी भी तरह के स्थायी रिश्ते में नहीं पड़ना चाहती थी।
मेरे रूममेट्स में से एक, माइक सी-राइट नाम का लड़का, अपने शहर की एक लड़की का एहसानमंद था। उस लड़की ने पहले उसके लिए एक डेट का इंतज़ाम किया था जो अच्छी रही थी, और अब माइक की बारी थी एहसान चुकाने की। उसने मेरी मुलाकात डेबी बॉश नाम की एक लड़की से तय कर दी। मैं अनिच्छा से उसके कमरे की ओर चल पड़ा, मुझे नहीं पता था कि क्या होगा। उसके कमरे के सामने खड़े होकर मैंने एक गहरी साँस ली और दरवाज़ा खटखटाया। दरवाज़ा बस इतना खुला कि एक सुंदर चेहरा उस छोटी सी दरार से झाँककर मुस्कुराया।
मैंने भी मुस्कुराकर जवाब दिया, यह देखकर मुझे खुशी हुई कि उसके माथे से सींग नहीं निकल रहा था।
“डेबी?” मैंने पूछा।
“डेबी अभी आती है,” चेहरे ने घोषणा की। जैसे ही दरवाजा तेजी से बंद हुआ, वह सुंदर चेहरा गायब हो गया।
मैंने अपना सिर हिलाया। आखिर मैं ये सब किसलिए कर रहा था? मुझे पूरा यकीन था कि वो स्काउट अब एक बदसूरत बत्तख को बता रहा था कि मैं उसके लिए एक उपयुक्त साथी हूँ। मैं आधा मुँह फेर चुका था कि तभी दरवाजा खुल गया।
"हाय, मैं डेबी हूं," एक कोमल आवाज ने कहा।
मैंने मुड़कर देखा तो एक हाथ मेरी ओर बढ़ा हुआ था और मेरा स्वागत कर रहा था।
“तुम डेविड ही होगे। माइक ने तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताया है। क्या तुम अंदर आओगे? मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे रूममेट्स से मिलो।”
मैं कुछ बोल नहीं सका। मैंने मूर्ख की तरह सिर हिलाया और उसके पीछे-पीछे अंदर चला गया। मुझे उसके कमरे में रहने वालों के बारे में ज़्यादा कुछ याद नहीं है; सच कहूँ तो, मुझे उनसे बात करने की भी याद नहीं है। मुझे बस डेबी ही दिखाई दे रही थी। वह एक खूबसूरत भूरे बालों वाली लड़की थी, जिसकी गहरी, प्रेम भरी आँखें पवित्रता से चमक रही थीं। वह ग्रामीण वर्लैंड, व्योमिंग से थी, जहाँ वह होमकमिंग क्वीन, अपने हाई स्कूल की टॉपर और बीवाईयू में राष्ट्रपति छात्रवृत्ति की विजेता थी।

मैंने उसके जैसी किसी से पहले कभी मुलाकात नहीं की थी, और उस पल से मैं एक कुत्ते की तरह उसके पीछे-पीछे चलने लगा। जब भी मौका मिलता, मैं उसे फोन करता, फूल भेजता, यहाँ तक कि बिना बताए उसके घर के दरवाजे पर भी पहुँच जाता। मुझे नहीं लगता कि मैं पहले कभी प्यार में पड़ा था, इसलिए मुझे ठीक से पता नहीं था कि मेरे साथ क्या हो रहा है। मैं बस इतना जानता था कि वह एक बहुत ही खास और रोमांचक महिला है, और मैं उसे कभी भी अपनी नज़रों से ओझल नहीं होने देना चाहता था। मुझे कुछ रचनात्मक, कुछ बड़ा और जल्द से जल्द करना था, इससे पहले कि मैं उसे खो दूं।
एक रात, डेबी से मिलने के तीन महीने बाद, मैंने उसे फोन किया और एक शांत, रोमांटिक डिनर के लिए पूछा। मैंने उससे अच्छे कपड़े पहनने को कहा, क्योंकि हम प्रोवो के सबसे बेहतरीन रेस्टोरेंट में से एक में जा रहे थे। अपने चार दोस्तों की मदद से, मैं एक गत्ते का डिब्बा उसके हॉस्टल तक ले गया और उसे लॉबी में लगा दिया। मैंने उस पर लाल और सफेद चेक वाला मेज़पोश बिछाया और माहौल बनाने के लिए दो मोमबत्तियाँ जला दीं। मैंने अस्थायी मेज़ के दोनों ओर दो कुर्सियाँ रखीं और कैसेट प्लेयर चालू कर दिया, जिसमें नील डायमंड के किसी घटिया गाने की कर्कश आवाज़ आ रही थी। मेरे दोस्तों ने हमें थोड़ी प्राइवेसी देने के लिए अपनी-अपनी जगह ले ली, और मैंने डेबी को बुलाने के लिए दरवाज़ा खटखटाया।
वह बेहद खूबसूरत लग रही थी, और मैं अपने इस कदम को लेकर बहुत घबराया हुआ था। ज़ाहिर है, उसे लगा कि मैं उसे डिनर पर ले जा रहा हूँ; जब मैंने उसे लॉबी में बिठाया और उसकी कुर्सी को उसके लिए सजी हुई कागज़ की मेज़ के पास खिसकाया, तो उसके चेहरे के हाव-भाव देखने लायक थे। मैं भी बैठ गया, तभी मेरा एक दोस्त सूट पहने हुए, हाथ पर सफ़ेद टेरीक्लॉथ तौलिया लपेटे हुए, वहाँ आ गया।
"मैडम के लिए थोड़ी स्पार्कलिंग साइडर?" उसने जवाब का इंतजार किए बिना ही पूछा और झाग वाले कप के किनारे से पेय को मेज पर गिरा दिया।
डेबी एकदम चुप थी, उसने अपनी बाहों को अपनी छाती पर कसकर बांध रखा था। "क्या सबकुछ ठीक है?"
उसने झल्लाकर पूछा, "आखिर तुम कर क्या रहे हो?"
मेरी शुरुआत धीमी थी और मैं तेज़ी से पिछड़ता जा रहा था। मुझे पता था... मेरे दोस्तों को भी। उनके चेहरों पर साफ दिख रहा था। उनमें से एक हाथ से

बने मेनू लेकर हमारे पास आया, जिसमें पहले से चुने गए व्यंजनों की सूची थी। दूसरे ने एक दर्जन लाल गुलाब दिए और साथ ही कैसेट प्लेयर की आवाज़ तेज़ कर दी। मैं फिर से लय में आने लगा था... डेबी मुस्कुरा रही थी।

उसने मेरे द्वारा तैयार किए गए मेनू को घूरकर देखा। "यह क्या है... मसालेदार गोमांस?"
“ये हमारी खास डिश है। उम्मीद है आपको पसंद आएगी।” मैंने हँसी रोकने के लिए अपने होंठ दबा लिए। मैंने हवा में उंगलियाँ चटकाईं, और वेटर एक फोल्डिंग टीवी ट्रे और सी राशन के दो डिब्बे लेकर वापस आया। उसने ट्रे को सही जगह पर रखा और तुरंत बदबूदार मिलिट्री राशन के डिब्बे खोलने लगा। कैंटीन से चुराए गए एक कांटे से उसने अंदर का सामान निकाला, जो कुत्ते के खाने की तरह कागज़ की प्लेट पर गिर गया। उसने उसे मसलकर डेबी को परोसा। उसने एक पल के लिए उसे घूरकर देखा और फिर मेरी ओर घूरते हुए बोली, "क्या तुम मुझसे यह खाने की उम्मीद करते हो?"
“जी हां,” मैंने कहा जब मेरा खाना मेरे सामने रख दिया गया। “अच्छा है—चलो चखो।” उसने फिर से खाने को देखा, कांटे से उसे कुरेदा, और मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने एक छोटा सा टुकड़ा खा लिया। तब मुझे पता चल गया कि मैंने इस महिला को चुनकर सही फैसला किया है। जो भी इस तरह की स्थिति को सहन कर सकता है, वह वाकई बहुत खास है।
हमने घंटों तक खाना खाया। रोटी के लिए सी राशन के क्रैकर्स, सब्जियों के लिए डिब्बाबंद लिमा बीन्स और मिठाई के लिए डिब्बाबंद मेपल-नट केक पर डिब्बाबंद फ्रूट कॉकटेल डाला। हमने नील डायमंड का वो टेप बार-बार सुना। मेरे दोस्तों ने कागज़ की प्लेटें हटा दीं और नील का टेप आखिरी बार पलटा... और फिर गायब हो गए।
हम कुछ देर तक हाथ पकड़े बातें करते रहे। फिर मैंने गहरी सांस ली और उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया, खुद को शांत और रोमांटिक दिखाने की कोशिश करते हुए। "डेबी," मैंने लड़खड़ाती आवाज में कहा, "मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है..."
“बिल्कुल नहीं।” वह मुस्कुराई। “तुम तो अभी सिर्फ बीस साल के हो। जब तक कि तुम्हारे बारे में कोई ऐसी बात न हो जो मुझे पता न हो।”

“नहीं, नहीं, मैंने सच में ऐसा पहले कभी नहीं किया है। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं इसे सही तरीके से कर रहा हूँ या नहीं... या आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं।”
यह स्पष्ट था कि मैं परेशान थी। "डेविड, मुझे लगता है कि तुम हमेशा वही करते हो जिसकी मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं होती... लेकिन फिर भी मैं तुमसे प्यार करती हूँ।"
मैंने गहरी सांस ली। “मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ। और मैं तुमसे शादी करना चाहता हूँ—बशर्ते तुम मुझे स्वीकार करो। मैं हमेशा एक सैनिक ही रहूँगा, और मैं तुम्हें बस इतना ही वादा कर सकता हूँ कि तुम हर तीन साल में अपना ठिकाना बदलोगी, घटिया जगहों पर रहोगी, और…”

उसने अपनी उंगलियां मेरे होठों पर रखते हुए कहा, "चुप रहो, कोई बात नहीं। चाहे जो भी हो, हम उसे अपना घर बना लेंगे।"
शांति का एहसास बेहद गहरा था। मैं डरा हुआ था, लेकिन शांत भी था। मुझे पता था कि यही सही है; बस यह नहीं पता था कि मैं इसे कैसे करूँगा। मैंने इससे पहले कभी पति बनने के बारे में सोचा भी नहीं था, और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या करना है। मेरे पास अंगूठी तक नहीं थी। गाड़ी में पूरा पेट्रोल भरवाने के भी पैसे नहीं थे; अंगूठी का खर्च कैसे चलता? मेरा दिमाग तेज़ी से चल रहा था। मैंने गहरी सांस ली, हमने एक-दूसरे को चूमा, और ठंडी रात में टहलने निकल गए। मेरे दोस्त सारी गंदगी साफ करने के लिए वहीं रुके रहे, जीत की मुस्कान लिए। मैं उन्हें कभी नहीं भूलूँगा।
डेबी और मेरी शादी 22 अप्रैल, 1975 को यूटा के मैन्टी स्थित मंदिर में हुई थी। ठीक नौ महीने बाद, डेबी ने हमें एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम हमने माइकल रखा। उस दिन से हमारी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। मेरी दुनिया तेज़ी से बदल रही थी। मैं पिता बन गया था, और मैं इस पल का हर क्षण संजो रहा था। मुझे डायपर बदलने में थोड़ी दिक्कत होती थी, लेकिन रात में उठकर उल्टी से लथपथ होने जैसी चीज़ों से मुझे कोई परेशानी नहीं थी। मुझे पिता बनना बहुत अच्छा लगता था, भले ही मैं थोड़ा डरा हुआ था। हम कॉलेज के दूसरे साल में थे, शादीशुदा थे और माता-पिता बन चुके थे। त्याग तो अभी शुरू ही हुए थे।

डेबी एक बेहतरीन सैनिक पत्नी थीं, तब भी जब मैं कैडेट ही था। उन्होंने हर संभव तरीके से मेरा साथ दिया, जो सभी पत्नियों के साथ ऐसा नहीं होता। आने वाले वर्षों में डेबी और मैंने देखा कि सेना के जीवन के तनाव और कठिनाइयों के कारण हमारे कई दोस्तों की शादियाँ टूट गईं। सैनिक होना आसान नहीं है, लेकिन सैनिक की पत्नी होना उससे भी कहीं अधिक कठिन है। सफलता के लिए यह एक सामूहिक प्रयास है; दोनों को अपने पेशे पर विश्वास होना चाहिए और यह मानना चाहिए कि यह हमेशा आपका ख्याल रखेगा। आप बुराइयों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं—अकेलापन, तंग कमरे, साधारण अस्पताल और कम वेतन—क्योंकि आप अपने काम की भलाई में विश्वास रखते हैं। आप खुद को देशभक्त कहते हैं—और डेबी भी उतनी ही देशभक्त थीं जितनी मैं था। आपको भरोसा होता है कि आपके साथी हमेशा आपके साथी रहेंगे और जब भी आपको उनकी ज़रूरत होगी, वे आपके साथ होंगे। यही वह सेना थी जिसके बारे में मेरे पिता ने मुझे बताया था; यही वह सेना थी जिस पर डेबी और मैंने विश्वास किया और जिसके लिए बलिदान दिया।
शादी के पहले दस सालों में हम सात बार घर बदले, कभी तिलचट्टों से भरे अपार्टमेंट में तो कभी बेहद तंग फौजी क्वार्टरों में। मुझे याद है हम दोनों जॉर्जिया के सवाना में अपने क्वार्टर के सामने वाले लॉन में हंस रहे थे, जब फर्श का हर इंच फर्नीचर से भरा हुआ था और घर का आधा सामान अभी भी ट्रक में था। क्या आपने कभी पांच लोगों के परिवार को एक हजार वर्ग फुट से कम जगह में बसाने की कोशिश की है? यह वाकई एक चुनौती है।
16 अप्रैल, 1979 को मुझे पैदल सेना में द्वितीय लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया गया और मैंने तुरंत सक्रिय सेवा में कार्यभार संभाला। डेबी और मेरे पिता ने मेरे कंधे पर लेफ्टिनेंट का बैज लगाया। मेरे पिता की आँखों में गर्व देखकर मेरी आँखों में आँसू आ गए। कैडेट के रूप में मेरी सफलता के कारण मुझे नियमित सेना में कमीशन दिया गया और मुझे विशिष्ट सैन्य स्नातक घोषित किया गया। मैंने विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ स्नातक कैडेट को दिए जाने वाले जनरल जॉर्ज सी. मार्शल पुरस्कार को जीता। मुझे एक राष्ट्रीय समीक्षा बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय डॉ. राल्फ डी. मर्शोन पुरस्कार के लिए भी चुना गया, जो नियमित सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले 2,500 अधिकारियों में से सर्वश्रेष्ठ कैडेट को दिया जाता है। पीछे मुड़कर देखें तो, इनमें से कोई भी उपलब्धि एक सोडा की कीमत के बराबर भी नहीं थी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि ये सब मेरे लिए एक मजबूत भविष्य की नींव रख रहे थे।

शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मेरे पिता ने मुझे अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया था। शायद सफलता नियति का अनुसरण करने से ही मिलती है। मैंने 1979 में फोर्ट बेनिंग, जॉर्जिया में इन्फैंट्री ऑफिसर बेसिक कोर्स से स्नातक किया और अपनी कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र रहा। जब हम अपने पहले ड्यूटी स्टेशन के आदेशों की प्रतीक्षा कर रहे थे, तब मैंने सेना के पाथफाइंडर स्कूल में भाग लिया और वहाँ भी उत्कृष्ट स्नातक की उपाधि प्राप्त की। मैंने इन्फैंट्री मोर्टार प्लाटून लीडर्स कोर्स के साथ अपना बुनियादी अधिकारी पेशेवर प्रशिक्षण पूरा किया और फिर नवंबर 1979 में डेबी, छोटे माइकल और मैं पनामा गणराज्य में अपनी पहली तैनाती पर पहुंचे।
अपनी पहली तैनाती के दौरान, मैंने अनेक नेतृत्व पदों पर कार्य किया। मैं मोर्टार प्लाटून लीडर, कंपनी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, एयरबोर्न राइफल प्लाटून लीडर और अंत में दो अलग-अलग कमांडिंग जनरलों का एड-डे-कैंप रहा। मैंने 1980 में आर्मी स्कूबा स्कूल और 1981 में आर्मी जंपमास्टर स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहाँ मैं अपने बैच का विशिष्ट सम्मान प्राप्त स्नातक था। प्रथम लेफ्टिनेंट के रूप में, मुझे सेना की एकमात्र अलग एयरबोर्न राइफल कंपनी - अल्फा कंपनी (एयरबोर्न), तीसरी बटालियन, पांचवीं इन्फैंट्री, जो फोर्ट कोबे, पनामा में स्थित थी - की कमान संभालने के लिए चुना गया, यह पद पहले केवल वरिष्ठ कप्तानों के पास होता था। मैं अपने अधीन अधिकारियों से पद में मामूली रूप से ही ऊपर था।
हम जवान थे और ट्रेन तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। डेबी ने मेरे अधीनस्थों की पत्नियों को आर्थिक मामलों से लेकर वैवाहिक जीवन तक हर चीज़ में सलाह देना सीख लिया था। वह इसमें माहिर थी। उसने मेरी ही तरह, बल्कि मुझसे भी ज़्यादा मेहनत की। हमने अपने बच्चों को इस तरह पाला-पोसा कि वे हमेशा सेना को ही अपना आदर्श मानें।
सेना में नएपन का आकर्षण खत्म होने के बाद एक बात स्पष्ट हो जाती है: आप महज़ एक संख्या हैं, और बलि का बकरा। मुझे लगता है कि मैं यह जानता था, और डेबी को भी यह बात अच्छी तरह पता थी। बस हमने इस पर ज़्यादा सोचने का समय नहीं निकाला। हम सैनिक और सैनिक परिवार होने के दायित्वों में व्यस्त रहे। जैसे-जैसे साल बीतते गए, यह बात और भी स्पष्ट होती गई कि बलिदानों का कोई महत्व नहीं रह गया था, कि पेशे के प्रति आपका विश्वास अपेक्षित था, सराहना नहीं। आपको नियंत्रित किया जाता था, और आपसे भी नियंत्रित करने की

अपेक्षा की जाती थी; भला आप दो सौ से ज़्यादा सैनिकों से वह काम कैसे करवा सकते थे जो कोई सामान्य इंसान कभी नहीं करेगा? एक आदर्शवादी (जो मैं था) आपको बताएगा कि यह नेतृत्व के माध्यम से संभव है। एक व्यावहारिक व्यक्ति आपको ईमानदारी से बताएगा कि नेतृत्व प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से किए गए जोड़-तोड़ वाले कृत्यों की एक श्रृंखला है, जिसे इस तरह से व्यवस्थित किया जाता है कि किसी दूसरे इंसान को नब्बे पाउंड का थैला लेकर चालीस मील पैदल चलने, रात में कीचड़ में सोने और फिर युद्ध में जागने, और दिन के अंत में मृत साथियों को प्लास्टिक के बॉडी बैग में डालकर हेलीकॉप्टर तक ले जाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सामान्य पुरुष और महिलाएं इस तरह से व्यवहार करने के लिए प्रेरित नहीं होते, और वे ऐसा देश प्रेम या परिणामों के भय से नहीं करते। इसके पीछे एक मनोवैज्ञानिक कारण है, एक ऐसा मनोवैज्ञानिक कारण जिसके बारे में मुझे वर्षों से धीरे-धीरे समझ आने लगी, एक ऐसा मनोवैज्ञानिक कारण जिसका अंततः मेरे विरुद्ध उपयोग किया जाएगा। पनामा की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी के बावजूद, डेबी और मैंने दो और बच्चों, मारिया और डैनियल को जन्म देने का समय निकाल लिया। ये दोनों बेटियाँ आज भी दोहरी नागरिकता का आनंद लेती हैं। अंततः, साढ़े चार कठिन वर्षों के बाद, पनामा छोड़ने का समय आ गया। अच्छे दोस्त पीछे छूट गए और प्यारी यादें हमारे साथ आईं। अधिकारी, उनकी पत्नियाँ और बच्चे, सभी हमारे परिवार जैसे थे। डेबी और बच्चे आज भी पनामा को याद करते हैं।

फोर्ट बेनिंग में इन्फैंट्री ऑफिसर एडवांस्ड कोर्स के लिए छह महीने के दौरे के बाद, हम 1984 में अपने अगले असाइनमेंट, प्रतिष्ठित प्रथम बटालियन, 75 वीं रेंजर रेजिमेंट, हंटर आर्मी एयरफील्ड, सवाना, जॉर्जिया के लिए रवाना हुए। रेंजर्स के साथ जीवन मेरे पहले के किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग था। ये कठोर और गंभीर लोग थे, जो युद्ध में दुश्मनों को धूल चटाने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। मैंने बटालियन प्रशिक्षण अधिकारी, बटालियन एडजुटेंट और अंत में रेंजर कंपनी कमांडर के रूप में कार्य किया, जो हमारी दूसरी कंपनी की कमान थी। दूसरी बार मैंने बेहतर प्रदर्शन किया।
रेंजर्स की सबसे अच्छी बात वहां के गैर-कमीशन अधिकारी थे। मैं इन जवानों से बहुत प्रभावित था। सार्जेंट मेजर लियोन गुएरा, फर्स्ट सार्जेंट सैम स्पीयर्स और फर्स्ट सार्जेंट पीटरसन जैसे कुछ नाम तो बस उदाहरण के तौर पर

बच्चों के चेहरे कभी नहीं बदले; वे हमेशा सतर्क और उदास रहते थे। भले ही यह एक शांतिपूर्ण मिशन था, लेकिन सब कुछ सुरक्षित नहीं था। पहले भी ऐसे शांतिपूर्ण मिशन हुए थे, जब जवान वापस घर नहीं लौटे थे। रेंजर्स में मृत्यु हमेशा एक संभावना थी, और परिवार हर दिन इस सच्चाई के साथ जीते थे। मैं अपने बेटे के सामने घुटनों के बल बैठ गया, जो सबसे बड़ा था और जो कुछ हो रहा था उसे सबसे अच्छी तरह समझ रहा था। "मैं तुमसे प्यार करता हूँ, माइकल।" उसकी आंख से एक छोटा सा आंसू टपक गया। “ध्यान रखना, पापा। चोट मत लगना।” उसने अपनी बाहों से मेरी गर्दन को दबाया, और अपना चेहरा मेरे चेहरे से सटा लिया।
“चिंता मत करो, मैं ठीक हूँ। मैं तुम्हारे लिए रेगिस्तान की रेत लाऊँगा, कैसा रहेगा?”
एक और आंसू पोंछते हुए उसका चेहरा खिल उठा। "और एक बड़ी मकड़ी?"

मैंने मुस्कुराते हुए डेबी पर एक नज़र डाली और कहा, "हाँ, और साथ ही मुझे मिलने वाली सबसे बड़ी मकड़ी भी।"
मैंने मारिया को गले लगाया और छोटी डेनियल के गाल पर चुंबन दिया, फिर अपनी पत्नी की ओर मुड़ा। "तुम जानती हो कि मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी।" “हमें भी आपकी बहुत याद आएगी। जैसा आपके बेटे ने कहा, वैसा ही करना और सुरक्षित रहना, समझे?”
“मैं तुम्हारी बात समझ गया। मैं वादा करता हूँ कि मैं ऊँटों की सवारी नहीं करूँगा। मैं तुमसे प्यार करता हूँ।” मैंने उसे गले लगाया और विमान में सामान लोड करने के लिए उसकी ओर मुड़ गया। चलते हुए मुझे महसूस हुआ कि उसकी निगाहें मुझ पर टिकी हैं, इसलिए मैंने C-141 स्टारलिफ्टर के भीतर समा जाने से पहले उसे आखिरी बार देखा।

दो

गोली
ऐसा लगता है मानो सौ साल पहले की बात हो। मैंने एक प्लाटून लीडर की पीठ थपथपाई, आगे बढ़ने के क्रम में अपनी जगह ली और मोर्टार और मशीनगन की गोलीबारी की आड़ में प्रस्थान रेखा पार कर ली। यह 1987 का वसंत ऋतु का समय था।
मैंने अपना ध्यान उस काम पर केंद्रित रखने की कोशिश की जो हम कर रहे थे, लेकिन मेरा मन बार-बार घर पर डेबी और बच्चों की तरफ भटक रहा था। मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि डेबी और मेरा बिछड़ना कुछ अलग ही था। मुझे ठीक से समझ नहीं आया कि इस बार क्या अलग था, लेकिन अलविदा कहते समय उसने मुझे थोड़ा ज़्यादा कसकर पकड़ रखा था। जब उसने मुझे छोड़ा तो उसकी आँखों में जो भाव थे, वे अब भी मुझे बेचैन कर देते हैं। मैंने खुद को इसके बारे में न सोचने का आदेश दिया।
मैंने ऊपर की ओर देखा और फीके, सूखे आसमान में दो खामोश पक्षियों को चक्कर लगाते हुए देखा; फिर मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और घर पर अपने परिवार के बारे में फिर से सोचने लगा। मेरी आँखें अचानक खुल गईं जब मेरे एक रेंजर मेरे बगल में ज़मीन पर गिर पड़ा और चिल्ला उठा। वह उठा, अपने कीमती हथियार से धूल झाड़ी और अपनी पलटन के साथ आगे बढ़ गया। मैं उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। उसके बाद के घंटों में क्या हुआ, यह मुझे धुंधला सा याद है, लेकिन इसके परिणाम ने एक ऐसा बदलाव शुरू किया जिसने मेरे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया।
मैं 75 वीं रेंजर रेजिमेंट की पहली रेंजर बटालियन की ब्रावो कंपनी का कमांडर था, और हम जॉर्डन में जॉर्डन के रेंजरों को प्रशिक्षण दे रहे थे— शायद इजरायलियों को मारने के लिए। बेशक, कोई भी इस बात को कभी स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन हम जॉर्डन के लोगों को और किसके खिलाफ लड़ने का प्रशिक्षण दे रहे थे?
मुझे अपने रूपांतरण से ठीक पहले की रात अच्छी तरह याद है। मुझे वह रात ऐसे याद है मानो मुझे उसे याद रखना ही था, मानो वह किसी ऐसी चीज़ की शुरुआत थी जो मेरे लिए समय की शुरुआत से ही तय थी। मैं अपने साथियों के साथ लगभग एक

घंटे तक चलकर घाटी के तल पर स्थित एक झुलसी हुई जगह पर पहुँचा, जिसे बातेन अल घोल, यानी शैतान का पेट कहा जाता था। जॉर्डनवासी इसे एक प्रेतवाधित घाटी मानते थे, जहाँ रात में राक्षस लोगों की हत्या करने निकलते थे। अक्सर ऐसा होता था कि डरे हुए जॉर्डन के सैनिकों की चीख-पुकार से नींद टूट जाती थी, जो दिन के उजाले में भी दावा करते थे कि उन्होंने एक राक्षस देखा है। मेरे साथियों और मैंने घबराकर इसे अंधविश्वास मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया, जिससे हमारे जॉर्डनवासी साथी बहुत नाराज़ हुए, जिन्होंने बार-बार हमें यह समझाने की कोशिश की कि यह एक बुरी जगह है। हम अलाव के आसपास चाय पीते हुए रात में होने वाली भूतिया घटनाओं के बारे में मज़ाक करते थे, लेकिन हम उन पर विश्वास नहीं करते थे। हमारे नज़रिए से, अगर उसे मारा नहीं जा सकता, तो उसका अस्तित्व ही नहीं था।
बातेन अल घोल सऊदी अरब से सटे रेगिस्तान में बसी एक उजाड़ और ऊबड़-खाबड़ घाटी थी। यह चांद की सतह जैसी दिखती थी। वहां जीवन का कोई नामोनिशान नहीं था, सिवाय उन तरह-तरह की मकड़ियों के जो रात में अपने छिपने की जगहों से निकलकर ठंडी रेत पर रेंगती थीं। अगर मैं ईश्वर होता और मक्का जाते समय जीवित प्राणियों की आत्माओं को लेने के लिए कोई जगह चुनता, तो यही वह जगह होती। घाटी में एक ऐसी ऊर्जा थी जो आपके विचारों को अनजाने में ही उसकी ओर खींच लाती थी। कुछ दिन वहां रहने के बाद आप सहज महसूस करने लगते थे, और समय बीतने के साथ-साथ आपको उसमें एक वर्जित सुंदरता भी दिखाई देने लगती थी। फिर भी, यह एक अपवित्र जगह थी। यहां कुछ बुराई थी, कुछ ऐसा जिसे मैंने कदम रखते ही पहचान लिया था। मैं ऐसा सोचने वाला अकेला नहीं था, फिर भी हममें से कोई भी इसका सटीक कारण नहीं बता पाया।
आज शाम मैं जॉर्डन के एक कर्नल, जॉर्डन रेंजर बटालियन के कमांडर, को अपने सैनिकों से घाटी, उनके धर्म और इस्राइलियों के प्रति उनकी घृणा के बारे में बात करते हुए सुनने जा रहा था। कर्नल हमारे मेज़बान थे, और हालाँकि मुझे उनका नाम याद नहीं है, लेकिन उनके बारे में बाकी सब कुछ याद है। वे कद में छोटे और हट्टे-कट्टे थे, अपने देश पर गर्व से भरे हुए थे और उससे भी अधिक संतुष्ट थे कि वे अपने देश के इकलौते रेंजर बटालियन कमांडर थे। वे इस्राइलियों से घृणा करते थे और उन्हें मारने की बात कहने में ज़रा भी संकोच नहीं करते थे। सैनिक बनने का उनका जुनून हममें से किसी के भी बराबर

था—और यह दुर्लभ है, ऐसा व्यक्ति मिलना जो एक सैनिक होने से उतना ही प्यार करता हो जितना कि एक आर्मी रेंजर करता है।
हम 260 लोग एक बंजर ऊँची ज़मीन पर इकट्ठा हुए, जो एक प्राकृतिक रंगमंच जैसा था। कर्नल का मंच रेल पटरी का एक हिस्सा था जो आधा रेत में दबा हुआ था और दशकों पहले छोड़ दिया गया था। यह वही पटरी थी जिसे लॉरेंस ऑफ अरबिया के कुख्यात खानाबदोश गुरिल्ला उड़ा देते थे, जिसे तुर्कों के ठेके पर जर्मनों ने बनाया था। पटरी का यह भुला हुआ हिस्सा बस थोड़ी देर के लिए ही सतह पर आता था, ताकि सांस ली जा सके और फिर पवित्र शहर मक्का जाने वाली प्राचीन सड़क—हज मार्ग—से मिलता था।
जैसे ही सूरज आँखों से ओझल हुआ, घाटी और उसमें बसे सभी लोगों पर एक अद्भुत लालिमा छा गई। सूर्यास्त के कई घंटों बाद तक, कर्नल ने हम गंदे चेहरों वाले और सख्त मिजाज लोगों के समूह को मुस्लिम धर्म की बारीकियों के बारे में उपदेश दिया। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद के जीवन, कुरान और एकमात्र सच्चे ईश्वर, जिसे वे अल्लाह कहते थे, के स्वरूप के बारे में बताया। उन्होंने हमें इस्लाम के पाँच स्तंभों के बारे में बताया: धर्म की प्रतिज्ञा दोहराना, या शहादत; दैनिक नमाज़, या सलाह; गरीबों के साथ संपत्ति बाँटना, या ज़कात; उपवास, या उपवास; और तीर्थयात्रा, या हज। जब कर्नल मुस्लिम धर्म की विभिन्नताओं, उसके सुन्नी और शिया संप्रदायों के बारे में बता रहे थे, तब मेरे साथियों के चेहरे भावहीन बने रहे। इस्लाम के प्रसार के बारे में बताते हुए वे प्रसन्न हुए और फिर यह बताते हुए क्रोधित हो गए कि उनके लोग फिलिस्तीन को अपना जन्मसिद्ध अधिकार क्यों मानते हैं। लेकिन उनका सबसे भावपूर्ण क्षण तब आया जब उन्होंने अल्लाह के बारे में बात की, कि उन्हें उसे जानने का सौभाग्य प्राप्त है और उन्हें कितना विश्वास है कि वह शांति और युद्ध दोनों में उनकी रक्षा करता है। उस टिप्पणी पर समूह में कुछ लोगों ने सहमति में सिर हिलाया, जो एक रेंजर के नज़रिए से तालियों की गड़गड़ाहट के समान था। और इस तरह, इस ऐतिहासिक लेकिन भयावह स्थल पर मैंने उस दुनिया में अपने अंतिम घंटे बिताए जिसे मैं जानता था।
अगली सुबह, अधिकारियों और गैर-कमीशन अधिकारियों की नियमित व्यावसायिक बैठकें समाप्त होने के बाद, मैं अपने बटालियन कमांडर, कर्नल कीथ नाइटिंगेल के साथ कैंटीन में चाय पीने गया। चाय हमारा रोज़ का पेय नहीं था, बल्कि जॉर्डनवासियों के साथ रहने के दौरान हमने इसे अपना लिया था। उनके लिए यह

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की विरासत थी, एक ऐसी चीज़ जिससे वे दशकों पहले जब आखिरी ब्रिटिश झंडा उनकी धरती से गया था, तब से छुटकारा नहीं पा सके थे। हमारे लिए यह बस अच्छी थी, हमारे राशन में मिलने वाली इंस्टेंट कॉफी से कहीं बेहतर। इस देश की हर चीज़ की तरह, चाय भी धीरे-धीरे पसंद आने लगती है। कर्नल नाइटिंगेल एक लंबे, दुबले-पतले व्यक्ति थे, जिनकी प्रतिभा का कोई मुकाबला नहीं। आप शायद किसी तरह से उनसे बेहतर सैनिक हों, लेकिन उनकी बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला नहीं। वे मेन्सा के सदस्य थे, इस पर उन्हें गर्व था और वे बेहद साधन संपन्न थे। वे एक उत्कृष्ट शिक्षक थे और सैन्य इतिहास का पाठ पढ़ाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते थे। अधिकांश पढ़े-लिखे सैन्य नेताओं की तरह, उनके पास हर सामरिक स्थिति के लिए एक किस्सा होता था। निर्देश देने के भरपूर अवसर होते थे, और अगर उनके रेंजर्स सुनने में व्यस्त होते, तो वे जॉर्डनियों के पास जाकर उन्हें एक-दो व्याख्यान दे देते थे।
हमने चाय पी और डेढ़ मील चलकर प्रशिक्षण स्थल पर पहुँचे। प्लाटून लीडर, फर्स्ट लेफ्टिनेंट केविन ओवेन्स और उनके जवानों ने लक्ष्य स्थल पर बने चार दुश्मन बंकरों को अंतिम रूप दे दिया था। कुछ ही घंटों में जॉर्डन रेंजर्स की दो टुकड़ियों से लैस एक रेंजर प्लाटून अपने सभी हथियारों के साथ उस पर हमला करने वाली थी। उनकी दृढ़ता, सटीकता और अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष गोलाबारी से लक्ष्य को व्यवस्थित रूप से नष्ट करने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। दुश्मन सैनिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए लक्ष्य संभावित रूप से घातक गोली लगने पर गिर जाएँगे, या केवल घायल होने या चूक जाने पर अपनी जगह पर बने रहेंगे। हमलावर नेतृत्व को बिना पूर्वाभ्यास के पूरे अभियान का संचालन करना होगा, और सामने आने वाली प्रत्येक सामरिक स्थिति के अनुसार खुद को ढालना होगा।

कर्नल नाइटिंगेल और मैं वहां खड़े थे, हमारे अंगूठे हमारी वेब बेल्ट में फंसे हुए थे।
“यह अच्छा दिख रहा है, केविन।” मैंने हेलमेट के नीचे से मुस्कुराते हुए कहा। “यह वाकई बहुत अच्छा दिख रहा है।” और सच में ऐसा ही था। उसकी पलटन ने पाँच बंकरों वाला एक लक्ष्य बनाया था, जिसमें स्वचालित हथियार, खाइयाँ,

कंटीले तार और बारूदी सुरंगें लगी हुई थीं। इसे सही और सुरक्षित तरीके से नष्ट करना मुश्किल होगा।
"चलिए ऊपर जाकर इस मोर्टार की गतिविधि देखते हैं," नाइटिंगेल ने लक्ष्य से लगभग पचास मीटर दूर एक छोटी सी पहाड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा।
मोर्टार प्लाटून निशाने पर गोले दाग रही थी—यानी, वे यह सुनिश्चित करने के लिए लक्ष्य पर गोले गिरा रहे थे कि गोला निशाने पर ही लगे, न कि बंकरों की ओर बढ़ते हुए अपने ही सैनिकों को। अचानक, धड़ाम! मोर्टार का एक गोला अपने निशाने से काफी दूर जा गिरा, जिससे छर्रे हमारे सिर के पास से गुज़रे। नाइटिंगेल और मैंने घबराकर एक-दूसरे को देखा और कंधे उचका दिए। हमें अजीब और बहुत मूर्खतापूर्ण महसूस हुआ। यह इतनी तेज़ी से हुआ कि प्रतिक्रिया करने का समय ही नहीं मिला, लेकिन क्या हमें छिपने के लिए भागना नहीं चाहिए था, या झुक जाना नहीं चाहिए था, या कुछ और करना चाहिए था? इसके बजाय हम बस वहीं खड़े रहे, कोशिश करते हुए कि घबराए हुए न दिखें। शायद यह एक अपशगुन था।
कुछ घंटों बाद एक युवा रेंजर प्लाटून लीडर को हमले का आदेश मिला; वह साठ सैनिकों के साथ प्रस्थान रेखा पार कर गया, और मैं उसके पीछे-पीछे चला। सूरज तेज़ चमक रहा था, घाटी और उसमें मौजूद हर चीज़ तप रही थी। नमकीन पसीने से तरबतर मेरी आँखों में जलन हो रही थी, जबकि छोटी-छोटी काली मक्खियाँ मेरे शरीर के हर छिद्र को परेशान कर रही थीं। हथियारों, गोला-बारूद और रेडियो के भारी बोझ के बावजूद, चलना और उन मक्खियों से बचने की कोशिश करना लगभग सुखद लग रहा था।
प्लाटून लीडर सावधानी से आगे बढ़ रहा था, ऐसे रास्ते चुन रहा था जो उसके सैनिकों को दुश्मन से छुपकर रखें। मोर्टार के गोले लक्ष्य पर गिर रहे थे, जिससे धुआँ, छर्रे और बंकरों के टुकड़े हवा में उड़ रहे थे। जैसे-जैसे वह करीब पहुँच रहा था, प्लाटून लीडर ने रेडियो पर चिल्लाकर अपने सपोर्ट पोजीशन से गोलीबारी शुरू करने का आदेश दिया। छह मध्यम मशीनगनों ने अपनी गोलियों से हवा को चीर दिया, इतनी ज़ोर से कि कई बंकरों के लकड़ी के बीम दबाव से टूट गए और अंदर मौजूद लोग कुचल गए। ट्रेसर गोलियाँ चट्टानों और बंकरों से टकराकर हर दिशा में फैल गईं, और लक्ष्य के चारों ओर फैले धुएँ में घुल गईं। हवा हथियारों की गूँज और बारूद की गंध से गूंज रही थी। एक योद्धा की नज़र में, यह शानदार था!

मैं प्लाटून लीडर के पीछे-पीछे चलने लगा और लक्ष्य के बाएँ हिस्से पर हमला करते हुए उसे ध्यान से देखता रहा। उसका इरादा था कि वह बाएँ किनारे वाले बंकर को नष्ट करे और फिर अपनी मशीनगनों से सुरक्षा प्रदान करते हुए बाकी सभी बंकरों को एक-एक करके ध्वस्त कर दे। यह एक मानक तकनीक थी, जिसका उसने वाशिंगटन राज्य के पहाड़ों और मध्य अमेरिका के जंगलों में कई बार इस्तेमाल किया था। उसने तोपों को अपने से दूर हटने का संकेत दिया, ताकि पहले बंकर को छोड़कर बाकी बचे बंकरों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। इससे उसके सैनिकों को बारी-बारी से हर बंकर को साफ़ करने का मौका मिल जाता, और उनके सामने से एक-एक बंकर पर गोलीबारी होती रहती, जब तक कि कोई बंकर न बच जाए। उसने तोपों को दोबारा निशाना बनाने का संकेत देने के लिए अपने पीछे एक पीले धुएँ का कनस्तर फेंका, और उन्होंने ऐसा ही किया—सिर्फ़ एक को छोड़कर बाकी सभी बंकर नष्ट हो गए।
जॉर्डन की एक तोप गलत दिशा में मुड़ गई और हमलावर दस्ते की ओर चल पड़ी, जिससे पत्थर और धूल उड़ने लगी और रेंजर्स ने छिपने के लिए जमीन पर लेटकर जान बचाई। लोग इधर-उधर भागने लगे। आखिरी चीज जो मैंने देखी, वह थी प्लाटून लीडर का रेडियो पर तोपों को ऊपर उठाने का आदेश देना, और फिर सब कुछ अंधेरा हो गया।

मानो कोई और दिन हो, कोई और साल हो, कोई और जगह हो, यह अंधेरा धीरे-धीरे सफेद धुंध में घुल गया। मुझे अच्छी तरह याद है कि उस पल तक मैं क्या कर रहा था, मुझे कुछ पता नहीं था। ऐसा लगा जैसे कोई चैनल बदल गया हो और अचानक मैं इस अंतहीन सफेद धुंध में खड़ा था। मुझे अपने शरीर, अपने हाथों या पैरों का कोई एहसास नहीं था; मुझे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था। लेकिन मुझे इतना एहसास था कि मैं सीधा खड़ा हूँ। मैंने चलने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मैं बस वहीं खड़ा रहा, लकवाग्रस्त और भ्रमित।
कुछ ही पलों में मेरे चारों ओर का कोहरा छंटने लगा और धीरे-धीरे मेरा परिवेश दिखाई देने लगा। मैं घास से ढकी एक पहाड़ी की तलहटी में खड़ा था और अपने कंधों पर सूरज की गर्मी महसूस कर रहा था। मैंने नीचे खुद को देखा और पाया कि मैं पूरी तरह नग्न था, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। एक हल्की हवा मेरे चेहरे को छू गई। पहाड़ी की चोटी पर लोगों का एक छोटा समूह खड़ा था, शायद आठ या बारह। वे सभी एक जैसे सफेद, लंबे, बहने वाले वस्त्र

पहने हुए थे। मैं वहाँ हिलने-डुलने में असमर्थ खड़ा रहा, लेकिन देखता रहा कि उनमें से एक ने पहाड़ी से नीचे मेरी ओर देखा। उसका चेहरा दयालु, भावहीन था और वह लगभग तुरंत ही दूसरी ओर मुड़ गया। फिर वह मेरी ओर मुड़ा और इस बार मुझे समूह के पास आने का इशारा किया। पहली बार मैं अपने अंगों को महसूस कर सका और किसी अजीब तरीके से पहाड़ी की चोटी की ओर बढ़ा। जैसे ही मैं पास पहुँचा, घेरा खुल गया और मुझे उस व्यक्ति ने अंदर आने का इशारा किया जिसने मुझे बुलाया था। जैसे ही मैं अंदर गया, घेरा मेरे पीछे बंद हो गया और मैं उसके केंद्र में अकेला और नग्न खड़ा रहा, मानो अनंत काल तक। अंत में, मेरे पीछे से एक मधुर लेकिन प्रभावशाली आवाज आई; मुड़कर देखा तो पाया कि यह वही व्यक्ति था जिसने मुझे इशारा किया था।
“स्वागत है, डेविड। हम आपका ही इंतजार कर रहे थे।”
“क्या हो रहा है?” मैंने कांपती हुई आवाज में कहा। “मैं कहाँ हूँ?”
किसी ने जवाब नही दिया।
मैंने पूछा, “क्या तुमने मुझे सुना नहीं? मैं यहाँ क्यों हूँ?”
हमने आपको निर्देश देने के लिए फोन किया था।
“निर्देश? किस बारे में निर्देश? तुम लोग हो कौन?”
“हम कौन हैं, यह मायने नहीं रखता। हमने आपको यहाँ इसलिए बुलाया है ताकि आप यह जान लें कि आपने दुनिया में जो करने का फैसला किया है, वह गलत है।” “गलत? क्या गलत है?” मैं उलझन में था, गुस्से में था और बुरी तरह डरा हुआ था। “तुम ये सब क्या बकवास कर रहे हो?”
“तुम्हारा चुनाव गलत है। शांति का मार्ग अपनाओ। शांति का उपदेश दो, और शांति का मार्ग तुम्हें स्वयं प्रकट हो जाएगा। तुमने मृत्यु का स्वाद चख लिया है… अब जीवन प्रदान करो। हम सदा तुम्हारे साथ रहेंगे।”
मेरे सिर में एक तीखी आवाज़ गूंज उठी, एक ऐसी झनझनाहट जिससे मैंने अपने कान हाथों से ढक लिए। मेरी आँखों में जलन होने लगी और मेरे घुटने कांपने लगे। आँखें थोड़ी देर के लिए खोलीं तो मुझे एहसास हुआ कि सूरज और हवा गायब हैं और एक अजीब सा कोहरा फिर से मुझे घेर रहा है। कोहरे पर हवा का कोई असर नहीं हुआ, फिर भी वह मुझे और पहाड़ी को ऐसे घेरे हुए था जैसे हम किसी तूफान के केंद्र में हों। हवा इतनी घुटन भरी और भारी थी जैसे मौत हो। मैंने बोलने की कोशिश की, चीखने की कोशिश की, लेकिन मेरे मुंह से कुछ नहीं निकला। मैं बस दर्द से तड़पता हुआ वहीं पड़ा रहा, अकेला और इतना डरा हुआ कि शब्दों में

बयान नहीं किया जा सकता। कोहरा फिर से मेरे चारों ओर फैल गया, पहाड़ी को मेरी नज़र से ओझल कर दिया, और कुछ ही पलों में चारों ओर घना अंधेरा छा गया।

जब मेरी आंखें खुलीं, तो मैंने देखा कि मेरे सामने पसीने से लथपथ चेहरा प्राइवेट फर्स्ट क्लास शेरिडन का था, जो प्लाटून लीडर का रेडियो ऑपरेटर था।
“हे भगवान! महोदय,” उसने मुझसे चार इंच की दूरी से आँखें सिकोड़ते हुए कहा। “क्या आप ठीक हैं? आपके सिर में गोली लगी है।”
“धत् तेरे की!” मैं चीख उठा, और सहज ही छेद ढूंढने के लिए हाथ बढ़ाया। मैंने अपने सिर और चेहरे को कई बार थपथपाया, यह उम्मीद करते हुए कि मेरे हाथ खून से सने होंगे। जब ऐसा कुछ नहीं था, तो मैं ज़मीन में धंस गया और मेरे शरीर से तनाव दूर हो गया। सूरज की रोशनी में देखा तो पाया कि कई नए चेहरे मुझे घूर रहे थे।
"तुम्हारा मतलब क्या है, मेरे सिर में गोली लगी है?"
“खैर, तुम्हारे सिर में नहीं, तुम्हारे हेलमेट में,” उसने माफी मांगते हुए जवाब दिया। “हेलमेट में ही लगी है, देखा?” सिपाही ने मेरा केवलर हेलमेट मुझे पकड़ाया और शरमाते हुए मुस्कुराते हुए छलावरण कवर में एक बड़े छेद की ओर इशारा किया। मैंने उससे हेलमेट छीन लिया और छेद में देखा। वाकई, एक गोली मेरी दाहिनी आंख से एक इंच ऊपर लगी थी और हेलमेट में गहराई तक धंस गई थी। प्लाटून लीडर ने कहा, "लगता है गोली टकराकर वापस आई होगी।"
“हाँ,” बाकी लोगों में से एक ने कहा। “सीधा निशाना लगता तो आर-पार हो जाता… है ना?” उसने अपने समर्थकों की तलाश में चारों ओर देखा, जिनमें से अधिकतर ने केवल कंधे उचका दिए।
कुछ ही मिनटों में, कंपनी कमांडर के सिर में गोली लगने की अफवाह पूरी पलटन में फैल गई। ऐसा लग रहा था कि वहाँ मौजूद हर कोई मुझे ज़िंदा देखकर हैरान था, और सैनिकों, खासकर रेंजर्स के बीच हमेशा की तरह, मज़ाक शुरू हो गए। मेरे लड़खड़ाते हुए उठने के बीस मिनट भी नहीं बीते थे कि एक सार्जेंट ने एक स्नाइपर को सिर पर सटीक निशाना चूकने के लिए फटकार लगाई।
“देखते हैं कि गोली सीधी लगी थी या नहीं,” प्लाटून सार्जेंट रिकेट्स ने कहा, जो एक मिलनसार, मुस्कुराते हुए, देहाती स्वभाव के व्यक्ति थे और लंबे समय से रेंजर्स में थे। उन्होंने विनम्रता से मुझसे हेलमेट लिया और अपनी

हमने खाना खत्म किया और चाय पीने और बातचीत करने के लिए अपने-अपने कैंपों में चले गए। मेरे अधिकारी और मैं शॉर्टवेव रेडियो पर बीबीसी सुन रहे थे, दुनिया भर की खबरें और शायद घर की एक-दो कहानियां सुनने की कोशिश कर रहे थे। प्रसारण खत्म होते ही हर कोई रात के अंधेरे में अपने-अपने प्लाटून और टेंट की ओर चल पड़ा। मैं घाटी के उस पार देखता रहा, मौत के मुंह से बाल-बाल बचने के अपने अनुभव पर विचार करता रहा, धुंध, पहाड़ी और उस पर खड़े अजीब प्राणियों की छवि को समझने की कोशिश करता रहा। उनका संदेश—आखिर क्या रहा होगा? "शांति का उपदेश दो" का क्या मतलब था? क्या यह कोई सपना था, या मेरे दिमाग में बसी कोई बेतरतीब छवि?
मैंने धीरे से अपने सिर के दर्द वाले हिस्से को छुआ और पाया कि सूजन कम हो गई थी। घाटी पर आखिरी नज़र डालकर मैं कमांड पोस्ट के तंबू में घुस गया और लाशों के बीच की खाली जगह ढूंढ ली, जहाँ मैं सोने वाला था। हमें नहाए हुए सैंतालीस दिन हो गए थे, और तंबू में लाशों और मीथेन की बदबू फैली हुई थी। मैंने अपना सिर एक लुढ़के हुए पोंचो पर रखा, आँखें बंद कीं और घर, डेबी और बच्चों के बारे में सोचने लगा।

रात के किसी समय मेरी आँखें तंबू के बाहर एक अवास्तविक रोशनी से खुलीं। मुझे लगा कि कोई रसोइया नाश्ते और सुबह की चाय के लिए गैस स्टोव जला रहा होगा। उठकर मैं अपने सोए हुए साथियों के ऊपर से रेंगता हुआ रात की ताज़ी हवा में बाहर निकला। वह रोशनी—ग्रहण लगे सूर्य की रोशनी जैसी—किसी स्टोव से नहीं आ रही थी। उसने रात के आकाश को भर दिया था। पूरा बातेन अल घोल और उसके पार की पहाड़ियाँ उस अजीब नीले-भूरे रंग की रोशनी में रंगी हुई थीं; मैं चट्टान के किनारे तक गया और घाटी में देखने लगा। अँधेरी आकृतियाँ बिना किसी प्रयास के घाटी की सतह पर चल रही थीं, मानो कोई प्रेत हों। वे चट्टानों से अलग-अलग ढेरों और आकृतियों में निकलकर तंबुओं के समूहों के बीच घूम रही थीं। मुझे जॉर्डन के शिविर से दबी हुई चीखें सुनाई दे रही थीं, और क्षण भर के लिए मुझे लगा कि हम पर चोरों या शायद इजरायलियों ने हमला कर दिया है।
घबराकर मैं मदद के लिए भागने लगा। एक आकृति से टकराते ही मैंने अनायास ही अपनी आँखें बंद कर लीं—लेकिन मैं टकराया नहीं। मैं उसके आर-पार निकल गया।
मुड़कर देखा तो वह आकृति चट्टान के किनारे से नीचे गायब हो गई।

भय से व्याकुल होकर, मुझे लगा कि मैं फिर से अपना मानसिक संतुलन खो रहा हूँ। मैंने अपने सिर पर उभरी गांठ को छूने की कोशिश की, लेकिन वह गायब थी। मैं कांपते हुए घुटनों के बल गिर पड़ा और बोलने या शायद प्रार्थना करने की कोशिश की, लेकिन मेरी आवाज़ नहीं निकली। मैं बेहोश हो गया।

सूरज की तेज किरण से मेरी आंखें खुल गईं और मुझे सिर पर उभरी गांठ का दर्द महसूस हुआ। हे भगवान, कितना भयानक सपना था! मैंने सोचा और तंबू से बाहर निकलकर लड़खड़ाते हुए चाय के लिए रसोइए के तंबू की ओर बढ़ा।
“तुम्हारा सिर कैसा है?”
ये बटालियन के सर्जन, डॉ. मेलिन थे। डॉ. एक दिलचस्प शख्स थे, एक डॉक्टर जिन्होंने रेंजर्स में ड्यूटी के लिए स्वेच्छा से काम किया था, लेकिन फिर भी हमेशा ही बेमेल लगते थे। वे अपने पूर्ववर्ती की तरह शारीरिक रूप से तगड़े नहीं थे, और यही बात उन्हें और भी प्रेरित करती थी। उन्हें अपना काम पसंद था, और उनके चेहरे पर हमेशा रहने वाली मुस्कान से यह बात सबको पता चल जाती थी।
मैंने उस जगह को रगड़ते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह ठीक है।"
“चलो, मैं तुम्हें एक कप चाय पिलाता हूँ।” हमने रसोइयों द्वारा तैयार किए गए चाय के कड़ाहे में अपने पानी के कप डुबोए और बैठ गए।
“चलिए इसे देखते हैं,” उसने कहा और बेरहमी से उस गांठ को कुरेदा। हर बार जब उसने उसे कुरेदा तो मैं सहम गया।
“धिक्कार है, क्या तुम्हें इसे इस तरह कुरेदना ज़रूरी है? अगर तुम जानना चाहते हो कि दर्द होता है या नहीं, तो जवाब है हां,” मैंने उसका हाथ हटाते हुए कहा।
“क्या आपको कल रात सोने में कोई परेशानी हुई? कोई बेचैनी, दर्द, या ऐसी कोई और समस्या?”
मैंने एक पल के लिए अपने अजीब अनुभवों के बारे में बताने से पहले सोचा। लेकिन अगर एक पल के लिए भी डॉक्टर को लगा कि मैं मतिभ्रम का शिकार हो रहा हूँ... तो समझो मेरा काम तमाम हो गया। रेंजर बटालियन में, सैनिक गोला-बारूद की तरह ही आसानी से बदले जा सकते हैं, और जब अंतिम निर्णय की बात आती है, तो आप चले जाएंगे और आपकी जगह कोई उपयुक्त "स्वस्थ" व्यक्ति ले लेगा, इससे पहले कि आपको कोई याद भी करे।

“नहीं, कुछ भी असामान्य नहीं हो रहा है… बस थोड़ा दर्द है, बस इतना ही। मैं ठीक हो जाऊँगा, बस मोट्रिन लेते रहिए।”
"सुप्रभात!" हमारे पीछे से एक आवाज़ आई। नाइटिंगेल चाय का कप लेते हुए बोले, "हमें कल के बारे में बात करनी है। क्या मैं डेबी को फ़ोन कर दूँ? हम रेजिमेंट को सूचित कर सकते हैं और रेजिमेंटल एडजुटेंट उसे फ़ोन करके सारी जानकारी दे सकते हैं।"
मैंने डॉक्टर की ओर देखते हुए एक पल सोचा। “नहीं, यह बहुत जोखिम भरा है, महोदय। आप जानते ही हैं क्या होता है। संदेश गड़बड़ा जाएगा और चौबीस घंटे बाद डेबी सोचेगी कि वह विधवा हो गई है।” हम सब हंस पड़े।
“तुम सही कह रहे हो,” नाइटिंगेल ने कहा। “मुझे लगता है जब तक तुम ज़िंदा हो, हम इसे चुपचाप ही रखेंगे।” वह एक पल के लिए रुका और अपने प्याले की तलहटी में जमी मिट्टी को घूरने लगा। “खैर, आज बड़ा दिन है। मुझे लगता है मैं तुम्हें फिर से काम पर लगा देता हूँ।”
“रेंजर आगे चलें, महोदय।” नाइटिंगेल के जाते ही मैं और डॉक एकदम सावधान मुद्रा में खड़े हो गए।
“पूरे रास्ते!” उसने कहा और पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।
उस गोली के निशाने पर आने के कई दिनों बाद, हम ट्रकों पर सवार होकर जॉर्डन के पश्चिमी छोर पर स्थित एक नए प्रशिक्षण स्थल तक लंबी पैदल यात्रा पर निकल पड़े। हमने वादी मूसा या मूसा की घाटी नामक घाटी के मुहाने से काफी ऊपर एक पथरीली पहाड़ी पर डेरा डाला। यह इलाका ज्यादातर हरे-भरे खेतों से घिरा हुआ था, जिसके तीन तरफ चिकने गोल पत्थरों और विरल वनस्पतियों के पहाड़ थे। कहा जाता है कि यह वही स्थान है जहाँ मूसा ने पानी निकालने के लिए चट्टान पर प्रहार किया था। उस घटना की याद में उस स्थान पर एक छोटी मस्जिद जैसी इमारत बनाई गई थी, और स्मारक के अंदर आपको एक ऐसी चट्टान मिलेगी जिसके नीचे से पानी बहता है। ऐसा लगता है मानो सदियों से इस पर कई बार बिजली गिरी हो। मैंने एक बार इससे पानी पिया और पानी से एक छोटा पत्थर निकालकर अपनी जेब में सुरक्षित रख लिया। ऐसा करने पर मुझे खुद पर हंसी आई, लेकिन मैंने सोचा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए... कोई कुछ कह नहीं सकता। इस पहाड़ी पर तेज़ और लगातार हवा चल रही थी, जिससे शिविर स्थल पर हालात किसी तरह असहनीय थे। स्थिति और भी खराब इसलिए थी क्योंकि घाटी में स्थित प्रशिक्षण स्थल तक पहुँचने के लिए एक लंबी ट्रक यात्रा करनी पड़ती थी, जो

एक खड़ी, घुमावदार, एक लेन वाली सड़क थी जिसमें बत्तीस मोड़ थे। दिन में दो बार की इन यात्राओं को दिलचस्प बनाए रखने वाली बात यह थी कि हमें लाने-ले जाने के लिए जॉर्डन के ट्रकों का इस्तेमाल किया जाता था। सच कहें तो, उनकी हालत बहुत खराब थी। उनमें से कुछ तो पेंच और बोल्ट की जगह टेप और तार से ही जुड़े हुए थे।
मनोबल और उत्साह बनाए रखने के लिए, कर्नल नाइटिंगेल और मैंने पूरी कंपनी के लिए प्राचीन शहर पेट्रा की यात्रा की योजना बनाई, जो मूसा की चट्टान से बहने वाली धारा के तल पर स्थित है। मार्च के एक धूप भरे दिन, हम कंपनी को एक संकरे रास्ते के प्रवेश द्वार तक ले गए, जिसे सेठ कहा जाता है और जो पर्यटकों को पेट्रा शहर में ले जाता है। हमने पूरा दिन खंडहरों में घूमते हुए और यह सोचते हुए बिताया कि ऐसे किले की रक्षा करना या उस पर हमला करना कैसा रहा होगा। यह भव्य था, और मैंने तब से ऐसा कुछ नहीं देखा है।
मैं समूह से अलग होकर शहर से काफी ऊपर एक स्थान पर पहुँचा, जिसे 'हाई प्लेस' कहा जाता था। पेट्रा के बारे में मैंने जो कुछ भी पढ़ा था, उससे यही पता चलता था कि सदियों से यहाँ विभिन्न देवताओं को मनुष्य और पशु बलि चढ़ाए जाते थे। एक विशाल स्तंभ इस पवित्र स्थान की पहचान था, और इस ऊँचाई से नीचे मृतकों का शहर फैला हुआ था, जो पेट्रा की बलुआ पत्थर की घाटी की दीवारों में खुदे हुए अनगिनत छोटे-छोटे कमरों और आवासों का एक समूह था। यह पेट्रा के निवासियों द्वारा अपने मृतकों के लिए एक विशेष विश्राम स्थल के रूप में बनाया गया एक पूरा शहर था। जॉर्डन के कई स्थानों की तरह, इसे भी स्थानीय लोगों द्वारा प्रेतवाधित घोषित किया गया था, एक ऐसी जगह जहाँ अंधेरा होने पर दूर रहना चाहिए।
तेज़ हवा से छोटे-छोटे पत्थर और धूल उड़कर मेरे चेहरे पर पड़ रहे थे। तभी मुझे एहसास हुआ कि कोई मुझे देख रहा है। वहाँ, ओबिलिस्क के पास वही प्राणी था जिसे मैंने पहले दर्शन में देखा था, वही जिसने पहाड़ी की चोटी से मुझसे बात की थी। वह पचास फीट की दूरी से मुझे घूर रहा था, उसके सफेद वस्त्र हवा में लहरा रहे थे। मैंने अपना सिर ऊपर उठाया और उसकी आँखों में सीधे देखा, और ऐसा लगा जैसे अनंत काल तक देखता रहा।
वह मुस्कुराया, मानो कोई बात समझ रहा हो। “शांति की तलाश करो… और उसके शिक्षक बनो,” उस मनमोहक आवाज़ ने कहा। फिर उसने हल्का सा सिर हिलाया और ओबिलिस्क के पीछे ओझल हो गया। मैं दौड़ा ताकि ओबिलिस्क के पीछे देख सकूँ—

बटालियन के पादरी कैप्टन जॉर्ज डफी थे। डफी और मैं हमेशा एक-दूसरे का साथ देते रहे थे—यानी, मैं अपने साथियों को उनकी प्रार्थना सभाओं में आने के लिए प्रोत्साहित करता था और जब भी मुझे ज़रूरत होती, वे मुझे अच्छी सलाह और मार्गदर्शन देते थे। मुझे अब उनकी ज़रूरत थी। हम हैंगर के पीछे साथ बैठे, एक के बाद एक उतरते और अपने पार्किंग स्थलों तक जाते हुए उन सी-141 स्टारलिफ्टर विमानों को देख रहे थे जो हमें घर ले जाने वाले थे। हम शाम ढलने के काफी देर बाद तक घर, पत्नियों और अपने अकेले साथियों के बारे में अनौपचारिक बातें करते रहे। मैंने अपने सवाल पूछने के लिए कोई जगह ढूंढने की कोशिश की, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, डफी तेज़ी से बोलने लगे और हर गुजरते मिनट के साथ एक शब्द भी बोलना मुश्किल होता गया। आखिरकार, मैं भी बीच में कूद पड़ा।
"मुझे पता है कि तुम भगवान में विश्वास करते हो, डफ, और मुझे लगता है कि तुम स्वर्गदूतों में भी विश्वास करते हो, लेकिन क्या तुम भूतों और राक्षसों में भी विश्वास करते हो?"
डफ कुछ सेकंड तक बड़बड़ाता रहा जब तक कि उसे सवाल समझ नहीं आया। वह लगभग पाँच सेकंड के लिए चुप हो गया और मेरी तरफ देखकर उसके चेहरे पर अब तक की सबसे बड़ी मुस्कान थी। जब उसने देखा कि मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ, तो वह ज़ोर से हँस पड़ा और बातचीत वहीं से शुरू कर दी जहाँ उसने छोड़ी थी। मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "इसमें इतनी हंसी वाली बात क्या है? मुझे पता है कि तुमने यह सवाल पहले भी कई बार सुना है, तो फिर इतनी हंसी क्यों आ रही है?"
"मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं ये बात तुमसे सुनूँगी, बस इतना ही। मतलब, ये वो विषय नहीं है जिस पर हम आमतौर पर बात करते हैं, है ना?"
“नहीं, ऐसा नहीं है…। लेकिन कुछ बातें हुई हैं…” मैंने कुछ ऐसा कहने से पहले ही रुक गया जिसके लिए मुझे बाद में पछतावा होता। “बस मैं इस बारे में आपकी राय जानना चाहता हूँ।”
उसने अपनी टोपी उतारी और अपने सिर के ऊपरी हिस्से को खुजलाया। “अगर मैं ईश्वर और उसके साम्राज्य में, और उसके स्वर्गदूतों में विश्वास कर सकता हूँ, तो मुझे लगता है कि मुझे दूसरी टीम में भी विश्वास करना होगा। है ना?” “शायद,” मैंने उत्तर दिया। “लेकिन इसका मतलब यह है कि आप केवल मनुष्य द्वारा परिभाषित अच्छे और बुरे में विश्वास करते हैं—आप मानते हैं कि

ईश्वर और उसके दूत हैं, और शैतान और उसके दूत हैं, इससे अधिक या कम कुछ नहीं। क्या यह सही है?”
"हां, मैं इसे इसी तरह देखता हूं। मेरा मतलब है, उन्होंने सेमिनरी में किसी अन्य विकल्प पर कक्षाएं नहीं दीं।"
"क्या आपको नहीं लगता कि इसके पीछे कुछ और कारण हो सकता है?"
"कैसा?"
"शायद कुछ बीच का, या शायद कुछ समानांतर?"
डफ ने मुझे ध्यान से देखा और फिर हंस पड़ा। "तुम मुझे सचमुच डरा रहे हो, जानते हो ना?" उसने अविश्वास से सिर हिलाया। "तुम कब से दार्शनिक बन गए?" “देखिए, मैं खुद को दार्शनिक नहीं कहता। मेरा मानना है कि धर्म द्वारा निर्धारित परिभाषाओं के अलावा भी कुछ और होना चाहिए। आखिर हर चीज अच्छी या बुरी, काली या सफेद ही क्यों होनी चाहिए?”
क्योंकि इस संसार में हर चीज़ का यही स्वभाव है। अच्छाई है, और अच्छाई के साथ बुराई भी है। विरोध होना ही चाहिए, वरना अच्छाई नहीं हो सकती। फिर तो उसका कोई उद्देश्य ही नहीं रह जाएगा, क्या आप नहीं समझते?
“नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। क्या आप मुझे यह बता रहे हैं कि अच्छाई और बुराई संतुलन के लिए मौजूद हैं?”
“संतुलन नहीं… चुनाव,” उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। “ये इसलिए मौजूद हैं ताकि आपके पास चुनाव करने का विकल्प हो। आप एक पादरी से बात कर रहे हैं,”— वे मुस्कुराए—“इसलिए मैं आपको बताऊँगा कि मोक्ष केवल अच्छाई की खोज में ही निहित है। लेकिन अगर आप चाहें तो दूसरा रास्ता भी मौजूद है। लोग इसे हर दिन अपनाते हैं।”
“अच्छा, मैं अभी एक फैसला ले रहा हूँ,” मैंने उसकी पीठ थपथपाते हुए कहा। “दोस्तों के साथ बाकी फिल्म देखने और फिर सोने का फैसला। अच्छा और बुरा में से चुनने का ये कैसा तरीका है?”
“यह तो बहुत बढ़िया चुनाव है।” डफ मुस्कुराया। “लेकिन आपके सवाल का जवाब तो नहीं मिला, है ना?”
“यह है भी और नहीं भी। मुझे लगता है कि मैं जवाब से ज़्यादा स्पष्टीकरण की तलाश में हूँ।”
“किस बात की व्याख्या?”

“मैंने कुछ देखा था।” मैं हिचकिचाया। “चलिए इसे ऐसे कहते हैं। क्या इनमें से कोई व्यक्ति, ये प्राणी, किसी से मिलने आएगा? मान लीजिए, किसी ऐसे व्यक्ति से जो मरा हुआ न हो?”
“बिल्कुल! मेरा मतलब है, हम इसके बारे में अक्सर सुनते रहते हैं। बेशक, संदेह करने वाले भी होते हैं, और घटनाओं को अक्सर गलत साबित कर दिया जाता है या उनका कोई और स्पष्टीकरण दे दिया जाता है, लेकिन मुझे विश्वास है कि ऐसा होता है। क्यों नहीं?”
"ठीक है, तो फिर वे इस व्यक्ति से मिलने क्यों जाएंगे?"
"कौन जाने? कुछ भी हो सकता है। वे शायद उसे किसी आसन्न आपदा के बारे में चेतावनी देने की कोशिश कर रहे हों, या उसकी रक्षा कर रहे हों, या शायद उसे कुछ सिखा रहे हों।"
मैंने कहा, "उसे किस बारे में सिखाऊं... भगवान के बारे में?" मेरा इरादा जितना व्यंग्यपूर्ण होने का था, उससे कहीं अधिक व्यंग्यपूर्ण ढंग से मैंने यह बात कही।
"ऐसा हो सकता है। वे उसे खुद के बारे में, अपने साथी मनुष्यों के बारे में, अपने उद्देश्य और चुनाव के बारे में या सामान्य रूप से जीवन के बारे में भी सिखा सकते हैं - पता नहीं क्या हो।"
“हाँ, मुझे लगता है कि यह ज़्यादा सही रहेगा। धन्यवाद!” मैंने उनसे हाथ मिलाया। “बहुत-बहुत धन्यवाद। आप हमेशा मदद करते हैं, भले ही आपका इरादा न हो।”
हैंगर के सामने की ओर लौटते समय, डफ ने हमारे किसी के भी सुनने की सीमा के भीतर पहुँचने से पहले ही रुककर कहा, "मुझे लगता है कि यह हमारी आखिरी बातचीत नहीं होगी।" "ऐसा क्यों?"
मेरे चेहरे पर शायद हैरानी के भाव थे, क्योंकि उसने हाथ बढ़ाकर मेरी कोहनी के ठीक ऊपर से मेरी बांह पकड़ ली और पकड़े रहा। आखिरकार मैंने उससे कहा, "शायद ऐसा नहीं होगा, लेकिन मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर सकती। मुझे सोचने का समय चाहिए, ठीक है?"
उसने अपनी पकड़ ढीली कर दी और कंधे पर हल्का सा स्पर्श किया। "तुम जानते हो मैं कहाँ हूँ, और तुम यह भी अच्छी तरह जानते हो कि जब भी तुम्हें मेरी ज़रूरत हो, मैं हाज़िर हूँ।"

“मुझे पता है, और मैं इसकी सराहना करता हूँ। चलो, देखते हैं कि सोडा बचा है या नहीं।” हम हैंगर में चले गए, और रात हमारे पीछे छूट गई।
अगली सुबह मैं हैंगर के बाहर अपने अधिकारियों के साथ चाय पीने बैठा। कई जॉर्डन के अधिकारी भी वहाँ मौजूद थे, जो अपने नए दोस्तों और साथियों को विदाई दे रहे थे। जॉर्डन के कर्नल ने चाय के प्याले पर मेरी ओर एक नज़र डाली और डफ के साथ अपनी बातचीत रोककर मुझसे कहा, "सुप्रभात, कैप्टन मोरहाउस।"
“सलाम वालेकुम, कर्नल,” मैंने थोड़ा सिर झुकाते हुए कहा।
वह मुस्कुराया। “अलेकुम सलाम, मेरे दोस्त। मुझे उम्मीद है कि तुम अच्छी नींद सोए होगे, कम से कम रेगिस्तान से बाहर तो नहीं रहे।”
“मैं तो बच्चे की तरह सोया, महोदय। और आप?”
"अच्छा आपको धन्यवाद।"
मैंने चाय का एक और घूंट लिया। उसने पहले कभी मुझसे इस तरह बात नहीं की थी। ज़रूर कोई वजह होगी।
उसने रेगिस्तान की ओर देखा और अपना सिर थोड़ा हिलाया, मानो उसने खुद से ही किसी सवाल का जवाब दे दिया हो। "आह... मैं और कैप्टन डफ किसी ऐसी बात पर चर्चा कर रहे थे जिसमें शायद आपको दिलचस्पी हो।"
“यह क्या हो सकता है, महोदय?” मैंने डफ को घूरते हुए पूछा।
“जिन्न,” कर्नल ने कहा।
"WHO?"
“जिन्न, बुरी आत्माएं, भूत और राक्षस। वे प्राणी जो मानव जाति को परेशान करते हैं। वे पिशाच जो मृतकों के शरीर को खा जाते हैं।”
“सर, रुकिए। डफ ने इस सब के बारे में जो कुछ भी कहा हो, उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। मैं नहीं चाहता कि आप या कोई और यह सोचे कि—”
“क्या सोचते हो? कि तुम पागल हो? मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, कैप्टन मोरहाउस, ऐसा बिल्कुल नहीं है। मैं आपको यह भी यकीन दिलाता हूँ कि डफ ने आपके बारे में मुझसे सिर्फ इतना ही कहा था कि आपको इस तरह की घटनाओं में दिलचस्पी है। क्या सच में है?”
"खैर, नहीं... कम से कम कुछ हफ़्ते पहले तक तो नहीं, बातेन अल घोल में तो नहीं।"
“आह।” वह राहत महसूस कर रहा था। “तो तुमने कुछ देखा, है ना?”

जी हाँ, महोदय, मैंने कुछ देखा। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है। हो सकता है वह महज एक प्रतिक्रिया हो...
"गोली की ओर।"
"शायद।"
"हां, शायद यह गोली लगने की प्रतिक्रिया मात्र थी। शायद ऐसा नहीं था। शायद आपको कोई संदेश दिया गया था?"
उनकी बातों से मेरी रूह कांप उठी। आखिर उन्हें संदेश के बारे में कैसे पता चला? "संदेश से आपका क्या मतलब है, महोदय?"
“कई लोगों को यहाँ संदेश मिलते हैं। वे अपने भाग्य पर विचार करने के लिए पहाड़ियों में जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे मुहम्मद ने अपने लोगों के भाग्य पर विचार किया था। यहीं पर फ़रिश्ते उनसे बात करते हैं। यह कोई अजीब बात नहीं है।”
“माफ़ कीजिए, महोदय, लेकिन मैं आपसे सहमत नहीं हूँ। मुझे यह बहुत अजीब लगता है। फ़रिश्तों से बात करना। और ज़ाहिर है, मैं मुहम्मद नहीं हूँ।” हम दोनों इस बात पर हँस पड़े।
“नहीं, मेरे दोस्त, तुम निश्चित रूप से मुहम्मद नहीं हो। फिर भी, मुझे लगता है कि तुम्हारे साथ वहाँ कुछ असामान्य घटना घटी है। शायद एक दिन तुम हम सभी के साथ इसे साझा करोगे।”
“जी हाँ, शायद एक दिन।” मैंने अपनी पानी की बोतल से एक लंबा घूंट लिया। “लेकिन आज नहीं।”
उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई। "ठीक है, मेरे दोस्त, ठीक है।" फिर वे मुड़कर जाने लगे।
"महोदय?"
“जी हां, कप्तान?”
"क्या आपको लगता है कि घाटी में भूत-प्रेत का वास है—मेरा मतलब है, जैसे आपके आदमियों को लगता है?"
“नहीं, मैं इस पर विश्वास नहीं करता, मैं इसे जानता हूँ। मेरे पिता इसे जानते थे, मेरे दादा और उनसे पहले उनके पिता भी इसे जानते थे। ऐसी जगह का सत्य कभी नहीं बदलता। सत्य पर कुछ नया निर्माण हो सकता है, या उसकी व्याख्या बदल सकती है, लेकिन वह कभी लुप्त नहीं होता। वह अपरिवर्तनीय है,

जैसा कि आपका आध्यात्मिक आदर्श होना चाहिए। जिस दुनिया ने आपसे बात की, वह कल, आज और हमेशा एक जैसी है।” वह मुड़ा और धीरे-धीरे चला गया। कुछ कदम चलने के बाद वह फिर मुड़ा और बोला, “जब तक आपका मन तमाम चीजों के दाता अल्लाह पर स्थिर नहीं होगा, तब तक आप यश की खोज में व्यर्थ ही भटकते रहेंगे।”
“एक मिनट रुकिए… इसका क्या मतलब है?”

“इसका मतलब है कि तुम्हारा एक उद्देश्य है, और मुझे लगता है कि तुम्हें इसका एहसास हो रहा है। इस संदेश को सुनो या जीवन भर व्यर्थ की खोज में भटकते रहो। मुझे अब जाना होगा। मुझे एक बटालियन की कमान संभालनी है। सलाम वालेकुम, कैप्टन।” उन्होंने सलाम किया और मुड़कर चले गए।
मैंने सलाम का जवाब दिया. "अलेकुम सलाम, कर्नल।"

हम अपने सभी परिवारों के सामने सवाना में वापस आ गए। वो बहुत ही शानदार घर वापसी थी, मानो किसी सर्कस का तमाशा हो। उपकरण और कर्मियों की जवाबदेही की औपचारिकताओं के बाद हमने सैनिकों को उनके परिवारों से कुछ मिनटों के लिए मिलने की अनुमति दी। सबसे पहले माइकल मेरी गोद में बैठा, उसके बाद मारिया। मैं अपने प्रियजनों के सहारे वहीं खड़ा रहा, तभी डेबी डेनियल को गोद में लिए मेरे पास आई। उसके चेहरे पर चिंता और उत्सुकता का भाव था।
“ओह, भगवान का शुक्र है।” डेनियल को पकड़े हुए, उसने मुझे गले लगा लिया। “मुझे बहुत खुशी है कि तुम घर आ गए। इस बार मैं सच में बहुत चिंतित थी। मुझे पता था कि कुछ होने वाला है…। तुम्हारा सिर कैसा है? रेजिमेंट के कैप्टन ऑगस्ट ने पिछली रात फोन करके मुझे इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि तुम ठीक हो।” उसने मेरे हाथ पर एक थप्पड़ मारा। “जब यह हुआ था तब तुमने मुझे क्यों नहीं बताया?”
“मैं ठीक हूँ, जान। हम नहीं चाहते थे कि तुम परेशान हो। देखो, बस हेलमेट में एक बड़ा छेद हो गया है, बस इतना ही। सार्जेंट हैनली के पास है; मैं तुम्हें बाद में दिखा दूँगी।” मैंने और कुछ नहीं कहा, बस उसे गले लगाया और अपने प्यारे बच्चों को चूमा। “मुझे भी घर आकर बहुत खुशी हुई, जान। रात के खाने में क्या है? और कृपया मुझे मत बताना, गोट।”

परिवार के साथ सप्ताहांत बिताने के बाद ऐसा लगा मानो मैं कभी गया ही न था। मैंने लंबे समय तक आत्माओं, ईश्वर या उनसे जुड़ी किसी भी बात पर चर्चा नहीं की, और मुझे कोई दिव्य दर्शन भी नहीं हुए, कम से कम पहले तीन दर्शनों जैसे तो बिल्कुल नहीं। जीवन लगभग सामान्य सा लगने लगा।
फिर भी... हालात पहले जैसे नहीं रहे। ज़्यादातर रातों को मैं स्पष्ट सपने देखता था; दूर रहने वाले दोस्तों के चेहरे और तस्वीरें मेरे सामने आ जाती थीं, जबकि मैं जानता था कि वे हज़ारों मील दूर हैं। मुझे अपने मन में चीज़ें दिखने लगीं—शुरुआत में अस्पष्ट, लेकिन धीरे-धीरे स्पष्टता बढ़ती गई। जैसे-जैसे महीने बीतते गए, मुझे सचमुच यह विश्वास होने लगा कि मैं भविष्य देख सकता हूँ या कुछ घटनाओं के परिणाम का अनुमान लगा सकता हूँ। यह एक अजीब एहसास था कि मेरा मन हर समय खुला रहता था। मैं इसे अपने दिमाग का टीवी कहने लगा।
जून 1987 की एक रात, मुझे नींद नहीं आ रही थी। दृश्य बहुत भयानक और तेज़ी से बदल रहे थे। मैं उठकर बैठक में चला गया। मैं घंटों वहाँ बैठा रहा, अपने दिमाग से उन छवियों को निकालने की कोशिश करता रहा जो लगातार मेरे दिमाग में आ-जा रही थीं। जैसे ही मैं धीरे-धीरे आगे-पीछे हिल रहा था, कमरे में किसी की मौजूदगी से मैं चौंक गया, और किसी ने मेरा कंधा थाम लिया। मैं डर और कंपकंपी से कांपते हुए पीछे मुड़ा।
“डार्लिंग? तुम इतनी सुबह क्यों उठ गई हो? अभी तो ढाई बज रहे हैं।”
“हे भगवान, डेब, तुम इस तरह चुपके से मेरे पास क्यों आ रही हो? तुमने मुझे बुरी तरह डरा दिया। ऐसा मत करो।”
“मैं छुपकर नहीं आई थी। मैं पिछले पाँच मिनट से दरवाज़े से ज़ोर-ज़ोर से तुम्हारा नाम पुकार रही थी। मुझे लगा तुमने हेडफ़ोन लगा रखे हैं। क्या हुआ?” वह मेरे बगल में बैठ गई, मेरा हाथ पकड़ा और मुझे अपने कंधे से लगा लिया। “क्या हुआ, डेविड? मैंने तुम्हें कभी ऐसे नहीं देखा।”
मैंने गहरी सांस ली। “मैं डरी हुई हूँ, जान... बहुत डरी हुई हूँ। उस गोली ने मुझ पर कुछ असर किया है, कुछ अजीब सा। मैं इसे रोक नहीं पा रही हूँ। ये भयानक दृश्य मेरे दिमाग में बार-बार आ रहे हैं, और ये मुझे पागल कर रहे हैं।”
“कौन सी तस्वीरें? किस चीज़ की तस्वीरें? आपने तो कभी ज़िक्र ही नहीं किया

— ”

“मुझे पता है, मुझे पता है। मैंने किसी को कुछ नहीं बताया है। मैं मानसिक अस्पताल में भर्ती नहीं होना चाहती।”
"तो, वे क्या हैं?"
मैंने खुद को संभालने की कोशिश की। “इसे समझाना मुश्किल है। ये हमेशा अलग-अलग होते हैं। कभी-कभी ये भविष्य की तस्वीरें होती हैं, कभी अतीत की, और कभी-कभी वर्तमान में घट रही घटनाओं की। कम से कम मुझे तो यही लगता है।” मैं आगे झुक गई और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। “हे भगवान, मुझे नहीं पता ये क्या हैं। मैं बस चाहती हूँ कि ये रुक जाएँ।”

मैं चाहता हूं कि आप इस बारे में डॉ. मेलिन से मिलें।
“मैं ऐसा नहीं कर सकती, जान! क्या तुम समझ नहीं रही? अगर मैंने ऐसा किया, तो हमारे लिए सब कुछ खत्म हो जाएगा। हमारी सारी मेहनत बर्बाद हो जाएगी। सेना ऐसे लोगों को पदोन्नति नहीं देती जो सिर्फ कल्पनाओं में जीते हैं।” मैंने उसकी तरफ देखा और हम दोनों ज़ोर से हंस पड़े। “खैर, मुझे लगता है कि इस पर बहस हो सकती है, है ना?”
“हां,” डेबी ने कहा। “मुझे लगता है कि हम कुछ ऐसे लोगों को जानते हैं जो इस तरह की चीजें काफी नियमित रूप से देखते थे।”
"हो सकता है। लेकिन मैं अभी यह जोखिम उठाने को तैयार नहीं हूं। मुझे पूरा यकीन है कि यह समस्या आखिरकार दूर हो जाएगी।"
“डेविड! दो महीने से ज़्यादा हो गए हैं। तुम्हें क्या लगता है ये कब तक ठीक हो जाएगा?”
मुझे नहीं पता। शायद अगर मैं देवदूत की बात मानकर अपने तौर-तरीके बदल लूँ। शायद—"
“कौन सा फ़रिश्ता? डेविड, तुम मुझे बहुत गुस्सा दिला रहे हो।” उसने अपने हाथ पीछे खींच लिए और अपनी बाहों को अपनी छाती पर मोड़ लिया।
मैंने उसके हावभाव पर मुस्कुराते हुए कहा, "अरे, देखो, मैंने तुम्हें ये बातें इसलिए नहीं बताईं क्योंकि मुझे पता ही नहीं था कि कैसे बताऊं। सच कहूं तो, मुझे खुद नहीं पता कि इनका मतलब क्या है। मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि मैंने जो देखा और सुना, वो कैसे हुआ, ये सब तुम्हें कैसे बताऊं। मुझे खुद भी यकीन नहीं है कि ये सब सच है, इसलिए मुझे थोड़ी छूट दे दो, ठीक है?"

अनिच्छा से डेबी ने सिर हिलाया। "ठीक है... लेकिन तुमने क्या देखा और सुना?" मैंने एक और गहरी सांस ली। “मैंने एक प्राणी को देखा। वास्तव में मैंने कई प्राणियों को देखा, लेकिन उनमें से केवल एक ने मुझसे बात की।”
“उसने क्या कहा?”
“उन्होंने कहा कि मैं जो कर रहा था वह गलत था, या कुछ ऐसा ही। उन्होंने कहा कि मुझे एक अलग रास्ता चुनना चाहिए, शांति का रास्ता। अब मैं इसका क्या मतलब निकालूँ?”
“मुझे नहीं पता,” डेब ने धीरे से कहा। “क्या तुमने इसके बारे में प्रार्थना की है?”
मैंने कमरे के अंधेरे में धीरे से अपना सिर हिलाया। “नहीं, मैंने नहीं किया। जब से यह सब हुआ है, मैंने ज़्यादा प्रार्थना नहीं की है। मुझे डर लगता है। मेरे मन में यह अजीब सा डर बैठा है कि अगर मैंने अपने मन की बात कह दी, तो सब कुछ गड़बड़ हो जाएगा। मेरे दिमाग में पहले से ही बहुत सारी परेशानियाँ हैं, शुक्रिया।”
“मैं चिंतित हूँ। आप इस तरह से आगे नहीं बढ़ सकते; आपको किसी की मदद लेनी होगी ताकि आप इस समस्या का समाधान कर सकें।”
"अगर मैं आपसे वादा करूँ कि जब मुझे सही समय लगेगा, तब मैं ऐसा करूँगा, तो क्या आपको बेहतर महसूस होगा?"
“ज़रूर होगा। तुमने मुझसे किया हुआ कोई वादा आज तक नहीं तोड़ा है।” वह मुस्कुराई, और मैंने महसूस किया कि उसने मेरा हाथ और कसकर पकड़ लिया। “मैं तुमसे प्यार करती हूँ,” उसने कहा।
“और मैं तुमसे प्यार करता हूँ। चलो वापस बिस्तर पर चलते हैं और सोने की कोशिश करते हैं।”
जॉर्डन की उस यात्रा और उस गोली के बाद मैं पहले जैसा नहीं रहा। मेरे अंदर कुछ बदल गया, मैं अंतर्मुखी हो गया। मुझे लगा शायद मैं खुद का और अपने आस-पास की दुनिया का विश्लेषण करने में बहुत ज्यादा समय बिता रहा था। मुझे लगा कि मुझे सैनिक के रूप में अपना काम करना चाहिए। लेकिन कुछ मुझे लगातार कह रहा था कि मुझे तैयारी करनी होगी। मैं अभी तक ठीक से समझ नहीं पा रहा था, लेकिन उस गोली का कुछ मतलब था। उस रहस्यमय आकृति का भी कुछ मतलब था—और उस संदेश का भी।

तीन

चयन
अफसोस की बात है कि हमने मई 1987 में रेंजर्स छोड़ दिया। मुझे इतालवी भाषा सीखने के लिए कैलिफोर्निया के मोंटेरे स्थित रक्षा भाषा संस्थान में जाने का आदेश मिला। इसके बाद, मैं फिर से एक जनरल के सहायक के रूप में सेवा करूंगा, इस बार इटली के वेरोना में CENTAF मुख्यालय में एक इतालवी जनरल के अधीन। जिस दिन मैंने कमान बदली और अपनी कंपनी छोड़ी, मेरे रेंजर बटालियन कमांडर, कर्नल कीथ नाइटिंगेल ने डेबी और मुझे गले लगाकर बताया कि उन्हें अभी-अभी सेना विभाग से एक फोन आया है। जनरल ने एक ऐसे सहायक को चुना था जो पहले से ही इटली में था और इतालवी भाषा जानता था। यह उनका अधिकार था, और मुझे बस कोई और नौकरी ढूंढनी होगी। मैं अपने करियर में पहली बार स्वतंत्र था।
मेरे कई कर्नल और जनरल ऑफिसर दोस्तों ने, जिनका मैंने पहले ही ज़िक्र किया है, मुझे एक नया ठिकाना ढूंढने में मदद की। कुछ ही दिनों में मुझे वर्जीनिया में तैनात मेरे असाइनमेंट ऑफिसर का फोन आया, जिन्होंने वाशिंगटन डी.सी. क्षेत्र में मेरे लिए एक संभावित पोस्टिंग ढूंढ ली थी। उन्होंने कहा कि वे फोन पर असाइनमेंट के बारे में बात नहीं कर सकते, क्योंकि यह गोपनीय था। उन्होंने तुरंत मेरे लिए सवाना से डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए एक फ्लाइट का इंतज़ाम किया, ताकि मैं एक ऐसी यूनिट में इंटरव्यू दे सकूं जिसे मैंने बहुत ही अजीब समझा। मैं वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में हॉफमैन बिल्डिंग के बगल में स्थित हॉलिडे इन होटल में रुका, जहाँ रात भर मुझे कई रहस्यमयी फोन कॉल आए, जिनमें मुझे बताया गया कि मुझे क्या करना है, क्या नहीं करना है और अगली सुबह मुझसे कैसे और कहाँ संपर्क किया जाएगा। यह एक तरह का गुप्त खेल था, जो मुझे हास्यास्पद लगा। मुझे लगा कि ये लोग मज़ाक कर रहे हैं जब उन्होंने मुझे सुबह ठीक सात बजे होटल के पूर्वी द्वार से बाहर निकलने के लिए कहा, और मेरे दाहिने हाथ के नीचे द वाशिंगटन पोस्ट की एक प्रति थी।
मैं एक पैदल सेना अधिकारी था, और मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि हमारी सेना के कुछ हिस्से इस तरह से काम करते होंगे। मैं कई खुफिया अधिकारियों

को जानता था, लेकिन उन्होंने कभी इस तरह की बकवास का ज़िक्र नहीं किया। फिर मुझे याद आया कि मैंने प्रोवो में बीवाईयू के सैन्य विज्ञान के प्रोफेसर कर्नल बार्टली ई. डे और उनकी पत्नी के साथ रात का खाना खाया था। खाने के दौरान हमारी बातचीत इस बात पर केंद्रित थी कि मुझे सेना की कौन सी शाखा चुननी चाहिए: तोपखाना, बख्तरबंद वाहन, पैदल सेना, इत्यादि। मैंने अनौपचारिक रूप से पैदल सेना अधिकारी बनने का फैसला कर लिया था, लेकिन फिर भी हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे थे। कर्नल डे ने डेबी और मुझसे कहा, "जो भी करो, खुफिया अधिकारी मत बनना। उस पेशे के कुछ पहलू बहुत ही काले और बेईमान हैं। कुछ भी करो, बस वो मत बनो।"
दुर्भाग्यवश, मैंने कर्नल डे की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। अगले कुछ दिनों में मेरे द्वारा लिए गए फैसलों ने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया, जिनसे मेरे लिए सामान्य मानी जाने वाली हर चीज का अंत हो गया।
उत्तरी वर्जीनिया की गुप्त सेना (एसएएनवी) नामक एक विचित्र इकाई में तैनात सैन्य खुफिया अधिकारियों के एक समूह ने मेरा साक्षात्कार और परीक्षण किया। इसका वास्तविक कोड नाम 'सेक्रेड केप' था, और मैंने इससे पहले ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं किया था। वास्तव में, अगर रेंजर में रहते हुए किसी ने मुझे बताया होता कि ऐसी कोई इकाई भी मौजूद है, तो मैं उसके चेहरे पर हंस देता। लेकिन यह वास्तव में मौजूद थी।
मुझे कई मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से गुज़रना पड़ा, जिनमें लिखित और मौखिक दोनों तरह के परीक्षण शामिल थे। कहा जाता था कि इनका उद्देश्य यूनिट के मनोवैज्ञानिक को यूनिट के प्रत्येक सदस्य का "मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल" तैयार करने में सक्षम बनाना था। इस प्रोफाइल का उपयोग उम्मीदवार की भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता था, और इससे कमांडर को यह जानकारी मिलती थी कि उसकी टीम के प्रत्येक सदस्य को वास्तव में क्या प्रेरित करता है—वह आपको कितना दबाव डाल सकता है, आप मना करने से पहले आपसे क्या करने को कह सकते हैं, आदि। यह अजीब था, लेकिन मैंने जिज्ञासावश ही सही, लेकिन इसमें भाग लिया।
मुझे लगता है कि मेरा रूप-रंग और मानसिक स्थिति उस यूनिट के अनुरूप थी; मुझे उसी दिन भर्ती होने के लिए कहा गया। मैंने हाँ कर दी, और यह भी जिज्ञासावश ही था। जिस दिन मैं सवाना के हंटर आर्मी एयरफील्ड लौटा, सस्ते सूट पहने दो युवक रेंजर बटालियन मुख्यालय में आ पहुँचे। वे मुझे गुप्त

कार्य सौंपने की प्रक्रिया शुरू करने आए थे। यह मेरे लिए ऐसी यूनिटों की शक्ति का पहला अनुभव था। सामान्य परिस्थितियों में, स्थायी स्थानांतरण के आदेश प्राप्त करने में सप्ताह लग जाते हैं। इन लोगों ने इसे कुछ ही घंटों में कर दिया। दो दिनों के भीतर मेरी प्रक्रिया पूरी हो गई और मैं रवाना हो गया।
एक बार फिर, मैंने डेबी को बच्चों के साथ अकेला छोड़ दिया ताकि वह सामान पैक करके स्थानांतरित हो सके, जबकि मैंने "जासूस" के रूप में अपने नए कार्यभार के लिए डी.सी. में रिपोर्ट करने से पहले, फोर्ट लेवेनवर्थ, कंसास में संयुक्त शस्त्र और सेवा स्टाफ स्कूल में छह सप्ताह बिताए।
जैसे-जैसे मैं वहां बसता गया, मुझे कुछ समय के लिए नई यूनिट दिलचस्प लगी। लेकिन जल्द ही वह आकर्षण खत्म हो गया। पहली बार मैं डेबी को ठीक-ठीक नहीं बता पा रहा था कि मैं सेना में क्या कर रहा हूँ। मुझसे उम्मीद की जा रही थी कि मैं उससे यूनिट के काम और उसके तरीके के बारे में, साथ ही मैं वहां क्या कर रहा हूँ, इन सब बातों के बारे में झूठ बोलूँ। और जब उसने यूनिट के बारे में सवाल पूछे, तो मैंने सिर्फ मुस्कुराकर पैर नहीं हिलाए, बल्कि मैंने वही किया जो वे मुझसे चाहते थे: मैंने उससे साफ-साफ झूठ बोला। मैंने अपने माता-पिता से भी झूठ बोला; उन्हें लगा कि मैं सिस्टम्स एनहांसमेंट एंड इवैल्यूएशन ऑफिस नामक यूनिट के लिए नए हथियार प्रणालियों का परीक्षण कर रहा हूँ। दरअसल, मैं एक ऐसी यूनिट के लिए काम कर रहा था जो टियर I और II देशों—यानी दुनिया के संभावित "हॉट स्पॉट"—में ऑपरेटिव्स को प्रशिक्षित और तैनात करती थी, ताकि उस देश में गुप्त या छुपकर सैन्य अभियानों के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया जा सके जो जरूरत पड़ने पर उनका समर्थन कर सके।
डेबी और बच्चे शुरू से ही आशंकित थे। उन्हें यह नई ज़िंदगी बिल्कुल पसंद नहीं थी। पत्नियों के लिए कोई संगठन नहीं थे; आपसी सहयोग का कोई नामोनिशान नहीं था; ऐसे कोई पारिवारिक समारोह नहीं होते थे जिनमें सैनिकों के जीवनसाथी और परिवार शामिल हो सकें। पिताजी वर्दी नहीं पहनते थे और उनके बाल लंबे हो गए थे। यह अब सेना नहीं रही थी, और यह बात परिवार के लिए डरावनी थी।
कुछ महीनों बाद मेरे माता-पिता आए और वे भी सतर्क थे। एक बार जब हम अकेले थे, तो मेरे पिताजी ने मुझसे कहा, “मुझे उम्मीद नहीं है कि तुम मुझे अपनी नई

नौकरी के बारे में बताओगे। तुम्हारी माँ और मैं जानते हैं कि यह गोपनीय जानकारी है। बस सावधान रहना। ये लोग उन लोगों जैसे नहीं हैं जिनके साथ हम सेना में पले-बढ़े हैं। ये लोग बिल्कुल अलग हैं, और तुम उन पर भरोसा नहीं कर सकते। तुम जो कुछ भी कहोगे या करोगे, वे उसे तुम्हारे खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए रिकॉर्ड कर लेंगे।” मैंने पिताजी की बात को कुछ समय के लिए भुला दिया, लेकिन उनके शब्द मेरे मन से कभी नहीं निकले।
मुझे यह स्वीकार करना होगा कि इस यूनिट में कुछ असाधारण गैर-कमीशन अधिकारी और अधिकारी तैनात थे। रेंजर्स जैसे तो नहीं, लेकिन फिर भी अच्छे थे। हालांकि, यहाँ नैतिक और आचरण का स्तर इतना गिरा हुआ था कि डेबी और मैं जिस सेना को जानते थे, वहाँ इसे बर्दाश्त नहीं किया जाता। मैंने एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सार्जेंट मेजर को एक महिला सैनिक के साथ शारीरिक संबंध बनाने के चक्कर में आपस में हाथापाई करते देखा। दोनों विवाहित थे, फिर भी अधिकारी को एक सुखद तबादले के रूप में सजा मिली। सार्जेंट मेजर के खिलाफ कुछ नहीं किया गया; उन्हें यूनिट में बने रहने दिया गया।
अपेक्षाएँ अजीब थीं, और प्रबंधन एवं नेतृत्व के तरीके तो और भी विचित्र थे। यहाँ के लोग किसी टीम के सदस्य नहीं थे। वे अकेले रहने वाले, स्वतंत्र लोग थे जो केवल अधिकार को सहन करते थे और सहकारिता की भावना का तो नामोनिशान भी नहीं था। यह मेरे पैदल सेना के अब तक के अनुभव के बिल्कुल विपरीत था; लेकिन यह एक नया प्रशिक्षण था, और मुझे यहाँ व्यवहार करना सीखना ही था। पीछे मुड़कर देखने पर, मैंने सैक्रेट केप के लोगों से बहुत कुछ सीखा: मुझे पता चला कि हमारी सेना का एक अंधकारमय और विकृत पक्ष भी है। हमारी तमाम कोशिशों के बावजूद, डेबी और मेरे लिए सब कुछ बदलने लगा। यूनिट में दाखिल होते ही, हमारा साथ बिखरने लगा। मैं इसका कारण नहीं बता सकता। शायद यह यूनिट द्वारा ज़रूरी समझे जाने वाले रहस्य और झूठ थे; शायद यह सिर्फ़ मैं था और इस नई दुनिया में खुद को ढालने में मेरी असमर्थता थी। या शायद यह बुरे सपने और संदेश थे। जो भी हो, मैं असहज था। मेरे कार्यस्थल पर लगभग हर कोई पेशेवर चालाक या झूठा था। मैं वहाँ बेमेल था। क्या मैं भी उनके जैसा बन जाऊँगा, या मैं अपनी पहचान बना पाऊँगा?
जैसा कि मैंने बताया, इस तरह की इकाइयों में मनोवैज्ञानिक होते हैं जो सदस्यों की मानसिक स्थिति पर नज़र रखने के लिए उनके मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल का बार-बार आकलन करते हैं। इन्हीं में से एक बार मैंने कमांड

मनोवैज्ञानिक डॉ. इनिस बार्कर को गोली, दृश्यों और बुरे सपनों से जुड़े अपने निजी अनुभवों के बारे में बताया। बार्कर लंबे, दुबले-पतले, फुर्तीले और तेज़ आवाज़ वाले व्यक्ति थे। उनका चेहरा, उनके शरीर की तरह ही पतला था, और उनके सुनहरे बाल करीने से संवारे हुए थे और उन्होंने सोने के फ्रेम वाला चश्मा पहना हुआ था। उनके पास मनोविज्ञान में पीएचडी थी... कहीं से... लेकिन उन्होंने इसे कहीं दीवार पर नहीं लगाया था। और हां—वे बहुत फुर्तीले थे। उन्हें होना ही था: उन्हें कई बार पेंटागन बुलाया गया था ताकि वे इकाई के कई कर्मियों की गतिविधियों को "चिकित्सकीय" रूप से समझा सकें। इन लोगों की सारी बुरी हरकतों को समझाना मुश्किल रहा होगा, लेकिन बार्कर ने बखूबी कर दिखाया।
वह एक नेक इंसान थे और उनका दिल भी दयालु लगता था। कभी-कभी वह मुझसे अपने मन की बात कहते थे और यूनिट और उसके तौर-तरीकों की आलोचना करते थे। वह वहाँ के उन गिने-चुने लोगों में से एक थे जिन पर मुझे पूरा भरोसा था। जब मैंने उन्हें अपनी कहानी सुनाने का फैसला किया, तो मुझे लगा कि शायद वह वाल्टर रीड आर्मी मेडिकल सेंटर से संपर्क करके मुझे लेने के लिए एक सुरक्षित गाड़ी का इंतजाम करेंगे और मुझे मनोरोग वार्ड में पहुँचा देंगे। लेकिन इसके बजाय उन्होंने ध्यान से मेरी बातें सुनीं, जब मैंने गोलीबारी वाले दिन की सारी घटनाएँ और उसके बाद की सारी बातें बताईं।
“क्या आपको हाल ही में इस तरह के मतिभ्रम—माफ़ कीजिए, ‘दृश्य’—होने का अनुभव हुआ है?” उसने पूछा।
“कुछ दिन पहले जब मैं अपने बेटे और उसके बॉय स्काउट दल के साथ कैंपिंग कर रहा था, तब मेरे साथ कुछ ऐसा हुआ। लेकिन यह कोई दिव्य दृष्टि नहीं थी। यह एक तरह का अनुभव था।”
“एक अनुभव?”
"खैर, यह बाकियों जैसा नहीं था... यह बहुत अजीब था।"
"ठीक है, मुझे इसके बारे में बताओ।"
उसके शब्दों ने मेरे अंदर एक ऐसी सिहरन पैदा कर दी जिसे मैं बयान नहीं कर सकती थी। मैंने उस पर भरोसा किया था, लेकिन उसकी आँखों में धोखे का भाव झलक रहा था। उसके मन में कुछ चल रहा था, और यह बात मुझे परेशान कर रही थी। मुझे इसका आभास हो गया था। मुझसे मत पूछो कैसे—बस हो गया था।
“खैर, इसे समझाना काफी मुश्किल है। मैं अपने बेटे के साथ था—”

“माइकल, है ना?”
“हाँ, बिल्कुल सही।” मैंने सोचा, उसे यह कैसे पता चला? यूनिट में तीन सौ से ज़्यादा लोग थे। “उस रात बहुत ठंड थी। ताज़ा बर्फ़ गिरी थी और जंगल में सब कुछ बर्फ़ से ढका हुआ था। हमने डेरा डाला और लड़कों को अलग-अलग हुनर सिखाने में पूरा दिन बिताया। मुझे इसमें बहुत मज़ा आता है—मतलब, मुझे अपने बेटे और उसके दोस्तों के साथ रहना अच्छा लगता है। यह बहुत ही खूबसूरत नज़ारा था, जंगल में सर्दियों का मौसम। लेकिन कुछ अजीब हुआ।”
"अरे, तुम्हारा मतलब 'अजीब' से क्या है?" बार्कर ने पूछा, जाहिर तौर पर वह अधीर हो रहा था।
“खैर, इसे समझाना मुश्किल है। पूरा दिन…” मैंने सिर हिलाया, बिना बेवकूफ लगे समझाने का तरीका ढूंढने की कोशिश करते हुए। “मुझे बस हर किसी से, हर चीज़ से जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसा लगा जैसे मैं किसी अलग ही फ्रीक्वेंसी पर पहुँच गई हूँ। सच कहूँ तो, मैं बिना किसी वजह के अपने बेटे की आँखों में देखते हुए रो पड़ी। मुझे लगा जैसे मैं उसकी ज़िंदगी, उसके भविष्य को देख सकती हूँ। सब कुछ दृश्यों और संकेतों का एक उलझा हुआ जाल था। मैं कुछ समझ नहीं पा रही थी, लेकिन यह सब था, ठीक वैसे ही जैसे मुझे दूसरे बुरे सपने आते थे।”
बार्कर ने कहा, "मुझे लगता है कि 'दुःस्वप्न' की तुलना में 'दृष्टि' शब्द कहीं अधिक पसंद है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि ये दुःस्वप्न हैं।"
“ठीक है, डॉक्टर साहब, ये तो सिर्फ़ कल्पनाएँ ही हैं।” मैंने गहरी साँस ली। “जब हम सब सोने चले गए, तो मैं तंबू के बाहर, बर्फ़ में अकेला सो गया। चाँद निकला हुआ था और आसमान तारों से भरा था। मुझे अच्छी तरह याद है कि मैं सोच रहा था कि इतनी रोशनी के बावजूद आसमान कितना अँधेरा था, और बर्फ़ ने जंगल की ज़मीन को कितनी खूबसूरती से ढक रखा था।”
अचानक, मैंने खुद को धीरे-धीरे ज़मीन से ऊपर उठते हुए महसूस किया। यह अजीब था—मैं डरा नहीं था, बल्कि अजीब तरह से शांत था। जैसे-जैसे पेड़ की शाखाएँ करीब आती गईं, मुझे भारहीन और मुक्त महसूस हुआ। मैं पूरी तरह से लेटा हुआ था, और फिर धीरे-धीरे बाईं ओर मुड़ने लगा, जब तक कि मुझे नीचे बर्फ में एक काला शरीर दिखाई नहीं दिया। वह शरीर मेरा ही था। मैं डरा नहीं था, बस उत्सुक था, मानो मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है। लगभग ऐसा जैसे मैंने यह पहले भी किया हो।

“मैं वापस आकाश की ओर घूमा, और फिर इतनी तेज़ी से चंद्रमा की ओर बढ़ा कि मेरी तबीयत खराब हो गई। मेरा मतलब है, मुझे सचमुच पेट में मरोड़ महसूस हुई और मुझे लगा कि मुझे उल्टी हो जाएगी।”
मैंने थोड़ी देर रुककर देखा कि बार्कर अभी भी मेरे साथ है या नहीं। उसने अपनी नोटबुक से नज़रें उठाकर मुस्कुराते हुए कहा, "आप जारी रखिए।"
“मैं धरती के ऊपर रुका और अपने चारों ओर सब कुछ देखा। चांदनी में मीलों दूर तक सब कुछ दिखाई दे रहा था; लहरदार पहाड़ियाँ, जंगल, घरों की रोशनी। लेकिन, अजीब बात यह थी कि मुझे कहीं अंधेरा नहीं दिख रहा था। चाँद तो वहीं था, लेकिन तारे किसी और ही रोशनी में डूबे हुए थे। मैं उन्हें देख नहीं पा रहा था। यह वैसी ही रोशनी थी जैसी मैंने रेगिस्तान में देखी थी। गोली लगने वाली रात।”
बार्कर ने अपने नोट्स पलटे। "हाँ... आपने रेगिस्तान में दिखने वाले प्रेतों का ज़िक्र किया था। क्या यहाँ भी कोई प्रेत दिखा था?"
“नहीं, ऐसा नहीं था। लेकिन मुझे याद है कि मुझे ऐसा महसूस हुआ कि यह यात्रा का अंत है, और फिर मैं धीरे-धीरे वापस अपने शरीर की ओर उतरने लगी। मैंने नीचे आते हुए खुद को देखा, लेकिन दोबारा खुद बनने से ठीक पहले मैंने सब कुछ खो दिया।”
बार्कर हँस पड़ा।
“मुझे लगता है कि यह सब कुछ अजीब सा है। मुझे खुद भी यहाँ बैठकर आपको इसके बारे में बताते हुए अजीब लग रहा है, बाकी सब बातों की तो बात ही छोड़िए। आखिर यह सब क्या था?”
बार्कर ने अपनी नोटबुक का पन्ना पलटा। "मैं जानना चाहता हूँ कि आपके विचार से यह क्या था।"
"धिक्कार है डॉक्टर साहब, अगर मुझे पता होता कि यह क्या है तो मैं यहां बैठकर आपको इसके बारे में नहीं बता रहा होता! मैं इसका आनंद ले रहा होता।" ठीक है, ठीक है। इसमें घबराने की कोई बात नहीं है। अगर इससे आपको तसल्ली मिले तो बता दूं, मैंने इस तरह की चीजें पहले भी देखी हैं।
“हाँ, मुझे यकीन है कि आपने पढ़ा होगा।” मैं कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। “पागलों पर लिखी आपकी किताबों में। यह सब सामान्य नहीं है, और मुझे यह कहकर तसल्ली देने की कोशिश मत करो कि यह सामान्य है। मुझे बेहतर पता है।” “नहीं, यह सामान्य नहीं है। लेकिन सामान्य क्या है?”

“मुझे ये ‘सामान्य क्या है?’ वाली बकवास मत सुनाओ। मेरे जानने वालों में से कोई भी रात में या अपने दिमाग में कुछ भी नहीं देखता। मैं अपनी ज़िंदगी का कुछ हिस्सा इस दुनिया और किसी दूसरी दुनिया के बीच, एक सीमा रेखा पर बिता रहा हूँ। मुझे ये पता है! मैं बस ये जानना चाहता हूँ कि ऐसा क्यों होता है, और इसे कैसे नियंत्रित किया जाए या ठीक किया जाए।”
“शांत हो जाओ, डेविड, बस शांत हो जाओ। तुम सही कह रहे हो: लोगों को तुम्हारे जैसे दर्शन नहीं होते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम असामान्य हो।” “तो फिर इसे क्या कहते हैं?” मैंने गुस्से से कहा।
“मैं कुछ ऐसे लोगों को जानता हूँ जो इसे एक वरदान कहते हैं।” वह रुका और मेरी ओर घूरने लगा। “क्या तुमने सुना? वे इसे वरदान कहते हैं।”
“इसे उपहार कौन कहता है?”
“अभी के लिए बस इतना कह लीजिए कि मेरे कुछ दोस्त। उनके लिए इस तरह का अनुभव रोमांच से भरपूर और चमत्कार से भी कुछ हद तक अद्भुत है।” उन्होंने अपनी नोटबुक डेस्क पर रखी, चार दराज वाली तिजोरी की ओर बढ़े और उसके ताले के बटन घुमाने लगे।
मैं दीवार को घूरता हुआ वहीं बैठा रहा जबकि उसने तिजोरी खोली और एक दराज में कुछ ढूंढने लगा। उसने कई नीले फोल्डर निकाले और उनमें से तीन मेरी गोद में फेंक दिए।
“मैं चाहता हूं कि आप इन सभी को शुरू से अंत तक ध्यान से पढ़ें। हम एक-दो दिन में इन पर चर्चा करेंगे।”
“किस विषय पर चर्चा करें?”
“ठीक है, मैं आपकी राय जानना चाहूंगा—आप उनके बारे में क्या सोचते हैं और उनमें क्या चल रहा है। आप देखेंगे कि वे गोपनीय हैं। कृपया उनके साथ उसी के अनुसार व्यवहार करें।”
"ठीक है, मैं उन्हें देख लूंगा।"
“अच्छा। मुझे लगता है कि अभी के लिए इतना ही काफी है। मैं आपको कल या परसों फोन करूंगा। ठीक है?”
ठीक है। धन्यवाद, डॉक्टर साहब।
मैं स्तब्ध होकर अपने कार्यालय लौट आया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैंने बार्कर से उस तरह बात की थी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसने

मुझे निगरानी के लिए कहीं नहीं भेजा। मुझे पता है कि अगर मैं उसकी जगह होता तो मैं ऐसा ही करता।
मैं अपने कार्यालय में दाखिल हुआ और बत्ती जला दी। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि यूनिट का एक अन्य अधिकारी अंधेरे में बैठा मेरा इंतजार कर रहा था। “मुझे आश्चर्य हो रहा था कि तुम कब आओगे।” उसने सिगरेट का एक कश लिया और सीधे मेरी तरफ देखने लगा।
वह मुझसे ऊंचे पद पर थे; नहीं तो मैं उन्हें अपने कार्यालय से बाहर जाने के लिए कह देता। लेकिन इस यूनिट के औपचारिक संबोधन के कारण मैं अभी इतना सहज नहीं था कि ऐसा कर सकूं, इसलिए मैंने वही किया जो मुझे सबसे अच्छे से आता था। "क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूं, महोदय?"
"हां—आप मेरी और यहां मौजूद बाकी सभी की मदद कर सकते हैं।"
"यह कैसा रहा?"
उन्होंने सिगरेट पकड़े हुए हाथ से मेरे ऑफिस की दीवारों की ओर इशारा करते हुए कहा, "मैं इस बारे में बात करने आया हूँ।"
“किस बारे में? मेरी तस्वीरों और पुरस्कारों के बारे में?”
"ओह, तो ये वही हैं? मुझे लगा था कि ये तो एक आत्मप्रशंसा करने वाला संग्रहालय है। हाँ, ये वही है, एक घटिया संग्रहालय। इसे हटाओ।"
“क्यों? ये तो सिर्फ तस्वीरें हैं।”
“हाँ, सेना की तस्वीरें। अब तुम सेना में नहीं हो। तुम एक गुप्त कार्य में हो और तुम्हें खुद को विशेष अभियान सैनिक के रूप में प्रकट नहीं करना है। तुम्हें अधिग्रहण अधिकारी होने का नाटक करना है, न कि किसी रेंजर का! समझ गए?”
“हाँ, मुझे समझ आ गया!”
वह खड़ा हुआ और सिगरेट वाला हाथ मेरे कंधे पर रख दिया, जिससे धुएँ का घना गुबार मेरे सिर के चारों ओर फैल गया। "यह बहुत अच्छा है कि तुम समझ गए। मैं यह बात सबको बता दूँगा।" वह मेरे पास से गुज़रते हुए दरवाज़े पर रुक गया। "मुझे उम्मीद नहीं है कि मुझे यह कल देखने को मिलेगा, है ना?"
"यह चला जाएगा।"
“अच्छा। फिर मिलेंगे, मोरहाउस।” उसने दरवाजा खोला और गलियारे में गायब हो गया।
मैंने फोल्डर पटक दिए। "धिक्कार है! मुझे यह जगह बिल्कुल पसंद नहीं है।"

उस रात मैं देर तक रुका रहा, अपना "संग्रहालय" समेटकर कार तक ले गया। रात के दस बज चुके थे जब मैं बार्कर द्वारा दिए गए फ़ोल्डरों को देखने बैठा। मैंने अपने लिए एक कप ताज़ा कॉफ़ी डाली और पहले फ़ोल्डर के बाहरी हिस्से का निरीक्षण किया। उस पर ऊपर और नीचे एक इंच ऊँचे लाल अक्षरों में "गुप्त— ग्रिल फ़्लेम" लिखा हुआ था। फ़ोल्डर के निचले दाहिने कोने पर एक लेबल पर लिखा था, "विदेशी नागरिकों को जारी नहीं किया जा सकता—ओआरसीओएन", जिसके बाद ये शब्द थे: "वर्गीकृत: एमएसजी, डैमी-इश, दिनांक: 051630ZJUL78"। मैंने फ़ोल्डर का पहला पृष्ठ खोला। "सारांश विश्लेषण, रिमोट व्यूइंग (आरवी) सत्र डी-" के बाद लक्ष्य का संक्षिप्त विवरण था। मैंने देखा कि फ़ोल्डर में किसी का नाम नहीं लिखा था; सभी को या तो संख्या से या "मॉनिटर" की उपाधि से संबोधित किया गया था। इस फ़ोल्डर में, दो लोग लक्ष्य पर काम कर रहे थे। मॉनिटर ने बोलना शुरू किया।

“दर्शक संख्या 66, मैं चाहता हूँ कि आप वर्तमान समय में अपना ध्यान तस्वीर में दिखाए गए लक्ष्य के प्रतिच्छेदन बिंदु पर केंद्रित करें। मुझे लक्ष्य के दक्षिण-पश्चिम कोने का वर्णन करें।”
“अह… यह एक इमारत की तरह है, लेकिन कोई ऑफिस बिल्डिंग नहीं… इसमें बड़े- बड़े दरवाजे हैं, बड़े-बड़े झूलने वाले दरवाजे।”
अपना नज़रिया बदलें ताकि आप देख सकें कि आपका बायां हाथ एक गली में और दायां हाथ दूसरी गली में फैला हुआ है, यानी आप लक्ष्य के कोने की ओर, ठीक सड़क के स्तर पर देख रहे हैं। एक गली आपके बाईं ओर और दूसरी दाईं ओर जानी चाहिए। अपने बाईं ओर के दृश्य का वर्णन करें।
“उम… मुझे बड़े-बड़े पोस्टर, साइनबोर्ड, वहाँ खड़ी गाड़ियाँ दिखाई दे रही हैं। एक इमारत का कोना है, एक कोने का प्रवेश द्वार है, दरवाजे और एक सीढ़ी है। बस इतना ही मुझे दिख रहा है।”
“ठीक है। अब चौराहे के ऊपर से आगे बढ़ें, ताकि अब आप सड़क के स्तर पर न खड़े हों, बल्कि लगभग सौ फीट ऊपर हवा में तैरते हुए महसूस करें। नीचे देखने पर आपको अपने नीचे फुटपाथ और बाईं ओर फैली सड़क दिखाई देगी। इस परिप्रेक्ष्य से इसका वर्णन करें।”

मुझे यहाँ काफी हलचल दिखाई दे रही है। लोग इधर-उधर भाग रहे हैं, चिल्ला रहे हैं, नारे लगा रहे हैं और हवा में बैनर और पोस्टर लहरा रहे हैं।
क्या आपको नीचे वाली इमारत में प्रवेश द्वार दिखाई दे रहा है?
"हा करता हु।"
"अभी इस पर काम शुरू करो।"

“ठीक है, मैं यहाँ हूँ। आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?”
“मैं चाहता हूँ कि आप दरवाजे के बाहरी भाग, उसके आसपास के वातावरण और यदि कोई ताला है तो उसका वर्णन करें। क्या वहाँ ताला है?”
“जी हां, मुझे ताला दिख रहा है…। चलिए, मैं इसका स्केच बना देता हूं।”

इस बिंदु पर मैंने एक कोष्ठक में दी गई जानकारी देखी, जिसने मुझे सत्र विश्लेषण के पिछले भाग की ओर निर्देशित किया, जहाँ मैंने दर्शक द्वारा प्रदान किया गया रेखाचित्र देखा। इसमें दरवाजे पर अरबी भाषा में लिखावट भी शामिल थी।
मॉनिटर ने पूछा, "क्या आपको यहाँ बस इतना ही दिखाई दे रहा है?"

“नहीं… एक मिनट रुको! मुझे समझ आया—नहीं, मेरे बगल में कुछ अंधेरा सा है, जो मेरी तरफ बढ़ रहा है… हे भगवान!”
“छियासठ, अंधेरे से दूर हटो। इसे अनदेखा करो! मैं चाहता हूँ कि तुम दरवाजे से अंदर जाओ और मुझे कमरे के अंदर की चीज़ों का वर्णन करो। मुझे बताओ कि तुम्हें वहाँ क्या दिखाई देता है। अभी करो!”
“ठीक है, मैं अब दरवाजे से अंदर जा रहा हूँ…। मुझे मेजें और कुर्सियाँ दिखाई दे रही हैं… और खाना पकाने की कोई जगह भी।”
"क्या यह रसोईघर है?"
“नहीं। नहीं, यह रसोई नहीं है… यह एक अस्थायी जगह है। कोई बूढ़ा आदमी वहाँ खड़ा खाना बना रहा है।”
क्या यहाँ कोई और मौजूद है?
“मुझे कोई नहीं दिख रहा। नहीं, रुको! कोई और है। कोई उसकी मदद कर रहा है।”

“ठीक है, मैं चाहता हूँ कि आप अगले कमरे में जाएँ। जब आप वहाँ पहुँच जाएँ तो मुझे बताएँ। इसी स्तर पर रहें। अगले कमरे में जाएँ।”
मैं वहीं हूँ। यह एक बड़ा सम्मेलन कक्ष है। वहाँ एक विशाल मेज है जिसके चारों ओर लगभग दो दर्जन कुर्सियाँ हैं।
क्या अभी वहां कोई है?
नहीं, यह खाली है।
“ठीक है, मैं चाहता हूं कि आप लगभग चौबीस घंटे आगे बढ़ें। मुझे बताएं कि आपको क्या दिखाई देता है।”
“अब मैं आगे बढ़ रहा हूँ। मुझे अब लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है।”
आपको क्या लगता है कि अभी कितना समय हुआ है?

“सुबह के करीब आठ बज रहे हैं, और कमरा लोगों से भरा हुआ है। इनमें लगभग पचास प्रतिशत बुजुर्ग हैं और बाकी आधे अपेक्षाकृत युवा हैं। मुझे लगता है कि वे किसी बैठक की तैयारी कर रहे हैं।”
“मैं चाहता हूं कि आप यहां मौजूद प्रमुख व्यक्ति के मन तक पहुंचें और मुझे बताएं कि वह क्या सोच रहा है। क्या आप समझ रहे हैं?”
“हां, मैं समझ गया। मुख्य व्यक्ति एक बुजुर्ग पुरुष है जो मेज के शीर्ष पर बैठा है। वह किसी बात को लेकर बहुत नाराज है, कमरे में मौजूद कुछ लोगों पर बहुत गुस्सा है। वह उन पर मुक्का मार रहा है और चिल्ला रहा है।”
“यह बैठक किस बारे में है?”
“यह अमेरिकियों के बारे में है… मुझे लगता है कि बंधकों के बारे में है। हाँ, यह सब बंधकों के बारे में ही है।”
“उनकी मंशा क्या है? क्या वे बंधकों को मारना चाहते हैं?”
“नहीं! नहीं, वे उस बारे में बात नहीं कर रहे हैं। बातचीत तो इस बात पर केंद्रित लग रही है कि उनके साथ क्या किया जाए... ज़रा सोचिए... उन्हें यहीं रखें या कहीं और भेज दें। दरअसल, बूढ़ा आदमी उनमें से कुछ के साथ हुए बर्ताव से नाराज़ है। उसे लगता है कि नौजवानों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया है, और वह उन्हें बंधकों का बेहतर ख्याल रखने की चेतावनी दे रहा है। अब मैं थक गया हूँ... मुझे लगता है कि अब मुझे वापस जाना चाहिए। क्या यह ठीक है? मैं वापस जाना चाहता हूँ।”

“ठीक है। आप इसे बीच में ही छोड़ सकते हैं और फिर वापस आ सकते हैं। हम आपकी वापसी पर नज़र रखेंगे। आप किसी भी समय शुरू कर सकते हैं।”

मैं वहाँ बैठा रहा, जो कुछ मैंने पढ़ा था उससे स्तब्ध। मैंने जल्दी से बाकी दो फोल्डर पलटे, जिनमें से प्रत्येक में शहर की सड़कों के ऊपर मंडराने, छतों और दीवारों से होकर भूत की तरह गुजरने के समान विवरण थे। यह अद्भुत था। ये लोग वही जी रहे थे जिसे मैं दुःस्वप्न कहता था। वे सरकार के लिए यह काम कर रहे थे। आखिर वे कौन थे? वे वहाँ कैसे पहुँचे?
रात ठंडी और बूंदा-बांदी वाली थी, ऊपर घना कोहरा छाया हुआ था। घर वापस जाने के लिए मुझे बस इसी की ज़रूरत थी। पूरे रास्ते मैं बहुत घबराई हुई थी। मुझे लगा जैसे पीछे की सीट पर कोई बैठा है। मैं बार-बार पीछे मुड़कर देख रही थी, पर ज़ाहिर है कुछ नहीं था। सड़क के किनारे लगे पेड़ धुंधले दिख रहे थे, मानो सड़क को घेरे हुए हों। मुझे घुटन महसूस होने लगी। मैंने गाड़ी सड़क के किनारे रोकी और कार से बाहर निकल गई।
गहरी सांस लेते हुए, मैंने अपने दिमाग से ज़हर निकालने की कोशिश की। मैंने ठंडी हवा अंदर खींची, उन भयानक तस्वीरों को बाहर निकालने की कोशिश की जो मुझे परेशान कर रही थीं। कई गहरी सांसें लेने के बाद, मैं कार के बोनट पर झुक गई और अपना सिर गर्म धातु पर टिका दिया। हे भगवान, मुझे खुद को संभालना होगा। यह मुझे इतना परेशान क्यों कर रहा था? इसमें इतनी बड़ी बात क्या थी? मैंने गुस्से में अपना मुक्का बोनट पर मारा। मुझे पता था कि असली बड़ी बात क्या थी। मैं ऐसे इंसानों के बारे में पढ़ रही थी जो भूत बन जाते हैं, और मानो इतना ही काफी नहीं था, वे समय में यात्रा करके चीज़ें देखते हैं और वापस आ जाते हैं। वे ज़मीन से ऊपर मंडराते हैं, दीवारों के आर-पार चले जाते हैं, और बुरी आत्माओं से बात करते हैं... और यह तो बस मैंने पढ़ा था! मैंने एक देवदूत से बात की थी, अपने शरीर से बाहर निकली और वापस लौटी, पिछले छह महीनों से नींद में और अंधेरे में चीज़ें देखी हैं। इसमें क्या गलत था? मुझे घबराने की क्या ज़रूरत थी? यह तो बिल्कुल सामान्य बात थी... है ना? मैं गाड़ी के बोनट पर वापस गिर पड़ी और रोने लगी। "कोई मेरी मदद करो," मैं सिसकते हुए बोली। "मैं ये नहीं चाहती... मैं ये कभी नहीं चाहती थी।"

मैं काफी देर तक वहीं बैठा रहा, माथे पर इंजन की गर्मी और पीठ पर जमती ठंडी नमी का एहसास करता रहा। खुद को गाड़ी के बोनट से घसीटते हुए, मैं स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठ गया और घर चला गया। नीचे कमरे के अंधेरे में घूरते हुए मुझे नींद आ गई।

अगली सुबह जब मैं दफ्तर में दाखिल हुई तो मेरी आंखें सूजी हुई लग रही थीं, पिछली रात की थकान अभी भी महसूस हो रही थी। मैंने सचिव के दफ्तर से एक कप गर्म कॉफी ली और इसके लिए उन्हें दिल से धन्यवाद दिया।
“तुम थके हुए लग रहे हो,” उसने कहा। “भीड़ के आने और कप खाली करने से पहले तुम दो कप ले लो।”

“धन्यवाद, मार्गरेट। मुझे लगता है मैं ऐसा ही करूंगा।”
गरमा गरम कॉफ़ी ने मुझमें नई जान फूंक दी। मैं अपने दफ्तर में गई और तिजोरी पर रखे गिलास घुमाए। मैं फाइलों पर एक नज़र डालना चाहती थी। मैंने एक गहरा घूंट लिया और गर्म कप को अपने माथे से लगाया। तभी डेस्क पर रखा फोन बजा, जिससे दफ्तर की शांति भंग हो गई।
“डेविड? मैं डॉ. बार्कर हूँ। मैं बस यह जानना चाहता था… क्या आपको उन फाइलों की समीक्षा करने का मौका मिला?”
मैं एक पल के लिए हिचकिचाई, सोच रही थी कि शायद उसे मना कर देना ही बेहतर होगा। हो सकता है कि बार्कर मुझे इस मामले में और घसीटने से पहले मुझे थोड़ा समय चाहिए हो ताकि मैं अपना दिमाग शांत कर सकूँ। आखिरकार मैंने उसे जवाब दिया, "हाँ, मैंने देखा था। मैंने उन्हें कल रात देखा था।"
“बहुत बढ़िया! क्या हम उनके बारे में बात कर सकते हैं?”
जी हाँ। कब?
“मान लीजिए आज, लगभग एक बजे। क्या आपको कोई आपत्ति नहीं होगी? और हां, फाइलें भी साथ ले आइएगा। मुझे उन्हें तिजोरी में वापस रखना है।”
फिर मिलते हैं, डॉक्टर साहब।
मैं काफी देर तक वहीं बैठा फाइलों को देखता रहा। फिर मैंने पन्ने पलटे और जांचकर्ताओं द्वारा बनाए गए उन रहस्यमय चित्रों को फिर से देखा। उनके चित्र इतने विस्तृत थे, लक्ष्य का उनका वर्णन इतना भयावह और सजीव था। मैंने अविश्वास से अपना सिर हिलाया। मुझे इन्हें संभाल कर रखना होगा,

मैंने सोचा। मैं इन्हें यूं ही गायब नहीं होने दे सकता। मैंने अगले कुछ घंटे एक कॉपी मशीन के सामने बिताए। इस इमारत में जब भी गोपनीय दस्तावेजों की प्रतिलिपियां बनाई जाती थीं, तो गोपनीय दस्तावेज़ प्रबंधक के पास दस्तावेजों की प्रकृति और प्रतियों की संख्या दर्ज कराना अनिवार्य था। लेकिन मैं नहीं चाहता था कि किसी को पता चले कि मैं इस मामले की जांच कर रहा हूं। मुझे यह भी लग रहा था कि मुझे इस जानकारी से खुद को सुरक्षित रखना होगा। कुछ तो गड़बड़ थी। मुझे एक सुरक्षा कवच की जरूरत थी।
एक बजे मैं बॉस के दफ्तर में चल रही कमांड ग्रुप की मीटिंग से भागते हुए बाहर निकला। मैंने अपनी तिजोरी से फाइलें निकालीं और बार्कर के दफ्तर की ओर चल पड़ा। मैंने उनके दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक दी, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। मैंने अपनी घड़ी देखी; मुझे पंद्रह मिनट देर हो चुकी थी। "धत् तेरे की!" मैंने खुद से बुदबुदाया, और अभी भी दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक दे रहा था। "उसे यहाँ होना ही चाहिए! मैं इतना भी लेट नहीं हुआ हूँ।"
“बस एक मिनट! मैं एक मिनट में आ रहा हूँ!” बार्कर ने अंदर से चिल्लाकर कहा। मैं हॉल में इधर-उधर चक्कर लगा रहा था, उसके दरवाजा खोलने का इंतज़ार कर रहा था। मैं शायद घबराया हुआ, या डरा हुआ, या कुछ और लग रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे ऑफिस के पास से गुजरने वाला हर कोई मुझे घूर रहा हो। शायद वे सोच रहे थे कि मैं लगातार दो दिन मनोचिकित्सक के पास क्यों जा रहा हूँ। दरवाजा झटके से खुला। “अरे! स्वागत है, अंदर आ जाओ। मैं अभी कुछ दोस्तों से तुम्हारे बारे में बात कर रहा था।” बार्कर ने मुझे मेरी हमेशा वाली कुर्सी पर बैठने का इशारा किया और खुद डेस्क के पीछे बैठ गया।
“दोस्त? मेरे बारे में?”
“ज़रूर! आपके अनुभवों से मेरे काम के प्रति काफी रुचि पैदा होती है। आप यह समझ सकते हैं।”
“मुझे लगता है मैं यह समझ सकता हूँ। बस मुझे चिंता हो रही है—”
उन्होंने मेरी बात बीच में ही काट दी। “चिंता मत करो। यह सब गोपनीय है। मैंने तुम्हारा नाम नहीं लिया, सिर्फ तुम्हारा ऑपरेशनल नंबर लिया है, और उन्हें पता नहीं चलेगा कि इसका क्या मतलब है। ठीक है? क्या हम शुरू करें?” मैंने आह भरी, फाइलों के फोल्डरों पर सरसरी नजर डाली और उन्हें उसे सौंप दिया। "कहना गलत नहीं होगा, ये काफी दिलचस्प हैं।"
“हाँ, मुझे भी यही लगा था। आपको उनसे कैसा महसूस हुआ?”

“उन्होंने मुझे बुरी तरह डरा दिया, बस यही बात है। आपको क्या लगता है कि वे मुझे कैसा महसूस कराएंगे?”
“मुझे लगा था कि ये बातें आपको पहले थोड़ी चौंका देंगी, लेकिन मुझे ये भी लगा कि आपको अपने कुछ अनुभवों से मिलती-जुलती लगेंगी। असल में मैं आपको यही समझाना चाहता था कि इस तरह की चीज़ें, भले ही असामान्य हों, लेकिन वास्तव में हकीकत हैं। मुझे डर था कि कहीं आप खुद को एक अपवाद न समझने लगें।”
मुझे लगता है कि मैं एक नंबर का सनकी हूँ, मुझे तो यही लगता है!
“मैं यही नहीं चाहता कि आप ऐसा सोचें। जिन लोगों के बारे में आपने कल रात पढ़ा, वे कोई सनकी नहीं हैं। वे उच्च प्रशिक्षित व्यक्ति हैं जो बेहद ज़रूरी खुफिया जानकारी जुटाने का काम करते हैं; वे राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के लिए एक अनमोल संपत्ति हैं। ऐसी बहुत सी जानकारी है जो केवल वे ही दे सकते हैं, और उनसे संपर्क करना बहुत मुश्किल है।”
“इससे मेरा क्या लेना-देना? मैं वो नहीं कर सकता जो वो लोग उन फाइलों में कर रहे हैं। अरे, मैं तो पूरी तरह बेकाबू हूँ, और वो लोग—खैर, वो जहाँ जाना चाहते हैं जाते हैं, जो देखना चाहते हैं देखते हैं। वो लोग खास हैं।”
“अब उनमें ये क्षमता है… लेकिन शुरुआत में ऐसा नहीं था। हाँ, उनमें से कुछ में इस क्षमता का कुछ अंश तो है, लेकिन वो परिष्कृत क्षमता नहीं जिसकी हम बात कर रहे हैं। उनमें से कुछ का सामना ऐसी घटनाओं से हुआ है जिनसे वे भयभीत हो गए हैं, ठीक वैसे ही जैसे आप भयभीत हुए हैं।”
क्या उन्हें सिर में गोली मारी गई है?
बार्कर बीच वाक्य में रुक गए और मुस्कुराए। “सोचें तो सही, नहीं, किसी को सिर में गोली नहीं लगी है। सच कहूँ तो, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ खास फर्क पड़ेगा। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि इतनी ज़ोरदार चोट से आपके साथ क्या हो सकता था। लेकिन ज़ाहिर है, कुछ तो हुआ होगा, क्योंकि आपको पहले इस क्षमता का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। यही बात आपको दूसरों से अलग करती है। लेकिन यह बात मायने नहीं रखती। ज़रूरी तो आपके विकल्प हैं। और वे ये हैं: मैं चिकित्सकीय सहायता का इंतज़ाम कर सकता हूँ। यानी, मैं या तो यहाँ क्लिनिक में इस कथित समस्या में आपकी मदद करने की कोशिश कर सकता हूँ। या, मैं आपके लिए किसी दूसरे संस्थान में मनोचिकित्सक से मिलने का इंतज़ाम कर सकता हूँ। ये दो विकल्प हैं।”

मुझे गुस्सा आया। "और?"
अब बार्कर गंभीर हो गए। “इसमें कोई ‘और’ वाली बात नहीं है। हालांकि, मैं कुछ लोगों से आपका इंटरव्यू करवा सकता हूँ और करवाऊँगा। कुछ लोग, अगर आप योग्य हैं, तो आपकी इस नई क्षमता का सदुपयोग करने में आपकी मदद करने के लिए तैयार हो सकते हैं। चुनाव आपका है।”
“माफ़ करना डॉक्टर, लेकिन ये विकल्प काफ़ी सीमित हैं। अगर मैं आपको सही समझ रहा हूँ, तो आप कह रहे हैं कि या तो मैं अपना करियर खत्म करके इस ‘समस्या’ के लिए चिकित्सकीय सहायता लूँ, या फिर मैं उन लोगों के समूह में शामिल होने की कोशिश करूँ जो इस ‘समस्या’ को एक ‘क्षमता’ मानते हैं और अपना बाकी जीवन इसे नियंत्रित करने की कोशिश में बिताऊँ ताकि यह एक दिन मेरी जान न ले ले। क्या यही बात है?”
"आपने मेरी बात को थोड़ा तोड़-मरोड़ कर पेश किया है, लेकिन मूल रूप से यह सही है। आप इसे जीवन भर नहीं करते रहेंगे।"

"कितनी देर?"
"कि निर्भर करता है।"
“किस पर?”
“यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, या आप इसे जारी रखने का फैसला करते हैं या नहीं, और लगभग एक दर्जन अन्य कारकों पर। लेकिन मेरे हिसाब से ये सबसे महत्वपूर्ण हैं। डेविड, मैं तुम्हें एक नए जीवन का मौका दे रहा हूँ। क्या तुम इसमें रुचि रखते हो?”
मैं घबराकर अपने पैर हिलाने लगी, सोच रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि बार्कर मुझे हिलते-डुलते देख रहा है और मैंने खुद को रोका। "मुझे इस बारे में सोचना पड़ेगा। क्या मैं कुछ दिनों की छुट्टी ले सकती हूँ?"
“कुछ हफ़्ते का समय बेहतर रहेगा। मैं नहीं चाहता कि तुम इसमें एकदम से कूद पड़ो; इससे मेरा और तुम्हारा कोई फ़ायदा नहीं होगा।” वह डेस्क से उठे और कल वाले उसी फ़ाइल सेफ़ की ओर चले गए। “मैं चाहता हूँ कि तुम कुछ सामग्री देखो।” उन्होंने दराज से कागज़ों का एक मोटा बंडल निकाला और मुझे दे दिया। “इससे तुम्हारा काम कुछ समय के लिए चल जाएगा।”
“ये सब क्या-क्या चीजें हैं?”

“ये उस यूनिट से संबंधित दस्तावेज़ हैं जिसके बारे में आपने कल पढ़ा था— कुछ ऐतिहासिक जानकारी, शाखा कार्यक्रम, सत्रों के सारांश, इत्यादि। इससे आपको कार्यक्रम का अच्छा-खासा अवलोकन मिल जाएगा। हम संपर्क में रहेंगे, और अगर आपके मन में इससे संबंधित कोई भी सवाल हो तो मुझे जवाब देने में खुशी होगी। आपको पता है मैं कहाँ हूँ।” वह हँस पड़ा, यह सोचकर कि उसकी आखिरी बात मज़ाक थी। “अब चलिए इसे यहीं समाप्त करते हैं, ठीक है?”
"जी हां, डॉक्टर साहब... लेकिन हमने फाइलों के बारे में कोई चर्चा नहीं की।" “कोई बात नहीं; मुझे आपके विचार का काफी हद तक अंदाजा है। बस इतना ही काफी था।” उन्होंने अपनी भौंहें उठाईं, “धन्यवाद!” कहा और मुझे दफ्तर के दरवाजे की ओर इशारा किया।
मैंने और कुछ नहीं कहा। सोच में डूबी हुई, मैं चुपचाप सिर झुकाए अपने दफ्तर वापस चली गई। मैंने दरवाजा बंद किया और डेस्क पर बैठ गई, दस्तावेजों के ढेर को घूरती रही। मैं ये नहीं कर सकती, मैंने सोचा। मैं ये बिल्कुल नहीं कर सकती। मैंने दस्तावेजों को तिजोरी में रखा, दराज बंद किया और धीरे से गिलास घुमाया।
कई दिन बीत गए और मैंने दराज नहीं खोली। मैंने भविष्य की चिंता में समय बर्बाद करने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, मैंने अपना ध्यान अपने परिवार पर केंद्रित किया।
डेबी पूरे परिवार के लिए घूमने-फिरने की योजना बनाती थी। रेंजर में रहते हुए मुझे कभी इन यात्राओं में शामिल होने का मौका नहीं मिला था, और मैं अपने बच्चों को बेहतर तरीके से जानना चाहता था। शुरुआत में, एक तरह से आम नागरिक जैसी जीवनशैली में ढलना थोड़ा मुश्किल था। ऐसा लगता था कि मैं ही उनके रास्ते में रुकावट बन रहा हूँ। शायद किसी परिवार के लिए यह मुश्किल होता है कि पिताजी इतने दिनों तक घर पर रहें, जबकि उन्होंने उन्हें सालों तक मुश्किल से ही देखा हो। मुझे लगता है कि मैं उनके जीवन में दखल दे रहा था, लेकिन वे जितना हो सकता था उतना सहनशील थे।
माइकल ने स्केटिंग सीखना शुरू किया, जिसके चलते आखिरकार वह अलेक्जेंड्रिया के पास एक स्टेडियम में आइस हॉकी खेलने लगा। मुझे उसे अभ्यास और खेल के लिए स्टेडियम ले जाना बहुत अच्छा लगता था। उसका गियर बैग उस समय उसके कद से भी बड़ा होता था। शनिवार और रविवार को पूरा परिवार राजधानी के बेल्टवे के आसपास के स्टेडियमों में उसके खेल देखने जाता था।

यह ऑफिस के काम-काज से एक शानदार राहत थी और मेरी रात की अनजान यात्राओं से एक अच्छा बदलाव था।
मुझे धीरे-धीरे लगने लगा था कि मैं परिवार में फिर से घुलमिल रहा हूँ, और डेबी और मैं एक-दूसरे पर भरोसा करने लगे थे। हम रात में मेरे मन में चल रही बातों के बारे में कम ही बात करते थे, लेकिन मुझे पता था कि इससे वह परेशान होती थी। वही थी जो मुझे डरा देती थी, मेरा पसीना पोंछती थी, और अक्सर चीख-चीखकर मुझे जगा देती थी। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता था, इस मामले में धीरे-धीरे उसके साथ मेरा रिश्ता कमजोर होता जा रहा था। वह मेरे बारे में चिंतित थी, और इस बात से नाराज़ थी कि मैं किसी पेशेवर से मदद नहीं ले रहा था। उसके लिए करियर मायने नहीं रखता था। उसके लिए बस यही मायने रखता था कि मैं इन बुरे सपनों—इन दृश्यों—से छुटकारा पा लूँ।

यह 1988 का ईस्टर वीकेंड था। हम हमेशा की तरह चर्च गए और प्रार्थना के तुरंत बाद अपने माता-पिता को राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेने गए। उनसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा। मुझे हमेशा माँ और पिताजी के साथ सहज महसूस होता था। वे मुझे सुरक्षित महसूस कराते थे। हमने परिवार और दोस्तों के बारे में बातें करते हुए समय बिताया; हमने पिताजी के कुछ पुराने सेना के साथियों से भी संपर्क किया और द्वितीय विश्व युद्ध और कोरिया युद्ध की कहानियों पर हँसते हुए एक शाम बिताई। निःसंदेह, यह मेरे लिए काफी समय में सबसे सुखद पलों में से एक था। सोने से पहले पिताजी और मैंने थोड़ी सी वाइन का आनंद लिया।
“नई नौकरी कैसी चल रही है?”
मैंने उसकी तरफ देखा और मुँह बनाया। “यह दिलचस्प तो है—बस इतना ही। चाहे कितना भी अच्छा हो जाए, यह कभी पैदल सेना जितना अच्छा नहीं हो सकता। मैं अपनी एक महीने की तनख्वाह भी दे सकता हूँ, बस एक हफ्ते के लिए कुछ गंदे चेहरों वाले सैनिकों को देखने के लिए। पिताजी, मैं इसे सेना नहीं कहूँगा; यह तो एक ऊँची तनख्वाह वाला, महँगा लड़कों का क्लब जैसा है। इस संगठन के कुछ लोग तो महीने में आठ सौ डॉलर से भी ज़्यादा का अतिरिक्त भत्ता ले रहे हैं।”
“किसलिए? जासूस बनने के लिए?”

“यह उससे भी कहीं ज़्यादा आपराधिक मामला है। पिछले दिनों मैं एक मीटिंग में बैठा था, जब यूनिट ट्रेनिंग ऑफिसर ने सभी कमांडरों को बताया कि कुछ लोग अभी भी विध्वंस भत्ता ले रहे हैं, जबकि उन्होंने अपनी तिमाही योग्यता पूरी नहीं की है। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें एक महीने का वेतन नहीं मिलेगा। मज़ेदार बात यह है कि इस योग्यता में एक नकली विस्फोट उपकरण को फोड़ना शामिल है। क्या आप विश्वास कर सकते हैं? ये लोग एक एम-80 पटाखे के बराबर चीज़ को उड़ाने के लिए विध्वंस भत्ता ले रहे हैं। यह देखकर मुझे बहुत गुस्सा आता है। मुझे याद है युवा रेंजर्स पाँच गैलन फ्यू-गैस में कूद जाते थे, जिस पर क्लेमोर माइन टेप से चिपकी होती थी, ताकि लक्ष्य को जलाकर राख कर सकें। और वे ऐसा हर दूसरे हफ्ते करते थे। मैं कोशिश भी करता, तो भी उन्हें इसके लिए विध्वंस भत्ता नहीं दिलवा पाता। और ये लोग पटाखे जलाने के लिए इसे पा रहे हैं। यह बकवास है, पिताजी, एकदम बकवास।”
मुझे समझ नहीं आता कि वे ऐसा करके कैसे बच निकलते हैं। क्या कोई इस तरह के दुर्व्यवहार पर नज़र नहीं रख रहा है?
“मुझे लगता है कि वे ऐसा करते होंगे, लेकिन यह एक बड़ी सेना है, और हम आमतौर पर उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो हमें दिखाई देती हैं, न कि उन चीजों पर जो गोपनीयता की आड़ में छिपी होती हैं। मैंने कुछ दिन पहले एक तिजोरी में एक घड़ी देखी जिसकी कीमत करदाताओं के पैसे से मेरी तीन साल की कमाई से भी ज़्यादा थी। यह एक ऐसी चीज़ थी जिसे यूनिट के किसी सदस्य ने किसी मिशन पर नकली पहचान के तहत इस्तेमाल किया था। जब मैं रेंजर्स में था, तब इतने पैसे से मैं प्रशिक्षण के लिए बहुत सारा गोला-बारूद खरीद सकता था।”

पिताजी ने मेरे कंधे पर हाथ रखा। “मुझे पता है बेटा। ऐसी चीज़ें देखकर बहुत गुस्सा आता है। लेकिन मुझे यकीन है कि इसके पीछे कोई न कोई मकसद ज़रूर होगा। शायद वे इस तरह की हरकतें करते समय किसी एजेंसी के साथ मिलकर काम कर रहे होंगे—है ना?”
“मुझे नहीं पता। मुझे शक है। लगता है इस यूनिट और सीआईए के बीच लगातार टकराव चल रहा है। अगर आप मुझसे वोट देने को कहें, तो मैं सीआईए को ही वोट दूंगा। उन्हें इन मामलों में सब पता है; हमें नहीं। हाँ, हमारी यूनिट में कुछ अच्छे लोग हैं, लेकिन ज़्यादातर लोग जेम्स बॉन्ड बनने की कोशिश कर रहे

हैं, और वे इसमें बिल्कुल भी अच्छे नहीं हैं। असल में, वे इसमें बेहद घटिया हैं, और सेना के लिए इन लोगों का होना शर्मनाक है। सेना के सचिव को ये लोग पसंद नहीं हैं और न ही उन पर भरोसा है। लेकिन ये कहानी तो मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ।” मैंने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। “देखो, देर हो रही है, और कल काम का दिन है। चलो सो जाते हैं। शुभ रात्रि, पिताजी। मैं आपसे प्यार करता हूँ, और यहाँ रहने के लिए धन्यवाद।”
वह मुस्कुराया और गिलास में बची आखिरी घूंट पी गया। "मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ। सुबह मिलते हैं।"
मैंने बच्चों को देखा और अंत में डेबी के बगल में लेट गई। जैसे ही मैं चादर के ऊपर लेटी, अपने हाथों को गर्दन के पीछे रखे, वह नींद में मेरे और करीब आ गई। मैं छत पर लगे पंखे को घूमते हुए देखती रही और विचारों में खोकर धीरे- धीरे नींद में डूब गई।

मेरी आँखें कमरे के अँधेरे में खुलीं। मेरे ऊपर पंखा अचानक रुक गया। मैं कुछ पल वहीं लेटा रहा, छत को घूरता रहा, अपनी दृष्टि के किनारों से कमरे के बाकी हिस्से को देखने की कोशिश करता रहा। मुझे बिस्तर पर अपने बगल में डेबी का एहसास नहीं हो रहा था। मैं अकेला था। मैंने उसका नाम पुकारने की कोशिश की, लेकिन मेरे मुँह से कुछ नहीं निकला, मानो कोई शक्तिशाली शक्ति मुझे साँस या आवाज़ लेने से रोक रही हो। मैंने फिर बोलने की कोशिश की, लेकिन मेरा गला और भी सूखता चला गया।
मैंने उठने की कोशिश की, लेकिन दर्जनों अदृश्य हाथों के दबाव ने मुझे वापस बिस्तर पर धकेल दिया। मैंने चीखने की कोशिश की, लेकिन कोई आवाज़ नहीं निकली। मेरे मुंह से बस घुटती हुई हवा की एक हल्की सी फुफकार निकली। मेरी बाहें अपनी जगह से हिल नहीं रही थीं, और मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं बिस्तर में धंसती जा रही हूँ, और गहरी, और गहरी। मुझे चारों ओर सिर्फ़ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई दे रहा था, रेगिस्तान में देखे अंधेरे जैसा अंधेरा — एक ऐसा अंधेरा जो अपने साथ किसी अदृश्य स्रोत से प्रकाश लेकर आया था। उसने पूरे कमरे को भर दिया। घोर भय से, मैंने अपना सिर इधर-उधर घुमाया, अपने शरीर को बिस्तर से जकड़े हुए किसी भी चीज़ से मुक्त करने की बेताब कोशिश की। मैंने बैठने, पैर हिलाने या करवट बदलने की कोशिश की, लेकिन मैं हिल नहीं सकी। मेरा दिल इतनी तेज़ी से धड़क रहा था कि ऐसा लग रहा था जैसे

कोई बाहरी वस्तु हो, मुझसे जुड़ी हुई हो लेकिन मेरी नहीं। अचानक, तेज़ हवा की आवाज़ मेरे कानों में चुभ गई। जैसे ही मैंने भय से देखा, कमरा और उसमें मौजूद हर चीज़ मुझ पर और अपने आप पर सिमट गई... और फिर चारों ओर घोर अंधेरा और सन्नाटा छा गया। यह पल भर में ही बीत गया, और मैंने खुद को किसी अनजान जगह पर चारों हाथों-पैरों के बल लेटा हुआ पाया। ज़मीन गहरे लाल और बैंगनी रंग की थी और हर कोण से चमक रही थी। अपने हाथ-पैर हिलाए बिना मैंने क्षितिज की ओर सिर उठाया और देखा कि चारों ओर बिखरा हुआ परिदृश्य था, सब कुछ नीले और गहरे लाल रंग के अजीबोगरीब मिश्रण में डूबा हुआ था।
दृष्टि के सामने सब कुछ, यहाँ तक कि आकाश भी, रंगों और गति का एक घूमता हुआ समूह था। एक हल्की, गर्म हवा मेरे चेहरे को छूकर ज़मीन पर बह गई, अपने साथ मोटे रेत के कणों के आकार के छोटे-छोटे क्रिस्टल लेकर आई। वे मेरी खुली त्वचा पर चुभ रहे थे, और मैंने अपना चेहरा बचाने के लिए अपना हाथ ऊपर उठा लिया। अपनी बांह के मोड़ से झाँकते हुए, मैंने अपनी स्थिति का जायजा लेने के लिए अपनी आँखें गड़ा लीं। जहाँ तक मेरी नज़र जा रही थी, मैं अकेला था। वहाँ कोई इमारत नहीं थी, कोई पहाड़ नहीं थे, कोई पेड़ नहीं थे, मेरे नीचे केवल फटी हुई सतह और क्रिस्टलीय धूल थी। मैंने यह देखने के लिए अपने शरीर को छुआ कि क्या यह वास्तविक है।
तेज़ हवा के बीच एक ऐसी आवाज़ आई जो मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी। मैंने अपना सिर झटक दिया, जैसे कोई कुत्ता करता है, उसकी दिशा जानने की कोशिश में। फिर से वही आवाज़ सुनाई दी! मैं अपनी एड़ियों पर घूमा, हवा की ओर मुँह करके, अपने शरीर को आवाज़ की दिशा में किया और आगे झुककर उसकी ओर बढ़ने लगा, अपने चेहरे को बाहों से बचाते हुए। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता गया, आवाज़ तेज़ होती गई। मुझे कई बार लगा कि मैं समझ पा रहा हूँ कि वह क्या कह रही है। हर बार जब मैं उसके कुछ ही फ़ीट के करीब पहुँचता, उसे पकड़ने के लिए काफ़ी नज़दीक, हवा उसे उड़ा ले जाती और मुझे फिर से दिशा बदलनी पड़ती।

मुझे अपने सामने किसी चीज़ में एक छोटा सा छेद मुश्किल से दिखाई दे रहा था। जैसे-जैसे मैं पास पहुँचा, एक छोटी गुफा का मुँह सामने आ गया। मैं उसमें प्रवेश कर गया, शोरगुल को पीछे छोड़ते हुए। मेरे सामने, अंधेरे की जगह एक अजीब सी चमक ने ले ली। मेरे आगे—अनुमानतः लगभग बीस फीट—मैंने गुफा में एक धुंधली आकृति देखी, जिसकी छवि चमक में लहरों की तरह हिल रही थी। फिर से

आवाज़ आई। यह मेरा नाम था। "डेविड," उस आकृति ने पुकारा। मैं केवल एक प्राणी की धुंधली रूपरेखा देख पा रहा था। वह पारदर्शी, यहाँ तक कि खोखला भी लग रहा था, फिर भी वह खोखला नहीं था। उसने फिर से मेरा नाम पुकारा।
“तुम कौन हो? तुम्हें क्या चाहिए?” मैंने उस प्राणी पर चिल्लाते हुए कहा। उसने कोई हरकत नहीं की। उसने बस मेरा नाम फिर से पुकारा।
मैंने फिर चीख मारी, “तुम कौन हो? मैं कहाँ हूँ?” मैं अपनी पूरी ताकत से चीखते हुए उसकी ओर बढ़ा। “तुम हो कौन?” मैं लड़खड़ाकर उस प्राणी के पैरों पर गिर पड़ा, घुटनों के बल खड़ा हुआ और घृणा से उसे घूरने लगा। मेरी आँखें उसे भेदती रहीं और मैंने मुट्ठियों से उस पर वार किया, खड़े रहने के लिए संघर्ष करते हुए। मेरे अंग उसके आर-पार हो गए, कोई निशान नहीं छोड़ा। मैं बार-बार उस पर वार करता रहा, जब तक कि थककर मेरे हाथ नीचे नहीं लटक गए। मैं वहाँ सिर झुकाए, हारा हुआ खड़ा रहा, मानो मैंने किसी पुतले से लड़ने की कोशिश की हो।
भावना मुझ पर हावी हो गई। मैं स्तब्ध और भ्रमित होकर रोने लगी। मैंने धीरे से अपना सिर उठाकर उस प्राणी के चेहरे को देखा और उस दृश्य के सदमे से मेरा दिल दहल गया। वह प्राणी मेरा ही चेहरा धारण किए हुए था। "हे भगवान!" मैं चीखी और फिर से उस पर प्रहार किया। मैंने अपनी मुट्ठियाँ उस पर एक बार, दो बार, तीन बार, फिर चार बार गड़ा दीं और फिर लड़खड़ाते हुए गुफा से बाहर निकलकर तूफान में भाग गई। भागते हुए मुझे उसके पीछे से हँसने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। मैं उससे जितना दूर भागती गई, हँसी उतनी ही तेज़ होती गई, यहाँ तक कि मुझे यकीन हो गया कि वह प्राणी मेरा पीछा कर रहा है, मुझे पकड़ने की कोशिश कर रहा है। भागते हुए मैंने अपना सिर पीछे मुड़कर देखा, तभी मेरा संतुलन बिगड़ गया और मैं ज़ोर से गिर पड़ी। मेरा चेहरा ज़मीन पर ज़ोर से टकराया और चोट से मेरी आँखें बंद हो गईं। स्तब्ध होकर मैंने उठने की कोशिश की, मेरे चारों ओर हँसी गूँज रही थी... एक दुष्ट, भयानक हँसी। पल भर में, मेरे शरीर पर हाथ आ गए, मेरी बाहों, मेरे सिर, मेरे पैरों को जकड़ लिया। मैंने लात मारी और जोर-जोर से चीखी, जो भी चीज मुझे पकड़े हुए थी उससे लड़ने की कोशिश की।
“डेविड! डेविड, रुक जाओ!” हवा ठंडी हो गई और हवा की आवाज़ बंद हो गई। “डेविड, लात मारना बंद करो—हम तुम्हारी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। डेविड!” मेरे चारों ओर से अलग-अलग आवाज़ें आ रही थीं। “डेविड! अपनी आँखें खोलो,

बेटा। मैं पापा हूँ। अपनी आँखें खोलो!” मैंने छटपटाना बंद कर दिया और वहीं लेट गया, अपने गालों पर ज़मीन की ठंडक और नमी महसूस कर रहा था। मैंने अपनी आँखें खोलीं तो मुझे चिंतित चेहरे दिखाई दिए: मेरी माँ का, मेरे पापा का, डेबी का।
“क्या तुम ठीक हो, बेटा?” डेबी ने मेरे कंधे पर एक हाथ रखकर मेरे बालों को सहलाया, मानो ज़रूरत पड़ने पर मुझे फिर से ज़मीन पर धकेलने के लिए तैयार हो। मुझे अपने पिता की आवाज़ सुनाई दी।
"वह नींद में ही चल रहा होगा!"
दर्द से कराहते हुए, मैंने अपनी आँखें मलीं और अपनी आवाज़ ढूंढने की कोशिश की, "क्या हुआ?"
डेबी ने मेरी पीठ सहलाई। उसने कहा, "तुम बाहर हो, पीछे वाले लॉन में। तुम्हें कोई बुरा सपना आया होगा; हमने तुम्हें यहाँ चीखते हुए सुना, और तुम ज़मीन पर ऐसे छटपटा रहे थे जैसे किसी चीज़ से लड़ रहे हो। तुम्हारी माँ ने सबसे पहले तुम्हारी आवाज़ सुनी।"
“मुझे लगा कोई घुसपैठिया है या कुछ और—मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या सोचूँ। तुमने मुझे बहुत डरा दिया,” मेरी माँ ने कहा। वह मेरे पिता के बगल में खड़ी थी और उनका हाथ पकड़े हुए थी।
मैं सिर झुकाकर और हाथ घुटनों के सामने मोड़कर बैठ गया। "अरे बाप रे!" मैं अभी भी थोड़ा हैरान था, बड़बड़ाया। "ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आप सबको डराने के लिए माफ़ करना। मुझे नहीं पता क्या हुआ। लगता है वो सारा चाइनीज़ खाना खाकर हुआ होगा, है ना?" सबने दबी हंसी हंस दी।
पिताजी ने कहा, “मैंने अपनी जिंदगी में बहुत सारा चाइनीज खाना खाया है, लेकिन कभी उसकी वजह से मुझे मैदान पर नहीं उतरना पड़ा। बेटा, तुम्हें इसकी जांच करवानी चाहिए।”
डेबी ने कहा, "जब से उसके सिर में गोली लगी है, तब से वह इस स्थिति से गुजर रहा है।"
“सिर में गोली लगी?” मेरी माँ चिल्लाई।
"अरे, डेबी! तुम्हें इस बारे में कुछ भी कहने की ज़रूरत नहीं थी, धिक्कार है!"

उसने झट से जवाब दिया, “हाँ, मैंने किया। जब से यह हुआ है, तुम्हें परेशानी हो रही है, और अब समय आ गया है कि लोग इसके बारे में जानें और तुम्हें इस पर ध्यान दिया जाए। मैं तुम्हें बुरे सपनों से जगाने, तुम्हारी चीखों को शांत करने या हर सुबह तुम्हें लॉन से उठाने का काम नहीं कर सकती। धिक्कार है, मैं थक गई हूँ। तुम्हें मदद लेनी चाहिए।”
माँ ने मेरी तरफ इशारा किया, उनके शब्द वैसे ही चुभ रहे थे जैसे बचपन में चुभते थे। “मुझे विश्वास नहीं हो रहा, डेविड। तुम्हारा मतलब है कि तुम्हें गोली लगी और तुमने हमें बताया तक नहीं? क्या तुम्हें पता है कि इससे मुझे कितना गुस्सा आता है?”
“हे भगवान! तुमने हमें क्यों नहीं बताया?” पिताजी ने अविश्वास से अपना सिर हिलाया।
“खैर, मैंने नहीं किया←”
डेबी ने मेरी बात पूरी करते हुए कहा, "क्योंकि वह नहीं चाहता था कि कोई उसके बारे में चिंता करे। वह चाहता था कि तुम पागलों की तरह जंगल में उसका पीछा करो, बजाय इसके कि उसे चिकित्सा सहायता मिले।"
“धिक्कार है!” मैंने खुद को ज़बरदस्ती खड़ा करते हुए कहा। “शुरुआत में इतना बुरा नहीं था। बस हाल ही में हालत बिगड़ती जा रही है, बस। मैंने इस बारे में यूनिट के मनोवैज्ञानिक से बात की है।”
“ओह? और उसने क्या कहा?” माँ ने पूछा। “तुम्हें शायद अस्पताल में भर्ती होना चाहिए।”
“नहीं! मुझे अस्पताल जाने की ज़रूरत नहीं है। मुझे वहाँ बिल्कुल नहीं जाना चाहिए। मुझे बस थोड़ा आराम चाहिए। मैं सुबह डॉक्टर को इसके बारे में बता दूँगी।” मैं घर की ओर चल पड़ी। “शुभ रात्रि, सभी को। आप सबको जगाने के लिए माफ़ी चाहती हूँ।”
मैं उस बिस्तर पर लेट गया जिसे मैंने अनजाने में छोड़ दिया था, और चलते हुए पंखे को देखता रहा। उस रात मैंने फिर कभी अपनी आँखें बंद नहीं कीं।

अगली सुबह मैं डॉ. बार्कर के कार्यालय के दरवाजे के बाहर गर्म कॉफी का कप लिए बैठा उनका इंतजार कर रहा था। जब वे आए, तो मैंने उन्हें रात की सारी घटनाएँ एक घंटे तक सुनाईं।

“खैर, यह बहुत दिलचस्प लग रहा है, हालांकि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसके बारे में क्या कहूँ। क्या आपने इससे पहले कभी नींद में चलने का अनुभव किया है?” मुझे नहीं पता। मुझे पहले कभी किसी ने जगाया नहीं है, लेकिन कौन जाने जब मैं इतना शोर नहीं करता तो क्या होता होगा? मेरा मतलब है, कौन कह सकता है कि यह सब नींद में चलने का लक्षण नहीं है?
“यह अच्छा मुद्दा है, लेकिन आपने अब तक जो कुछ भी कहा है वह सब इसी सांचे में फिट बैठता है…। आपका कहना है कि आपने आपका ही चेहरा देखा था?”
“हाँ, सही है। इसका क्या मतलब था?”
“सच कहूँ तो, मुझे बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं है कि इसका क्या मतलब हो सकता है। यह आपके पहले के किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग था। हो सकता है यह आपके भीतर चल रहे तूफान का, आपके अंदर हर दिन होने वाले संघर्ष का ही कोई रूप हो। आप जो कुछ दिखाया गया है, उस संदेश का अर्थ समझने में उलझन में हैं। अगर मैं अंदाज़ा लगाऊँ तो कहूँगा कि इन्हीं अनुत्तरित सवालों के कारण आपको ये दृश्य दिखाई दे रहे हैं। गुफा और वह प्राणी भी मुझे दिलचस्प लगते हैं, लेकिन उनकी चर्चा हम बाद में करेंगे। ठीक है?”
ठीक है, लेकिन मुझे इसके बारे में कुछ करना होगा। मैं ऐसे नहीं जी सकती। सच कहूँ तो, मैं इसे जीना मानती ही नहीं—यह तो बस अस्तित्व बनाए रखना है। मुझे नहीं पता कि अगले ही पल क्या होगा। हर बार जब मैं आँखें बंद करती हूँ, तो सोचती हूँ कि कहीं मैं जंगल में, सड़क पर, किसी शॉपिंग मॉल में, या किसी पोर्टल से होकर ऐसी दुनिया में न पहुँच जाऊँ जहाँ से शायद कभी वापस न आ पाऊँ। क्या कभी आपके मन में भी यह ख्याल आया है कि मैं शायद कभी वापस न आऊँ? “हम्म।” बार्कर ने भौंहें चढ़ाईं। “यहीं रुको, मुझे एक कॉल करना है। लेकिन इससे पहले, मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि मैं इससे उत्साहित हूँ, और मैं चाहता हूँ कि तुम भी उत्साहित हो जाओ।”
“प्रोत्साहित? इसमें प्रोत्साहित करने वाली बात क्या है?”
उन्होंने मेरी ओर हाथ उठाया, मानो कह रहे हों, "शांत हो जाओ। बस थोड़ा इंतजार करो, तुम्हें समझ आ जाएगा कि मेरा क्या मतलब है। मुझे लगता है मेरे पास तुम्हारे सवालों के सही जवाब हैं।"
इतना कहकर उसने फोन उठाया और एक ऐसे नंबर पर कॉल किया जिसे मैं समझ नहीं पाया। “हेलो, बिल? मैं इनिस बोल रहा हूँ। क्या तुम्हें वह व्यक्ति याद है जिसके बारे में मैंने तुम्हें बताया था? … मैं उसे तुमसे मिलवाने के लिए

लाना चाहता हूँ, अगर हो सके तो कल सुबह …। ठीक है, हम लगभग साढ़े आठ बजे वहाँ पहुँच जाएँगे। तुमसे मिलने का इंतज़ार रहेगा।” उसने फोन रख दिया और मुस्कुराया। “चलिए कल सुबह यहीं मिलते हैं, और हम फोर्ट मीड की सैर पर चलते हैं। मैं चाहता हूँ कि तुम वहाँ कुछ लोगों से मिलो।”
मुझे अंदाज़ा था कि वह मुझे किससे मिलवाना चाहता है, लेकिन मैं यह बात उससे ही सुनना चाहता था। "किससे मिलवाना चाहता हूँ?"
बार्कर एक पल के लिए रुका, मानो सोच रहा हो कि शायद उसने जल्दबाजी कर दी है। "खैर, मैं आपको डराना नहीं चाहता था, लेकिन हमारी पहली मुलाकात के बाद से ही मैं इन लोगों से आपके बारे में बात कर रहा हूँ।"
"आपके पास?"
“जी हां, मैंने देखा है। दरअसल, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जब से मैंने आपकी मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल देखी है, तब से मैं आपको छुपकर देख रहा हूं। आपमें वे सभी संकेत हैं जिनसे मुझे विश्वास होता है कि आप इस यूनिट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।”
“कौन सी इकाई?”
"वह इकाई जो उन फाइलों के लिए जिम्मेदार है जिनकी आप समीक्षा कर रहे हैं।" "तुम चाहते हो कि मैं उनके साथ शामिल हो जाऊं।"
“यह ख्याल मेरे मन में आया था, लेकिन बात इतनी आसान नहीं है। आप यूं ही वहां नहीं जा सकते। उन्हें आपको चाहना होगा। अगर वे आपको चाहते हैं, तो उन्हें आपको पाने से कोई नहीं रोक सकता। दूसरी तरफ, अगर वे आपको नहीं चाहते, तो हमें इस नए तोहफे से निपटने में आपकी मदद करने के लिए कुछ अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा।”

अगली सुबह बार्कर और मैं फोर्ट मीडे के लिए रवाना हुए। साढ़े आठ बजे हम एक डामर की सड़क पर मुड़े जो दो लंबी एक मंज़िला इमारतों की ओर जाती थी, जो विशाल ओक के पेड़ों से आंशिक रूप से ढकी हुई थीं। बार्कर ने उनके बगल में बने छोटे से पार्किंग स्थल में गाड़ी रोकी। पार्किंग स्थल में छह और कारें खड़ी थीं। हम बाईं ओर वाली इमारत की ओर बढ़े, जो दोनों में से लंबी थी। उसके प्रवेश द्वार पर एक बड़ा, भारी धातु का दरवाज़ा लगा था और सभी खिड़कियों पर सुरक्षा जाल लगे हुए थे। इमारत की सतह से पेंट ऐसे उखड़ रहा था जैसे कोई साँप अपनी केंचुली उतार रहा हो। सच कहूँ तो, वह नरक जैसी लग

रही थी। घास-फूस फुटपाथ पर फैली हुई थी और सामने के दरवाज़े तक जाने वाली हरी लकड़ी की सीढ़ियों से चिपकी हुई थी। मुझे याद है कि जब बार्कर ने दरवाज़ा खटखटाया, तो मैंने मन ही मन सोचा कि एक छोटा सा हथौड़ा लिए एक बच्चा भी इस इमारत में घुसकर अंदर के रहस्यों को उजागर कर सकता है। शायद उन्होंने इसे अपने दिमाग से सुरक्षित रखा हो, मैंने मन ही मन हँसते हुए कहा।
दरवाजा धीरे से खुला, और एक गोल-मटोल चेहरा उस छोटे से छेद से हमारी ओर झाँका। “डॉक्टर बार्कर। नमस्कार, नमस्कार, नमस्कार। अंदर आइए, श्री लेवी आपका इंतजार कर रहे हैं।”
“बहुत खूब! जेनी, ये कैप्टन मोरहाउस हैं, वही नौजवान जिनके बारे में मैं बिल को बता रही थी। डेव, ये जेनी ईस्टमैन हैं।” उन्होंने मेरी तरफ देखा और विनम्रता से मुस्कुराईं। “नमस्ते! आपसे मिलकर अच्छा लगा। इधर आइए; मैं देखती हूँ कि वो तैयार हैं या नहीं।”
मैंने अपने सामने के दृश्य को देखकर गहरी सांस ली। मेरे सामने एक विशाल भित्तिचित्र था, जिसमें लाल और बैंगनी रंग के गैस के बादलों से भरी आकाशगंगा का चित्रण था। इसे देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। भित्तिचित्र के दाईं ओर एक कॉफी पॉट के पास दो आदमी खड़े थे। जब मैं बार्कर के साथ उस आदमी के कार्यालय की ओर बढ़ा, जिससे हम मिलने आए थे, तो वे मुझे घूर रहे थे। एक दुबले-पतले, सांवले रंग का आदमी कार्यालय के दरवाजे से बाहर निकला। बार्कर को देखते ही उसके चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान फैल गई।
“स्वागत है, डॉ. बार्कर।” उस व्यक्ति ने बार्कर का हाथ पकड़कर उसे ऊपर-नीचे हिलाया। “काफी समय हो गया जब आप यहाँ मिलने आए थे।”
“ओह, हाँ।” बार्कर ने अपना हाथ उस आदमी से छुड़ाया और चश्मा साफ़ करने के लिए उतार दिया, मानो अपने हाथ पर फिर से अधिकार जमाने का बहाना बना रहा हो। उसने कोहनी से मेरी ओर इशारा किया। “यही वो नौजवान है जिसके बारे में हम बात कर रहे थे।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। मैंने बुद्धिमान, या विनम्र, या कुछ और दिखने की कोशिश की। मैंने उनसे हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने मुझे ऊपर से नीचे तक देख लिया था और बार्कर को ऑफिस में खींच ले गए। उन्होंने जेनी को कहा कि वह मुझे ऑफिस के बाकी लोगों से मिलवा दे।

वह अपनी डेस्क के पीछे से निकली और हवा में हाथ घुमाते हुए बोली, "यही है। देखने में तो यह बहुत सुंदर नहीं है, लेकिन हम इसे अपना घर कहते हैं।" इमारत लंबी और संकरी थी, जिसमें एक बड़ा खुला हिस्सा था जिसे छोटे-छोटे कमरों में बांटा गया था। आप एक छोर पर खड़े होकर बिना किसी रुकावट के दूसरे छोर तक देख सकते थे। फर्श पर भूरे रंग का व्यावसायिक कालीन बिछा था और कार्यालय का फर्नीचर रक्षा विभाग के मानक ग्रे धातु का था। मुख्य प्रवेश द्वार के ठीक बाईं ओर की पूरी दीवार पर गोपनीय दस्तावेजों को रखने के लिए पांच दराज वाली तिजोरियां लगी थीं। रिसेप्शनिस्ट की डेस्क से लगभग एक तिहाई दूरी पर इमारत के दोनों ओर दो छोटे कार्यालय थे। इनमें से एक कार्यालय में श्री लेवी बैठते थे; दूसरे में कुछ बक्से, एक कॉपियर और गोपनीय दस्तावेजों को नष्ट करने वाली एक मशीन रखी थी।
जेनी मुझे वहाँ ले गई जहाँ वे दोनों सज्जन अभी भी खड़े थे, जाहिर तौर पर किसी ऐसी बात पर चर्चा कर रहे थे जिसके बारे में वे मुझे बताना नहीं चाहते थे। उनमें से एक ने हमें आते देखा और दूसरे को कोहनी मारकर विषय बदलने का इशारा किया। दोनों आदमी मुड़े और सपाट तथा उत्सुक मुस्कान के साथ मेरी ओर देखने लगे। जैसे-जैसे हम पास पहुँचे, मैंने उनकी कुछ बातचीत सुनी। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ शब्द मुझे उन फ़ोल्डरों से परिचित लगे जो बार्कर ने मुझे पढ़ने के लिए दिए थे।
"ये मेल रिले हैं," जेनी ने कहा और मेरा हाथ उन्हें इस तरह थमा दिया जैसे मैं कोई बच्चा हूँ।
“और आप?” राइली ने अपना कॉफ़ी का कप थोड़ा खिसकाते हुए पूछा ताकि वह मेरा हाथ मिला सके। राइली का चेहरा सौम्य था और उसकी आँखें हल्के नीले रंग की थीं। वह मध्यम कद का आदमी था, थोड़ा दुबला-पतला, और उसके बाल भूरे थे जो एक तरफ़ से बँधे हुए थे। जैसे ही उसने मेरा हाथ मिलाया, मैंने उसकी पकड़ की मज़बूती और उसके शरीर की तीव्र गर्माहट महसूस की।
“डेव मोरहाउस। आपसे मिलकर अच्छा लगा।”
"क्या आप उस बारे में आश्वस्त हैं?"
जेनी ने राइली के हाथ पर थप्पड़ मारा। "हमेशा मज़ाक करने की कोशिश करते रहते हो, है ना? उस पर बिल्कुल ध्यान मत दो।" उसने मुझे दूसरे आदमी की तरफ मोड़ दिया।

“और ये हैं पॉल पॉसनर।” पॉसनर लंबा, चुस्त-दुरुस्त और मांसल शरीर वाला था, उसके बाल किसी गैंगस्टर की तरह सिर के पीछे की ओर चिकने किए हुए थे।
“हाय, डेव मोरहाउस,” मैंने उसका हाथ पकड़ते हुए कहा।
“मुझे पॉल कहो,” उसने भावहीनता से कहा। “हम तुम्हारा ही इंतज़ार कर रहे थे। तुम्हारे बारे में कुछ दिलचस्प बातें भी सुनी हैं।” उसके कहने का तरीका मुझे असहज कर गया; उसके चेहरे पर वो भाव था जैसे उसे कुछ पता हो, जो तुम्हें नहीं पता। इससे मुझे गुस्सा आ गया। उसका हाथ मिलाना मज़बूत था, लेकिन संक्षिप्त था। ऐसा लग रहा था जैसे वह अपनी ऊर्जा बचा रहा हो, और उसे डर था कि अगर उसने ज़्यादा देर तक हाथ मिलाया तो मैं उसे छीन लूँगा। बाद में मुझे पता चला कि वह यूनिट का वरिष्ठ कप्तान था।
दोनों ने जोर-जोर से कॉफी पीते हुए देखा कि जेनी मुझे खींचकर ऑफिस के अंदर ले जा रही है। मुझे हर समय उनकी निगाहें अपने ऊपर महसूस हो रही थीं।
जेनी मुझे रिसेप्शनिस्ट के डेस्क के पास से ले जाकर एक छोटे से कमरे में ले गई, जहाँ एक आदमी कंप्यूटर स्क्रीन को घूरता हुआ बैठा था। इमारत में किसी नए व्यक्ति को पहचानते हुए, उस आदमी ने कमर को आराम देने वाली कंप्यूटर कुर्सी से खुद को छुड़ाने की कोशिश की। जैसे ही उसने कुर्सी से छूटने के लिए संघर्ष किया और लगभग हमारे सामने गिरते-गिरते बचा, जेनी को हल्की हंसी आ गई।
"वो चीज तुम्हें मार ही डालेगी, लिन," वह हंसते हुए बोली।
“हाँ,” उस आदमी ने कहा, उस कुर्सी की ओर देखते हुए जिस पर वह लगभग गिर ही गया था। “यह घटिया चीज़ दिन-ब-दिन जलाऊ लकड़ी जैसी होती जा रही है। हाय! मैं लिन बुकानन हूँ।” लिन एक दयालु व्यक्ति थे, मुझसे थोड़े बड़े। उनकी आँखों में अच्छाई की चमक थी; उनके बगल में कुछ पल बिताने मात्र से ही मुझे अद्भुत अनुभूति हुई। मैंने उनके पैरों की ओर देखा, और उनकी नज़रें भी मेरी नज़रों के साथ ज़मीन पर टिक गईं। उनके नंगे पैर की उंगलियाँ दोस्ताना अंदाज़ में हिलीं।
मैंने ठहाका लगाते हुए उसके पैरों की ओर इशारा किया।
"ओह, हाँ। आज सुबह मोज़े लाना भूल गया था।"
जेनी ने अपनी बांहें छाती पर बांध लीं। "यह तो ऐसा ही है जैसे कोई कहे कि वह अपने जूते घर पर भूल गया है, क्योंकि वह तो पूरी इमारत में सिर्फ मोज़े ही पहनता है।" उसने बुकानन को घूरकर देखा।

उसने मेरी तरफ देखा। "इस तरह ज्यादा आरामदायक है।"
“मैं आपको दोष नहीं देता… मैं खुद भी इसे आजमा कर देख सकता हूँ,” मैंने कुछ राजनीतिक समर्थन देते हुए कहा। वह मुस्कुराया।
जेनी ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे अगले केबिन की ओर खींच लिया। “यहीं पर— हेलो? क्या आप लोग यहाँ हैं?” उसने कोने से अपना सिर बाहर निकाला। “आह, आप लोग यहाँ हैं। मैं चाहती हूँ कि आप दोनों डेविड मोरहाउस से मिलें। ये वही व्यक्ति हैं जिनके बारे में डॉ. बार्कर हमें बता रहे थे।”

दोनों अपनी-अपनी डेस्क पर बैठे थे; एक पुरुष और एक महिला। दोनों लगभग एक साथ खड़े होकर मेरा अभिवादन करने लगे। मैंने पहले पुरुष का हाथ पकड़ा। "नमस्ते। डेव मोरहाउस... आप कैसे हैं?"
वह आदमी मुझसे करीब चार इंच लंबा था, उसका शरीर और कद-काठी भालू जैसी थी। मोटे चश्मे के पीछे से वह मुस्कुरा रहा था। उसके हाथ बड़े-बड़े थे और बाल कम होते जा रहे थे। अब तक जितने लोगों से मिला था, उनमें सबसे ज़्यादा उसने इस मुलाकात पर सच्ची खुशी ज़ाहिर की। "मैं प्रैट ओरसेन हूँ। मैंने आपके बारे में सुना है।"
मैंने सिर हिलाया। “सब लोग यही कह रहे हैं। उम्मीद है कि सब कुछ बुरा नहीं होगा।”
“बिल्कुल नहीं।” उन्होंने महिला की ओर इशारा करते हुए कहा, “ये मेरी सहकर्मी कैथलीन मिलर हैं।” कैथलीन खूबसूरत, दुबली-पतली और शर्मीली थीं। हाथ मिलाते समय उन्होंने हमसे नज़रें नहीं मिलाईं।
कुछ पल के लिए हम वहाँ असहज स्थिति में खड़े रहे, तभी मैंने प्रैट की मेज और आसपास के वातावरण पर एक नज़र डाली। कला, संगीत और अलौकिक विषयों पर किताबों और कागजों के ढेर के नीचे उनकी मेज मुश्किल से दिखाई दे रही थी। फर्श पर मुड़े हुए कागज, स्नैक रैपर, फास्ट फूड के पैकेट और पुराने सोडा के डिब्बे बिखरे पड़े थे। मेरे चेहरे के भाव स्पष्ट रूप से दिख रहे होंगे। उसने मुड़कर बिखरी हुई चीज़ों पर नज़र डाली। “ओह। मुझे पढ़ना अच्छा लगता है। लेकिन मैं मानता हूँ कि मैं थोड़ा अस्त-व्यस्त रहता हूँ।” वह मुस्कुराया, मोटे चश्मे के कारण उसकी आँखें बड़ी दिख रही थीं।
कैथलीन ने शरमाते हुए मुस्कुराते हुए कहा, "दरअसल, उसने आज सुबह ही सफाई कर दी क्योंकि उसे पता था कि आप आने वाले हैं।"

“अच्छा। मैंने इसे साफ नहीं किया”—प्रैट ने चिढ़कर कहा—“मैंने बस इसे एक ढेर में ठूंस दिया।”
जेनी ने कहा, “बस! हम सब यहीं हैं। चलिए वापस आगे चलते हैं और देखते हैं कि क्या मिस्टर लेवी आप लोगों के लिए तैयार हैं या नहीं?”
मैंने उन दोनों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया और केबिन से बाहर निकल गया। "शायद फिर मिलेंगे।"
जेनी ने मुझे उस विचित्र भित्तिचित्र के सामने, कुर्सियों के एक छोटे से समूह में बिठा दिया, जिसे वे लॉबी कहते थे। मैं वहाँ कुछ मिनटों तक बैठा रहा, पॉल और मेल को देखता रहा, जो अभी भी कॉफी पॉट के पास खड़े होकर अपनी बातचीत जारी रखे हुए थे।
कुछ मिनट बाद बार्कर और लेवी दफ्तर से बाहर आए। बार्कर ने मुझे अपने पास आने का इशारा किया। “डेविड, श्री लेवी अभी आपसे कुछ बात करना चाहते हैं।” “जी डेविड, क्या आप मेरे साथ नहीं आएंगे?” वह मुझे अपने कार्यालय में ले गए।
पूरा कमरा सूखे पौधों से भरा पड़ा था। दफ्तर में कुछ भी जीवित नहीं था, और काफी समय से ऐसा ही था। कमरे में लगभग बीस मुरझाए हुए पौधे पड़े होंगे। उन्होंने मुझे अपनी मेज के ठीक सामने रखी एक बड़ी, गद्देदार कुर्सी पर बैठने का इशारा किया। बैठते ही उन्होंने एक पेंसिल उठाई और उससे खेलने लगे, अपनी उंगलियों पर बारी-बारी से इरेज़र को बार-बार घुमाते रहे।
“तो! मुझे कहना होगा कि मैं हमेशा इस बात से हैरान रहता हूँ कि आज भी ऐसे युवा सैनिक मौजूद हैं जो इस प्रयास का हिस्सा बनने के लिए अपना सब कुछ त्यागने को तैयार हैं।” उन्होंने अपनी उंगलियों पर ध्यान केंद्रित किया, एक पल के लिए भी मेरी ओर नहीं देखा।
मैंने गला साफ किया और कुर्सी पर थोड़ा हिलते-डुलते हुए कहा, "मुझे इनमें से किसी भी बात का यकीन नहीं है, महोदय। मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या छोड़ने जा रहा हूँ—या, उससे भी ज़्यादा ज़रूरी, मैं किसलिए यह सब छोड़ने जा रहा हूँ। मेरा मतलब है—"
लेवी ने मेरी बात काटते हुए कहा, "और आपको क्या लगता है कि हम क्या करते हैं?"
"अच्छा, मुझे लगता है कि आप किसी तरह के शरीर से बाहर निकलने के प्रयोगों में संलग्न हैं... या कुछ इसी तरह का—"

उन्होंने मुझे फिर से बीच में ही रोक दिया। “नहीं, हम ऐसा नहीं करते।” वे आगे झुके और सीधे मेरी आँखों में देखने लगे। “यहाँ हम व्यक्तियों को समय और स्थान से परे जाने का प्रशिक्षण देते हैं, ताकि वे समय और स्थान में दूर स्थित व्यक्तियों, स्थानों और वस्तुओं को देख सकें और उनके बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा कर सकें।” वे थोड़ी देर रुके, फिर भी मेरी आँखों में देखते रहे। “यही तो हम यहाँ करते हैं। अब, आपका अगला सवाल शायद यही होगा कि ‘हम ऐसा कैसे करते हैं?’ जिसका जवाब मैं तब तक नहीं दूंगा जब तक आप हमारे साथ जुड़ने के लिए भाग्यशाली न हो जाएँ। मैं अभी यह तय करना चाहता हूँ कि क्या आप उस स्तर के व्यक्ति हैं जिन्हें हम चाहते हैं। आपको अपनी आज की जिंदगी को छोड़ना होगा। आप यहाँ से वैसे नहीं लौटेंगे जैसे आप आए थे।” “इसका ठीक-ठीक मतलब क्या है?”
इसका मतलब वही है जो मैंने कहा: आपमें स्थायी परिवर्तन आएगा। मैं अच्छे के लिए ही सही, ऐसा मानना चाहूँगा, लेकिन इसके कुछ अपवाद भी हैं; हालाँकि, ऐसे लोग बहुत कम हैं। आपको अभी इसकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे बस इतना जानना है कि क्या आप इसमें रुचि रखते हैं। इसके बाद, अंतिम निर्णय मेरा ही होगा।
जब वह बोल रहा था, मेरे रोंगटे खड़े हो गए और हथेलियों में पसीना आने लगा। इस आदमी ने मुझे अब तक मिले किसी भी व्यक्ति से ज़्यादा घबरा दिया था। वह कई मिनट तक बड़बड़ाता रहा, लेकिन मुझे याद नहीं कि उसने क्या कहा। मैंने अंत में ही दोबारा ध्यान देना शुरू किया।
“तो, आपके लिए कुछ टेस्ट हैं। प्रैट आपको वो टेस्ट किट देंगे; आप उन्हें घर ले जा सकते हैं। डॉ. बार्कर यह सुनिश्चित करेंगे कि वे हमें वापस मिल जाएं, और परिणाम आते ही हम आपको बता देंगे। ठीक है? अब आगे बढ़ने से पहले, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आप इस कार्यक्रम में रुचि रखते हैं। मुझे पता है कि आपको सीमित जानकारी दी गई है, लेकिन अभी के लिए इतना ही काफी है। आपका क्या कहना है?”
मैं खड़ा हो गया, काश मैंने और ध्यान दिया होता। “उह…” मैंने जो कहने वाला था उसके परिणामों का आकलन करने की कोशिश की, लेकिन मैं उन्हें इतनी जल्दी समझ नहीं पाया। अंततः, मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। “जी हाँ, महोदय, मुझे इसमें बहुत रुचि है।”

लेवी ने गहरी सांस ली और धीरे-धीरे छोड़ी। "ठीक है, फिर। हम संपर्क में रहेंगे।" उसने दरवाजे की ओर इशारा किया।
“आपके समय के लिए धन्यवाद, महोदय। आशा है आपसे फिर मुलाकात होगी।”
जब मैं सामने के दरवाजे की ओर बढ़ा तो बार्कर ने विदाई ली। प्रैट ओरसेन ने तिजोरी के एक दराज से कुछ दस्तावेज निकाले और मेरी ओर तेजी से बढ़ा।
“ये लीजिए, डेविड। श्री लेवी चाहते हैं कि आप इन्हें पूरा करें।”
मैंने कागजात लेते हुए कहा, "धन्यवाद। आशा है आपसे फिर मिलने का अवसर मिलेगा।"
“मुझे पूरा यकीन है कि तुम कर लोगे। एक बात जो शायद मददगार साबित हो: उन दस्तावेज़ों पर दिए गए सवालों के जवाब ऐसे दो जैसे तुम वो इंसान हो जो तुम बनना चाहते हो, न कि वो जो तुम असल में हो।” उन्हें समझ आ गया था कि मुझे बात समझ नहीं आई। “अपने मन में किसी भी तरह की दुश्मनी या द्वेष भावना को मत रखो। विनम्रता से सवालों के जवाब दो।” उन्होंने मेरे कंधे पर थपथपाया। “इतना परेशान मत दिखो—सब ठीक हो जाएगा।”
बार्कर और मैं उसकी कार में बैठ गए, तभी यूनिट का भारी धातु का दरवाज़ा हमारे पीछे खट से बंद हो गया। हम तेज़ी से ड्राइववे से होते हुए बेल्टवे की ओर चल पड़े। बार्कर को यूनिट वापस जाने की जल्दी थी; दोपहर बाद पेंटागन में उसकी एक मीटिंग थी। उसने कई बार अपनी घड़ी देखी और मन ही मन बड़बड़ाता रहा कि हमने सन स्ट्रीक में कितना समय बिताया।
“मुझे पता है कि आप थोड़ा व्यस्त हैं, लेकिन मेरा एक सवाल है,” मैंने कहा। बार्कर बस सड़क की ओर देखता रहा। “लेवी ने इस सब के एक नकारात्मक पहलू का जिक्र किया था। वह नकारात्मक पहलू क्या है?”
"खैर, जोखिम तो हैं ही—भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक जोखिम, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण हैं।"
मैंने कहा, "ये तो काफी महत्वपूर्ण हैं! आखिर ये किस तरह के जोखिम हैं?" “इस बारे में हम बाद में बात करेंगे जब ये लोग आपको चुन लेंगे। तब मैं आपको बाकी सब कुछ बता दूंगा। बस इतना समझ लीजिए कि जीवन में कुछ भी बिना परिणाम के नहीं मिलता। हर चीज़ के बदले कुछ न कुछ लेना-देना होता है—और अगर आप अपने ‘दुःस्वप्नों’ और कल्पनाओं को थोड़ी शांति और समझ के लिए छोड़ देते हैं, तो आपको बदले में कुछ न कुछ त्यागना ही पड़ेगा।”
"तो क्या यह जानलेवा है?"

बार्कर ने मेरी तरफ देखा। “मुझे नहीं पता। सच कहूँ तो, मुझे नहीं लगता कि किसी को इसका सही जवाब पता है। हमें शक है कि कुछ प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के कारण कुछ समस्याएँ हुई हैं, लेकिन उन्हें उस स्थिति तक पहुँचने से पहले ही बाहर कर देना चाहिए था। सही उम्मीदवारों को चुनने में हम काफी बेहतर हो गए हैं।” वह मुस्कुराए। “चिंता मत करो, तुममें वो सब गुण हैं जो हम ढूंढ रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि इससे तुम्हें बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे। मुझे लगता है कि इससे तुम्हारे दिमाग में चल रही सारी उलझनों को सुलझाने में वाकई मदद मिलेगी।”
“ठीक है, मैं आपके फैसले को स्वीकार करता हूँ।” मैं आराम से लेट गया और बाकी यात्रा के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं।

उस रात मैंने फोर्ट मीडे में हुई बैठक के बारे में डेबी या अपने माता-पिता को कुछ नहीं बताया। इसके प्रभाव को देखते हुए, मैंने सोचा कि मुझे और जानकारी मिलने तक इंतजार करना चाहिए।
मैंने लेवी के टेस्ट पूरे किए और सप्ताह के अंत में उन्हें बार्कर को सौंप दिया। मुझे सन स्ट्रीक से कोई सूचना नहीं मिली, और जहाँ तक मुझे पता था, बार्कर का भी उनसे कोई संपर्क नहीं था। उन्होंने मुझे समीक्षा के लिए कुछ और दस्तावेज़ दिए। ये दस्तावेज़ सोवियत संघ की रिमोट व्यूइंग और संबंधित पैरासाइकोलॉजिकल अध्ययनों में भागीदारी से संबंधित थे। ये सभी दस्तावेज़ पुराने गोपनीय संदेश थे, जिनमें से कई 1970 के दशक में सन स्ट्रीक की स्थापना से पहले के थे। इनमें से अधिकांश सीआईए के संदेश थे जो सरकार द्वारा वित्त पोषित और कैलिफ़ोर्निया के स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में संचालित एक कार्यक्रम के बारे में थे। इन दस्तावेज़ों से स्पष्ट था कि हमारे कार्यक्रम की शुरुआत यहीं से हुई थी।
बार्कर ने मेरी गोपनीय पठन सामग्री को विभिन्न शोध कार्यक्रमों के ओपन-सोर्स साहित्य और डॉ. रसेल टार्ग और हेरोल्ड पुटहॉफ जैसे कुछ शुरुआती शोधकर्ताओं द्वारा लिखित पुस्तकों से पूरक बनाया। इन पुस्तकों में यह दर्शाया गया था कि एक रिमोट व्यूअर क्या कर सकता है, लेकिन लेखकों ने सरकार के साथ किसी भी तरह की संलिप्तता का उल्लेख करने से परहेज किया। इस स्तर पर यह मायने नहीं रखता था। जब आप सभी जानकारी को संदर्भ में देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि अमेरिकी सरकार कई मोर्चों पर परा मनोविज्ञान

अनुसंधान में गहन रूप से शामिल थी, न केवल रिमोट व्यूइंग के क्षेत्र में। वे मानव प्रदर्शन क्षमता को बढ़ाने वाली हर चीज पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे: नींद में सीखना, अवचेतन संदेश, मनोगतिकी और अन्य कई तकनीकें। कई जनरल अधिकारियों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया था - जैसे मेजर जनरल बर्ट स्टबलबीन, जो पेंटागन से कुछ ही दूरी पर स्थित अमेरिकी सेना के इंटेलिजेंस सिक्योरिटी कमांड (INSCOM) के पूर्व कमांडर थे, और लेफ्टिनेंट जनरल माइक थॉम्पसन, जो खुफिया विभाग के पूर्व डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ थे। थॉम्पसन अमेरिकी सेना में नंबर एक खुफिया अधिकारी थे। स्टबलबीन उन सभी में सबसे साहसी और दूरदर्शी प्रतीत होते थे, एक ऐसे व्यक्ति जिन्होंने सभी अलौकिक "तकनीकों" की क्षमता को पहचाना और उनका समर्थन करने के लिए अपना करियर दांव पर लगाने को तैयार थे। INSCOM के एक ज्ञापन में, जो मुझे दिखाया गया था, उन्होंने कहा था कि "हमारे पास किसी भी विज्ञान या ज्ञान के समूह को बाहर करने का कोई कारण नहीं है जो हमारी खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता को बढ़ा सकता है... किसी भी स्तर की जानकारी, जानकारी के अभाव से बेहतर है।" बार्कर द्वारा फैलाई गई अफवाह यह थी कि अलौकिक कार्यों का समर्थन करने के लिए स्टबलबीन को भारी कीमत चुकानी पड़ी - उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। संक्षेप में, वे अपने कार्यों के बारे में बहुत खुलकर बोलते थे। उन्होंने सभी के लिए असुविधाजनक रूप से बहुत सारे दरवाजे खोल दिए थे और अपनी भागीदारी में बहुत अधिक दिखाई देने लगे थे। क्योंकि वे अपने कार्यों में विश्वास करते थे और एक विवादास्पद विज्ञान का समर्थन करते थे, इसलिए उन्हें बलि का बकरा बनाया गया। कभी काफी चर्चित रहे अनुसंधान कार्यक्रम जल्दी ही भूमिगत हो गए और फिर कभी सामने नहीं आए। दस्तावेजों को पढ़ने से यह स्पष्ट था कि सन स्ट्रीक के दुश्मन थे, पेंटागन में प्रार्थना समूहों से लेकर कांग्रेसियों और जनरल अधिकारियों तक, जो इसे किसी भी कीमत पर खत्म करने को तैयार थे। मैंने बार-बार खुद से पूछा कि इतने सालों तक इसे ज़िंदा किसने रखा था? सरकार पूरे अमेरिका में आधा दर्जन निजी और उतने ही राज्य एवं संघीय अनुसंधान केंद्रों में अलौकिक अनुसंधान के लिए धन दे रही थी। वे रिमोट व्यूइंग और इससे संबंधित विभिन्न तकनीकों पर करोड़ों डॉलर खर्च कर रहे थे। लेकिन यह परियोजना और इससे जुड़े लोग एक अलग ही श्रेणी में आ गए थे, अब खुफिया समुदाय का हिस्सा नहीं थे। उनसे डरा जाता था, उनका मज़ाक उड़ाया जाता था, उन पर ताने मारे जाते थे, उनका उपहास

किया जाता था और उन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया गया था। फिर भी, कहीं न कहीं, सत्ता में बैठे किसी व्यक्ति को इसमें दिलचस्पी थी। किसी चीज़ ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया, और मेरी जानकारी के अनुसार इसका केवल एक ही अर्थ हो सकता है: यह कारगर था।
लेकिन कई हफ्ते बीत गए और मुझे यूनिट से कोई खबर नहीं मिली। मुझे लगातार बुरे सपने आते रहे, जिनका असर परिवार पर भी पड़ रहा था। गुफा में मेरी रात की यात्रा के कुछ ही समय बाद मम्मी-पापा कैलिफोर्निया लौट गए थे, इसलिए अब डेबी को अकेले ही इन सब से निपटना पड़ रहा था। मुझे लग रहा था कि मेरी तबीयत और खराब होती जा रही है, और मुझे यकीन हो गया था कि सन स्ट्रीक ही मेरी एकमात्र मदद है।

“अरे! क्या हुआ?” बार्कर दौड़ते हुए मेरे ऑफिस में आया और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया, चश्मे के पीछे उसकी आँखें बड़ी-बड़ी हो गई थीं। “वे तुम्हें चाहते हैं! क्या तुम यकीन कर सकते हो? बिल्कुल यकीन कर सकते हो। मैंने तुम्हें पहले ही बताया था!” उसने अपने सामने रखे संदेश को दोनों हाथों से हिलाया। “वे चाहते हैं कि तुम तुरंत रिपोर्ट करो। एस-1 से यह संदेश मिलते ही मैंने लेवी को फोन किया। अगर वे तुम्हें पकड़ सकते हैं, तो वे तुम्हें कल ही चाहते हैं। क्या तुम्हें पता है यह कितना रोमांचक है? क्या तुम उत्साहित नहीं हो? हमने कर दिखाया!”
मैं मुस्कुराई, उसकी प्रतिक्रिया देखकर ज़्यादा। "हाँ, यह तो बहुत अच्छी खबर है।" लेकिन तुरंत ही मुझे याद आया कि मुझे डेबी और बच्चों से क्या कहना पड़ेगा, और मेरे चेहरे से मुस्कान गायब हो गई।
“क्या बात है? तुम अब भी जाना चाहते हो, है ना?”
“हाँ, मैं जाना चाहता हूँ। मैं बस तैयारी के लिए जो कुछ भी करना होगा, उसका जायजा ले रहा हूँ, बस इतना ही।”
“बहुत बढ़िया!” उसने कहा। “मैं अभी जाकर बॉस को बताता हूँ। तुम जाकर एस-1 देख लो और अपने आदेश पूरे करवा लो।” बार्कर मेरे ऑफिस से झट से बाहर निकला और तेज़ी से हॉल पार करके कमांड ग्रुप के पास गया ताकि हमारे चीफ, कर्नल टोनी मेसिना को डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी के मेमो की एक कॉपी दे सके।

मुझे वह ज्ञापन बाद में मिला। उसमें लिखा था: “हस्ताक्षरकर्ता (रक्षा खुफिया एजेंसी के कमांडर) कैप्टन डेविड ए. मोरहाउस को इस मुख्यालय के प्रौद्योगिकी और विज्ञान निदेशालय में तत्काल प्रभाव से नियुक्त करने की अनुमति देते हैं। इस संदेश की प्राप्ति तिथि से पांच दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करना होगा। इस मुख्यालय और प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान निदेशालय के साथ सीधा समन्वय अधिकृत है। शीघ्र कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति है।”
मेसिना के संदेश पढ़ने के बाद क्या हुआ, इसका मैं सिर्फ अनुमान ही लगा सकता हूँ। मुझे इतना पता है कि उसने बार्कर पर करीब पंद्रह मिनट तक चिल्लाया और फिर मुझे अपने अधीन काम करने के लिए बुलाया। यह स्पष्ट था कि वह बार्कर द्वारा उसकी पीठ पीछे उसके एक अधिकारी के तबादले की व्यवस्था करने से नाराज़ था; यह भी ज़ाहिर था कि मेरे द्वारा चुनी गई यूनिट से वह थोड़ा हैरान था। फिर भी, बार्कर ने उसकी डांट को जितना हो सके सहन किया और जब मेसिना ने मुझे बुलाया तो उसने खुशी-खुशी मुझे ज़िम्मेदारी सौंप दी। “अंदर आओ, मोरहाउस!” मैंने दरवाजा खोला और उसकी मेज की ओर चलकर सावधान मुद्रा में खड़ा हो गया। यहाँ कोई ऐसा नहीं करता था, लेकिन उस परिस्थिति में मैं खुद को रोक नहीं पाया।
“कैप्टन मोरहाउस आदेशानुसार रिपोर्ट कर रहे हैं, महोदय!”
“दरवाजा बंद करो, मोरहाउस, और चलो बात करते हैं,” उसने मुझे वापस जवाब देते हुए गुस्से से कहा, और सलाम भी नहीं किया। “आखिर यहाँ चल क्या रहा है? बार्कर आज दोपहर यहाँ आया और मुझे कुछ आदेश दिए कि तुम्हें सन स्ट्रीक नाम की इस यूनिट में रिपोर्ट करना है। क्या तुम्हें अंदाज़ा है कि तुम किस मुसीबत में फँस रहे हो? क्या तुम्हें पता है कि मैं कितना नाराज़ हूँ कि तुम और बार्कर मेरी पीठ पीछे, गुप्त रूप से यह सब कर रहे हो?” वह एक पल के लिए रुका, मुझे घूरा और गहरी साँस ली।
जी हाँ, महोदय, मुझे लगता है कि मैं करता हूँ। हालाँकि, मुझे यह एहसास नहीं था कि—”
“क्या बात समझ में नहीं आई? कि मैं नाराज़ हो सकता हूँ?”
"नहीं, महोदय, आपको इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था।"
“ठीक है, चलो इन सब बातों को छोड़ देते हैं। वैसे भी इस समय इनका कोई खास महत्व नहीं है—तुम्हें आदेश मिल चुके हैं, और मुझे लगता है तुमने यह काम

स्वीकार कर लिया है। अब मेरे पास सिर्फ एक ही विकल्प बचा है, और वो ये है कि मैं तुम्हें बताऊँ कि तुम्हारा ये चुनाव कितना बेवकूफी भरा है। क्या तुम्हें पता है कि ये यूनिट क्या करती है?”
“जी सर!” मैंने सावधान मुद्रा में खड़े रहते हुए उत्तर दिया।
“मोरहाउस? चुपचाप बैठ जाओ और मुझे तुम्हें समझाने की कोशिश करने दो। यह यूनिट सनकी लोगों का झुंड है। क्या तुम मुझे सुन रहे हो? ये सनकी लोग हैं और इससे जुड़े किसी भी व्यक्ति या चीज़ का कभी कोई भला नहीं हुआ है। अब मुझे बताओ कि तुम, अपने सर्विस रिकॉर्ड के साथ, ऐसी यूनिट में क्यों जाना चाहते हो? मुझे बताओ कि तुमने हाँ कहते समय क्या सोचा था।”
मैं उसकी आँखों में आँखें नहीं मिला पा रहा था। वह गुस्से से भरा हुआ था— और अजीब बात यह थी कि मुझे उस पर दया भी आ रही थी। “सर, कई बातें हैं। मैं यहाँ खुश नहीं हूँ। इसका आपसे या किसी और से कोई लेना-देना नहीं है…। मैं इस यूनिट में फिट नहीं बैठता। मैं कोई जासूस नहीं हूँ, मैं एक पैदल सैनिक हूँ।”

मेसिना ने इस बात को तुरंत पकड़ लिया। "क्या आपको एहसास है कि जब आप कुछ ऐसे लोगों के पास जा रहे होते हैं जो शरीर से बाहर निकलकर सेक्स करते हैं, तो यह बात कितनी बेवकूफी भरी लगती है?"
मुझे एहसास हुआ कि यह बात वाकई बेवकूफी भरी लग रही है, इसलिए मैंने अपना सिर झुका लिया। "जी हाँ, लेकिन मैं सच में यह करना चाहता हूँ। मैं सचमुच इस यूनिट का हिस्सा बनना चाहता हूँ और यह सीखना चाहता हूँ कि वे क्या करते हैं।"
उसने गुस्से में अपनी मेज के बीचोंबीच मुक्का मारा। “धिक्कार है मोरहाउस! जनरल अधिकारियों ने तुम्हारे रिकॉर्ड पर साफ-साफ लिखा है कि तुम पर ख्याति प्राप्त करने की क्षमता है; तुम एक उच्च कोटि के अधिकारी हो और अगर तुमने अपना वर्तमान प्रदर्शन जारी रखा तो एक दिन बटालियन की कमान संभालोगे। क्या तुम्हें यह एहसास नहीं है कि इस पद पर जाने से तुम यह सब खो दोगे? ऐसे ही इस पद पर जाकर तीन साल बाद चले जाना बेवकूफी है।”
“जी सर, मैं समझता हूँ कि बदलाव होंगे। लेकिन बाकी सब मामलों में मैं जोखिम उठाने को तैयार हूँ।” मैं सोच रहा था कि क्या मेसिना सही कह रहे थे और बार्कर की बात सुनना मेरी गलती थी। मतलब, जिस आदमी का मैं बहुत सम्मान करता

था, वही मुझे बता रहा था कि सेना में मेरा भविष्य उज्ज्वल है… और मैं उससे बहस कर रहा था। मुझे बस वही पता था जो बार्कर और लेवी ने मुझे बताया था। क्या मैं सही फैसला ले रहा था?
मेसिना ने आदेशों पर एक बार फिर नाराज़गी जताई और उन्हें अपने गोदाम में फेंक दिया। “मैं आपको बताता हूँ कि मैं क्या करने वाला हूँ। मैं आपको कुछ दिनों के लिए इस मामले में उलझाए रखूँगा, ताकि मैं आपको अक्ल सिखा सकूँ। जब तक मैं तैयार न हो जाऊँ, तब तक मुझे आपको रिहा करने की ज़रूरत नहीं है, इसलिए आप इस बारे में सोचने के लिए दो-तीन दिन का समय लें। क्या आपने डेबी को इसके बारे में बताया है?”
"नहीं, महोदय, मैं सही समय का इंतजार कर रहा था।"
“इस तरह के फैसले में उसे शामिल करना ही बेहतर होगा, वरना हॉल के उस पार जाकर वकील से मिल लीजिए, क्योंकि इस यूनिट की बदनामी है कि यह मामलों को बिगाड़ देती है। जी हाँ, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसे अच्छी तरह पता हो कि आप किस मुसीबत में फँस रहे हैं—बिल्कुल सुनिश्चित!” इतना कहकर मेसिना ने मुझे अचानक जाने का आदेश दे दिया।
अगले दो दिनों में मेसिना ने मुझे बार-बार अपने कार्यालय में बुलाया और संक्षिप्त बैठकों में मुझसे लगभग विनती की कि मैं सन स्ट्रीक में शामिल होकर अपना करियर समाप्त न करूँ। कभी-कभी उनका व्यवहार सौम्य होता था; तो कभी-कभी वे मुझे कड़ा दंड देते थे। लेकिन हर बार मैंने पवित्र केप में रहने के उनके प्रस्तावों को विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया।
तीसरे दिन, बुधवार को, अनिच्छा से उन्होंने मुझे अलविदा कहते हुए ये शब्द कहे: “मैंने तुमसे कहा था, उस यूनिट से कभी कुछ अच्छा नहीं हुआ। मैंने उसे जिंदगियां और करियर बर्बाद करते देखा है। मुझे समझ नहीं आता कि तुम यह क्यों करना चाहते हो।” ये उनके आखिरी शब्द थे। उसी दोपहर से मैंने इस सदमे से उबरने की कोशिश शुरू कर दी।
मैंने अभी तक डेबी को सन स्ट्रीक के बारे में नहीं बताया था; यह उसके लिए बहुत ही अलग तरह का मामला था, जिससे वह सहज महसूस नहीं कर पा रही थी। मैंने सोचा कि सभी फैसले हो जाने तक चुप रहना ही बेहतर होगा। उस शाम खाना खाने के बाद हम टहलने गए।
“याद है मैंने तुम्हें और मम्मी-पापा को बताया था कि मुझे बुरे सपनों से छुटकारा पाने में मदद चाहिए?” मैंने उससे पूछा। उसने बस सिर हिलाया,

फुटपाथ से अपनी नज़रें हटाए बिना। “तो, मैंने यूनिट के मनोवैज्ञानिक लेफ्टिनेंट कर्नल इनिस बार्कर से इस बारे में बात की, और उन्होंने—” “मुझे पता है डेविड, तुम किससे बात कर रहे थे। कर्नल मेसिना ने सोमवार को मुझे फोन किया और मुझे सब कुछ बताया।” उसने आगे कहा कि उन्होंने मुझे बहुत चेतावनी दी थी कि अगर मैं सन स्ट्रीक गया तो मेरी ज़िंदगी कभी पहले जैसी नहीं रहेगी। उन्होंने उसे उस यूनिट में देखे गए भयानक दृश्यों के बारे में बताया और उससे आग्रह किया कि अगर संभव हो तो मेरा तबादला रोक दे।
“धत् तेरे की!” मैंने बुदबुदाया। “तुमने ऐसा क्यों नहीं किया—”
“तुम्हें बताऊं? मुझे तुम्हें क्यों बताना पड़ेगा? क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह इतना ज़रूरी था कि तुम मुझसे खुद पूछ लेते? हे भगवान, डेविड, तुम एक ऐसी यूनिट में जा रहे हो जो लोगों के दिमाग से खेलती है, और तुमने मुझे इसके बारे में बताया तक नहीं। मेरी राय तक नहीं पूछी! तुम्हें क्या हो गया है?”
मुझे माफ करना, प्रिये, मैंने सोचा नहीं था—”
“हाँ, तुमने सोचा नहीं। इतनी खतरनाक योजना कैसे बना ली और उसमें अपने परिवार को शामिल नहीं किया? क्या तुम्हें एहसास नहीं है कि तुम्हारा हर फैसला, चाहे अच्छा हो या बुरा, हम पर सीधा असर डालता है? और तुम्हारे माता- पिता का क्या?”
मुझे गुस्सा आने लगा। "ओह, तो तुम भी नहीं चाहते कि मैं यह काम करूं, क्या यही बात है? सिर्फ इसलिए कि मैंने तुमसे इस बारे में बात नहीं की - जो मैं नौकरी स्वीकार करने से पहले ही कर लेती।"
“डेविड, ये सब बकवास है! कर्नल मेसिना ने मुझे बताया कि जहाँ तक उनका सवाल है, तुमने अपना फैसला पहले ही ले लिया है। तो जहाँ तक मुझे लगता है, इस पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है, है ना?”
“यह सच नहीं है, डेबी! मैंने परिवार के बाहर के सभी फैसले हो जाने तक कोई भी निर्णय लेने से पहले और इस बारे में आपसे बात करने से भी परहेज किया। मैं आपको डराना या परेशान करना नहीं चाहती थी, जब तक कि मुझे अपने विकल्पों के बारे में पूरी तरह से पता न चल जाए। मैं बस यही करने की कोशिश कर रही थी!” "तो," उसने नम आंखों से पूछा, "क्या तुम ऐसा करने वाले हो?"
"कि निर्भर करता है।"
“किस पर?”

“आपकी राय पर। लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले, मैं चाहती हूं कि आप समझ लें कि शायद यही मेरे बुरे सपनों से छुटकारा पाने का रास्ता हो। यह यूनिट इन सब चीजों को संभालना जानती है। डेबी, ये लोग कमाल के काम करते हैं। अरे, जान! क्या ये दिलचस्प और रोमांचक नहीं है?”
“नहीं! यह सच होने के लिए बहुत ही अविश्वसनीय लगता है। वे अभी भी आपके दिमाग से खेल रहे हैं।”
मैंने गहरी सांस ली और रास्ते से एक चीड़ का शंकु ठोकर मारकर गिरा दिया। “देखो, मैं समझती हूँ कि तुम क्यों चिंतित हो। लेकिन यह एक ऐसा मौका है जिसे कुछ ही लोगों को अनुभव करने का अवसर मिला है। मैं इसे छोड़ नहीं सकती — और सच कहूँ तो, जितने ज़्यादा लोग मुझसे इस बारे में बहस करते हैं, उतना ही मुझे लगता है कि मुझे यह कर ही लेना चाहिए। सोचो ज़रा: मुझे समय और स्थान की सीमाओं को पार करने का प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि मैं जो चाहूँ देख और अनुभव कर सकूँ। भला मैं इसे कैसे छोड़ सकती हूँ? मैं इसे करके रहूँगी, जान। मुझे यह करना ही है!”
“तो फिर शादी के इतिहास में पहली बार तुम मेरी सहमति के बिना कुछ कर रहे हो। भगवान ही हमारा भला करे,” उसने उदास होकर कहा।
मैंने उसे अपनी ओर मोड़ा और उसके आंसू पोंछते हुए उसे चूमा, उसकी आँखों में प्यार और स्नेह की गर्माहट महसूस की। “मुझे पता है तुम मेरे बारे में चिंतित हो। मैं तुम्हें बता नहीं सकती कि यह जानकर मुझे कितना सुकून और सुरक्षा का एहसास होता है कि तुम हमेशा मेरे साथ हो, मुझसे प्यार करती हो, मेरा साथ देती हो। मैं तुम्हारे बिना कुछ भी करने की कल्पना भी नहीं कर सकती… हर कदम पर। कृपया मुझे पूरी तरह से अलग करने से पहले थोड़ा और सोच लो।” उसने हल्के से सिर हिलाया। “जब मैं रिपोर्ट करूंगी, तो मुझे यकीन है कि वे तुमसे कुछ न कुछ जरूर साझा करेंगे, और अगर नहीं, तो मैं तुम्हें हर बात बताने के लिए घर ले आऊंगी। मैं तुम्हें प्रशिक्षण प्रक्रिया के हर चरण की जानकारी देती रहूंगी। ठीक है?”
डेबी ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए और आँसुओं को रोकने की पूरी कोशिश की। उसकी अंतरात्मा उसे बता रही थी कि यह अच्छी बात नहीं है। लेकिन उसे मुझ पर भरोसा था और उसने हमेशा मेरा साथ दिया था... अब वह मेरा साथ कैसे नहीं दे सकती थी? "मैं तुम्हें थोड़ा समय देती हूँ," उसने कहा। "देखते हैं वहाँ

पहुँचने के बाद क्या होता है। लेकिन तुम्हें मुझसे वादा करना होगा कि अगर मैं कहूँ तो तुम इसे छोड़ दोगी। क्या तुम वादा करती हो?"
“मैं कसम खाता हूँ… वादा करता हूँ।” मैंने उसे चूमा।

चार

प्रशिक्षण
1988 की उस सर्दी में, जिस दिन मैंने सन स्ट्रीक में काम शुरू किया, उसी दिन पहली बर्फ गिरी। हम अभी तक फोर्ट बेलवोइर से शिफ्ट नहीं हुए थे, इसलिए मैं फोर्ट मीड के लिए लंबी ड्राइव पर निकला था। पहली बर्फबारी में मुझे डेढ़ घंटा लग गया क्योंकि मुझे ऑफिस का पता ही नहीं था। मैं बाल्टीमोर-वाशिंगटन पार्कवे का मोड़ चूक गया और मुझे वापस लौटना पड़ा। जब मैं आखिरकार पार्कवे से निकला और मीड जाने वाली छोटी सी बैक रोड पर पहुँचा, तो मुझे दूसरी कार से रास्ता पाने के लिए जूझना पड़ा। वह कोई छोटी सी नीले- भूरे रंग की मस्टैंग थी, और उसे चला रही महिला ने मुझे आगे नहीं जाने दिया। हम दोनों एक-दूसरे को घूर रहे थे, अपनी जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे थे। सड़क खत्म होने पर, मुझे मजबूरन ब्रेक लगाना पड़ा और उसे आगे निकलने देना पड़ा। उसने अपने रियरव्यू मिरर में मेरी तरफ देखा और जीत के जश्न के तौर पर मुझे गाली दी। वाह! मैंने सोचा।
मैं चौकी की ओर बढ़ा, यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि यूनिट कहाँ छिपी हुई है। मुझे बस इतना याद था कि वहाँ दो पुरानी सफेद लकड़ी की इमारतें थीं जो विशाल ओक के पेड़ों के झुंड में बनी हुई थीं। हर मोड़ पर, मैं अपनी छोटी सी मस्टैंग कार के पीछे ही था। मैं चौकी पुस्तकालय के पास से गुजरा, जिसे मैं आधा-अधूरा याद कर पा रहा था, और थिएटर के पास से भी। आखिरकार, वे दो सफेद इमारतें नज़र आने लगीं। मैं अपने पहले दिन केवल तीस मिनट लेट हुआ था। जैसे ही मस्टैंग कार ने इमारतों के सामने जाने वाले लंबे रास्ते पर बाईं ओर मुड़ा, मेरा दिल थम गया। मैंने गाड़ी मोड़ी और नीले-भूरे रंग की कार के बगल में पार्क की, फिर बाहर निकला और अपने उत्पीड़क का सामना करने के लिए उसके चारों ओर घूम गया।
“तेरे क्या चाहते हो, बेवकूफ?” एक मासूम से चेहरे से बार में निकली गुर्राहट। उसके लंबे, सीधे भूरे बाल उसके पतले शरीर पर फैले हुए थे। उसने अपने दाहिने हाथ में अपना पर्स कसकर पकड़ रखा था, ज़रूरत पड़ने पर उसे लाठी की तरह इस्तेमाल करने के लिए तैयार।

"अगली बार जब आप किसी को ओवरटेक करने की कोशिश करें, तो आपके पास जितनी गाड़ी है उससे कहीं ज्यादा अच्छी गाड़ी होनी चाहिए।"
तो तुम क्या चाहते हो? तुमने मेरा पीछा करते हुए यहां क्यों आए?
मैं उसे खरी-खोटी सुनाना चाहती थी, लेकिन मैंने खुद को रोक लिया। "मैं यहाँ काम करती हूँ।"
“बकवास! तुम यहाँ काम नहीं करते।” और फिर उसे समझ आया। “हे भगवान! तुम नदी के उस पार से आए नए प्रशिक्षु हो, है ना?”
“हाँ, ऐसा ही है।” मैंने मुस्कुराते हुए कहा। “पार्कवे पर जो हुआ उसके लिए क्षमा चाहता हूँ। मेरा मतलब वो नहीं था—”
“अरे नहीं… मुझे माफ़ करना। मुझे पता ही नहीं था कि आप कौन हैं।” उसने मुस्कुराते हुए हाथ बढ़ाया। “नमस्ते, मैं कैरोल बुश हूँ।”
“डेव मोरहाउस। मैं सेक्रेड केप से हूँ।”
"मुझे पता है, फेयरफैक्स के पास ही, है ना?"
“हाँ, बिल्कुल। मैं सचमुच माफी मांगता हूँ, मैंने आपके ऊपर इस तरह से गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। मुझे पता नहीं था कि मैं कहाँ जा रहा था, और मैं जल्दी में था।”
कोई बात नहीं। यहाँ गाड़ी चलाते समय हर कोई पागल हो जाता है। ये तो आम बात है। क्या आपको कॉफी चाहिए?
"हाँ, यह अच्छा रहेगा।"
तब मुझे इसका एहसास नहीं हुआ था, लेकिन कैरोल से मेरी पहली मुलाकात इस बात का संकेत थी कि आगे क्या होने वाला है। मैं उसके पीछे-पीछे दरवाजे तक गई और उसे चाबी का कोड डालते हुए देखती रही। अंदर पहुँचते ही मैंने दीवार पर बनी आकाशगंगा की पेंटिंग, बाईं ओर रखे विशाल फाइल सेफ और दाईं ओर बने छोटे से प्रतीक्षालय और कॉफी पॉट को पहचान लिया। जेनी ईस्टमैन अपनी डेस्क से उछलकर खड़ी हो गई, और अपने पीछे आधा खाया हुआ बैगल छोड़ गई।
"देखो मुझे पार्किंग में कौन मिला," कैरोल ने कहा, "सड़क से उतरकर भागा, गालियां दीं और अपशब्द बोले।"
“क्या?” जेनी ने पूछा। “तुमने क्या किया?”
“अरे, ऐसा नहीं था,” मैंने जवाब दिया। “हम बस थोड़ी सी सड़क की जगह के लिए लड़े थे, बस इतना ही।”

“और उसने तुम्हें गाली दी?” जेनी हंसने लगी। “वाह, कैरोल, तुम तो लोगों को अपनापन महसूस कराना बखूबी जानती हो।” उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे कॉफी पॉट के पास ले गई। “इधर आओ, चलो कुछ खाना खिलाते हैं।”
कैरोल स्वागत समारोह से निकलकर अपनी डेस्क की ओर जा रही थी। उसने पीछे मुड़कर कहा, "ओह हाँ—उन्हें कॉफ़ी चाहिए, जेनी। क्या तुम इसका इंतज़ाम कर सकती हो?"
“बिल्कुल, मैं कर सकती हूँ। देखो, यहाँ बैगेल, डोनट्स और कुछ क्रैकर्स हैं। और ये रही कॉफ़ी और जूस। हम सब मिलकर हर महीने पाँच डॉलर देते हैं, और मैं फ्रिज को भरा रखने के लिए कैंटीन से सामान खरीदती हूँ। कॉफ़ी आधी कैफीन वाली है—आधी कैफीन वाली और आधी डिकैफ़िनेटेड। अब, क्योंकि तुम नए हो, मैं तुम्हें इस महीने छूट दे रही हूँ, और तुमसे महीने की पहली तारीख तक पैसे देने की उम्मीद नहीं की जाएगी। अगर तुम्हें कभी सोडा चाहिए, तो तुम जितना लो उतना ही दोगे। बस पैसे यहाँ डिब्बे में डाल देना।” उसने मेरे लिए डिब्बा हिलाया।
“यहाँ कॉपियर है और ठीक उसके बगल में श्रेडर है, जो हमारे काम के लिए बहुत उपयोगी है।” मेरा हाथ पकड़कर जेनी मुझे कमरे के उस पार खींच ले गई। “यह शौचालय है। मंगलवार और गुरुवार को सफाई करने वाली टीम आती है और आपको उनके जाने तक सभी गोपनीय दस्तावेज़ सुरक्षित रखने होते हैं। इसके बगल में ऑफिस सप्लाई रूम है।” वह थोड़ी देर रुकी। “क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?”
"हां मुझे लगता है।"
“अच्छा, क्योंकि मैं तेज़ी से चलती हूँ। मुझे रोज़मर्रा के कामों में समय बर्बाद करना पसंद नहीं है। ये वो तिजोरियाँ हैं जहाँ हम प्रशिक्षण और परिचालन से जुड़ी सभी सामग्रियाँ रखते हैं। इस यूनिट द्वारा अब तक किए गए सभी सत्र यहीं हैं। जी हाँ, 1978 से लेकर अब तक के सभी सत्र यहीं हैं।” उसने दस तिजोरियों में से एक के ढक्कन पर थपथपाया। “पीछे श्री लेवी का कार्यालय है—मुझे यकीन है कि आपको याद होगा।” वह मुस्कुराई। “और पीछे बाकी कार्यालय हैं। आपकी डेस्क यहीं है।” उसने एक गंदी जालीदार खिड़की के पास कोने में रखी एक भूरे रंग की धातु की डेस्क की ओर इशारा किया। “इस दरवाजे से होते हुए कार्यालय का पिछला हिस्सा है। ओह, और कुछ लोग हैं जिनसे मैं आपको मिलवाना चाहती हूँ। जब आप आए थे तब वे यहाँ नहीं थे।”

मैं उसके पीछे-पीछे अपनी डेस्क के दाहिनी ओर बने खुले रास्ते से होते हुए एक धुएं से भरे पिछले कमरे में गया, जो उस जगह के आधे आकार का था जिसे हमने अभी-अभी छोड़ा था।
कैरोल बुश अपनी डेस्क पर बैठी सिगरेट पी रही थीं। उनके सामने एक काला कपड़ा बिछा हुआ था, जिस पर लगभग एक दर्जन बड़े कार्ड रखे थे जिन पर आकृतियाँ बनी हुई थीं। उन्होंने ऊपर नहीं देखा, बल्कि कार्डों को एक ढेर से दूसरे ढेर पर पलटती और रखती रहीं।
“थोड़ा सा सॉलिटेयर खेल रहे हो?” मैंने पूछा।
उसने मेरी तरफ देखा, उसके होंठों से सिगरेट लटक रही थी। "बिल्कुल नहीं।" उसने अपनी नजरें हटाईं और ताशों की ओर लौट गई।
“ये टैरो कार्ड हैं, मेरी प्यारी। हममें से कुछ लोग इनका इस्तेमाल अपने काम में थोड़ी निखार लाने के लिए करते हैं।” आवाज़ मेरे पीछे से आई और मैं मुड़ गई। “मैं जूडी केसलर हूँ।” उसने अपना हाथ ऊपर उठाया, हथेली नीचे की ओर और छोटी उंगली आगे की ओर। “और आप कौन होंगी…”
मैंने असहजता से कहा, "डेव मोरहाउस। मुझे माफ़ करना, मुझे नहीं पता था कि ये क्या हैं। मैंने इन्हें पहले कभी नहीं देखा, सिवाय टेलीविजन पर देखने के।"
“उनसे डरने की कोई बात नहीं है; वे तो बस औजार हैं। वे हमें अपना काम करने में मदद करते हैं।”
"वास्तव में?"
“जी हां। अगर आप इन्हें इस्तेमाल करना सीखना चाहते हैं, तो मुझे आपको सिखाने में खुशी होगी।”
“ज़रूर… मैं जानना चाहूँगा कि ये किस बारे में हैं।” केसलर के बगल में मेल रिले बैठे थे। उनकी ओर देखते ही मैंने गौर किया कि मोतियों पर उनकी टकटकी अब frown में बदल गई थी। “हे मेल, कैसे हो?”
उसने धीरे से ऊपर देखा। “अच्छा, डेव, बहुत अच्छा। और तुम्हारा?”
“ठीक है, मैं यहाँ हूँ, और मैं यहीं रहना चाहता था। इसलिए मैं खुश हूँ।” उसने बस सिर हिलाया और अपने काम में लग गया। पता चला कि मेल अमेरिकी मूलनिवासियों से जुड़ी लगभग हर चीज़ का जानकार था। वह उनकी संस्कृति, उनके धर्म और उनकी कला और शिल्प को जानता था। वह घंटों तक दिमाग से तपे हुए हिरण की खाल और अन्य चमड़े पर छोटे-छोटे कांच के मोती सिलता रहता था। उसकी कला

अविश्वसनीय थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए और हम घनिष्ठ मित्र बन गए, मैं घंटों उसे मोती का काम करते हुए देखता रहता था। यह लगभग एक आध्यात्मिक अनुभव था; जब वह काम करता था तो उसका शांत स्वभाव और सौम्यता उसके आस-पास के सभी लोगों में फैल जाती थी। वह हमेशा उस नई दुनिया में मेरा सहारा था जिसमें मैं कदम रख रहा था। जब भी मैं खुद को बेचैन महसूस करता, मेल मुझे सहारा देने, मुझे आध्यात्मिक दुनिया के रहस्यों को समझने में मदद करने के लिए मौजूद रहता था। वह एक सच्चा दोस्त था, और आज भी है।
“चलो!” जेनी ने कहा। “हमें तुम्हें वापस आगे ले जाना होगा ताकि तुम मिस्टर लेवी से मिल सको; वो अभी ऑफिस में होंगे।” हम छोटे-छोटे कमरों से होते हुए इमारत के सामने की ओर वापस चले गए।
कुछ मिनट बाद लेवी प्रकट हुए। उन्होंने अपने लिए एक कप कॉफ़ी डाली और मुझे अपने पीछे आने का इशारा किया। हमारे पीछे दरवाज़ा बंद करके, वे मेरे बगल वाली कुर्सी पर बैठ गए। “चलिए, आपके प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बात करते हैं, ठीक है? मैंने मेल को आपका प्रशिक्षक नियुक्त किया है; लगता है उन्हें आप पसंद हैं। वे शुरुआती प्रतिभागियों में से एक थे और मुझे उनके जैसा सिद्धांत समझने वाला कोई और नहीं मिला। मेरी योजना है कि वे आपको व्याख्यान चरण से गुज़ारेंगे; उसके बाद वे आपको कैथलीन के पास भेज देंगे। वे एक उत्कृष्ट प्रतिभागी हैं और उनमें असीम धैर्य है। वे आपको सातवें चरण के प्रशिक्षण तक ले जाएंगी। मैं समय-समय पर आप दोनों को बदल सकता हूँ, इसलिए चिंता न करें।”
“मुझे उल्टा कर दो? मुझे समझ नहीं आ रहा।”
“मैं आपके प्रशिक्षकों और निगरानीकर्ताओं को बदलूंगा, ताकि आपको पूरा अनुभव मिल सके। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है और मुझे लगता है कि अब इसे आज़माने का समय आ गया है। इसलिए, समय-समय पर आपको यूनिट के अन्य ऑपरेशनल सदस्यों में से किसी एक को सौंपा जाएगा। ‘ऑपरेशनल’ का मतलब है कि उन्होंने अपना सारा प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और वे वर्तमान में प्रमाणित हैं और वास्तविक लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं—मेरा मतलब खुफिया लक्ष्यों से है। प्रशिक्षण के दौरान आपके पहले लक्ष्य प्रशिक्षण फाइलों में से यादृच्छिक रूप से चुने जाएंगे। ये ऐसे लक्ष्य होंगे जिनमें महत्वपूर्ण संकेत और काफी जानकारी उपलब्ध होगी। इस जानकारी से हमें आपको तुरंत प्रतिक्रिया

देने में मदद मिलेगी।” मैं शायद उलझन में दिख रहा था। “क्या आपको कुछ समझ आ रहा है?” उन्होंने सावधानी से पूछा।
मैं जोर से हंस पड़ा। "खैर, मैं पूरी कोशिश कर रहा हूँ।"
लेवी भी हँस पड़ा। “मुझे लगता है मैं तुम्हें बहुत सारी जानकारी एक साथ दे रहा हूँ। अब मैं थोड़ा रुकता हूँ। मेल तुम्हें आगे की सारी जानकारी दे देगी। अभी मैं चाहता हूँ कि तुम ऐतिहासिक फाइलें पढ़ो और समझो कि यह कार्यक्रम कैसे और क्यों अस्तित्व में आया। आज यहाँ से जाते समय तुम्हें इस बात का सामान्य अंदाजा हो जाना चाहिए कि सोवियत, चीनी और चेक लोग अलौकिक घटनाओं के क्षेत्र में क्या कर रहे हैं। बाकी बातें समय आने पर समझ आ जाएँगी। ठीक है?”
"जी श्रीमान।"
लेवी मुझे दो अलग-अलग फाइल सेफ के पास ले गया और उनका कॉम्बिनेशन डायल किया, वो इतनी ज़ोर से बुदबुदा रहा था कि मैं लगभग सुन ही पा रहा था। उसने कहा, “यहाँ से शुरू करो, और पीछे की ओर आते हुए आखिरी दराज तक जाओ। तुम फोल्डर निकाल सकते हो और उन्हें पढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ले जा सकते हो। बस ध्यान रखना कि उन्हें सही क्रम में वापस रखना। समझ गए?”
“मिल गया।” मैंने फाइलों का एक मोटा बंडल उठाया, उन्हें डेस्क तक ले गया और उन पुरानी, बदबूदार फाइलों को खंगालना शुरू कर दिया। सोवियत कार्यक्रम, केजीबी के छिपाव, नाम, चेहरे, जगहें, केंद्रीय खुफिया एजेंसी, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट… मुझे विश्वास नहीं हो रहा था—यह कार्यक्रम 1974 की शुरुआत से, लगभग पंद्रह वर्षों से चल रहा था। यह अब प्रायोगिक नहीं रहा था। हे भगवान, उन्हें पता था कि यह काम करता है—उन्होंने स्टैनफोर्ड में इसे साबित कर दिया था, और सारे सबूत यहाँ मौजूद थे। इसमें शामिल शोधकर्ताओं द्वारा इस विषय पर किताबें लिखी गई थीं; किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया। किताबों में खुफिया एजेंसियों की संलिप्तता का जिक्र नहीं था, लेकिन सरकारी फंडिंग और प्रबंधन के सबूत हर जगह मौजूद थे। सोवियत संघ में निर्मित मशीनों के चित्र थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे मानव मस्तिष्क तरंगों को बाधित कर सकती हैं, जिससे मतली, बेहोशी, चक्कर आना और यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती है। रिमोट व्यूअर्स या अन्य विदेशी ऊर्जा स्रोतों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए “ऊर्जा अलार्म” के आरेख भी थे। वहाँ "दूरस्थ मानसिक हेरफेर करने वालों" का वर्णन था, जिनका मुख्य

उद्देश्य किसी दूसरे इंसान के दिमाग तक पहुँचकर उसे मार डालना था। मुझे लगा था कि मैं समझ गया हूँ कि मैं किस चीज़ में उलझ रहा हूँ, लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि मुझे इसका ज़रा सा भी अंदाज़ा नहीं था।
फाइलों को खंगालते हुए कई घंटे बीत गए, नई फाइलें निकालने के लिए मुझे बार-बार तिजोरी के चक्कर लगाने पड़े। मुझे समय का बिल्कुल भी पता नहीं चला। "क्या आप दोपहर के भोजन के लिए तैयार हैं?" मेल ने मेरे पीछे आकर पूछा। “ज़रूर। इन फाइलों को देखते-देखते मैं थोड़ा ऊब गया हूँ। बर्गर किंग, आपके मन में क्या विचार है?”
“बिल्कुल नहीं! मैं फास्ट फूड नहीं खाता। आपको मिर्च पसंद है?”
“चिली का स्वाद बहुत अच्छा लग रहा है। क्या आपका कहीं कोई पसंदीदा सस्ता सा रेस्टोरेंट है?”
जी हां, मेरे घर पर। आपको यहाँ हिरण के मांस से बनी सबसे बेहतरीन चिली मिलेगी, जो भगवान ने इस धरती पर बनाई है। अपना कोट पहन लीजिए, यह पैदल दूरी पर ही है।
हम सामने के दरवाजे से बाहर निकले और एक खेत पार करके रिले के घर की ओर चल पड़े। वह फोर्ट मीडे में सैन्य आवास में रहता था, जो कार्यालय से लगभग आधा मील दूर था।
अपने घर पर, राइली ने मुझे राजा जैसा महसूस कराया। "यहाँ बैठो," उसने अपनी कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा, जो साफ़ तौर पर उसकी जगह थी। मैंने मना करने की कोशिश की, लेकिन मेरे नए दोस्त ने ज़िद की। "हमें चुप रहना होगा, एडिथ ऊपर सो रही है।" उसने मेरे चेहरे पर उलझन का भाव देखा। "एडिथ मेरी पत्नी है; वह एक क्रिटिकल केयर नर्स है—रात भर काम करती है, दिन भर सोती है। वह बहुत ही समझदार भी है। लगभग मेरे जितनी अच्छी"—वह मुस्कुराया — "लेकिन बिल्कुल नहीं।"
"ओह।"
"ठीक है, तुम समाचार देख लो, मैं मिर्च गर्म कर देता हूँ। लेकिन आवाज़ धीमी रखना—अगर हमने एडिथ को जगा दिया तो वह हम दोनों को मार डालेगी।"
जब मैं सीएनएन देख रहा था, तब मेल दोपहर का खाना बनाने के लिए रसोई में चली गई।

“आज की मुख्य खबरें,” एंकर ने शुरू किया। “राष्ट्रपति बुश ने बीमारी के कारण कई उच्च स्तरीय बैठकें रद्द कर दीं। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति को फ्लू है और वे कुछ दिनों में अपना कार्यक्रम फिर से शुरू कर सकेंगे।” “मेल, क्या तुमने सुना?” मैंने छोटी रसोई में झाँकते हुए पूछा। “उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बीमारी के कारण अपनी कुछ बैठकें रद्द कर रहे हैं।” उन्होंने उसके बारे में क्या कहा था?

“उन्होंने कहा कि यह फ्लू था। सोचिए, फ्लू? मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी किसी राष्ट्रपति के फ्लू होने और उसकी वजह से बैठकें रद्द करने के बारे में सुना है। क्या उन्हें फ्लू के टीके नहीं लगाए जाते और इस तरह की चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता?” मेल ने मुझे मिर्च का एक कटोरा दिया। मैंने आगे कहा, “मैंने आज सुबह पढ़ा कि सोवियत संघ द्वारा बनाए गए हथियारों में से एक से फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं। क्या आपको लगता है कि इसका इससे कुछ लेना- देना था?”
“इसे अच्छे से खाओ, और फिर बाकी बातों पर चर्चा करने की कोशिश करो।” राइली मुस्कुराते हुए बोला। “उम्मीद है तुम्हें तीखा पसंद आएगा!” उसने एक बड़ा निवाला लिया और चबाते हुए सोचने लगा। “जैसे-जैसे तुम अपनी ट्रेनिंग में आगे बढ़ोगे, तुम्हें अपने आस-पास की दुनिया में जो कुछ घटित होता दिखेगा, उसे देखकर तुम हैरान रह जाओगे। हर चीज़ के बारे में एक अलग तरह का ज्ञान होना एक बहुत ही अजीब एहसास है। मैं अभी तुम्हारे लिए चीज़ों को उलझाना नहीं चाहता, अभी बहुत जल्दी है। बस इतना समझ लो कि जो तुम सामान्य समझते हो, जिसे तुम और हमारे आस-पास की दुनिया के सभी लोग स्वाभाविक मानते हैं, शायद वह वैसा न हो जैसा तुम सोचते हो। मेरा मतलब है, तुम अभी से यह अटकलें लगा रहे हो कि क्या बुश सच में बीमार हैं या हमारे कई दुश्मनों में से कोई उन्हें व्यूअर्स या मशीनों से निशाना बना रहा है।” उसने मिर्च का एक और निवाला लिया। “देखा? पाँच घंटे पहले, यह संभावना तुम्हारे दिमाग में कभी नहीं आई होगी।”
लिविंग रूम में वापस आते ही मैंने एक चम्मच मिर्च निगल ली, और मेरी नाक की नसें बुरी तरह जल उठीं। मेरी आँखों से आंसू बहने लगे और ऐसा लगा जैसे मेरी जीभ मुंह से बाहर निकल आई हो।
"क्या यह आपके लिए बहुत गर्म है?"

मैंने कमजोरी न दिखाने का पक्का इरादा कर लिया था। “नहीं… बिल्कुल ठीक।” मैंने जल्दी-जल्दी खाना खाया।
जब मेरा कटोरा खाली हो गया तो रिले ने कहा, "यह तो बहुत जल्दी हो गया। और चाहिए? बहुत सारा है।"
“नहीं, धन्यवाद,” मैंने भारी स्वर में कहा। “मैंने नाश्ता भरपेट किया था।” मैं वहीं बैठकर बाकी की खबरें देखता रहा, मेरा पेट गुड़गुड़ा रहा था। मैंने कोशिश की कि मैं लगभग स्थिर ही रहूँ।
तीन कटोरी चिली खाने के बाद, रिले ने अपनी घड़ी देखी और बोला, "वापस चलना बेहतर होगा। हम नहीं चाहते कि कोई हमारी तलाश शुरू करे।"

मैं मेल के साथ धीरे-धीरे ऑफिस वापस गई, कोशिश कर रही थी कि मेरे पेट का सारा खाना बाहर न गिर जाए। "यह टैरो कार्ड वाली चीज़ क्या है? क्या हम सबको इसे करना सीखना पड़ता है?"
राइली का चेहरा गुस्से से लाल हो गया और उसने अपने जबड़े कसकर भींच लिए। "नहीं! यह पूरी तरह से व्यक्तिगत पसंद है। और अगर आप पूछ रहे हैं, तो मैं इसकी सलाह नहीं देता।"
"क्यों—मेरा मतलब है, अगर यह काम करता है तो?"
“कौन जानता है कि ये काम करता है या नहीं? यही सवाल है। इस पर कोई अध्ययन या शोध नहीं हुआ है। बाकी सब कुछ जो आप यहाँ सीखेंगे, वैज्ञानिक रूप से परखा और प्रमाणित किया गया है, और प्रशिक्षण प्रोटोकॉल भी समय के साथ दस्तावेजित और परखे गए हैं। इसमें कोई रहस्य नहीं है। लेकिन हमें नहीं पता कि ये सब बकवास, जैसे कि चैनलिंग, ऑटोमैटिक राइटिंग या टैरो कार्ड, कहाँ से आ रही है। धत् तेरे की! इनमें से ज़्यादातर चीज़ें जिप्सियों का तमाशा थीं और अब ये हमारे वैज्ञानिक खुफिया कार्यक्रम का हिस्सा बन गई हैं। ये सब बकवास है, और मैं जानता हूँ; लेकिन आपको खुद देखना होगा, मैं आपको यकीन नहीं दिला पाऊँगा।”
जब हम दफ्तर पहुँचे, तो मैं सीधे अपनी डेस्क पर गया और बची हुई फाइलों में डूब गया। दोपहर के बाकी समय में मैंने अपने नए भविष्य की ऐतिहासिक नींव को ध्यानपूर्वक पढ़ा और बार-बार पढ़ा।

लगभग पाँच बज रहे थे और दफ्तर दिन भर का काम खत्म करके खाली हो रहा था। लेवी, मेल और मेरे अलावा सब जा चुके थे। काम खत्म करने से पहले मुझे लगभग पाँच और फाइलें देखनी थीं, तभी लेवी मेरी डेस्क के पास आया।
मैं आपके लिए कुछ कागजात लाया हूँ जिन पर आपको हस्ताक्षर करने हैं। आप यहीं पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और मैं उनके साथ जो भी आवश्यक होगा वह कर दूंगा।
उन्होंने उन्हें मेरे सामने रख दिया और पहले शीर्षक ने मेरा ध्यान खींचा: "[मानव उपयोग समझौता]"। "यह क्या है?" मैंने पूछा।
“यह आपका मानव उपयोग समझौता है। यहां मौजूद सभी लोगों ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। संक्षेप में, इसमें कहा गया है कि आप समझते हैं कि आप स्वेच्छा से मनुष्यों पर आधारित एक प्रायोगिक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, और इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए आप संघीय सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे।”
मैं कुछ देर तक उसे घूरता रहा। "किस तरह का नुकसान हुआ है?"

लेवी थोड़ा नाराज़ लग रहा था, मानो मुझे यह बात पहले ही समझ लेनी चाहिए थी। “यह तो स्पष्ट होना चाहिए कि इससे किस तरह का नुकसान होगा। आप समय और अंतरिक्ष यात्रा की घटनाओं में शामिल हो रहे हैं, ऐसी घटनाओं को एक ऐसे नज़रिए से देख रहे हैं जिसका अनुभव किसी अन्य मनुष्य ने कभी नहीं किया है।” वह एक पल के लिए रुका। “कुछ लोग जिन्होंने यह प्रशिक्षण लिया है, उनका हाल अच्छा नहीं रहा।”
मैं उसे खाली निगाहों से घूरता रहा, जिसका मतलब उसे यह समझ में आ गया कि मैं जवाब से संतुष्ट नहीं था।
“कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है, और कुछ को प्रशिक्षण से हटा दिया गया है। अगर आपकी आस्था की संरचना मज़बूत नहीं है, या अगर आपको अंतरिक्ष में जो कुछ दिखाई देता है उसे समझने में परेशानी होती है... तो आपको समस्याएँ हो सकती हैं। आपको भावनात्मक क्षति हो सकती है—एक तरह से मानसिक आघात। यह सबसे बुरा रूप लगता है, लेकिन कभी-कभी ऐसा हुआ है। मुझे यकीन है कि आपको कोई समस्या नहीं होगी।”
"अरे यार, बिल, इस बारे में मुझे पहले किसी ने क्यों नहीं बताया?"

“क्या इससे आपके फैसले में कोई फर्क पड़ता? आपको पता होना चाहिए था कि इसमें जोखिम शामिल हैं; सामान्य ज्ञान तो यही कहता है। क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि अगर मैंने आपको बताया होता कि प्रशिक्षण में जोखिम शामिल हैं, तो आप आज यहां नहीं होते? अरे, ऐसा कैसे हो सकता है!”
मुझे कहाँ हस्ताक्षर करना है?
“दूसरे पृष्ठ के सबसे नीचे। बाकी सब सामान्य गोपनीयता संबंधी दस्तावेज और कुछ अन्य प्रशासनिक दस्तावेज हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है मानव उपयोग समझौता।”
लेवी के सामने खड़े-खड़े मैंने सारे दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर कर दिए। मानव उपयोग समझौते से उत्पन्न अजीब सी भावना मेरे मन से निकल ही नहीं रही थी। मैं सोचने लगी कि क्या मुझे लेवी को अपने सारे सपनों और दृष्टियों के बारे में बता देना चाहिए। मुझे लगा कि बार्कर ने ही ये सब किया है, पर शायद उसने नहीं किया हो; फिर मैं कहाँ होती? क्या इससे मेरी हालत और बिगड़ सकती है, क्या यह मुझे किसी तरह से बर्बाद कर सकता है?
“बिल…” मैं हिचकिचाया। “क्या मैं सचमुच किसी खतरे में हूँ? गोलीबारी के बाद से जो कुछ भी हुआ है, उसकी वजह से डेबी के साथ मेरे रिश्ते पहले से ही नाजुक हैं। मैं पीछे नहीं हटूंगा; मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। मैं यह काम किसी भी चीज़ से ज़्यादा करना चाहता हूँ। लेकिन मैं हर ज़रूरी सावधानी बरतना चाहता हूँ।”
लेवी ने कागज़ इकट्ठा किए और उन्हें अपने सामने करीने से रख दिया। “जैसा कि मैंने हमारी पहली मुलाकात के दिन कहा था, डेविड: यह प्रशिक्षण तुम्हारे जीवन भर के लिए बदल देगा। न तो तुम और न ही तुम्हारा परिवार पहले जैसा रहेगा। तुमने इस प्रशिक्षण के लिए सहमति दी है, और तुम्हें यह समझना होगा और इसे कभी नहीं भूलना होगा। कोई तुम्हें यहाँ आने के लिए मजबूर नहीं कर रहा है, और तुम आज ही बस एक शब्द कहकर इस दरवाजे से बाहर जा सकते हो; कोई कुछ नहीं कहेगा। या तुम रुक सकते हो, और वह सीख सकते हो जिसका हर इंसान सिर्फ सपना देखता है। यह तुम्हारा फैसला है; तुम्हें इससे सहज होना होगा, और तुम्हारे परिवार को भी। हमने कई लोगों को खो दिया है क्योंकि वे तैयार नहीं थे। हम तुम्हें समय और स्थान से परे जाना सिखाएंगे, और हम तुम्हें वापस आकर हमें यह बताना सिखाएंगे कि तुमने क्या देखा है।”

मैं सुन्न पड़ गया था, मेरे दिमाग में एक बार फिर से हजारों सवाल उमड़ रहे थे। "मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं तैयार हूं या नहीं?"
मुझे लगता है कि आप पहले से ही तैयार हैं। मुझे नहीं लगता कि आपके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह है कि आप तैयार हैं।
मैंने सिर हिलाया। "आप सही कह रहे हैं। मैं तैयार हूँ, और मुझे लगता है कि आप जानते हैं कि मैं अपना पूरा जोर लगा दूंगा।"
“अच्छा। हम कल से शुरू करेंगे।” उन्होंने कागज़ समेटे और अपने दफ्तर की ओर चल दिए। “आपको यहाँ से निकलना होगा। मैंने यह नियम बना रखा है कि मैं दफ्तर से सबसे आखिर में निकलता हूँ, और अब मैं जाने के लिए तैयार हूँ।”

उस रात, जब बच्चे मेरे चारों ओर घुटनों के बल बैठे थे और डेबी मेरे बगल में थी, मैंने अपनी नई यात्रा के बारे में उन्हें समझाने की पूरी कोशिश की। मैंने कहानी सुनाने के अंदाज़ में शुरू किया, “आप सब जानते हैं कि मैंने एक नई नौकरी शुरू की है, है ना?” मैंने उनके छोटे-छोटे सिर हिलाने का इंतज़ार किया, फिर आगे कहा, “यह नई नौकरी पापा की पिछली सभी नौकरियों से थोड़ी अलग है। कहते हैं कि मैं... मतलब, हम सब, एक परिवार के रूप में, एक बड़े बदलाव से गुज़रने वाले हैं, और हम सबको इसके लिए तैयार रहना होगा।” मुझे काम की प्रकृति समझाने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ी। “पापा स्वर्गदूतों के साथ चलना सीखने वाले हैं।”
“देवदूतों के साथ चलना? सचमुच?” डेनियल और मारिया की आँखें चमक उठीं।
"यह सही है।"
दस साल का माइकल, अपनी बेहद प्रभावित बहनों से कहीं अधिक परिष्कृत और आलोचनात्मक बनने की कोशिश कर रहा था। "तो फिर तुम और क्या करोगे?"
मैंने डेबी की आंखों में आंसू देखे और मैंने उसका हाथ कसकर पकड़ लिया। "देखते हैं... मैं दूसरी दुनियाओं की यात्रा करूंगा, बहुत पहले घटी घटनाओं को देखूंगा, और उन चीजों को देखना सीखूंगा जो अभी तक घटी भी नहीं हैं।" डेबी ने धीमी आवाज़ में पूछा, "तुम्हारा मतलब है, समय में चलना?"
मैंने उसके परेशान चेहरे को देखा। “प्रिय, मुझे पता है कि मेरी आध्यात्मिकता हिल जाएगी, शायद उसे नए सिरे से परिभाषित करना पड़ेगा। मैं तुम पर और बच्चों पर भरोसा कर रही हूँ कि तुम मेरा सहारा बनोगी। अगर तुम मेरा साथ नहीं दोगी, तो मुझे यकीन नहीं है कि मैं यह सब कर पाऊँगी।”

उसने कहा, “मुझे पक्का नहीं पता कि मैं चाहती हूँ कि तुम लोग यह करो! मुझे यकीन है कि यह तुम्हारे लिए बहुत दिलचस्प है, लेकिन मुझे डर लग रहा है, और आखिरकार इससे बच्चों को भी डर लग जाएगा।” वह खड़ी हुई और पैर पटकते हुए चली गई। “बच्चों, अब तुम लोग खेलो, पापा और मम्मी आपस में बात करना चाहते हैं। जाओ! जाओ और खेलो!” वे सब इधर-उधर भाग गए, चिंतित दिख रहे थे। डेनियल रोने लगी। “कोई बात नहीं, डेनियल, मारिया के साथ रहो। मारिया, अपनी छोटी बहन को लेकर अपने कमरे में जाओ और खेलो। मैं थोड़ी देर में आती हूँ।”
“अरे, मान जाओ।” मैंने उसे शांत करने की कोशिश की। “मेरा इरादा उन्हें डराने का नहीं था।”
“शायद तुमने उन्हें नहीं डराया होगा, लेकिन मुझे तो तुम जान से मार रहे हो। तुम्हारी ये समस्या बहुत लंबे समय से चल रही है, और अब तुम बेपरवाही से घर आकर बच्चों और मुझे बताते हो कि तुम फरिश्तों के साथ चलोगे और समय में इधर-उधर नाचोगे। डेविड, आखिर तुम ये सब कर क्या रहे हो? मैंने तुमसे इस समस्या के लिए पेशेवर मदद लेने को कहा था और तुम मुझे यकीन दिला रहे हो कि ये नई यूनिट इसके लिए एकदम सही रहेगी—अरे, धिक्कार है! मुझे तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। मुझे तो ऐसा लग रहा है कि तुम पूरी तरह पागल हो गए हो और तुम्हें कोई ऐसी सैन्य यूनिट मिल गई है जो तुम्हें ऐसा करते हुए देखेगी और साथ ही सब कुछ नोट भी करेगी। तुम्हें क्या हो गया है? क्या तुम्हें हमारी ज़रा भी परवाह नहीं है?”
“बेशक मैं तुम्हारे बारे में सोचता हूँ। तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो? मुझे गोली लगने में मेरी कोई गलती नहीं थी। मुझे वो दृश्य नहीं चाहिए थे; मैंने उन्हें नहीं माँगा था। मैं बस एक सैनिक बनना चाहता हूँ और अपनी ज़िंदगी जीना चाहता हूँ।”
“तुम्हें धिक्कार है!” उसने मुझ पर झल्लाते हुए मेरी बांह पर वार किया। “तुम ये सब नहीं कर रहे हो। तुम एक और मिशन पर जा रहे हो—अपनी प्यारी सेना के एक और काम पर। तुम्हें हमारी कोई परवाह नहीं है, वरना तुम अपनी समस्या के लिए ज़रूरी मदद ले रहे होते, न कि इसका इस्तेमाल किसी बेतुकी और बेकार यूनिट में जाने के लिए कर रहे होते, जो तुम्हें और भी बदतर बना देगी।”
अगर आपको ऐसा ही लगता है, तो अपना सामान पैक करो और चले जाओ!
“मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा रही! मैं तुमसे प्यार करती हूँ और तुम मेरे पति हो। मैं गुस्से में हूँ, निराश हूँ और इस स्थिति में खुद को अकेला

महसूस कर रही हूँ। तुम्हें समस्या है और तुम्हें मदद की ज़रूरत है। अब तुमने बस तुम्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया है जहाँ हर किसी को समस्या है।” “डेबी…” मैंने उसे गले लगाने की कोशिश की। “तुम इसे जरूरत से ज्यादा बढ़ा- चढ़ाकर पेश कर रही हो।”
वह दूर हट गई। “नहीं, मैं ऐसा नहीं कर रही हूँ, डेविड।” उसकी आवाज़ शांत हो गई और उसमें गंभीरता आ गई। “नहीं, मैं इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता रही हूँ। मैंने आज एक थेरेपिस्ट से बात की, और उनका मानना है कि आपको उनसे अभी मिलना चाहिए।”
“ये सब बकवास है! मुझे किसी थेरेपिस्ट की ज़रूरत नहीं है, समझ नहीं आता? सन स्ट्रीक मुझे इससे निपटना सिखाएगा... वो मुझे समझाएगा!”
डेबी ने एक गहरी आह भरी। “मैं देख सकती हूँ कि तुम वही करोगे जो तुम चाहोगे, और इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना। मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम ऐसे मोड़ पर आएँगे।”
“देखो,” मैंने कहा, “हम पहले भी इन सब बातों से गुज़र चुके हैं। तुमने इसे एक मौका देने के लिए सहमति दी थी। अगर बात नहीं बनी, तो हम कुछ और कोशिश करेंगे। है ना? तुमने इस पर सहमति नहीं दी थी?” मैंने उसे अपने करीब खींचा और उसकी आँखों में देखा। “चलो जान, बस थोड़ा समय दो। मैं अपना वादा निभाऊँगा; बस इस मामले में मेरा साथ दो। ठीक है?”
“हम तुम्हारे साथ हैं, डेविड। जब तुम्हारे लिए प्यार करने को कुछ भी नहीं बचेगा, तब भी हम तुम्हें सहारा देंगे। लेकिन तुम पर हमारा इससे भी ज़्यादा कर्ज़ है।” वह मुड़ी और चली गई। “जब लेवी ने कहा था कि यह यूनिट तुम्हारी ज़िंदगी हमेशा के लिए बदल देगी, तो वह सही था। और यह बदलाव शुरू भी हो चुका है।”

अगली सुबह मैं सुबह-सुबह ही यूनिट पर पहुँच गया। जेनी मुझसे पहले ही वहाँ पहुँच चुकी थी और उसने पहले से ही एक बर्तन में कॉफी बना ली थी।
"आज का दिन तुम्हारे लिए बहुत खास है, है ना?"
“हां, और मैं भी उत्साहित हूं। आज मेरा पहला लेक्चर का दिन है।”
जेनी खिलखिलाकर हंस पड़ी। “खैर, ज़्यादा उत्साहित मत होइए, यह प्रशिक्षण का वो हिस्सा है जिससे हर कोई नफरत करता है। यह लंबा और उबाऊ होता है और

इसमें बहुत कुछ लिखना पड़ता है। ज़्यादातर दर्शक दोबारा लेक्चर सुनने के बजाय आंख में नुकीली छड़ी चुभवाना ज़्यादा पसंद करेंगे।”
“इतना बुरा, है ना? खैर, मैं शायद इसे दोहराने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा। मुझे किसी भी चीज़ के लिए क्लासरूम में बैठना पसंद नहीं है। मैं काम करने वाला व्यक्ति हूं।”
मेल दरवाजे से अंदर आया, बाहर की ठंड से उसके गाल गुलाबी हो गए थे। "सुप्रभात। क्या तुम तैयार हो?" उसने जेनी को आँख मारी।
“वह बहुत बेचैन है,” उसने कहा। “तुम्हारा इंतज़ार करते हुए यहीं खड़ा रहा।”
“ठीक है, मुझे कुछ मिनट दीजिए, मैं कुछ सामान इकट्ठा कर लूँ, फिर हम शुरू करेंगे।” उसने दरवाजे के बगल में लगे शेड्यूल बोर्ड पर नज़र डाली। “हमारे पास पूरे दिन, पूरे हफ्ते के लिए गार्डन रूम है। बढ़िया!”
मैंने पूछा, "यह क्या है?"
“तुम्हारा मतलब किस बोर्ड से है, इस बोर्ड से या गार्डन रूम से?” मेल ने पूछा। “लेवी हर रात घर जाने से पहले इस बोर्ड को भरता है। इससे पता चलता है कि तुम कहाँ और कब काम करोगे—मतलब, अवलोकन करोगे। सेशन के समय के आगे ये लाल T और नीले O बताते हैं कि यह ट्रेनिंग सेशन है या ऑपरेशनल सेशन। और यहाँ, ‘मॉनिटर’ वाले ब्लॉक में, यह निशान बताता है कि सेशन के लिए कोई मॉनिटर है या नहीं। अगले कुछ हफ्तों में तुम्हें इन सबका मतलब समझ आ जाएगा, इसलिए कंफ्यूज मत होना।”
“बहुत बढ़िया। मैं यहीं रुक कर तुम्हारा इंतजार करूँगा, ठीक है?”
“नहीं, यह ठीक नहीं है। आपको नोट्स लेने के लिए सप्लाई रूम से एक नोटबुक और कई पेन चाहिए होंगे, और आपको जेनी जिसे कॉफी कहती है, उसका एक और कप चाहिए होगा।”
“अरे हाँ, मैं एक टेप रिकॉर्डर लाया हूँ, अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो। मैं नोट्स लेने में उतना अच्छा नहीं हूँ।”
कुछ देर सन्नाटा छा गया। “हाँ, एक समस्या है: आप लेक्चर रिकॉर्ड नहीं कर सकते, यह गोपनीय है। आपको नोट्स लेने होंगे, और हम उन्हें एक सुरक्षित दराज में रखेंगे: जेनी? क्या तुमने डेव को कोई दराज आवंटित किया है?”
“अरे नहीं, मैंने नहीं किया, है ना?” वह अपनी डेस्क के पीछे से उछलकर खड़ी हो गई, उसके हाथ में एक हरी बहीखाता किताब थी। “ठीक है, ये रही तिजोरी का

कॉम्बिनेशन।” उसने मुझे खुला हुआ पन्ना दिखाया। “इसे ज़ोर से मत बोलना! लोग सुन रहे होंगे—मतलब, बदमाश लोग। तुम कॉम्बिनेशन लिख सकते हो, लेकिन इसे अपने साथ नहीं रख सकते। इसे जल्दी से याद कर लो या इस किताब को देख लो। मैं इसे अपडेट रखती हूँ। कॉम्बिनेशन हर नब्बे दिन में बदलता है। जब तुम्हें नया कॉम्बिनेशन मिले, तो तुम्हें यहाँ हस्ताक्षर करके यह स्वीकार करना होगा कि यह तुम्हें दिया गया है। तुम्हारा दराज यह होगा”—उसने इशारा किया—“तीसरा, दाईं ओर से पाँचवाँ। इसे याद रखने का यही सबसे अच्छा तरीका है। समझ गए?”
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
“अपने सारे नोट्स और सेशन रिकॉर्ड यहीं रखना। यह आपकी दराज है जिसमें आप गोपनीय चीजें रख सकते हैं। लेकिन याद रखना, श्री लेवी समय-समय पर इनकी जाँच करते हैं, इसलिए मूर्खता मत करना और ऐसी कोई चीज यहाँ मत रखना जिसके लिए आपको बाद में जवाब नहीं देना पड़े। ठीक है?”
“मैं समझ गया। धन्यवाद।”
“ठीक है, चलिए शुरू करते हैं,” मेल ने कहा। “मैं आपको इस दुनिया से परिचित कराती हूँ।”
हम पार्किंग स्थल पार करके एक लंबी, एक मंजिला इमारत के प्रवेश द्वार पर रुके। मेल ने ताला खोलने के लिए संयोजन (कॉम्बिनेशन) डाला और फिर चाबी से दूसरा ताला खोला। "पहले आप," उसने कहा।
मैं एक अजीबोगरीब सुनसान लॉबी में दाखिल हुआ। वहाँ एक डेस्क थी जिस पर एक फोन रखा था, और दो सोफे थे जिनके बीच में एक कॉफी टेबल रखी थी। दीवारों पर कुछ भी नहीं टंगा था। फर्श पर एक पतली ग्रे रंग की कालीन बिछी थी, और कमरा ठंडा था। कमरे के ठीक सामने दो दरवाजे थे, एक बिल्कुल बाईं ओर, दूसरा दीवार के बीचोंबीच। रिले मुझे बाईं ओर वाले दरवाजे तक ले गया।
“यह निगरानी कक्ष है। जब आप किसी ऑपरेशनल सेशन में होते हैं, तब यहाँ आमतौर पर कर्मचारी मौजूद रहते हैं। यहीं पर वे आपके शरीर के संकेतों की निगरानी करते हैं: श्वसन, नाड़ी, तापमान। यही वास्तविकता से आपका संपर्क सूत्र है। अगर आप कभी भी बाहरी वातावरण में किसी परेशानी में पड़ जाते हैं, तो यहाँ मौजूद लोगों को इसकी जानकारी मिल जाएगी और वे सेशन रोककर आपको वापस घर ले आएंगे।”

कमरे में तीन कुर्सियाँ एक बड़े इलेक्ट्रॉनिक पैनल के सामने रखी थीं, जिस पर क्लोज्ड-सर्किट टीवी मॉनिटर, माइक्रोफोन और कैसेट व वीडियो रिकॉर्डिंग मशीनें लगी थीं। एक छोटी सी कोठरी में सैकड़ों कैसेट और वीडियोटेप करीने से क्रमबद्ध और लेबल लगे हुए थे।
“जॉयस्टिक की मदद से मॉनिटर व्यूइंग रूम में लगे कैमरों को नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप कोऑर्डिनेट आरवी कर रहे हैं, तो वे ज़ूम करके देख सकते हैं कि आप क्या लिख रहे हैं, या अगर आप ईआरवी कर रहे हैं, तो वे आपकी आंखों या किसी भी अन्य चीज़ को देख सकते हैं जो वे देखना चाहते हैं।”
मैंने पूछा, "ईआरवी क्या है?"
“विस्तृत रिमोट निगरानी। अभी इसकी चिंता मत करो। टेप प्लेयर आपके कूल-डाउन के लिए आपकी पसंद का संगीत बजाते हैं और फिर आपके सेशन को रिकॉर्ड करते हैं ताकि कुछ भी खो न जाए। सब कुछ रिकॉर्ड और मॉनिटर किया जाता है। यह छोटा सा उपकरण आपके प्रशिक्षण के पहले कुछ महीनों के दौरान आपकी ब्रेनवेव्स को मॉनिटर करेगा। जब हमें यकीन हो जाएगा कि आप उचित समय में वांछित आवृत्ति प्राप्त कर सकते हैं, तो आपको इलेक्ट्रोड पहनने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन शुरुआत में आप ध्वनि, पसीना, गैस और हवा में आप जो कुछ भी करना चाहें, उसके लिए तारों से जुड़े रहेंगे। बहुत डरावना है ना? चलो, मैं तुम्हें बाकी जगह दिखाता हूँ।”
हम दूसरे दरवाजे से अंदर गए जो एक लंबे, संकरे गलियारे में खुलता था। बाईं और दाईं ओर दरवाजे थे, और मेल ने उनमें से एक को खोल दिया।

“यह ईआरवी कमरा नंबर एक है, और दूसरा नंबर दो है, जो बाईं ओर है। ये दोनों एक जैसे हैं, लेकिन इस तरह का काम करते-करते आप इतने संवेदनशील हो जाते हैं कि आपकी एक पसंद विकसित हो जाती है।”
कमरा पूरी तरह से ग्रे रंग का था: कालीन, दीवारें, साज-सामान, डेस्क, कुर्सी। वहाँ एक अजीब सा सोफे जैसा कुछ रखा था, और वह भी ग्रे रंग का था। “यह क्या चीज है?”
“ये एक ईआरवी कुर्सी है। इसमें इस तरह बैठते हैं।” रिले उस उपकरण में कूद गया और तारों और बेल्टों को सही जगह पर लगाने लगा। “आप इसे अपनी नब्ज़ पर नज़र रखने के लिए प्लग इन करते हैं, और इसे अपनी छाती के चारों ओर लपेटते हैं ताकि आपकी साँसें रिकॉर्ड हो सकें। ये इस कंसोल पर लाइट और वॉल्यूम

कंट्रोल हैं, और आप ये हेडफ़ोन पहनते हैं। ये रहा माइक्रोफ़ोन; आपको इसके साथ कुछ नहीं करना है, यह मॉनिटर के कमरे से अपने आप चालू हो जाता है। चलिए देखते हैं... और कुछ? ओह, हाँ, कभी-कभी एक नज़दीकी मॉनिटर डेस्क पर बैठता है। लेवी ऐसा कर सकता है, ताकि वह आपको लक्ष्य तक ले जा सके और वापस ला सके। उसे यह देखना पसंद है कि आप कैसा कर रहे हैं। लेकिन आपको उस कमीने पर नज़र रखनी होगी। वह इस कुर्सी से अलग होकर मिशन में आपके साथ शामिल हो सकता है। अगर आपको पता है कि वह वहाँ होगा तो इसमें कोई नुकसान नहीं है; वरना यह आपको बुरी तरह डरा सकता है। वह कैथलीन के एक सेशन में अचानक आ गया, सीधे उसके एकांत स्थान में घुस गया और उसे देखकर कैथलीन को लगभग दिल का दौरा पड़ गया था।”
मेल ने देखा कि मुझे उसकी बात बिल्कुल समझ नहीं आ रही थी। "मैं कुछ ज्यादा ही आगे की सोच रहा हूँ, है ना? बस इन सब बातों को याद रखना। तुम्हें इनमें से किसी भी चीज़ से निपटने की ज़रूरत कई महीनों बाद ही पड़ेगी।"
मुझे यही लगा था। सब कुछ ग्रे क्यों है?
“मानसिक शोर, सिग्नल में गलत जानकारी या स्थानांतरण से बचने के लिए। यह कुछ हद तक टीवी हस्तक्षेप जैसा है; ठीक वैसा ही आपके दिमाग में होता है— अगर दर्शक जिस कमरे में काम कर रहा है, वहां बहुत अधिक रंग, प्रकाश या शोर है, तो संभावना है कि यह सत्र में बाधा डालेगा। उस सभी मानसिक शोर को दूर करके, हम एक ‘शुद्ध’ सत्र की संभावना को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं।”

“पुराने जमाने में योजना यह थी कि हमें युद्ध के मोर्चे पर ये सब करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। कल्पना कीजिए? कहीं किसी खाई में छिपकर हवा में छलांग लगाना—यह तो बेहद रोमांचक होता।”
मेल मुझे हॉल में तीन दरवाज़े आगे ले गई। “यह एक डॉविंग रूम है। यहाँ आपको नक्शे पर चलते-फिरते लक्ष्य को ढूँढ़ना सिखाया जाएगा। आपको इसके कई तरीके सिखाए जाएँगे, लेकिन जो तरीका आपके लिए सबसे कारगर होगा, आप उसी का इस्तेमाल करेंगे। बड़ी सी मेज़ पर एक संदिग्ध स्थान का सपाट नक्शा बना होगा।” दीवार पर दुनिया का नक्शा लगा था। “उस अलमारी में आपको पेंडुलम, रूलर, डॉविंग रॉड—सब कुछ मिल जाएगा जिसकी आपको ज़रूरत होगी। उस दूर वाली दीवार के पास एक नक्शा रखने का डिब्बा है; उसमें लगभग हर उस लक्ष्य का बड़ा नक्शा है जिस पर हमने काम किया है।”

मैंने पूछा, "नक्शा कौन चुनता है?"
“आमतौर पर लेवी ही होते हैं। कभी-कभी वो किसी और को प्रोग्राम मैनेजर बना देते हैं, लेकिन ऐसा अक्सर नहीं होता। जब आपको डॉविंग से जुड़ी कोई समस्या हल करने को कहा जाएगा, तो यह कमरा तैयार मिलेगा और आपका इंतज़ार कर रहा होगा। आपको बस लक्ष्य ढूंढना है।” वो मुस्कुराए और मुझे हॉल के उस पार ले गए। “यह एक सीआरवी (कोऑर्डिनेट रिमोट व्यूइंग) कमरा है; वो दरवाज़ा कमरा नंबर दो का है। वैसे तो दोनों कमरे एक जैसे ही हैं, लेकिन आपको अपना पसंदीदा कमरा ज़रूर मिल जाएगा।”
सीआरवी कक्ष ईआरवी कक्ष से लंबा था, जिसके बीच में आठ फुट लंबी एक संकरी मेज थी। मेज के ठीक ऊपर ट्रैक लाइटों की एक पंक्ति लगी थी और व्यूअर के काम करने की जगह के बगल में एक कंट्रोल पैनल रखा था। दीवारें, कालीन, मेज, कुर्सी और सभी उपकरण भूरे रंग के थे। मेल ने बताया कि यह कमरा बाकी सभी कमरों की तरह पूरी तरह से ध्वनिरोधक और प्रकाशरोधक था।
“यह सीआरवी कुर्सी है,” उन्होंने कहा। “इसमें बाकी कुर्सियों की तरह सारे कनेक्शन हैं, साथ ही इसे आप अपनी इच्छानुसार ऊंचाई पर एडजस्ट कर सकते हैं। जब आप सीआरवी शुरू करेंगे तो आपको पता चलेगा कि आरामदेह होना कितना ज़रूरी है।” उन्होंने कैमरों की जगह बताते हुए कहा, “आप यहां लाइट और साउंड एडजस्ट करते हैं। उस पोडियम को टारगेट पोडियम कहते हैं। वह मॉनिटर के पीछे वहीं रहता है।”
"वह किसके लिए है?"
“आपके लक्ष्य (प्रशिक्षण या अन्य) का स्थान एक लिफाफे में सील करके मॉनिटर के पास इस पोडियम पर रख दिया जाएगा। यह मुख्य रूप से आपके अवचेतन मन के लिए है, लेकिन यह हमेशा मौजूद रहेगा। हमने यह देखने के लिए कुछ प्रयोग किए हैं कि लक्ष्य फ़ोल्डर को बदलने का क्या प्रभाव हो सकता है, और परिणाम काफी आश्चर्यजनक थे। यदि मैं आपको लक्ष्य X पर काम करवा रहा हूँ, और ब्रेक के दौरान मैंने आपको बिना बताए लक्ष्य Y का फ़ोल्डर रख दिया, तो आप Y के पहलुओं का वर्णन करना शुरू कर देंगे।”
“यह तो बहुत अजीब है। ऐसा क्यों होगा?”
राइली ने कंधे उचकाते हुए कहा, "बस हो जाता है, बात अलग है। अगर हम हर काम को समझाने का इंतज़ार करते, तो पिछले पंद्रह सालों में हमने कुछ भी हासिल

नहीं किया होता। हम जानते हैं कि यह काम करता है; हमें यह नहीं पता कि कैसे। इसलिए हम बस इसे करते हैं!"
“मैं समझ गया। मुझे लगता है कि यह आखिरी कमरा बगीचे वाला कमरा है?” "बिल्कुल यही बात है, और यहीं से आपको उपदेश की पहली खुराक मिलती है।" "अरे यार, मुझे तो लगा था कि इस गलियारे से गुजरते हुए ही मुझे वो मिल गया था।"
“मैं तुम पर थोड़ी नरमी बरतूँगा—आज रात तुम्हें कोई होमवर्क नहीं मिलेगा। इस कमरे को बाग़-बगीचे का कमरा कहते हैं क्योंकि इसमें पौधे उगते हैं। दोनों इमारतों में यही एक कमरा है जहाँ कुछ भी उग सकता है।”
“हाँ। मैंने देखा। आखिर ऐसा क्यों है?”
राइली ने उपहास उड़ाते हुए कहा, "मुझे तो कुछ समझ ही नहीं आता। जब से मैं इस दौरे पर हूँ, लगभग आठ साल से, तब से यही हाल है।"
मैंने पूछा, "इससे पहले आप किसी और दौरे पर भी आए थे?"
“हाँ, मैं शुरुआती दर्शकों में से एक था—मैं, जो मैकमोनेगल और कुछ अन्य लोग। लिन बुकानन भी यहाँ काफी समय से हैं।” मेल की आँखों में चमक आ गई। शायद यूनिट में वो शुरुआती दिन अब से बेहतर थे, क्योंकि अब वो थका हुआ लग रहा था। “धत् तेरे की,” उसने मुस्कुराते हुए कहा, “अगर तुम इसी तरह समय बर्बाद करते रहे, तो मुझे तुम्हें कुछ होमवर्क देना पड़ेगा।”
"लेवी ने मुझे नौकरी पर रखते समय होमवर्क के बारे में कुछ नहीं कहा!"
मेल ने मेरे कंधे पर थपथपाते हुए कहा, "चलो, आज हमें बहुत कुछ कवर करना है।"

अपने व्याख्यान में, मेल ने प्राचीन मिस्र के चित्रलिपि से लेकर धर्मग्रंथों तक, समय यात्रा और शरीर से बाहर यात्रा के ऐतिहासिक प्रमाण प्रस्तुत किए। मेल का तर्क था कि मनुष्य अपने भौतिक स्वरूप से कहीं अधिक है। हर दिन तेज़ी से बीतता गया, फिर भी मुझे इसका एहसास मुश्किल से ही होता था। ऐसा लगता था मानो मैं हर बार यूनिट में प्रवेश करते समय वास्तविकता को दरवाज़े पर ही छोड़ देता था, और बाद में अपने परिवार के पास घर जाकर उसे अपना लेता था। मुझे समय के इस ठहराव, अपने आस-पास की दुनिया की अनुपस्थिति में एक अजीब सा आनंद मिलता था। जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए, मुझे अपने

परिवेश के साथ अधिकाधिक शांति का अनुभव होने लगा। मेरे आस-पास सब कुछ जीवंत, स्पष्ट और अर्थपूर्ण प्रतीत होता था, मानो कोई मृत व्यक्ति अचानक पुनर्जीवित हो गया हो। जीवन एक आत्मसात करने की प्रक्रिया थी। मैंने मेल की कही हर बात को आत्मसात कर लिया। मैंने कुछ भी प्रश्न नहीं किया; सब कुछ मुझे समझ में आ रहा था। मुझे अब दूरस्थ अवलोकन में विश्वास करने में कोई विचित्रता नहीं थी, लेकिन मैं दूसरों से अलग महसूस करता था क्योंकि मुझे अभी तक अपनी "आँखें" प्राप्त नहीं हुई थीं। प्रेक्षक की आँखें। दर्शक की आँखें।
हर रात मैं डेबी को दिन भर की ट्रेनिंग की सारी बातें बताता और उसे अपने चुपके से लिखे नोट्स पढ़ने देता। मेल मुझे छोटे-छोटे खेल सिखाता था। जैसे, वह मुझे किसी रंग पर ध्यान केंद्रित करने को कहता—"इसमें डूब जाओ," वह कहता—और फिर वह मेरे दिमाग से उस रंग का नाम निकाल लेता। मैंने डेबी और बच्चों को दिखाया कि वे भी दूसरों के मन की बातें कैसे समझ सकते हैं। जैसे- जैसे हफ्ते बीतते गए, डेबी को इस यूनिट में ज़्यादा सहजता महसूस होने लगी और बच्चों को तो ऐसा लगता था जैसे शहर में सर्कस आ गया हो, क्योंकि हर रात पापा उन्हें कोई न कोई खेल या ड्राइंग का अभ्यास सिखाते थे। मैं प्रगति कर रहा था और हम सब इससे बहुत खुश थे।
कई हफ़्तों के व्याख्यानों के बाद, एक रात खाने से ठीक पहले फ़ोन की घंटी बजी। मारिया झट से उठकर फ़ोन उठाने गई। "माँ, आपके लिए है। मिस्टर लेवी नाम के किसी व्यक्ति का फ़ोन है।"
डेबी ने मेरी तरफ देखा। मैं बस कंधे उचका सकती थी; मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्यों फोन कर रहा होगा। डेबी ने रिसीवर उठाया, बीच में एक बाली उतारी और बोलने की कोशिश की।
“हेलो, मिसेज मोरहाउस?” लेवी की तीखी आवाज ने उनकी बात काट दी।
"हाँ?"

“मैं बिल लेवी हूँ। मैं आपको फ़ोन करके परिवार में आपका औपचारिक रूप से स्वागत करना चाहता था। मैं आमतौर पर थोड़ा पहले ही फ़ोन कर देता हूँ, लेकिन लगता है समय निकल गया। मुझे आश्चर्य है कि क्या मैं आपको आने वाले समय में कभी हमारे कार्यालय में आने के लिए मना सकता हूँ। मैं आपसे यूनिट के बारे

में और डेविड में हुए कुछ बदलावों के बारे में बात करना चाहता हूँ—कुछ छोटी-छोटी बातें जो आप शायद नोटिस करने लगें। अलग-अलग बातें।”
डेबी डरी हुई लग रही थी। "बेशक, मैं अंदर आकर बात कर सकती हूँ।"
“बहुत बढ़िया। क्या कल सुबह सुविधाजनक रहेगा—लगभग नौ या साढ़े नौ बजे?” “नौ लोग ठीक रहेंगे। अगर ठीक हो तो मैं डेविड के साथ चलूंगा।”
जी हाँ, बिल्कुल। आपसे मिलने का इंतज़ार रहेगा। अलविदा।
“अलविदा।” डेबी ने रिसीवर नीचे रख दिया। “ये तो बहुत ही अजीब आदमी है! मुझे उसकी आवाज़ से ही पता चल रहा है…। खैर, मुझे लगता है आपने सुन लिया होगा— मैं आपके साथ चलूँगी और काम खत्म होने के बाद गाड़ी दिन भर के लिए रख लूँगी। मुझे कुछ काम निपटाने हैं। मैं आपको साढ़े चार बजे लेने आऊँगी।” मुझे यह देखकर खुशी हुई कि कम से कम अभी के लिए, डेबी स्थिति को सही परिप्रेक्ष्य में देख पा रही थी। "मुझे तो यह बहुत अच्छा लगा। मुझे आश्चर्य है कि कल आपको किस तरह का व्याख्यान सुनना पड़ेगा?" उसने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैंने उसे फंसाया हो। "मैं कसम खाती हूँ, मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है, और मुझे कुछ भी पता नहीं है।"
अगली सुबह, हम पार्किंग स्थल पर पहुँचे और मैंने डेबी को सामने के दरवाजे तक ले गई।
"बेकार जगह।"
“चुप रहो!” मैंने डांटते हुए कहा। मैंने दरवाजा खोला और प्रवेश द्वार से चिल्लाकर कहा, “हेलो, सब लोग! डेबी मेरे साथ है। अगर आपकी डेस्क पर कुछ ऐसा है जो उसे नहीं देखना चाहिए, तो उसे हटा दें। उसे क्रेमलिन से निर्देश मिले हैं कि वह सबके डेस्कटॉप की तस्वीरें खींचे।”
जेनी हंस पड़ी। "प्रैट की डेस्क की एक तस्वीर जरूर खींच लेना। मैं इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में 'दुनिया की सबसे घटिया डेस्क' श्रेणी में भेजना चाहती हूं।"
“अरे, श्रीमती मोरहाउस।” लेवी अपने कार्यालय से झटपट बाहर निकले। “स्वागत है! क्या मैं आपके लिए कॉफी या चाय लाऊं? कुछ और?”
डेबी ने उसे अपना हाथ बढ़ाया। “नहीं, धन्यवाद। मुझे लगता है कि डेविड ही हमारे परिवार का इकलौता सदस्य है जो इसे पीता है।” उसने मुझे घूरकर देखा। मॉर्मन लोगों को कॉफ़ी नहीं पीनी चाहिए, लेकिन मैंने पैदल सेना में रहते हुए यह आदत अपना ली थी।

“ठीक है, तो मुझे लगता है हमें शुरू करना चाहिए। डेविड, मुझे लगता है आपको कुछ व्याख्यानों में जाना है। अगर आप कृपा करके अपनी पत्नी को कुछ मिनटों के लिए मुझे दे दें, तो मुझे और उन्हें कुछ बातें करनी हैं।” उन्होंने डेबी को अपने कार्यालय के दरवाजे की ओर इशारा किया और उनके पीछे-पीछे अंदर चले गए, दरवाजा बंद कर दिया।
कई साल बाद डेबी ने मुझे बताया कि क्या हुआ था। लेवी ने सबसे पहले इतने कम समय में आने के लिए उनका धन्यवाद किया और फिर कहा: “मैंने आपको यहाँ इसलिए बुलाया है क्योंकि मैं डेविड के बारे में आपसे बात करना चाहता हूँ। कृपया घबराइए मत; यह कुछ समय से हमारी सामान्य प्रक्रिया रही है। हमारे मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि परिवार को यह बताना महत्वपूर्ण है कि सैनिक के साथ क्या हो रहा है और उसके साथ आगे क्या हो सकता है।”
"कृपया मुझे बताएं कि मेरे सैन्यकर्मी श्री लेवी के साथ क्या हो सकता है।" “हां, मुझे खेद है। मैं सही शब्द ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ—”
डेबी ने विनम्रतापूर्वक मुस्कुराते हुए बीच में ही बात काट दी। “मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि इस मामले में सही शब्द वही होंगे जो मेरे पति के संलिप्तता और उनके साथ संभावित रूप से क्या हो सकता है, इसके बारे में सच्चाई बताएंगे। कृपया जारी रखें।”
“मैं समझ गया। ठीक है, तो मैं साफ-साफ कहता हूँ। हम यहाँ लोगों को एक बहुत ही अनोखे खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के तरीके में चुनते और प्रशिक्षित करते हैं। हम अपने कर्मचारियों को 'व्यूअर' कहते हैं। प्रशिक्षण में आमतौर पर बारह से अठारह महीने लगते हैं, लेकिन मुझे विश्वास है कि डेविड बहुत जल्द ही काम शुरू कर देगा। वह बहुत अच्छा कर रहा है।” लेवी रुका और दूसरी तरफ देखने लगा। “प्रशिक्षण कठिन है, और प्रशिक्षण ले रहे लोगों की भावनात्मक स्थिति बहुत नाजुक होती है। इसलिए मैं प्रशिक्षु की दिनचर्या में उन बदलावों पर लगातार नज़र रखता हूँ जो प्रशिक्षण को और मुश्किल या शायद और खतरनाक बना सकते हैं। मुझे आपके पति के बार-बार आने वाले बुरे सपनों के बारे में पता है। हालाँकि उनसे अभी तुरंत कोई चिंता की बात नहीं है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप यह जान लें कि मुझे लगता है कि वे अंततः चिंता का कारण बन सकते हैं।”
"किस तरह से?"

“सबसे पहले, मैं चाहता हूं कि आप यह समझें कि डेविड हमारे द्वारा निर्मित अब तक के सबसे बेहतरीन दर्शकों में से एक बनने की क्षमता रखता है। लेकिन वह बाहरी प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील है।”
"आप मेरे बारे में बात कर रहे हैं, है ना?"
“हाँ—लेकिन कृपया नाराज़ न हों; आपको यहाँ लाने का मेरा उद्देश्य यह नहीं है। और यही एकमात्र चिंता का विषय नहीं है। मुझे लगता है कि डेविड को जो दर्शन हो रहे हैं, उनसे संकेत मिलता है कि जन्म के समय सामान्यतः बंद रहने वाली कई नलिकाएँ किसी न किसी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। वे ज़बरदस्ती खुल गई हैं और अब बंद नहीं हो सकतीं। हालाँकि इससे वह एक स्वाभाविक और उत्कृष्ट रिमोट व्यूअर बन जाएगा, लेकिन वह एक ऐसे तरीके से और ऐसी दुनिया में काम करेगा जो उसके लिए बिल्कुल अपरिचित होगी। डेविड को मैं सामान्य रिमोट व्यूअर व्यक्तित्व नहीं कहूँगा। वह प्रशिक्षण को स्वीकार कर रहा है, लेकिन दर्शनों को लेकर बहुत भ्रमित है। मुझे लगता है कि वह मानता है कि हम उन्हें रोक देंगे। मुझे डर है कि इसका ठीक उल्टा सच है। वह जितना अधिक सक्षम व्यूअर बनेगा, ईथर के साथ उसका संपर्क उतना ही अधिक होगा, और ‘नलिकाओं’ के माध्यम से रिसाव की संभावना उतनी ही अधिक होगी।”
"आप जो मुझे बता रहे हैं, उसका मतलब यह है कि उसे इस बात का पता न चल पाने का खतरा है कि वास्तविकता कहाँ समाप्त होती है और आकाशीयता कहाँ से शुरू होती है।"
“बिल्कुल सही; आप बहुत समझदार हैं। अब, यह अभिशाप भी एक आशीर्वाद है।”
मैं इसे एक अभिशाप की तरह देखता हूँ।
“खैर, यह बात तभी सच है जब आप डेविड को सामान्यता की प्रचलित परिभाषा के दायरे में सीमित कर दें। वह एक असाधारण इंसान है; और वह समय के साथ और भी असाधारण बनता जाएगा। अगर आप उसे समझते हैं और उसकी मजबूत विश्वास संरचना को स्थापित करने और बनाए रखने में उसकी मदद करते हैं, तो मुझे लगता है कि हम नकारात्मक प्रभाव को कम कर सकते हैं। लेकिन अगर उसे आपका समर्थन नहीं मिलता, तो मुझे सबसे बुरे की आशंका है—मैं इसकी उम्मीद करता हूँ।”
"मुझे ईमानदारी से कहना होगा, श्री लेवी: मैं उन्हें यहाँ बिल्कुल नहीं चाहता। मैं चाहता हूँ कि उन्हें अस्पताल में पेशेवर मदद मिले, ऐसे डॉक्टरों से जो उनके जैसे व्यक्ति के लिए सही इलाज जानते हों।"

लेवी आगे झुके। “मैं आपको बताता हूँ कि डॉक्टर क्या करेंगे। वे उसके द्वारा वर्णित दृश्यों को बहुत सावधानी से लिखेंगे, शायद उससे रेखाचित्र बनाने को भी कहेंगे। वे उस पर कुछ साधारण परीक्षण करेंगे। वे उसे भ्रमित, शायद मनोविकारग्रस्त घोषित करेंगे। और फिर वे तरह-तरह की दवाएँ लिखेंगे। वे रासायनिक नियंत्रण से उसके दृश्यों को नियंत्रित करना चाहेंगे। वे सहानुभूति नहीं दिखाएंगे; उन्हें कोई परवाह नहीं होगी; और उसका करियर खत्म हो जाएगा। आप ज़्यादा से ज़्यादा यही उम्मीद कर सकते हैं कि उसे मानसिक अक्षमता के आधार पर चिकित्सा सेवामुक्त कर दिया जाएगा। एक असाधारण करियर का यह कोई उचित अंत नहीं है, है ना?”
"हो सकता है कि वे ऐसा न करें! हो सकता है कि वे उसके साथ जो हुआ है उसका इलाज ढूंढ लें। गोली से कुछ नुकसान तो हुआ ही होगा। हो सकता है कि वे उसे ढूंढकर ठीक कर सकें।"
“श्रीमती मोरहाउस, आप कुछ ज़्यादा ही आशावादी हो रही हैं। सैनिकों के मनोविज्ञान के मामले में सेना बिलकुल ही पिछड़ी सोच रखती है। वे डेविड की समस्या को नहीं समझ पाएंगे, क्योंकि उसमें कोई भी बाहरी समस्या दिखाई नहीं दे रही है। हमने तीन हफ्ते पहले बेथेस्डा में उसका कैट स्कैन कराया था; चिकित्सकीय रूप से उसमें कोई खराबी नहीं है। वे उसके दिमाग में चीरा लगाकर कुछ निकाल नहीं सकते, न ही कुछ हटाकर फिर से सिल सकते हैं। कृपया मेरी बात समझने की कोशिश कीजिए।”
“हाँ।” डेबी की आँखों में आँसू भर आए। “मुझे अब कुछ समझ नहीं आ रहा। मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। मैं बस यही उम्मीद कर सकती हूँ कि आप उसे इस बीमारी के साथ जीने के लिए ज़रूरी साधन देंगे। बस यही मेरा सहारा है। उन्होंने मेरे पति को मुझसे छीन लिया, और अब मेरे पास मदद के लिए कोई नहीं, कोई सहारा नहीं।”
"मैं तुम्हारी मदद करूंगा।"
“नहीं! नहीं, श्रीमान लेवी, मैं आपसे असहमत हूँ। आप मेरी मदद नहीं कर रहे हैं। आप मेरे पति की बीमारी का फायदा उठा रहे हैं। मैं इसके लिए आपको दोषी नहीं ठहरा सकती, लेकिन मैं आपको ऐसा करने की अनुमति केवल इसलिए दे रही हूँ क्योंकि मेरे पास कोई और चारा नहीं है। मैं एक बहुत छोटे से घेरे में फँसी हुई हूँ, इसलिए आप डेविड का इस्तेमाल कर सकते हैं और मैं आपका साथ दूंगी।

लेकिन इसके लिए मुझसे कभी धन्यवाद की उम्मीद मत करना। आपका दिन शुभ हो, श्रीमान लेवी।”
डेबी किसी से बात किए बिना गुस्से में बाहर चली गई। मैं मेल के साथ पहले ही दूसरी इमारत में पहुँच चुका था। अगले दो सालों में लेवी ने मुझसे उस मीटिंग का कभी ज़िक्र नहीं किया; जब मैंने पूछा, तो उसने बात टाल दी। मुझे उस दिन क्या हुआ था, यह तब तक पता नहीं चला जब तक डेबी ने मुझे जून 1993 में नहीं बताया।

“मैं तुम्हें समय की अवधारणा से परिचित कराना चाहता हूँ,” राइली ने शुरू किया। मेरा ध्यान कहीं और था, मैं सोच रहा था कि लेवी के साथ डेबी का कैसा हाल है। “डेबी की चिंता मत करो,” उसने चिढ़कर कहा। “वो बड़ी हो गई है और अपना ख्याल खुद रख सकती है। तुम ध्यान से सुनो, ठीक है?”
"माफ़ करना।" उसे कैसे पता चलता है कि मैं हर समय क्या सोच रही हूँ? “कॉनेली विल्सन—जो वैसे तो अब इस दुनिया में नहीं हैं—और स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रायोगिक लेजर भौतिक विज्ञानी डॉ. माइकल रेंडेल… क्या आपको याद हैं उन्हें? हमने कुछ हफ़्ते पहले उनके बारे में बात की थी।”
"वह डॉ. हेरोल्ड पुटहॉफ और कुछ अन्य लोगों के साथ पहले शोधकर्ताओं में से एक थे।"
“बिल्कुल सही। दरअसल, उस जोड़ी ने दर्शक के नज़रिए से समय यात्रा पर कुछ प्रायोगिक कार्य किया। उनकी दिलचस्पी वास्तविक यात्रा में नहीं थी, बल्कि केवल दर्शक की समय-स्थान निरंतरता के साथ आगे और पीछे खुद को प्रक्षेपित करने की क्षमता में थी। मैं चाहता हूँ कि आप इस निरंतरता को कुछ क्षण के लिए रैखिक मानें। यह वास्तव में रैखिक नहीं है, लेकिन हम सिद्धांत में नहीं जा रहे हैं। तो बस इसे रैखिक मान लें, जैसे—”
“एक फायर होज़?”
ठीक है, जैसे आग बुझाने वाली नली। दर्शक के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदु हैं: अतीत, वर्तमान और भविष्य। अतीत को समझना आसान है; यह स्थिर है और बदलता नहीं है। जब आप समय में पीछे जाकर किसी निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचते हैं, तो आप उस लक्ष्य को एक स्नैपशॉट की तरह देखते हैं। आप उस स्नैपशॉट से जुड़े किसी भी स्थान, व्यक्ति, वस्तु या घटना का चयन कर सकते हैं और उसे देख सकते

हैं। उस क्षण से जुड़ी हर चीज़ अनंत काल तक बनी रहेगी। हर भावना, दर्द, विचार, व्यक्तित्व, भय, घटना, मृत्यु—सब कुछ बना रहता है। अतीत को देखना उस कालखंड के ज्ञानकोश को खोलने जैसा है, जिसमें सभी प्रासंगिक अमूर्त और सौंदर्यबोध शामिल हैं। एक प्रशिक्षित दर्शक दर्द, तापमान, सब कुछ महसूस कर सकता है। वह सब कुछ सीधे-सीधे महसूस कर सकता है।
“वर्तमान समय भी स्थिर है: आप इसे बदल नहीं सकते; आप केवल इसका अनुभव कर सकते हैं।” वह रुका। “खैर, लिन वर्तमान समय को प्रभावित करने पर कुछ शोध कर रही है, लेकिन अभी आपको इसकी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।”
“रेंडेल और विल्सन भविष्य के समय के साथ प्रयोग कर रहे थे। उन्हें विश्वास था कि विल्सन समय में आगे बढ़कर उन घटनाओं को देख सकते हैं जो अभी तक घटित नहीं हुई हैं। रेंडेल ने उनसे भविष्य की एक घटना की संभावना का पता लगाने के लिए कहा, और विल्सन ने इसे उच्च स्तर की सटीकता के साथ किया।”
“ठीक है, ज़रा रुकिए। देखिए, मुझे पता है कि हमने भविष्य देखने के बारे में बात नहीं की है, लेकिन चूंकि आपने यह बात उठाई है—ठीक है, मुझे आपकी बात पर कोई शक नहीं है। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह भविष्य को इतनी सटीकता से कैसे देख सकता है।”
राइली ने मुझे तिरछी नज़र से देखा। "तुम्हारा मतलब 'किसी हद तक सटीकता के साथ' से क्या है?"
“मेरा मतलब सिर्फ यही है—सटीकता! आप भविष्य को सटीकता से कैसे देख सकते हैं? मुझे नहीं लगता कि परिणाम मान्य हो सकते हैं।”
"मुझे अब भी आपकी बात समझ नहीं आई," रिले ने बैठते हुए कहा।
“माफ़ कीजिए, मेरे पास इसे व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं देखता हूँ कि क्या मैं इसे किसी और तरीके से कह सकता हूँ।” मैंने एक पल सोचा। “ठीक है: जैसा कि मैं समझता हूँ, जब हम अवचेतन मन से जुड़ते हैं, तो एक तरह से हम समय-स्थान निरंतरता से जुड़ रहे होते हैं; क्या मैं सही हूँ?”
“अभी तक तो हां।”
"तो भविष्य में देखने का मतलब है समय के एक बिंदु की पहचान करना, इस निरंतरता के साथ कहीं, है ना?"
“अभी भी सही।”
मैं ब्लैकबोर्ड के पास गया और उस पर एक सीधी क्षैतिज रेखा खींची। “ठीक है, यह समय को दर्शाता है, ठीक है?” रेखा के बिल्कुल बाईं ओर एक बिंदु लगाकर

मैंने उसे “A” नाम दिया। “यह वर्तमान समय को दर्शाता है।” मेल ने सिर हिलाया। “तो, अगर मैं भविष्य की किसी घटना को रिमोट व्यू से देखूँ, तो इसका मतलब है कि मैं यहाँ कहीं किसी बिंदु तक पहुँच रहा हूँ।” मैंने रेखा के बीच में, “A” के दाईं ओर एक बिंदु लगाया और उसे “B” नाम दिया। “मान लीजिए कि यह भविष्य के उस बिंदु को दर्शाता है।”
"जारी रखें।"
"अच्छा, भविष्य तो स्थिर नहीं है, है ना? क्या यह इसे प्रभावित करने वाले कारकों के अनुसार बदलता नहीं रहता?"
"नहीं, यह बंद नहीं है, लेकिन हम अभी भी भविष्य में देख सकते हैं।"
लेकिन भविष्य अनगिनत कारकों से सीधा जुड़ा हुआ है। विल्सन ने शायद भविष्य को सटीक रूप से देखा हो, लेकिन मेरा मानना है कि यह एक अपवाद था।
"क्यों?"
"क्योंकि 'ए' और 'बी' के बीच घटनाओं के पक्षपातपूर्ण होने की बहुत अधिक संभावना होती है। हममें से किसी एक को वहां देखी गई घटनाओं के बारे में रिपोर्ट लिखने में जितना समय लगता है, उतने समय में हम जिस घटना को देख रहे होते हैं, वह लाखों बार बदल सकती है।"
राइली अपनी कुर्सी पर बैठे-बैठे सोच में डूबे हुए माथे पर शिकन लिए हुए थे। "तो अगर मैं आपसे, एक दर्शक के तौर पर, यह पूछूं कि क्या अगले महीने राष्ट्रपति की जान पर जानलेवा हमला होगा, और आप हां कहें—तो क्या मुझे इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए?"
मैंने आह भरी। “मेरा मतलब यह है कि आपके सही होने की संभावना पचास-पचास है। आप चाहें तो सिक्का उछालकर भी भविष्यवाणी कर सकते हैं। इसीलिए आम तौर पर सड़कों और टीवी पर दिखने वाले ज्योतिषी लॉटरी नहीं जीतते, राष्ट्रपति की रक्षा नहीं करते, क्योंकि भविष्य की भविष्यवाणी करना महज़ अंदाज़ा लगाना है।”
"यह कोई अनुमान नहीं है; वे भविष्य देख रहे हैं।"
“हाँ, इसमें कोई शक नहीं कि वे भविष्य देख सकते हैं। लेकिन डेटा भरोसेमंद नहीं हो सकता! ‘A’ और ‘B’ के बीच बहुत कुछ घटित होता है। इसलिए अगर कोई राष्ट्रपति पर जानलेवा हमले की भविष्यवाणी करता है, तो मेरा मानना है कि इससे कुछ नहीं बदलता। सीक्रेट सर्विस को अभी भी हर पल, हर घंटे, हर दिन इस तरह काम करना होगा जैसे कोई हमला होने ही वाला हो। किसी दूरदर्शी के डेटा

या किसी मानसिक शक्ति वाले व्यक्ति की दृष्टियों से कुछ भी नहीं बदलना चाहिए।”
मैं समझ गया था कि रिले रेंडेल और विल्सन के पास वापस जाना चाहता था, इसलिए मैंने कहा, "देखो, तुम यहाँ के प्रोफेसर हो, चलो वापस लेक्चर पर चलते हैं।" राइली मुस्कुराया। “सिद्धांतों पर सवाल उठाना ही हमें अपने काम में बेहतर बनाता है। पद्धति या आंकड़ों पर सवाल उठाना कभी बंद मत करो; जिस दिन ऐसा होगा, उस दिन बेहतर होगा कि तुम विज्ञान कथा उपन्यास लिखना शुरू कर दो, क्योंकि उत्पाद के रूप में तुम्हें बस वही मिलेगा। शाबाश!”

मुझे ठीक से नहीं पता कि मेरा यह गुस्सा कहाँ से आया; मुझे बस इतना पता था कि मैं सही थी। दर्शक भविष्य की सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकते; वे केवल उस क्षण का वर्णन कर सकते हैं जो अभी तक जीवन की घटनाओं से अप्रभावित है। राइली भी यह जानता था; वह बस यह देखना चाहता था कि क्या मैं इसे समझ पाऊँगी। यह एक परीक्षा थी और, भगवान का शुक्र है, मैं उसमें सफल रही। दोपहर के बाकी समय मेरा मन भटकता रहा, उन मुद्दों पर विचार करता रहा जिन पर हमने चर्चा की थी। समय यात्रा की अपनी सीमाएँ थीं, और विज्ञान कथा लेखकों की सारी बातें गलत थीं। यह फिल्म 'बैक टू द फ्यूचर' जैसी नहीं थी; आप अतीत को बदलकर भविष्य को प्रभावित नहीं कर सकते थे। अतीत स्थिर था और भविष्य एक अनियंत्रित आग बुझाने वाली नली की तरह था, जो लगातार हिलता-डुलता रहता था, निरंतर बदलता रहता था, और समय के आगे बढ़ने के साथ-साथ अनगिनत कारक इसे प्रभावित करते रहते थे।
हफ़्ते बीतते गए और लंबे व्याख्यान चलते रहे। मेल की बातें सुनकर मैं कभी नहीं थकता था। वह अक्सर अपने अनूठे विचारों को अमेरिकी मूलनिवासी लोककथाओं या किंवदंतियों से जोड़कर समझाते थे। वह मेरी ज़िंदगी में मिले सबसे बुद्धिमान व्यक्ति थे, और मुझे उनसे मिलने का अवसर मिला, इसके लिए मैं आभारी था। मैं अक्सर सोचता था कि अगर मैं उन्हें नज़रअंदाज़ करके रेंजर्स में लौट जाता, तो मेरी ज़िंदगी कैसी होती; लेकिन ऐसा संभव नहीं था। मुझे पहले से कहीं ज़्यादा यकीन हो गया था कि हममें से हर किसी की तरह, मेरी भी एक नियति है। और मेरी नियति मुझे किसी खास वजह से सन स्ट्रीक लेकर आई थी।

“डेविड! डेविड, क्या तुम ठीक हो? कोई बात नहीं, अब तुम ठीक हो। मैं यहाँ हूँ।”
मैं हांफ रही थी, मेरा गला ऐसे बंद हो गया था मानो मेरे मतिभ्रम में दिखाई देने वाली आकृति ने उसे जकड़ लिया हो। पसीने से भीगी हुई, मैं कांपने लगी। मैं बोल नहीं पा रही थी, बस हांफ रही थी और अपने किए के भयानक दर्द से कराह रही थी। मेरा दिमाग बिल्कुल साफ और सतर्क था, बार-बार यही दोहरा रहा था: “तुमने अपने परिवार की हत्या की…। तुमने अपने परिवार की हत्या की…। तुमने अपने परिवार की हत्या की!” निराशा और भय में, मैं बेकाबू होकर रो रही थी, डेबी ने मुझे थाम रखा था; वह भी रो रही थी और मदद के लिए भगवान से प्रार्थना कर रही थी। मैंने उसे जोर से प्रार्थना करते सुना: “मैं तुम्हें यीशु मसीह के नाम पर आदेश देती हूं कि तुम यहां से चले जाओ। मैं तुम्हें यीशु मसीह के नाम पर आदेश देती हूं कि तुम यहां से चले जाओ!”

कई घंटों बाद, मेरी सांसें सामान्य होने लगीं। माइकल, मारिया और डेनियल जाग गए थे; वे हमारे बेडरूम में आए और सुबह होने तक वहीं रहे।
“क्या पापा ठीक हो जाएंगे?” मारिया ने पूछा। “क्या पापा ने कोई बुरा सपना देखा था?”
“हां, प्यारे, वह ठीक हो जाएगा,” डेबी ने जवाब दिया, अभी भी मुझे पकड़े हुए और मेरे बालों को सहलाते हुए।
मैं सदमे में वहीं लेटी रही, वो दृश्य अब भी मेरे दिमाग में साफ थे, हर एक खौफनाक पल बार-बार मेरे दिमाग में घूम रहा था। बच्चों ने मेरे हाथ पकड़े और मेरी मां को मेरा सिर सहलाने में मदद की। उन्होंने मुझे पहले कभी रोते हुए नहीं देखा था, और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है।
हम दोनों ने सात घंटे साथ में आराम किया। डेबी ने बच्चों को स्कूल नहीं जाने दिया और मेरी जगह उसने छुट्टी ले ली। दोपहर तक मैं बोलने लायक हो गई थी।
मैंने डेबी से पूछा, "तुमने मसीह का नाम क्यों लिया?"
उसकी आँखों से आँसू बहने लगे और उसके होंठ काँपने लगे। “क्योंकि मैं डरी हुई थी, और मुझे यही सिखाया गया था कि जब भी डर लगे तो ऐसा ही करना है। क्यों?”

मैं कंबल से ढका हुआ था। मैंने उसे गर्दन के पास कसकर पकड़ लिया और नीचे से कसकर पकड़ लिया। "मुझे नहीं पता। मैंने तुम्हें ऐसा करते कभी नहीं सुना, बस इतना ही। यह अजीब था। क्या इससे मदद मिली?"
डेबी ने परेशान होकर मेरी तरफ देखा। “अजीब? तुम्हें लगता है कि प्रभु का नाम लेना अजीब है? डेविड, क्या तुम स्कूल और चर्च में सिखाई गई हर बात भूल गए हो? तुम्हें क्या लगता है कि कल रात तुम्हारे साथ क्या हो रहा था?” "मुझें नहीं पता।"
“तुम तो फटे-पुराने कपड़े की गुड़िया की तरह इधर-उधर छटपटा रही थी, चीख-चिल्ला रही थी और रो रही थी। मुझे नहीं पता था कि तुम्हारे साथ क्या हो रहा है, या तुम कहाँ हो, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था: मुझे मदद की ज़रूरत थी। मेरा मानना है कि ऐसे समय में प्रभु मदद के लिए मौजूद होते हैं। इसीलिए मैंने उनका नाम लिया, क्योंकि मुझे पता था कि वे मदद के लिए वहाँ होंगे। क्या तुम यह नहीं जानती?”
"मुझें नहीं पता।"
“तुम्हें नहीं पता? तुम्हें यह भी नहीं पता कि अब तुम उस पर विश्वास करते हो या नहीं, क्या यही बात है? क्या अचानक से वह तुम्हारे लिए प्रासंगिक नहीं रह गया है? अगर ऐसा है, तो तुम भटक जाओगे। मुझे नहीं पता तुम्हारा जीवन कैसा होगा।”
मैं भगवान पर से विश्वास नहीं छोड़ रहा हूँ—अतिशयोक्ति मत करो।
“तुम मुझे घृणास्पद लगते हो!” डेबी चिल्लाई। “मैं तुम्हें अब पहचानती नहीं। तुम मेरे पति नहीं हो। मैं नहीं जानती कि तुम क्या हो—लेकिन तुम मेरे पति नहीं हो।”

अगले दिन मैं काम पर गई, थोड़ी घबराई हुई थी। मैंने किसी से बात नहीं की, चुपचाप एक कप कॉफी लेकर अपनी डेस्क पर गई और अपने लेक्चर नोट्स पढ़ने की कोशिश करने लगी। लेक्चर के दौरान मैं ट्रेनिंग प्रोटोकॉल के अनुसार निबंध तैयार कर रही थी। हर निबंध की समीक्षा यूनिट के सभी ऑपरेशनल सदस्यों ने की थी—यानी जूडी केसलर को छोड़कर, जो अभी ट्रेनिंग में थी। मेरा काम परीक्षा में पास हो गया था और मैं स्टेज वन ट्रेनिंग में जाने से बस कुछ ही हफ़्ते दूर थी।

"आज की बमबारी के लिए तैयार हो?" रिले ने मेरे केबिन में सिर अंदर करते हुए पूछा।
"ज़रूर—क्या आप मुझे अभी चाहते हैं?"
“हाँ! लेकिन क्या तुम्हें कोई बात परेशान कर रही है, दोस्त? तुम थोड़े थके हुए लग रहे हो; शायद हमें इस बार इसमें हिस्सा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि तुम कल बीमार थे।”
“नहीं, मैं बिल्कुल ठीक हूँ। मैं काम करना चाहता हूँ। मैं कुछ ही मिनटों में वहाँ पहुँच जाऊँगा।”
"वहाँ मिलते हैं।"
शौचालय में मैंने अपने चेहरे पर ठंडा पानी छिड़का और आईने में उस अजनबी का चेहरा देखा। डेबी सही कह रही थी; मैं तेज़ी से बदल रही थी, और शायद बेहतर के लिए नहीं। मैं बगीचे वाले कमरे की ओर बढ़ी जहाँ मेल मेरा इंतज़ार कर रही थी।
“मेरे पास आपके लिए एक अच्छी खबर है,” उन्होंने कहा। “लेवी को लेक्चर में आपकी प्रगति पसंद आई है। वह आपके पहले चरण के प्रशिक्षण को आगे बढ़ाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि आपके लेक्चर में अभी तीन हफ्ते और बाकी हैं, लेकिन हम अगले सोमवार से आपका पहला पहले चरण का सत्र शुरू करेंगे। कैसा रहेगा?”
मुझे विश्वास नहीं हो रहा—यह तो बहुत बढ़िया है। मेरा ट्रेनर कौन होगा? “कैथलीन। आपको वो पसंद आएगी, वो बहुत अच्छी लड़की है।”
“वाह, यह तो बहुत बढ़िया है!” लेकिन दो रात पहले जो हुआ था, उसे याद करते ही मेरे चेहरे से उत्साह गायब हो गया।
“फिर से वही भाव,” मेल ने कहा। “क्या बात है? घर पर सब ठीक है ना?”
"हां, सब ठीक है।"
"के अलावा?"
“परसों रात मुझे एक और मतिभ्रम हुआ। बहुत भयानक!” मेरे हाथ कांपने लगे। “मेल, उस सपने में मैंने अपने पूरे परिवार को मार डाला। भला ऐसा कौन सा आदमी सोच सकता है? मैं अपने परिवार को अपनी जान से भी ज़्यादा प्यार करता हूँ—मैं उन्हें बेरहमी से मारते हुए कैसे देख सकता हूँ?”

“अरे बाप रे!” मेल ने मुझे रोकने के लिए हाथ उठाया। “मुझे पता है कि तुम इससे घबरा गए हो, लेकिन शांत हो जाओ; इसका एक कारण है। तुम्हें शायद यह पसंद न आए, लेकिन इसका एक कारण है।”
मुझे यह जानना बहुत अच्छा लगेगा। डेबी को भी यह जानना बहुत अच्छा लगेगा। खैर, यह इतना आसान नहीं है। मैं यहाँ बैठकर आपको समस्या का हल नहीं बता सकता। मुझे यकीन नहीं है कि मैं बता भी पाऊँगा, और अगर बता भी पाऊँ तो भी नहीं। आपको अंततः इसका पता खुद ही चल जाएगा। आपको बस तब तक धैर्य रखना है। इस बात को लेकर खुद को दोष मत दीजिए। मुझे पता है कि इससे आप बहुत डर गए हैं, और आपको लगता है कि ऐसा सोचना भी आपकी गलती है, लेकिन ऐसा नहीं है। हम इस विषय को अभी यहीं छोड़ते हैं, लेकिन याद रखिए: आपको जल्द ही पता चल जाएगा कि इस दुनिया में कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखता है। समानांतर दुनियाएँ हैं जो लगातार हमारी दुनिया से जुड़ती और मिलती रहती हैं, और धोखेबाजों की भी एक दुनिया है। आप अभी उन्हीं से निपट रहे हैं! बस मेरी कही बातों पर गौर कीजिए और अभी बाकी सब कुछ भूल जाइए। आपको अभी बहुत लंबा सफर तय करना है। ठीक है?
“ठीक है। सलाह के लिए धन्यवाद।” यह जानकर मुझे राहत मिली कि इन सब बातों का कोई स्पष्टीकरण है, लेकिन मेरे भ्रमों के लिए जिम्मेदार प्राणियों के किसी वास्तविक समूह या दुनिया के विचार से मैं भयभीत हो गया।

पूरे सप्ताहांत मैं खुद को संभाल नहीं पाई। डेबी से भावनात्मक रूप से जुड़े रहना मुश्किल था; काश मैं अपनी खुशी उसके साथ साझा कर पाती, लेकिन वह अभी सुनने के लिए तैयार नहीं थी। सोमवार को मैं सुबह जल्दी काम पर चली गई।

जब मेल आया तो वह तुरंत मेरे डेस्क पर एक कप कॉफी लेकर आया। "क्या आप वाकई यह करना चाहते हैं? अभी भी पीछे हटने का मौका है।"
“बिल्कुल नहीं! आपके उबाऊ व्याख्यानों को सुनने के बाद, आपको क्या लगता है कि मैं सबसे मजेदार हिस्सा छोड़ दूंगी? हम कब शुरू करेंगे?”
“ठीक है, मैंने अभी तक कैथलीन से बात नहीं की है, लेकिन आपका नाम सुबह 8:30 बजे कमरा नंबर दो के लिए दर्ज है। इससे हमें आपको तैयार करने और उपकरण लगाने के लिए लगभग चालीस मिनट का समय मिल जाता है।”

हम दूसरी इमारत की ओर चले और मेल ने मेरे सिर पर इलेक्ट्रोड लगा दिए। वह मुझे सीआरवी कमरे में ले गया और मुझे मॉनिटर बोर्ड से जोड़ दिया। “कैथलीन के आने के बाद मैं मॉनिटर के कमरे में रहूंगा। कैसा महसूस कर रहे हो, घबराए हुए हो?”
“बेहद घबराया हुआ हूँ!” मैंने जवाब दिया। “बिल्कुल, बेहद घबराया हुआ हूँ।” कैथलीन सेशन शुरू होने से दस मिनट पहले आ गई। “मैं वापस आने से पहले आपको लगभग दस मिनट का आराम करने का समय दे रही हूँ। मैं मेल के साथ मॉनिटर के कमरे में रहूँगी; अगर आपको मेरी ज़रूरत हो, तो बस कॉल बटन दबा देना। कोई सवाल है?”
"नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता, कम से कम अभी तो नहीं।"
“अच्छा। आप आराम कर लीजिए, मैं कुछ मिनटों में वापस आ जाता हूँ। और हाँ, आपको शुभकामनाएँ! आप अच्छा करेंगे।”
मुझे आराम दिलाने के लिए जो फोकस टेप दिए गए थे, उनमें से एक मैंने सुना। टेप में श्रव्य और अवचेतन दोनों तरह के संदेश थे; उस पर कुछ खास ध्वनि आवृत्तियाँ थीं जो मस्तिष्क के बाएँ और दाएँ गोलार्धों की तरंगों को आपस में मिलाने में मदद करती थीं। इससे श्रोता को एक परिवर्तित अवस्था प्राप्त करने में सहायता मिलती थी। जैसे-जैसे मैं शांत हो रहा था, मैं अपने बायोफीडबैक तंत्र में उन ध्वनियों को सुन पा रहा था जो मेरे मस्तिष्क की वर्तमान तरंगदैर्ध्य को दर्शा रही थीं। लक्ष्य थीटा तरंग थी; मैं अब बीटा अवस्था में कार्य कर रहा था।
कैथलीन उसके जाने के ठीक दस मिनट बाद अंदर आई। "सेशन के लिए अपनी कुर्सी ठीक कर लीजिए।"
“हे भगवान!” मैंने सोचा, मैं यहाँ दस मिनट से हूँ और मैंने पहले ही गड़बड़ कर दी है। मैंने कुर्सी को अपनी मनचाही स्थिति में लाने के लिए कुछ देर तक एडजस्टमेंट हैंडल से छेड़छाड़ की। लेकिन जैसे ही मैं उस पर बेचैनी से बैठा, मुझे एहसास हुआ कि मुझे यह पसंद नहीं है। “धिक्कार है!” मैंने कहा। "क्या आप कुर्सी इसी तरह चाहते हैं?" कैथलीन ने पूछा।
मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसे पीछे की ओर झुकाकर रखूँ, सीधा करके रखूँ, या मेज से भी ऊपर उठा कर रखूँ। आखिर इसे कहाँ रखना चाहिए?

कैथलीन हंस पड़ी। “बस इसे आरामदायक बनाओ। इसे इतना ऊंचा रखो कि तुम्हारी बांह मेज पर हल्के से टिकी रहे। इससे तुम्हें अपने आइडियोग्राम में मदद मिलेगी।”
जब मैं कुर्सी को ठीक करने की कोशिश कर रहा था, कैथलीन ने मेरे पास सफेद कागजों का एक ढेर रख दिया। उसने उसमें से एक पन्ना निकाला और उसे सावधानीपूर्वक मेरे ठीक सामने बीचोंबीच रख दिया।
मैंने रोशनी थोड़ी कम कर दी।
जैसा कि मेल ने समझाया था, मुझे निर्देशांकों का एक सेट दिया जाएगा— लक्ष्य को दिए गए यादृच्छिक अंक। जब मुझे अंक मिलेंगे, तो मैं उन्हें वैसे ही लिख लूंगा, और अंक लिखने के बाद मेरा हाथ एक चित्र बनाएगा जिसे हम आइडियोग्राम कहते हैं। आइडियोग्राम मैट्रिक्स में लक्ष्य के प्रति एक स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया मात्र थी। दूसरे शब्दों में, आइडियोग्राम अवचेतन मन से आता था और किसी न किसी रूप में लक्ष्य का वर्णन करता था। यह सब कैसे काम करता था, यह सब राइली के लंबे और उबाऊ व्याख्यानों का हिस्सा था।
"जब भी आप तैयार हों," कैथलीन ने कहा।
मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं तैयार हूँ? मेरा मतलब है, मुझे अभी तैयार महसूस हो रहा है।
“जब आपको शांति और गर्माहट का अहसास हो, तब समझ जाइए कि आप तैयार हैं। जब आपको ऐसा महसूस हो, तो अपनी कलम की नोक को कागज पर रखिए, और मैं आपको निर्देशांक पढ़कर सुना दूँगा। समझ गए?”
“मुझे मिल गया। धन्यवाद।” मैंने मन ही मन उलटी गिनती गिनने की कोशिश की, जैसा मुझे सिखाया गया था। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और आराम किया। बायोफीडबैक मशीन की ध्वनियाँ सुनाई देने लगीं, पहले तेज़, फिर धीमी, धीमी... अल्फा तरंगों में बदल गईं। धीमी... धीमी... धीमी... अंत में, थीटा तरंगों को दर्शाने वाली सपाट ध्वनि। कुछ ही सेकंड में, मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे हाथ-पैर नहीं हैं; यह एक शांत और स्थिर अनुभूति थी। मुझे कमरे में किसी चीज़ का एहसास नहीं था, केवल कैथलीन की साँसें सुनाई दे रही थीं। मैंने उसके दिल की धड़कन और उसकी नसों में दौड़ते खून की आवाज़ सुनी। मेरा सिर आगे की ओर झुक गया और मेरा हाथ धीरे-धीरे कलम की नोक को कागज़ पर ले गया। जैसे ही कलम ने स्पर्श किया, कैथलीन ने मेरे पहले निर्देशांक बताए।

मैंने उन्हें लिखते हुए उसे दोहराया। जैसे ही मैं अंतिम अंक पर पहुँचा, मैं इंतज़ार करता रहा... और इंतज़ार करता रहा... और इंतज़ार करता रहा। "धिक्कार है!" मैंने गुस्से में कलम मेज पर फेंक दी। "ऐसा क्यों नहीं हुआ? कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं हुई?" मुझे उम्मीद थी कि कैथलीन के पास इसका जवाब होगा।
कोई बात नहीं, तुम कर लोगे। बस घबराओ मत। चलो थोड़ा आराम करते हैं और ताज़ी हवा लेते हैं। अपने कागज़ पर 'ब्रेक' लिखो और उसके बगल में समय लिख दो। मैंने वैसा ही किया जैसा मुझे कहा गया था, लेकिन मुझे आराम नहीं चाहिए था; मैं कुछ घटित होते देखना चाहता था। कंसोल से प्लग निकालकर, मैं कैथलीन के पीछे कमरे से बाहर धूप में चला गया।
“मुझे समझ नहीं आ रहा।” मैंने आह भरी। “मैं बिल्कुल वहीं थी जहाँ मैं होना चाहती थी; ऐसा होना ही चाहिए था, मुझे एक आइडियोग्राम मिलना चाहिए था।” कैथलीन ने शांत भाव से कहा, "डेविड, तुम चित्रलिपि को जबरदस्ती नहीं बना सकते। तुमने बिल्कुल सही किया है; अगर यह नहीं बनती है, तो तुम बस इसे असफल घोषित कर दो और निर्देशांक दोबारा मांग लो, या फिर हमारी तरह थोड़ा आराम कर लो। यह बन ही जाएगी, मुझ पर भरोसा रखो।"
"मुझे लगता है कि मैंने कुछ और स्पष्ट होने की उम्मीद की थी। शायद मैंने सोचा था कि कोई मेरा हाथ पकड़कर उसे कागज पर घसीटेगा।"
“निराश मत होइए। देखिए, असल में हो क्या रहा है। आपका अवचेतन मन आपके चेतन मन से संवाद करने का तरीका समझने की कोशिश कर रहा है। आपको याद रखना होगा कि आपके पूरे जीवन में इन दोनों के बीच बहुत कम या न के बराबर संवाद हुआ है।” वह थोड़ी हिचकिचाई। “शारीरिक जीवन की बात कर रही हूँ। दोनों मनों को संवाद करना सीखना होगा। प्रशिक्षण का यही उद्देश्य है। चलिए, फिर से कोशिश करते हैं, आपका क्या कहना है?”
कमरे में वापस आकर मैं बैठ गया और कुर्सी को फिर से ठीक किया। कैथलीन ने कहा, “अब, मैं चाहती हूँ कि आप कागज़ पर ‘ब्रेक’ शब्द के ठीक नीचे ‘रिज्यूमे’ लिखें। समय भी वहीं लिखें। जब आप तैयार हों, मुझे बता देना।”
मैंने उलटी गिनती शुरू कर दी, और धीरे-धीरे गहरी अवस्था में उतरता चला गया, जब तक कि मैं फिर से उस परिवर्तित अवस्था में नहीं पहुँच गया। मैंने देखा कि इस बार यह प्रक्रिया बहुत तेज़ी से हुई। जैसे ही मेरी कलम कागज़ पर पड़ी, कैथलीन ने मुझे फिर से निर्देशांक बता दिए।

मेरा शरीर धीमी गति से, मानो सुस्त गति में चल रहा हो। जैसे ही मैंने आखिरी निर्देशांक लिखा, मेरा हाथ कागज पर कुछ इंच तेजी से फिसल गया।
मैंने अधमरी अवस्था में ऊपर देखा। "एक चित्रलिपि!"
कैथलीन मुस्कुराई नहीं; उसने बस इतना पूछा, "क्या यह मानव निर्मित है या प्राकृतिक?"
मैंने उसके सवाल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। मेरे मन के भीतर कहीं गहरे से, अंधेरे को चीरते हुए तस्वीरें उभरने लगीं, मानो किसी ने लाइट का स्विच ऑन कर दिया हो। कुछ पल के लिए मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी चमकदार सुरंग में गिर रहा हूँ; फिर अचानक वो एहसास खत्म हो गया। ये एहसास बार-बार आता-जाता रहा, और तस्वीरें हमेशा उसके पीछे-पीछे आती रहीं। एक सफेद चमकते पदार्थ, भूरे रंग की नुकीली चीज़ों और एक हरे रंग के गोलाकार तारे की धुंधली तस्वीरें—नहीं, बर्फ के टुकड़े जैसी चीज़ें। तस्वीरें मेरे सामने से ऐसे गुज़रीं जैसे मैं उड़ रहा हूँ और किसी चीज़ की सतह से कुछ इंच ऊपर से नीचे देख रहा हूँ। मुझे अपने चेहरे पर ठंड और पीठ पर गर्मी महसूस हुई। ऊपर देखते हुए, मुझे लगा जैसे मैंने कुछ पल के लिए सूरज जैसी तेज़ रोशनी देखी हो, लेकिन मैंने अपना ध्यान वापस सतह पर केंद्रित कर लिया। अब मुझे जवाब पता चल गया था।
“नहीं, नहीं… यह मानव निर्मित नहीं है।”
“क्या बात है, डेविड?”
“यह तेज़ी से ऊपर उठ रहा है। यह स्वाभाविक है।” मैं बस अपने सामने से गुजर रहे दृश्यों के बारे में अपनी धारणाओं को शब्दों में व्यक्त कर रहा था। “बिल्कुल स्वाभाविक।”
“आइडियोग्राम का पता लगाइए और मुझे उसका वर्णन कीजिए।”
“तेजी से ऊपर उठना, शिखर तक पहुंचना, फिर तेजी से नीचे गिरना… यह तो स्वाभाविक है,” मेरे दिमाग ने पहेली के टुकड़ों को जोड़ा। वह सफेद, चमकदार, ठंडी चीज—शायद बर्फ? भूरे, नुकीले टुकड़े और हरे बर्फ के टुकड़े—क्या ये लाइकेन से ढकी चट्टानें हैं? “यह तो पहाड़ है!” मैं आश्चर्यचकित होकर चिल्लाया। “यह पहाड़ है, है ना?”
कैथलीन ने बिना ऊपर देखे अपने पेपर पर कुछ नोट्स बनाए; फिर उसने पीछे की ओर लक्ष्य पोडियम तक हाथ बढ़ाया और फीडबैक वाला फोल्डर उठाया। “इसे देखने से

पहले आपको अपना सारांश तैयार करना चाहिए था, लेकिन मैं इस बार नियम तोड़ रही हूँ।” उसने लिफाफा मेज के उस पार मेरी ओर फेंक दिया।
मैं हिचकिचाया, फिर लिफाफा फाड़कर खोला। अंदर की तस्वीर को देखते ही मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई। "माउंट फ़ूजी!"
“और तुम अभी-अभी वहाँ थी; कमाल है ना?” कैथलीन के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी। “ठीक है, मुझे फ़ोल्डर वापस दो और तुम जाकर अपना सारांश लिखो। लेवी इसे दिन खत्म होने से पहले देखना चाहेगा। तुमने बहुत अच्छा किया! मैंने कभी किसी को तुम्हारे जैसी तस्वीरें लेते नहीं देखा—यह तो शानदार था!” कैथलीन इमारत से निकलकर ऑफिस की ओर चली गई, लेकिन मैं काफी देर तक कमरे में बैठा सोचता रहा। आखिरकार, सिर हिलाते हुए मैंने खुद से कहा: "यह तो बस किस्मत की बात है। भला और क्या हो सकता है?"
“इस धंधे में किस्मत जैसी कोई चीज नहीं होती!” मैं भूल ही गया था कि मेल मॉनिटर रूम में था। “मत भूलो, कोई न कोई हमेशा सुन रहा होता है, इसलिए अपनी बातें अपने तक ही रखो। अरे वाह! बहुत बढ़िया सेशन था। ऑफिस में मिलते हैं।” और वो पलक झपकते ही चला गया। मैंने खुद से कहा, यहाँ कभी नाक मत खुजलाना। मुझे ऐसा लगा जैसे कुछ पल पहले ही दुनिया ने अपना सबसे गहरा राज़ मेरे सामने खोल दिया हो। कमरे में अकेले खड़े होकर मैंने उस चित्र को देखा और उस पल की अनुभूति को याद किया। बिल लेवी सही थे; मेरा जीवन अब कभी पहले जैसा नहीं रहेगा।

मैं मेल के व्याख्यानों से पूरी तरह बच नहीं पाया था; अगले तीन हफ्तों तक मैं कक्षा और अवलोकन कक्ष के मिले-जुले माहौल में रहा। ऐसा लग रहा था कि लेवी मुझ पर प्रयोग कर रहे थे, प्रशिक्षण प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए नए प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं के संयोजन आज़मा रहे थे। जुलाई 1988 का महीना था, और मैं लगभग छह महीने से प्रशिक्षण ले रहा था, जिसमें लगभग पच्चीस सीआरवी सत्र पूरे हो चुके थे। कैथलीन और मेल बेहतरीन पर्यवेक्षक थे, और उनका कौशल मुझ पर भी असर डाल रहा था; मैं लगातार बेहतर होता जा रहा था। फिर भी बहुत कुछ ऐसा था जो मुझे समझ नहीं आया था; अब तक मुझसे मॉनिटरों से बात करने की अपेक्षा नहीं की गई थी, और मैं लक्ष्य क्षेत्र में हिल-डुल भी नहीं सकता था। कई व्याख्यान इन्हीं मुद्दों से संबंधित थे।

मुझे कुछ और बुरे सपने आए थे, लेकिन परिवार से जुड़े उस भयानक सपने जैसा कुछ नहीं था, और इस समय मैं खुद पर काफी आश्वस्त महसूस कर रहा था। हाँ, मुझे अभी भी इस बात पर संदेह था कि यह सब कैसे और क्यों काम करता है, लेकिन एक बात निश्चित थी: यह काम करता है।
"क्या तुम दस या पंद्रह मिनट में तैयार हो जाओगे?" मेल ने पूछा।
“बोर्ड देखना भूल गया। मुझे किस समय देखना चाहिए?”
“आपकी ड्यूटी 9 बजे शुरू होगी; मैं निगरानी करूँगा और कैथलीन निगरानी कक्ष में रहेंगी। क्या आपने बोर्ड पर लक्ष्य चिह्न देखा? ओह, हाँ—आपने देखने की ज़हमत ही नहीं उठाई, है ना?”
मैं बोर्ड की ओर भागा। वहाँ वह बड़ा नीला "O" मेरे सामने था, मानो मुझे घूर रहा हो।
“ठीक है! चालू हो गया! एकदम असली चीज़!”
मेल मुस्कुराई। “मुझे पता था, लेकिन तुम्हें नहीं। अगली बार बोर्ड को ध्यान से देखना। सुबह सवा एक बजे हम सब मिलकर तैयारी करेंगे।”

अवलोकन कक्ष में, मेल ने लक्ष्य फ़ोल्डर तैयार किया और मुझे एक कागज़ दिया। मैंने अपनी कुर्सी ठीक की, रोशनी धीमी की और शुरू किया। अब बायोफीडबैक मॉनिटर से अलग, मुझे वांछित मस्तिष्क तरंग आवृत्ति तक स्वयं ही पहुँचना था। आजकल इसमें ज़्यादा समय नहीं लगता था; कुछ ही मिनटों में मैं तैयार हो गया। मैंने कलम उठाई और आँखें बंद कर लीं। मेरा सिर नीचे झुक गया और मैं एक गहरी परिवर्तित अवस्था में चला गया।
“जब तुम तैयार हो जाओ, डेव,” मेल ने कहा। जैसे ही मेरी कलम कागज पर पड़ी, उसने निर्देशांक पढ़ लिए: “शून्य एक चार तीन एक एक … एक एक तीन दो एक एक।”

1 1

मेरा हाथ कागज पर तेजी से चला और पीछे एक चित्रलिपि छोड़ गया।
इसे डिकोड करें।
मैंने अपना सिर घुमाया, गर्दन चटकाते हुए कलम को चित्र पर वापस रख दिया। मैं धीरे-धीरे उसे टटोलता रहा, मानो आकाश में और भी गहराई तक उतरता जा रहा हो। समय लगभग रुक गया था। मैंने खुद को अंधेरे में ऊपर उठते हुए महसूस किया, मेज और कमरे से दूर। ऊपर, ऊपर... मैंने यह समझने की कोशिश की कि मैं कहाँ और क्या हूँ। मेरे कानों में एक तेज़ आवाज़ गूंजी, जैसे कोई ठंडी हवा

गुज़र रही हो। मैं अंधा, खोया हुआ, असहाय और ठंडा महसूस कर रहा था। प्रकाश की छोटी-छोटी किरणें दिखाई देने लगीं, जैसे काले कोहरे में तारे।
क्या मैं अंतरिक्ष में हूँ? मुझे लक्ष्य तक पहुँचना ही होगा। मैं लक्ष्य से चूक नहीं सकता।
अचानक "तारे" धुंधले होकर प्रकाश की क्षैतिज लकीरों में बदल गए। मैंने खुद को तेज़ी से, और तेज़ी से, लक्ष्य की ओर गिरते हुए महसूस किया, मानो प्रकाश की सुरंग से गुज़र रहा हो। मेरी गति से मेरे चारों ओर गर्मी पैदा होने लगी, और मैंने जलने की आशंका से अपनी आँखें और मुट्ठियाँ बंद कर लीं; लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने अपने गिरने की दिशा में देखा, और वहाँ, सुरंग के अंत में, गहरे नीले रंग की धुंध का एक गतिशील क्षेत्र दिखाई दिया। मैंने उस पर पूरी ताकत से प्रहार किया और किसी और चीज़ में प्रवेश कर गया। अब हवा गर्म थी, और मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हो रहा था। बिना किसी चेतावनी के, एक आवाज़ ने मेरे एकांत में खलल डाला।
“डेविड?” यह राइली थी।
पहले तो मैं अटक गई, इस प्रेत जैसे शरीर से बोलने का तरीका ढूंढने की कोशिश कर रही थी। और फिर अचानक मुझे समझ आ गया, मानो मैं ये सब ज़िंदगी भर से करती आ रही हूँ। "मेल, ये बहुत अजीब है। अरे वाह, तुमने सुना क्या—मैंने बात की!"
“मुझे पता है ये अजीब है, डेव, लेकिन तुम ठीक हो। खुद को संभालो और मुझे बताओ कि तुम्हें क्या दिख रहा है।”
“खुद को स्थिर करूं? धिक्कार है, मैं क्या करूं, किसी चीज को पकड़ लूं?” गर्म हवा मेरे चारों ओर बह रही थी; एक सफेद धुंध छा गई, जिससे मेरी दृष्टि अवरुद्ध हो गई।
“बस आराम करो, डेव। खुद को समझो कि तुम कहाँ हो। अपने लक्ष्य को खुद ही ढूंढो। बस लक्ष्य के बारे में सोचो।” मेरा दोस्त मुझे सही राह दिखाने और खुद पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद करने की पूरी कोशिश कर रहा था।
“यह अविश्वसनीय है, मेल,” कैथलीन ने इंटरकॉम पर कहा। “निर्देशांक प्राप्त होते ही वह कुछ ही सेकंड में दो स्थानों पर मौजूद था। इससे पहले किसी ने भी इतनी तेजी से ऐसा नहीं किया है।”
मेल ने जवाब दिया: “उम्मीद है कि यह सिर्फ शुरुआती किस्मत न हो। वह अभी इधर-उधर भटक रहा है, यह समझने की कोशिश कर रहा है कि सब कुछ कैसे काम करता है,

लेकिन मुझे लगता है कि मैं उसे जल्द ही सही रास्ते पर ला सकता हूँ।” उसने अपना ध्यान मेरी ओर मोड़ा। “डेव, तुम्हें क्या लगता है?”
“आह, धुंध छंट रही है…। मुझे तरह-तरह के दृश्य दिखाई दे रहे हैं…। मुझे लगता है कि मैं किसी इमारत के बाहर हूँ।”
मुझे इसके बारे में बताएं।
मैं खुद को स्थिर रखने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन अनजाने में ही मैं उस जगह के आसपास घूमता रहा जिसे मैं निशाना समझ रहा था। "अभी भी देखना मुश्किल है; यहाँ बहुत कुछ आ-जा रहा है। यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है।" “यह सिर्फ दृश्य शोर है। इस पर ध्यान न दें। बस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें।”
“मुझे लगता है कि मैं इसे देख रहा हूँ…। यह एक पुरानी इमारत लग रही है, पत्थर की बनी हुई, शायद। हाँ, पत्थर की। मुझे खिड़कियाँ दिख रही हैं और—एक मिनट रुको!”
"क्या?"

मैं हँस पड़ा। “मुझे अभी भी यह समझ नहीं आ रहा है। एक पल मैं स्थिर खड़ा होता हूँ और अगले ही पल मैं ज़मीन से दो इंच ऊपर होता हूँ, फुटपाथ को घूर रहा होता हूँ।”
“तुम्हें धीरे-धीरे इसकी आदत हो जाएगी। बस खुद को संभालने और अपने मिशन पर वापस लौटने पर ध्यान केंद्रित करो।”
राइली और मैंने तब तक अभ्यास किया जब तक कि अपने विचारों को दृश्य पैटर्न में केंद्रित करके मैं इस काल्पनिक अवस्था में अपनी गतिविधियों को नियंत्रित करने में सक्षम नहीं हो गया। अगर मैं खड़ा होना चाहता था, तो मैं खुद को खड़े हुए देखता था; इसी तरह, अगर मैं बाएँ या दाएँ मुड़ना चाहता था, तो मैं खुद को उस दिशा में मुड़ते हुए देखता था।
“मेल! मुझे समझ आ गया! यह एक प्लेटफॉर्म डाइवर की तरह है जो गोता लगाने से पहले उसकी कल्पना करता है—वह मूल रूप से दृश्य रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता है।”
“बिल्कुल सही। और इसे आपको सिखाने का हमारे पास इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है कि आप इसे इस तरह अनुभव करें।”

“अद्भुत!” प्रयोग करते हुए, मैं सीधे हवा में उछला और इमारत से लगभग सौ फीट ऊपर पहुँच गया। “मैं अब इमारत के ऊपर हूँ; मैं अंदर कैसे जाऊँ?”
"ठीक वैसे ही जैसे आपने बाकी सब कुछ किया था।"
"क्या मैं दरवाजे का इस्तेमाल करूं, या क्या करूं?"
"नहीं, बस छत तोड़कर अंदर आओ और मुझे इमारत के अंदरूनी हिस्से का वर्णन करो।"
मैंने छत की ओर देखा और कुछ पल के लिए ध्यान केंद्रित किया; मेरा काल्पनिक शरीर नीचे की ओर गिर पड़ा। छत के गुजरते ही मैं सिहर उठा, लेकिन ऐसा लगा जैसे हवा का एक हल्का झोंका हो, जैसे कोई हल्का सा भूकंप का झटका या विस्फोट का प्रभाव।
इमारत के अंदर मुझे एक अजीबोगरीब दृश्य दिखाई दिया। "मुझे यहाँ बहुत सारा कबाड़ दिख रहा है।" मेरी भावनाएँ मेरे आभास से टकराने लगीं। "मेल?" मैंने पुकारा। "मेल?"
“हां, डेव।”
“मैं फिर से थोड़ा उलझन में हूँ। मैं आपको कमरे का वर्णन कर सकता हूँ, लेकिन मुझे कुछ गहरा, कुछ भावनात्मक महसूस हो रहा है।”
"पहले मुझे इमारत के बारे में बताएं; फिर हम अन्य पहलुओं पर आगे बढ़ेंगे।" मैं धीरे-धीरे कमरे के बीचोंबीच घूमकर पूरा चक्कर लगाने लगा। “मुझे लकड़ी के फर्श, और कांच से ढके हुए बक्से और पेटियाँ दिखाई दे रही हैं। मुझे लगता है यहाँ हथियार हैं। हाँ, यही बात है, मैं हथियारों से घिरा हुआ हूँ।” राइली मुस्कुराई और नोट्स लिखती रही।
“इस कमरे से सटे कुछ छोटे कमरे हैं। यह इमारत का केंद्रीय कमरा प्रतीत होता है। इसमें लकड़ी और धातु की बहुत सी वस्तुएं हैं—मिश्रित निर्माण, अलग-अलग नहीं।”
"बताएं।"
मेरा मतलब है कि ये वस्तुएं लकड़ी और धातु दोनों से बनी हैं।
“क्या ये वही बड़ी वस्तुएँ हैं जिनका आपने पहले वर्णन किया था, जिनके ऊपर कांच लगा हुआ है? या क्या ये किसी भी तरह से उन वस्तुओं से संबंधित हैं?” मुझे जवाब देने में मुश्किल हुई। “वे आपस में संबंधित हैं…। एक दूसरे के अंदर जाता है, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि कैसे या क्यों।”
"आप मुझे इस साइट के बारे में और क्या बता सकते हैं?"

"खैर, इसमें एक भावनात्मक पहलू भी है।"
“ठीक है, चलिए इस पर चर्चा करते हैं। ऐसी कौन सी बात है जो इतनी प्रबल है कि भावनात्मक स्तर पर आप पर गहरा प्रभाव डालती है?”
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और उस जगह के अनदेखे पहलुओं को समझने की कोशिश की। पहले तो छवियाँ और भावनाएँ धीरे-धीरे उमड़ती रहीं, फिर अचानक मुझ पर हावी हो गईं। "हे भगवान! कितना दर्द हो रहा है!"
"दर्द हो रहा है?"
"नहीं, इससे दर्द नहीं हो रहा है। मुझे लगता है कि इससे मेरा पेट खराब हो रहा है।"
"मुझे बताओ, डेव, तुम्हें क्या महसूस हो रहा है।"
मेरा काल्पनिक शरीर घुटनों के बल गिर पड़ा, जबकि मेरा वास्तविक शरीर अनियंत्रित रूप से मेज पर लुढ़क गया। "यह जगह मौत से भरी है," मैं सिसकते हुए बोली। "यहाँ हर चीज़ से मौत की गंध और स्वाद आता है।"
"इनमें से किसी एक वस्तु को छूकर मुझे बताएं कि आपको अपने भीतर क्या महसूस होता है और क्या दिखाई देता है।"
मैंने अपने पास पड़ी एक वस्तु उठाई। “मुझे एक आदमी चलता हुआ दिखाई दे रहा है। वह मैला-कुचैला है, धुएँ और खून से लथपथ है। उससे जानवरों जैसी बदबू आ रही है! उसके बाल और दाढ़ी दोनों लंबे हैं; वह अपने जैसे कई अन्य आदमियों के साथ एक कतार में चल रहा है।” मैं रुका। “वह एक सैनिक है।”
“किस तरह का सैनिक?”
“मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि वह बूढ़ा है। उसका समय बीत चुका है। वह चला गया है… दूर चला गया है। मैं कुछ अतीत की बात देख रहा हूँ, है ना?” राइली अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गया और गहरी सांस ली। "ठीक है, डेव, मैं चाहता हूं कि तुम वापस आ जाओ। अब सब कुछ भूल जाओ और वापस आ जाओ।"
मेरी सांसें तेज़ होने लगीं; माथे और बांहों पर पसीने की छोटी-छोटी बूंदें आ गईं। मेरी मांसपेशियां अनैच्छिक रूप से फड़कने और हिलने लगीं, जैसे ही मेरा काल्पनिक शरीर फिर से प्रकाश की सुरंग से गुज़रने लगा।
मैं अपनी बेकाबू आँखों से मेल को देख पा रही थी। यह बहुत डरावना था, ठीक वैसे ही जैसे कुछ महीने पहले मुझे एक भयानक बुरा सपना आया था, किसी और की आँखों से मेल को देखना। लेकिन कुछ ही मिनटों में, मैं अपना सिर ऊपर उठा पाई

और अपनी आँखों को स्थिर कर पाई। जैसे ही मेरी दृष्टि साफ़ हुई, मैंने मेल को अपने सामने बैठे और मुस्कुराते हुए देखा।
"मस्ती करो?"
मैंने अपनी आँखें मलीं और अपनी कमीज़ की आस्तीन से अपना चेहरा पोंछा। "अरे वाह, कितना मज़ा आया! मैं आखिर था कहाँ? और मुझे ऐसा क्यों लग रहा था जैसे मैं किसी और की आँखों से देख रहा हूँ?"
“यह तो आपको ही बताना है। आप गार्डन रूम में जाकर मुझे अपना सारांश बता दीजिए। कैथलीन और मैं लगभग बीस मिनट में वहाँ पहुँच जाएँगे। ठीक है?” मैंने सिर हिलाया, लेकिन खड़े होते ही मेरा संतुलन बिगड़ने लगा। मुझे सहारा लेने के लिए मेज पकड़नी पड़ी। "धत् तेरे की!"
“एक-दो मिनट में सब ठीक हो जाएगा। ये तुम्हारा पहला असली द्विलोकन था। शुरुआत में ये थोड़ा थका देता है—असल में, ये हमेशा थोड़ा थका देता है। बगीचे वाले कमरे में बीस मिनट बिताओ।” रिले कमरे से बाहर निकल गया।
“ठीक है।” मुझे बहुत बुरा लग रहा था, जैसे मुझे हैंगओवर हो या शायद फ्लू हो गया हो। मेरे पैर लड़खड़ा रहे थे और पेट में अजीब सी बेचैनी हो रही थी। हॉल के दूसरी तरफ मॉनिटर के कमरे में कैथलीन और रिले एक-दूसरे को बधाई दे रही थीं, लेकिन मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि वे क्या कह रही थीं।
बगीचे वाले कमरे में कैथलीन और मेल मेज के आमने-सामने बैठी थीं और मुझे ध्यान से देख रही थीं। मेरा मन कर रहा था कि मैं कहूँ, "मैंने ऐसा नहीं किया!" चाहे वह कुछ भी हो।
“तो, हमें अपनी राय बताइए,” रिले ने कहा।

मैंने अपने नोट्स और रेखाचित्रों पर सरसरी नज़र डाली और पढ़ना शुरू किया। “इस स्थल में पुराने और नए दोनों पहलू मौजूद हैं। यह एक पत्थर की इमारत है जिसमें कई वस्तुएँ रखी हैं। ये वस्तुएँ—निश्चित रूप से किसी प्रकार के हथियार हैं—सैन्य महत्व रखती हैं। इनमें से अधिकांश लकड़ी और धातु से बनी हैं। इमारत में काफी मात्रा में काँच है, साथ ही लकड़ी के फर्श, कालीन, पुराना फर्नीचर आदि भी हैं। स्थल का स्वरूप लगभग घरेलू जैसा है।”
“तुमने जिस आदमी को देखा था, उसके बारे में क्या?” रिले ने पूछा।
“मैं उसके पास पहुँच रहा हूँ। दीवार पर चित्र और पोस्टर लगे हैं, जो किसी न किसी प्रकार के युद्ध को दर्शाते हैं। नायक, खलनायक और पीड़ित सभी चित्रित

हैं। जिस व्यक्ति से मैं मिला, वह एक सैनिक था। मैं 'था' इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मुझे स्पष्ट रूप से यह आभास हुआ कि वह मर चुका है।”
“आपको ऐसा क्यों लगा?” रिले ने कहा।
“मुझे नहीं पता। बस उसे देखकर मुझे ऐसा ही महसूस हुआ। वह मैला-कुचैला, भीगा हुआ और गंदा दिख रहा था; मुझे उसकी बदबू भी आ रही थी। लेकिन उसमें कोई दिल नहीं था, कोई आत्मा नहीं थी—ऐसा लग रहा था जैसे कोई फिल्म देख रहे हों। भावनाओं के सारे बाहरी लक्षण तो मौजूद थे, लेकिन जब आप अंदर झांकते हैं, तो कुछ नहीं होता। बस एक खाली फ्रेम।” मैंने अपने नोट्स टेबल पर रखे और रिले और कैथलीन की तरफ देखा। “ठीक है, तो मेरा फीडबैक कहां है?”
राइली ने कागजों के ढेर में से वह फ़ोल्डर निकाला जिसे वह ढूंढना चाहता था और उसे मेज पर सरका दिया। मैंने उसे झट से उठाया और जल्दी से फ़ोल्डर खोला। “एक संग्रहालय?” मैं बुरी तरह निराश हो गया। “आपने मुझे गृहयुद्ध संग्रहालय भेज दिया? मुझे लगा था कि आप मुझे कोई ऑपरेशनल टारगेट दे रहे हैं।” मैंने फ़ोल्डर को वापस मेज पर फेंक दिया। “एक घटिया संग्रहालय!” “शांत हो जाओ,” रिले ने कहा। “मुश्किल काम देने से पहले हमें यह सुनिश्चित करना था कि तुम कोई आसान काम संभाल सकते हो।”
"तो फिर तुमने मुझे यह बात पहले क्यों नहीं बताई, बजाय इसके कि मुझे यह विश्वास दिलाते रहे कि मैं ऑपरेशनल होने के लिए तैयार हूं?"
कैथलीन ने मुझे जवाब दिया, “हम यह देखना चाहते थे कि क्या आपके ऑपरेशन शुरू करने की सोच से आपको कोई समस्या होगी। धोखे के लिए मुझे खेद है, लेकिन हमें यह जानना ज़रूरी था।”

हालांकि मुझे गुस्सा आ रहा था, फिर भी मुझे सहमत होना पड़ा। "मैं समझता हूँ। बस थोड़ा अजीब लगता है, यह न जानना कि आप कब मेरे साथ धोखा कर रहे हैं।"
“यह करना ही था। मुझे खेद है,” मेल ने कहा।
ठीक है। अब आगे कहाँ जाना है?
“कहीं भी जाने से पहले, मैं चाहता हूँ कि तुम उस टारगेट फोल्डर को फिर से देख लो,” मेल ने जवाब दिया। “सिर्फ इसलिए कि टारगेट तुम्हारी उम्मीद के मुताबिक नहीं था, अच्छी प्रतिक्रिया को नज़रअंदाज़ मत करो।” उसने फोल्डर

वापस मेरी गोद में रख दिया। “इसे खोलो और देखते हैं कि तुम्हारा प्रदर्शन कैसा रहा।”
मैंने फ़ोल्डर को दोबारा खोला और अपने गुरुओं की निगरानी में उसका ध्यानपूर्वक विश्लेषण किया। "हम्म, काफी दिलचस्प है।"
“है ना?” रिले ने कहा। “क्या तुम्हें एहसास है कि निर्देशांक लेने के कुछ ही सेकंड बाद तुम लक्ष्य क्षेत्र में पहुँच गई थी? और अगर यह तुम्हारे लिए काफी नहीं है, तो अपने निष्कर्षों पर एक नज़र डालो। ‘एक इमारत,’ तुमने कहा। खैर, यह संग्रहालय तो मुझे बिल्कुल एक इमारत जैसा ही लगता है। ‘पुराने और नए के पहलुओं के साथ,’ तुमने कहा। कैथलीन, क्या किसी संग्रहालय में पुरानी और नई दोनों चीजें होती हैं?”
“जी हां!” वह मुस्कुराई।
"ठीक है, मुझे संदेश मिल गया।"
“देखो, डेव,” रिले ने कहा, “तुम लगभग तुरंत ही निशाने पर आ गए थे। तुमने ऐसी जानकारी जुटाई जिससे अगर यह कोई ऑपरेशनल मिशन होता तो लक्ष्य का पर्दाफाश हो जाता। तुमने उन जगहों पर हथियार देखे जहाँ हथियार थे। तुमने एक ऐसे यूनियन सैनिक तक पहुँच बनाई जो सौ साल से भी ज़्यादा पहले मर चुका था। तुमने लक्ष्य के हर अहम पहलू को पकड़ लिया। तो अब तुम्हारी क्या शिकायत है?”
मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई। "मैं माफी मांगता हूं। आप लोग जो भी सजा देंगे, मैं उसका हकदार हूं।"
राइली ने चहकते हुए कहा, "मुझे लगता है कि आज आपको आराम करने का हक है—जैसे कि मैकडॉनल्ड्स में लंच। मेरी तरफ से ट्रीट।"
मुझे लगा था कि तुम फास्ट फूड नहीं खाते।
“ठीक है, मैं आज एक अपवाद बना रहा हूँ। कैथलीन, क्या तुम आ रही हो?”
“नहीं, तुम दोनों जाओ। मैं अपना खाना खुद लेकर आ रहा हूँ।”

"हां, और इसी वजह से तुम हम दोनों से ज्यादा समय तक जीवित रहोगे।"

दोपहर के भोजन के बाद रिले ने मुझे एक वास्तविक ऑपरेशनल लक्ष्य पर भेजने का वादा किया। मैं कुर्सी पर बैठ गया और कूल-डाउन प्रक्रिया शुरू करने के लिए कंट्रोल पैनल से जुड़ गया। मैंने अपना दिमाग खाली कर दिया और अपनी

नाड़ी की गति को लगभग बत्तीस धड़कन प्रति मिनट तक धीमा कर लिया। इस बार रिले के कहने के बिना, मैंने पेन उठा लिया, निर्देशांक प्राप्त करने के लिए तैयार। मैं उन्हें लिखते समय ज़ोर से बोलता गया। और जैसे ही मैंने अंतिम अंक लिखा, मेरा दाहिना हाथ झटके से चला और एक त्वरित, लगभग गोलाकार चित्रलिपि बना दी।
"अच्छा; अब इसे डिकोड करो," रिले की दिलासा भरी आवाज आई।
मैंने कलम से चित्रलिपि को छुआ; मेरा शरीर कुर्सी पर धंस गया और मैं फिर से "अलग" हो गया। मैंने खुद को फैला हुआ पाया, तारों की ओर घूमता हुआ। इस बार मुझे जो हो रहा था, उसके बारे में बेहतर महसूस हुआ। जैसे ही मैंने खुद को संभाला, तारों की रोशनी क्षैतिज लकीरों में धुंधली हो गई। मुझे बिजली का झटका लगा; मेरी त्वचा में झुनझुनी और सिहरन हुई, और मेरा काल्पनिक शरीर बर्फ की तरह ठंडा हो गया।
मुझे अपने अंगों का एहसास हो रहा था, और उन्हें रगड़कर उनमें जान और गर्माहट वापस लाने की इच्छा हो रही थी; लेकिन रगड़ने के लिए कुछ भी नहीं था। मैंने खुद को ऊपर उठते हुए महसूस किया, और इस अनुभूति को आत्मसात करने के लिए मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। अचानक, मैं ऊपर की ओर बढ़ना बंद कर दिया। मैंने खुद को सहजता से बाईं ओर मुड़ते हुए महसूस किया, मानो मैं कलाबाजी कर रहा हूँ, और फिर मैं प्रकाश की सुरंग में तेजी से नीचे गिरने लगा। मैं लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ता गया। आकाश की खामोशी एक भयानक गर्जना में बदल गई, मानो मैंने उड़ते हुए जेट से अपना सिर बाहर निकाल लिया हो। मैंने अपने कान ढकने की कोशिश की, लेकिन फिर भी मैं अपने अंगों को संभाल नहीं पा रहा था। जब मैंने आखिरकार अपनी आँखें खोलीं, तो मैंने खुद को फिर से उस अजीब रोशनी की ओर गिरते हुए देखा और प्रभाव के लिए खुद को तैयार किया। मुझे हवा के हल्के झोंके का एहसास हुआ, जिसके बाद तुरंत सन्नाटा छा गया। मैं वहाँ पहुँच गया था।
“मैं हिल नहीं सकती! मैं हिल नहीं सकती! ऐसा लग रहा है जैसे मैं गुड़ में फंस गई हूँ,” मैं चिल्लाई। घुटन महसूस हो रही थी; मुझे किसी ऐसी चीज़ ने जकड़ रखा था जिसे मैं देख नहीं सकती थी।

“डेव, शांत हो जाओ और बताओ कि तुम क्या देख रहे हो। क्या तुम्हें पता है कि तुम कहाँ हो?”

मुझे खांसी आने लगी, मेरा दम घुटने लगा और मैं अपने हाथ-पैर पटकने लगी। मैंने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया, हवा और आज़ादी के लिए हांफ रही थी; मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपनी जान बचाने के लिए लड़ रही हूँ। कलम मेरे हाथ से गिर गई।
“डेविड! डेविड! थोड़ा ऊपर उठो। लक्ष्य से ऊपर उठो, डेविड। ऊपर उठो!” मेल की चीखें सुनाई दे रही थीं और मैं उसकी बात मानने की कोशिश कर रहा था। हांफते- खांसते, मैं देखने वाली कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और एक लंबी, हांफती हुई सांस ली, जैसे कोई गोताखोर आपातकालीन स्थिति में ऊपर आ रहा हो। मैं डर से कांप रहा था, मेरी मुट्ठियां बंधी हुई थीं और मैं पसीने से भीगा हुआ था। मैंने खुद को संभालने की कोशिश की। “क्या… हुआ?”
मुझे लगता है कि मेल को पता था कि क्या हुआ था, लेकिन पहले उसे मेरी हालत स्थिर करनी थी और मुझसे यह पता लगाना था कि मैं क्या देख रहा था।
“डेव, मुझे तुमसे यह जानने की ज़रूरत है कि तुम क्या देख रहे हो। तुम्हें खुद पर काबू पाना होगा, इस बात को भुलाकर अपने मिशन पर वापस लौटना होगा।” मुझे उनकी दृढ़ आवाज़ में आत्मविश्वास महसूस हुआ। मैंने खुद को संभाला और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। कुछ ही मिनटों में मैं इतना शांत हो गया कि दोबारा बात करना शुरू कर सकूं।
“उह”—मैंने मुश्किल से निगलते हुए कहा—“मुझे अपने नीचे एक कांच जैसी सतह दिखाई दे रही है।”
"कांच जैसा, मतलब सपाट और चिकना?" रिले ने पूछा।
“नहीं; यह चिकनी और सपाट है, लेकिन सतह पर कुछ बनावट है।”
“यह कितना बड़ा है?”
मैंने विमान के ऊपर धीरे-धीरे चक्कर लगाया। "यह हर दिशा में जहाँ तक मेरी नज़र जाती है, वहाँ तक फैला हुआ है, लेकिन ठीक से बता पाना मुश्किल है, क्योंकि कोहरे या धुंध के कारण मेरा नज़ारा धुंधला है।"
आप लगभग कितनी दूर तक देख सकते हैं?
"ओह, मुझे लगता है लगभग दो सौ, शायद तीन सौ मीटर।"
"डेव, हवा को सूंघो और मुझे बताओ कि तुम्हें क्या गंध आ रही है।"
मैंने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। "इसमें समुद्र जैसी गंध आ रही है, बिलकुल समुद्र जैसी!"

राइली ने राहत भरी आवाज़ में कहा, "चलिए मिशन पर वापस आते हैं। जो आप देख रहे हैं वह लक्ष्य नहीं है; आपको लक्ष्य ढूंढना होगा।"
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और किसी भी ऐसी अनुभूति, किसी भी संकेत को सुनने की कोशिश की, जो मुझे लक्ष्य तक ले जा सके। धुंध में कहीं मुझे एक कंपन महसूस हुई। उसकी तीव्रता स्थिर रही, मेरे सिर में गूंजती रही।
मुझे एक कंपन महसूस हो रहा है, और मुझे लगता है कि मैं इसका स्रोत ढूंढ सकता हूँ।
“अच्छा। अभी वहीं चले जाओ।”
हर गुजरते सेकंड के साथ कंपन तेज और तीव्र होता गया। मैंने स्थिति का बेहतर आकलन करने के लिए एक पल के लिए रुककर, चिकनी सतह से कुछ फीट ऊपर हवा में खड़े होकर ध्यान से सुना। ध्वनि और कंपन बढ़ गए। मैंने आँखें बंद रखते हुए इधर-उधर देखा, स्रोत का पता लगाने की पूरी कोशिश कर रहा था। कंपन इतनी तेजी से बढ़ा कि मेरा पूरा शरीर कांप गया।
बाद में, मेल ने मुझे बताया कि उसने व्यूइंग टेबल पर मेरे हाथों को कांपते हुए देखा था।
आवाज तेज होकर गर्जना में बदल गई, और मैंने आँखें खोलीं तो देखा कि लोहे का एक काला पहाड़ मेरी ओर आ रहा है। वह सीधे मुझसे टकराया। मैं दर्द से कराह उठा, लेकिन मेरा प्रेत शरीर लोहे के आर-पार निकल गया। लड़खड़ाते हुए, लेकिन बिना किसी चोट के, मैंने खुद को उस वस्तु की ओर उछाला, उसे पकड़ने की कोशिश करते हुए। कुछ ही सेकंड में, मैं उसकी गति के बराबर पहुँच गया, उससे लगभग सौ फीट ऊपर उड़ रहा था। धुंध के कारण वह दिखाई नहीं दे रहा था, इसलिए मैंने उसे करीब से देखने के लिए आगे बढ़ा।
"मुझे कांच की सतह पर एक बड़ी धातु की वस्तु तेजी से चलती हुई दिखाई दे रही है।"
मुझे इसके बारे में बताओ।
“अह, इसका आकार अजीब है, एक तरफ से कोणीय और दूसरी तरफ से गोल। गोल सिरा आगे की ओर है, या कम से कम यह उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। वस्तु बक्सों, नलियों और इसी तरह की चीजों से ढकी हुई है... चलिए देखते हैं... और इसमें दो मुख्य विशेषताएं हैं जो मुझे दिखाई दे रही हैं।”
“ये क्या हैं?” रिले ने पूछा।

“वस्तु के केंद्र में, गोल सिरे की ओर, एक बड़ा कांच से ढका हुआ डिब्बा है। मुझे लगता है कि इसमें कोई नियंत्रण तंत्र है। और चौकोर सिरे पर लगभग पाँच या छह गज लंबे एक, दो, तीन सिलेंडर हैं। उनसे किसी प्रकार की शक्ति उत्पन्न हो रही है, लेकिन मैं उसे समझ नहीं पा रहा हूँ—मेरा मतलब है, मैं देख नहीं पा रहा हूँ कि वह क्या है। वह मेरे लिए अदृश्य है।”
"क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वस्तु कितनी गति से चल रही है?"
मैं बता नहीं सकता। मुझे नहीं पता कि इसका आकलन कैसे किया जाए।

"अनुमान लगाना।" ।
"हम्म... मेरा अनुमान है कि यह लगभग चालीस से पचास मील प्रति घंटे के बीच होगी।"
“ठीक है, मैं चाहता हूँ कि तुम अब वापस आ जाओ। संपर्क तोड़ो और घर आ जाओ।” "रास्ते में हूं!"
वापस सामान्य स्थिति में आने में कई मिनट लग गए। इस बार सत्र का प्रभाव कम तीव्र था, हालांकि मैं कमजोर महसूस कर रहा था और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो रही थी, मानो मैं किसी न किसी रूप में लक्ष्य से जुड़ा हुआ था। मैं बार-बार सीमा पार कर रहा था, प्रक्रिया पर बिना किसी नियंत्रण के ईथर में प्रवेश कर रहा था और बाहर आ रहा था। कुछ समय बाद यह लक्षण ठीक हो गया, लेकिन मुझे हर अवलोकन सत्र के बाद इसका अनुभव होता था। मुझे पता चला कि यदि अवलोकन सत्र दिन में दो बार से अधिक होता है, तो हमें घर ले जाने के लिए किसी की आवश्यकता होती है। हम स्वयं गाड़ी चलाने के योग्य नहीं थे; ईथर में वापस जाने की संभावना बहुत अधिक थी।
राइली मॉनिटर के कमरे में गई और कैथलीन से बात की, और जैसे ही मुझे होश आने लगा, वह देखने वाले कमरे में लौट आई।
“यहीं रुकिए और अपनी सारांश पर काम कीजिए; जैसे ही आप तैयार हो जाएं, बगीचे वाले कमरे में आ जाइए। कैथलीन और मैं वहां आपका इंतजार कर रहे होंगे, ठीक है?”
"ज़रूर।"
“तुम ठीक हो?”
मुझे थोड़ी कमजोरी महसूस हो रही है, बस इतना ही। एक-दो मिनट में मैं ठीक हो जाऊंगी।

राइली कमरे से बाहर निकली और हॉल में कैथलीन से मिली। मैं उनकी बातें सुन सकती थी।
“तो, आपको कैसा लगा?” रिले ने पूछा।
"सबसे पहले तो वह तेज है। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती; वह सटीक भी है।" वे दोनों देखने वाले कमरे में चले गए; मैं अभी-अभी मेज से उठा था।
“आप अपनी सारांश लिखना शुरू कर दीजिए,” रिले ने कहा। “आप गार्डन रूम का इस्तेमाल कर सकते हैं और हम कुछ ही मिनटों में आपके साथ आ जाएंगे।”
“अरे एक मिनट रुको। तुम लोग यहाँ मेरे बारे में ऐसे बात कर रहे हो जैसे मैं यहाँ था ही नहीं। लेकिन मैं था। और अगर मेरे बारे में बात करनी ही है, तो कम से कम मुझे भी शामिल कर लो। अब, मैंने क्या गलत किया?”
“ठीक है,” रिले ने कहा, “तुमने कुछ गलत नहीं किया। मैं बस कैथलीन को दिखाना चाहता था कि तुमने यहाँ मेज पर क्या छोड़ा है। डेव के सामने मेज पर देखो।” उसने मेज पर तरल के कई छोटे-छोटे धब्बों की ओर इशारा किया। सत्र की शुरुआत में जब मुझे खांसी आ रही थी, तब मैंने उन्हें खांसकर बाहर निकाल दिया था। "यह क्या है?" कैथलीन ने अपने हाथ जेब में रखते हुए, लेकिन करीब से देखने के लिए झुकते हुए पूछा।
राइली ने मेरी तरफ देखा। “तुम्हें क्या लगता है कि तुम सबसे पहले कहाँ उतरे थे? इसके बारे में ज्यादा मत सोचो, बस बता दो कि कैसा लगा।”
"मैं सांस नहीं ले पा रहा था, बहुत दबाव था, और मेरे आसपास का वातावरण घुटन भरा और घुटन भरा था। जब आपने मुझे ऊपर की ओर बढ़ने के लिए कहा, तो मैंने ऐसा किया, और मैं सांस ले सका और हिल-डुल सका।"
“हाँ, लेकिन यह इतना आसान नहीं था, है ना? आपको खांसी आ रही थी और उस गाढ़े पदार्थ से आपका गला घुट रहा था। आप किसी कारण से सांस नहीं ले पा रहे थे। वह क्या कारण था?”
मैंने कैथलीन की तरफ देखा, लेकिन वह मुझे खाली निगाहों से देखती रही। "मुझे नहीं पता। सच कहूं तो, मुझे नहीं पता।"
“तुम पानी के अंदर गिरे और तुम्हारा दम घुटने लगा। तुम डूबते हुए आदमी की तरह ये सब बाहर थूक रहे थे। ये अविश्वसनीय था!”
“ये तो बिलकुल बेतुका है। मैं सचमुच पानी में नहीं था!”
“नहीं, आप सचमुच पानी में नहीं थे। लेकिन आपका भौतिक शरीर उस क्षेत्र में आपके काल्पनिक शरीर द्वारा अनुभव की जा रही चीजों के प्रति कुछ

प्रतिक्रियाएँ दिखाएगा। यह द्विलोकन का हिस्सा है, और आप इसे बहुत जल्दी समझ रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है। लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि आपके पास इसे समझने, इस पर प्रतिक्रिया करने और इससे तुरंत निपटने के लिए पर्याप्त अनुभव नहीं है; और यह खतरनाक हो सकता है।”
मैंने अपनी उंगली एक तरल पदार्थ में डाली और उसे सूंघा। "यह समुद्री पानी तो नहीं है?"
“नहीं, ऐसा नहीं है,” रिले ने कहा। “लेकिन यह तरल पदार्थ तुम्हारे शरीर से निकला है, और इतना ही काफी है।”
कैथलीन ने कुछ नहीं कहा। उसने उस तरल पदार्थ को एक बार फिर ध्यान से देखा और फिर रिले के पीछे-पीछे बगीचे वाले कमरे में चली गई।

कुछ ही मिनटों में मैं अपने नोट्स और रेखाचित्रों के साथ उन दोनों के पास पहुँच गया।
राइली ने बोलना शुरू किया, “तो! हमें बताओ तुमने क्या देखा।”
मैं घबराकर हँस पड़ी। “खैर, मुझे पहले जितना दिखाई दिया उससे कहीं ज़्यादा स्वाद आया। और उसे खाँसी के साथ बाहर निकालना काफ़ी डरावना था। मुझे समझ में आ रहा है कि मैं किसी तरह के पानी में थी, लेकिन मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है कि वह कहाँ था।”
कैथलीन ने कहा, "बाल्टिक सागर।"
"वास्तव में?"
“सच में। अब हमें उस वस्तु के बारे में बताइए।”
“खैर, यह ज्यादातर धातु से बना था। इसका रंग ज्यादातर धूसर था, हालांकि इसमें काफी काला रंग भी था। मैं इसके चौकोर सिरे पर लगे तीन सिलेंडरों को देखकर बहुत आकर्षित हुआ। ये वही कंपन के स्रोत थे जिनकी मैंने रिपोर्ट की थी, और ऐसा लगता था कि ये किसी प्रकार का पावर सेल या प्रणोदन उपकरण थे।” “क्या इस वस्तु पर लोग थे?” रिले ने पूछा।
"मुझे कोई दिखाई नहीं दिया, लेकिन मैंने उन्हें ढूंढने की कोशिश भी नहीं की। मैंने उनसे दूरी बनाए रखी।"
“आपने कांच वाले एक बक्से का जिक्र किया था—क्या आपको याद है?” रिले ने पूछा।

“हां…हां, मुझे याद है। मुझे याद है कि मुझे ऐसा महसूस हुआ था कि इसका संबंध वस्तु को नियंत्रित करने से है। मुझे लगता है कि अगर इस चीज़ पर लोग होते तो वे वहीं होते।”
“क्या यह वस्तु किसी भी तरह से मुड़ या चल सकती है?” रिले ने बीच में टोकते हुए पूछा। “क्या यह किसी भी प्रकार की सतह पर चल सकती है, या यह उसी तक सीमित है जो आपने देखा?”
“मैंने इसे सीधी रेखा में चलने के अलावा कुछ और करते हुए नहीं देखा। लेकिन किसी कारणवश, मुझे पूरा यकीन है कि यह लगभग कुछ भी कर सकता है। जरूरत पड़ने पर यह हर तरह के भूभाग पर चल सकता है, लेकिन यह सबसे ज्यादा सहज वहीं महसूस करता है जहां मैंने इसे देखा था।”
"आपका मतलब पानी पर है।"
“हाँ, पानी पर। ठीक है, यह क्या है?” मैंने पूछा।
“तुम बताओ।” रिले ने मुझे टारगेट फोल्डर थमा दिया।
मैंने उसके अंदर की सामग्री को देखकर अचरज से आँखें फाड़ दीं। "अरे बाप रे! तो, बात ये थी!"
मेरे हाथ में सोवियत संघ के पोमोर्निक श्रेणी के वायु-कुशन वाले लैंडिंग यान की खुफिया तस्वीर थी, जो 57 मीटर लंबा और 350 टन भार वाला था। तस्वीर में यान पानी की सतह पर हवा के कुशन पर सरक रहा था, जिसे पीछे की ओर लगे तीन विशाल आवरणयुक्त पंखों द्वारा संचालित किया जा रहा था।
मेरे मन में कहने के लिए केवल एक ही बात आई: "बेहद दिलचस्प!"
“हाँ, बहुत दिलचस्प,” रिले और कैथलीन ने एक साथ कहा। रिले मुस्कुराया और सिर हिलाया। “मैं अपनी बात वापस लेता हूँ। मैंने सबको बताया था कि तुम एक बेवकूफ पैदल सैनिक हो और मुझे ये सब बातें तुम्हारे गले में जबरदस्ती डालनी पड़ रही हैं। लेकिन मुझे लगने लगा है कि तुम्हें समझ आने लगा है। ये अच्छा है।”
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इसकी सराहना करूं या अपमान महसूस करूं। "तो मुझे व्याख्यान देने का मौका कब मिलेगा?"
“ओह, ज्यादा समय नहीं लगेगा। शायद पांच या दस साल में।”
हम सब हँसे और ऑफिस की ओर चल दिए। मुझे अच्छी नींद की ज़रूरत थी।

FlVE

परिवर्तनकारी
मेरे अगले मिशन का समय असाइनमेंट बोर्ड पर लिखा हुआ था, मेरे नाम के आगे एक बड़ा सा लाल "T" बना हुआ था। एक और प्रशिक्षण लक्ष्य, मैंने सोचा। कभी न कभी ऐसा नहीं होगा। कैथलीन और मैं अवलोकन कक्ष में दाखिल हुए और सभी निगरानी उपकरणों को जोड़ने लगे।
मैं आठ महीने से इस यूनिट में था, और कुछ हफ़्ते पहले ही मैंने कोऑर्डिनेट रिमोट व्यूइंग का प्रशिक्षण पूरा किया था। इसका मतलब था कि अब मुझे व्यूइंग चेयर पर बैठने, कोऑर्डिनेट लेने या आइडियोग्राम बनाने की ज़रूरत नहीं थी। एक्सटेंडेड रिमोट व्यूइंग (ERV) के लिए, मुझे बस एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए प्लेटफॉर्म बेड पर लेटना होता था, उलटी गिनती करनी होती थी और फिर ईथर में विलीन हो जाना होता था। मैं अब भी कनेक्टेड था, और कमरे में कैथलीन के साथ-साथ ऑडियो और वीडियो मॉनिटर द्वारा मेरी निगरानी की जा रही थी।
ERV तकनीक में, प्लेटफॉर्म के बगल में रखी छोटी मेज पर कार्यपत्रक रखा जाता था। मैं कार्यपत्रक देखता, एन्क्रिप्टेड निर्देशांकों पर ध्यान केंद्रित करता, फिर लेट जाता, रोशनी समायोजित करता और काम शुरू कर देता। ERV के साथ, मैं निर्देशांक आधारित रिमोट व्यूइंग की तुलना में काफी लंबे समय तक इंटरनेट पर सक्रिय रह सकता था। मेल और कैथलीन जैसे कुछ दर्शक CRV प्रोटोकॉल के अनुशासन को पसंद करते थे, लेकिन मुझे ERV की मुक्त-शैली वाली प्रक्रिया से लगाव हो गया; लेवी के मार्गदर्शन में एक बार इसे अपनाने के बाद, मैं कभी वापस नहीं लौटा।
कैथलीन ने अपनी रोशनी ठीक करते हुए उस डेस्क पर अपनी जगह ले ली, जहाँ से वह प्लेटफ़ॉर्म दिखाई दे रहा था जिसे मैं अगले डेढ़ घंटे तक अपना घर कहने वाला था। मैंने अपने दिए गए निर्देशांकों को आखिरी बार देखा: “निर्देशांक सात आठ पाँच छह चार, नौ तीन चार पाँच दो; लक्ष्य और किसी भी महत्वपूर्ण घटना का वर्णन करें।” कुछ ही मिनटों में मैं ईथर में था और लक्ष्य की ओर चल पड़ा। पॉल पॉसनर मेरे शरीर में हो रहे बदलावों पर नज़र रख रहे थे, जिनसे उन्हें पता चल गया कि अलगाव पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा, "वह चला गया है।"
“मुझे पता है।” कैथलीन मेरे साथ इतनी बार रह चुकी थी कि मेरी सांस लेने की गति से ही उसे पता चल जाता था कि मैं बेहोश हो गया हूँ।
मैंने प्रकाश की नली से नीचे की ओर लंबी छलांग लगाई और झिल्ली को पार करते हुए लक्ष्य क्षेत्र में प्रवेश किया। उतरने की उस भयानक अनुभूति की मुझे कभी आदत नहीं पड़ी; चाहे मैंने इसे कितनी ही बार किया हो, यह युद्ध सामग्री के साथ रात में पैराशूट से उतरने जैसा ही था। हर बार जब आप विमान से बाहर निकलकर निर्जन रात में कदम रखते हैं तो आपका दिल मुंह में आ जाता है। ठंडी पत्थर की दीवार से कुछ ही दूरी पर मैं धीरे-धीरे रुक गया। खुद को संभालते हुए मैंने खुरदुरे ग्रेनाइट और सीमेंट की रेखाओं का गौर से निरीक्षण किया। दीवार के सहारे घास उगी हुई थी, जो मेरे दाहिनी ओर लगभग सौ फीट तक फैली हुई थी। आसपास का वातावरण बंजर और नीरस था, हवा ठंडी और नम थी। कैथलीन ने उस जगह में मेरी तल्लीनता को भंग कर दिया।
"आप कहां हैं?"
मुझे कुछ पता नहीं। यहाँ ठंड और नमी है, और बहुत अकेलापन है…। मुझे यहाँ बहुत अकेलापन महसूस हो रहा है।
आप अभी क्या देख रहे हैं?
मैं धीरे से मुड़ा और अपने चारों ओर का जायजा लेते हुए, कैथलीन को उसका वर्णन करने लगा। “मुझे एक बड़ी पत्थर की दीवार दिखाई दे रही है, शायद सौ फीट लंबी। घास की देखभाल ठीक से नहीं की गई है, और मेरे नीचे की ज़मीन गीली और दलदली सी लग रही है; जगह-जगह कीचड़ भी है। मुझे दूर पेड़ों का एक छोटा लेकिन बहुत पुराना समूह दिखाई दे रहा है। पेड़ों की छाल गहरी है और पत्तियाँ कम हैं।”
क्या आपको कोई इमारतें दिखाई दे रही हैं?
“जहां मैं खड़ा हूं, वहां से मुझे वही दिख रहा है जो मैंने बताया है। क्या मुझे हिल जाना चाहिए?”

“जी हां। मैं चाहता हूं कि आप पत्थर की दीवार के पार आगे बढ़ें और जो कुछ भी आपको दिखाई दे, उसका वर्णन करें।”
“मैं अब आगे बढ़ रहा हूँ।” दीवार मेरे काल्पनिक शरीर से ऐसे टकराई जैसे वेलक्रो फट रहा हो; दीवार के बीचोंबीच अँधेरा था। ऐसे ही पलों में मुझे

एहसास हुआ कि हर चीज़ की अपनी एक आत्मा होती है। दीवार का अपना एक इतिहास था, और ऐसा लगा जैसे मेरे गुज़रते ही वह रो पड़ी हो। अँधेरे से निकलते हुए मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने कोई दर्दनाक, जकड़ लेने वाली याद पीछे छोड़ दी हो। इस प्रशिक्षण के बाद, मुझे इस बात पर कभी संदेह नहीं रहा कि सभी वस्तुएँ सजीव हैं। कुछ ही महीने पहले तक किसी वस्तु को बोलते हुए सुनना या महसूस करना अकल्पनीय था; अब यह कोई असामान्य घटना नहीं थी। हर दर्शक ने कभी न कभी इसका अनुभव किया; हमने सुनना और सुनी हुई बातों पर विश्वास करना सीख लिया था। लेवी ने मुझे यही सिखाया था। किसी वस्तु का परिवेश बिना किसी पूर्वाग्रह के उस स्थान का इतिहास दर्ज करता है और सुनने की क्षमता रखने वाले सभी लोगों के लिए साक्षी बनने को तैयार रहता है।
जब मैंने दीवार छोड़ी, तो मुझे लगा जैसे वह मेरी ओर खिंची चली आ रही हो; यह वही एहसास था जो मुझे बचपन में होता था, जब मैं सीढ़ियों के ऊपर एक अंधेरे कमरे से निकलकर रोशनी, सुरक्षा और दूसरों के साथ की ओर भागता था, तो कोई अनजान और अदृश्य शक्ति मेरी ओर खिंची चली आती थी। मुझे लगा जैसे दीवार बोल रही हो, और वह दर्द की बात कर रही थी।
मुझे यहाँ कुछ गड़बड़ लग रही है।
क्या आपको कोई इमारतें दिखाई दे रही हैं?
मैंने भावनाओं को झटक दिया और फिर से आसपास का जायजा लिया। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि निशाना क्या हो सकता है। आमतौर पर, मेरे निशाने पर वस्तुएं या स्थान होते थे, लेकिन यहां मुझे अभी तक कुछ भी दिखाई नहीं दिया। सिर्फ पत्थर और खालीपन—और दूर दिख रही छोटी-छोटी इमारतें।
मुझे कुछ इमारतें दिखाई दे रही हैं, शायद सौ गज दूर। मैं उनकी ओर बढ़ रहा हूँ।
“बहुत बढ़िया! इमारतों पर ध्यान केंद्रित करो। अंदर जाओ और मुझे बताओ कि तुम्हें वहां क्या दिखता और कैसा महसूस होता है।”
मैं पास की इमारत के बाहर खड़ा था। वे एक सीधी कतार में खड़ी थीं, उनके कोने बिल्कुल एक-दूसरे से मिल रहे थे, उनकी छतों का ढलान एक समान था। कुल मिलाकर, मैं उनमें से चार, शायद पाँच देख पा रहा था। उनसे ऊँचे खंभे निकले हुए थे, जो आसमान के धुंधलेपन को छू रहे थे।

मैं पास के कोने पर खड़ा हूँ। इमारतें अधिकतर पत्थर की बनी हैं, लेकिन कुछ दीवारें लाल ईंटों की भी हैं। कुछ ईंटों की मरम्मत की गई है, पैच लगे हुए लगते हैं। इमारतों से ऊँचे-ऊँचे ईंटों के खंभे निकले हुए हैं, शायद हर इमारत में दो या तीन।
"डेविड, धीरे से इमारत को छुओ।"
“ठीक है… ये खुरदुरा ग्रेनाइट है; लकड़ी तो बस किनारों और छत की कड़ियों में ही दिख रही है।” कुछ ही पलों में मैं गहरे दुःख से भर गया। मेरा अचेतन शरीर काँप उठा, जैसे मैं इमारत को कसकर पकड़े बैठा था। मेरा दिल दर्द से तड़प रहा था, और घोर निराशा और अवसाद ने मुझे घेर लिया। नफ़रत और इनकार की भावनाएँ मुझे चुभ रही थीं। “मुझे—मुझे इसे छोड़ना होगा। मैं इसे अब और नहीं छू सकता। मुझे माफ़ करना, मैं बस नहीं कर सकता।”
"मुझे बताओ तुम क्या महसूस करते हो। स्पष्ट रूप से बताओ, सवाल पूछो, जवाब ढूंढो; तुम्हें मेहनत करनी होगी—खूब मेहनत करनी होगी!"
उह… मुझे निराशा महसूस हो रही है। मुझे लगता है जैसे मुझे भुला दिया गया है और मैंने हार मान ली है। अब मुझे किसी चीज से डर नहीं लगता, हालांकि यहां डरने लायक बहुत कुछ है। यह जगह नफरत और बुराई से भरी है…। यहां कोई अच्छाई नहीं है, कोई रोशनी नहीं है, सिर्फ अंधेरा और अभिशाप हैं। यहां की आत्मा खो गई है, टूटी हुई और खाली है। यहां सब कुछ जहरीला लगता है। यहां सब कुछ मृत लगता है। यहां सब कुछ भयावह है।
“मैं चाहता हूँ कि तुम इमारत के अंदर जाओ। मैं चाहता हूँ कि तुम उसी तरह तलाशी लो जैसे तुम पहले लेते आए हो। छूकर जवाब मांगो। अभी अंदर जाओ।”
मैं एक मेहराबदार पत्थर के दरवाजे से होकर एक खाली कमरे में दाखिल हुआ। "मुझे यहाँ एक खाली कमरे के सिवा कुछ नहीं दिख रहा है।"
"और ध्यान से देखो; फर्श और दीवारों को छूकर देखो। इस जगह के रहस्यों को खोजो।"
मैंने पास की दीवार की ओर हाथ बढ़ाया और उसे भेद दिया। “हे भगवान! यह जगह कितनी उदास और खाली है। दीवारों को देखकर लगता है कि वे बुरी हैं, पर ऐसा नहीं है, मैं कह सकती हूँ कि वे बुरी नहीं हैं। नहीं, रुको! उन्हें बुराई का एहसास नहीं होता, उन्होंने बुराई देखी है—हाँ, यही बात है। इस कमरे ने असहनीय बुराई देखी है और उसकी दुर्गंध कभी नहीं जाएगी। इस जगह की आत्मा कलंकित है; यह कभी शुद्ध नहीं होगी।”

कैथलीन इन नतीजों से प्रभावित थीं, लेकिन मुझे अभी भी साइट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू नज़र नहीं आ रहा था, और वह जानती थीं कि क्यों। “डेविड, तुम अच्छा कर रहे हो, लेकिन तुम पूरे लक्ष्य पर ध्यान नहीं दे रहे हो। तुम इसे अनदेखा कर रहे हो। तुम्हें अपनी आँखें खोलनी होंगी; तुम चुनिंदा रूप से नहीं देख सकते। अपनी आँखें खोलो!”
मैं वो सब समझने की कोशिश कर रही थी जो वो मुझे दिखाना चाहती थी, पर समझ नहीं पा रही थी। मैं बहुत ज़्यादा परेशान थी। “मैं कोशिश कर रही हूँ, कैथलीन, लेकिन मुझे कुछ और दिखाई नहीं दे रहा। यहाँ रहकर मुझे दर्द हो रहा है। मैं अभी वापस जाना चाहती हूँ। मैं बहुत गंदी महसूस कर रही हूँ और घर जाकर नहाना चाहती हूँ। मैं अब यहाँ नहीं रहना चाहती, समझ रही हो? मैं वापस जाना चाहती हूँ।”
"ठीक है, डेविड, रिश्ता तोड़ दो और फिर वापस आ जाओ।"
मुझे खुद को संभालने में बीस मिनट लग गए। कैथलीन पॉल के साथ प्रदर्शनी भवन के मुख्य द्वार पर मुझसे मिलीं।
“काफी मुश्किल सेशन था, है ना दोस्त?” पॉसनर ने कहा। “बुरा मत मानो, ये तो बस…” वो बीच में ही रुक गया। “बस इस बार अकेले मत पड़ो। अपनी समरी पूरी करो और तुम्हें जल्द ही पता चल जाएगा।”
कैथलीन ने मेरी पीठ थपथपाई और धीरे से मुझे दरवाजे से बाहर धूप में धकेल दिया। मैंने उसकी तरफ देखा, लेकिन उसने बस मुस्कुराकर जवाब दिया।
मैंने दीवार और इमारतों के कई रेखाचित्र बनाए, जिनमें ऊंचे ईंट के खंभे और दीवार के दूसरी तरफ पेड़ों का समूह शामिल था: मैंने अपना सारांश लिखा, जो लगभग चार पृष्ठों का था, और कैथलीन को उसकी मेज पर यह पैकेज प्रस्तुत किया। उसने माथे पर शिकन लिए रेखाचित्रों को पलटा, सारांश पढ़ा, कई अंशों और विवरणों को चिह्नित किया, फिर मेरे काम की दो फोटोकॉपी करवाईं। "बैठ जाओ," उसने कहा। "तो—तुम्हें क्या लगता है यह क्या है?"
मैं रुक गया, सही शब्द ढूंढने की कोशिश कर रहा था। “मुझे लगता है कि यह बहुत ही अजीब और भयावह जगह है। मैंने कभी महसूस नहीं किया कि वह जगह मुझसे इस तरह बात कर रही हो। मुझे वहां बहुत अजीब सा लगा, मानो मुझे उस जगह की बातें सुननी पड़ रही हों। मुझे ऐसा लगा जैसे वह मुझे जकड़ रही हो, मुझे रोककर अपनी दुख भरी कहानी सुनाने की कोशिश कर रही हो।”

“‘दुख भरी कहानी’—आपने इसे अपने सारांश में शामिल नहीं किया।”
“खैर, यह बात अभी मेरे दिमाग में आई। मुझे लगता है कि इस जगह का इतिहास बहुत बुरा है, और उस इतिहास की छवि इसे कभी नहीं मिटा पाएगी। बस यही एक बात मेरे दिमाग में आ रही है; क्या मुझे कोई प्रतिक्रिया मिलेगी?”
कैथलीन मुस्कुराई। "मुझे लगता है ऐसा ही है। तुम काफी करीब थे।" उसने लक्ष्य फ़ोल्डर निकाला और मेरी तरफ फेंक दिया। "देखो, तुम्हें क्या लगता है।"
मैंने आह भरी, लिफाफा खोला और पांच श्वेत-श्याम तस्वीरों में से पहली तस्वीर निकाली। एक नाज़ी मृत्यु शिविर।
“डाचाऊ,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा। “मैं इसे पूरी तरह से भूल ही गई थी, है ना?”
आपको ऐसा विचार कैसे आया?
“मुझसे यह छूट गया! मुझसे यह बिल्कुल छूट गया! मुझे पता ही नहीं था कि मैं यह देख रहा हूँ। और देखो, ये भट्ठियाँ—मैंने तो उन भट्ठियों को देखा ही नहीं जहाँ लाशें जलाई जाती थीं। हज़ारों लाशें।”
“अरे नहीं? इन्हें क्या कहते हैं?” कैथलीन ने मेरे रेखाचित्रों की ओर इशारा किया और फिर उन्हें तस्वीरों के बगल में रख दिया। “ये ईंट के खंभे मुझे भट्टियों के ढेर जैसे लगते हैं। और इस जगह की भावना का क्या? तुमने तो लगभग सब कुछ निचोड़ ही दिया। तुमने अच्छा किया; खुद को कोसना बंद करो। यह एक मुश्किल लक्ष्य है; कोई भी यूं ही आकर वापस नहीं जा सकता। हर बार जब तुम ऐसी जगह जाते हो, तो कुछ न कुछ पीछे छोड़ जाते हो। हर बार जब तुम यहां आते हो, तो तुम्हें कुछ और बुराई, और खोया हुआपन, और ईश्वरविहीनता का अनुभव होगा। तुमने सही कहा था कि यह जगह बुराई से दूषित है।”
"आखिर तुमने मुझे वहां भेजा ही क्यों? इससे मुझे एक और बुरे सपने के अलावा और क्या मिल सकता है?"
“सभी को वहां भेजा जाता है; यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। इस कार्यालय में मौजूद हर व्यक्ति वहां जा चुका है, और यहां मौजूद हर व्यक्ति आप ही की तरह इससे प्रभावित हुआ है।”
"सब लोग?"

“जूडी को छोड़कर सब लोग। वह भट्टियों की राख और हड्डियों में रेंगती रही और उसे कुछ भी असामान्य नहीं मिला। वह वापस आई और उसने उस जगह को किसी सैन्य चौकी या इसी तरह की कोई जगह बताया।”

"हमारे लिए वहां जाना क्यों महत्वपूर्ण है?"
“बाहरी दुनिया में चरम स्थितियों का अनुभव करना ज़रूरी है, तभी आप कुछ अस्पष्ट लक्ष्यों की बारीकियों को समझ पाएंगे: डबल एजेंट, टेस्ट पायलट, राजनेता। निकट भविष्य में आप इन पुरुषों और महिलाओं के दिमाग तक पहुंचना सीखेंगे और उनसे उनकी सोच और भावनाओं के बारे में जानेंगे। अगर आप खुद को डाचाऊ की चरम, भयावह बुराई को समझने के लिए प्रशिक्षित नहीं कर सकते, तो आप नवीनतम सोवियत लड़ाकू विमान का परीक्षण कर रहे पायलट की सूक्ष्म बारीकियों को कैसे समझ पाएंगे? चरम स्थितियों को सीखना ही इस प्रक्रिया का पहला कदम है। आप इन्हें चाहते हैं, है ना?”
"बिल्कुल।"
“तो फिर तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।” वह खड़ी हुई, फोल्डर समेटे और मुझसे हाथ मिलाया। “तुमने बहुत अच्छा काम किया; मुझे तुम पर गर्व है, और तुम्हें भी खुद पर गर्व होना चाहिए। देखो, आज का काम यहीं खत्म करते हैं। यह एक कठिन मिशन था और मैं तुम्हें दोपहर के सत्र में व्यस्त नहीं रखना चाहती। मैं लेवी से कहूँगी कि मुझे लगता है कि तुम्हें आराम करने के लिए निकल जाना चाहिए। तुम अपनी फाइलें साफ कर लो, मैं उसका काम संभाल लूँगी, ठीक है?”
मुझे जरूरत नहीं है—
"मेरी बात सुनो; अगर मेल यहाँ होता तो वह भी तुम्हें यही बात कहता।"
"ठीक है, आप जो कहें, प्रोफेसर।"
कैथलीन सही कह रही थी: मुझे घर जाना ही था; उस मिशन ने मुझे बुरी तरह झकझोर दिया था। लेवी मेरी बात पूरी तरह समझ गई। घर जाते समय भी उस जगह की तस्वीरें मेरा पीछा करती रहीं; पूरी रात मेरे दिमाग में घूमती रहीं। मैं उन्हें कभी नहीं भूल पाऊँगी।

अगली सुबह कुछ खास नहीं हुई, सिवाय कुछ दूरस्थ दर्शकों और दो चैनलरों के बीच तीखी बहस के। दूरस्थ दर्शकों के बीच चैनलिंग की प्रभावशीलता को लेकर

काफी बहस होती रहती है। परिभाषा के अनुसार, चैनलिंग में मौखिक या लिखित रूप से जानकारी का आदान-प्रदान शामिल होता है। चैनलर सत्र के दौरान एक तथाकथित "आध्यात्मिक मार्गदर्शक" का आह्वान करता है। मार्गदर्शक के माध्यम से, चैनलर कथित तौर पर उस "वस्तु" से बात करता है जिससे संपर्क किया जा रहा है। सैन्य जासूसी के संदर्भ में, इस दृष्टिकोण की स्पष्ट रूप से गंभीर सीमाएँ हैं। ऐसा प्रतीत हुआ कि कैरोल, जो मूल रूप से जूडी की शिष्या थी, ने सत्र का घटिया सारांश प्रस्तुत किया था। वह लगभग दो सप्ताह से लिन के साथ एक ऑपरेशनल लक्ष्य पर काम कर रही थी और लगभग पाँच सत्र पूरे कर चुकी थी। अब लिन को रेखाचित्रों सहित एक पूर्ण सारांश चाहिए था, लेकिन वह परिणामों से असंतुष्ट था, जिसमें लगभग अर्थहीन निष्कर्ष भी शामिल थे, जैसे, "साइट पर नीला रंग है।" लिन, जो एक दूरस्थ दर्शक था, के पास लेवी के सामने इस बेतुकी बात को चैनलिंग और दूरस्थ अवलोकन के मिश्रण के खतरों के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करने का पूरा बहाना था। लिन रिमोट व्यूइंग के एक माहिर प्रशिक्षक थे और उन्हें यह देखकर बहुत बुरा लगता था कि अच्छे व्यूअर बनने की क्षमता रखने वाले लोग चैनलर्स के अप्रमाणित तरीकों पर अपनी प्रतिभा बर्बाद कर रहे हैं। जब भी ऐसा कुछ होता था, और अक्सर होता ही था, तो माहौल गरमा जाता था और राय-मशवरे और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता था। मैंने ऐसे झगड़ों को नज़रअंदाज़ करना, उनसे दूर रहना या फिर अंजाम भुगतना सीख लिया था। ऑफिस में किसी के बारे में चुपचाप बात करना नामुमकिन था—आखिरकार, रिमोट व्यूअर्स के समूह में, आप किसी के बारे में बिना उसकी जानकारी के कैसे बात कर सकते हैं? मैंने अपने मन की बात अपने तक ही रखी और चुप रही।
इसके अलावा, जैसा कि मैंने देखा, यूनिट में किसी के पास भी किसी दूसरे के काम या तरीके पर सवाल उठाने का कोई कारण नहीं था। हम सरकार द्वारा वेतनभोगी और प्रशिक्षित मानसिक शक्तियां रखने वाले लोग थे, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के दुश्मनों की जासूसी कर रहे थे; इस्तेमाल किए गए तरीके पर गुस्सा क्यों करें? जीवन के इस मोड़ पर, मैं जो कुछ सीख रहा था उससे इतना अभिभूत था कि मैंने कोई सीमा नहीं खींची। अगर किसी ने मुझसे कहा होता कि सत्र से पहले मेंढक खाने से मुझे बेहतर परिणाम मिलेंगे, तो मैं किसी आपूर्तिकर्ता की तलाश कर रहा होता। मैं उस बीमारी का हिस्सा नहीं बनना चाहता था जो धीरे-धीरे यूनिट की एकता को खत्म कर रही थी।

मेरी सुबह दस बजे एक ईआरवी सत्र निर्धारित था, जिसमें मुझे एक प्रशिक्षण लक्ष्य और मेल को मॉनिटर के रूप में रखना था। हम साथ-साथ अवलोकन भवन तक गए। मेल अपने साथ डेढ़ सौ साल पुराना, टूटा-फूटा मग लिए हुए था, जिसमें उसकी कॉफी के टुकड़े बिखरे हुए थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसमें तरल पदार्थ कैसे रुका रहता था, लेकिन वह हमेशा उसके बिना नहीं रहता था।
उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आज की यह छोटी सी यात्रा आपको अच्छी लगेगी।"
मुझे थोड़ा मनोरंजन चाहिए।

एक बार जब मैं पूरी तरह से तैयार हो गया, तो मैंने अपनी उलटी गिनती शुरू कर दी; कुछ ही मिनटों में मैं आकाश में प्रवेश कर रहा था और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था।
“मुझे अपनी राय जल्द से जल्द दीजिए। मैं नहीं चाहता कि आप यहां समय बर्बाद करें।”
“मैं किसी गुफा जैसी जगह पर हूँ। यहाँ बदबू आ रही है और ज़मीन ठंडी है। हवा बिल्कुल नहीं चल रही है और चारों तरफ़ घना अंधेरा है। मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।” मैं उस दिशा में आगे बढ़ा जिधर सिग्नल लाइन मुझे ले जा रही थी। “नहीं, मुझे अपने सामने रोशनी की एक छोटी सी लौ दिखाई दे रही है।” राइली अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और वीडियो मॉनिटर को ध्यान से देखने लगा। "अच्छा! देखो यह रोशनी क्या है।"
मैं पूरी तेज़ी से रोशनी की ओर बढ़ा, लेकिन ऐसा लगा जैसे वह मुझसे दूर जा रही हो, मानो मैं सपने में किसी चीज़ का पीछा कर रहा हूँ। मैंने लगभग दस मिनट तक रोशनी का पीछा किया, लेकिन हालाँकि मुझे लग रहा था कि मैं सीधी रेखा में चल रहा हूँ, फिर भी मुझे कोई प्रगति नहीं मिल रही थी। निराश होकर मैं रुक गया।
“मेल, मैंने प्रकाश स्रोत की ओर बढ़ना बंद कर दिया है। मैं उसके करीब नहीं पहुँच पा रहा हूँ। मुझे नहीं पता कि मैं सचमुच हिल नहीं रहा हूँ, या वह मुझसे दूर जा रहा है। मैं बस यहाँ अंधेरे में खड़ा हूँ।”
“क्या आपको अंधेरे में कुछ महसूस हो रहा है? कोई व्यक्ति या कोई वस्तु?”

मेरा पहला विचार था, वाह! मैं यही तो करना चाहता हूँ, अंधेरे में कुछ पकड़ लूँ। "मैं बस इतना ही कह सकता हूँ, मेल, कि यह लक्ष्य ओडिसी की किसी किताब का पन्ना न हो। अगर मैं किसी से टकरा गया तो—"
अरे, चुप रहो और आस-पास देखो। जो हुआ ही नहीं, उसे तुम रिमोट व्यू से नहीं देख सकते, हद है!
अचानक, जिस गुफा में मैं खड़ा था, वह चारों ओर के पत्थरों से आती हुई तेज रोशनी से भर गई। रोशनी जितनी तेज़ी से आई थी, उतनी ही तेज़ी से गायब भी हो गई। "यह क्या था?" मैंने चिल्लाकर कहा।
मुझे बताओ तुमने क्या देखा।
“मैंने गुफा की दीवारों से रोशनी आते हुए देखी। वैसे, मैं एक गुफा में ही हूँ; उस रोशनी ने इस बात की पुष्टि कर दी। लेकिन फिर से अंधेरा हो गया है और मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।”
बार-बार रोशनी चमकती और गायब हो जाती, जैसे कोई स्ट्रोब लाइट हो। ऐसा लग रहा था मानो वो चमक मेरी आँखों, कानों और यहाँ तक कि मेरे शरीर को भी भेद रही हो। गुफा का तापमान तेज़ी से बढ़ने लगा और साँस लेना मुश्किल होता जा रहा था। मैंने मेल को ये बात बताई।
“तुम्हें यहाँ से निकलना होगा,” उसने जवाब दिया। “आस-पास कोई दूसरा रास्ता ढूंढ लो।”
सच में, मेरे पीछे एक चौड़ा मेहराबदार रास्ता था जो दूसरे कमरे में जाता था। मैंने उसे नहीं देखा था क्योंकि मैं रोशनी का पीछा करते हुए उससे मुंह फेरे हुए था; अब सोचता हूँ तो लगता है मानो रोशनी ही मुझे अपने साथ ले जाने की कोशिश कर रही थी।
अगला कमरा छोटा था, लगभग बीस फीट लंबा और दस फीट चौड़ा एक आयताकार कमरा जिसकी छत लगभग पंद्रह फीट ऊंची थी। बड़े कमरे की तरह, इसमें भी चारों ओर के पत्थरों से रोशनी आ रही थी, लेकिन कुछ अलग था, मानो बड़े कमरे में मैंने जो स्पंदित ऊर्जा महसूस की थी, वह यहीं से उत्पन्न हो रही हो।
मैं दो कमरों में से छोटे वाले कमरे में हूँ, और इस कमरे से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता वही है जिससे मैं अंदर आया था। मुझे यहाँ किसी प्रकार की ऊर्जा का अहसास हो रहा है, और मुझे कमरे के केंद्र पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो रही है। यहाँ कुछ ऐसा है जिसे मैं देख नहीं सकता—लेकिन कुछ तो है, यह निश्चित है।

“कोई वस्तु, कोई व्यक्तित्व, कोई निश्चित ऊर्जा स्रोत?”
मुझे देखने में कठिनाई हो रही थी। "कमरे के बीच में एक नीचा चबूतरा है। यह पत्थर से तराशा हुआ है।"
इसके आयाम क्या हैं?
“लगभग पाँच फीट चौड़ा और तीन फीट लंबा, और शायद दस इंच ऊँचा। मुझे दिखाई नहीं दे रहा... कमरे के बीचोंबीच एक मृग-तृष्णा जैसा है।”
“क्या आप इस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते?”
“बिल्कुल सही। यह बहुत तेज़ी से कंपन कर रहा है। यह कंपन एक तरह का छलावरण है। कुछ तो है, लेकिन मुझे उसे नहीं देखना चाहिए। कुछ बहुत ही असामान्य और शक्तिशाली।”
“ठीक है, मैं चाहता हूँ कि आप यह करें। ऐसे समय में जाने की कोशिश करें जब कंपन कम हो, तब शायद आप देख पाएंगे।”
मैं समझ गया; हमने पहले भी इस तरह के गति अभ्यास किए थे। विचार यह था कि अगर मैं समय पर गति शुरू करूँ तो संकेत रेखा मुझे उस स्थान पर ले जाएगी जहाँ से मैं लक्ष्य को स्पष्ट रूप से देख सकूँ। यह कुछ छोटे प्रशिक्षण लक्ष्यों पर कारगर साबित हुआ था, लेकिन मैंने इसे इस तरह की किसी चीज़ पर नहीं आजमाया था।
समय के प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करते हुए मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और तेज़ी से घट रही घटनाओं से खुद को अलग कर लिया। मुझे चक्कर आने लगे, जिससे मेरी गति का अंदाज़ा लग गया। मैंने सोचा कि उल्टी न आए, इसलिए आँखें बंद रखना ही सबसे अच्छा है। आखिरकार गति का एहसास धीरे-धीरे कम हुआ और रुक गया। जब मैंने आँखें खोलीं, तो मेरे सामने एक बेहद विचित्र दृश्य था।
कमरे के बीचोंबीच, किसानों का एक समूह फर्श के पत्थरों को तराशकर वह चबूतरा बना रहा था जिसे मैं पहले ही देख चुका था। अब समय आगे बढ़ा, थोड़ी देर रुका, फिर आगे बढ़ा: सिग्नल लाइन मुझे अपनी इच्छा से गति दे रही थी, जिससे मैं कमरे को अलग-अलग समय पर देख पा रहा था। अंत में यह पूरी तरह से रुक गया, उस बिंदु पर जिसे उसने मिशन के लिए "अत्यंत महत्वपूर्ण" समझा होगा।
आश्चर्य से मैंने देखा कि प्राचीन वस्त्र पहने चार आदमी एक सोने का बक्सा कमरे में ले आए। बक्से के दोनों कोनों पर एक-एक आदमी खड़ा था, उन्होंने श्रद्धापूर्वक उसे पत्थर के चबूतरे के बीचोंबीच रखा और सिर झुकाए कमरे से

पीछे हट गए। अब एक विशाल पत्थर ने कमरे के प्रवेश द्वार को ढक दिया, और धीरे-धीरे बाहर की सारी रोशनी रुक गई क्योंकि वे आदमी रास्ता बंद करने में लगे थे। अजीब बात यह थी कि सोने के बक्से ने कमरे को रोशन रखा था। और वही अजीब ऊर्जा जो मैंने पहले महसूस की थी, जब मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, गुफा में भर गई। मुझ पर खतरे का आभास छा गया; मुझे लगा जैसे मुझे बक्से के पास न जाने की चेतावनी दी जा रही है।
“क्या चल रहा है, डेविड?”
“मैं उस वस्तु के सामने खड़ा हूँ और यह बहुत अजीब है, मानो मैं किसी बहुत शक्तिशाली देवता के सामने खड़ा हूँ। सोने का डिब्बा उस शक्ति का प्रतीक है, और यह मुझे चेतावनी दे रहा है कि मैं उसके करीब न जाऊँ।”
“मैं चाहता हूँ कि तुम चेतावनी को नज़रअंदाज़ करो और जितना हो सके उसके करीब जाओ। अगर छू सको तो छूकर मुझे उस अनुभूति का वर्णन करो।”
मैंने उस वस्तु की ओर बढ़ने की कोशिश की। "यह एक सोने का डिब्बा है जिसके ऊपर जानवर बने हुए हैं।"
“असली जानवर?”
“नहीं, छोटी-छोटी मूर्तियाँ हैं, और उनके पंख पीछे की ओर ऊपर की ओर फैले हुए हैं। वह बक्सा खुद बहुत शक्तिशाली है, या शायद बक्से की रक्षा करने वाली कोई चीज़ शक्तिशाली है। जो भी हो, मैं उसके पास नहीं जा सकता। मुझे लग रहा है कि मुझे चोट लगने का बहुत बड़ा खतरा है; मुझे यह सब अच्छा नहीं लग रहा।” “याद रखिए, आप शारीरिक रूप से वहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन मुझे बताइए कि अगर आप शारीरिक रूप से वहां होते तो क्या होता। उस अनुभूति का वर्णन कीजिए।”
मुझे लगता है कि कोई भी नश्वर प्राणी इसकी उपस्थिति में नहीं रह सकता। मैं इसके साथ एक ही कमरे में भी नहीं रह सकता; अगर मैं होता, तो मैं तुरंत मर जाता।
"क्या तुम मर जाओगे?"
नहीं, मुझे नहीं लगता कि ‘मरना’ सही शब्द है। मेरा मतलब है कि मेरा अस्तित्व भाप बनकर उड़ जाना है। लेकिन मुझे लगता है कि इसका मतलब होगा किसी दूसरी जगह जाना, जहाँ मेरा कोई नियंत्रण नहीं होगा। मेरा कहने का मतलब यह है कि यहाँ किसी को नहीं होना चाहिए। यहाँ तक कि हमें भी नहीं होना

चाहिए; यह एक आक्रमण है, किसी बहुत शक्तिशाली और पवित्र चीज़ में घुसपैठ है।
“अरे, वो शब्द ‘पवित्र’। ज़रा इस पर गौर कीजिए—इस डिब्बे के सार को समझने की कोशिश कीजिए। इसमें ऐसा क्या है जो पवित्र है?”
मैं सावधानी से उस बक्से के चारों ओर घूमा, अपनी नज़रें उससे हटाए बिना और दरवाजे को अपनी दृष्टि से ओझल न होने देते हुए। "खैर, मुझे ऐसा लगता है कि इस प्रतीक का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया गया है या किया जा रहा है।" “किस तरह का उपकरण?”
“मुझे ठीक से नहीं पता। इसका कोई बहुत ही महान उद्देश्य था, और इसने लंबे समय तक बहुत से लोगों की सेवा की। फिर इसे यहाँ तब तक रखा गया जब तक इसकी दोबारा आवश्यकता नहीं पड़ी। इसका उपयोग करने के लिए कई लोगों ने अपनी जान गंवाई; और इसे यहाँ लाने के लिए उससे भी अधिक लोगों की मृत्यु हुई।” "तुम्हें क्या लगता है, यह उस सुनसान जगह पर क्यों है?"
“इसे अब तक छिपाकर रखा गया है, जब तक कि इसे फिर से उजागर न किया जाए। इसका उद्देश्य फिलहाल पूरा हो चुका है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। इसकी रक्षा की जा रही है। यदि आप इसके रहस्य को सुलझाने का प्रयास करेंगे, तो आप अवाक और भ्रमित हो जाएंगे—यह इसकी एक सुरक्षा रणनीति है। यदि आप गलती से भी इस तक पहुँच जाते हैं, तो आपको नष्ट कर दिया जाएगा या किसी दूसरी जगह ले जाया जाएगा, इस डर से कि कहीं आप रहस्य उजागर न कर दें।”
“ठीक है; आप यहाँ एक घंटा चालीस मिनट से हैं। चलिए अब यहीं रुकते हैं और घर चलते हैं।”

मैं यही शब्द सुनना चाहता था। गुफा में मुझे बहुत असहज और असुरक्षित महसूस हो रहा था। "मैं आ रहा हूँ।"
एक घंटे बाद मैं लेवी और मेल के साथ गार्डन रूम में बैठा और उनसे अपने सेशन के बारे में बात की। उन्होंने हमेशा की तरह सवाल पूछना शुरू किया: “तुम्हें क्या लगा? यह स्केच किसका है? तुम्हें कैसा लगा?” वगैरह। वे मेरे बनाए बॉक्स और उस पर बने पंखों वाले जीवों के स्केच देखकर हैरान थे। उन्होंने एक शक्तिशाली अदृश्य शक्ति और एक सुरक्षात्मक बल के संकेतों पर चर्चा की। हमने एक घंटे से ज़्यादा बात की, लेकिन उन्होंने लक्ष्य के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी, लेकिन आखिर में मेल ने सुझाव दिया कि मुझे

मेरी प्रतिक्रिया दी जाए। जैसे कोई कुत्ता हड्डी का इंतज़ार करता है, वैसे ही मैं लिफाफे का इंतज़ार कर रहा था। लेवी ने उसे पहले खोला और मुस्कुराते हुए अंदर देखा। ज़ाहिर है, उन्हें पहले से ही पता था कि लक्ष्य क्या है; वे बस प्रतिक्रिया पर एक और नज़र डालकर अपना मनोरंजन करना चाहते थे। सिर हिलाते हुए, उन्होंने कलाकार का स्केच लिफाफे से निकालकर मेरे सामने मेज पर रख दिया और कमरे से बाहर चले गए।
“तो क्या तुम इसे नहीं देखोगे?” रिले ने पूछा।
मैंने कागज़ को पलटकर देखा तो उस पर वाचा के संदूक का चित्र और विवरण छपा था। "हे भगवान!" मैंने धीरे से कहा।
“‘हे भगवान!’ यही वो शब्द थे जिनकी मुझे तलाश थी।” रिले हँसी। “मुझे यकीन था कि तुम कभी भी ये कह दोगे। लेकिन वो चीज़ बहुत ही शक्तिशाली है। मुझे भी यही समस्या थी। हवा में, मानो हवा में ही, इसका अंदाज़ा लगाने वाला एकमात्र व्यक्ति पॉसनर था। मुझे लगता है कि वो इतना ज़िद्दी है कि उसने उस चीज़ की चेतावनी नहीं सुनी जो उसे पास न आने के लिए कह रही थी, या शायद शुरू करने से पहले ही उसे पता था कि वो कैसी दिखती है—वो थोड़ा धार्मिक है, तुम्हें पता है। क्या तुमने कभी इसकी तस्वीर देखी है?”
“नहीं! मैंने इसके बारे में सुना तो है—मतलब, किसने नहीं सुना? लेकिन मुझे कभी पता नहीं था कि यह दिखता कैसा है। या कैसा महसूस होता है।”
“उस वस्तु में कुछ बहुत महत्वपूर्ण धार्मिक वस्तुएं रेगिस्तान में ले जाई जाती थीं। वह वस्तु मूसा के साथ जंगल में जाती थी।”
"हां, मुझे इस कहानी की कुछ-कुछ जानकारी है। मुझे बीवाईयू में हर सेमेस्टर में धर्म का पाठ पढ़ना पड़ता था।"

क्या आपको पता था कि आर्क एक आयामी छिद्र का हिस्सा था?
“आपका मतलब ‘आयामी उद्घाटन’ से क्या है?”
“मेरा मतलब है एक ऐसा पोर्टल जो आपको एक आयाम से दूसरे आयाम में जाने देता है। मुझे लगता है कि ईश्वर चार आयामों वाली दुनिया में निवास करते हैं; इसीलिए वे सर्वव्यापी और सर्वज्ञ हैं। जब महायाजक जंगल में स्थित मंदिर के भीतरी गर्भगृह में गए, तो उन्होंने अपने टखनों में रस्सियाँ बाँध लीं ताकि उनके साथी उन्हें वापस खींच सकें। ये लोग कहीं जा रहे थे, और मेरा मानना है कि वे किसी दूसरे आयाम में जा रहे थे, जहाँ वे सृष्टिकर्ता से

संवाद करेंगे। उनके टखनों पर बंधी रस्सियाँ इस बात की गारंटी थीं कि उनके पास आने-जाने का टिकट है। है ना कमाल की बात?”
मैंने उसे घूर कर देखा। "तुम मुझे हमेशा आश्चर्यचकित करते रहते हो, मेरे दोस्त।"

मेरी अगली मिशन की जिम्मेदारी कैथलीन पर थी। उसने लेवी की इच्छा के अनुसार लक्ष्य का चयन किया था और मेरे पहुंचने पर वह मॉनिटर रूम में इंतजार कर रही थी।
“आगे बढ़ो और जुड़ जाओ; ये रही तुम्हारी कार्यसूची और निर्देशांक। आज का काम बहुत आसान है, कोई झंझट या मुश्किल काम नहीं है। ठीक है?”
“बिल्कुल। मैं लगभग पाँच या दस मिनट में तैयार हो जाऊँगा। मैं इंटरकॉम पर आपको सूचना दे दूँगा।”
मैंने ईआरवी रूम नंबर दो में अपना कनेक्शन स्थापित किया और प्लेटफॉर्म पर अपनी जगह ले ली।
"ठीक है, मैं उलटी गिनती शुरू करने के लिए तैयार हूं।"
कैथलीन ने कहा, "ठीक है। जैसे ही तुम्हारी आंखें साफ हों और तुम लक्ष्य क्षेत्र में पहुंच जाओ, मुझसे बात करना शुरू कर देना।"
उसकी आवाज़ धीमी होती गई और मैं उससे अलग होने लगा, मैंने कुछ नहीं कहा। इस बार सुरंग से गिरने का अनुभव ज़्यादा लंबा लगा और मैं झिल्ली से टकराया ही नहीं। मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने बहुत लंबी दूरी तय कर ली हो, या शायद मैं निर्देशांकों से भटक गया था।
"मेरा गला सिकुड़ा हुआ सा लग रहा है, और एक तीखी रासायनिक गंध आ रही है, जैसे कोई संक्षारक विलायक हो।"
कैथलीन मॉनिटर पर मेरी सांसों को देख रही थी। "अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करो, डेविड; उन पर नजर रखो, और याद रखो, वहां तुम्हें कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता।"
मुझे सांस लेने में तकलीफ हो रही है; मेरा गला दुख रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे अंदर से जल रहा हो। चारों ओर बस एक उजाड़ सा परिदृश्य दिखाई दे रहा है, बिल्कुल चांद जैसा। मिट्टी सुनसान है और कोई वातावरण नहीं है—कहना चाहिए, ऑक्सीजन नहीं है। यह जगह कहाँ है?

“तुम ही बताओ। क्षितिज पर नज़र डालो—क्या तुम्हें कुछ जाना-पहचाना सा दिख रहा है? सूरज या जो भी प्रकाश का स्रोत है, उसे देखो; क्या वह जाना-पहचाना सा लग रहा है? क्या तुम्हें कुछ ऐसा असामान्य दिख रहा है जिससे तुम्हें यह पता लगाने में मदद मिले कि तुम कहाँ हो? चलो, अब... तुम्हें खुद ही इन संकेतों को खोजना सीखना होगा।”
मैंने क्षितिज की ओर देखा, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और चट्टानों का एक अद्भुत नजारा। आसमान नीला नहीं, काला था और मुझे चाँद दिखाई नहीं दिया। तारों में एक अजीब सी झिलमिलाहट थी, वैसी नहीं जैसी मुझे न्यू मैक्सिको या व्योमिंग में रात के आसमान में देखने पर याद थी। और सूरज भी बहुत अलग था, छोटा और ठंडा।
“यह पृथ्वी नहीं है, इतना तो मुझे पता है। मुझे दूर-दूर तक पर्वत श्रृंखलाएँ दिखाई दे रही हैं, एक खुला मैदान जो हर आकार और प्रकार की चट्टानों से भरा पड़ा है। चारों ओर बारीक धूल छाई हुई है, और दूर से तेज़ हवा चल रही है जो धूल को और फैला रही है। हवा के प्रभाव से एक विशाल लाल बादल ऊपर की ओर उठ रहा है।”
"तुम वहाँ अकेले हो?"
यह सुनकर मैं एकदम रुक गया। "मैं सच में उम्मीद करता हूँ कि मैं यहाँ अकेला हूँ। क्यों? क्या मुझे यहाँ अकेला नहीं होना चाहिए?"
मैं आपसे लक्ष्य के बारे में आपकी राय जानना चाहता हूँ। भले ही प्रश्न थोड़ा भ्रामक लगे, फिर भी मेरी बात पर संदेह करने की कोशिश न करें। मैं बस इतना सुझाव देना चाहता हूँ कि आप कुछ ऐसा ढूंढें जो शायद स्पष्ट न हो। “मुझे नहीं पता। मुझे कोई ढांचा या दूर-दूर तक ढांचे जैसा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है, यहां तक कि कोई गुफा भी नहीं। मैं समय में पीछे जाकर खोजने की कोशिश करूंगा।”
मैंने सिग्नल लाइन को अतीत में खींच ले जाने दिया; वर्तमान समय से मुझे बहुत कम जानकारी मिली। मैंने गति के बीतने का इंतज़ार करते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं, और जब मैंने आँखें खोलीं तो सामने का नज़ारा बिल्कुल भी नहीं बदला था।
“मुझे समझ नहीं आ रहा। मैंने अभी-अभी समय में एक काफी बड़ा बदलाव किया है और फिर भी मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा। क्षितिज पर कुछ भी नहीं बदला है, न

ही वातावरण में। मैं थोड़ी देर इधर-उधर घूमूंगा। मुझे लगता है कि अब मेरी सांसें ठीक चल रही हैं।”
“लगता तो आप ठीक हैं; मॉनिटर पर मुझे कोई प्रतिकूल प्रतिक्रिया नहीं दिख रही है। लेकिन ज्यादा दूर मत जाना। मैं आपको यहां ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहता।”
“मैं लगभग पाँच सौ गज दूर चट्टानों के एक बड़े टीले की ओर चल रहा हूँ। वातावरण बहुत कठोर और तीखा है; इससे मेरी त्वचा में झुनझुनी हो रही है। मैं सतह पर बने एक छोटे से गड्ढे में उतर रहा हूँ। यह लगभग पाँच फीट गहरा और तीस फीट चौड़ा है। मैं अब किनारे पर हूँ और चट्टानों की ओर बढ़ रहा हूँ। मुझे यहाँ कुछ भी दिलचस्प नहीं दिख रहा है, और मुझे जीवन का कोई संकेत नहीं मिल रहा है, यहाँ तक कि मेरा भी नहीं। मैं थोड़ी देर और इसी दिशा में चलता रहूँगा—” मैं रुक गया, मिट्टी में कुछ देखकर। “यह अजीब है।”
"क्या?"
मेरे सामने दो एक जैसी सीधी रेखा वाली खाइयाँ हैं। ये समानांतर हैं, लगभग दस फीट की दूरी पर हैं, और ज़मीन पर लगभग साठ फीट तक फैली हुई हैं, बीच-बीच में कुछ छोटे अंतराल हैं। ये खाइयाँ लगभग तीन चौथाई इंच गहरी और लगभग बीस इंच चौड़ी हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये कहाँ से शुरू होती हैं या कहाँ जा रही हैं। ये पहाड़ों की ओर नहीं जा रही हैं, बल्कि लगभग उनके समानांतर हैं।
"एक को छूकर देखो, तुम्हें क्या मिलता है।"
“मैं इसे अभी छू रहा हूँ, और मुझे… ये प्राकृतिक नहीं हैं। मेरा मतलब है, आसमान से कुछ भी गिरकर यहाँ नहीं आया; इन्हें किसी चीज़ या किसी व्यक्ति ने बनाया है।”
"क्या फिल्म निर्माता वहीं रहते थे?"
“हां, मुझे ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि यह उनका घर था, लेकिन वे वर्तमान समय में यहां नहीं हैं। उनके साथ क्या हुआ?”
"क्या आपको लगता है कि आप उस प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं?"
मैं बार-बार अवसाद को छू रहा था। “नहीं, मुझे शक है कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऐसा लगता है कि यहाँ जो कुछ भी हुआ है, वह कई हज़ार वर्षों में घटित हुआ है। क्या हुआ और कैसे हुआ, यह मेरे लिए एक रहस्य है। शायद कुछ अन्य सत्रों और

दर्शकों की मदद से हम इसका पता लगा सकें, लेकिन अभी अकेले ऐसा करने की मुझमें बिल्कुल भी क्षमता नहीं है।”
“ठीक है, तो चलो मिशन को पूरा मान लेते हैं। इसे यहीं खत्म करते हैं और घर वापस आ जाते हैं।”
मैं वापस ऑफिस में अपनी समरी तैयार कर रहा था तभी मेल मेरे पास आई।
आज सुबह कैसा रहा?
मैंने उसे अपने रेखाचित्र दिखाए। “मुझे ज़मीन पर बनी इन दो रेखाओं के अलावा और कुछ नहीं दिखा। पता नहीं; कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं इस काम में बेहतर होने के बजाय और खराब होता जा रहा हूँ। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मुझे किस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मैं बस इधर-उधर भटकता रहता हूँ जब तक कि मुझे कुछ मिल न जाए, और तब भी मैं यह नहीं बता पाता कि वह क्या है।” “तुम बहुत अच्छा कर रहे हो—बल्कि बहुत अच्छा। देखो, अब तुम्हारा निशाना संग्रहालयों और गिरजाघरों जैसी स्थिर जगहों पर नहीं है। तुम दुनिया में आगे बढ़ रहे हो, ऐसे मुश्किल लक्ष्यों को निशाना बना रहे हो जिनका भावनात्मक और बौद्धिक प्रभाव बहुत गहरा होता है। यही वो चीज़ है जो प्रतिभाशाली मानसिक शक्तियों वाले लोगों को दूरस्थ दर्शकों से अलग करती है। तुम एक मेहनती कलाकार बनना सीख रहे हो, तमाशा नहीं। यहाँ सफलता की कुंजी किसी के पास नहीं है, और हम सभी के अच्छे और बुरे अनुभव होते हैं। तुम्हारे भी होंगे, लेकिन जहाँ तक मैं देख सकता हूँ, यह उनमें से एक नहीं था। तुम लक्ष्य तक सबसे तेज़ी से पहुँचते हो, जितना मैंने किसी को नहीं देखा; हो सकता है कि अभी तुम्हारे पास चीजों को बारीकी से समझने की क्षमता न हो, लेकिन लक्ष्य तक पहुँचने में तुम कोई कसर नहीं छोड़ते। तो शिकायत करना बंद करो और इस सारांश को पूरा करो। मैं लक्ष्य फ़ोल्डर देखना चाहता हूँ।”
कैथलीन कोने से आई और उसने मेरे रेखाचित्रों पर सरसरी नज़र डाली। उसने मेल की ओर देखा और सारांश पूरा होने से पहले ही फ़ोल्डर मेरी ओर फेंक दिया। “लेकिन—” मैंने कहा।
"बस इसे देख लो, और लेवी को मत बताना कि मैंने इसे तुम्हें इतनी जल्दी दे दिया है। अगर मुझे नहीं लगता कि तुम सही हो, तो मैं तुम्हें इंतज़ार करवाता।"

लक्षित फ़ोल्डर में मंगल ग्रह की कक्षा से और ग्रह की सतह पर उतरे एक लैंडर से ली गई तस्वीरों की एक श्रृंखला थी। इसमें वायुमंडल का रासायनिक विश्लेषण और सतह की कुछ ऊँचाई से ली गई तस्वीरें थीं, जिनके कैप्शन में उन स्थानों का उल्लेख था जिनके आधार पर कई वैज्ञानिकों का मानना था कि मंगल ग्रह पर कभी जीवन था।
“दिलचस्प!” मैंने कहा।
“मेल, मुझे लगता है कि हमारा बेटा अपनी यात्राओं से ऊब रहा है। मंगल ग्रह की सतह के बारे में वह कहता है, ‘दिलचस्प’।” कैथलीन थोड़ी नाराज़ हो गई। "अरे, वह बस थोड़ा और विस्तार करना चाहता है, बस इतना ही।"
“क्या विषय का दायरा बढ़ाना है? मंगल ग्रह से भी आगे बढ़ना है? ठीक है, मैं इस पर काम करूंगी।” उसने फ़ोल्डर उठाया और दरवाज़े की ओर चल पड़ी। “मुझे दस मिनट में आपके सारांश का शेष भाग चाहिए।”
“मुझे लगता है तुमने उसे नाराज़ कर दिया है,” मेल ने कहा। उसने एक सिगरेट निकाली। “मैं तुम्हें तुम्हारी परेशानी में अकेला छोड़ देता हूँ, मैं जाकर इसे पीता हूँ।”
मैंने जैसे-तैसे बाकी सारांश पूरा किया और कैथलीन को सौंप दिया। "हे, अगर मेरी बात आपको बुरी लगी हो तो मुझे माफ़ करना," मैंने माफ़ी मांगी। "लगता है मैं जवाब ढूंढ रहा हूँ, लेकिन मुझे बस और सवाल ही मिलते हैं।"
“मैं समझता हूँ कि तुम कैसा महसूस कर रहे हो, और अपना आपा खोने के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। मेरे मन में तुम्हारे लिए एक योजना है, और यह निराशाजनक है जब तुम अपने काम के महत्व को नहीं समझते। कुछ ही मिनटों में मंगल ग्रह की सतह पर जाना और वापस आना एक महत्वपूर्ण कार्य है; तुम इसे सिर्फ इसलिए नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते क्योंकि इससे तुम्हारे सभी सवालों के जवाब नहीं मिलते। एक बड़ा सवाल जिसका जवाब इससे मिलना चाहिए था, वह यह था कि क्या तुम ग्रह से बाहर यात्रा कर सकते हो और जीवित रह सकते हो। एक और बात: हम इस ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। मैं चाहता हूँ कि तुम यहाँ यही सीखो। बाकी सब समय आने पर समझ आ जाएगा। ठीक है?”
मैंने मुस्कुराते हुए उनसे कहा, “जानती हो, अगर आप हाई स्कूल में मेरी गणित की पहली कक्षा की टीचर होतीं, तो यकीनन आज गणित में मेरी हालत इतनी खराब नहीं होती।” मैंने उनके कंधे पर हाथ फेरा। “आपके धैर्य के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि मैं एक बहुत ही खराब छात्रा हूँ।”

“तुम एक पैदल सैनिक हो; मैं तुमसे इससे ज़्यादा कुछ उम्मीद नहीं करता। वो कहावत क्या है? एक पैदल सैनिक से बहस करना सूअर से कुश्ती लड़ने जैसा है: हर कोई गंदा हो जाता है, लेकिन सूअर को इसमें मज़ा आता है।”

एक तपती गर्मी के दिन, डेबी ने मुझे अपने और बच्चों के साथ पिकनिक पर चलने के लिए मना लिया। हमारे घर के ठीक सामने सड़क के पार स्थित बर्बा झील इसके लिए एकदम सही जगह थी। हमने दोपहर का भोजन किया और झील के चारों ओर फैले हरे-भरे मैदानों में किकबॉल खेला। बच्चे हमसे कुछ ही दूरी पर खेल रहे थे, जबकि डेबी और मैं धूप में लेटे हुए पुराने सुखद पलों और बेहतर जगहों की यादें ताजा कर रहे थे।
“कभी-कभी मुझे लगता है कि काश हम वापस बीवाईयू में होते और सिर्फ़ छात्र होते। हमारे पास गुज़ारा करने के लिए सिर्फ़ ढाई सौ डॉलर प्रति माह थे, लेकिन हम खुश थे, है ना?” डेबी ने पूछा।
“हाँ, जान। हम बहुत खुश थे। मुझे याद है माइकल के जन्म के बाद बाहर घूमने की रात कैसी होती थी। याद है ना?”
"तुम्हारा मतलब स्नो व्हाइट ड्राइव-इन में जाकर एक डॉलर में पांच बर्गर खाने की यात्राओं से है?"
“बिल्कुल सही—और हम उन चीजों में इस हद तक हेरफेर कर सकते हैं कि वे बर्गर किंग को भी शर्मिंदा कर दें, है ना?”
हम दोनों मैरीलैंड की धूप में आराम करते हुए हँस रहे थे। हंसों का एक झुंड हमारे पिकनिक स्थल के पास से तैरता हुआ गुजरा। माइकल और मारिया ने उन पर चीड़ के शंकु फेंके, जिससे पंखों और पानी की फड़फड़ाहट की आवाज आई।
“हम लोग BYU फिल्म सोसाइटी के शो देखने जाया करते थे,” डेबी ने याद करते हुए कहा। “एक फिल्म देखने के लिए हमें सिर्फ पच्चीस सेंट प्रति व्यक्ति खर्च करने पड़ते थे।”
“तुम्हारा मतलब है, फिल्म देखने की कोशिश करना, एक तरफ तो हमारे रोते हुए बच्चे को बाहर ले जाना और दूसरी तरफ उठकर किसी और को अपना बच्चा बाहर निकालने देना। याद है, हमारे पास पॉपकॉर्न का एक पैकेट भी खरीदने के पैसे

नहीं थे? हमें घर से पॉपकॉर्न लाना पड़ता था और चुपके से अंदर लाना पड़ता था। सोचती हूँ अगर हमें पकड़ लिया जाता तो क्या होता।”
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। “बीवाईयू में? मज़ाक कर रहे हो? हम कैंपस की सुर्खियों में छा जाते: ‘पॉपकॉर्न तस्कर रंगे हाथों पकड़े गए।’ मैं कल्पना कर सकती हूँ, पॉपकॉर्न कानून तोड़ने के लिए हम दोनों को निकाल दिया जाता: न शिक्षा, न नौकरी, न भविष्य।” वह एक पल के लिए झिझकी। “न सेना, न गोली, न बुरे सपने।”
"अरे यार, हालात इतने भी बुरे नहीं रहे हैं, है ना? मतलब, हमारे पास बोवी में घर है, हमारे बच्चे एक ही जगह रह पाते हैं, मैं लगभग हर रात घर पर रहती हूँ। ये रेंजर टीम में रहने जैसा तो नहीं है।"
“मुझे रेंजर बटालियन में बहुत मज़ा आया। मुझे सैनिकों और उनके परिवारों की मदद करना अच्छा लगता था। इससे मुझे यह एहसास होता था कि मेरी ज़रूरत है, जो अब नहीं होता। मैं वहाँ एक टीम का हिस्सा था, हमारी टीम का। मुझे कर्नल टेलर और कीथ नाइटिंगेल और उनकी पत्नियाँ और बच्चे बहुत प्यारे थे। बस वो एक बेहतर समय था, और मुझे उसकी बहुत याद आती है।”
“मुझे पता है तुम ऐसा करती हो। मेरे अंदर भी, मुझे इसकी बहुत याद आती है; बस अब इसके बारे में सोचने का समय नहीं है। मैं अभी यहीं हूँ, और इसी वजह से मुझमें बदलाव आ रहा है। मुझे पता है तुम्हें यह पसंद नहीं है, और मैं तुम्हें बहुत परेशान कर रही हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि अंत में सब ठीक हो जाएगा। जीवन में हर चीज़ किसी न किसी कारण से होती है। हम दोनों ने हमेशा सेना के बारे में ऐसा ही सोचा था, हमेशा यही महसूस किया था कि हमें ऐसी जगह भेजा जाएगा जहाँ हम सबसे अच्छा काम कर सकें, चीज़ों को बेहतर बना सकें। मुझे यही विश्वास बनाए रखना होगा। मुझे यह मानना होगा कि मेरे जीवन की हर चीज़ मुझे इस मुकाम तक ले आई है।” मैं उसके कंधे से लिपट गई। “अब बस मुझे गले लगाओ और मुझे बताओ कि तुम मुझसे प्यार करती हो, जब तक मैं झपकी ले लेती हूँ।”
“मैं तुमसे प्यार करती हूँ, पतिदेव। मैंने हमेशा किया है और हमेशा करती रहूँगी।” उसने एक परेशान महिला की आह भरी। “तुम सो जाओ।” उसने मेरे बालों को तब तक सहलाया जब तक मैं सो नहीं गया।
मैंने तेज धूप में आंखें खोलीं। "धत् तेरे की, डेबी, तुमने मुझे कितनी देर सोने दिया?" मैंने अपनी घड़ी और जूते ढूंढने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन वे

गायब थे। मैं अकेली थी। घबराकर मैं उछल पड़ी और इधर-उधर भागने लगी, डेबी और बच्चों को ढूंढने की कोशिश कर रही थी। "धिक्कार है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि वह मुझे यहाँ ऐसे ही छोड़कर उठ गई। धिक्कार है! धिक्कार है! मेरे जूते कहाँ गए?"
मैंने उस यूनिट की ओर मुड़ा और मेरी नज़र एक परिचित आकृति पर पड़ी। यह वही देवदूत था जो मुझे जॉर्डन में दर्शन के दौरान दिखाई दिया था। वह मुझे देखता रहा, कुछ नहीं बोला।
“तुम फिर आ गए! सुनो, मुझे नहीं पता तुम कौन हो और यहाँ क्या कर रहे हो, लेकिन जब तक मैं तुमसे कुछ जवाब नहीं ले लेता, तुम यहाँ से नहीं जा सकते। सबसे पहले, मेरी पत्नी और बच्चे कहाँ हैं?”
उन्होंने मुझसे इतने प्यार और कोमलता से बात की कि मेरा पूरा शरीर गर्माहट और रोशनी से भर गया। "वे अभी भी यहीं हैं, ठीक उसी जगह जहाँ आपने उन्हें छोड़ा था।"
मैंने जोखिम उठाकर एक बार फिर अपने आसपास देखा, लेकिन वे वहां नहीं थे। इससे पहले कि मैं कुछ बोल पाता, देवदूत ने कहा: “तुम उन्हें नहीं देख सकते क्योंकि तुम एक अलग आयाम में हो, जो उनके समानांतर है। वे तुम्हें न देख सकते हैं और न सुन सकते हैं। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं और तुम्हारी अनुपस्थिति से अनभिज्ञ हैं।”
मैंने उससे नज़रें मिलाए रखते हुए संक्षेप में सिर हिलाया। "ठीक है। लेकिन तुम यहाँ क्यों हो? मैं यहाँ क्यों हूँ? मेरे साथ क्या हो रहा है?" देवदूत ने मुस्कुराते हुए कहा, “तुम मुझसे बात करने आए हो; मैं तुमसे बात करने आया हूँ। तुम्हारे साथ जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से तुम पर निर्भर है।”
"मैं ही क्यों? मेल, पॉल या कैथलीन क्यों नहीं?"
“क्योंकि तुम्हें चुना गया था। तुम्हारे पिता को यह बात बहुत पहले से पता थी। वह तुम्हें यह कहानी भविष्य में किसी दिन, जब उचित समय आएगा और जब उन्हें तुम्हें बताने का साहस मिलेगा, तब सुनाएंगे। उन्हें भी तुम्हारी ही तरह एक दिव्य दृष्टि में यह जानकारी मिली थी।”
"क्या जानकारी?"
“वह अपने समय में आपसे यह बात साझा करेंगे। मैं चाहता हूँ कि आप जान लें कि आपके लिए कठिन समय आने वाला है। आपकी हर प्रिय चीज़ खतरे में होगी, और आप

अकेलापन और निराशा महसूस करेंगे। आप टूट जाएंगे और अलग-थलग पड़ जाएंगे। मैं आपको यह इसलिए बता रहा हूँ ताकि आप इस स्थिति के लिए आध्यात्मिक रूप से तैयार हो सकें। मैं इससे अधिक कुछ नहीं कहूँगा, सिवाय इसके कि मुझे एक बहुत ही खास व्यक्ति ने आपको सौंपा है जो आपसे बहुत प्यार करता है। मैं हमेशा आपके साथ रहूँगा, आपके सबसे कठिन समय में भी। यह याद रखना। मैं हमेशा आपके साथ रहूँगा, आपके सबसे कठिन समय में भी।”
सूरज की रोशनी में उसकी छवि धीरे-धीरे धुंधली होती गई, अंत में उसका कोई निशान नहीं बचा। मैं धीरे से जागा, अब भी डेबी की बाहों में था। मैंने उसके गाल पर चुंबन किया और कुछ पल के लिए उसे कसकर गले लगाया।
“मुझे काम पर जाना है, जान। मेरे साथ समय बिताने के लिए धन्यवाद।” हम गले मिले और बच्चे हमारे चारों ओर जमा हो गए और हमारे पैरों से लिपट गए। मैंने उन्हें छोड़ा और अपनी दुनिया में लौट गई।

1989 की गर्मियाँ पतझड़ में बदल गईं। एक सुबह काम पर जाने से पहले, मैंने मेल को यूनिट के पास एक छोटी सी धारा में पत्थर फेंकते हुए पाया।
“आज तुम जल्दी आ गए। घर पर कोई डांट पड़ी थी क्या?” मैंने उसके पैरों पर एक छोटा पत्थर फेंकते हुए पूछा।
“अरे! संभलकर। नहीं, मुझे बस कुछ सोचना था, और यह सोचने के लिए किसी भी दूसरी जगह से बेहतर जगह है।”
"अरे? ऐसी क्या बात है जो आपको यहां तक ले आई है?"
“सेवानिवृत्ति।” उन्होंने अपना आखिरी पत्थर उछाला और उस जगह को देखते हुए खड़े हो गए जहाँ से वह पानी को चीरता हुआ निकला था। “जानते हो, इस पुरानी नदी ने मुझे लगभग आठ साल तक मानसिक रूप से स्वस्थ रखा है। जब मुझे जाना होगा तो मुझे इसकी बहुत याद आएगी।”
“अच्छा, तुम्हें जाना ही क्यों है? तुम्हारी नौकरी को अभी बीस साल ही हुए हैं। दस साल और क्यों नहीं रुकते और ज़्यादा तनख्वाह के साथ रिटायर क्यों नहीं होते? धिक्कार है मेल, तुमने मुझे बताया ही नहीं कि तुम रिटायर होने के बारे में सोच रहे हो। तुम्हारे बिना मैं यहाँ क्या करूँगी?”

“तीस?” वह ज़ोर से हँसा। “मैं उस कमीनी सेना को बीस साल से ज़्यादा चौबीस घंटे भी नहीं दूँगा, और तुम्हें भी नहीं देने चाहिए।” उसने कुछ और पत्थर उठाए। “नहीं, तुम्हारे जीवन के बीस साल काफ़ी हैं। खासकर जब तुमने वो सब देखा है जो मैंने देखा है। तुम असली सेना से आए हो, डेव—वो सेना जहाँ ‘गर्व’, ‘जुनून’, ‘सम्मान’ और ‘साथी’ जैसे शब्दों का इस्तेमाल होता है; ये शब्द मेरे जीवन से तब से गायब हैं जब मैं एक युवा सार्जेंट था। मुझे अब ये सब नहीं चाहिए। मैं एडिथ के साथ विस्कॉन्सिन में कहीं एक ऐसा जीवन चाहता हूँ जहाँ हम एक-दूसरे से प्यार कर सकें और साथ-साथ बूढ़े हो सकें।”
मैंने कहा, “यह अब भी ठीक नहीं है। मुझे नहीं पता कि तुम्हारे बिना मैं क्या करूँगी। यहाँ थोड़े समय में ही मैंने एक बात सीखी है कि आपके पास एक ऐसा दोस्त होना चाहिए जिस पर आप भरोसा कर सकें। तुम वही दोस्त हो, और मैं तुम्हें बहुत याद करूँगी।”
राइली ने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे उसमें पहले कभी कोई व्यंग्य नहीं था। “शुक्रिया। मैं भी तुम्हें अपना दोस्त मानता हूँ, और मुझे पता है कि मैं तुम पर पूरा भरोसा कर सकता हूँ। इस धंधे में ऐसा कम ही होता है; एक दिन कोई कहता है कि वो तुम्हारा दोस्त है, अगले ही दिन वो तुम्हारी पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश करता है। क्योंकि वो खुद को तुमसे ज़्यादा चालाक समझता है।” उसने अपना आखिरी पत्थर फेंका, अपनी जैकेट से एक छोटा सा चमड़े का थैला निकाला, उसका ऊपरी हिस्सा खोला और उसमें हाथ डाला। “मैंने ये तुम्हारे लिए बनाया है, ताकि तुम सुरक्षित रहो।”
मेल के हाथ में एक चपटा, बिल्कुल गोल पत्थर था, जो एक मुलायम, कसकर सिले हुए चमड़े के डिब्बे में था, जिसका केवल ऊपरी एक तिहाई हिस्सा ही दिखाई दे रहा था। डिब्बे पर मोतियों की एक जटिल नक्काशी थी और एक लंबी पट्टी लगी थी जिससे इसे गले में लटकाया जा सकता था। यह बेहद खूबसूरत था।
“इस पैटर्न का क्या मतलब है?”
“ये तुम्हारी पत्थर की औषधि है—मेरी जैसी, देखो?” उसने मुझे संक्षेप में दिखाने के लिए अपनी कमीज़ के अंदर से अपनी औषधि निकाली। “इसे हमेशा अपने दिल के पास पहनना। मैंने तुम्हारी यह औषधि इसलिए बनाई है ताकि यह दर्शाए कि तुम भालू कबीले के सदस्य हो, जो एक योद्धा वर्ग है। सामने के प्रतीक गुफा में बैठे भालू को दर्शाते हैं। यहाँ के रंग और पैटर्न उसके दुश्मनों की ओर आती हुई गोलियों को दर्शाते हैं, और यहाँ की लहरदार रेखाएँ दिखाती

हैं कि कैसे उसकी आत्मा और शक्ति ने गोलियों को लड़खड़ाकर गिरा दिया है। देखो, वह अपनी शक्ति से सुरक्षित है, और उसकी शक्ति उसकी बहादुरी से आती है, और उसकी बहादुरी उसकी आत्मा से।”
“यह सचमुच... मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। मुझे आज तक किसी ने ऐसा कुछ नहीं दिया। धन्यवाद, मेल।”
“स्वागत है भाई, लेकिन अभी और भी है। इसे पलट कर देखो। इस तरफ के चिन्ह हर चीज़ में संतुलन दर्शाते हैं, जैसे भारतीय यिन और यांग। पत्थर संतुलित है, और औषधि के इस तरफ के रंग और चिन्ह भी संतुलित हैं। लाल रंग विपत्ति, उथल-पुथल और चुनौती का प्रतीक है, जबकि नीला रंग गहराई, आशा और अच्छाई की बात करता है। बीच का पीला रंग सूर्य की पूर्व से पश्चिम की यात्रा का प्रतीक है, जो दो शक्तियों को अलग करके संतुलन बनाता है।” उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा और प्यार से मुस्कुराए। “मुझे लगता है तुम्हें अपने जीवन में संतुलन की ज़रूरत है। अगर तुम इसे हमेशा पहनोगे और इस पर विश्वास करोगे, तो यह औषधि तुम्हारी आस्था के अनुसार तुम्हें वह सब कुछ प्रदान करेगी जिसकी तुम्हें ज़रूरत है।” उनकी निगाहें मानो मेरी आत्मा में उतर गईं। “अब, चलो थोड़ी कॉफ़ी पीते हैं?”
“हाँ, मुझे इसकी ज़रूरत है। और मेल, इसके लिए धन्यवाद। मैं इसे कभी अपनी नज़रों से दूर नहीं होने दूँगा।”
“जानते हो, मैंने उस पत्थर को लगभग बीस साल पहले उठाया था, सेना में भर्ती होने से ठीक पहले। मैं इसे इतने समय से अपने साथ लिए घूम रहा हूँ, सही समय पर इस्तेमाल करने का इंतज़ार कर रहा हूँ। तुम इसका ध्यान रखना, यह वियतनाम युद्ध का एक पुराना पत्थर है।”
मैं कुछ ज़रूरी बात कहना चाहती थी, लेकिन गले में अटकी हुई गांठ को दबाने के अलावा मैं कुछ नहीं कर सकती थी, इसलिए मैंने अपना मुंह बंद रखा और मेल की बातें ऑफिस तक सुनती रही। उस रात, घर लौटते समय, मैंने दवा को अपने हाथों में पकड़ रखा था और उंगलियों से उसके दानों को तब तक रगड़ती रही जब तक वे गर्म नहीं हो गए। मैं यह विश्वास करना चाहती थी कि उनकी शक्ति हमेशा मुझे सुरक्षित रखेगी। मैंने मन ही मन प्रार्थना की कि यही मेरे बुरे सपनों का हल हो।

दो हफ्ते बाद एक दिन, मेल की निगरानी में, मैंने एक खुली खोज शुरू की। खुली खोज में, आपके पास मार्गदर्शन के लिए कोई निर्देशांक नहीं होते; आप बस सिग्नल लाइन को आमंत्रित करते हैं कि वह आपको उस जगह ले जाए जहाँ कुछ सीखने को मिले। दूरस्थ दर्शक अक्सर ऐसा करते थे ताकि उन्हें याद रहे कि वहाँ उनकी संख्या हमसे कहीं अधिक है—अधिक ग्रह, अधिक जीव, अधिक सभ्यताएँ— शायद। यह मेरी पहली ऐसी खोज थी। मेल ने पिछले दो दिनों से मुझे प्रशिक्षित किया था, लेकिन जब मैंने शुरू किया, तो मुझे बस इतना याद था कि ये हमेशा विनम्रता सिखाने वाले और आश्चर्यों से भरे अनुभव होते हैं।
"मुझे बताओ तुम कहाँ हो," मेल ने कहा।
“एक मैदानी इलाके के बीचोंबीच। मुझे लगभग पचास गज की दूरी पर जमीन से बाहर निकली हुई नुकीली चट्टानों की एक श्रृंखला दिखाई दे रही है। वे शायद सौ फीट ऊंची हैं और जमीन में पैंतालीस डिग्री के कोण पर जड़े हुए काले क्रिस्टल की तरह दिखती हैं। यह बेहद खूबसूरत है।”
“मैं अभी क्रिस्टल के पास हूँ, और मुझे उनमें अपना प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है। यह अजीब है—मैंने पहले कभी भी खोज के दौरान किसी भी चीज़ में अपना प्रतिबिंब नहीं देखा है। साथ ही, प्रतिबिंब ऐसा लग रहा है जैसे क्रिस्टल के अंदर कुछ मीटर दूर से आ रहा हो।”
"क्या आप-"
“अरे वाह! मुझे क्रिस्टल में कुछ और परछाइयाँ दिख रही हैं।” मैं घूम गई, मुझे लगा कि मेरे बगल में या पीछे कुछ होगा, लेकिन वहाँ कुछ नहीं था। ये परछाइयाँ बिल्कुल नहीं थीं। “मेल! मुझे इस काली क्रिस्टल की दीवार के अंदर हलचल दिख रही है। आकृतियाँ इंसानी लग रही हैं, लेकिन मैं उन्हें ठीक से पहचान नहीं पा रही हूँ।”

"दीवार के अंदर जाओ और पता लगाओ कि वे कौन हैं।"
मैंने अपना हाथ क्रिस्टल में दबाया और उसके पीछे-पीछे अंदर चला गया। “यह प्रवेश द्वार लगता है। यहाँ नीचे जाने वाली सीढ़ियाँ हैं; यह लगभग बीस फीट चौड़ी है और यहाँ से सतह से लगभग दो सौ फीट नीचे तक जाती है। मैं इसी सीढ़ी पर चलूँगा।”
“मैं चाहता हूँ कि आप मुझे उन प्राणियों का वर्णन करें। मुझे बताएँ कि वे क्या सोच रहे हैं, वे कैसे दिखते हैं और वे क्या करते हैं।”

मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा। मेरे चारों ओर पगडंडियों और विशाल मेहराबदार प्रवेश द्वारों का एक भूलभुलैया सा था। मेरी नज़र में सब कुछ काले क्रिस्टल से बना था; जिधर भी देखता, लोग पैदल चलते नज़र आते थे।
“मुझे लगता है कि वे काफी हद तक हमारे जैसे ही दिखते हैं—वास्तव में, मुझे उनमें कोई खास अंतर नहीं दिखता। उनके कपड़े प्राचीन मिस्र के लोगों द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों जैसे हैं, बहुत ढीले-ढाले और सोने की कढ़ाई और धातु से सजे हुए। ये सफेद रंग के हैं, जो इस जगह के कालेपन के साथ जबरदस्त विरोधाभास पैदा करते हैं।”
“मैं एक पारदर्शी मेहराब की ओर बढ़ रहा हूँ। यह कई सौ फीट तक उस रास्ते को ढके हुए है जिस पर मैं चल रहा हूँ। मैं एक बड़े कमरे में हूँ, और यह मेहराब पूरे कमरे में फैला हुआ है। यह बहुत विशाल है।”
क्या कोई ऐसा केंद्रीय स्थान है जहां सभी लोग एकत्रित होते हैं?
“मुझे नहीं पता; मुझे देखने दो।” एक रास्ते पर बाकी रास्तों के मुकाबले ज़्यादा भीड़ लग रही थी, इसलिए मैं वहाँ चला गया। “मैं अब एक बड़े समूह के पीछे चल रहा हूँ। इन लोगों के बीच चलना एक बहुत ही अजीब एहसास है। मुझे ऐसा लग रहा है कि वे जानते हैं कि मैं यहाँ हूँ—दरअसल, उनमें से कई ने सीधे मेरी तरफ देखा और मुस्कुराए। उन्हें मुझमें कोई दिलचस्पी नहीं है; वे बस जानते हैं कि मैं यहाँ हूँ।”
"देखो, उनमें से कोई तुमसे बात करेगा या नहीं।"
“ठीक है, जो तुम कहो।” खुद को मूर्ख समझते हुए, मैंने उन प्राणियों की ओर हाथ हिलाए, उनसे बात की, यहाँ तक कि उनके रास्ते में खड़ी भी हो गई। उन्होंने बस मुझे देखा; मैं उनके रास्ते में थी, वे मेरे ऊपर से सीधे निकल गए। “यहाँ कोई बात नहीं कर रहा है, मेल। माफ़ करना!”
"ठीक है, देखो कि क्या तुम्हें कोई केंद्रीय केंद्र मिल सकता है।"

“मैं अब भी इस बड़े समूह का पीछा कर रहा हूँ; ऐसा लग रहा है कि वे मुड़ रहे हैं… हाँ, हम एक बड़े कमरे में प्रवेश कर रहे हैं, जहाँ सभी लोग कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यह एक एम्फीथिएटर जैसा है, नीचे से बहुत संकरा और ऊपर से चौड़ा। अभी भी काले क्रिस्टल से बना हुआ है।”
“यहां क्या चल रहा है?”

"कमरे के निचले हिस्से में एक ऊँची कुर्सी पर कोई बैठा है। यहाँ मौजूद हर कोई इस बात पर बहुत ध्यान दे रहा है कि यह व्यक्ति क्या कह रहा है।"
"आप इसे 'कोई बात' क्यों कह रहे हैं?"
“अह, यह एक अच्छा सवाल है। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि यह बाकी सबसे बड़ा है और अलग तरह के कपड़े पहने हुए है। बाकी सब सफेद कपड़ों में हैं; यह चीज़ काले कपड़ों में है। इसके सिर पर एक बड़ा खुला हुड है, जिसकी लंबी बहने वाली आस्तीनें इसके हाथों को लगभग पूरी तरह से ढक लेती हैं। इसके हाथ बाकी सबके हाथों जैसे नहीं हैं; उनकी बनावट बहुत खुरदरी है और रंग गहरा है। अगर मुझे इसके बारे में कुछ कहना हो, तो मैं कहूंगा कि यह बहुत ही दुष्ट है।”
"बुराई?"
ठीक है, वह बुरा नहीं है। वह किसी तरह का कानून निर्माता या ऐसा ही कुछ है। वह लोगों को काम करने का निर्देश देता है, और लोग बिना सवाल किए उसे कर देते हैं। यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है; वह लोगों की ओर इशारा करता है, उन्हें संकेत देता है, और वे चले जाते हैं, जाहिर तौर पर कोई काम पूरा करने के लिए।
"क्या आप इस कानून निर्माता से बात कर सकते हैं?"
“नहीं! और मैं कोशिश भी नहीं करना चाहती। मुझे पता है कि उसे मेरे यहाँ होने की जानकारी है, लेकिन उसे ज़रा भी परवाह नहीं है, और मुझे लगता है कि अगर मैंने अपनी मौजूदगी का दिखावा करने की कोशिश की तो वह नाराज़ हो जाएगा।”
“ठीक है। क्या आपने काफी देख लिया?”
"हां, मुझे लगता है कि फिलहाल मैंने कर लिया है।"
"रिश्ता तोड़ दो और फिर वापस आ जाओ।"
मुझे लगा कि मेरी झिझक देखकर मेल शायद निराश हो जाएगा। ऐसा लग रहा था कि वह चाहता था कि मैं खुलकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराऊं और उन प्राणियों को बताऊं कि मैं वहां हूं, लेकिन मुझे ऐसा करने में सहज महसूस नहीं हो रहा था। मुझे दूसरी दुनिया में जाने की एक खास जिज्ञासा थी, लेकिन मैं यह भी समझती थी कि उसका सम्मान करना कितना ज़रूरी है। मैं एक घुसपैठिया थी, मेहमान नहीं। मैंने देखा कि वे मुझे देख रहे थे; मुझे पता था कि वे मेरी उपस्थिति से अवगत थे, फिर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। इसलिए मुझे स्पष्ट हो गया कि मुझे

बर्दाश्त किया जा रहा था, स्वीकार नहीं किया जा रहा था। और मैंने कसम खाई कि मैं कभी भी दूसरी दुनियाओं में दखल नहीं दूंगी। मुझे स्वीकार करना उनका अधिकार था, लेकिन मैं कभी भी खुद को उन पर थोपूंगी नहीं।
राइली ने मेरे हाथ से मेरा सारांश छीन लिया। "चलो, यहाँ से जल्दी निकलकर एक बियर पीते हैं। मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।"
मुझे उम्मीद है कि आप उस सेशन की वजह से मुझसे नाराज नहीं होंगे।
“गुस्से में हो? फिर से वही बात, सोच रहे हो कि तुमने अच्छा नहीं किया। डेव, खुली तलाशी से तुम्हें क्या मिलता है, यह तुम पर निर्भर करता है; यूनिट की कोई अपेक्षा नहीं होती। खुली तलाशी मुफ्त होती है; तुम्हें सिग्नल लाइन जहाँ ले जाए, तुम वहाँ जा सकते हो, बजाय इसके कि तुम उसे बताओ कि तुम्हें कहाँ जाना है। ये एक मनोरंजन पार्क की तरह है, बस फर्क इतना है कि टिकट तुम्हारी आरवी ट्रेनिंग के होते हैं। है ना कमाल की बात?”
"हां, मुझे लगता है ऐसा ही है।"
तो, क्या आपने कुछ सीखा?
मुझे लगता है कि मैंने यह सीखा कि अन्य दुनियाएँ और अन्य सभ्यताएँ भी हैं, और ब्रह्मांड में प्रत्येक का अपना एक उद्देश्य है। इससे मुझे चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में देखने में मदद मिली। मैं पहले मानव जाति को ईश्वर की चुनी हुई प्रजा समझता था, लेकिन मैं स्पष्ट रूप से गलत था।
"क्या सोच कर तुम यह कह रहे हो?"
“खैर, कौन कह सकता है कि ईश्वर का शासन कहाँ से शुरू होता है और कहाँ खत्म होता है? मेरा मतलब है, वह उस जगह का भी संरक्षक हो सकता है जहाँ मैं कुछ घंटे पहले ही गया था; हम उन प्राणियों से किस मायने में बेहतर हैं?”
“तुम अब समझ रहे हो ना, मेरे दोस्त। हम एक सौर मंडल में, एक ऐसी आकाशगंगा में जिसमें करोड़ों सौर मंडल हैं, एक ऐसे ब्रह्मांड में जिसमें करोड़ों आकाशगंगाएँ हैं, बस एक छोटा सा नीला धब्बा हैं। और सच तो यह है कि हम नहीं जानते कि यह कहाँ खत्म होता है, या खत्म भी होता है या नहीं। और हम अभी आयामों की बात भी नहीं कर रहे हैं। ये सुनकर सिरदर्द होने लगता है, है ना?” मैं हँस पड़ा। “हाँ, बिल्कुल। चलो, वो बियर लेने चलते हैं।”

हम चौकी से थोड़ी दूर एक छोटे से पब में गए और बार में बैठ गए। वह जगह किसी आम सैन्य कस्बे के बार जैसी थी, जो यूनिट के स्टिकरों और अलग-अलग टुकड़ियों

के सदस्यों के प्रशंसा पत्रों से भरी हुई थी। बार के पीछे की दीवार पर जगह-जगह पट्टियाँ लगी हुई थीं, और दुनिया भर के दर्जनों नोट और सिक्के थे, जो रक्षा विभाग के कर्मचारियों के लिए बने इस पब की निकटता का प्रमाण थे। मेल ने दो गहरे रंग की जर्मन बियर मंगाईं।
“मैं विस्कॉन्सिन में कुछ प्रॉपर्टी देख रहा हूँ, और मैं इस पर आपकी राय जानना चाहता हूँ।” उसने एक पुराना अखबार का लेख और कुछ रियल एस्टेट के कागजात निकाले और उन्हें मेरे देखने के लिए बार पर फैला दिया, और अपने हाथों से उन्हें इस्त्री करने लगा।
ये तस्वीरें विस्कॉन्सिन के स्कैंडिनेविया में स्थित एक पुराने दो मंजिला घर की थीं, जिसमें लकड़ी का बहुत सारा मूल काम और साज-सज्जा थी, और सब कुछ दृढ़ लकड़ी का बना हुआ था। यह घर एक झील के किनारे स्थित था, जिसके सामने एक शांत मुख्य सड़क थी। विशाल ओक के पेड़ घर को हरी-भरी छाया से घेरे हुए थे।
“यह बहुत खूबसूरत है, मेल। इसकी कीमत कितनी है?”
“पांच बेडरूम और एक अलग गैरेज के लिए अड़तीस हजार, झील के किनारे, हर वो चीज़ जो आप चाह सकते हैं।” उसने अपनी बीयर का एक लंबा घूंट लिया और डकार लेते हुए उसे वापस बार पर रख दिया।
“बस इतना ही? इन सबके लिए अड़तीस हजार?”
“बस! अब आपको पता चल गया होगा कि मैं घर वापस जाकर क्यों रहना चाहता हूँ। यहाँ ऐसा घर दस गुना महंगा होगा। और यहाँ कौन रहना चाहेगा? मैं तो बिल्कुल नहीं। मैं एडिथ को एक अच्छी ज़िंदगी देना चाहता हूँ। अरे, मैं भी तो एक अच्छी ज़िंदगी जीना चाहता हूँ। मैं मछली पकड़ने जाना चाहता हूँ।” उसने अपनी बियर का आखिरी घूंट पिया और दूसरी ऑर्डर की। “हाँ, यह रहने और मरने के लिए एक बेहतरीन जगह होगी। और मैं जो चाहूँ उसे रिमोट से देख सकता हूँ, और इसके लिए मुझे किसी से अनुमति नहीं लेनी पड़ेगी। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ।”
अपने दोस्त को अपने भविष्य की योजना बनाते हुए सुनते हुए मैंने अपनी बोतल का लेबल फाड़ दिया। मुझे अपने भविष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैं तो इन दिनों इसके बारे में सोच भी नहीं रहा था। "अगर तुम्हें अपनी मनमर्जी करने की आजादी मिले, तो तुम क्या सोचोगे?"

मुझे इसमें कोई शक नहीं है। मैं मूल अमेरिकी लोगों के अतीत का अध्ययन करूंगा और उनके भविष्य के लिए कुछ समाधान खोजने की कोशिश करूंगा। मैं उनकी बेहतर जिंदगी के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। हम उनके बहुत ऋणी हैं और मैं इस ऋण का हिस्सा बनना चाहता हूं। रिमोट व्यूइंग का इस भूमिका में कोई न कोई उपयोग जरूर होगा और मैं उसे ढूंढ निकालूंगा।

मुझे लगा था कि आप अपना ज़्यादा समय पृथ्वी से बाहर, अलौकिक प्राणियों की खोज में बिताएंगे।
क्या आप यही करना चाहते हैं?
“बिल्कुल नहीं! आप जानते हैं कि मैं इस बारे में क्या सोचता हूँ—मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि हमें पता है कि वे वहाँ हैं, और उन्हें पता है कि हम यहाँ हैं, लेकिन बस इतना ही। मुझे इससे कोई लेना-देना नहीं है।”
"यूनिट में काफी लोग ऐसा करते हैं। मुझे लगा था कि तुम भी इस मुहिम में शामिल हो जाओगे।"
“मैं नहीं। मेरी अपनी परेशानियाँ हैं, और बाकी मानवता की भी। मुझे लगता है कि समाधान यहीं रिवर सिटी में हैं, आकाशगंगा के दूर-दराज इलाके में नहीं। मैं जहाँ भी गया हूँ, वहाँ के स्थानीय लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त रहे हैं। वे हमारे बारे में बस थोड़ी-बहुत जिज्ञासा रखते हैं, बस इतना ही। आपका क्या ख्याल है?”
“खैर, मुझे भी इनमें कोई खास दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि ये बस ऊब चुके पड़ोसी हैं। ये हमारे पिछवाड़े में आकर देखते हैं कि क्या चल रहा है, लेकिन ये इंसानी नस्ल को बदलने के लिए तो बिल्कुल नहीं आए हैं। मतलब, बाहर आपने जितनी भी दूसरी नस्लें और प्रजातियाँ देखी हैं, उन्हें देखो। हम कोई खास नहीं हैं, है ना? बाहर कहीं ज़्यादा उन्नत और टिकाऊ प्रजातियाँ हैं— हमने उन्हें देखा है, तुमने, मैंने और इस यूनिट में मौजूद हर किसी ने।” “मुझे पता है। लोग अलौकिक जीवन को उसकी वास्तविकता से कहीं अधिक बढ़ा- चढ़ाकर पेश करना चाहते हैं। वे इसका विपणन करना चाहते हैं और हर किसी को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि हमारा भविष्य किसी भटकते अंतरिक्ष यात्री के हाथों में है, जबकि हमें यहीं धरती पर जवाब ढूंढने चाहिए। हमें विज्ञान,

चिकित्सा और शिक्षा के लिए रिमोट व्यूइंग का उपयोग करना चाहिए। सच में, यह संभव है—”
मेल ने मुझे बीच में ही रोक दिया। “ज़रा रुकिए। हेनरी! मेरे दोस्त के लिए एक और बियर लाओ; वो दार्शनिक बातें कर रहा है और उसकी बोतल खाली हो गई है। ठीक है, जाओ।”
मैंने एक घूंट लिया और अपनी बात वहीं से शुरू की जहाँ मैंने छोड़ा था। “देखिए, हम रिमोट व्यूइंग का इस्तेमाल करके एड्स, कैंसर या अल्ज़ाइमर जैसी बीमारियों का इलाज खोज सकते हैं। सही नियंत्रण, समर्पित व्यूअर्स का एक समूह और डेटा का विश्लेषण करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के साथ, हम रिमोट व्यूइंग से कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हम इसका इस्तेमाल क्या करते हैं? हम बुरे लोगों का पीछा करते हैं और दुश्मन पर जासूसी करते हैं, जबकि वे पलटकर हम पर जासूसी करते हैं। यह एक अपराध है कि हम रिमोट व्यूइंग को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते रहते हैं। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है।”
“अरे रुको, दोस्त, यह मत भूलो कि तुम कहाँ हो। यह मीड है, खुफिया एजेंसियों का अड्डा। एनएसए का कोई जानकार पहले से ही तुम्हारी उन टिप्पणियों की रिकॉर्डिंग किसी खुफिया अधिकारी को सुना रहा है, और आज रात जब तक तुम घर पहुँचोगे, तुम्हारा फोन टैप हो चुका होगा और तुम्हारे पड़ोसियों में से किसी को रिश्वत देकर तुम पर नज़र रखने के लिए कहा जा चुका होगा।”
हम दोनों हँस पड़े। “हाँ, मुझे पता है। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है। देखो, मुझे घर जाना है। मैं पहले ही बहुत मुसीबत में हूँ; मैं बदबूदार मुँह के साथ घर नहीं जाना चाहता और कुत्ते के साथ सोना नहीं चाहता। वो मेरे टाइप की नहीं है।”
हम बार से निकले और अपने-अपने रास्ते चल दिए। रिमोट व्यूइंग की संभावनाओं, बचाई जा सकने वाली जिंदगियों और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं के बारे में मेरे विचार मेरे मन से निकल ही नहीं रहे थे। मैंने उन विचारों को मन से निकाल दिया; मैं कुछ कर भी नहीं सकता था।

मेरी ट्रेनिंग लगभग पूरी हो चुकी थी। लेवी ने ऐसा कहा था, मेल ने तो मुझे प्रमोट करने का भी अनुरोध किया था। अगर उनकी चलती तो मैं एक महीने से ऑपरेशनल स्टेटस पर होता। लेकिन, हालांकि लेवी मेरी प्रगति से खुश थे,

अभी भी मदद की सख्त ज़रूरत है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्हें अभी तक यह एहसास हुआ था कि मैं कितनी बुरी हालत में पहुँच चुका था। और जहाँ तक डेबी की बात है, मैंने उसे एक साल से ज़्यादा समय से डेट पर नहीं ले गया था; हम दोनों ने एक-दूसरे से डेट की उम्मीद ही छोड़ दी थी। उसने नए दोस्त बना लिए, और मैं अपनी ही दुनिया में खो गया। मैंने इस विषय पर किताबें पढ़ीं; मैंने अपने हर अनुभव और बुरे सपने का विस्तृत रिकॉर्ड और डायरी बनाई। अज्ञात की खोज में इतना मग्न कि मेरे पास उन लोगों के लिए समय ही नहीं बचा था जो इसे समझ नहीं सकते थे।
कैथी और एशले जॉयनेर, रेंजर बटालियन के दिनों से मेरे सबसे करीबी दोस्त, जिन्हें मैं भाई-बहन की तरह प्यार करता था, अब मेरे लिए बस एक याद बनकर रह गए थे। जब मैंने रेंजर बटालियन छोड़ी थी—ऐसा लगता है जैसे सदियां बीत गई हों—एशले ने मेरे लिए एक खूबसूरत चाकू बनवाया था, जिसे मैंने सहेज कर रखा था। उस चाकू की सबसे खास बात थी उसके हैंडल पर उकेरा गया हाथ मिलाना, दो दोस्तों के बीच अटूट रिश्ते का प्रतीक। चाकू के हाथ से बने ओक के केस पर थियोडोर रूजवेल्ट का मशहूर कथन लिखा था, जिसका कुछ अंश इस प्रकार है, “आलोचक मायने नहीं रखता। वह व्यक्ति मायने नहीं रखता जो यह बताता है कि बलवान व्यक्ति कैसे लड़खड़ाया या कर्म करने वाला और बेहतर कैसे कर सकता था। श्रेय तो उसे जाता है जो वास्तव में मैदान में होता है। जिसका चेहरा धूल, पसीने और खून से सना होता है। जो बहादुरी से संघर्ष करता है, जो बार-बार गलती करता है और असफल हो जाता है।” मैंने चाकू को एक तरफ रख दिया; यह मुझे बहुत दर्दनाक तरीके से मेरे अतीत की याद दिलाता था।
डेबी हमेशा यही कहती थी कि अगर मैं वफादार रहूँ और चर्च की सभाओं में जाऊँ, कम से कम बच्चों के लिए एक उदाहरण बनने के लिए, तो वह लगभग हर मुश्किल का सामना कर सकती है। लेकिन मैंने चर्च छोड़ दिया, और चर्च ने भी जल्द ही मुझे छोड़ दिया। चर्च से मेरा आखिरी सामना 1989 की गर्मियों में एक धार्मिक सभा में हुआ था। मॉर्मन चर्च में यह रिवाज है कि सदस्य समय-समय पर बिशप द्वारा तय किए गए किसी विषय पर सभा को संबोधित करते हैं। पारंपरिक मान्यताओं के अनुरूप, विषय आम तौर पर सरल होते हैं, और सदस्यों के भाषण अनुभवजन्य, जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक होने चाहिए। डेबी और मुझे बोलने के लिए कहा गया था।

डेबी ने शानदार प्रस्तुति दी। दूसरी ओर, मुझे लगा कि सभा में उपस्थित लोगों को बहुत लंबे समय से केवल धार्मिक उपदेश ही दिए जा रहे हैं। मैंने निर्धारित विषय को दरकिनार करते हुए अपना एक विषय चुना: "मंदिर - अनुष्ठानों से परे।" मेरी बातचीत में आयामीता, खगोल विज्ञान, अन्य लोकों और प्राणियों, ईश्वर का वास्तविक स्वरूप और हमारे साथ उनके व्यवहार के पीछे के कारणों जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मैंने सभा में उपस्थित लोगों को अपने विचारों का विस्तार करने, चर्च की किताबों और रटी-रटाई शिक्षाओं से परे जाकर, अपनी कल्पना से भी कहीं अधिक बनने की चुनौती दी।
मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे पागल समझ लिया था। जब मैंने अंत में "आमीन" कहा, तो दो सौ लोगों की सभा में शायद पाँच लोगों ने ही मेरे साथ "आमीन" कहा होगा। उस समय मैं बहुत क्रोधित था। मुझे लगा कि यह प्रतिक्रिया संगठित धर्म का एक सटीक उदाहरण है: खुद को चुनौती मत दो, सवाल मत पूछो, बस अपनी जगह पर बैठो और शांति से सांस लो; ईश्वर तुम्हें इसका फल देगा। मुझे हैमलेट के तीसरे अंक, दूसरे दृश्य की याद आई: "कुछ को जागते रहना चाहिए, जबकि कुछ को सोना चाहिए; इसी तरह दुनिया चलती रहती है।" भाग जाओ, नन्ही भेड़, और अपनी छोटी सी दुनिया में सुरक्षित रहो; मेरे पास तुम्हारे लिए अब समय नहीं है। मैं वापस नहीं लौटा।

यह सन् 1990 का पतझड़ का मौसम था। मेल कुछ ही महीनों में रिटायर होने वाले थे और मैं उन्हें कुछ ऐसा देना चाहता था जिससे वो मुझे याद रखें। मैंने डेबी को मना लिया कि मैं अपनी बचत से कुछ पैसे निकाल लूँ, और मैंने उनके लिए एक डोंगी खरीद ली। उन्हें मछली पकड़ने के लिए कुछ चाहिए था, कुछ ऐसा जिससे वो रोज़मर्रा की भागदौड़ से दूर सुकून पा सकें। मुझे अलेक्जेंड्रिया में एक दुकान मिली जहाँ डोंगियाँ बिकती थीं; जब तक मैंने सारी जानकारी जुटा ली और हर सवाल पूछ लिया, तब तक दुकानदार ने दुकान के सामने वाले आँगन में ग्यारह डोंगियाँ सजाकर रख दी थीं। मैं हर एक डोंगी में कम से कम पाँच बार बैठा। मैंने नकली चप्पू चलाने का अभ्यास किया, जिससे दुकानदार और वहाँ मौजूद नौकाओं की कीमत जानने वाले लोग खूब हँसे। मैंने तो हर डोंगी को उठाकर आँगन में दो-तीन बार घुमाया भी। दुकानदार ने सोचा होगा कि मैं पागल हो गया हूँ, जब मैंने एक डोंगी की ओर इशारा करते हुए कहा: "मुझे

यही वाली चाहिए!" उसने कागज़ात पूरे किए और डोंगी इतनी तेज़ी से मेरी कार में बाँध दी कि मुझे लगा जैसे मैंने अभी-अभी बिग मैक खरीदा हो।
जब मैंने डोंगी पहुँचाई तो मेल के चेहरे पर जो खुशी थी, वो देखकर सारी मेहनत सार्थक हो गई। मानो क्रिसमस आ गया हो और वो फिर से बारह साल का हो गया हो। एडिथ, भगवान भला करे उसका, स्वाभाविक रूप से इस बात को लेकर चिंतित थी कि सामान पैक करने वालों के आने तक उस डोंगी का क्या होगा। मेल के पास तो कई विचार थे, जिन्हें वो खुशी-खुशी उसके साथ साझा करना चाहता था। मैंने उन्हें सड़क के किनारे लंबी बातचीत करते हुए छोड़ दिया और चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान लिए घर की ओर चल पड़ा।

शुक्रवार का दिन था, साप्ताहिक स्टाफ मीटिंग का समय हो गया था। सब लोग धीरे-धीरे पीछे वाले कमरे में आकर बैठ गए और लेवी के आने का इंतज़ार करने लगे। मैं हमेशा मेल के बगल में बैठता था; जब मीटिंग उबाऊ हो जाती थी, तो मैं उस पर भरोसा कर सकता था कि उसके पास दो-तीन पन्नों पर बनी आकृतियाँ और रेखाचित्र होंगे जिन्हें मैं देखता रहता था। यह देखकर आश्चर्य होता था कि वह बोर होने पर क्या-क्या बना सकता था। अफसोस की बात है कि लेवी उसे मीटिंग के दौरान मनके का काम नहीं करने देता था।
बैठकों में कैरोल और जूडी हमेशा की तरह व्यंग्यात्मक थीं। प्रैट और पॉल भले ही सो रहे हों, लेकिन उनकी आँखें हमेशा खुली रहती थीं और वे बोलने वाले की बातों पर नज़र रखते थे। हालांकि, अगर आप बैठक समाप्त होने के दो मिनट बाद उनमें से किसी से भी बैठक के बारे में कोई सवाल पूछते, तो उन्हें बिल्कुल भी समझ नहीं आता कि आप क्या पूछ रहे हैं। शायद यह उनकी एक खास कला है।
कैथलीन हमेशा चौकस और समय की पाबंद थी। वह नोट्स भी बनाती थी, बिल्कुल उन छोटी लड़कियों की तरह जिनसे मुझे स्कूल में हमेशा नफरत रहती थी - सुंदर, बुद्धिमान, और टीचर की चहेती। लिन भी कैथलीन जैसा ही था, बस फर्क इतना था कि वह लड़का था, जिससे मामला और भी बिगड़ गया।
लेवी आखिरकार हाथ में डाइट सोडा लिए आ गया। "क्या हम सब यहाँ हैं?" यही सवाल वह हमेशा पूछता था, हालाँकि उसे कभी जवाब नहीं मिलता था। "अच्छा! मुझे कुछ प्रशासनिक घोषणाएँ करनी हैं। पहली बात, कोई फ्रिज से सोडा निकाल रहा है और उसके पैसे नहीं दे रहा है। जिसने भी ऐसा किया है, उसे सोडा के लिए रखे

गए पैसे में लगभग बारह डॉलर डालने होंगे। बस कर दीजिए, इसके बारे में और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है।"
मैंने मेल को कोहनी मारी और फुसफुसाते हुए कहा, "पैसे चुकाओ, बेवकूफ।"
वह बस मुस्कुराया। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी उसके हाथ में सोडा देखा था।
लेवी ने आगे कहा, “दूसरा, अगर आप यूनिट की गाड़ी का इस्तेमाल करके डीआईए में क्लास लेने जाते हैं”—उन्होंने कैथलीन और प्रैट की ओर देखा, जो डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी में क्लास लेने वाले इकलौते लोग थे—“तो मैं आपसे निवेदन करूंगा कि गाड़ी लौटाने से पहले उसमें पेट्रोल भरवा लें, ताकि कोई अनजान व्यक्ति उसमें बैठकर मुख्यालय जाने की कोशिश न करे और फिर उसे किसी पेट्रोल पंप तक पैदल जाना पड़े क्योंकि किसी लापरवाह व्यक्ति ने पेट्रोल खत्म कर दिया था! तीसरा, डेविड अब ऑपरेशनल है। चौथा, हमें अगले हफ्ते डॉ. कॉम्पटन के रिटायरमेंट समारोह में मौजूद रहना है। अगर आप—” “ज़रा रुकिए!” मैंने कहा। “क्या हम आइटम नंबर तीन पर वापस जा सकते हैं? क्या आपने कहा कि मैं ऑपरेशनल हूँ?”
मेल मुझे नीचा दिखाने का मौका नहीं छोड़ना चाहती थी। “उस आदमी ने यही कहा था—क्या तुमने नोट्स नहीं लिए? मुझे लगता है हमें डेव को एक-दो महीने की और ट्रेनिंग देनी चाहिए, बिल। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि एक ऑपरेशनल व्यूअर नोट्स नहीं लेगा; तुमने नोट्स लिए थे ना, कैथलीन?” उसने अपना कागज़ ऊपर उठाते हुए हँसते हुए कहा। “देखो! कैथलीन ने नोट्स लिए थे।”
“ठीक है, ठीक है! चलिए काम पर वापस आते हैं,” लेवी ने कहा। वह एक घंटे तक लगातार बोलते रहे, लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा; मैं तो बस एक दर्शक था। अब कोई प्रशिक्षण लक्ष्य नहीं; अब से असली काम शुरू होगा, और वही मायने रखेगा।

लेवी की घोषणा के लगभग दो घंटे बाद से मैं ऑपरेशनल लक्ष्यों पर काम कर रहा था, लेकिन मेल को कभी भी ऑपरेशनल मिशन पर मुझे देखने का मौका नहीं मिला। वह उसी दिन चुपचाप चला गया, हालांकि छुट्टी खत्म होने और घर का सामान पैक करने के दौरान वह बीच-बीच में आता-जाता रहा। छह हफ्ते बाद वह चला गया। जब मैं किसी काम से ऑफिस से बाहर था, तब वह आखिरी बार अलविदा कहने आया, और जब मैंने उसके क्वार्टर में फोन किया, तो फोन डिस्कनेक्ट था। मैं वहां गया, उम्मीद

थी कि शायद निकलते समय उससे बात हो जाए, लेकिन दरवाजा बंद था और उसकी गाड़ी जा चुकी थी। सत्रह घंटे बाद वह एक नई जिंदगी शुरू करने वाला था।
मैंने उसके लिए खुश होने की कोशिश की। हालाँकि, उसकी अनुपस्थिति की आदत पड़ने में मुझे काफी समय लगा। कैथलीन और लिन अच्छे लोग थे, और मैं उनके करीब थी, लेकिन मेल के जितनी करीबी कभी नहीं थी।
अगले कुछ हफ्तों में, लेवी ने घोषणा की कि वह भी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जो एक झटके के रूप में सामने आया। उनका स्थान कौन लेगा? उनके मार्गदर्शन के बिना हमारी इकाई कैसी होगी? इसी दौरान डीआईए से एक कर्नल कार्यालय में आए। मुझे उसी दोपहर कार्यालय में बुलाया गया।
“डेविड, मैं डीआईए से कर्नल वेल्च बोल रहा हूँ। वह आपसे किसी विषय पर बात करना चाहते हैं।”
मुझे पसीना आने लगा।
वेल्च ने लेवी की टूटी-फूटी अतिथि कुर्सी पर खुद को ठीक से बैठाया। "कुछ बात सामने आई है और हमें डीआईए में आपके भविष्य के बारे में आपसे बात करने की ज़रूरत है।"
मुझे पूरा यकीन था कि वह मुझसे यही कहेगा कि मेरे बुरे सपनों की वजह से मुझे कार्यक्रम छोड़ना पड़ेगा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि लेवी मुझे इस तरह अकेला छोड़ देगा और यूनिट के लिए इतना कुछ सहने के बाद मुझे जाने देगा।
“आपको मेजर के पद पर पदोन्नति के लिए चुना गया है, और आपको फोर्ट लेवेनवर्थ, कंसास में सेना के कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज में भाग लेने का अवसर मिलेगा।” उन्होंने मुझसे हाथ मिलाया। “बधाई हो!”
मैं चौंक गया। इसका क्या मतलब था? "धन्यवाद महोदय, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैं यह चाहता/चाहती हूँ। मेरा मतलब है, लेवेनवर्थ वाली बात। क्या मैं पदोन्नति पाकर यहीं नहीं रह सकता/सकती?"
वेल्च यह सुनकर स्पष्ट रूप से अचंभित रह गया। "तुम्हारा मतलब क्या है?" लेवी ने मेरी मदद करने की कोशिश की। "मुझे यकीन है कि कैप्टन मोरहाउस का मतलब यही है कि उन्हें बस इस बात को समझने के लिए कुछ समय चाहिए। बस इतना ही।"

“नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है,” मैंने आपत्ति जताई। “मैं यहाँ से फोर्ट लेवेनवर्थ जाकर सीजीएससी नहीं करना चाहता। आप यह सीट किसी और को दे दीजिए, और मैं नॉन-रेजिडेंट कोर्स कर लूँगा।”
“क्या तुम बेवकूफ हो या सीधे-सीधे मूर्ख? सेना तुम्हें यह देकर कुछ बताने की कोशिश कर रही है। ऐसे कई नौजवान लड़के-लड़कियां हैं जो सीजीएससी में रेजिडेंट पद पाने के लिए तरसते हैं, और तुम इसे कुछ सनकी लोगों के लिए गंवाना चाहते हो?”
लेवी की भौंहें तन गईं। "माफ़ कीजिए, कर्नल—"
वेल्च ने उसे बीच में ही रोक दिया। “बिल, ज़रा सब्र रखो। मैं इस लड़के से बात कर रहा हूँ—जो, सबसे पहले तो, साफ़ तौर पर नहीं जानता कि वह किस मुसीबत में फँस गया है। इससे भी बुरी बात यह है कि उसे समझ नहीं आ रहा कि उसे क्या सुनहरा मौका थाली में परोसकर दिया जा रहा है। सुनो, मोरहाउस! तुम इस मौके को यूँ ही हाथ से जाने नहीं दोगे, खासकर इस यूनिट में तैनाती के लिए तो बिल्कुल नहीं। चाहे जितना रोना-धोना करो, लेकिन अगर तुम्हें लगता है कि तुम सीजीएससी नहीं जाओगे, तो यहीं रहने की कोशिश करो और मैं तुम्हें यहाँ से हटवा दूँगा। यह एक घटिया ऑपरेशन है और इसमें न तो पैसा वापस आएगा और न ही नए कर्मचारी रखे जाएँगे। तुम एक इंटेलिजेंस ऑफिसर के पद पर एक इन्फैंट्री ऑफिसर हो। तुम यहाँ बिल्कुल अलग दिख रहे हो। लोग जानते हैं कि तुम यहाँ हो—वे लोग जिनके लिए तुम पहले काम करते थे। उन्हें लगता है कि तुम्हें तुम्हारी मर्ज़ी के खिलाफ़ रखा गया है, और वे तुम्हें वापस इन्फैंट्री में भेजना चाहते हैं। क्योंकि मैं उन्हें जानता और पसंद करता हूँ, इसलिए मैं उन्हें यह सुनने की तकलीफ़ से बचाऊँगा कि उनका लड़का यहाँ रहना चाहता है। यहाँ से दफ़ा हो जाओ। तुम जा रहे हो। जहां सेना को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत है। अभी जाइए!
“जी हाँ!” इससे पहले कि वह एक और तीखा हमला बोल पाता, मैं दरवाजे से बाहर निकल गया, लेकिन लेवी को उस आदमी की दस मिनट और झेलनी पड़ी। मैंने वेल्च को उस दिन से पहले कभी नहीं देखा था और न ही फिर कभी देखा, लेकिन मेरे यूनिट छोड़ने की तैयारी शुरू हो चुकी थी। इसमें कुछ समय लगेगा—शायद एक साल तक— लेकिन मैं सन स्ट्रीक छोड़ने वाला था।

मेरे सबसे दिलचस्प ऑपरेशनल लक्ष्यों में से एक लेबनान में बंधक बनाए गए संयुक्त राष्ट्र के पर्यवेक्षक मरीन लेफ्टिनेंट कर्नल हिगिंस की खोज थी। डीआईए के ग्राहकों के लिए उनकी स्थिति और ठिकाने का पता लगाने का हमारा प्रयास अब तक के सबसे जटिल मिशनों में से एक था। हममें से प्रत्येक ने आठ से दस खोज सत्र किए; हिगिंस को बार-बार एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था, लेकिन हमने उन्हें बार-बार ढूंढ निकाला और जानकारी आगे भेजी। इसका कोई नतीजा नहीं निकला - यानी, किसी ने भी बचाव अभियान शुरू नहीं किया। यूनिट के सदस्यों के लिए हिगिंस की पीड़ा को महसूस करना और उनकी बिगड़ती शारीरिक और भावनात्मक स्थिति को दिन-प्रतिदिन बिना किसी राहत की उम्मीद के समझना मुश्किल था। कई लोगों को हिगिंस के दर्द को महसूस करने में बहुत कठिनाई हुई, ताकि वे ऐसी खुफिया जानकारी दे सकें जिस पर कभी कार्रवाई न की गई। मैं उनकी परेशानी समझता था, और मैंने सेना के तर्क को समझाने की कोशिश की। कोई भी रिमोट व्यूअर्स से मिली जानकारी के अलावा किसी और आधार पर बचाव अभियान शुरू करके जान जोखिम में नहीं डालने वाला था। केवल हमारी खुफिया जानकारी के भरोसे जान जोखिम में डालना पागलपन होता; चीजें इस तरह से नहीं की जाती थीं। हमने जो जानकारी जुटाई, उसका उद्देश्य अधिक ठोस, विश्वसनीय और पारंपरिक रूप से प्राप्त डेटा को पूरक और संतुलित करना था। यदि दो या अधिक "संग्रह स्रोतों" से हमारे निष्कर्षों की पुष्टि हो जाती, तो मुझे पूरा विश्वास है कि बचाव कार्य हो जाता।
अगर इससे आपको थोड़ी तसल्ली मिले, तो हमारी यूनिट ने पता लगाया कि हिगिंस की मौत उनके शव को वीडियो में दिखाए जाने से कई घंटे पहले ही हो चुकी थी: उनकी मौत फांसी से नहीं, बल्कि टूटे हुए मनोबल और टूटे हुए दिल से हुई थी। उनके क्रूर अपहरणकर्ता, उनकी अचानक मौत से निराश होकर, अपनी गलती का फायदा उठाने की कोशिश में, उन्हें चुनौती देते हुए उनके शरीर को फांसी पर लटका दिया। हिगिंस उनके लिए मरे हुए किसी काम के नहीं थे; वे एक ऐसा मोहरा थे जिसे वे अपने पास रखने में नाकाम रहे। अगर इससे आपको और भी तसल्ली मिले, तो वह इस दुनिया से कहीं बेहतर जगह पर हैं। वह खुश हैं, व्यस्त हैं और अमर हैं। सात दूर बैठे दर्शकों ने इसकी पुष्टि की।
स्कॉटलैंड के लॉकरबी के ऊपर विस्फोट होने से पैन एम फ्लाइट 103 के नष्ट होने के तुरंत बाद के नौ दिनों में एक और ऑपरेशनल मिशन चलाया गया। जिस सुबह हमें मिशन का कार्यभार सौंपा गया, वह एक बर्फीली सुबह थी। केवल हम ही

सन स्ट्रीक से निकले हुए मुझे लगभग तीन महीने हो गए थे कि मुझे फिर से बुरे सपने आने लगे। मुझे लगा कि यह इसलिए हो रहा है क्योंकि मैं ईथर में समय नहीं बिता रहा था। मैं किसी भी चीज़ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था; मैं खुद को अलग-थलग और खाली महसूस कर रहा था। मेरे दिमाग में यूनिट में देखे गए दृश्य घूम रहे थे; भावनाओं की लहरों में डूबकर मैं खुलकर और अक्सर रोता था। मैं धीरे-धीरे भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से बिखर रहा था। एक ऐसी दुनिया में कड़वाहट और खोया हुआ महसूस कर रहा था जो न तो समझती थी और न ही परवाह करती थी कि मैं किस दौर से गुज़रा हूँ, मैं खुद से बातें करता था और अपने दिमाग में उमड़ने वाले दृश्यों को स्केच करता था। मुझे प्रत्यक्ष मदद की ज़रूरत थी, किसी ऐसे व्यक्ति के हस्तक्षेप की जो ईथर को जानता हो। लेकिन कैथलीन जा चुकी थी, मेल जा चुकी थी, लेवी जा चुकी थी—ईथर की भाषा बोलने वाले सभी लोग जा चुके थे। मैं एक संन्यासी बन गया, दिन में कभी अपने ऑफिस की इमारत से बाहर नहीं निकलता था। सप्ताहांत में, मैं शायद ही कभी घर से बाहर निकलता था या दाढ़ी बनाता था। मुझे नींद से डर लगता था, मैं लंबे समय तक जागता रहता था, और हर रात मैं टीवी और रेडियो दोनों एक साथ चलाता था, ताकि शोर और मेरे दिमाग में उमड़ने वाली तस्वीरों को दबा सकूँ। मुझे फिर से उस इकाई के नियंत्रण में आने की ज़रूरत थी; मुझे ईथर की ज़रूरत थी; मुझे ऐसे दोस्तों की ज़रूरत थी जो समझ सकें कि मेरे साथ क्या हो रहा है।
एक रात मैं नींद से बेहाल होकर सोफे पर दुबक गया, अंधेरे के शोर से बचने के लिए मैंने अपने कान हाथों से ढक रखे थे। खांसते-खांसते मेरी नींद टूट गई, लॉकरबी और डाचाऊ की तस्वीरें मेरे दिमाग में घूम रही थीं, उस दुनिया की सारी भयानक घटनाएं जिन्हें मैं अच्छी तरह से जान चुका था। मैं बेहोशी और होश में आता-जाता रहा, मेरे चारों ओर अतीत के चेहरे थे। मैंने एक युवा लेफ्टिनेंट को देखा, जिसने मेरे साथ रेंजर बटालियन में सेवा की थी, एक विमान दुर्घटना में अपने प्रियजन के साथ मरते हुए। मुझे उसकी मृत्यु का वैसा ही एहसास हुआ जैसा कई साल पहले माइक फोली की मृत्यु का हुआ था। मैं कुछ देर के लिए जागा और देखा कि बैठक कक्ष की परछाइयाँ जीवंत हो उठी हैं। कमरे की हर वस्तु एक जीवित परछाई की तरह लग रही थी जो मुझे डरा रही थी। चीखते-चिल्लाते मैं भागा, दीवारों से टकराता और लड़खड़ाता हुआ। मैं अक्टूबर की ठंडी हवा में बाहर भागा और घास और पत्तों की ओट में गिर पड़ा।

अपने नीचे की जीवित चीजों को गले लगाते हुए, मैं सूर्योदय तक वहीं लेटा रहा।
“डेव, तुम ठीक हो?” मेरे ऊपर से एक आवाज़ आई। ये मेरे दोस्त डेविड गोल्ड थे, जो मेरे बेटे की हॉकी टीम के कोच हैं। वो माइकल को लेने आए थे और मुझसे पूछने आए थे कि क्या मैं उनके साथ मैच देखने चलूँ। “डेव? मैं हूँ डेविड गोल्ड। क्या तुम्हें उठने में मदद चाहिए?”
रात भर लॉन में रहने के कारण ठंड और अकड़न से मैं बड़ी मुश्किल से खड़ा हो पाया। मेरी हालत बहुत खराब थी और मेरा बेटा देख रहा था कि उसका कोच उसके पिता को घर में ले जाने में मदद कर रहा है। मेरे पास से गुजरते ही उसकी आंख से एक आंसू गिर गया। डेबी नाइटगाउन पहने सीढ़ियों से नीचे आई।
“क्या हुआ? क्या वह ठीक है?” वह मेरे बारे में ऐसे बात कर रही थी मानो मैं वहाँ था ही नहीं, मानो मैं कोई वस्तु हूँ और अब उसका पति नहीं हूँ।
“मुझे नहीं पता,” गोल्ड ने कहा। “मुझे लगता है कि उसने रात घर के सामने वाले लॉन में बिताई।”
“हे भगवान, डेविड, तुम्हें क्या हो रहा है? क्या तुम्हें दिखाई नहीं दे रहा कि तुम खुद को बर्बाद कर रहे हो?”
मैंने लाल और धंसी हुई आँखों से उसे घूरकर देखा। "यही तो समस्या है, मेरी प्यारी। मुझे अब कुछ भी दिखाई नहीं देता।"

मैं सुबह करीब नौ बजे ऑफिस पहुँचा, अपना की कोड डाला और ऑफिस की ओर चल पड़ा। अपने करियर में पहली बार मैं ईमानदारी से कह सकता था कि मेरा बॉस एक बदतमीज़ इंसान था; उसका बॉस भी बदतमीज़ ही था। लेकिन यह एक छोटी यूनिट थी जिसका शेड्यूल बहुत लचीला था; लोग अपनी मर्ज़ी से आते-जाते थे, उन पर भरोसा किया जाता था कि वे अपने गुप्त प्रोजेक्ट्स को चलाने के लिए जो भी ज़रूरी होगा वो करेंगे। वे स्वतंत्र ऑपरेटर थे, कुछ बहुत काबिल थे और कुछ असली सेना से छिप रहे थे, वो सेना जो उनके गुप्त प्रोग्राम्स के बाहर थी।
लगभग अठारह धोखेबाजों की एक छोटी टीम को रखने का खर्च 40,000 डॉलर प्रति माह था। सेक्रेड केप की तरह, यहाँ भी सभी एक-दूसरे को नाम से बुलाते थे। पद, वर्दी और सैन्य अनुशासन का कोई भी नामोनिशान उस दिन गायब हो जाता था जिस दिन आप ड्यूटी पर आते थे। ऐसा लगता था कि यह इस जगह की सबसे बड़ी खासियत थी, साथ ही इमारत के मालिक द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कॉफी भी।

शायद ही कभी बीस शब्द भी बोले हों। वे हर दिन जी-तोड़ मेहनत करते थे, और बदले में उन्हें सिर्फ पाखंडियों और पेशेवर जासूसों द्वारा उनकी पीठ पर हाथ रखकर उन्हें और भी ज्यादा पत्थर में गाड़ने की कोशिश करने का सुख मिलता था। वह एक अच्छा, कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित और पेशेवर व्यक्ति था, और मुझे उसके लिए बहुत दुख हुआ कि उसे ऐसी जगह पर रहना पड़ रहा था। कार्यकारी अधिकारी, जो यूनिट में दूसरे नंबर का अधिकारी था, एक छोटा लेकिन बेहद ऊर्जावान व्यक्ति था जो हर दिन पूरी ऊर्जा के साथ काम करता था। उसमें असीम ऊर्जा थी और वह हमेशा अच्छे विचारों से भरा रहता था। वह अपने अधीन काम करने वाले हर सैनिक की भलाई के लिए अजीब तरह से चिंतित रहता था, भले ही उनमें से कई वर्दी पहनने के लायक न हों। वह रक्षा करने वाला और समर्पित था; वह जानता था कि मुझे यह जगह पसंद नहीं है और उसने मुझे कट्टरपंथियों और हत्यारों से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।
और वह टीम फाइव थी, या एलाइड टेलीकम्युनिकेशंस, जैसा कि खुफिया हलकों में इसे जाना जाता था।
इस समय तक मेरी ज़िंदगी बेहद बदहाल हो चुकी थी। ज़ाहिर है, डेबी और मेरे बीच अनबन रहती थी; मैं बच्चों से बहुत कम मिलता था, और जब मैं रात को पार्किंग में जाता तो मुझे कभी पता नहीं होता था कि मैं घर पहुँचूँगा या कहीं खो जाऊँगा और ईस्टन, मैरीलैंड चला जाऊँगा। मैं एक साधु की तरह जी रहा था, अपनी कार में या जो भी मुझे रात भर अपने घर में पनाह देता, सो जाता था। मेरे सारे कपड़े या तो कार की डिक्की में होते थे या पिछली सीट के फर्श पर। इस समय तक, मैंने सेना पर, अपने परिवार पर और सबसे बढ़कर खुद पर से सारा भरोसा खो दिया था। किसी ने मुझसे एक बार कहा था कि जब आप इतने बुरी तरह से बर्बाद हो जाते हैं कि आपको पता होता है कि हालात इससे बदतर नहीं हो सकते, तो एक तरह की आज़ादी मिलती है। मैंने यह बात लिख ली और हर जगह अपने साथ रखता था। मुझे लगा कि मैं बिल्कुल निचले स्तर पर पहुँच गया हूँ, जब तक कि नवंबर 1990 में डेबी और मैं औपचारिक रूप से अलग नहीं हो गए। मेरे कार्यकारी अधिकारी ने मुझे अपने कानूनी अलगाव के कागज़ात उधार दिए, ताकि मैं उनकी कॉपी बना सकूँ और वकील के खर्च से बच सकूँ। मैं उन्हें घर पर छोड़कर एक बार की ओर चल पड़ा, जहाँ मुझे उम्मीद थी कि मैं अपने द्वारा किए गए काम को भूल जाऊंगा।

कुछ समय से, वास्तविकता और आकाश के बीच होने वाले ये अचानक और अप्रत्याशित बदलाव मुझे बीमार कर रहे थे। जैसा कि मैंने बताया है, रेडियो या टीवी की तेज़ आवाज़ के बिना मैं सो नहीं पाता था, क्योंकि मेरे दिमाग में चल रहे शोर से मैं पूरी तरह पागल हो जाता था। मैंने खुद को गोली क्यों नहीं मारी, यह मैं कभी नहीं जान पाऊंगा। शायद यह किसी फ़रिश्ते का संदेश था, हालांकि अब वह धुंधला सा लगता है। शायद यह मेरे परिवार का प्यार था, ऐसा प्यार जो समय और स्थान से परे है, दर्शकों से भी कहीं बेहतर। शायद यह ईश्वर की दया और करुणा थी कि उन्होंने मुझे हमेशा के लिए आकाश में छलांग लगाने से रोक दिया। मैं दो साल के नशे से उबरने वाले किसी नशेड़ी की तरह था। मेरा मन और शरीर उस बदली हुई अवस्था के आनंद, दो स्थानों पर एक साथ होने के रोमांच, और सन स्ट्रीक में मेरी अनूठी पहचान के लिए तरस रहा था। टीम फाइव में मैं बस एक और पेशेवर झूठा था, करदाताओं के पैसे पर पल रहा था और झूठ बोलकर अपना काम चला रहा था। जब भी कोई मुझसे पूछता कि मैं क्या काम करता हूँ, तो मैं सिहर उठता था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपने बॉस की अपेक्षा के अनुसार झूठ बोलकर कीचड़ उछाल रहा हूँ। यह ऐसा था जैसे शनिवार रात को दलाली करना और रविवार सुबह जल्दी उठकर सभा में नैतिकता का उपदेश देना।

मंगलवार का दिन था; डेजर्ट शील्ड एक तूफ़ान में बदल चुका था, और उसके बाद के सौ घंटे समाप्त हो चुके थे। हमें एक स्पष्ट जीत मिली थी, और नायकों की कोई कमी नहीं थी। युद्ध में निष्क्रिय रहे हर सैनिक की तरह, मुझे भी ठगा हुआ महसूस हुआ, मानो मैंने सोलह साल तक हर दिन एक फुटबॉल मैच के लिए अभ्यास किया हो, और एक दशक में होने वाले एकमात्र निर्धारित मैच के दिन मुझे टीम के लिए सोडा खरीदने और मैच के बाद की पार्टी के लिए उन्हें बर्फ में ठंडा करने के लिए कहा गया हो। हालांकि, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि डेजर्ट स्टॉर्म के बाद के महीनों में सेना के नेतृत्व ने हम जैसे निष्क्रिय सैनिकों को सहज महसूस कराने और टीम का हिस्सा बनाने की पूरी कोशिश की। फिर भी, हममें से अधिकांश को ऐसा लग रहा था जैसे हम पार्टी में सोडा ढो रहे हों।
उस मंगलवार को मैं दफ्तर में बैठा था, खिड़की के छोटे से शीशे से बाहर देख रहा था और रात में मेरे मन में आए दृश्यों को बेतरतीब ढंग से स्केच कर रहा था। तभी फोन की घंटी बजी और मैं चौंककर वास्तविकता में लौट आया।

“डेविड? मैं रॉबर्ट क्रॉकर हूँ। क्या तुम्हें मैं याद हूँ?”
“हाँ, मुझे याद है!” मेरे यूनिट छोड़ने से ठीक पहले क्रोकर को सन स्ट्रीक में तैनात किया गया था।
“आप कैसे हैं? सिरदर्द या जो भी समस्या थी, वह कैसी चल रही है?”
“ये बुरे सपने हैं, सिरदर्द नहीं। अगर सिर्फ सिरदर्द होते तो मैं एस्पिरिन ले लेता!”
मुझे खेद है, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था—”
मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "देखिए, आपसे बात करके बहुत अच्छा लगा, और हाँ, मुझे यूनिट की बहुत याद आती है; और हाँ, मैं वापस आने के लिए हर संभव कोशिश करूँगा। तो, चूंकि ऐसा होने वाला नहीं है, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?"
"बस यही बात है। श्री नोफी चाहते हैं कि आप वापस आएं।"
“श्रीमान नोफी, क्या?”
जॉन नोफी ने स्टारगेट के कार्यक्रम निदेशक के रूप में लेवी का स्थान लिया था और उन्होंने कार्यक्रम प्रबंधन की अपनी अनूठी शैली स्थापित की थी। उनकी प्रशंसा इस बात के लिए की जा सकती है कि उन्होंने मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में इकाई की गतिविधियों का स्तर बढ़ाया था; हालांकि, मेरी राय में, उन्होंने चैनलिंग और टैरो कार्ड जैसी अप्रमाणित विधियों पर अनुचित रूप से अधिक जोर दिया था।
"वह चाहता है कि आप वापस आएं - यानी अस्थायी रूप से - खाड़ी में एक परियोजना पर काम करने में मदद करने के लिए।"
“क्या तुम मुझे बेवकूफ बना रहे हो? अगर ऐसा है, तो मैं अभी वहीं आऊंगा और—” “देखो, मोरहाउस, उसने मुझे तुम्हें फोन करने के लिए कहा था, और मैं वही कर रहा हूँ। अगर तुम बदतमीज़ी करना चाहते हो, तो किसी और के साथ बदतमीज़ी करो; मेरे पास समय नहीं है।”
मेरा गुस्सा भड़क उठा और मैं कुछ देर चुप रही। मैंने गुस्से से कहा, “तुमने मुझे बुलाया, और मुझसे उम्मीद की जा रही है कि मैं अपना काम छोड़कर, जो वैसे तो ज़्यादा कुछ नहीं है, लेकिन कर रही हूँ, नोफी के लिए काम करने के लिए वहाँ दौड़कर जाऊँ? नोफी से कह देना कि वो भाड़ में जाए। मैंने उससे पाँच महीने पहले मुझे वापस लेने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया था,

क्योंकि उसे कुछ नए लोगों की ज़रूरत थी। उसका मतलब था कि उसे कोई ऐसा चाहिए था जिसे दिमागी समस्या न हो। हाँ, तुम उससे कह देना कि वो भाड़ में जाए।”

“ठीक है, मैं उसे बता दूंगा।” क्लिक।
मैंने गहरी सांस ली और फोन डायल किया। “क्रॉकर, मैं मोरहाउस हूं। उसे गाली मत देना। मुझे कब वहां चाहिए?”
"मैं उसे बताने वाला नहीं था; मुझे लगा कि तुम मान जाओगे।"
“ओह। मैं इसकी सराहना करता हूँ।”
“क्या कल सुबह आपको ठीक रहेगा? लगभग नौ बजे।”
"अरे, मेरे लिए तो अभी थोड़ा जल्दी है, लेकिन शायद मैं आ जाऊँगा।"
“हाँ, मैंने सुना है कि वहाँ आपकी ड्यूटी काफी कठिन थी…। तो, मुख्य भवन में आइए, श्री नोफी आपको और बाकी सभी को जानकारी देंगे। ठीक है?”
“ज़रूर। अरे, आप और किसे ला रहे हैं? मेरा मतलब है, और कौन-कौन चला गया है?” “खैर, मेल रिले तो निश्चित रूप से, और एक और महिला। कैथलीन मिलर याद है?” “कैथलीन, है ना? वो अच्छी है, उसे फिर से देखकर अच्छा लगेगा।”
‘‘यह एक शानदार पुनर्मिलन होगा। कल सुबह मिलते हैं।’’
“ठीक है।” मैंने रिसीवर नीचे रख दिया और गहरी साँस ली। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि चीखूँ, चिल्लाऊँ या रोऊँ। मुझे फिर से एक मिशन मिला था, एक असली मिशन, अंतरिक्ष में।

अगली सुबह मैं तीस मिनट पहले पहुँच गया। जेनी ने दरवाज़े पर मेरा स्वागत किया और मुझे गले से लगा लिया और गाल पर ज़ोरदार चुंबन दिया। "मुझे यहाँ तुम्हारी कमीज़ों की बहुत याद आती है, तुम्हें पता है ना?"
"मैं तुम्हें बता दूँ, जेनी, कहीं पर तुम्हारी कमी महसूस होना अच्छा लगता है।"
“आप और डेबी के बीच सब कैसा चल रहा है? हमने सुना था कि आप दोनों अलग हो गए हैं—क्या आप तलाक तो नहीं ले रहे हैं?”
“मुझे नहीं पता, जेनी: सब कुछ इतना उलट-पुलट हो गया है। मुझे पता है कि मैं तलाक नहीं चाहता, लेकिन मैं अपना दिमाग ठीक से नहीं रख पा रहा हूँ।”

“मैं आप दोनों के लिए शुभकामनाएं देती हूं, आप जानते ही हैं। आप दोनों एक बेहतरीन जोड़ी हैं, आप दोनों किसी न किसी तरह से सब ठीक कर लेंगे। बस कोशिश करना कभी मत छोड़ना।” वह मुस्कुराई। “कॉफी तैयार है।”
"मेल कब तक यहां आने वाली है?"
“मैं तो पहले से ही कर रहा हूँ। तुम्हें इतनी देर क्यों लग गई?” मेल मेरे पीछे खड़ा मुस्कुरा रहा था और स्वाभाविक रूप से अपने पुराने टूटे हुए मग से कॉफी का एक घूंट ले रहा था। “मुझे यह चीज़ अलमारी में नोटबुक ढूंढते समय मिली। मुझे लगा था कि यह हमेशा के लिए खो गई है।”
"अगर आप किसी भी तरह के रिमोट व्यूअर होते, तो आपने इसे विस्कॉन्सिन से देखा होता और जेनी को निर्देश और पैसे भेज दिए होते ताकि वह इसे आपको वापस भेज दे।"
मेल का चेहरा गंभीर हो गया। "परिवार कैसा है?"
"हालात इतने अच्छे नहीं हैं—जैसा कि मैं जेनी को बता रही थी, हमें नहीं पता कि हम क्या करेंगे। फिलहाल मैं बस यही उम्मीद कर रही हूं कि सब कुछ अच्छा हो।"
सामने का दरवाज़ा ज़ोर से खुला और रॉबर्ट क्रॉकर अंदर आए, उनके पीछे मुस्कुराती हुई और बेहद खूबसूरत कैथलीन मिलर थीं। उनके चेहरे पर गज भर चौड़ी मुस्कान थी और उन्होंने मेल और मुझे गले लगाने के लिए अपनी बाहें फैला दीं। महीनों बाद जब मैंने उन्हें देखा था, तब से उनमें ज़रा भी बदलाव नहीं आया था, सिवाय इसके कि उनका पेट इतना बड़ा हो गया था कि उसमें बास्केटबॉल समा सकती थी। उन्होंने हमें गले लगा लिया।
मेल ने उसे घूरते हुए कहा, "हे भगवान, कहीं ऐसा तो नहीं कि तुम्हारे उस निकम्मे पति ने तुम्हें गर्भवती कर दिया हो? अरे बाप रे, खुद को देखो!" उसने उसे घुमाते हुए कहा।
“इधर आओ,” मैंने उसे दोबारा गले लगाते हुए कहा। “तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो! तुम दोनों को बधाई हो।”
“धन्यवाद। आखिरकार इतने वर्षों के बाद यह हो ही गया।”
“ठीक है, मुझे लगता है मुझे ही पूछना पड़ेगा,” जेनी ने कहा। “आपकी डिलीवरी कब होने वाली है?”
“दो महीने में। और यह एक मिनट भी पहले नहीं होगा। मुझे हाथी जैसा महसूस हो रहा है।”

“वाह, तुम तो बेहद खूबसूरत लग रही हो!” जेनी ने मुस्कुराते हुए कहा। “और अगर इन लोगों में थोड़ी भी तमीज़ होती तो ये भी मेरी बात से सहमत होते।” नोफी के आने से पहले हमने कुछ मिनट और बातचीत की। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था; उसकी पीली आँखें मोटे फ्रेम वाले चश्मे से घूर रही थीं। जब हमने उसे आखिरी बार देखा था, तब से उसने अपने बाल बढ़ा लिए थे, और वह बर्कले के साठ के दशक के किसी प्रोफेसर जैसा लग रहा था। वह बिना कुछ कहे सीधे हमारे पास से गुजरकर अपने दफ्तर में चला गया, और अंदर जाकर ही उसने पुकारा, “जेनी! क्या मैं तुमसे यहाँ मिल सकता हूँ?”
उसने अपना पैड और पेन उठाया और दफ्तर के दरवाजे की ओर चल पड़ी। “जब से वह यहाँ आया है, तब से यही हाल है। खुद को बड़ा जनरल समझता है।” वह उसके दफ्तर में चली गई और तीस सेकंड बाद बाहर निकली। “महामहिम पाँच मिनट में सम्मेलन कक्ष में बैठक बुलाना चाहते हैं। कृपया आप सभी सज्जन और महोदया उनके आने के लिए तैयार हो जाएँ?”
कैरोल और जूडी कॉन्फ्रेंस टेबल पर इंतज़ार कर रही थीं। उनसे कोई सौहार्दपूर्ण मुलाकात नहीं हुई; मुझे हमेशा से ऐसा लगता था कि वे हम बाकी लोगों को इसलिए नापसंद करती थीं क्योंकि हम एक-दूसरे को बहुत पसंद करते थे। उनका मानना था कि वे काम को लेकर गंभीर थीं, जबकि हम बाकी लोग तो बस खानापूर्ति कर रहे थे।
लिन बुकानन हमेशा की तरह मोज़े पहने वहाँ मौजूद थे। वे एक अच्छे इंसान और बेहतरीन दर्शक थे; दुर्भाग्य से, वे उससे भी बेहतर प्रशिक्षक थे। इसी खूबी के चलते कार्यक्रम प्रबंधकों ने उनके शिक्षण कौशल पर अत्यधिक भरोसा किया और उनके परिचालन उपयोग को सीमित कर दिया—जो मेरी राय में एक गलती थी। साथ ही, मेरे कड़े विरोध के बावजूद, लिन ने वही किया जो उनसे करने को कहा गया था और दूरस्थ प्रभाव के लिए शोध और प्रोटोकॉल को संहिताबद्ध किया, जिससे दूरस्थ अवलोकन का एक बेहद खतरनाक उपप्रणाली बन गई। मुझे लगता है कि इसके लिए उन्हें पदक मिलना चाहिए था, लेकिन दर्शकों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यूनिट से बिल्कुल भी जुड़े न होने वाले लोग भी इस तकनीक पर अपना दावा करने लगे और अपने कारनामों के बारे में बेतुके दावे करने लगे। इनमें से ज़्यादातर बातें झूठी थीं; यह काम करने वाले लोग यहीं इमारत में मौजूद थे। मैं लिन की बहुत प्रशंसा करता था, खासकर मौजूदा हालात में। दफ्तर की राजनीति इतनी घना था कि दम घुट रहा था, लेकिन फिर भी उनमें हास्यबोध बरकरार

था। सबसे बढ़कर, जब मैंने और बाकी लोगों ने यूनिट को निराशाजनक और गुमराह मान लिया था, तब वही एकमात्र व्यक्ति थे जिन्होंने यूनिट और उसकी क्षमता पर भरोसा किया। भला यूनिट जीवन रक्षक और क्रांतिकारी तकनीकों को साझा करने से कैसे इनकार कर सकती थी? मैं यूनिट की दिशा को लेकर बहुत गुस्से में था और मैंने खुलकर अपनी बात रखी। लिन भी शायद गुस्से में थे, लेकिन उन्होंने कभी खुलकर अपनी बात नहीं कही। एक ऐसे व्यक्ति के बारे में कुछ तो कहा ही जा सकता है जो अंत तक देशभक्त और अपनी शपथ के प्रति वफादार बना रहता है। मैं वह नहीं कर सका जो उन्होंने किया था, और एक तरह से मुझे शर्म भी आई। लिन चुपचाप सब सहते रहे, व्यवस्था के सुधरने और तकनीक के विकास का रास्ता साफ होने का इंतजार करते रहे, जबकि मैंने अपनी शपथ तोड़कर लोगों से व्यवस्था को चुनौती देने का आह्वान किया। एक सैनिक लिन के तरीके से ही करता। वह सवाल जिससे मैं तब भी जूझता था और अब भी जूझ रहा हूं: मैंने कब एक सैनिक होना छोड़ दिया?

नोफी ने अपनी नोटबुक मेज पर पटक दी, जिससे मैं चौंक गया, और मेज के चारों ओर ऐसे देखने लगा जैसे किसी चीज़ का जायज़ा ले रहा हो। “मैं इस ऑपरेशन के बारे में एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहता हूँ: मैं आपमें से उन लोगों को शामिल नहीं करना चाहता था जो अब इस कार्यक्रम में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन मुझे डीआईए—खासकर डॉ. अल्बर्ट क्रोन—ने ऐसा करने का निर्देश दिया। उन्हें लगा कि हमारे पास जो पहले से है उसे बढ़ाने के लिए हमें आपकी विशेषज्ञता की आवश्यकता है। आपमें से जो मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे चीज़ों को खुलकर सामने रखना और लोगों को यह बताना पसंद है कि मैं उनके बारे में क्या सोचता हूँ। तो अब आप जान गए हैं कि कोच खेल के मैदान के बारे में क्या सोचते हैं। अब चलिए खेल पर चर्चा करते हैं।”
“मैं आप सभी को पहले ही काम सौंप रहा हूँ। हमारे पास आपको सही दिशा में लाने के लिए बिना देखे काम करने का समय नहीं है। ये आपके काम हैं।” वह मेज के चारों ओर घूमते हुए हममें से प्रत्येक के सामने एक-एक कार्यपत्रक रख दिया। “कामों का आदान-प्रदान नहीं होगा; जैसा कि आप देख सकते हैं, आपको अकेले काम करना होगा। यदि किसी को मॉनिटर की सख्त जरूरत महसूस हो”—वह लौट रही टीम को घूरते हुए रुका—“तो इस बैठक के बाद मेरे कार्यालय में आकर मुझसे मिलें, मैं आपसे व्यक्तिगत रूप से इस पर चर्चा करूँगा।”

मैंने जूडी और कैरोल की तरफ देखा, दोनों मुस्कुरा रही थीं। चैनलर मॉनिटर का इस्तेमाल नहीं करते; नोफी ने शायद यही तय किया था कि जो नियम चैनलरों के लिए लागू होता है, वही दर्शकों के लिए भी लागू होगा।
“दस मिनट में मैं बोर्ड पर आपका समय और कमरा बता दूँगा; सत्र समाप्त होने के एक घंटे के भीतर आपको अपने रेखाचित्र और सारांश मुझे वापस जमा करने होंगे। हमेशा की तरह—और जो लोग पहले भी सत्र में भाग ले चुके हैं, उनके लिए एक अनुस्मारक—आपको अपने निष्कर्षों पर मेरे अलावा किसी और से चर्चा नहीं करनी है। क्या यह बात स्पष्ट है?”
सभी ने सहमति में सिर हिलाते हुए ड्रिंकिंग बर्ड का नारा लगाया।
“अच्छा। तो क्या आपके कोई प्रश्न हैं?”
किसी ने एक शब्द भी नहीं बोला।
“बैठक स्थगित की जाती है। आप सभी को शुभ शिकार की शुभकामनाएं।” उन्होंने अपनी फाइलें उठाईं और कमरे से बाहर चले गए। मेल और मैं मेज पर बैठकर अपने- अपने काम देख रहे थे।
मैंने कहा, "मैं ये अकेले नहीं करना चाहती। मैं अभी उस कमीने से मिलने जा रही हूँ। मेल, क्या तुम मुझ पर नज़र रखोगी?"
"बिल्कुल, मैं करूंगा।"
मैंने नोफी के आधे खुले दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने उसे अपनी डेस्क पर बैठे नोट्स बनाते देखा, इसलिए मैंने फिर से दस्तक दी, और फिर भी उसने कोई जवाब नहीं दिया। मैं ऑफिस में घुस गया, उसकी डेस्क के सामने खड़ा हो गया और उसके मेरी तरफ देखने का इंतज़ार करने लगा। उसने नहीं देखा, इसलिए मैंने बोलना शुरू किया। "मैं मेल से बात करना चाहता हूँ—"
नोफी ने अपना हाथ उठाया और धीरे से मेरी ओर देखा। “अगर मैं आपसे बातचीत करने के लिए तैयार हूँ, तो मैं आपसे नज़रें मिलाकर और आपको बोलने के लिए आमंत्रित करके यह संकेत दे दूँगा। यह आपके बटालियन मुख्यालयों में से एक नहीं है जहाँ अराजकता चरम पर है; यहाँ हम शिष्टाचारवश अपनी बारी का इंतज़ार करते हैं, और अगर हमारी बारी नहीं आती तो हमें डांट पड़ती है।” मेरा खून खौल उठा और चेहरा लाल हो गया। मुझे खुद को शांत करना पड़ा, वरना मैं उस छोटे से बदमाश को उसकी डेस्क के पीछे से उठाकर पूरे कमरे में पटक देता। नोफी अपनी नोटबुक में लिखता रहा। वह आराम से लिख रहा था; उसे पता था

कि उसने मुझे गुस्सा दिला दिया है, लेकिन उसे लगा कि मैं उसकी पिटाई नहीं करूँगा क्योंकि मैं उसके जितना बदतमीज़ नहीं था। उसके जैसे लोग अक्सर सही होते हैं।
मैंने उसकी मेज पर मुक्का मारा और उसका पेन उसके हाथ से छूट गया। अब उसका पूरा ध्यान मुझ पर था। मैं उसकी डेस्क पर झुक गया, सीधे उसके चेहरे पर घूरते हुए बोला: “अब तुम्हें डांट पड़ेगी। मैं तुम्हें नहीं जानता, लेकिन मुझे पता है कि तुम्हें मुझसे और शायद कुछ और लोगों से भी समस्या है। खैर, बस यही तुम्हारी समस्या है। एक बात बिल्कुल साफ़ कर दूं: तुम मेरे बॉस नहीं हो, और मुझे अपने साथियों द्वारा इस तरह का व्यवहार किए जाने की आदत नहीं है। मेरी जेब में रखे कार्ड के अनुसार, तुम्हारे ग्रेड के मेजर और सिविलियन बराबर हैं, इसलिए मुझे अपने से नीचे का समझने की हिम्मत मत करना। असल में, हममें से किसी को भी, जो तुम्हारी जान बचाने के लिए वापस आए हैं, अपने से नीचे का मत समझना। किसी ने तो तुम्हें यह ज़रूर लगा होगा कि तुम इस काम के लायक नहीं हो, वरना वे तुम्हें हमें ढूंढने और पार्टी में बुलाने के लिए नहीं कहते। अब मैं तुम्हें बता रहा हूं: मेल रिले मेरी निगरानी करेगा। अगर तुम्हें इससे कोई दिक्कत है, तो तुम अपना सुरक्षित फ़ोन उठाओ और जिसने भी हमें तुम्हारे पीछे लगाया है, उसे फ़ोन करके समझा दो कि तुम्हें क्यों लगता है कि मुझे काम नहीं करना चाहिए। मुझे मॉनिटर के साथ मिशन चाहिए। अगर वे मुझे यह बताना चाहें कि मॉनिटर की ज़रूरत क्यों नहीं है, तो मैं सुन लूँगा। लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे, है ना?” फिर मैं ऑफिस से बाहर निकला, एक कप कॉफ़ी ली और चिल्लाया, “अरे, सब लोग, श्री नोफ़ी ने कहा कि बोर्ड लगाने में उन्हें थोड़ी देर हो जाएगी। यह मेरी गलती है—मैंने उनसे इतनी देर तक बात की।” मैंने जेनी को आँख मारी और अपने मग से एक घूँट पिया।
मुस्कुराते हुए मेल ने अपने लिए एक और गिलास भर लिया। "अगली बार जब आप बॉस को सलाह दे रहे हों, तो सुनिश्चित करें कि दरवाजा बंद हो।"
"शुक्र है, वो हमारा बॉस नहीं है। और तुम मुझ पर नज़र रखोगे।"
पंद्रह मिनट बाद बोर्ड लगा दिया गया और दफ्तर में उत्साह का माहौल छा गया। सीएनएन पर जो हमने देखा था, उसके अलावा खाड़ी में क्या हो रहा था, इसके बारे में हममें से किसी को कुछ नहीं पता था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि रिमोट व्यूअर्स का इस्तेमाल अब क्यों किया जा रहा है, जबकि डेजर्ट स्टॉर्म

की योजना और क्रियान्वयन के दौरान वे वास्तव में उपयोगी साबित हो सकते थे। लेकिन सवाल पूछने का क्या फायदा?
मेरा लक्ष्य ऑपरेशन क्षेत्र के पूर्व में, तटवर्ती और अंतर्देशीय क्षेत्र में था। मुझे एक नक्शा दिया गया था, जो वास्तव में इराक की पूर्वी सीमा, पूरे कुवैत और सऊदी अरब की उत्तर-पूर्वी सीमाओं का एक मोटा-मोटा खाका था। मेरा मिशन गुप्त निर्देशांकों तक आगे बढ़ना और आसपास के इलाके की छानबीन करके किसी भी महत्वपूर्ण चीज़ की तलाश करना था—दूसरे शब्दों में, वहाँ पहुँचकर यह देखना कि क्या किसी चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है। मुझे यकीन था कि मैं इराकी सैनिकों की तलाश में रहूँगा, जो छुपकर छिपे हुए थे और किसी अनजान गठबंधन गश्ती दल के आने का इंतज़ार कर रहे थे। हो सकता है कि मेरा सामना कुछ स्कड मिसाइल इकाइयों से भी हो जाए जो अब तक पकड़ में नहीं आई थीं। वे रेगिस्तान में कहीं छिपे हो सकते हैं, लड़ाई के शांत होने का इंतज़ार कर रहे हों, ताकि सतह पर आकर कुवैत सिटी या धहरान पर ज़बरदस्त हमला कर सकें। मुझे जल्दबाजी नहीं करनी थी। मैंने बोर्ड देखा और पाया कि मेरे पास संपर्क और तैयारी से पहले कम से कम आधा घंटा था, इसलिए मैंने थोड़ी ताज़ी हवा लेने का फैसला किया।
मेल सामने के बरामदे में बैठी थी। "कमरा नंबर दो में साढ़े दस बजे।"
“मुझे पता है,” उसने सिगरेट खत्म करते हुए कहा। “कुछ तो गड़बड़ लग रही है।” वह खड़ा हुआ और मुझे अपने पीछे आने का इशारा किया।
मैंने कहा, "काफी समय हो गया है जब हमने ऐसी सैर की थी।"
"हां, ऐसा हुआ है।"
मुझे इसकी याद आती है, क्या आपको नहीं आती?
मेल ने चिढ़कर कहा, “बिल्कुल नहीं! पहली बात तो यह कि मुझे अब ये सब बकवास बर्दाश्त नहीं करनी पड़ेगी। और दूसरी बात, मैं अपने पिछले दरवाजे से निकलकर सीधे डोंगी में बैठकर झील के उस पार जा सकती हूँ। अगर शुरू में कोई बात मुझे परेशान कर रही है, तो झील के उस पार पहुँचते-पहुँचते वो गायब हो जाएगी। स्कैंडिनेविया बहुत खूबसूरत जगह है। एडिथ और मुझे वहाँ बहुत अच्छा लगता है। तुम्हें डेबी और बच्चों को वहाँ ले जाकर एक घर खरीद लेना चाहिए और हम पड़ोसी बन जाएँगे।”
हम दोनों इस विचार पर हँसे, तभी मुझे याद आया कि अब मेरा कोई परिवार नहीं है।

“अरे, मुझे माफ़ करना,” मेल ने कहा। “मेरा इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का नहीं था।”
“अरे यार, मैं हमेशा इस बात को छुपा नहीं सकती।” मेरा गला सूख रहा था और मैंने आँसू रोकने की पूरी कोशिश की। “इतने सालों तक एक टीम के रूप में साथ रहने के बाद अब अकेले रहना कितना मुश्किल है। हे भगवान, मेल, मुझे उसकी और बच्चों की बहुत याद आती है।”
राइली ने मुझे थोड़ी देर के लिए गले लगाया और थोड़ी दूरी पर खड़े होकर कहा: “याद रखना, हम पानी की तरह हैं—हम कई अलग-अलग परिस्थितियों में कई अलग-अलग जगहों की यात्रा करते हैं, लेकिन अंततः, हम अपने आप में लौट आते हैं। रास्ता चट्टानों और पत्थरों से भरा है जो हमें ठोकर खिलाते हैं, और ऐसे भंवर भी हैं जो हमें रोकते हैं और हमारी धारा को कम कर देते हैं, लेकिन हमारा भाग्य लौटना ही है। यह एक शाश्वत नियम है। तुम्हें कई साल पहले ही पता चल गया था जब तुम डेबी से मिले थे कि ईश्वर ने तुम्हारे लिए एक योजना बनाई है। उस योजना को साकार होने दो; तुम्हें बस उस पर विश्वास करना है। डेबी तुमसे दूर नहीं हुई है, न ही तुम उससे दूर हुए हो, जब तक तुम उसे यह बताते रहोगे कि तुम उससे प्यार करते हो। पानी की तरह थोड़ा प्रयास करो, और तुम बाकी सब कुछ पार कर लोगे और फिर से एक साथ हो जाओगे। मैं वादा करता हूँ।”
“मेल रिले, तुम एक अच्छे दोस्त हो।” मैंने उसे फिर गले लगाया। “और एक बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति भी।”
“हे!” पॉसनर ने बरामदे से चिल्लाकर कहा। “अगर तुम दोनों एक-दूसरे को खुश करना बंद कर चुके हो, तो तुम्हें पांच मिनट में भागना है।”
मेल ने कहा, "क्या आपको यकीन है कि आप यह कर पाएंगे?"
“बिल्कुल। इन दिनों मुझे बस इसी से शांति मिलती है। चलो करते हैं!”

देखने वाले कमरों में ज़्यादा कुछ नहीं बदला था, सिवाय इसके कि कुछ नए माइक्रोफ़ोन थे, और किसी ने कैमरे की लाल "चालू" लाइट पर काली टेप लगा दी थी। मेल को लगा कि ऐसा इसलिए किया गया था ताकि किसी को पता न चले कि उन्हें देखा जा रहा है। लेकिन नोफी के आने से पहले हर सेशन के दौरान हमें देखा जाता था, तो अब क्या अलग होगा?

मैंने खुद को तैयार करने के लिए लेटकर बीथोवेन की "मूनलाइट" सोनाटा को बार-बार सुना। उलटी गिनती शुरू करने से पहले मैंने पाँच बार उस व्यक्ति की पीड़ादायक रचना को सुना, जिसे एहसास हुआ कि वह जिस दुनिया में है, उसमें उसका कोई स्थान नहीं है। पाँच बार सुनने के बाद मैं प्रकाश की सुरंग में गिर गया और एक दूसरी दुनिया में प्रवेश कर गया।
मैं झुककर नीचे उतरा और संतुलन बनाने के लिए कुछ पल वहीं रुका रहा। जब मैं उठा तो मुझे कोहरे की काली दुनिया और ऊपर एक खोखला सूरज दिखाई दिया।
“कुछ गड़बड़ है! मैं लक्ष्य पर नहीं हूँ, मेल!” मैंने चिल्लाकर कहा। “मेल! मैं किसी दूसरे ग्रह पर हूँ!”

राइली को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। "शांत हो जाओ, मोरहाउस, खुद को संभालो और मुझे बताओ कि तुम्हें क्या दिख रहा है।"
मैं दूसरे ग्रह पर हूँ और मैं—रुको, मुझे कुछ सुनाई दे रहा है।
"यह क्या है?"
“चुप रहो! बस इंतज़ार करो।” और फिर मैंने देखा, एक ब्रैडली फाइटिंग व्हीकल काले धुएं में से तेज़ी से मेरे पास से गुज़रा। उसके तुरंत बाद एक और, फिर एक और, और फिर तीन और। वे जितनी तेज़ी से आए थे, उतनी ही तेज़ी से धुएं में गायब हो गए। “माफ़ करना, गलतफहमी थी। मैं यहीं हूँ जहाँ मुझे होना चाहिए।” मुझे नहीं लगता कि मैंने इससे पहले कभी धुएं में मुस्कुराया था। मुझे पूरा यकीन था कि मेल मन ही मन मुझे कोस रहा होगा।
"डेव, मुझे अपने आस-पास के वातावरण का वर्णन दो। मुझे तुम्हारा सटीक स्थान पता लगाने की कोशिश करनी है।"
“यहाँ से तो कुछ दिखाई नहीं दे रहा… चारों तरफ काला धुआँ ही धुआँ है। लगता है मैं किसी जलते हुए वाहन के धुएँ के बीच खड़ा हूँ। मुझे कहीं और से देखना पड़ेगा।” लेकिन मैं जहाँ भी रुकता, खुद को घुटन भरे काले धुएँ में घिरा पाता।
“मैं इस धुएं से छुटकारा नहीं पा पा रहा हूँ, यह हर जगह फैला हुआ है। अगर मुझे इससे बाहर निकलना है तो मुझे काफी दूरी बनानी होगी।”
“ठीक है,” मेल ने कहा, “जब भी आप तैयार हों, मैं चाहता हूँ कि आप पाँच सौ फीट ऊपर और उत्तर की ओर बीस मील चलें। आप कभी भी आगे बढ़ सकते हैं।”

मैंने खुद को तेजी से ऊपर की ओर बढ़ते हुए महसूस किया, और जैसे ही मैं तेजी से इलाके को पार करते हुए नए लक्ष्य क्षेत्र में पहुंचा, मेरे नीचे की जमीन धुंधली हो गई। यहां भी, हवा काले धुएं से भरी हुई थी, और जमीन युद्ध के मलबे से बिखरी हुई थी। "मुझे अभी भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा है, मेल। मुझे लगता है कि पूरा इलाका इसी धुएं से ढका हुआ है।"
"ये किस से बना है?"
“इसका स्वाद और गंध पेट्रोलियम जैसा है, और यह चिपचिपा है, यह हर चीज़ पर चिपक जाता है। यह ज़रूर तेल ही होगा। मैं आस-पास देखूंगा—सुनते रहिए, ठीक है?”
“मैं यहाँ हूँ।” मेल को अधीर होना ही था; उसने सोचा था कि यह आसान होगा, और मैंने भी यही सोचा था।
मैं बड़े-बड़े गोल चक्कर लगाने लगा, अपने नीचे की ज़मीन का जायज़ा लेता हुआ और धुएँ के बीच से पचास फीट तक भी देखने की कोशिश करता रहा। बीच-बीच में मुझे टूटे-फूटे वाहन दिखाई देते, जिनमें से ज़्यादातर आम नागरिकों के थे, सैनिकों के नहीं। सैकड़ों वाहनों के निशान रेत पर बिखरे हुए थे, लगभग सभी उत्तर या उत्तर-पश्चिम की ओर जा रहे थे। मैंने उनका पीछा किया। मुझे पता था कि इराकी सेना पीछे हट रही है, और मैंने अनुमान लगाया कि वे उस दिशा से दूर जा रहे होंगे जिस दिशा में उनके नष्ट हुए हथियार थे। मैं कई इराकी सैनिकों के बिखरे हुए शवों के ऊपर से गुज़रा; रेगिस्तान की गर्मी में उनके मांस की गंध काले धुएँ की उतनी ही घिनौनी बदबू में दब गई थी।
"मेल, मुझे दूर से किसी चीज के दहाड़ने की आवाज सुनाई दी। मैं उसकी ओर बढ़ रहा हूँ, लेकिन तापमान तेजी से बढ़ रहा है।"
मुझे पता है, मैं देख सकता हूँ कि तुम्हारा गुस्सा बढ़ रहा है। मुझसे दूरी बनाए रखो और मुझे अपनी राय बताओ।
"चिंता मत करो, मैं अब इतना बूढ़ा हो गया हूँ कि बेवकूफी भरी हरकतें नहीं कर सकता।"
मैं सतह पर चलता रहा, जहाँ से मुझे ज़्यादा साफ़ दिखाई दे रहा था। गर्जना तेज़ होती जा रही थी और गर्मी असहनीय हो गई थी। मैं इधर-उधर घूमता रहा जब तक मुझे एक ऐसी जगह नहीं मिल गई जहाँ गर्मी कम थी और मैं स्रोत के काफ़ी करीब जाकर उसे देख सकता था।

“ये एक तेल का कुआँ है। ये बेतहाशा जल रहा है; लपटें पचास फीट या उससे भी ज़्यादा ऊँची उठ रही होंगी। ज़मीन पर कच्चा तेल बिखरा पड़ा है, लेकिन उसका ज़्यादातर हिस्सा जल चुका है। मेल, मैंने ऐसा नज़ारा पहले कभी इतने करीब से नहीं देखा—ये तो मानो एक तेज़ जलती हुई मशाल हो। मुझे यहाँ धुएँ में एक जगह दिख रही है, तो मैं सीधे ऊपर जाकर देखता हूँ।”
मेरा प्रेत शरीर कुएँ की आग से लगभग तीस मीटर ऊपर उठ गया। मैंने हवा में धीरे-धीरे घूमकर अपने आस-पास का जायजा लिया। जहाँ तक मेरी नज़र जा रही थी, हर जगह ज़मीन से धधकती मशालें निकल रही थीं, जिनसे लपटें और धुआँ निकल रहा था। धुएँ के गुबार आपस में मिलकर एक विशाल काली चादर बन गए। मेरे नीचे की गर्मी ने मुझे याद दिलाया कि मुझे एक काम करना है, और मैं अपने निचले सुविधाजनक स्थान पर लौट आया।
“यह तो बहुत बुरा है, मेल; जहाँ तक मेरी नज़र जा रही है, सारे तेल के कुएँ में आग लगी हुई है। यह बहुत बुरी स्थिति है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि अब क्या करूँ। ज़ाहिर है उन्हें इसके बारे में पता है—कौन इसे नज़रअंदाज़ कर सकता है? क्या तुम्हें लगता है कि मुझे अब वापस आ जाना चाहिए?”
राइली ने एक पल सोचा। “नहीं; आस-पास देखते रहो। तुम सही कह रहे हो, उन्हें आग के बारे में ज़रूर पता होगा, इसलिए कुछ और भी होना चाहिए। तुम लगभग पचास मिनट से सही जगह पर हो; क्या तुम वापस आने से पहले बीस या तीस मिनट और इंतज़ार कर सकते हो?”
“कोई बात नहीं। मुझे यहाँ भी वहाँ से ज़्यादा अच्छा लग रहा है। मैं इधर-उधर छानबीन करता रहूँगा।”
जैसे ही मैं तेल के कुएं से मुड़ा, मुझे रेत में एक छोटी सी चांदी जैसी वस्तु दिखाई दी। "मेल, मुझे कुछ असामान्य सा दिख रहा है—एक छोटा सा डिब्बा, स्टेनलेस स्टील जैसा लग रहा है। यह आग से हवा की दिशा में रेत में फंसा हुआ है।"
“यह क्या है?” रिले ने पूछा।
“मुझे नहीं पता। वैसे तो यह खाली है—कम से कम मुझे तो यही लगता है; इसमें से कुछ भी नहीं निकल रहा है।” मैंने उस वस्तु को देखा, जो पीसा की मीनार की तरह झुकी हुई थी। लगभग बीस इंच ऊँची और तीन-चार इंच व्यास की, यह एक तैयार धातु का सिलेंडर था जिसका आधार शायद चार-छह इंच तक रेत में धँसा हुआ था ताकि वह सीधा खड़ा रहे। गर्दन के पास यह संकरा हो जाता था, जहाँ एक वाल्व

लगा था। एक प्लास्टिक की सील उखड़ी हुई थी और उसका एक टुकड़ा सिलेंडर के बगल में ज़मीन पर पड़ा था। मैंने उसके चारों ओर घूमकर यह देखने की कोशिश की कि सिलेंडर किस चीज़ का है, लेकिन कुछ नहीं मिला। “इस चीज़ में कुछ अजीब है। यह यहाँ बिल्कुल भी नहीं होनी चाहिए। मैं किसी दूसरे कुएँ के मुहाने पर जा रहा हूँ, यह देखने के लिए कि क्या मुझे कोई ऐसा सिलेंडर मिलता है जिस पर कुछ निशान हों, या क्या यहाँ कोई पैटर्न है।”
"ठीक है, लेकिन पहले क्या आप इसकी लोकेशन पता कर सकते हैं?"
"बहुत देर हो चुकी है, मैं पहले ही जा रहा हूँ। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं आपको कोई समाधान बता पाऊँगा; मैं इलाके को ठीक से देख नहीं पा रहा हूँ इसलिए उसका वर्णन नहीं कर सकता।"
“मैं समझ गया। अगले कुएं पर आपको जो भी मिले, मुझे बता देना।”
अगले बीस मिनट में मैं जितने भी कुओं तक पहुँच सका, मुझे हर जगह ऐसे ही डिब्बे मिले। उनके आकार और आकृति में थोड़ा-बहुत अंतर था, लेकिन वे हमेशा आग से हवा की दिशा में रखे होते थे, मानो अपने अंदर की सामग्री को जलने से बचाने के लिए। उनमें कुछ ऐसा था जो मुझे बहुत परेशान कर रहा था, पर मैं बता नहीं सकता था कि क्या। "मैं यह सब छोड़कर घर वापस आ रहा हूँ, मेल।"

मैंने अपना सारांश और रेखाचित्र तैयार कर लिया था और उन्हें नोफी को सौंपने जा ही रही थी कि कैथलीन अपने सेशन से लौटी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था।
"कैथलीन, तुम ठीक हो?" जेनी ने पूछा जैसे ही मेल उसकी ओर दौड़ी।
“मैं ठीक हूँ, मुझे लगता है कि मुझे थोड़ी देर बैठना चाहिए। कमरे में बहुत गर्मी थी—” वह मेल की बाहों में आगे की ओर लुढ़क गई; उसके सेशन के कागज़ उसके हाथ से गिरकर ज़मीन पर बिखर गए। मैंने मेल को उसे सोफे तक ले जाने में मदद की, जहाँ हमने उसे लिटा दिया। जेनी ने 911 डायल किया और वह कराह रही थी। पॉल पॉसनर एक ठंडा गीला कपड़ा लेकर उसका चेहरा पोंछने के लिए आए, और इस अफरा-तफरी में नोफी अपने ऑफिस से बाहर भागा। मुझे लगा कि वह एक मिनट के लिए सचमुच घबरा गया था; उसे लगा कि वह मुसीबत में है।
सौभाग्यवश, अस्पताल सड़क के उस पार और लगभग एक ब्लॉक की दूरी पर ही था, और एम्बुलेंस के आने तक कैथलीन को होश भी आ रहा था। मैंने देखा कि उसके

कागज़ात अभी भी ज़मीन पर बिखरे पड़े थे, और एम्बुलेंस के कर्मचारियों के आने से पहले ही मैंने उन्हें जल्दी से उठा लिया।
पता चला कि कैथलीन को पानी की कमी हो गई थी; देखने वाले कमरे की गर्मी और सत्र की तीव्रता ने उन पर बुरा असर डाला था। वह ठीक हो जाएंगी, और बच्चा भी ठीक रहेगा; बस गर्भावस्था के दौरान वह और कुछ नहीं देख पाएंगी।
एम्बुलेंस के जाने के बाद, मैं एक कप ताज़ा कॉफ़ी लेकर अपनी डेस्क पर वापस आ गई। मैंने कैथलीन के कागज़ात वहीं रखे थे; अब मैंने उन्हें क्रम से लगाना शुरू किया। और मेरी धड़कन लगभग रुक गई। पृष्ठ पाँच पर रेत में बने सिलेंडर का एक रेखाचित्र था, बिल्कुल मेरे रेखाचित्र जैसा।
“हे भगवान!” मैंने जोर से कहा।
राइली मेरी डेस्क के सामने आकर रुक गई।
मैं उछलकर खड़ा हुआ और यह देखने के लिए केबिन के दरवाजे के चारों ओर देखा कि कोई और आ रहा है या नहीं। कोई नहीं था, इसलिए मैंने मेल को अपनी डेस्क के बगल वाली कुर्सी पर बैठाया और उसे अपने और कैथलीन के रेखाचित्र सौंप दिए। “इन्हें देखिए।” मैंने उन्हें अपने परिणाम दिखाए।
"इसलिए?"

“तो क्या? क्या तुम मजाक कर रहे हो? इन्हें देखो, ये बिल्कुल मेरे जैसे ही हैं।”
"अरे यार, डेव, ये तो एक जैसे होने चाहिए थे। तुम्हारा मिशन भी लगभग एक जैसा ही था।"
“नहीं, मैंने नहीं किया। कैथलीन की टास्क शीट देखो, वो ढेर के सबसे नीचे है। उसे रासायनिक या जैविक एजेंटों के सबूत ढूंढने थे। मुझे ‘सैन्य महत्व की कोई भी चीज़’ ढूंढनी थी, जैसे कोई लड़ाकू इकाई या हथियार, न कि रसायन या जैविक एजेंट। ये लोग यहाँ किस तरह का खेल खेल रहे हैं?”
राइली ने मेरी तरफ हैरानी से देखा। "मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कहना चाह रहे हो, डेव।"
अचानक मुझे सब कुछ स्पष्ट हो गया। डीआईए यह सुनिश्चित करना चाहता था कि अमेरिकी सैनिकों पर कोई रासायनिक या जैविक पदार्थ छोड़ा गया है, लेकिन वे नहीं चाहते थे कि किसी और को पता चले। इसलिए उन्होंने हमें, यानी दूरस्थ दर्शकों को, यह दिखाया कि हम अलग-अलग क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं,

जबकि वास्तव में हम सभी एक ही क्षेत्र को निशाना बना रहे थे। उन्होंने हमें आपस में बात करने से भी रोकने की कोशिश की।
अगर हम सभी रिमोट व्यूअर्स के नतीजे एक जैसे होते, तो डीआईए को पता चल जाता कि रासायनिक या जैविक हथियारों का इस्तेमाल हुआ है। हालांकि, हममें से किसी को भी यह पता नहीं चलता, क्योंकि हम कभी भी आपस में जानकारी साझा नहीं कर पाते। एक बार इन अपरंपरागत हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि हो जाने पर, डीआईए मामले को दबाने की कोशिश शुरू कर सकता था ताकि अमेरिकी जनता को कभी पता न चले।
मैंने गहरी सांस ली और खुद को थोड़ा शांत करने की कोशिश की। “ठीक है, देखो। हम सबको मदद के लिए बुलाया गया है। नोफी नहीं चाहता कि हम मदद करें, लेकिन अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से हम सब उसकी गोद में धकेल दिए गए हैं। दूसरा, हम सबको एक ही इलाके में भेजा गया है, बस निर्देशांकों में मामूली बदलाव हैं—ऐसा बदलाव जो हमें तब तक पता नहीं चलता जब तक हम बैठकर आपस में तुलना न करते, जो कि नियमों का उल्लंघन है। तीसरा, हर काम को अलग-अलग शब्दों में लिखा गया है। उन्हें पता है कि हम सब एक ही चीज़ पर पहुँचेंगे—उन्हें पता है कि सिग्नल लाइन हमें उस जगह के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से तक ले जाएगी। इसलिए हम उन्हें जैविक या रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि दे देते हैं, और हमें कभी पता भी नहीं चलता कि हमने क्या किया है, क्योंकि इसे समझने वाला सिर्फ नोफी ही है।”
"और डीआईए में कोई गुप्त खुफिया सेल भी है," मेल ने गंभीर स्वर में कहा। “यह तो साफ है कि इराकियों ने आग के पास ही कनस्तर रखे ताकि उनसे निकलने वाले धुएं को छिपाया जा सके। तो मुझे लगता है कि उन्होंने गठबंधन सेना को जहर देने के लिए एक धीमा असर करने वाला विष छोड़ा और उसे तेल के कुओं में आग लगाकर छुपा दिया। उन आग की दिशा में हवा की दिशा में मौजूद हर सैनिक ने उस कीटाणु या जो भी था, उसे सांस के जरिए अंदर ले लिया होगा। बेचारे अपने अंदर टाइम बम लेकर घूम रहे हैं, और बाकी दुनिया का ध्यान इस बात पर है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। ये बहुत ही चालाकी भरा काम है। अविश्वसनीय।” मेरे चेहरे पर झुनझुनी सी हो गई, ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने मुखौटा पहन रखा हो, मेरा अपना चेहरा नहीं; मेरे हाथ सुन्न हो गए थे। “वे जानते हैं। हमारी सरकार जानती है और वो नहीं चाहती कि कोई और जाने।”

"हाँ, सोचो अगर ये बात बाहर आ गई तो क्या होगा? ये युद्ध तो खत्म हो चुका है और संधि पर काम चल रहा है। अगर ये बात बाहर आ गई तो फिर तो हंगामा मच जाएगा!" “मैं इससे भी ज़्यादा संशयवादी हूँ। मुझे लगता है कि पेंटागन के किसी वकील ने सचिव के कान में यह बात डाल दी है कि सरकार के खिलाफ़ पचास हज़ार कानूनी या चिकित्सा दावों का जवाब देने के क्या परिणाम होंगे। मुझे नहीं लगता कि हमारे प्रतिष्ठित नेता इस चीज़ से प्रभावित हज़ारों सैनिकों की देखभाल पर इतना पैसा खर्च करना चाहेंगे, खासकर तब जब उन्हें नुकसान की सीमा का पता ही नहीं है। वे या तो इस बारे में किसी भी जानकारी से इनकार कर देंगे, या अगले सत्तर साल तक झूठी रिसर्च करते रहेंगे जब तक कि प्रभावित सभी लोग ताबूत में या वीए अस्पताल में न पहुँच जाएँ। यह एक घिनौनी साज़िश है, बस यही है।” राइली ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे झकझोर दिया। “बस एक मिनट रुको। इस डेस्क पर बैठे-बैठे सब ठीक लग रहा है, पर सोचो कि तुम क्या कह रहे हो। एक मिनट सोचो, बस सोचो।” उसने मुझे छोड़ दिया और फिर से बैठ गया, अपना सिर हाथों में थाम लिया। “अगर यह सच है, तो यह हम दोनों से कहीं बड़ा मामला है। हमें और सबूत चाहिए। हमें कुछ और सत्रों की ज़रूरत है।”
“तो एक चुन लो। यहाँ सब लोग रेत और धुएँ में जा रहे हैं। तुम मिशन पर कब काम करोगे?”

राइली ने सिर हिलाया। “मेरी कोशिश से कोई फायदा नहीं होगा: मुझे तुम्हारे और कैथलीन के नतीजे दिखाए गए हैं, और कोई भी कहेगा कि मैंने हंगामा खड़ा करने के लिए तुम्हारे नतीजों की नकल की है। धिक्कार है, डेव, यह ठीक नहीं है। इस मामले में हमारी बात सुनने वाला कोई नहीं है।”
हम इसे मीडिया के पास ले जाएंगे!
“हम्म। आपको क्या लगता है, कौन आपको यह समझाने का समय देगा कि आप एक प्रशिक्षित सैन्य मानसिक शक्ति वाले व्यक्ति हैं, जो फोर्ट मीडे में इस अति-गुप्त कार्यक्रम का हिस्सा हैं—और नहीं, आप वास्तव में अब वहां काम नहीं करते, उन्होंने आपको इस विशेष परियोजना के लिए बस मिलने के लिए बुलाया है?” वह रुका और उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा। “अब बात समझ में आ रही है ना, दोस्त? हमें यह पता नहीं चलना चाहिए था, और अगर पता चल भी गया, तो उन्होंने अपने सारे सबूत मिटा दिए। कोई भी आप पर विश्वास नहीं करेगा। कोई भी नहीं।”

मैंने अविश्वास से सिर हिलाते हुए खिड़की से बाहर देखा। "तो अब हम क्या करें, मेल? हमने यह सब देखा है; हम क्या करें, इसे अनदेखा कर दें? फिर हम उस आदमी से कैसे अलग हैं जिससे वे लोग वहाँ लड़ रहे थे?"
"मुझे नहीं पता," मेल ने धीमी आवाज़ में कहा।
“मैं नोफी को बता दूँगी कि मुझे सब पता है। मैं तुम्हें इसमें शामिल नहीं करूँगी, लेकिन मैं चाहती हूँ कि उस कमीने को पता चले कि मुझे पता है कि वे लोग क्या कर रहे हैं।” मैंने डेस्क से कागज़ उठाए और बाहर जाने लगी, लेकिन मेल ने मेरा रास्ता रोक दिया। “हटो, मेल। मैं जा रही हूँ!”
“मेरी लाश पर से गुजरना होगा। अगर तुम अंदर जाकर उसे बता दो कि तुम्हें उसके बारे में पता चल गया है, तो शायद आज रात तुम यहाँ से बच निकलोगे। लेकिन क्या तुम घर पहुँच पाओगे? सोचो, बेवकूफ, तुम उनके लिए क्या हो? अगर उन्होंने इस बात को छुपाने के लिए इतनी मेहनत की है, तो क्या तुम्हें लगता है कि वे तुम्हारे जैसे निकम्मे को अपना राज़ खोलने देंगे? तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हें मारने में या सिर्फ बदनाम करने में उन्हें कितना समय लगेगा? अरे—वैसे, वो भयानक सपने कैसे हैं?”
"तुम्हें धिक्कार है, मेल!"
नहीं, भाड़ में जाओ! और चाहिए? तुम्हारी पत्नी और बच्चे कहाँ हैं? वे अब तुम्हारे साथ क्यों नहीं रहते? क्या इसलिए कि तुम्हें रात में अजीब चीजें दिखाई देती हैं? क्या इसलिए कि तुम नींद में चलते हो और भूतों पर हमला करते हो? तुम हर रात घर जाकर अपनी पत्नी और बच्चों को क्या बताते थे? क्या तुमने उन्हें यह नहीं बताया था कि तुम समय में यात्रा कर सकते हो और समय और स्थान में दूर की चीजें देख सकते हो? क्या तुमने ऐसा नहीं किया था, मेजर मोरहाउस? क्या यह सच नहीं है कि तुम सिर्फ भ्रम में हो, शायद मनोविकार से पीड़ित हो? “तुम खुफिया एजेंसियों से पंगा लेना चाहते हो। तुम किसी हीरो की तरह खड़े होकर दुनिया को बताना चाहते हो कि तुमने दुनिया भर के बेटों और बेटियों को एक पागल के हाथों ज़हर खाते देखा। फिर तुम ये भी कहना चाहते हो कि अमेरिकी सरकार ने इस मामले को दबाने की साजिश रची। अरे हाँ, कोर्ट-मार्शल जूरी के सज्जनों, हमारे सामने एक खूंखार पागल है। हम तुम्हें पुरज़ोर सलाह देते हैं कि उसे देशद्रोह का दोषी ठहराकर लेवेनवर्थ जेल में तब तक बंद रखो जब तक वो मर न जाए। नहीं, नहीं—इससे भी बेहतर, उसे कुछ नशीली दवाइयाँ देकर किसी अस्पताल में भर्ती करा देते हैं ताकि उसके माता-पिता उसे स्ट्रॉ से बच्चों

का खाना खाते देख सकें।” राइली गुस्से और हताशा से कांप रहा था। “तुम अभी ऐसा नहीं कर सकते।” वो थककर कुर्सी पर गिर पड़ा। “तुम ऐसा नहीं कर सकते।
इससे कोई फायदा नहीं होगा, और तुम मर जाओगे, मैं तुमसे वादा करता हूँ। तुम्हें अपने परिवार के बारे में सोचना है। अब, मुझे तुम्हें फिर से पानी वाली कहानी सुनाने पर मजबूर मत करो, ठीक है? बस इसे अभी के लिए छोड़ दो। कृपया मुझे बताओ कि तुम इसे अभी के लिए छोड़ दोगे। हर चीज़ का एक समय होता है; इसका भी होगा। लेकिन अभी नहीं। मुझसे वादा करो।”
मैं हताशा से अपने होंठ दबा रही थी, फिर भी मुझे पता था कि वह सही कह रहा है। उसने जो कुछ भी कहा, वह सच था, और बोलने से कुछ हल नहीं होगा। नायकों को ज़हर दिया जा चुका था और मैं कुछ नहीं कह सकती थी। कोई भी मुझ पर विश्वास नहीं करेगा।
“मैं वादा करती हूँ।” मैंने अपनी आँख से एक आँसू पोंछा। “मैं वादा करती हूँ।”
मैंने देखा कि क्या हुआ... और अब, नायकों के बच्चे मर रहे हैं।

छह

निर्णय
मैंने एनापोलिस में चेसापीक स्ट्रीट के पास एक कमरा किराए पर लिया। देखने में वह कुछ खास नहीं था, एक पुराने लकड़ी के मकान में ऊपर की मंजिल का एक छोटा सा अंधेरा कोना। मैं लगभग तीन साल से एक डायरी लिख रहा था और वह ईथर से मिली या उसके बारे में जानकारी से भरी हुई थी—सन स्ट्रीक से मिले मेरे प्रशिक्षण नोट्स, देवदूत के संदेश, मेरे बुरे सपनों और दृष्टियों का रिकॉर्ड, और ईथर की गहराई में पाई जाने वाली संस्थाओं और स्थानों के रेखाचित्र। मैं ज्यादातर रातें उस पुराने मकान के गलियारों में घूमते हुए, रेखाचित्र बनाते और दृष्टियों को रिकॉर्ड करते हुए बिताता था। मानसिक शोर असहनीय होता जा रहा था। मैं सो नहीं पाता था और न ही किसी शांत जगह पर ठहर पाता था; मेरे आस-पास की छवियां और भावनाएं मेरे दिमाग में उमड़ती रहती थीं। उन्हें नियंत्रित करने के लिए मैं बस उन्हें स्केच करता और नोट्स बनाता था। हर दो-तीन दिन में मैं थकान से चूर होकर गिर पड़ता था और नींद में सो नहीं पाता था।
मेरे कमरे में फ़ोन नहीं था, इसलिए मुझे मकान मालकिन के रसोई वाले फ़ोन का इस्तेमाल करना पड़ा। मैं डेबी और बच्चों से वो बातें नहीं कह पाई जो मैं कहना चाहती थी। मैंने अपना सारा खाली समय अकेले बिताया, क्योंकि परिवार के बिना मुझे लोगों के बीच रहना मुश्किल लगता था। लोगों से भरे कमरे में जाना ऐसा था जैसे मैं एक चलता-फिरता एंटीना हूँ, जिस पर वहाँ मौजूद हर तरह के भावनात्मक और दृश्य संकेतों की बौछार हो रही हो।
नवंबर 1990 में मुझे ऑफिस में एक फोन कॉल आया।
“डेव? मैं मेल हूँ। कैसी हो?”
"उम्मीद के मुताबिक अच्छा।"

“दुःस्वप्न कैसे आ रहे हैं?”
“काम ज़बरदस्त चल रहा है। मेरे पास कुछ दिलचस्प स्केच हैं। अगर हम सब मिल सकें और साथ में बैठकर बीयर पी सकें तो अच्छा रहेगा।”

“[redacted], [redacted] [redacted] [redacted]

“नहीं, आप जहाँ अभी रह रहे हैं वहीं कर लीजिए। काम पर किसी को भी रिमोट-व्यूइंग प्रोजेक्ट पर काम करते हुए दिखाना शायद समझदारी भरा कदम नहीं होगा। क्या आप घर पर देख सकते हैं?”
मैंने एक कमरा किराए पर लिया है; मैं वहीं पर यह काम करूंगा।
“निगरानी न होने की चिंता मत करो—तुम इतने अनुभवी हो कि ये काम आसानी से कर सकते हो। बस एक शांत जगह का इंतजाम कर लो। मुझे जल्द से जल्द एक सेशन चाहिए। क्या तुम मुझे कल तक नतीजे दे सकते हो?”
"मैं आज रात सेशन कर सकता हूँ, लेकिन मैं आपको परिणाम कैसे भेजूँगा?" उन्हें फैक्स कर दो।
क्या आपके पास मेरे लिए कोई निर्देशांक हैं?
मेल ने उन्हें जवाब दिया। “मैं भी उसी समय और उसी जगह पर सब कुछ देखूंगा। हम पूरी स्थिति को शुरू से अंत तक देखना चाहते हैं—बस यह देखना चाहते हैं कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं है, और कृपया अपने नतीजे मुझे कल दोपहर चार बजे तक भेज दें।”
"मैं अपनी पूरी कोशिश करूँगा।"

मैंने उस शाम दस बजे खुद को कमरे में बंद कर लिया। मैंने इससे पहले कभी जानबूझकर यूनिट के बाहर रिमोट-व्यूइंग सेशन नहीं किया था, और मैं डरा हुआ था। मैं किसी भी दुर्घटना का जोखिम नहीं उठा सकता था।
मैं खाली दीवारों और कम सामान को घूरते हुए इधर-उधर टहल रहा था। मैंने निर्देशांक और कुछ संक्षिप्त निर्देश लिखे और कागज को नाइटस्टैंड पर रख दिया। लाइट बंद करके मैं अंधेरे में लेट गया और उलटी गिनती शुरू कर दी...। आकाश का पर्दा हटा और मैंने खुद को केएएल जेट के कॉकपिट में पाया। मैं कुछ पल पायलट, सह-पायलट और इंजीनियर को उनके स्थानों पर देखता रहा। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या देखने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मुझे कुछ भी असामान्य नहीं लगा। मैंने इंजीनियर को दोनों हाथों से छुआ; अपनी काल्पनिक आँखें बंद करके, मैंने उसके विचारों को पढ़ा। वे सभी उसकी जिम्मेदारियों और विमान की प्रगति से संबंधित थे। सह-पायलट का दिमाग घर, परिवार और पैसों के विचारों में उलझा हुआ था। जब तक मैं उससे संपर्क में था, उसे विमान के अंदर या बाहर क्या हो रहा था, इसकी कोई चिंता नहीं थी। मैं बाईं सीट पर बैठे पायलट की ओर बढ़ा।

रहा था; यह ज़मीन से निकलने वाली ऊर्जा को महसूस कर रहा था या माप रहा था। लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह किस तरह की ऊर्जा थी, या क्यों। मुझे बस इतना पता था कि यह किसी प्रकार का डिटेक्टर या सेंसर था, जो नीचे स्थित ऊर्जा स्रोतों की ओर निर्देशित था। मैंने सेशन रोक दिया और कमरे के भौतिक आयाम में वापस लौटने लगा।
जैसे ही मैं लक्ष्य से दूर जाने लगा, एक गोला विमान के दाहिने पिछले हिस्से से टकराया, जो उसके दाहिने पंख के ठीक पीछे लगा। विमान आग के एक भयानक गोले में तब्दील हो गया और तेज़ी से दाहिनी ओर लुढ़कने लगा, उसका अगला हिस्सा नीचे की ओर था। जैसे-जैसे मैं समय और स्थान में आगे बढ़ते हुए अपने कमरे की ओर बढ़ा, वह भयावह दृश्य मेरे दिमाग से धुंधला होता गया।
मैं काफी देर तक शांति में लेटा रहा, गहरी सांसें लेता रहा, और उस बदली हुई अवस्था के आनंद में डूबा रहा। अब मुझे उस अलौकिक अवस्था से उबरने में पहले से ज़्यादा समय लगने लगा था; सन स्ट्रीक में मुझे जो अनुशासन सिखाया गया था, वह मैं खोता जा रहा था। भौतिक जगत से मेरा बंधन कमजोर होता जा रहा था; मैं सोचने लगा था कि अगर वह टूट गया तो क्या होगा।
मैंने सुबह के काफी देर तक बॉक्स और विमान की तस्वीरें बनाते हुए स्केच तैयार किए। फिर मैंने अपनी सारांश में यात्रा का विस्तृत विवरण लिखा। जब मैंने काम खत्म किया, तब सुबह के साढ़े चार बज रहे थे।

अगली दोपहर मेल ने मेरे ऑफिस में फोन किया।
मैंने कहा, “मैं अगले एक घंटे में ये सारी जानकारी आपको फैक्स कर दूंगा, लेकिन एक बात मुझे साफ़ है। ये कोई सामान्य उड़ान नहीं थी। मुझे लगता है कि पायलटों में से एक को पता था कि क्या हो रहा है, और मुझे लगता है कि वो इस ऑपरेशन में स्वेच्छा से शामिल था। मुझे ठीक से नहीं पता कि उसे क्या करना था, लेकिन उसके विमान में किसी तरह का निगरानी या पता लगाने वाला उपकरण लगा हुआ था। मुझे लगता है कि वो सोवियत हवाई क्षेत्र में या उसके आस-पास कुछ मापने के लिए उड़ान भर रहा था। बस मुझे नहीं पता कि वो क्या माप रहा था।” “हाँ,” मेल ने गंभीर स्वर में कहा। “वे तटरेखा के रडार कवरेज में खामियों की तलाश कर रहे थे। मैंने भी एक उपकरण देखा था। क्या तुम्हारा उपकरण सींग लगे हुए एक डिब्बे जैसा दिखता था?”
“बिल्कुल सही। क्या आपको पायलट के बारे में कुछ जानकारी मिली?”

“नहीं, मैंने कॉकपिट में नहीं देखा। मुझे देखना चाहिए था। जितनी जल्दी हो सके मुझे अपना सारांश भेज दें, मैं इसे अपने ग्राहक तक पहुंचा दूंगा।” “आखिर यह आदमी इस जानकारी का क्या करेगा? क्या वह इसे लेकर प्रेस के पास जाएगा?”
“वह तो खुद प्रेस है! अगर उसमें हिम्मत है, तो मुझे लगता है कि वह इसका अच्छा इस्तेमाल करेगा। अगर उसे लगता है कि मामला गरमागरम है, तो वह शायद इसे यूं ही किनारे रख देगा। मुझे सच में कुछ पता नहीं है।”
“मुझे लगता है कि हमें इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देना चाहिए जो इसका उपयोग करे। और मुझे लगता है कि हमें इसका उपयोग दुनिया को यह दिखाने के लिए करना चाहिए कि रिमोट व्यूइंग क्या कर सकती है। सोवियत संघ का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। हम यह सब किससे छिपा रहे हैं?”
"अब हम इस बारे में फोन पर और बात नहीं करेंगे, ठीक है?"
मुझे काफी छुट्टियां मिलने वाली हैं। मैं आपसे और एडिथ से मिलने के लिए आना चाहूंगा; शायद तब हम बात कर सकें। आपका क्या ख्याल है?
"ठीक है।"
मैंने अपना सारांश फैक्स कर दिया, और उसके बाद कई हफ्तों तक मेल से मेरी कोई बातचीत नहीं हुई।

अठारह दिन बीत गए। मैं अपने कमरे में अंधेरे में बैठकर रेखाचित्र बना रहा था, चाँदनी की हल्की रोशनी छोटी लकड़ी की मेज पर पड़ रही थी। मुझे अपने परिवार की बहुत याद आ रही थी, लेकिन मैं समझता था कि डेबी ऐसा क्यों महसूस कर रही थी। उसे बच्चों को मेरे दूरस्थ अवलोकन के भयावह परिणामों से बचाना था। मुझे गोली लगने के बाद बीते वर्षों में, वे भूल गए थे कि मैं कौन था। वे केवल यह जानते थे कि मैं क्या बन गया था।
सितंबर में डेनिएल ने मेरे लिए जन्मदिन का कार्ड बनाया था। मेरी सात साल की छोटी बच्ची ने परिवार के हर सदस्य को एक संपूर्ण व्यक्ति के रूप में चित्रित किया था, और वे सभी प्यार से एक-दूसरे का हाथ थामे हुए थे। सिवाय मेरे। मैं एक रंगहीन, पारदर्शी, स्टिक फिगर था, जो बाकियों से ऊपर हवा में तैर रहा था। मेरे चारों ओर भूतों की ठोस, काली आकृतियाँ थीं, जो मुझे पकड़कर परिवार से दूर खींच ले जाना चाहती थीं। कार्ड पर डेनिएल ने लिखा था:

“जन्मदिन मुबारक हो, पापा! हम आपसे इन सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं।” मैंने कार्ड को मोड़कर धीरे से दराज में रख दिया।
मैं चुपचाप नीचे रसोई में रखे फोन के पास गया।
“डेविड, सुबह के दो बज रहे हैं,” डेबी ने नींद में कहा।
मुझे पता है। मुझे माफ करना, मैं बस आपकी आवाज सुनना चाहता था।
"खैर, काफी देर हो गई है। मुझे सुबह जल्दी उठना होगा।"
“डेबी, कृपया अभी मत जाओ। क्या हम एक-दो मिनट बात कर सकते हैं?”
"आप किस बारे में बात करना चाहते हैं?"
मैंने आंसू रोकने की कोशिश करते हुए गहरी सांस ली। “मैं बस तुम्हें यह बताना चाहती थी कि मैं तुमसे प्यार करती हूं, और तुम्हारे बारे में सोच रही हूं। और मुझे तुम्हारी बहुत याद आ रही है।”
“मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ, डेविड। मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है।” “क्या हम एक और कोशिश कर सकते हैं? मुझे लगता है कि अब मुझे चीज़ों पर बेहतर पकड़ है। सचमुच।”
"डेविड, हम पहले भी इन सब चीजों से गुजर चुके हैं।"
मैंने उसकी बात काटते हुए कहा, "मुझे पता है, लेकिन—"
“डेविड, बात बस इतनी सी है—कुछ भी नहीं बदला है। तुम बेकाबू हो गए हो और कुछ नहीं करोगे। जब तक तुम ऐसा नहीं करोगे, तब तक तुम हमारे साथ नहीं रह सकते। तुम यह जानते हो। डेविड, बच्चे तुमसे बहुत डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि तुम फिल्मों के किसी एलियन हो। तुम उनसे क्या उम्मीद करते हो कि वे क्या सोचेंगे? तुम उन्हें फिर से उस डर का सामना क्यों करवाना चाहते हो? मैं तुम्हें ऐसा उनके साथ—हमारे साथ—नहीं करने दे सकती। क्या तुम समझते नहीं हो?”
"हां, मैं करता हूं।"
“आपको बस थोड़ी मदद लेनी है। यह आपका फैसला है। मुझे एक पति चाहिए, और बच्चों को एक पिता चाहिए। हममें से किसी को भी आधे पागल टाइम ट्रैवलर की जरूरत नहीं है। और आप वही बन चुके हैं।”
"अब बुरे सपने उतने बुरे नहीं आते, मैं वादा करता हूँ!"
“डेविड, ये बिल्कुल सच नहीं है। तुम सामान्य नहीं हो! मुझे ऐसा पति चाहिए जिससे मैं खुलकर बात कर सकूँ और जिसके साथ सो सकूँ, बिना उसे किसी बेहोशी या बुरे सपने से जगाए या किसी और बुरी हालत से बाहर निकाले। डेविड, तुम

सुधर नहीं रहे, बिगड़ते जा रहे हो। एक दिन तुम पूरी तरह से पागल हो जाओगे और फिर वापस नहीं लौट पाओगे। तुम मेल जैसे नहीं हो! मेल तो जन्मजात प्रतिभाशाली है; उसे ये क्षमता जन्म से मिली है। उसने कभी इसके बिना जीवन नहीं जिया। लेकिन वो तो मेल है। डेविड, तुम्हारे सिर में गोली लगी है! तुम्हारी क्षमता को ठेस पहुँची है और तुम्हारा जीवन छिन गया है।”
मैं इतना भी बुरा नहीं हूँ! मैं इसे नियंत्रित कर सकता हूँ!
“ओह, डेविड, तुम्हें कब एहसास होगा कि तुमने खुद को किस मुसीबत में डाल लिया है? मुझे जाना होगा, मैं ऐसे नहीं रह सकती, बहुत दर्द हो रहा है। शुभ रात्रि।”
मैं रसोई में बैठकर फोन पर चल रही खामोशी को सुन रही थी और अपने आँसू नहीं रोक पा रही थी। मैं अपनी आँखों के इस वरदान को खोना नहीं चाहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि ये मुझे किसी खास मकसद से मिली हैं। मैंने रसोई की मेज पर हाथ रखकर तब तक सोई जब तक बुरे सपने नहीं आने लगे। जब सपने आए, तो मैं सुबह होने तक घर में इधर-उधर घूमती रही।

अप्रैल आते-आते, मुझे अपने जीवन की कई बातों को लेकर बेहतर महसूस होने लगा था। मैं यह नहीं कह सकती कि वास्तव में कुछ बदला था; शायद मैं अकेले रहने की आदत डाल रही थी, या शायद मैं दुनिया से छिपने की आदत डाल रही थी। जब मैं रात को अकेली होती थी, तो मेरे विचार मुझे चाकू की तरह चुभते थे; लेकिन धूप और गर्म हवाओं में, चीजें समझ में आने लगती थीं और मुझे हर समय डरने की ज़रूरत नहीं रहती थी।
यह रविवार, 7 अप्रैल, 1991 का दिन था। मैं खाड़ी के किनारे धूप का आनंद लेते हुए रेखाचित्र बना रहा था। मैंने क्षितिज पर सफेद पाल वाली नावों को देखने के लिए अपनी नोटबुक एक तरफ रख दी और अपने मन को किसी और जगह और समय में खो जाने दिया।
“डेविड!” देवदूत की जानी-पहचानी आवाज़ ने धीरे से पुकारा। “डेविड!”
मैंने मुड़कर देखा तो वह मेरे बाईं ओर धूप में खड़ा था। मैंने उसे इतने सालों में कई बार देखा था कि हालाँकि उसकी मुलाक़ातें कभी सामान्य नहीं लगती थीं, फिर भी मैं उसके साथ सहज महसूस करती थी, पहले की तरह डरी हुई या घबराई हुई नहीं थी। मुझे लगता है कि कोई भी अच्छी चीज़ कभी नहीं मरती, और मैं इसके लिए आभारी हूँ। मेरे जीवन में और आसपास की दुनिया में बुराई

अक्सर अपना रूप बदलती रहती थी, लेकिन वह फ़रिश्ता एक पुराना और प्यारा दोस्त था।
मैं यहीं हूँ, ठीक वैसे ही जैसे मैं हमेशा तब होता हूँ जब आपको मेरी ज़रूरत होती है।
मैं एक बार फिर चेतावनी लेकर आया हूँ।
“चेतावनी? क्यों? कृपया ऐसा मत कीजिए, मैं आपसे विनती करता हूँ, कृपया ऐसा मत कीजिए। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है, मैंने वह बनने के लिए कड़ी मेहनत की है जो आप मुझे बनाना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि मैं कुछ त्याग दूँ; लेकिन मैं अब और कुछ नहीं त्याग सकता, मेरे पास देने के लिए कुछ बचा ही नहीं है।”
“और इसलिए प्रेम क्षणभंगुर है, मर रहा है, तुमसे दूर जा रहा है।” वह मुस्कुराया। मैंने पाया कि इस शख्स की खूबी यही थी कि वह मेरी आशंकाओं के मूल तक पहुँच जाता था। वह हमेशा चीजों को वैसे ही देखता था जैसे उन्हें देखा जाना चाहिए। “तुम मेरी चेतावनियों से कांपते हो, लेकिन मैं तुम्हें एक नए जीवन का मौका देता हूँ।”
“नहीं, ऐसा नहीं है! आप मुझे लड़ने का मौका देने के अलावा कुछ नहीं दे रहे हैं। मैं चार साल से ज़्यादा समय से लड़ रहा हूँ। मैं बस इस दुनिया और दूसरी दुनियाओं के बीच, सीमावर्ती इलाके में जी रहा हूँ। यह कैसी ज़िंदगी है?”
"आपका जीवन रोमांच और चमत्कार का मिश्रण रहा है, है ना?"
“ये आपके शब्द हैं, मेरे नहीं। यह जीवन अच्छाई और बुराई के बीच सत्ता संघर्ष रहा है, और मैं उसमें उलझा रहा हूँ। और मेरे पास क्या शक्ति रही है? मैंने जो कुछ भी किया है—”
देवदूत ने मुझे बीच में ही रोक दिया। “तुमने जो कुछ भी किया है, वह है अपने जीवन की ज़िम्मेदारी लेना सीखना, और यही दुनिया को बदलने का एकमात्र तरीका है। इस ज़िम्मेदारी को स्वीकार करना ही तुम्हें सीखने के अगले चरण में मार्गदर्शन देगा।” उन्होंने मुझे ध्यान से देखा। “यह चरण तुम्हारी सीमाओं से परे तुम्हारी परीक्षा लेगा। इसके समाप्त होने से पहले तुम्हें अपने जीवन के लिए लड़ना होगा।”
मैं लड़ते-लड़ते थक गया हूँ। मैं अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहा हूँ, और मैं थक गया हूँ।

“मनुष्य अपने शब्दों से नहीं, बल्कि अपने संघर्षों से पहचाना जाता है; आप अपने लिए नहीं, बल्कि अपने बच्चों और उनके बच्चों के लिए लड़ेंगे। आने वाली कई पीढ़ियों के लिए। आप हजारों वर्षों से चली आ रही योद्धाओं की श्रृंखला की एक कड़ी मात्र हैं, लेकिन आपको बुलाया गया है और बहुत कुछ आप पर निर्भर करता है। आपका संघर्ष आपके भीतर छिपे वरदान पर आधारित है। वरदान ही शक्ति है—आप नहीं, वरदान। आपकी शक्ति की परीक्षा इस वरदान को दूसरों तक पहुंचाने की आपकी क्षमता में होगी। याद रखें, वरदान ही शक्ति है! सही समय आने पर दूसरों को शक्ति प्रदान करें। आपको स्वयं पता चल जाएगा कि सही समय कब है।”
बिना किसी और विरोध के मैंने आँखें खोलीं और देखा कि खाड़ी के ऊपर तूफ़ानी बादल मंडरा रहे हैं, मानो देवदूत की भविष्यवाणी सच हो रही हो। आने वाले खतरे के बारे में सोचकर मैं रो पड़ी। मैंने हिम्मत जुटाई थी, यह सोचकर कि मुझे एक छोटी सी जीत मिल गई है; अब मुझे पता चला कि जिसे मैं जीत समझ रही थी, वह तो आकाश में होने वाले बड़े संघर्षों से पहले का एक छोटा सा अंतराल मात्र था। मैं तो बस एक सैनिक बनना चाहती थी। यकीनन, अधिकांश लोग मुझसे कहीं अधिक योग्य और शक्तिशाली थे। मैं अपनी और दूसरों की जान बचाने के लिए कैसे लड़ूँगी?

चार दिन बाद, मैंने एक सिंगल-इंजन सेसना 172 किराए पर ली और विस्कॉन्सिन के स्टीवंस पॉइंट के ठीक बाहर स्थित छोटे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया। मुझे मेल से मिलना था और उसे अपने अनुभव बताने थे। उड़ान में आठ घंटे लगे और दो बार ईंधन भरवाना पड़ा। हवाई अड्डे पर मेल ने मेरा स्वागत किया और हम साथ में उसकी खूबसूरत घर गए, जहाँ एडिथ मुस्कुराते हुए घर के सामने खड़ी थी।
हमने बाकी का दिन और रात का काफी समय एक-दूसरे से बातें करने, हँसने और नई रोमांचक यादों और पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए बिताया। अगली सुबह मेल और मैं जल्दी उठे और मछली पकड़ने और अपने भविष्य के बारे में बात करने के लिए झील पर चले गए। पहले तो हम चुप रहे; हम दोनों एक-दूसरे के शुरू करने का इंतज़ार कर रहे थे, क्योंकि हम जानते थे कि यह एक लंबी और कठिन बातचीत होने वाली है। मेल बार-बार मेरी तरफ देख रही थी, मानो उम्मीद कर रही हो कि मैं वह बात भूल जाऊँ जिसके लिए मैं आई थी।

“मेल, मुझे अपने मन की बात किसी से कहनी है,” मैंने चुप्पी तोड़ते हुए कहा। “और डेबी के अलावा तुम ही हो जिस पर मुझे पूरा भरोसा है।”
तो, खुलकर बोलो। इसके बारे में चिंता करना बंद करो और चलो बात करते हैं। “मुझे अब चीजें साफ-साफ दिखाई नहीं दे रही हैं, और मुझे अपने काम पर भरोसा भी नहीं रहा। मुझे खुफिया काम से नफरत है। मेरे परिवार की जिंदगी अस्त-व्यस्त है। रात को जब मैं आंखें बंद करता हूं तो मुझे नहीं पता कि मैं सोऊंगा या फिर पता नहीं कहां चला जाऊंगा। हालात और बिगड़ते जा रहे हैं, और इन सबके अलावा, फरिश्ता फिर से मेरे पास आया और उसने मुझे बताया कि मेरा भविष्य बहुत बुरा होने वाला है। मुझे लगता है कि वह चाहता है कि मैं दुनिया को उस वरदान के बारे में बताऊं।”
मेल ने अपना सिर हिलाया, पानी से अपनी निगाहें हटाए बिना। "मुझे डर था कि बात यहीं तक आ जाएगी।"

“किसलिए?”
“यह विभाजन। आपका वह फरिश्ता गलत नहीं है, आप जानते हैं। मुझे हमेशा डर था कि किसी दिन हममें से कोई एक या सभी इस निष्कर्ष पर पहुंच जाएंगे। यह तो बस समय की बात थी कि कोई डीआईए के बाहर रिमोट व्यूइंग के बारे में बात करने का फैसला कर ले। मैं हमेशा से जानता था कि इसे छिपाना गलत था।”
मैं अवाक और सुन्न हो गया। "क्या आपको एहसास है कि इससे मुझे कितना अच्छा लग रहा है? मुझे लगा था कि मैं गद्दार बन रहा हूँ।"
मेल हंस पड़ी। “हम दोनों के होने से स्थिति बेहतर नहीं हो जाती। सरकार फिर भी इसे राजद्रोह ही कहेगी।”
"लेकिन आप इस बात से सहमत हैं कि हमें इसे सामने लाना चाहिए?"
“जैसा कि मैंने कहा, मैंने हमेशा इस पर विश्वास किया है। मुझे बस लगा कि मैं अकेली हूँ। मुझे लगता है कि मुझे भी आपकी तरह ही राहत मिली है यह जानकर कि मुझे कुछ समर्थन मिल रहा है।”
मैंने मुस्कुराते हुए गहरी सांस ली। “फिर भी, मुझे इस बात का बहुत बुरा लग रहा है। इससे हमारे करीब रहने वाले सभी लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा।” "बिल्कुल।"
मैंने मेल की ओर गौर से देखा। “हम अपने देश से प्यार करते हैं, और हम एक-दूसरे को भाइयों की तरह प्यार करते हैं। और यह कभी नहीं बदलेगा। जब यह

सिर्फ एक संग्रहणीय वस्तु थी, तब भी हम दोनों जानते थे कि रिमोट व्यूइंग को आम लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। लेकिन अब वे इसे एक हथियार में बदल रहे हैं। उन्होंने इस वरदान को एक घिनौनी चीज में बदल दिया है, और मुझे लगता है कि इसीलिए फरिश्ता इसमें शामिल है। उसे इसका पहले से ही अंदाजा था।”
“जटिल चीज़ों को सरल शब्दों में समझाने की आपकी क्षमता ने मुझे हमेशा अचंभित किया है,” मेल ने कहा। “क्या आपको इस बात का एहसास नहीं है कि आपके आस-पास किस तरह की पर्दे के पीछे की साज़िशें चल रही हैं? आप इसे जो चाहें नाम दें—भगवान, फेडरेशन, कोई फ़रिश्ता, वर्जिन मैरी—कोई फ़र्क नहीं पड़ता। यह योजना बहुत पहले से ही चल रही थी। ज़रा सोचिए। आपके सिर में गोली लगी थी, और तब से आप एक निजी जंग लड़ रहे हैं। आपका पूरा जीवन बदल गया है; आपने अपनी आँखों को बचाने के लिए, अपनी इस शक्ति को बनाए रखने के लिए, अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया है। और यह तो बस आपका छोटा सा हिस्सा है। मुझे यह शक्ति बारह साल की उम्र से मिली है, और मैं हमेशा से जानता था कि इसका असली महत्व किसी ऊँचे उद्देश्य में निहित है। बस मुझमें कभी अकेले आगे बढ़कर उसे साकार करने की हिम्मत नहीं हुई।” उसने अपना सिर हिलाया। “अब संयोग बिल्कुल सही है। क्या आपने कभी सोचा है कि एक मशीन गन गलती से गलत दिशा में क्यों घूम गई और सिर्फ़ आपको ही क्यों लगी? मेरा मतलब है, इससे एक दर्जन लोग मारे या घायल हो सकते थे। ज़रा संभावनाओं का अंदाज़ा लगाइए।”
उस सुबह हमने अपने फैसले के बारे में और बात नहीं की। उपहार के बारे में सार्वजनिक रूप से बताने से हमें डर लग रहा था, इसलिए मेल ने समझदारी से विषय बदलकर मछली पकड़ने और स्थानीय भारतीय लोककथाओं पर बात करना शुरू कर दिया।
बाद में, खाना खाने के बाद, उसने मुझे एक तरफ बुलाया।
“कोई बात तुम्हें अंदर ही अंदर खा रही है, और तुम उसे थामे बैठे हो। मुझे तुम्हारी चिंता है। मैं चाहता हूँ कि तुम यह बात पहले ही जान लो। मुझे खुशी है कि हम इस बात पर सहमत हैं कि इस उपहार को दुनिया के सामने पेश करना ज़रूरी है, लेकिन तुम्हारी इस निजी लड़ाई को लेकर मैं सचमुच चिंतित हूँ। क्यों न तुम इसे जाने दो?”
“क्योंकि मैं ऐसा नहीं कर सकता! मैं सरकार और सेना को पवित्र संस्थाएँ मानता था, जिन पर मैं सर्वोपरि विश्वास करता था। लेकिन हर तरफ, उन्होंने

मुझे निराश किया है। रिमोट-व्यूइंग यूनिट बिखर रही है। मुझे डर है कि वहाँ जो काम हो रहा है, उससे हमारी सारी उपलब्धियाँ धूमिल हो जाएँगी। कुछ भी सही दिशा में जाता हुआ नहीं दिख रहा है, और हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। दरअसल, ऐसी अफवाह है कि डीआईए नेतृत्व अब इस कार्यक्रम को सार्थक नहीं मानता और इसमें कटौती करेगा। इससे पूरे कार्यक्रम की बदनामी हो रही है।” “मेल, मुझे किसी एक व्यक्ति पर गुस्सा नहीं है। मैं बस रिमोट व्यूइंग के भविष्य को लेकर चिंतित हूं, और मैं तुम्हारे और अपने बारे में चिंतित हूं। मैं इस बात से चिंतित हूं कि वे हमें रोकने के लिए किस हद तक जा सकते हैं, भले ही इसका मतलब व्यूइंग को पूरी तरह से नष्ट करना ही क्यों न हो।”
मेल ने कुछ नहीं कहा, बस सुनता रहा, उसकी निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं।
“आप मुझसे बेहतर यह जानते हैं। आपने ही मुझे सिखाया था कि सभी अलौकिक विद्याओं में से रिमोट व्यूइंग ही एकमात्र ऐसी विद्या है जो सिद्ध हो चुकी है। इसे सरकारी अनुदान मिला है, इस पर गहन शोध हुआ है और वर्षों से इसका प्रयोग किया जा रहा है। यह कोई अनुमान नहीं है, कोई तमाशा नहीं है, यह ईश्वर की ओर से हमें मिला एक शुद्ध और सरल उपहार है। यदि यह ईश्वर से प्राप्त हुआ है, तो कौन इसे नकारात्मक उद्देश्यों के लिए नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है? रिमोट व्यूइंग केवल सत्य को जानता है, और यदि इसका गलत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है तो यह सत्य नहीं बदलेगा। समय के साथ, यह अपेक्षाकृत अपरिष्कृत तकनीक से एक सटीक तकनीक में विकसित हो गया है, और यदि हम इसे नहीं बचाते हैं, तो मुझे डर है कि या तो यह हमसे छीन लिया जाएगा, या फिर कोई ऐसी शक्ति जो इससे संबंधित नहीं है, इस पर हावी हो जाएगी। क्या मेरी बात समझ में आ रही है?”
"बिल्कुल आप हैं, और मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं।"
“तो फिर हम, जो इतने कुशल और प्रशिक्षित दूरस्थ दर्शक हैं, इस वरदान का उपयोग करके वो काम क्यों नहीं कर रहे जो हमें करना चाहिए? हम मानवता की मदद क्यों नहीं कर रहे? हम सहस्राब्दी के करीब पहुँच रहे हैं। इसका कई लोगों के लिए अलग-अलग अर्थ है, लेकिन यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी। मानव चेतना में एक बड़ा बदलाव हो रहा है, जो एक-दूसरे को देखने के हमारे नज़रिए को बदल रहा है, दुनिया को देखने के हमारे नज़रिए को बदल रहा है।” मैं अब भी सहमत हूँ।

मेल, मुझे अंदर से बहुत दुख हो रहा है। तुम्हें पता है, इस सदी में ही एक सौ सत्तर मिलियन से ज़्यादा निर्दोष लोग युद्धों में मारे गए हैं। और जिस सरकार की मैं अभी सेवा कर रहा हूँ, वह उसी विचारधारा को बढ़ावा दे रही है। उनके पास ऐसी तकनीक है जो मानव इतिहास को बदल सकती है, और उन्होंने स्वार्थवश उसे फोर्ट मीडे में छिपा रखा है। वे इसका इस्तेमाल नुकसान पहुँचाने के लिए करेंगे, मदद करने के लिए नहीं। तो मैं यहाँ एक बुरे सपने में जी रहा हूँ! मैं वो सब देख रहा हूँ जो मुझे नहीं देखना चाहिए, मैं वो सब जानता हूँ जो ज़्यादातर लोग कभी नहीं जानते, और मुझे कहीं दूर से एक आवाज़ आ रही है जो कह रही है कि मैं बदलाव ला सकता हूँ, और यहाँ बैठे लोग कह रहे हैं कि मैं कुछ नहीं कर सकता, मेरा दिमाग खराब है।
मेल ने सिर हिलाया।
“मेल, हम दोनों जानते हैं कि रिमोट व्यूइंग का भविष्य इससे सभी को मिलने वाले लाभों पर निर्भर करता है। हमें इस वरदान का उपयोग विज्ञान, स्वास्थ्य, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के लिए करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुझे याद है, मैं सूक्ष्मदर्शी से मानव कोशिकाओं को ऐसे देख रहा था मानो मैं वहीं मौजूद हूँ। याद है? तुमने ही मुझे भेजा था।”
मुझे याद है। उस समय हमने यह पता लगाने की कोशिश की थी कि अफगानिस्तान में उन लोगों की मौत किस वजह से हुई थी।
“और अगर हम ऐसा कर सकते हैं, तो कैंसर रोगियों या मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित लोगों में सेलुलर स्तर पर क्या हो रहा है, यह बताकर हम जान क्यों नहीं बचा सकते? हम दर्शकों से भरे एक कमरे को किसी मेडिकल टारगेट पर बिठा सकते हैं और जवाब ढूंढ सकते हैं। हमें यही करना चाहिए! लेकिन इसके बजाय हम सैन्य लक्ष्यों, कोकीन के जहाजों, मिसाइल साइलो, डबल एजेंटों पर ध्यान दे रहे हैं। कृपया मुझे बताएं, इससे अगली पीढ़ी के बच्चों की जान कैसे बचेगी?”
“मुझे नहीं पता। शायद ऐसा नहीं है, लेकिन मैं जानता हूँ कि यह व्यर्थ नहीं है, जैसा कि आप कहते हैं। हम सभी को वही करना चाहिए जो हमें अपने लिए सही लगे।” उन्होंने आह भरी। “डीआईए का मानना है कि रिमोट व्यूइंग को गुप्त रखकर वह सही काम कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी उस उद्देश्य को भूला है जो हमने मानवता के लिए तय किया था। मुझे नहीं लगता कि चीजें पटरी से उतर

गई हैं—सब कुछ इसी तरह होना है, वरना योजना उलट जाएगी। हर किसी को अपने सामूहिक और व्यक्तिगत भाग्य को चुनने का अधिकार और स्वतंत्रता है, साधारण नियमों से लेकर कानूनों, सरकारों, धर्मों और मानवता की दिशा में अपनी भागीदारी तक, सब कुछ चुनने का अधिकार है। हमारी सरकार और सरकार के कुछ लोगों द्वारा लिए गए निर्णय की कठोरता से आलोचना करना गलत है। आप बस अपने मार्गदर्शक की सलाह का पालन कर सकते हैं और अपनी भूमिका निभा सकते हैं। फिर आप चले जाइए।”
मेल की आंखें चमक उठीं।
“मानव जाति न तो लुप्त हुई है और न ही कोई गलत काम कर रही है। अपने दिल की सुनो और दूसरों को भी अपने दिल की सुनने दो। मैं तो निश्चित रूप से अपने दिल की सुनूंगा। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के लिए काम करना, एड्स का इलाज ढूंढना—यह आपके लिए और उन लोगों के लिए है जो आपका अनुसरण करना चाहते हैं। यह एक साहसिक कार्य है। लेकिन अन्य दर्शकों के कार्य भी उतने ही सराहनीय हैं। मेरा भी।”
मैं विनम्र हो गया। मैंने पूछा, "और आपका उद्देश्य क्या है?"
“मैं जानता हूँ कि यह यहीं, इसी भूमि में, मूल अमेरिकी लोगों के बीच मौजूद है। लेकिन मेरी खोज वास्तव में क्या है, और यह कैसे प्रकट होगी, मुझे इसका पक्का पता नहीं है। सृष्टिकर्ता मुझे अपने समय पर बताएगा।”
मेल के शब्दों ने मुझे सांत्वना दी। “हम सब बस बीज हैं। हमें यहाँ इस वरदान के साथ बोया गया है कि हम वह देख सकें जो केवल ईश्वर ही देख सकते हैं। और हममें से प्रत्येक का अपना एक मिशन है, एक उद्देश्य खोजना, सिखाना और उसे व्यापक भलाई के लिए आगे बढ़ाना, चाहे वह भलाई कुछ भी हो।”
“बिल्कुल सही। हम यहाँ इसीलिए तो आए हैं। और रिमोट व्यूइंग का भी यही उद्देश्य है—अनेक रास्ते, अनेक स्थान, लेकिन सब मानवता की भलाई के लिए, और सृष्टिकर्ता की कृपा से, बशर्ते अच्छे लोग, जिनके हृदय शुद्ध हैं, अपनी स्वतंत्र इच्छा का प्रयोग करें और जो उन्हें सही लगता है उसके लिए लड़ें। अपने देश, दुनिया या व्यक्तियों की निंदा मत करो; यही तुम्हारे भीतर की बुराई चाहती है, और इसीलिए तुम्हें उसमें अपना चेहरा दिखाई देता है। वह चाहती है कि तुम क्रोधित हो, दूसरों को दोषी ठहराओ और संदेह करो। इसे जाने दो! तुम्हारे भीतर की ऊर्जा, बुराई, तुम्हारे विरुद्ध हो जाएगी; यह उसे वापस प्रतिबिंबित करती है। इस युद्ध को जीतने के लिए, तुम्हें

प्रतिबिंबित करने वाला बनना होगा। और ऐसा करने के लिए तुम्हें अपने हृदय से क्रोध और आत्म-संदेह को मुक्त करना होगा। अच्छाई और पवित्रता पर भरोसा रखो; तुम बुराई और अच्छाई दोनों को उन लोगों की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट रूप से देख सकते हो जिनके पास यह वरदान नहीं है। यह एक साधन है। इसका उपयोग करो! ठीक है?”
अगली सुबह, मैंने अपने सेसना विमान का अगला हिस्सा उठाया और दक्षिण-पूर्व दिशा में विस्कॉन्सिन के आकाश में उड़ान भरी, अपने घर की ओर। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे गले से बोझ उतर गया हो। मुझे अब इस बात का डर नहीं था कि डीआईए, सीआईए या कोई और रिमोट व्यूइंग का इस्तेमाल करके आगे क्या करेगा, न ही मुझे इस बात की चिंता थी कि रिमोट व्यूइंग का इच्छित उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। ज़िम्मेदारी मुझ पर थी, किसी और पर नहीं। मुझे वही करना था जिसके लिए मुझे चुना गया था; मुझे अकेले ही अपने रास्ते पर चलना था। जिस लड़ाई को मैं वर्षों से लड़ रहा था, वह तब तक जारी रहेगी जब तक मुझे वह सब पता नहीं चल जाता जो मेल को पहले से ही पता था।

अगस्त 1991 में, मैं फोर्ट लेवेनवर्थ, कंसास गया और अपनी अगली ज़िम्मेदारी - अमेरिकी सेना के कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज - में दाखिला लिया। शुरुआती कुछ सप्ताह अतिथि वक्ताओं, खाड़ी युद्ध के नायकों और नियमों व विनियमों की अंतहीन धारा से भरे हुए थे। मुझे वर्दी खरीदनी पड़ी, जिसे मैंने पाँच साल से नहीं पहना था। यह देखकर आश्चर्य हुआ कि पाँच वर्षों में कितना कुछ बदल गया था।
कॉलेज में लगभग हर चीज़ के लिए हर समय एक निर्धारित स्थान था। प्रत्येक अधिकारी के पास चिट्ठियों और संदेशों के लिए एक जगह, किताबों के लिए एक बक्सा, कक्षा में एक सीट, पुस्तकालय में एक सीट, पुस्तकालय में प्रवेश के लिए एक कार्ड, मुख्य व्याख्यान कक्ष में एक सीट, एक कक्षा प्रमुख, एक अनुभाग प्रमुख और इनके बीच लगभग पाँच अन्य प्रमुख होते थे; निर्धारित अवकाश, निर्धारित दोपहर का भोजन, उपस्थिति दर्ज करना, हाजिरी, प्रश्नोत्तरी, परीक्षा, अध्ययन कक्ष, वैकल्पिक विषय।
मुझे सेक्शन 22 ए में तैनात किया गया था, और यह कितना विविध समूह था! हम जीवन के हर क्षेत्र और सेना की हर शाखा से थे। हमारे साथ लेफ्टिनेंट कमांडर जिम वाटर्स थे, जो मेरे अब तक के सबसे बेहतरीन नौसेना अधिकारियों

में से एक थे; मेजर माइकल "डॉक" शाउब, जो एक सेना सर्जन और पूर्व रेंजर बटालियन सदस्य थे; और यहाँ तक कि एक ग्रीक लेफ्टिनेंट कर्नल, निकोलस गियालिरिस द्वितीय भी थे। वे सभी अद्भुत, बुद्धिमान और ऊर्जावान थे; मैं उन सभी से ईर्ष्या करता था। हमने साथ बिताए एक साल में बहुत कुछ साझा किया; काश मैंने उनसे और अधिक बातें साझा की होतीं; इसके बजाय, मैंने यथासंभव खुद को अलग-थलग रखा। मैंने यथासंभव एकांत जीवन जीना जारी रखा; केवल माइक ओमुरा और जिम वाटर्स ही कभी-कभार मुझे बाहर आने के लिए प्रेरित करते थे।
मैं किराए के कमरे में रहता था। मेरी मकान मालकिन कैरोलिन फिन्नी नाम की एक दयालु और सौम्य महिला थीं। वह मेरा ऐसे ख्याल रखती थीं जैसे मैं उनका अपना बेटा हूँ; अगर वह न होतीं तो मैं एक और साल अकेले नहीं गुज़ार पाता। वह अक्सर मेरे लिए खाना बनाती थीं; नहीं तो मैं नियमित रूप से खाना नहीं खा पाता। वह कमरे का दरवाज़ा खटखटातीं और मुझे परिवार और दोस्तों के साथ एक-दो बियर पीने के लिए बाहर जाने के लिए मनातीं। वह बहुत अच्छी थीं।
यह मेरे व्यक्तिगत बदलाव का एक और साल था। मुझे धुंधली सी उम्मीद थी कि शायद जो कुछ मैंने झेला वह सिर्फ एक सपना था और अब मैं जागकर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ूंगा, सेना में वापस लौटूंगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं उस पुकार, उस वरदान या बुरे सपनों से बच नहीं सका। मैं बहुत बदल चुका था; चाहे मुझे दोबारा सैनिक बनने की कितनी ही ज़रूरत क्यों न हो, वह जादू मुझसे गायब हो चुका था। मैंने सेना के नेताओं को अपने सहपाठियों से बात करते सुना, वे युवा लड़के-लड़कियां जो भविष्य में देश के सेनापति और महान युद्ध कमांडर बनने वाले थे; लेकिन नेता अक्सर उनसे धोखे और तिरस्कार भरे लहजे में बात करते थे। वे अपने अधीनस्थों के जोशीले सवालों को बर्दाश्त नहीं करते थे, और वे अक्सर अधिकारियों की अपने परिवारों, अपने करियर और हमारी सशस्त्र सेनाओं के भविष्य से जुड़ी चिंताओं को कम करके आंकते थे। बदलते समय में लोग डरे हुए थे। वे उन सवालों के ईमानदार जवाब चाहते थे और इसके हकदार भी थे जो उनके बाकी जीवन को प्रभावित करने वाले थे। उन्हें सिर्फ खोखली बयानबाजी और राजनीतिक बकवास मिली।
एक ब्रीफिंग में, एक चार-सितारा जनरल के मार्मिक सवालों के जवाबों को एक ही बार दोहराए गए उत्तर में सारांशित किया जा सकता है: "मैं इस बारे में बातचीत कर रहा हूँ; आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। अपने

पेंटर को गंदगी से दूर रखें और अपनी ठुड्डी की पट्टी पर नाक का पानी न लगने दें।" शानदार।
हर गुजरते सप्ताह के साथ मेरा यह विश्वास और पुख्ता होता जा रहा था कि गुप्त खुफिया एजेंसियों का भ्रष्टाचार, गोपनीयता और राजनीतिक एजेंडा कोई अनोखी बात नहीं थी। हम एक विनाशकारी स्थिति की ओर बढ़ रहे थे, जहाँ सेना से नेता हटाकर राजनेताओं और प्रबंधकों को नियुक्त किया जा रहा था। मेरा मनोबल गिरता जा रहा था और शैक्षणिक वर्ष के कुछ ही महीनों में मेरा ध्यान भटकने लगा था। मैंने अपने साथियों से अपनी भावनाएँ साझा करने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोई गलती न होने के बावजूद वे समझ नहीं पाए। वे कैसे समझ पाते? वे सभी पेशेवर सैन्य अधिकारी थे, और मैं—खैर, मैं तो उनसे बिलकुल अलग था।

स्टाफ कॉलेज पूरा करने के बाद, मैंने 82 वीं एयरबोर्न डिवीजन की 505 वीं पैराशूट इन्फैंट्री रेजिमेंट की दूसरी बटालियन के मुख्यालय में रिपोर्ट किया। ब्रिगेडियर जनरल जैक पी. निक्स, जो रेंजर बटालियन से मेरे पुराने दोस्त थे, ने मुझे सीजीएसओसी में भर्ती किया था। यह इस बात का एक स्पष्ट उदाहरण था कि आप किसे जानते हैं, न कि आप क्या जानते हैं। मैं भाग्यशाली था कि निक्स मुझे जानते थे; अन्यथा मैं वापस खुफिया विभाग में चला जाता। कर्नल डैन के. मैकनील तीसरी ब्रिगेड के कमांडर थे, और लेफ्टिनेंट कर्नल टिमोथी स्कली उनके अधीन तीन बटालियन कमांडरों में से एक थे। मुझे लेफ्टिनेंट कर्नल स्कली का द्वितीय-कमांड, उनका बटालियन कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। दोनों व्यक्ति मेरे लिए प्रेरणा थे, मेरी राय में वे अपनी तरह के आखिरी व्यक्ति थे। मैंने उन दोनों से बहुत कुछ सीखा; और मैं उनका सदा आभारी रहूंगा।
मेरी तैनाती के सात महीने बाद, बटालियन ने एक प्रशिक्षण अभ्यास के लिए सिसिली ड्रॉप ज़ोन में छलांग लगाई, जो 82 वीं बटालियन का पसंदीदा स्थान था। अंधेरे में 686 जवान सी-141 स्टारलिफ्टर विमानों से उतरे। कई दिनों तक हम आगे बढ़ते रहे, किलेबंदी करते रहे, विरोधी सेना से लड़ते रहे, फिर आगे बढ़ते रहे और यही प्रक्रिया दोहराते रहे। इस नकली युद्ध में दोनों पक्षों का मूल्यांकन किया जा रहा था और दोनों ही अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब थे, इसलिए रातें लंबी होती थीं और दिन अंतहीन गतिविधियों से भरे रहते थे। छठे दिन, हमने एक छोटी सी नदी के किनारे कई किलोमीटर तक फैली

रक्षात्मक रेखा पर डेरा डाला। रात 2 बजे, मेरे ड्राइवर और मैं बटालियन मुख्यालय की सीमा के अंदर आराम करने के लिए रुके। मैंने लेफ्टिनेंट कर्नल स्कली को रसद संबंधी कुछ मुद्दों पर अंतिम जानकारी दी और सोने के लिए अपनी गाड़ी की ओर चल दिया।
वाहन तक जाने वाला रास्ता संकरा और चाँद रहित रात में घोर अंधकारमय था, और यहीं से मेरे रोजमर्रा के जीवन पर अलौकिक प्रभाव हावी होने लगा। मैं उन छोटी-छोटी रोशनी का पीछा करता हुआ नीचे की ओर अपने ठिकाने तक पहुँचा। एक बड़ी शाखा को रास्ते से हटाते हुए, मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं ताकि उन्हें बचा सकूँ। मैंने आँखें खोलीं तो सामने सूरज की रोशनी थी और एक खूबसूरत उष्णकटिबंधीय उद्यान था जो झरनों और विशाल तालाबों से भरा हुआ था।
“स्वागत है! मेरे सहयोगी और मैं आपका इंतजार कर रहे थे।”
कुछ पल के लिए मैं वहीं खड़ा रह गया, भावविभोर होकर बगीचे को निहारता रहा और झरनों की कलकल ध्वनि सुनता रहा। मुझसे कुछ ही गज की दूरी पर एक व्यक्ति बैठा था, जिसने गहरे रंग का सूट, सफेद कमीज और टाई पहन रखी थी। वह एक कांच की मेज पर एक विशाल सफेद कुर्सी पर बैठा था, जिसकी चौड़ी पीठ उसके सिर से काफी ऊपर तक फैली हुई थी। उसके साथ मेज पर छह और व्यक्ति बैठे थे, जिन्होंने एक जैसे कपड़े पहन रखे थे।
मैंने ऊपर देखा तो आसमान अवास्तविक सा लग रहा था, गहरा लाल रंग का, जिस पर काले रंग की हल्की-हल्की धारियाँ फैली हुई थीं। "मैं कहाँ हूँ?"
“तुम यहीं के हो जहाँ तुम्हें होना चाहिए।” पहले व्यक्ति ने हाथ हिलाकर स्वागत का भाव दिखाया। “यही तुम्हारा घर है, अगर तुम इसके लायक हो।”
“सच में? और योग्यता का पैमाना क्या होता है?”
“चीजों को वैसे ही स्वीकार करना जैसे वे हैं और जैसी होनी चाहिए थीं। अपनी नई प्रतिभाओं का सही उपयोग करने की बुद्धिमत्ता और तत्परता, सही उद्देश्य के लिए।” उन्होंने अपने ठीक सामने वाली सीट की ओर इशारा किया। “कृपया हमारे साथ बैठिए।”
मैं सावधानी से बैठा रहा, उसके साथ मौजूद आदमियों पर नज़र रखता रहा। वे न हिले, न इधर-उधर देखे, न पलकें झपकाईं, एक बार भी नहीं। "तुम कौन हो?"
उस आदमी ने हल्की सी मुस्कान दी। “हम तुम्हारे भाई हैं, तुम्हारे दोस्त हैं… तुम्हें जो भी चाहिए, हम वो हैं, और जब भी तुम्हें हमारी ज़रूरत होगी,

हम हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगे। हम वो सब कुछ हैं जो तुम चाह सकते हो। बस मांगो, तुम्हारी इच्छा पूरी हो जाएगी; हमें तुम्हारी देखभाल करने का निर्देश मिला है।”
“किसके द्वारा? क्या स्वर्गदूत द्वारा?”
जी हां, बिल्कुल, देवदूत ने। उन्होंने हमसे कहा कि हम आपकी रक्षा करें और आपको आपके वरदान का उपयोग करने के बारे में सलाह दें। यह वरदान वाकई अद्भुत है, है ना? मेरा मतलब है, यह वरदान। इसकी क्षमता असीमित है, और इसकी खूबसूरती यह है कि आपके सभी भाई-बहनों के पास यह वरदान है। आप बस उन कुछ लोगों में से एक हैं जिन्होंने इसका सही उपयोग किया है। बधाई हो!
“मैं यहाँ क्यों हूँ? तुम मुझसे क्या चाहते हो? देवदूत ने तुम्हें अभी क्यों भेजा?”
“सिर्फ़ आपको सूचित करने के लिए। वह चाहते थे कि आप मुझे जानें, मेरे साथ सहज महसूस करें।” उनकी आँखें मेरी आँखों में गहराई से गड़ी हुई थीं। “आप मेरे साथ सहज हैं, है ना?”
“नहीं, मैं बिल्कुल भी सहज महसूस नहीं कर रही हूँ। सच कहूँ तो मुझे कुछ गड़बड़ लग रही है। मेरे साथ जो कुछ भी हुआ है, वह समझ से परे है, लेकिन यह तो उससे भी कहीं ज़्यादा समझ से परे है। आपके पास कोई संदेश नहीं है, कोई सीख नहीं है। मैं नहीं जानती कि आप कौन हैं या क्या हैं, लेकिन मैं आपसे डरती नहीं हूँ! मुझे अकेला छोड़ दो!”
वह आदमी मुस्कुराता रहा, उसकी आँखें अब भी मेरी आँखों में गड़ी हुई थीं। मुझे ऐसा लगा जैसे वह अपनी आँखों से मुझे अंदर से बाहर तक चीर रहा हो, मेरी आत्मा की गहराई को उजागर कर रहा हो। कुछ बदबूदार था, कुछ ऐसा जिसे मैं जानती थी लेकिन पहचान नहीं पा रही थी। उसकी मुस्कान क्रूर और दुष्ट हँसी में बदल गई। मैं लड़खड़ाते हुए पीछे हटी और ऊपर देखा तो मेरा चेहरा उसी आदमी के सामने था जो मेरे बुरे सपनों का डरावना, दुष्ट प्राणी था। मेरे चारों ओर एक आवाज़ मेरा नाम पुकार रही थी, जिसमें दुष्ट हँसी भी मिली हुई थी। मैं हर दिशा में घूमी, उस संपर्क को तोड़ने की कोशिश कर रही थी, भौतिक दुनिया में वापस आने के लिए बेताब थी। बगीचा बदल गया, और पानी की बदबू और भी घनी होती गई, पानी आसमान की तरह धीरे-धीरे गहरे लाल रंग का बह रहा था। बगीचे में एक सुनहरी चमक फैल गई, जो गर्म हवा और हँसी के साथ मिल रही थी। मैंने दूर जाने की कोशिश की। ध्यान लगाकर, मैंने खुद को उन प्राणियों से

ऊपर उठाया और पानी पार किया, झरने का पीछा करते हुए उसके स्रोत के ऊपर तक गई, इस शापित जगह से भागने की बेताब कोशिश कर रही थी। जैसे ही मेरा देहधारी शरीर झरने के शिखर पर पहुँचा, मैंने एक भयानक दृश्य देखा: संकरी नदी के किनारे, मवेशियों की तरह इकट्ठे लोगों का एक विशाल समूह मेरे सामने दूर-दूर तक फैला हुआ था, जहाँ तक मेरी नज़र जा सकती थी। और नदी के किनारे, बिना चेहरे वाले प्राणी व्यवस्थित रूप से प्रत्येक पुरुष, स्त्री और बच्चे को आगे आने और उनके पास आने का इशारा कर रहे थे। वे उदासीनता से आज्ञा का पालन कर रहे थे। जैसे ही वे आए, उन प्राणियों ने उनके गले काट दिए, उन्हें उठा लिया और टखनों से पकड़कर हवा में लटका दिया। उनके खून ने नदी, झरने और तालाबों को गहरे लाल रंग में रंग दिया था। खून से लथपथ शरीरों के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए थे। अब मैंने उस दुर्गंध को पहचान लिया: यह खून था, एक जाति का खून, एक दुनिया का खून।
"हे भगवान, मैं यह सब क्यों देख रही हूँ?" मैं जोर से चिल्लाई, और एक पिटे हुए बच्चे की तरह अपने घुटनों पर बैठकर अपनी आँखों और सिर को ढक लिया। “रुको! वहाँ कौन है?” अँधेरे से एक आवाज़ आई। “मैंने कहा, वहाँ कौन है?” “यह मेजर मोरहाउस हैं।”
"आगे बढ़ो और पहचान हासिल करो।"
मैं उस आवाज की ओर बढ़ा, लेकिन तभी रुक गया जब एक लाल टॉर्च की रोशनी मेरे चेहरे पर पड़ी।
“सर, बाहर आखिर क्या हो रहा था? आप लोग किस बात पर चिल्ला रहे थे—क्या आप हमारी स्थिति का खुलासा करना चाहते हैं?”
"माफ़ कीजिए—मेरी आंख में एक टहनी घुस गई है।"
“मैंने भी एक-दो बार ऐसा किया है, महोदय। क्या आप चाहते हैं कि मैं किसी चिकित्सक को बुलाकर इसकी जांच करवाऊं?”
“नहीं, फिर भी धन्यवाद। आप कौन हैं? मुझे आपका नाम टैग दिखाई नहीं दे रहा है।”
“प्राइवेट फर्स्ट क्लास कॉलिन्स, सर!”
“कॉलिन्स, पूछने के लिए धन्यवाद। अच्छा काम जारी रखें। और हाँ, क्या आपको पता है कि मेरी गाड़ी कहाँ खड़ी है? मुझे थोड़ा भ्रम हो रहा है।”
“जी हाँ, महोदय। यह ठीक वहीं है”—उन्होंने टॉर्च की रोशनी से इशारा करते हुए कहा—“लगभग तीस या चालीस मीटर दूर। मेजर, क्या आप ठीक हैं?”

मैंने अंधेरे में उसके कंधे को छुआ। “मैं ठीक हूँ। मुझे बस थोड़ी नींद चाहिए। एक बार फिर धन्यवाद, कॉलिन्स।”
“हवाई मार्ग! महोदय।”
मैं लड़खड़ाते हुए वहाँ से निकला, अपनी गाड़ी ढूँढी और उसके बगल में ज़मीन पर लेट गया, रात के आकाश को निहारता रहा जब तक कि मुझे नींद नहीं आ गई। जिस समय के बारे में देवदूत ने बताया था, वह निकट आ रहा होगा। मेरे भीतर का संघर्ष जारी था।

छह सप्ताह बीत गए। मेल और मैंने इस बारे में कई बार फोन पर बात की कि कब और कैसे इस जानकारी को सार्वजनिक किया जाए, और लोगों तक सुरक्षित रूप से जानकारी पहुंचाने के हर संभव तरीके पर बार-बार चर्चा की। हम इस बात पर सहमत भी हुए और फिर असहमत भी हुए कि इसे सबसे अच्छे तरीके से कैसे किया जाए; हमारे परिवार, हमारी टीम और अन्य दर्शकों को शामिल करने की कोशिश करना या न करना, ये सभी सर्वोपरि मुद्दे बन गए। अंततः हमने निष्कर्ष निकाला कि हम इसे अकेले नहीं कर सकते; किसी बाहरी तीसरे पक्ष को हमारी मदद करनी होगी। लेकिन कौन मदद करेगा और कैसे, यह एक रहस्य बना रहा।
सुरक्षा शपथ तोड़ना एक कठिन निर्णय है। इसके दंड कठोर हैं, लेकिन जब आपके साथियों को आपके इस निर्णय के बारे में पता चलेगा तो उनके रवैये से होने वाला आघात उससे कहीं अधिक पीड़ादायी होगा। मैं उस शपथ को तोड़ने जा रहा था जिसका मैंने उस दिन से सम्मान किया था जब मैंने पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका को सलाम किया था और उसके प्रति निष्ठा की शपथ ली थी, और देश-विदेश के सभी शत्रुओं से उसकी रक्षा और समर्थन करने का वादा किया था। मैं स्वयं एक घरेलू शत्रु बनने जा रहा था।
मुझे यह स्पष्ट करना था कि मैं क्या करने जा रहा हूँ। सबसे पहले मैंने विचार किया कि क्या मेरी कहानी सुनाने से संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी, वह देश जिससे मुझे बेहद प्यार है और जिसके लिए मैंने बलिदान दिया है। मैंने निष्कर्ष निकाला कि ऐसा नहीं होगा। शीत युद्ध समाप्त हो चुका था। एक साल पहले हमारे सोवियत समकक्षों ने पूरी दुनिया को बता दिया था कि वे पिछले चालीस वर्षों से अलौकिक क्षेत्र में क्या कर रहे थे। मैं न तो लॉन्च कोड बता रहा था और न ही अति-गुप्त

एजेंटों के नाम। मैं मानसिक शक्तियों वाले जासूसों की कहानी सुना रहा था, जिनका अस्तित्व पहले से ही एक स्थापित तथ्य था।
दूसरा, क्या मेरी कहानी सुनाने से किसी की जान को खतरा होगा? शीत युद्ध के दौरान, जब दो प्रमुख महाशक्तियाँ एक-दूसरे की कट्टर दुश्मन थीं, तब शायद इसका जवाब हाँ होता। लेकिन आज नहीं। आज सबसे बड़ा खतरा मुझे ही झेलना पड़ेगा। मेरी राय में, यह कहानी मानवता के हित में बताई जानी ज़रूरी थी; अगर इसके लिए मुझे आलोचना झेलनी पड़े, तो ऐसा ही सही। इतना कुछ सीखा जा चुका था कि अब रिमोट व्यूइंग को किसी गुप्त तहखाने में बंद करके रखना और इसे उन लोगों से कभी न साझा करना, जिन्होंने इसके लिए पैसे दिए थे, संभव नहीं था।
1 अक्टूबर, 1992 को मैंने हिम्मत जुटाकर डेबी को फोन किया। उससे और बच्चों से बात किए हुए लगभग छह महीने हो गए थे। उन्हें यह जानना ज़रूरी था कि मैं क्या करने की योजना बना रही हूँ।
"हैलो, डेब।"
"खैर, काफी समय हो गया है।"
बहुत लंबा।
“इन दिनों आप कैसा महसूस कर रहे हैं?”
मुझे लगता है कि मैं अब बेहतर महसूस कर रहा हूँ।
"शायद किसी दिन तुम इसे मेरे साथ साझा करोगे।"
मैं रिमोट-व्यूइंग की कहानी को सार्वजनिक करने जा रहा हूं। मैंने फैसला किया है कि यह इतनी महत्वपूर्ण है कि इसे अब और छुपाकर नहीं रखा जा सकता। फोन पर सन्नाटा छा गया। “क्या तुम्हें एहसास है कि तुम क्या कह रही हो?” डेब की आवाज़ कांप रही थी। “क्या तुम्हें सच में लगता है कि वे तुम्हें ऐसा करने देंगे?”
“कोई न कोई रास्ता तो जरूर होगा, और मैं चाहता हूं कि आप इसमें मेरी मदद करें। मुझे यह तय करने में मदद करें कि इसे करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। मैं बस इतना जानता हूं कि यह करना जरूरी है, पूरी मानवता के लिए।” “डेविड, मैं जानती हूँ कि यह कितना महत्वपूर्ण है; मैं हमेशा से यह जानती आई हूँ। मुझे तुम पर गर्व है, लेकिन कीमत के बारे में सोचो! क्या यह तुम्हारे करियर के लायक है? तुम्हारी जान के लायक है?”

"अरे डेबी, तुम बात को बढ़ा-चढ़ाकर कह रही हो। एक बार जब लोग रिमोट व्यूइंग की अद्भुत क्षमता को देख लेंगे, तो क्या तुम्हें नहीं लगता कि वे मेरे फैसले का समर्थन करेंगे?"
“नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे। पहली बात तो यह है कि वे आप पर विश्वास नहीं करेंगे। दूसरी बात, ज़िम्मेदार लोग आपको बदनाम कर देंगे। या वे इससे भी कहीं ज़्यादा कठोर कदम उठा सकते हैं। आप कुछ कह नहीं सकते।”

“आप सही कह रहे हैं—लेकिन यह कुछ ऐसा है जो मुझे करना ही होगा। यही मेरा भाग्य है।”
“डेविड, भाग्य कोई तथ्य नहीं है। यह चुनाव का मामला है।”
मैं जो बन चुका हूँ उसे बदल नहीं सकता।
“हाँ, आप कर सकते हैं! आप अभी तक वह नहीं बने हैं जो आपको बनना चाहिए था।” “मुझे क्या बनना चाहिए? मैं तुमसे प्यार करता हूँ, डेबी, लेकिन मैं ऐसे और नहीं रह सकता। मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो मेरे साथ खड़ा रहे।” मैंने इंतज़ार किया, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। “ठीक है, मैं समझती हूँ।” कुछ घंटों बाद फोन की घंटी बजी।
“डेविड? मैं डेबी हूँ। मैं तुमसे प्यार करती हूँ। क्रिसमस पर घर क्यों नहीं आ जाते?”

उस साल मेरे माता-पिता हमारे साथ रहने आए। बहुत दिनों बाद हम सब एक साथ थे। माइकल, जो तेज़ी से बढ़ रहा था, मुझसे भी लंबा हो गया था। मारिया और डेनियल लड़कों, मेकअप, कपड़ों और संगीत की दुनिया में खो गई थीं... हे भगवान, मैंने कितना कुछ खो दिया था। हमने साथ मिलकर क्रिसमस ट्री सजाया, तोहफे लपेटे, खरीदारी की और फिर से तोहफे लपेटे। दादा-दादी को बच्चों के लिए खरीदारी करना बहुत पसंद था, क्योंकि उन्होंने इतने सालों में इतनी भरपूर क्रिसमस नहीं मनाई थी। मेरे लिए, यह एक शानदार क्रिसमस था, एक ऐसा समय जब मैं उस जगह को महसूस कर सकी जहाँ मैं सचमुच रहना चाहती थी और जहाँ मेरा असली ठिकाना था। मैं लगातार भावनाओं से भरी हुई थी, मानो उनसे जगमगा रही थी। मेरे आस-पास के सभी लोगों की अच्छाई मुझमें समा गई थी; मुझे फिर से जीवन से प्यार हो गया था, मैं उत्साह से लबालब थी। कुछ दिनों के लिए मैंने अपने सामने मौजूद मुश्किल मुद्दे को भुला दिया और अपने परिवार के साथ आनंद लिया।

एक शाम खाना खाने के बाद, मैं और पिताजी घर से कुछ ही ब्लॉक दूर एक छोटे से पार्क में गए और एक ठंडी बेंच पर बैठ गए, जहाँ हमारे साथ केवल ओक के पेड़ ही थे।
"तो, अब आप दोनों के लिए चीजें फिर से ठीक हो रही हैं, है ना?"
मैंने दुआ की। “अगर वो भी मेरी तरह उलझन में होती, तो हमारा तलाक हो चुका होता। असल में, उसकी हिम्मत ही हमें जोड़े रखती है। आजकल मैं बिल्कुल ही बेसुध रहता हूँ। ज़िंदगी के अहम पहलुओं को संभालना मुश्किल हो रहा है।” “खैर, डेबी और बच्चे आपके जीवन के भौतिक पहलुओं से कहीं अधिक हैं; वे आपके जीवन की सबसे आध्यात्मिक चीज़ें हैं, जो आपके पास हैं या हमेशा रहेंगी। मेरा विश्वास कीजिए, आपको इस तरह के प्यार का बलिदान किसी भी चीज़ के लिए नहीं करना चाहिए, और मेरा मतलब है किसी भी चीज़ के लिए।” उन्होंने मुझे ध्यान से देखा। “क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?”
“मुझे लगता है कि मैं करता हूँ। लेकिन मैं यह भी जानता हूँ कि मुझे वही करना है जिसके लिए मुझे चुना गया है। आप इसके बारे में जानते हैं ना, पिताजी? आप जानते हैं कि मुझे किसी खास चीज़ का हिस्सा बनने के लिए चुना गया है—है ना?”
पिताजी ने मेरी ओर नहीं देखा, बल्कि पेड़ों की ओर देखने लगे, मानो वे उन यादों को खोज रहे हों जिन्हें उन्होंने बहुत पहले भुला दिया था। धीरे-धीरे वे उठे और पार्क के भीतरी हिस्से की ओर चल दिए।
चलते-चलते उन्होंने बोलना शुरू किया, उनकी आवाज़ का लहजा और लय मैंने उनसे पहले कभी नहीं सुनी थी। “मैं चाहता हूँ कि आप यह जान लें, इससे पहले कि मैं आपको यह बताऊँ, कि मैं खुद को किसी भी तरह से अनोखा नहीं मानता। मैं बस एक ऐसा इंसान हूँ जिसने अपने परिवार से प्यार किया और जो भी उससे करने को कहा गया, वह किया—ठीक वैसे ही जैसे आपके किसी रिश्तेदार ने किया, या लाखों अन्य अमेरिकियों और सहयोगी सैनिकों ने किया। दो युद्धों में मैंने कभी बटालियन स्तर से ऊपर लड़ाई नहीं लड़ी, इसलिए मैं हमेशा दुश्मन के करीब रहा। द्वितीय विश्व युद्ध और कोरिया युद्ध में कई बार मैं बाल-बाल बचा, लेकिन मुझे अंदर से यह आभास होता था कि कोई मेरी रक्षा कर रहा है।” वे रुक गए, उनकी विनम्रता उन पर हावी हो गई। “इस बारे में बात करना मुश्किल है; मैंने इसे दशकों पहले भुला दिया है।”

“कोई बात नहीं पापा, मैं समझ गया। आपको मुझे इसके बारे में बताने की ज़रूरत नहीं है।”
“आपको जानना चाहिए!” उन्होंने खुद को संभाला और आगे कहा। “जैसा कि मैं कह रहा था, मुझे अंदर से यह आभास होता था कि कोई मेरी रक्षा कर रहा है। काश, हर किसी को ऐसा महसूस करने का सौभाग्य प्राप्त होता। जब मैं जहाज पर सवार होकर अटलांटिक महासागर पार कर रहा था, तब हमें उन शिपयार्डों के बारे में चेतावनी दी गई थी जो काफिलों का पीछा करते थे और जो भी उनकी नज़र में आता था उसे डुबो देते थे। कई बार हम अपने जहाजों के निचले हिस्से में, पानी की सतह के नीचे, बंद हो जाते थे और उन डेप्थ चार्ज की आवाज़ सुनते थे जो पनडुब्बियों को हम पर हमला करने से रोकने की कोशिश करते थे। वे अजीबोगरीब अनुभव थे... मानो समय थम सा गया हो। कई लोग टॉरपीडो के डर से लगभग पागल हो गए थे; कुछ प्रार्थना करते थे; और कुछ रोते थे।”
"क्या आपको नहीं लगता कि कभी-कभी हम सभी की रक्षा के लिए कोई न कोई फरिश्ता मौजूद होता है?"
“हां। मुझे यह भी लगता है कि आपको इसकी उपस्थिति का एहसास होता है या नहीं, यह पूरी तरह से देवदूत पर निर्भर करता है।”
"देवदूत क्यों नहीं चाहेगा कि आपको पता चले कि वह वहां मौजूद था?"
“शायद सिर्फ कुछ लोगों को ही जानने की ज़रूरत होती है। शायद जानना ही उन्हें जीवन में एक खास दिशा देता है, कुछ खास फैसले लेने के लिए प्रेरित करता है। मुझे नहीं पता। शायद मुझे यह ज्ञान इसलिए दिया गया कि मेरे पास एक फरिश्ता है, क्योंकि इसके बिना मैं दूसरों जितना बहादुर नहीं होता।” वह मुस्कुराया। “लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि मुझे लगता है कि युद्ध में कुछ लोगों को बख्शने और कुछ को इस दुनिया से बुला लेने के पीछे कोई कारण था, और इसका जीने के लायक होने या न होने से कोई लेना-देना नहीं है। इसका संबंध किसी बड़ी योजना के उद्देश्य से है जिसे मैं समझ भी नहीं सकता। फरिश्ते मौजूद हैं। मैं अपने फरिश्ते को जानता हूँ।”
"आप भी?"
“मैं कोरिया में था, 224 वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट में तैनात था। एक रात मैं लेटा और तभी मुझे यह ख्याल आया। मेरा फरिश्ता।”
"तुमने मुझे यह बात पहले क्यों नहीं बताई?"

वह हँसा। “हाई स्कूल की ग्रेजुएशन सेरेमनी में इस बारे में बात करना ठीक नहीं है, है ना? मेरे लिए इसे स्वीकार करना ही काफी मुश्किल था, किसी और को इसके बारे में बताना तो और भी मुश्किल है।”
"क्या तुमने माँ को बताया?"
“मैंने सबसे पहले उसे ही बताया था। तुम दूसरे हो, और इस जीवनकाल में तुम ही आखिरी होगे।”
क्या आपके देवदूत ने आपसे बात की?
"उसने जो कहा, उससे मैं पूरी तरह से भ्रमित हो गया, इसलिए मैंने इसे नजरअंदाज कर दिया। अब तक मुझे इसका कोई मतलब समझ नहीं आया था।"
"यह क्या था?"
उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का एक हिस्सा एक दिन संदेश देने में संघर्ष करेगा।
"और?"
“कि वह मुझे छोड़कर चला जाएगा, मेरे उस हिस्से की रक्षा करने के लिए जो खतरे में है…। लगभग पचास साल तक यह बात मेरी समझ से परे रही। लेकिन अब समझ में आ रही है।”

"आपका क्या मतलब है?"
“तुम मेरे ही वो हिस्से हो जिसके बारे में उसने बात की थी, और तुम उस चीज़ के बारे में बात करने की तैयारी कर रहे हो जिसे तुम उपहार कहते हो। है ना?” मैंने अपना सिर झुका लिया, यह महसूस करते हुए कि मैं इस आदमी के सामने कितना पारदर्शी था। "हाँ, मैं हूँ। मेल और मुझे लगता है कि यह करना ज़रूरी है। आपका क्या विचार है?"
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या सोचता हूँ। अब वह फ़रिश्ता तुम्हारा है, तुम्हें पता है। मैंने उसे तुम्हें सौंप दिया है, जैसा उसने कहा था। उसने मेरा अच्छे से ख्याल रखा; मुझे पता है वह तुम्हारा भी वैसे ही ख्याल रखेगा।” वह कुछ पल के लिए रुका, अपने विचारों से परेशान होकर। “बेटा, तुम्हें इससे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इस राज़ के रखवाले इसे हल्के में नहीं लेंगे।”
"मुझे पता है।"

"सतर्क रहो और पूरी तरह साफ-सुथरे रहो, क्योंकि वे तुम्हारी किसी भी कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। उनका यही तरीका है—तुम यह जानते हो, क्योंकि तुम पिछले पांच सालों से उनके बीच हो।"
"82 वीं बटालियन में मेरे पास पहुंचना उनके लिए और भी मुश्किल होना चाहिए।"
“नहीं, ऐसा नहीं होगा। आपको यह जानने का उतना मौका नहीं मिलेगा कि वे क्या कर रहे हैं। बस याद रखें, आप अपनी प्रतिष्ठा से बेहतर हो सकते हैं, लेकिन अपने सिद्धांतों से बेहतर कभी नहीं हो सकते।”

अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो उस तूफान से पहले मिले उस संक्षिप्त विराम के लिए ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ। मुझे अपने फैसले की याद 3 जनवरी, 1993 तक नहीं आई। मैं अपने बेटे के साथ खेल रहा था तभी फोन की घंटी बजी।
कुछ देर के विराम के बाद एक अपरिचित आवाज ने सन्नाटा तोड़ा। "क्या आप मेजर डेविड मोरहाउस हैं?"
“हाँ, है; ये कौन है?”
“हम जानते हैं कि आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी सलाह है कि आप अपनी योजना बदल लें। राज़ खोलने वालों को अंत में भारी कीमत चुकानी पड़ती है।”
“एक मिनट रुको! तुम कौन हो? ये क्या है—”
क्या आप वह कीमत चुकाने को तैयार हैं?
फोन की बैटरी खत्म हो गई।

सात

पतन
मैं लगभग नौ महीने तक फोर्ट ब्रैग में बटालियन के कार्यकारी अधिकारी के रूप में तैनात रहा। वहाँ सैनिकों का जीवन किसी भी अन्य सैन्य चौकी से अलग नहीं था। अगर वे युद्ध का प्रशिक्षण नहीं ले रहे होते, तो हमेशा पत्तियाँ समेटने, खरपतवार उखाड़ने और बैरकों को रंगने का काम होता रहता था। मैंने सैनिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया, और यह मेरे लिए अच्छा समय था; मुझे फिर से अपनी अहमियत का एहसास हुआ। मुझे अभी भी रिमोट व्यूइंग के दुष्परिणामों, बुरे सपनों और मानसिक विकारों से जूझना पड़ता था, और इसी वजह से मैं अभी भी अकेला रहता था, परिवार के पास वापस नहीं जा सकता था। साथ ही, अपने साथी सैनिकों को बिना बताए, मैं गोपनीय जानकारी का खुलासा करने की योजना बना रहा था। लेकिन एक साल के लिए मैं वापस वहीं पहुँच गया जहाँ मुझे होना चाहिए था, सैनिकों के जीवन में बदलाव ला रहा था। यह मेरे लिए एक आशीर्वाद था।

इंगो स्वान, जो एक बेहद सम्मानित पैरानॉर्मल शोधकर्ता और विशेषज्ञ थे, ने मेल को सुझाव दिया कि हम रिमोट व्यूइंग की कहानी को एक किताब के रूप में प्रकाशित करने पर विचार करें। उनका मानना था कि जनता तक स्पष्ट और संपूर्ण जानकारी पहुंचाने का यही एकमात्र तरीका था। हमें आशंका थी कि समाचार मीडिया इस कहानी को संक्षेप में और सतही तौर पर कवर करेगा, सरकार द्वारा दी गई किसी भी छोटी-मोटी जानकारी का पीछा करेगा और सन स्ट्रीक के बारे में सरकारी बयानों को बिना सोचे-समझे सच मान लेगा। कहानी जल्द ही दब जाएगी— अगर प्रसारित भी हुई तो। आखिरकार हमने समाचार मीडिया से संपर्क किया, लेकिन हमें काफी संदेह का सामना करना पड़ा। मैंने मेल से कहा कि हमें अपनी कहानी को बताने का एक दीर्घकालिक और विस्तृत तरीका खोजना ही होगा।
हमने कई रातें इस सवाल पर विचार करते हुए बिताईं कि हम क्या जोखिम उठा रहे हैं; सरकार हमारे साथ क्या कर सकती है, या क्या करने की कोशिश कर सकती है? उस गुमनाम फोन कॉल के बाद से, हमें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला था कि सरकार

के लिए उन्हें नहीं मारा गया, तो मैं अपनी कहानी बताऊँगा"—और उन्होंने हमें खोजी पत्रकार जिम मार्स से मिलवाया। जिम 'क्रॉसफायर: द प्लॉट दैट किल्ड कैनेडी' के लेखक थे, जिसके फिल्म अधिकार ओलिवर स्टोन ने अपनी 1991 की फिल्म 'जेएफके' के लिए खरीदे थे। जिम एक कर्तव्यनिष्ठ और विनम्र व्यक्ति हैं, जो रिमोट व्यूइंग और मानवता की मदद करने की इसकी क्षमता के प्रति हमारी ही तरह उत्सुक थे; उन्होंने हमारी कहानी को एक साथ लाने के लिए कड़ी मेहनत की। हमने छोटी मुलाकातों और साक्षात्कारों, फोन पर बातचीत और फैक्स के आदान-प्रदान से शुरुआत की। (मुझे यह बताना चाहिए कि आज तक जिम की किताब प्रकाशित नहीं हुई है। यह किताब, अगर कोई भ्रम हो, तो पूरी तरह से मेरी अपनी है और इस समय के बाद लिखी गई है।)
इस बीच, मेल और मैं डीआईए में चल रही घटनाओं से पूरी तरह अनभिज्ञ रहे। मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि जब कोई सैनिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे कितनी जल्दी दल से निकाल दिया जाता है।
कुछ ही समय बाद हमारे फोन टैप होने लगे। मार्स, मेल, सैंड्रा और घर या दफ्तर से मैंने जिन लोगों को भी फोन किया था, उन सभी से हुई मेरी बातचीत की कैसेट टेप डाक से आने लगीं। कई हफ्तों तक मेरे माता-पिता के घर और डेबी के घर छोटे-छोटे गत्ते के पैकेट या लिफाफे आते रहे, जिन पर कोई पता नहीं लिखा होता था। (यह सोचकर कि शायद भविष्य में उन्हें इनकी ज़रूरत पड़ सकती है, डेबी ने उन्हें संभाल कर रख लिया।) मुझे इस उत्पीड़न का कोई मतलब समझ नहीं आया और पहले तो मुझे लगा कि यह कोई मज़ाक है, लेकिन इससे हम सब बहुत परेशान हो गए। बाद में मैंने सुना कि इस तरह के डाक अभियान किसी अवांछित व्यक्ति को किसी प्रोजेक्ट से डराने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं—उसके डरे हुए परिवारवाले उसे प्रोजेक्ट छोड़ने और चले जाने के लिए मना लेते हैं। लेकिन मेरे उत्पीड़न करने वाले यह नहीं समझ पाए कि मेरे परिवार ने मुझे मुश्किल हालातों से गुज़रते देखा था और वे जानते थे कि मैं फरिश्तों से बात करती हूँ और अपने अंदर के डर से जूझती हूँ। सालों तक मेरी इस मानसिक स्थिति से जूझने के बाद, वे पीछे नहीं हटे।

रिमोट व्यूइंग की कहानी को सार्वजनिक करने की मेरी योजना ने एक सेना अधिकारी के रूप में मेरे कर्तव्यों में कभी बाधा नहीं डाली। फोर्ट ब्रैग में कार्यकारी अधिकारी के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त होने पर, मुझे डिवीजन प्रशिक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया—आधिकारिक पदनाम जी3 प्रशिक्षण प्रमुख था। प्रशिक्षण अधिकारी होना बेहद कठिन होता है, लेकिन मुझे सेना के दो सर्वश्रेष्ठ मेजर, ब्रेन फ्लैनिगन और टोनी टाटा का सहयोग प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। सेना में मेरी नौकरी को 'मुश्किल' कहा जाता है, लेकिन उनकी नौकरियां उससे भी कहीं अधिक कठिन थीं। हम सभी लंबे समय तक कड़ी मेहनत करते थे, एक सप्ताह में उतना काम करने की कोशिश करते थे जितना अधिकांश लोग एक महीने में करते हैं, लेकिन टोनी और ब्रेन दो महीने का काम अपने साप्ताहिक बैग में समेटने में कामयाब हो जाते थे।
जैसे ही मैं अपनी नई जिम्मेदारियों को समझने लगा था, डेबी ने मुझे ऑफिस में फोन किया।
“मैंने तुमसे कहा था कि वे हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।” वह रो रही थी।
“क्या हुआ? क्या बच्चे ठीक हैं?”
"कल रात जब हम घर पर थे, तब कोई हमारे घर में घुस आया।"
“क्या सब ठीक हैं?”
“हाँ, लेकिन उन्होंने आपके दफ्तर की पूरी तलाशी ली—सभी अलमारियाँ, दराजें और फाइलें खोल दीं। पुलिस अभी यहाँ है, रिपोर्ट दर्ज कर रही है। मैंने डेविड गोल्ड को फोन किया था।” डेविड, मेरा वह दोस्त जिसने मुझे रात भर लॉन में रहने के बाद ढूँढा था, एक पुलिस अधिकारी था। “वह यहाँ उनकी मदद कर रहा है। उन्हें लेटेक्स के दस्ताने का एक टुकड़ा और अलमारियों पर जमी धूल में कुछ निशान मिले हैं, जहाँ से किसी ने किताबें निकाली होंगी। शायद कुछ ढूँढने के लिए पीछे देखा होगा।”
"डेब, मुझे उससे बात करने दो।"
डेव शांत था। उसने नरमी से कहा, "कल रात तुम्हारे यहाँ कुछ लोग आए थे। सब ठीक हैं। लगता है वे कुछ खोज रहे थे। एकदम माहिर लोग थे—दरवाजे पर एक खरोंच तक नहीं छोड़ी। सब सो रहे थे तब अंदर आए, अपना काम किया और दरवाजे से ही निकल गए। कमीनों ने दरवाजा खुला छोड़ दिया था। बस तुम्हें बताने के लिए कि वे यहाँ आए थे।"

मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे इसे इतनी दूर तक ले जाएंगे।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं जांच अधिकारी को बताऊं कि आपके अनुसार यह सब किस बारे में है?"
मुझे लगता है हमें ऐसा करना चाहिए, क्या आपको नहीं लगता?

“मुझे लगता है इससे कोई नुकसान नहीं होगा। देखिए, मैं उनसे कहूंगा कि हमें लगता है कि संघीय सरकार का कोई व्यक्ति बिना अनुमति के यह कर रहा है। हालांकि, अधिकारियों को शायद एक सामान्य रिपोर्ट ही भरनी चाहिए। अगर वह कुछ खास बातें लिखते हैं, तो मुख्यालय में कुछ कार्रवाई होगी, और मुझे नहीं लगता कि हम अभी संघीय जांच चाहते हैं। बस इसे रिकॉर्ड में दर्ज कर लेते हैं: वह रिपोर्ट में हल्के से लिख सकते हैं कि मालिक के अनुसार यह किसने किया होगा। ठीक है?”
“हाँ। वहाँ रहने के लिए धन्यवाद, डेव।”
डेबी ने फोन पर दोबारा पूछा, "वे क्या ढूंढ रहे थे?"
"शायद मेल और मेरे पास उस यूनिट से जुड़े जो दस्तावेज़ हैं, उन्हीं की वजह से। मुझे लगता है कि वे हमें उन दस्तावेज़ों के साथ पकड़ना चाहते हैं, ताकि अगर कोई कोर्ट-मार्शल हो तो उसके लिए उनका इस्तेमाल कर सकें। वे हमें डराना भी चाहते हैं, ताकि हम असुरक्षित और अपमानित महसूस करें।"
“यह काम कर रहा है। यह बहुत अच्छे से काम कर रहा है, डेविड।”
"अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं इस सप्ताहांत आ जाऊंगा।"
मुझे पता है कि बच्चे आपको देखकर बहुत खुश होंगे, और मैं भी।
मेरे कमांडिंग ऑफिसर को सप्ताहांत के लिए मेरी छुट्टी पसंद नहीं आई, लेकिन मेरे परिवार के साथ दुर्व्यवहार हुआ था और चाहे उन्हें पसंद हो या न हो, मुझे उनसे मिलना ही था। मैंने छुट्टी का फॉर्म जमा किया और कमांडिंग जनरल के कार्यालय में साप्ताहिक स्टाफ मीटिंग के बाद मुख्यालय से गाड़ी चलाकर निकल गया।
दुकान से निकलते ही, मैंने अपनी कार से कुछ पीछे एक गहरे नीले रंग की सेडान कार देखी। आम तौर पर मैं उस पर ध्यान नहीं देता, लेकिन संयोग से दुकान में घुसने से ठीक पहले मेरी नज़र उस कार पर पड़ी। शायद यह मेरे अवचेतन मन में दर्ज हो गया, या हो सकता है कि कोई फ़रिश्ता मुझे कोई संदेश दे रहा हो। और जब मैं दुकान से बाहर आया तो मैंने उस नीली कार को फिर से देखा, जो कुछ

पंक्तियों दूर अकेली खड़ी थी। मिनी मार्ट की पार्किंग से निकलते समय मेरी नज़र ड्राइवर पर पड़ी; उसने झट से अपना सिर घुमा लिया।
अंधेरा हो रहा था, और मेरे पीछे चल रही गाड़ियों की तेज़ रोशनी में नीली कार मेरी नज़र से ओझल हो गई। हो सकता है कि जब मैं इंटरस्टेट 95 पर पहुँचा और उत्तर की ओर बढ़ा, तब वह कार मेरा पीछा कर रही हो, लेकिन मुझे पता नहीं चला। पहले तो मुझे यह सोचकर हंसी आई कि DIA के पास मेरा पीछा करने के अलावा और कोई काम नहीं था, लेकिन उत्तरी कैरोलिना के रैले जाने वाले मोड़ से थोड़ा आगे ही, मेरी गाड़ी का दाहिना पिछला टायर फट गया और 75 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी बेकाबू हो गई। मैं सबसे बाईं लेन में था और टायर फटने से गाड़ी घास के डिवाइडर पर जा गिरी। नरम मिट्टी में गाड़ी चलाते हुए मैं वापस हाईवे पर चढ़ा और गाड़ी को स्थिर रखने की कोशिश करते हुए बाईं ओर के शोल्डर पर धीरे-धीरे रुकने लगा। मैं पसीने से भीगा हुआ था और मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। जब भी कोई ट्रक या कार बाईं लेन से मेरे पास से गुज़रती, गाड़ी बुरी तरह हिलती; मुझे दाईं ओर के शोल्डर पर जाना ज़रूरी था। जब सड़क आखिरकार साफ़ हुई, तो मैं लड़खड़ाते हुए डामर पर पहुँचा और रुक गया।
जब मैं जैक से गाड़ी निकालने की कोशिश कर रहा था, तभी एक फ्रीलांस टो ट्रक मेरे पीछे आकर रुका और हॉर्न बजाया। स्टंट ड्राइविंग की वजह से मैं अभी भी कांप रहा था, और शायद मैं एक फुट उछल गया।
“मैं आपकी मदद करता हूँ,” ड्राइवर ने कहा। उसने मुझे रास्ते से हटाया और पहिए के नट खोलने लगा। टायर निकालने के बाद उसने उसे घुमाकर हेडलाइट की रोशनी में देखा। “यह टायर फटा नहीं है। इसे जानबूझकर फाड़ा गया है।” उसने उंगली से इशारा किया।
“तुम्हारा मतलब क्या है, ‘कट टू ब्लो’?”
“मेरा मतलब है, किसी ने इस टायर को इस तरह से काटा है कि तेज़ गाड़ी चलाते समय यह फट जाए। देखो, ये देखो?” उसने टायर की अंदरूनी दीवार पर बने एक आयताकार कट की ओर इशारा किया। “वे यहाँ एक कट लगाते हैं, पूरा नहीं, बस इतना कि जब आप पचास या साठ मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगते हैं, तो घूमता हुआ टायर इस टुकड़े को बाहर की ओर फेंक देता है—इसे फाड़ देता है—और आपका टायर ऐसा हो जाता है।” उसने टायर के फटे किनारों को खींचा। “यह फट जाता है!”

टायर बदलने के बाद मैंने उसे पैसे दिए, फटा हुआ टायर जीप के पीछे फेंक दिया और टॉर्च लेकर गाड़ी के नीचे घुस गया। बाकी टायर सही सलामत थे। छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान मैं यही सोचता रहा कि मेरा टायर किसने काटा और अगर मैंने उसे पकड़ लिया तो क्या करूंगा।

परिवार से मिलने के बाद चार महीने बीत चुके थे; फोर्ट ब्रैग में लंबे समय तक रहने का मुझ पर बुरा असर पड़ रहा था। मैं माइकल को बाल्टीमोर में उसके हॉकी मैच में ले गया, जहाँ मैं अकेला खड़ा होकर उसे खेलते हुए देखता रहा और घटनाओं पर विचार करता रहा। मेरे जीवन का एक भी पल ऐसा नहीं था जो रिमोट व्यूइंग, हमारी किताब या हमलों के बारे में सोचे बिना बीतता हो।
सूट पहने दो आदमी वार्मिंग रूम में खड़े थे और शीशे के दरवाज़ों के पीछे से मुझे घूर रहे थे। मैंने तिरछी नज़र से उन्हें देखा, ताकि उन्हें पता न चले कि मैंने उन्हें देख लिया है। वे मुझे देख ही रहे थे; उनकी नज़रें मुझसे हट ही नहीं रही थीं। बिना उनकी तरफ देखे, मैं वार्मिंग रूम की तरफ चल पड़ा, यह सोचकर कि शायद मैं एक कप कॉफ़ी पी लूँ और उन्हें देख लूँ, शायद उनसे पूछ भी लूँ कि आखिर वे क्या कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही मैंने दरवाज़ा खोला, वे दोनों आदमी पीछे हट गए और सामने के दरवाज़े से बाहर निकल गए। कुछ सेकंड बाद मैं भी उनके पीछे गया। वे अपनी कार की तरफ टहल रहे थे और हर कुछ सेकंड में पीछे मुड़कर देख रहे थे। उनमें से एक ने मिलिट्री स्टाइल के लो क्वार्टर जूते पहने थे। वह चाबियों से कार का दरवाज़ा खोलने की कोशिश कर रहा था, जबकि उसका साथी मेरी तरफ देखने के बजाय हर जगह देख रहा था। वे अपनी ग्रे रंग की लेटेस्ट मॉडल क्रिसलर में चढ़े और तेज़ी से निकल गए।
हालात वाकई गंभीर होते जा रहे थे। मुझे पता था कि निगरानी और तोड़फोड़ के पीछे जो भी व्यक्ति था, उसके द्वारा मामले को और आगे बढ़ाने से पहले मुझे रिमोट व्यूइंग के बारे में सार्वजनिक रूप से बताना ही होगा।

परिवार के साथ सप्ताहांत बिताने के तुरंत बाद, मेल, जिम मार्स और मैं न्यूयॉर्क शहर में सैंड्रा मार्टिन से किताब पर काम करने के लिए मिले। रात के खाने पर मैंने घटी कुछ घटनाओं का वर्णन किया। मैंने मेल को पहले से ही जानकारी दी थी, लेकिन इससे पहले मैंने उनका ज़िक्र सिर्फ़ सरसरी तौर पर ही किया था।

मेल थका हुआ लग रहा था। उसने कहा, "मुझे लगता है कि वे हमें प्रभावित करने के चक्कर में हैं।"
जिम और सैंड्रा को समझ नहीं आया कि वह क्या कह रहा है, लेकिन मुझे समझ आ गया। "आपको ऐसा क्यों लगता है?"
“मैं महसूस कर सकता हूँ कि वे मुझ पर अपना असर डाल रहे हैं। आप जानते हैं कि कैसा लगता है—अंदर एक अजीब सी खुजली और बेचैनी सी महसूस होती है, जैसे कोई अपने नाखूनों को आपके ब्लैकबोर्ड पर घसीट रहा हो।”
सैंड्रा अपनी सीट पर कांप उठी। "सच में? वे ऐसा कर सकते हैं, और आपको पता भी चल जाता है कि कब?"

जिम ने नोट्स लेना शुरू कर दिया।
मैंने कहा, “यह तो आप कार्यक्रम में सीखते हैं। आपको पता है जब कोई पार्टी में आपके बहुत करीब खड़ा हो जाता है तो कैसा लगता है? आपको वह बेचैनी और घुटन महसूस होती है ना? ठीक वैसा ही तब होता है जब कोई दूर से आपके आस-पास खड़ा होता है। इसमें कोई फर्क नहीं है। आपको वही एहसास होता है, और जब तक आपको पता नहीं चलता कि आखिर है क्या, तब तक आप परेशान होते रहते हैं।”
“आप इससे अपनी रक्षा कैसे कर सकते हैं?” सैंड्रा ने पूछा। “या क्या आप कर सकते हैं?”
मेल ने जवाब दिया, “हाँ, कर सकते हैं। आप एक ऊर्जा गोला बनाएँ और खुद को उससे घेर लें। उसे एक परावर्तक सतह दें, जिससे प्रोब वापस ईथर में उछल जाएँगे। बस दिक्कत ये है कि मैं कभी-कभी ऐसा करना भूल जाता हूँ और वे अंदर आ जाते हैं। फिर तो ये ऐसा हो जाता है जैसे अपने तहखाने से चूहों को भगाना — एक बार अंदर आ जाने पर उन्हें निकालना बहुत मुश्किल हो जाता है।”
“क्या वे हमेशा के लिए रहते हैं?” जिम ने पूछा।
“नहीं, उन्हें भी हमारी तरह ही इसे तोड़ना होगा। यह बस कोई और दर्शक है जो ऐसा कर रहा है, शायद वह यूनिट में काम करता है।”
सैंड्रा और जिम ने हमें बताया कि कुछ रहस्यमय लोग उनका पीछा कर रहे थे, उनकी तस्वीरें खींच रहे थे और भीड़ में गायब हो रहे थे। मैंने धीरे से कहा, "लगता है हम सब किसी न किसी तरह से खतरे में हैं। आपको यह मानकर चलना चाहिए कि आपका फोन टैप किया जा रहा है। आपको कहीं भी अकेले नहीं रहना चाहिए।

जितना हो सके, लोगों के साथ रहने की कोशिश करें, कम से कम तब तक जब तक किताब प्रकाशित नहीं हो जाती और यह सब शांत नहीं हो जाता।"
“मुझे नहीं लगता कि यह मामला शांत हो जाएगा,” मेल ने कहा। “मुझे लगता है कि वे हमें पूरी तरह से कुचलने की कोशिश करेंगे।” उसने मेरी तरफ देखा। “तुम्हारे साथ तो हमारी तुलना में कहीं ज्यादा नाइंसाफी होगी। बाकी लोगों के खिलाफ वे कानूनी तौर पर कुछ नहीं कर सकते, लेकिन तुम तो बिल्कुल ही भाड़े के हो।”
मैंने कहा, "मुझे ऐसा महसूस होने लगा है।"

अपने विरोधियों से लड़ने और अपने परिवार की रक्षा करने के लिए, मुझे यह जानना ज़रूरी था कि वे क्या कर सकते हैं। मेरे अनुरोध पर, सैंड्रा ने मेरे लिए अपने एक ऐसे ग्राहक से मुलाकात तय की, जिसे सीआईए और उसकी निगरानी तकनीकों की विशेषज्ञता प्राप्त थी।
विशेषज्ञ ने मुझसे कहा, "आप एक लक्ष्य हैं, और आपकी सक्रिय सेवा स्थिति के कारण, आप एक आसान निशाना हैं; बस यही बात है।"
“वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? क्या वे सिर्फ मुझे डराना चाहते हैं? मेरे परिवार को डराना चाहते हैं?”
“फिलहाल वे यही करना चाहते हैं: आपको बुरी तरह डराना। और आपको ऐसे काम करने पर मजबूर करना जो आप या आपका परिवार आम तौर पर नहीं करते। आपको सतर्क रहना होगा और अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना होगा।”
लेकिन मेरे परिवार को ही क्यों?
क्योंकि आपके लिए आपका परिवार ही सबसे ज़्यादा मायने रखता है। अगर वे आपके परिवार को नुकसान पहुँचा सकते हैं, तो वे आपको भी अपने शिकंजे में ले लेंगे। आपको यह समझना होगा कि यह तो बस शुरुआत है। अगर डराने-धमकाने की तरकीबें काम नहीं आईं, तो वे और भी कड़े कदम उठाएँगे। और आप एक आसान निशाना हैं—एकांतप्रिय व्यक्ति, परिवार से अलग रहने वाला, अकेले यात्रा करने वाला। मेरी सलाह है कि एक जैकेट ले लें और उसे पहनें। मेरे दोस्त, आपको हर पल, हर दिन सतर्क रहना होगा। शराब पीकर मत पियो। कहीं भी ज़्यादा देर तक अकेले मत रहो।
मैं बस निगलने के अलावा कुछ नहीं कर सका।

कुछ सप्ताह बाद, मुझे फोर्ट ब्रैग में अपने कमांडिंग ऑफिसर से मिलने के लिए बुलाया गया।
मुखिया अपने दरवाजे पर खड़ा था, उसके होंठ कसे हुए थे और उसका हावभाव किसी अंतिम संस्कार करने वाले जैसा था। "क्या आप कृपया अंदर आएँगे?"
मैं उनके कार्यालय में गया तो वहां मुझे एक सेना का अभियोजक मिला।
“मेजर मोरहाउस, मैं आपको यहाँ यह सूचित करने के लिए लाया हूँ कि आपके विरुद्ध कुछ गंभीर आरोप लगाए गए हैं: व्यभिचार, धमकी देना, सरकारी संपत्ति की चोरी और एक अधिकारी के लिए अशोभनीय आचरण के कई मामले। आपको कल सुबह 8 बजे आपराधिक जांच विभाग में पूछताछ के लिए उपस्थित होना है। क्या आपके कोई प्रश्न हैं?”
“सर? यह सब क्या है?”
"क्या आपके कोई प्रश्न हैं, मेजर मोरहाउस?"
जी हाँ, महोदय। इसका क्या मतलब है? मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है। ये आरोप कौन लगा रहा है?

“इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है!” अभियोक्ता ने कठोर चेहरे के साथ गुस्से से कहा।
मुझे बर्खास्त किए जाने के तुरंत बाद मैंने अपना एक प्रतिनिधि ढूंढ लिया - एक सेना का बचाव वकील।
“मैंने अभियोजक कार्यालय को फोन करके पता लगाने की कोशिश की कि क्या हो रहा है,” उन्होंने कहा। उन्होंने गहरी सांस ली और धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए अपने नोट्स देखे। “मेजर मोरहाउस, क्या आपको पता है कि क्या हो रहा है?” मैंने अपना सिर हिलाया। मुझे उस पर ध्यान केंद्रित करना भी मुश्किल लग रहा था।
“ठीक है, आपको आरोपों के बारे में बता दिया गया है। ऐसा लगता है कि किसी ने”—उन्होंने एक नागरिक महिला का नाम लिया जिसे मैं बेस के आसपास से जानता था—“आपके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। क्या आप उसे जानते हैं?” “हां। उसे मुझसे क्या शिकायत है, और वह ऐसा क्यों कर रही होगी?”
“खैर, मुझे तो ठीक से पता नहीं क्यों, लेकिन उसकी शिकायत यह है कि आपने उसे मौखिक रूप से शारीरिक हिंसा की धमकी दी। वह यह भी दावा करती है कि आप तीन महीने तक उसके साथ यौन संबंध में रहे।”

“मैं उसे जानता था। असल में, आप कह सकते हैं कि हमारा एक तरह का रिश्ता था। मैंने अपने जीवन के पिछले चार साल अकेले बिताए हैं। कभी-कभी आप बस किसी दूसरे व्यक्ति से बात करना चाहते हैं, आप जानते हैं, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे अपना चेहरा शेव करने की ज़रूरत न हो।”
वो हंसा।
“मैंने उस औरत के सामने अपना सारा दिल खोलकर रख दिया। वो बहुत ध्यान से सुनती थी—दयालु और ख्याल रखने वाली।” मैंने अविश्वास से सिर हिलाया। “मैंने उसे अपने बारे में सब कुछ बताया, सब कुछ—डेबी, बच्चे, बुरे सपने। मुझे लगा कि मैं उसे जानती हूँ। मुझे लगा कि मैं उस पर भरोसा कर सकती हूँ। लेकिन लगता है कि आप कभी किसी को पूरी तरह जान नहीं पाते, है ना?”
“ठीक है। क्या आपको कोई कारण पता है कि वह ये आरोप क्यों लगा रही होगी?” मेरी आँखों में गुस्से की चमक आ गई। "मुझे लगता है मैंने अभी-अभी आपसे यही सवाल पूछा था।"
“चोरी के आरोप का क्या हुआ? अभियोजक ने आरोप लगाया है कि आपने सेना का एक कंप्यूटर चुराया और उसे इस महिला को दे दिया।”

“मैंने उसे काम के लिए एक कंप्यूटर दिया था। वह एक पुराना कमोडोर था, बेकार। मेरी पत्नी और मैंने फैसला किया कि अब हमें उसकी ज़रूरत नहीं है, और हमने उसकी मदद करने का फैसला किया। उसने डेब से फोन पर बात भी की है। आखिर हम दोनों अलग हो चुके थे। मुझे यह सब बिल्कुल समझ नहीं आ रहा है।” उन्होंने एक बार फिर अपने नोट्स पर नज़र डाली। "ठीक है, आरोपों में जिस कंप्यूटर का जिक्र किया गया है, वह एक ज़ेनिथ लैपटॉप है, और उस पर एक सैन्य सीरियल नंबर है।"
“उस लैपटॉप की रसीद मुझे दी गई है; वह मेरा है। मेरे पास उसके दस्तावेज़ हैं। मैंने उसे वह लैपटॉप दिया था, लेकिन केवल इसलिए ताकि वह उसे मरम्मत के लिए ले जा सके।”
वे दावा कर रहे हैं कि तुमने उसे यह दिया था।
“मैंने उसे एक कंप्यूटर दिया था—कमोडोर। उसका भाई कंप्यूटर रिपेयरमैन है; वह ज़ेनिथ कंप्यूटर को उसके पास रिपेयर के लिए ले जाने और फिर बिल के साथ मुझे वापस करने के लिए तैयार हो गई। उसमें लगा वीडियो कार्ड जल गया था।”

"तो क्या यह ऐसा मामला नहीं है जिसका ध्यान सेना को रखना चाहिए?" “ट्रेनिंग वर्कशॉप के तकनीशियनों ने कोशिश की, लेकिन उनके पास पुर्जे नहीं थे, और सेना को लगा कि मरम्मत करवाना फ़ायदेमंद नहीं होगा। हमने वर्कशॉप में यह सब रिकॉर्ड कर लिया था। मेरे अधीन सैनिकों को इसे कबाड़ में जमा करने के लिए कहा गया था। मैंने सोचा कि अगर मैं इसकी मरम्मत करवा लूँ तो वर्कशॉप के पास काम करने के लिए एक और कंप्यूटर होगा। उसने मरम्मत के लिए इसे तीन दिन तक अपने पास रखा। इस सब के पीछे कौन है? यह हास्यास्पद है।”
मैं इस बारे में पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ। अब आगे क्या होगा, ये रहा। कल सुबह आपको सीआईडी से मिलना है। वे आपको आपके अधिकार बताएंगे और आपसे बयान लेने की कोशिश करेंगे। मेरी इच्छा है कि आप उनसे कुछ न कहें; आपको बस इतना कहना है कि वकील की सलाह पर आप इस समय कोई बयान नहीं देना चाहते। वे आपके फिंगरप्रिंट लेंगे, और फिर मैं चाहूंगा कि आप यहाँ वापस आकर मुझे बताएं कि क्या हुआ था। ठीक है?
मैंने बोलने की कोशिश की लेकिन मेरे मुंह से कुछ नहीं निकला।
“देखिए महोदय, शांत हो जाइए। अगर आपकी बात सच है, और अगर मैं इसे साबित कर सकता हूँ, तो हम उन्हें बुरी तरह हरा देंगे। घर जाइए, आराम कीजिए और इसके बारे में ज्यादा मत सोचिए।”
मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और ऑफिस से निकलकर नवंबर की बर्फीली हवा में आ गया। फिर मैंने ऑफिस में फोन किया और बताया कि मैं आज के लिए घर जा रहा हूँ। मैं अपने कमरे में बिस्तर के पास बैठा रहा, खाली दीवार को घूरता रहा; जैसे कोई टूटा हुआ रिकॉर्ड बार-बार मेरे जीवन और करियर के बारे में सोच रहा हो। पूरी रात मैं वहीं बैठा रहा, न सोया, न हिला। सुबह सात बजे मैं सीआईडी के लिए रवाना हुआ।
जांचकर्ताओं ने ठीक वैसा ही किया जैसा प्रतिनिधि ने कहा था, और मैंने वही कहा जो उसने मुझे कहने को कहा था। एक घंटे में सब कुछ खत्म हो गया।
जब मैं अपने वकील के कार्यालय में दाखिल हुआ तो उन्होंने कहा, "हे भगवान, क्या आप वहां जाने से पहले दाढ़ी नहीं बना पाए थे?"
मुझे लगता है मैं भूल गया था; मैं कल रात सोया नहीं था। मैं आज सुबह बस उठा और घर से बाहर निकल गया।

“आपको खुद पर काबू रखना होगा, महोदय। आप इस तरह से नहीं घूम सकते; उन्हें यह मत बताइए कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। बस ऊपर मुख्यालय जाइए और एक अच्छे सिपाही की तरह व्यवहार कीजिए। इस मामले में लोग आपके साथ हैं।”
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन मेरे साथ है। अगर वे अभी मेरे साथ हैं, तो जल्द ही नहीं रहेंगे। और अगर वे मेरे साथ बने रहते हैं, तो वे मेरे साथ ही डूबेंगे, और मैं ऐसा नहीं चाहता।”
आप क्या कह रहे हैं, महोदय?
"यह आपकी सोच से कहीं अधिक गंभीर मामला है; यह उन लोगों द्वारा रची जा रही एक योजना का हिस्सा है जो मुझे बर्बाद करना चाहते हैं।"
"आपकी बात का कोई मतलब नहीं है, महोदय।"
“इसका मकसद मुझे बदनाम करना, मुझे तबाह करना है, इससे पहले कि मैं वो करूँ जो मुझे पता है कि मुझे करना ही है। आपने आखिरी बार कब किसी ऐसे अधिकारी को देखा है जो कानूनी तौर पर अपनी पत्नी से अलग हो चुका हो और उस पर व्यभिचार का आरोप लगाया गया हो?”
“खैर… मैंने इसे कभी नहीं देखा।”
“सेना को मिसालों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, है ना? अभियोजक बस किसी भी पुराने कानून को फिर से लागू कर सकते हैं और जिसे चाहें उसे फंसा सकते हैं। वे इनमें से कुछ भी साबित नहीं कर सकते, और उन्हें परवाह भी नहीं है; मायने तो आरोप रखता है। बदनामी!” मैंने खुद को संभाला। “मुझे माफ़ करना मैंने ऊंची आवाज़ में बात की—आप दुश्मन नहीं हैं।”
“सर? आप किस बारे में बात कर रहे हैं?”
“यह एक लंबी कहानी है। मैं वापस आकर समझाऊंगा। अभी मैं घर जा रहा हूं अपने परिवार से मिलने और उन्हें यह बताने के लिए कि खुफिया समुदाय ने कौन सा नया जादू दिखाया है।” मैंने वकील को यह सोचने के लिए छोड़ दिया कि मैंने अभी- अभी क्या कह दिया है।

अगले कुछ हफ्तों में, सरकार ने मेरे खिलाफ आरोपों की चार पन्नों की सूची तैयार की। मेरी राय में सबसे गंभीर, नुकसानदेह और अपमानजनक आरोप चोरी का था। बाकी आरोप "मुख्यालय भवन में आगंतुक के पंजीकरण में चूक करने के लिए कर्तव्य की उपेक्षा" और "धमकी भरी भाषा का प्रयोग करने के लिए एक अधिकारी के लिए अशोभनीय आचरण" जैसे थे।

हर कदम पर, मेरे जैसे उच्च पदस्थ अधिकारी के साथ उचित व्यवहार के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया। और हर उल्लंघन मेरे लिए पीठ में छुरा घोंपने जैसा था, उन लोगों द्वारा जिन पर मैंने कभी भरोसा किया था। मुझे कहना होगा कि अब दबाव मुझ पर हावी हो रहा था। मैं अपने उज्ज्वल और आशाजनक सैन्य करियर के कलंकित और बेतुके अंत की ओर देख रहा था। और जैसे ही आरोपों की खबर फैली, मेरे कुछ पूर्व साथी मुझसे बात तक नहीं कर रहे थे। कुछ दोस्तों ने मुझसे कहा कि आरोपों की किसी को परवाह नहीं है: "तुम निशाने पर हो, और इससे लोग घबरा जाते हैं। वे तुम्हारे बारे में जो भी आरोप हैं, उन्हें उजागर नहीं करना चाहते।"
सीआईडी के जांचकर्ताओं ने मेरे दोस्तों को पकड़कर पूछताछ की; मेरे कमरे की तलाशी ली गई; मेरे पुराने दफ्तरों से संपर्क किया गया ताकि मेरे खिलाफ इस्तेमाल की जा सकने वाली कोई भी जानकारी मिल सके। उन्होंने उस सेल्समैन से भी पूछताछ की जिसने मुझे मेरी कार बेची थी। और इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पचास लोगों ने मुझे अच्छा इंसान कहा; 51 वें व्यक्ति ने, जो मुझे पसंद नहीं करता था, सारी सुर्खियां बटोर लीं।
मुझे अपनी जांच के लिए 10,000 डॉलर उधार लेने पड़े। अगर मेरा कोर्ट-मार्शल होना था, जो अभी तय नहीं हुआ था, तो मुझे आरोपों का खंडन करने के लिए सबूत चाहिए थे। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं; मेरे वकील का मानना था कि या तो यह सब मामला शांत हो जाएगा, या हम अदालत में जीत जाएंगे। हालांकि, उनसे अगली मुलाकात में सेना का रुख स्पष्ट हो गया:
उन्होंने मुझसे कहा, “मुझे आपको सूचित करना आवश्यक है कि सरकार आपको इस्तीफा देने का अवसर दे रही है। यदि आप यह विकल्प चुनते हैं, तो आपको कुछ अधिकार प्राप्त होंगे और कुछ जोखिम भी उठाने पड़ेंगे। प्रक्रिया इस प्रकार है: आप सेवा के हित में अपना इस्तीफा देते हैं। आपके विरुद्ध लंबित सभी आरोप हटा दिए जाते हैं, और बयासीवीं बटालियन आपके इस्तीफे को मंजूरी देने की सिफारिश करती है। यह आपके डिस्चार्ज के प्रकार के संबंध में भी सिफारिश करेगी। ये सिफारिशें अलेक्जेंड्रिया स्थित PERSCOM के कमांडर के पास जाती हैं, जो बदले में इस्तीफे और डिस्चार्ज के प्रकार को मंजूरी या नामंजूरी देने की सिफारिश कर सकते हैं। वहां से, कागजी कार्रवाई सेना के अवर सचिव के पास जाती है; वे अंतिम निर्णय लेते हैं।” वकील ने मुझे गंभीरता से देखते हुए कुछ देर रुककर कहा, “मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस्तीफा

मंजूर हो जाएगा। मेरी चिंता इस बात को लेकर है कि आपको किस प्रकार का डिस्चार्ज मिलेगा।”
आपका अनुमान क्या है?
“आरोपों में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे आपको अपमानजनक बर्खास्तगी दी जाए; इसके लिए मुकदमे की आवश्यकता होगी, और मुझे नहीं लगता कि सरकार इस मामले की सुनवाई करना चाहती है। मुझे लगता है कि आपके कुछ ऐसे दोस्त हैं जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था; साथ ही, अब एक नया अभियोजक है और उसे इस मामले में कोई समस्या नहीं दिखती। अगर हमें मुकदमे का सामना करना पड़ता है तो यह हमारे लिए अच्छा है, लेकिन अगर आप इस्तीफा देते हैं तो इससे हमें कोई फायदा नहीं होगा। अगर आप इस्तीफा देते हैं, तो मुझे लगता है कि आपको अपमानजनक बर्खास्तगी के लिए सिफारिश की जाएगी। यह स्पष्ट है कि सरकार आपको बदनाम करके हटाना चाहती है।”
“मेरा रिकॉर्ड बेदाग है और मैंने सोलह साल सेवा की है। क्या सरकार ने मेरे समर्थन में कोई जांच की है, और क्या वह सबूत कमांडिंग जनरल के सामने पेश किए गए हैं ताकि उन्हें आरोपों की सच्चाई या झूठ के बारे में जानकारी मिल सके? क्या ऐसा कुछ किया गया है?”
“खैर… नहीं। मैं एक जघन्य हत्या के मामले पर काम कर रहा हूँ; मैं उस मामले को खत्म करते ही जांच शुरू करने वाला था। इस बीच, मैं यह अनुरोध करने की योजना बना रहा था कि एक सीआईडी जांचकर्ता को स्थायी रूप से इस मामले में हमारे लिए काम करने के लिए नियुक्त किया जाए।”
“तुमने अभी तक ऐसा नहीं किया? मतलब, बुरा मत मानना, लेकिन तुमने अब तक मुझे सिर्फ बुरी खबरें ही दी हैं। उनके पास कुछ नहीं है—तुमने खुद ही कहा था। मैं अपने जीवन के सोलह साल बिना संघर्ष किए क्यों बर्बाद करूँ?”
"किसी कारणवश, मेजर, आप बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं और जब तक आप इस्तीफा नहीं दे देते, वे आपको इससे बाहर नहीं निकलने देंगे।"
“मुझे किसी से भी इससे बाहर निकलने की उम्मीद नहीं है। मैं जानता हूँ कि मैं इसमें क्यों फंसा हूँ। मैं बस थोड़ी सी मदद चाहता हूँ। मैं इस्तीफा नहीं देना चाहता। मुझे पता है कि गोपनीय जानकारी लीक करने का मेरा फैसला लोकप्रिय नहीं है, लेकिन मेरे असली अपराध की प्रकृति को देखते हुए, मुझे लगता है कि कम से कम मुझे एक सुनवाई का मौका तो मिलना चाहिए जहाँ मैं किसी

समझदार व्यक्ति को बता सकूँ कि मैं क्या कर रहा हूँ और यह सब क्यों हो रहा है।”
"मेजर मोरहाउस, आप पर गोपनीय जानकारी के खुलासे का आरोप नहीं है, और मुझे कोई भी इस बात की पुष्टि करने वाला नहीं मिल रहा है कि आपके खिलाफ गलत खुलासे के लिए जांच भी की जा रही है।"
“ऐसा इसलिए है क्योंकि यह सब खुफिया एजेंसियों के अंदरूनी हलकों में हो रहा है; वे नहीं चाहते कि किसी को इसके बारे में पता चले, वरना वे जो कर रहे हैं वह कारगर नहीं होगा। मैं अकेले इससे निपट नहीं सकता। मेरे पास संसाधन नहीं हैं। और हर बार जब मैं किसी आम वकील या जांचकर्ता को इस सब के बारे में सच बताता हूं, तो मुझ पर गलत जानकारी देने का एक और आरोप लग जाता है। मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। मैं बस इन आरोपों का सामना कर सकता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि कोई समझदार व्यक्ति इस मामले को सुलझा सके।”
या फिर आप इस्तीफा दे सकते हैं और बर्खास्तगी की संभावना पर विचार कर सकते हैं।
“अगर मुझे ‘गैर-सम्मानजनक’ श्रेणी मिलती है तो मेरा क्या होगा? मेरा मतलब है, मुझे क्या नुकसान होगा?”
क्या आपके पास वीए होम लोन है?
"हाँ।"
"ठीक है, आप इसे खो देंगे। आप बेरोजगारी भत्ता पाने का अधिकार खो देंगे; आप सैन्य नजरबंदी का अधिकार खो देंगे; आप अपनी पेंशन खो देंगे; और संभवतः आप फिर कभी किसी भी पद पर सरकार के लिए काम नहीं कर पाएंगे।"

वाह, क्या इनाम है! और मुझे यह कलंक जीवन भर पहनना पड़ेगा।
“यह सच है। लेकिन दूसरी ओर, सरकार को आरोप वापस लेने होंगे, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि वे निराधार हैं। अन्यथा सेना आपको अदालत में ले जाएगी।”
"इसके बारे में सोचो। वे आरोप हटा देंगे; तुम्हें न तो दोषी ठहराया जाएगा, न ही मुकदमा चलेगा, और तुम वर्दी उतारकर अपनी जिंदगी में वापस लौट जाओगे।" “सेना ही मेरी ज़िंदगी है। मैं एक ऐसी दुनिया में कदम रख रहा हूँ जिसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता और जो मुझे नहीं जानती। वहाँ मैं कोई नहीं हूँ।

यहाँ मैं मेजर मोरहाउस हूँ। मेरी एक ज़िंदगी है। एक करियर है। मेरा एक भविष्य हुआ करता था। दो महीने पहले मुझे सेना के अध्ययन समूह में गैर-घातक हथियारों के विशेषज्ञ के रूप में चीफ ऑफ स्टाफ के अधीन नियुक्त किया गया था; अब, मैं इस बात पर विचार कर रहा हूँ कि मुकदमे का सामना करूँ या अपमानजनक तरीके से इस्तीफा दे दूँ।”
“मुझे इस पर यकीन करना मुश्किल लग रहा है,” मेरे वकील ने धीरे से सहमति जताते हुए कहा। “लेकिन आपने जिस भी मामले में हिस्सा लिया, उसके बारे में आपने जो भी फैसला लिया, उससे आप सेना के लिए एक बोझ बन गए हैं।”
मैं उसकी खिड़की से बाहर देख रहा था जब सैनिकों का एक दस्ता मार्च करते हुए गुजरा। “मैं इन शर्तों पर इस्तीफा नहीं दूंगा। मैंने कुछ भी अपमानजनक नहीं किया है, और मैं पीछे हटकर अपने पिता का नाम कलंकित नहीं करूंगा। मैंने एक रहस्य बताकर नियमों का उल्लंघन किया है; मैं इसके लिए सजा स्वीकार करूंगा, और केवल यही। अगर वे यही चाहते हैं तो मैं खुलासा स्वीकार करूंगा और इस्तीफा दे दूंगा। लेकिन मैं इससे मुंह नहीं मोड़ूंगा। यह शर्मनाक और गलत है।” मैं कमरे से बाहर निकलने लगा। “आप उन्हें फोन करें और उनसे कहें कि मेजर मोरहाउस ने कहा है कि वे अदालत में आ सकते हैं और मेरे साथियों की जूरी के सामने साबित कर सकते हैं कि मुझ पर लगाए गए आरोपों के लिए मैं दोषी हूं।”

मैं क्रिसमस के लिए घर गया, अपनी परेशानियों को जितना हो सके किनारे रखकर, अपने परिवार के लिए उस समय को खास बनाने की हर संभव कोशिश की। आरोपों से हम सभी को दुख हुआ, लेकिन डेबी और बच्चों ने मेरा साथ दिया और मुझे संभाले रखा।
घर पर रहते हुए मैंने मेल से किताब और आरोपों के बारे में कई बार बात की। उसने मुझे दिलासा देने की पूरी कोशिश की, लेकिन मुझे महसूस हो रहा था कि यह अंत की शुरुआत है, ठीक वैसे ही जैसे फरिश्ते ने कहा था। यह मुझे अंदर से तोड़ रहा था। मैंने जिम मार्स के साथ किताब पर काम करके इसका मुकाबला किया। वह मुझसे पूछता कि कुछ दृश्य और स्थान कैसे दिखते हैं, और मैं उन्हें उनके लिए विस्तार से समझाती, जिससे उन्हें यह समझने में मदद मिलती कि वातावरण में और यूनिट में चीजें कैसे काम करती हैं। ये बातचीत अक्सर फोन पर कई घंटों तक चलती थी; उसके बाद जिम उत्साह से फोन रखता और घंटों तक

मैं उठ खड़ी हुई और रेलिंग को कसकर पकड़े हुए लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों से ऊपर चढ़ी। डेनियल का कमरा सीढ़ियों के सबसे ऊपर था। अंदर अंधेरा और ठंड थी, हवा किसी कब्र जैसी थी: बिजली नहीं थी, न ही गर्मी थी और न ही हवा का आवागमन। मैंने डेनियल को हिलाया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मैं चीखी और उसे बार-बार हिलाती रही जब तक कि उसकी आँखें पतली-पतली नहीं खुल गईं। वह घबराई हुई और डरी हुई रोने लगी।
“मेरे सिर में दर्द हो रहा है!” वह सिसकते हुए बोली। “क्या हो रहा है?” “डेनिएल, तुम्हें नीचे जाने की कोशिश करनी होगी! समझ रही हो? तुम्हें नीचे जाना होगा। चलो, प्यारी, उठने की कोशिश करो। अपना कंबल साथ ले जाओ—चलो।” मैंने उसे बिस्तर से घसीटकर उठाया और खड़ा करने की कोशिश की। उसके छोटे- छोटे पैर उसके वजन से लड़खड़ा रहे थे, इसलिए मैंने उसे एक हाथ से पकड़ा और उसके कमरे के दरवाजे तक घिसटते हुए गई, बाकी सबको जगाने के लिए चिल्ला रही थी। आखिरकार माइकल सिर पकड़े हुए अपने कमरे से लड़खड़ाते हुए बाहर आया। “क्या हो रहा है, पिताजी? मेरा सिर फटने वाला लग रहा है।”
“मुझे नहीं पता, बेटा। अपनी बहन को नीचे ले जाने में मेरी मदद करो, ताकि वह थोड़ी ताज़ी हवा में जा सके। क्या तुम ऐसा कर सकते हो?”
बिना किसी झिझक के, पंद्रह वर्षीय लड़के ने अपनी बहन को मुझसे छीन लिया और लड़खड़ाते पैरों से उसे नीचे ले गया। मैं दौड़कर मुख्य शयनकक्ष में गई, जहाँ डेबी बिस्तर के किनारे बैठी स्थिति को समझने की कोशिश कर रही थी। अँधेरे में भी मैं उसके चेहरे पर उलझन देख सकती थी।
“मुझे नहीं पता क्या गड़बड़ है, लेकिन घर में हवा नहीं आ रही है। हमें जल्दी से सबको नीचे ले जाना होगा!”
डेबी खड़ी हुई और मेरे ऊपर गिर पड़ी, फिर खुद को संभाला। उसने मुझे कसकर पकड़ लिया और हम तेजी से मारिया के कमरे की ओर बढ़े। घर की ठंडी हवा में हमारी सांसें बर्फीले धुएं की तरह फैली हुई थीं, जो सीढ़ियों से आती रोशनी की एक किरण से रोशन हो रही थीं। माइकल ने एक टॉर्च ली थी और मदद के लिए ऊपर आ रहा था। डेबी मारिया के पास दौड़ी और उसे जगाने की कोशिश की, उसकी कलाई और चेहरे पर हल्के से थप्पड़ मारे, उसे हिलाया और कमरे के अंधेरे में बार-बार उसका नाम पुकारा। मारिया की गहरी आंखें थोड़ी देर के लिए खुलीं, फिर बंद हो गईं, टॉर्च की रोशनी में उसकी आंखें सिकुड़ गईं। उसने कुछ अस्पष्ट

बुदबुदाया और अपने हमलावरों से लड़ने की कोशिश की। डेबी लगी रही। “मारिया! कुछ गड़बड़ है—तुम्हें जागना होगा। चलो, मारिया! उठो! अभी उठो!”
मैंने और डेबी ने मारिया का एक-एक हाथ पकड़ा और उसे बिस्तर से खींचकर दरवाजे तक ले गए।
“माइक, कुछ कंबल ले आओ,” मैंने निर्देश दिया। “यहीं हमारे साथ रहो! बिस्तर पर जो भी कंबल पड़े हों, उनमें से कुछ मुट्ठी भर उठाओ और ले आओ।”
हम धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतरे, हममें से किसी का भी अपने अंगों पर पूरा नियंत्रण नहीं था। डैनियल फर्श पर फिर से बेहोश हो गई थी। ठंड और ऑक्सीजन की कमी के कारण उसका शरीर नीला पड़ रहा था।
“माइक!” मैंने कहा। “डेनियल को जगाए रखो, उसे सोने मत दो!”
डेबी और मैंने मारिया को उसकी बहन के बगल में बिठाया और डेबी फोन लेने दौड़ी। जो कुछ हो रहा था, उसे समझते ही मैं अपने बच्चों के सामने घुटनों के बल बैठ गया। “जनरेटर!” मैंने ज़ोर से कहा। घर के बाहर अभी भी उसकी गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी। आवाज़ इतनी देर से आ रही थी कि मुझे उसका एहसास ही नहीं हो रहा था। मैं बाहर जाने के लिए उठा, लेकिन माइकल ने मुझे पुकारा। “पापा! डेनियल जाग नहीं रही है! मैं उसकी आँखें खुली नहीं रख पा रहा हूँ!” अब मारिया को उल्टी आने लगी। उसकी उल्टी धुंध की तरह जम गई और उसके शरीर और उसके द्वारा ओढ़े हुए कंबलों पर जम गई। माइकल ने कंबलों के ढेर से एक और कंबल निकाला और उसे अपनी बहन के चारों ओर लपेट दिया, उसे दिलासा देने की कोशिश करते हुए। मैंने टॉर्च की रोशनी में डेनियल का चेहरा देखा; वह मौत की तरह पीली पड़ गई थी। उसके होंठ नीले पड़ गए थे; उसकी आँखों के आसपास की त्वचा काली और धँसी हुई थी, और वह बेजान और प्रतिक्रियाहीन थी।
“हे भगवान! तुम्हें इससे लड़ना होगा। डेनियल, तुम्हें पापा की मदद करनी होगी—तुम्हें लड़ना होगा। पापा के लिए गहरी सांस लो! लंबी-लंबी सांसें लो, हिम्मत रखो, बेटा, तुम कर सकती हो!”
डैनियल मेरी बाहों में ढीली पड़ गई, मेरी आवाज़ पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही थी। माइकल उसका नाम पुकारने लगा, उस पर चिल्लाने लगा, उसे अपनी बात सुनाने की कोशिश करने लगा। ऐसा लग रहा था मानो उसकी आत्मा उसके शरीर से निकल चुकी हो, मानो वह दूर खड़ी होकर हमें चीखते और हिलाते हुए देख रही हो। मैंने उसे कसकर गले लगाया और पूरी ताकत से चिल्लाई, "मरना मत, जान, मरना मत!"

किसी ने मेरा कंधा पकड़कर मुझे मेरे बच्चे से दूर कर दिया। मैंने गुस्से में हाथ चलाया और उसकी बांह पर चोट लग गई। तभी अंधेरे में एक तेज रोशनी चमकी और मैं एकदम स्तब्ध रह गई।
“आराम से, दोस्त! हम तुम्हारी मदद के लिए यहाँ हैं!” मैंने अपनी आँखें ढँक लीं जब कोई मेरे पास से गुजरा और मेरी बेटी से बात करने लगा।
"यहां क्या हुआ?"
मैं अब भी असमंजस में था; आखिर हो क्या रहा था? सड़क और आंगन से तेज रोशनी घर में फैल रही थी, जिससे घर पर एक अलौकिक चमक छा रही थी। आखिरकार हेलमेटों की चमक और अचानक रेडियो पर होने वाली बातचीत की आवाज समझ में आई।
“पापा, ये फायर डिपार्टमेंट है!” माइकल ने मेरी पैंट का पाँव खींचते हुए कहा।
मैं सीढ़ियों के सबसे निचले पायदान पर बैठ गया। "ओह, भगवान का शुक्र है! आने के लिए धन्यवाद!"
“कैप्टन, ये तो बहुत गंभीर मामला है!” डैनियल की देखभाल कर रहे आदमी ने कहा। “हमें इसे तुरंत हाइपरबेरिक चैंबर में ले जाना होगा!” वह डैनियल को दरवाजे की ओर ले गया। डेबी मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई और उसने अपना ठंडा हाथ मेरे कंधे पर रख दिया। दमकलकर्मियों में से एक ने कंबल उठाया और हम दोनों को, जो सीढ़ियों पर बैठे थे, लपेट दिया।
“क्या हुआ?” डेबी ने पूछा।
“महामहिम, कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता,” कप्तान ने उत्तर दिया। “कम से कम, देखने में तो ऐसा ही लगता है।”
डेबी ने उत्सुकता से मेरी ओर देखा। "ऐसा कैसे हो सकता है?"
मैंने कहा, "मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है। जब तक कि हवा गैस को वापस घर में न उड़ा ले गई हो।"

“मेरी बच्ची कहाँ है?” डेबी की आवाज़ काँप रही थी। “क्या वह ठीक रहेगी?” “मैडम, पैरामेडिक्स उनकी जांच कर रहे हैं। जब हम यहां पहुंचे तो उनकी हालत बहुत खराब थी, लगभग बेहोशी जैसी थी। अगर उन्हें ऑक्सीजन मिल जाए तो वे ठीक हो जाएंगी। समस्या उनके लाल रक्त कोशिकाओं से कार्बन हटाने की है।”

डेबी, जो एक क्रिटिकल केयर नर्स थी, उसकी बात समझ गई। मुझे पता था कि कार्बन मोनोऑक्साइड जानलेवा होती है, लेकिन मुझे ठीक से यह नहीं पता था कि कैसे। "तुम्हारा क्या मतलब है, इसे उसके खून से हटाना?"
“कार्बन के अणु रक्त कोशिकाओं से चिपक जाते हैं और ऑक्सीजन के अणुओं को उनसे जुड़ने नहीं देते, इसलिए ऑक्सीजन की कमी से धीरे-धीरे मृत्यु हो जाती है। वह लगभग कोमा में थी, और मृत्यु से ठीक पहले यही आखिरी अवस्था होती है। हम मौत के बेहद करीब थे।”
उसके हाथ में मौजूद रेडियो से कर्कश आवाज आई। “कैप्टन? पैरामेडिक्स का मानना है कि उसे तुरंत एयर एम्बुलेंस से ले जाना होगा। वे उसे वाशिंगटन डी.सी. के चिल्ड्रन हॉस्पिटल ले जाना चाहते हैं और कुछ परीक्षण करना चाहते हैं…। अगर उसकी हालत उतनी ही गंभीर है जितनी दिख रही है, तो उसे जॉर्जटाउन के हाइपरबेरिक चैंबर में ले जाया जाएगा। फिलहाल, वह ऑक्सीजन पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर रही है।”
“मैं उसके साथ चलूंगी,” डेबी ने कहा। “मैं चिल्ड्रन हॉस्पिटल में नवजात गहन चिकित्सा इकाई में काम करती हूं।”
दो दमकलकर्मियों ने डेबी का हाथ पकड़कर उसे जमी हुई घास के मैदान से होते हुए एम्बुलेंस तक पहुंचाया। दरवाजे पर पहुँचकर वह मेरी ओर मुड़ी और बोली, “पता लगाओ क्या हुआ। मैं अस्पताल से जितनी जल्दी हो सकेगा तुम्हें फोन करूंगी।”
“ठीक है।” लेकिन मैं असहाय महसूस कर रहा था। मैं कल्पना भी नहीं कर पा रहा था कि क्या हुआ होगा।
कुछ दमकलकर्मियों ने माइकल और मारिया की देखभाल की, जबकि अन्य दमकलकर्मी जहरीली गैस को बाहर निकालने के लिए घर में बड़े-बड़े पंखे लेकर आए। उन्होंने घर की ऊपर से नीचे तक पूरी तलाशी ली, ताकि कोई भी पीछे न छूट जाए; उन्हें पता था कि हम अभी पूरी तरह होश में नहीं हैं। मैं ठंड या घबराहट से कांपने लगी, पता नहीं किस वजह से। मैंने कंबल को खींचकर अपने चारों ओर और कसकर लपेट लिया।
दो युवा दमकलकर्मी टॉर्च लिए कप्तान के पास पहुँचे। उन्होंने कुछ बुदबुदाया जो मुझे सुनाई नहीं दिया। कप्तान मेरी ओर मुड़े और टॉर्च की रोशनी मेरे चेहरे पर डाली।

"तुम्हारा जनरेटर गैराज में क्यों चल रहा है?"
"आपका क्या मतलब है?"
"इधर आओ, हम तुम्हें दिखाएंगे," दूसरे आदमियों में से एक ने कहा।
मैंने अपना कंबल अपने चारों ओर लपेटा और कप्तान के नेतृत्व में बाकी आदमियों के साथ मुख्य द्वार की ओर चल पड़ा। हम पूरी तरह से खुले हुए दरवाजे के सामने रुक गए। जनरेटर गैराज के बीचोंबीच रखा हुआ था।
"दरवाजा भी बंद था।"
“नहीं!” मैंने कहा। “मुझे इससे बेहतर पता है। मैंने इसे यहीं रखा था।” मैंने ड्राइववे पर उस जगह की ओर इशारा किया जहाँ मैंने कुछ घंटे पहले जनरेटर रखा था। “इसीलिए ड्राइववे में कोई कार नहीं है, क्योंकि जनरेटर यहीं रखा था। देखो, ग्राउंडिंग रॉड अभी भी वहीं है।” मैंने उस तांबे की रॉड की ओर इशारा किया जिसे मैंने जनरेटर लगाते समय बर्फ में गाड़ दिया था। “मैं इसे गैरेज में नहीं रखता। मैं बेवकूफ नहीं हूँ!”
“अच्छा, किसी ने इसे उठाकर आपके लिए दूसरी जगह रख दिया,” कप्तान ने कहा। “क्या आपके कोई पड़ोसी नाराज़ हैं?”
बर्फ और हिम में दो पैरों के निशान थे। जिसने भी ये निशान बनाए थे, उसने जनरेटर को उठाकर गैरेज में रख दिया था और चुपचाप दरवाजा बंद कर दिया था। यह देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
“मैंने ऐसा पहले भी देखा है,” कप्तान ने कहा। “कोई आपके जनरेटर की आवाज़ से तंग आ जाता है और किसी न किसी तरह से बदला लेने की कोशिश करता है। लेकिन जिसने भी यह किया है, वह आप सबको मार सकता था। बिलकुल बेवकूफ हैं।”
मेरे अंदर गुस्सा बढ़ने लगा। "वे बेवकूफ नहीं थे।"
"क्या?"
“यह एक लंबी कहानी है। लेकिन जिसने भी यह किया, उसे पता था कि वह क्या कर रहा है। हमें बस सोने जाना था, और उनकी मुसीबतें खत्म हो जातीं।” “तुम्हारा मतलब है कि तुम सब मर जाते! अगर तुम सो जाते, तो उस घर में कोई भी कल सुबह नहीं उठता। तुम्हारा सबसे छोटा बच्चा तो वैसे भी लगभग मर ही गया था।” कप्तान की आवाज़ दिल दहला देने वाली थी।
एक अन्य दमकलकर्मी ने कहा, "और आप जानते हैं कि सुर्खियाँ क्या होतीं, है ना? 'जनरेटर दुर्घटना में एक परिवार के पाँच सदस्यों की मौत।' हर सर्दी में दर्जनों लोग इसी तरह मर जाते हैं।"

मैंने अपने बालों में उंगलियां फिराईं।
“अगर आप चाहें तो हम पुलिस को बुला सकते हैं,” कप्तान ने कहा। “आप चाहें तो इसकी आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं, हालांकि मुझे नहीं पता कि इसका क्या नतीजा निकलेगा।” उन्होंने आसमान की ओर देखा। “अभी बर्फ गिरनी शुरू हो गई है; पंद्रह-बीस मिनट में यह सब बर्फ से ढक जाएगा।” उन्होंने बर्फ में बने निशानों की ओर इशारा करते हुए कहा। “मुझे नहीं लगता कि इससे उन्हें कोई खास सुराग मिलेगा। ये पदचिह्न घंटों से हवा में खुले पड़े हैं।”
मैं जल्दी सीख रहा था। जो भी मुझे चुप कराने की कोशिश कर रहा था, उसने अपनी पूरी कोशिश कर ली थी और लगभग सफल भी हो गया था। मैंने तय किया कि डेबी से बात करने के बाद मैं अपने पुलिस वाले दोस्त डेविड गोल्ड को फोन करूंगा और उससे पूछूंगा कि मुझे क्या करना चाहिए।
दमकलकर्मियों द्वारा पंखे और बिजली के तार हटाए जाने के दौरान मैं माइकल और मारिया के साथ घर के अंदर चला गया। पूरी गली लाल बत्तियों से जगमगा रही थी और रेडियो पर बातचीत की आवाज़ें गूंज रही थीं। आखिरकार वे सब चले गए, और घर में फिर से अंधेरा और सन्नाटा छा गया।
लगभग छह घंटे बीत चुके थे जब डेबी ने मुझे फोन करके कहा कि मैं आकर उसे और डेनियल को ले जाऊं। जब मैं वाशिंगटन डी.सी. में चिल्ड्रन हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर पहुंचा, तो डेबी थकी हुई और डरी हुई लग रही थी, मानो भूत जैसी दिख रही हो। मैंने फैसला किया कि जब तक वह थोड़ा आराम न कर ले और गर्म खाना न खा ले, तब तक मैं उसे अपनी बात नहीं बताऊंगा।
पता चला कि डेबी की भी अपनी एक कहानी थी। जिस एम्बुलेंस में वह और डेनियल सवार थीं, वह कोलंबिया जिले की सीमा पार करते ही रहस्यमय तरीके से खराब हो गई थी, और वे लगभग डेढ़ घंटे तक सड़क के किनारे इंतज़ार करती रहीं, तब जाकर दूसरी एम्बुलेंस आई। डेबी के हाथ कांप रहे थे जब उसने मुझे घटना का ब्यौरा बताया। "मुझे पूरा यकीन था कि इंतज़ार करते-करते उसकी मौत हो जाएगी। मुझे इस बात का पूरा भरोसा था।"
मैंने उसे बिस्तर पर लिटाया, उसके बाल संवारे और उसे कंबल ओढ़ा दिया। डैनियल उसके बगल में सोई; दोनों एक-दूसरे को नज़रों से ओझल नहीं होने दे रही थीं। डेबी का हाथ डैनियल के ऊपर था, और वह सोते समय उस पर नज़र रख रही थी।

माइकल हमारी पूरी तरह ठीक हो चुकी बिल्ली रेंजर को कमरे में ले आया। उसने उसे प्यार से डेनियल के बगल में बिस्तर पर लिटा दिया। शुरुआती घबराहट के बाद, रेंजर हम सब से कहीं बेहतर हालत में लग रहा था। मुझे लगता है उसने अपनी कम से कम एक जान गंवा दी; लेकिन उसकी चेतावनी, चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, हम सबकी जान बचा ली।

बाद में उसी दोपहर, जब मेरी पत्नी अपने बुरे सपनों में उस घटना को फिर से जी रही थी, तो मैंने डेविड गोल्ड को फोन किया।
मैंने पूछा, “मैं क्या कर सकता हूँ?”
डेविड ने कहा, “सच कहूँ तो, कुछ खास पता नहीं चल रहा। अगर सरकार का हाथ है, तो पुलिस किसके पीछे जाएगी? मुझे तो यह भी नहीं पता कि शुरुआत कहाँ से करूँ। मान लीजिए प्रिंस जॉर्ज काउंटी पुलिस विभाग एफबीआई को फोन करता है, तो वे क्या कहेंगे? ‘हमारे अधिकार क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एक गुप्त कार्यक्रम के बारे में दुनिया को बताने का फैसला किया है, और उसे लगता है कि सरकार ने उसे ऐसा करने से रोकने के लिए उसके परिवार को मारने की कोशिश की है। क्या आप जाँच शुरू करेंगे?’ मुझे नहीं लगता कि हम उनसे किसी तरह की मदद की उम्मीद कर सकते हैं।”
"तो मेरे पास असल में कोई विकल्प ही नहीं है?"
"ठीक है, आप चाहें तो राज़ न बताने का फैसला कर सकते हैं, और शायद वे चले जाएंगे और आपको अकेला छोड़ देंगे। काश, मैं कुछ और कर पाता या कह पाता।" “मुझे पता है। और इतने सालों तक मेरी अनुपस्थिति में परिवार का ख्याल रखने के लिए धन्यवाद। अगर आप इन दिनों भी परिवार पर विशेष ध्यान रखें तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा।”
"आप उस पर भरोसा कर सकते हैं!"

कुछ दिनों बाद मुझे फोर्ट ब्रैग वापस जाना पड़ा। जाने से पहले, मैंने यह सुनिश्चित किया कि डेव रोज़ाना डेबी और बच्चों का हालचाल पूछता रहे और सभी को पता हो कि मुझसे किसी भी समय कैसे संपर्क किया जा सकता है। मैं वह रात कभी नहीं भूलूंगा, न ही उस दर्द को जो मुझे अपने परिवार को छोड़कर सेना के और अपमान का सामना करने के लिए मजबूर होने पर हुआ था। मैंने राजधानी के बेल्टवे से मुड़कर रिचमंड की ओर दक्षिण की यात्रा शुरू की। रात के ग्यारह

बजकर साढ़े ग्यारह बजे थे और यातायात हल्का था। सबसे भीड़भाड़ वाले इलाके से तेज़ी से निकलने पर मुझे खुशी हुई। लेकिन मौसम विभाग ने तटीय जलमार्गों पर घने कोहरे की भविष्यवाणी की थी। और निश्चित रूप से, मैं कोहरे में फंस गया।
मुझे याद आने वाली आखिरी सांसारिक वस्तु फेयरफैक्स, वर्जीनिया का बोर्ड था, लेकिन कोहरा छंटने का इंतजार करते हुए मैंने शायद थोड़ी देर के लिए हाईवे से गाड़ी रोक दी थी। इंतजार करते-करते मैं बेहोश हो गया।
मैं अंधेरे में अकेला खड़ा था, एक ऐसी जगह पर जहाँ ज़मीन भी दिखाई नहीं दे रही थी। मुझे कदम बढ़ाने से डर लग रहा था, डर लग रहा था कि कहीं मैं किसी खाई में न गिर जाऊँ। दूर कहीं मुझे एक हल्की सी रोशनी दिखाई दी, इतनी धुंधली कि उसे देखने के लिए मुझे तिरछी नज़र से देखना पड़ा। जब मैंने सीधे उसकी ओर देखा, तो वह अंधेरे में गायब होती हुई सी लगी। मैं सावधानी से उसकी ओर बढ़ा। हवा चलने लगी—पहले धीरे-धीरे, फिर तेज़ होती गई, यहाँ तक कि मुझे क्षितिज पर उस धुंधली रोशनी की ओर बढ़ने के लिए हवा का सहारा लेना पड़ा। जैसे-जैसे मैं प्रकाश के करीब आता गया, अंधेरा छंटता गया और अब मुझे क्षितिज स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा। अंधेरे को पीछे छोड़ते हुए, मैं एक विशाल खुले मैदान में प्रवेश कर गया, जो बिल्कुल समतल और खाली था। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वहाँ अंधेरा घूमता हुआ दिखाई दिया। मेरे सामने एक धुंधली रोशनी वाला परिदृश्य था। मैं प्रकाश और अंधेरे की सीमा पर खड़ा था, दोनों को समान स्पष्टता से देख पा रहा था। मैं एक तरह के चौराहे पर था। प्रकाश मुझे आकर्षित कर रहा था। पीछे का अंधेरा डरावना था।
मैं उजाले की दुनिया की ओर मुड़ा और उसमें और गहराई तक चला गया। तभी मेरे सामने एक द्वार खुल गया और मैंने एक भयानक और भयावह बंजर भूमि में झाँका। भयभीत होकर मैं घूम गया और अँधेरे की ओर भागा। मैं उसमें गहराई तक भागा, बार-बार द्वार की ओर मुड़कर देखता रहा कि वह अभी भी खुला है या नहीं। अंत में मैं रुका और गहरी साँस ली। अँधेरे में एक और द्वार खुला, जिससे एक सुंदर बगीचा दिखाई दिया जो हर तरह के फूलों और झाड़ियों से भरा था। उनकी सुगंध द्वार से निकलकर उस अँधेरे में फैल गई जहाँ मैं खड़ा था। मैंने बगीचे की मीठी सुगंध को गहरी साँस लेकर महसूस किया और उसकी गर्माहट अपनी त्वचा पर महसूस की। लेकिन जैसे ही मैं द्वार में कदम रखने के लिए बढ़ा, वह तेज़ी से बंद हो गया और मुझे एक बार फिर अँधेरे में छोड़ दिया।

“डेविड,” मेरे आस-पास कहीं से एक जानी-पहचानी आवाज़ आई। मैं मुड़ा, पर मुझे कहीं भी फ़रिश्ता नहीं दिखा। “डेविड, इस मुलाक़ात से तुमने क्या सीखा?”

“तुम कहाँ हो? इस बार मैं तुम्हें क्यों नहीं देख पा रहा हूँ?”
“मेरे सवाल का जवाब दो, और तुम्हें अपने सवाल का जवाब मिल जाएगा। तुमने यहाँ क्या सीखा?”
मैंने सीखा कि दुनिया में अंधकार, प्रकाश और तटस्थता मौजूद है।
"तटस्थता जैसी कोई चीज नहीं है। सब कुछ एक विकल्प है; आप बिना विकल्प के दुनिया में नहीं रह सकते।"
"तब मुझे पता चला कि अंधेरा और प्रकाश होते हैं, और प्रत्येक दुनिया के किसी न किसी पहलू का प्रतिनिधित्व करता है... मुझे लगता है, मेरी दुनिया का।"
“यहाँ आने से पहले भी आपको यह पता था। और गहराई से खोजिए—आपने क्या सीखा?” मैंने सीखा कि अंधेरा हमेशा बुराई नहीं होता और प्रकाश हमेशा अच्छाई का प्रतीक नहीं होता। मैंने सीखा कि धारणाएं सच्चाई को छिपा सकती हैं। “बहुत अच्छा। तो फिर आपको अपनी दुनिया की सच्चाई का पता कैसे चलता है?” "मुझें नहीं पता।"
“हाँ, तुम्हें पता है! तुम्हें अपनी दुनिया की सच्चाई का कैसे पता चलता है?”
“पवित्र ग्रंथों में, कानून में, धर्मग्रंथों में… भौतिक नियमों में… मुझे नहीं पता।”
जब आपको किसी बात की सच्चाई पता चलती है, तो वह आपको कहाँ प्रभावित करती है? आप उसे कहाँ महसूस करते हैं?
“यहाँ!” मैंने अपनी छाती को छुआ। “मेरे अंदर।”
आप इसे महसूस करते हैं और अपने दिल में जानते हैं।
“हां, मुझे वहीं इसका एहसास होता है! अब यह सबक मेरे लिए क्यों महत्वपूर्ण है? मुझे प्यार महसूस करने में कोई दिक्कत नहीं है।”
“तुम प्रेम नहीं, सत्य की खोज कर रहे हो; सत्य अब तुमसे दूर है। तुम्हारा सारा विश्वास, तुम्हारी सारी इच्छाएँ, तुम्हारा वो सब कुछ जो तुम कभी थे, अब धोखे के कोहरे में खो गया है। तुम्हें इससे लड़ना होगा, जैसा कि मैंने पहले ही बता दिया था। तुम सत्य को कैसे जानोगे? तुम अपने परिवार को सत्य की

ओर कैसे ले जाओगे? तुम सत्य को कैसे सामने लाओगे? तुम्हें कैसे पता चलेगा कि यह सत्य है? तुम धोखेबाजों के बीच इसे कैसे परखोगे और पहचानोगे?” "मुझें नहीं पता।"
“तुम्हें अपने दिल की सुननी चाहिए; यह तुम्हें धोखा नहीं देगी; यह तुम्हें धोखा खाने नहीं देगी। लेकिन तुम्हें सुनना सीखना होगा। तुम्हें जल्द ही वहाँ अँधेरा दिखाई देगा जहाँ तुमने कभी केवल प्रकाश समझा था, और प्रकाश जहाँ तुमने कभी केवल अँधेरा देखा था।”
क्या प्रकाश ईश्वर है?
"कुछ लोगों के लिए यह जीवन का प्रतीक है; दूसरों के लिए यह जीवन, पवित्रता, शक्ति और आध्यात्मिकता का प्रतीक है, अन्य बातों के अलावा।"
और प्रकाश के भीतर का अंधकार, वह क्या है? यदि प्रकाश उन अच्छी चीजों का प्रतिनिधित्व करता है तो वह वहां कैसे मौजूद हो सकता है?
“आपके भीतर अनेक स्तरों पर प्रकाश और अंधकार विद्यमान हैं, और उन्हें अलग करने वाला पर्दा अक्सर पतला होता है। सत्य उस पर्दे के पार है, लेकिन आपके पास उसे खोजने का समय नहीं है, क्योंकि आप प्रत्येक स्तर पर एक के बाद एक जीवन जीते हैं, जब तक कि सत्य आपके सामने न आ जाए। आपके हृदय की आत्मा और वाणी अनेक स्तरों से होकर सत्य तक पहुँचती है। जो लोग सुनने से इनकार करते हैं, वे प्रत्येक स्तर, प्रत्येक पर्दे का अनुभव करते हैं, उसकी तमाम चालों और झूठे प्रकाश के साथ; जबकि जो सुनते हैं, उन्हें प्रकाश और अंधकार दोनों में उत्तर मिलते हैं। वे शुद्ध बुराई की उपस्थिति में भी रह सकते हैं क्योंकि उनके हृदय ने सत्य को स्पर्श किया है, और सत्य को जानने वालों पर बुराई का कोई अधिकार नहीं है। इसकी शक्ति केवल भ्रमित, आत्मसंतुष्ट, प्रकाश में रहने वाले लेकिन सत्य को न जानने वालों पर ही हावी होती है।” “मैं समझ गया… मुझे लगता है। लेकिन आपने मुझे यह सीखने के लिए यहाँ क्यों बुलाया? मुझे इसकी क्या ज़रूरत है?”
“पूरी मानवता को इसकी आवश्यकता है; यह वरदान का एक हिस्सा है। आपके आस-पास ऐसे लोग हैं जिनके पास यह ज्ञान है; उनमें से एक ने बहुत पहले आपसे संपर्क किया था। वह आपका मित्र है, और आपको अपने जीवन में उसकी आवश्यकता होगी।” "कौन है ये?"
“तुम उसे भली-भांति जानते हो। एक दिन तुम उससे प्रार्थना करोगे कि वह तुम्हें इस संसार में अपनी बुद्धि से शक्ति प्रदान करे। तुम दुर्बल और

टूटे हुए होगे। तुम अपने पिछले जन्म के समाप्त होने तक यहाँ सीखी हुई बातों पर ध्यान नहीं दोगे; तभी तुम स्वयं को विनम्र करोगे और जो आवश्यक है, वह माँगोगे। मैंने तुम्हें बहुत पहले ही इस अंत के बारे में चेतावनी दी थी।”
"तुमने मुझे कभी नहीं बताया कि मुझे यह यातना, यह असफलता क्यों सहनी पड़ रही है।"
इसे एक शुद्धि समझो। तुम अभी तक वह नहीं बने हो जो तुम्हें बनना चाहिए; तुम तो बस राह पर चल रहे हो। तुम्हें अभी बहुत कुछ अनुभव करना बाकी है।

लेकिन अगर मैं यह नहीं करना चाहती तो क्या होगा? मैं पहले जैसी बनना चाहती हूँ; मैं इससे थक चुकी हूँ, मैं फिर से वही बनना चाहती हूँ, जैसी गोली लगने से पहले थी।
"गोली चलने से बहुत पहले ही सब कुछ तय हो चुका था।"
पल भर में वो आवाज़ और वो दुनिया जिसमें मैं खड़ा था, गायब हो गई; मेरी नज़र सामने एक छोटी सी इमारत पर टिक गई। एक आदमी मेरी तरफ बढ़ा, मेरी कार तक पहुँचने से पहले ही बाईं ओर मुड़ गया; वो रास्ते पर आगे बढ़ा, एक कार में बैठा और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया। मैंने ठंडी रात की हवा में अपना दरवाज़ा खोला और इमारत की तरफ चल पड़ा। अंदर एक लंबा-चौड़ा आदमी दीवार से चिपका हुआ था। "आप यहाँ हैं" का तीर वेस्ट वर्जीनिया सीमा के ठीक दक्षिण में एक छोटे से विश्राम स्थल की ओर इशारा कर रहा था। मैं I-77 पर वर्जीनिया से उत्तर की ओर वेस्ट वर्जीनिया की तरफ जा रहा था। मुझे कोई अंदाज़ा नहीं था कि मैं यहाँ कैसे पहुँचा या क्यों रुका था। मैं कार में वापस आया, थर्मस से अपने लिए एक कप गर्म कॉफ़ी डाली और जो कुछ हुआ था, उसे भूलने से पहले जल्दी से कुछ नोट्स लिख लिए। फिर मैंने नोटबुक बंद कर दी और समय देखा। मैं साढ़े तीन घंटे से विश्राम स्थल पर रुका हुआ था। जैसे-जैसे सुबह धीरे- धीरे क्षितिज पर फैलती गई, मैंने कार के फोन से कार्यालय को फोन करके बताया कि मुझे देर हो जाएगी।

मार्च 1994 में सरकार ने अनुच्छेद 32 बी के तहत सुनवाई बुलाई। इसमें अभियोजन पक्ष के वकील और गवाह तथा बचाव पक्ष के वकील और गवाह उपस्थित होते हैं। विभाग द्वारा नियुक्त एक अधिकारी दोनों पक्षों की बात सुनता है और

कोर्ट-मार्शल गठित करने वाले प्राधिकरण को यह सिफारिश करता है कि मामले की सुनवाई होनी चाहिए या नहीं। मैं सुनवाई शुरू होने से लगभग एक घंटा पहले अपने वकील के कार्यालय पहुंचा।
"मैंने आज आपकी ओर से कुछ भी पेश न करने का फैसला किया है," उसने कुछ कागजात पलटते हुए और उन्हें अपने ब्रीफकेस में ठूंसते हुए कहा।
“क्यों नहीं? क्या सुनवाई अधिकारी के सामने ही उनके मामले को खारिज करना मेरे लिए फायदेमंद नहीं होगा, बजाय इसके कि मुकदमे के दौरान ऐसा किया जाए? आपके पास उनके द्वारा कही गई बातों के कम से कम तीन-चौथाई हिस्से को खारिज करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।”

“मैं अभी अपनी रणनीति ज़ाहिर नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि अदालत में उन पर पूरी तरह से हमला करना ज़्यादा समझदारी भरा कदम होगा, जब उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं होगा कि हमारा मामला क्या होगा। मुझे लगता है कि इस तरह से करने पर ज़्यादा असर पड़ेगा। ठीक है?”
"तो हम क्या करें, बस वहीं बैठे रहें और जांच अधिकारी के सामने मेरी त्वचा को छीलने दें?"
“मुझे उनके गवाहों से जिरह करने का मौका मिलेगा। वे उस महिला को बुला रहे हैं जो दावा करती है कि आपका उसके साथ यौन संबंध था। और विभाग के सिस्टम ऑटोमेशन अधिकारी को भी बुला रहे हैं, ताकि वह गवाही दे सके कि विचाराधीन कंप्यूटर वास्तव में एक सैन्य कंप्यूटर था। वैसे, उन्होंने हार्ड ड्राइव से सारी जानकारी निकाल ली है, यहाँ तक कि डिलीट की गई जानकारी भी।”
"और?"
“और यह बिलकुल वैसा ही है जैसा आपने कहा था। सब कुछ सैन्य मामलों से संबंधित था, इसमें व्यक्तिगत या नागरिक मामला कुछ भी नहीं था।” वह मुस्कुराया। “चलिए अदालत चलते हैं!”
उन्होंने जिरह में शानदार प्रदर्शन किया और मेरी राय में, उन्होंने अभियोजन पक्ष के मामले पर काफी संदेह पैदा कर दिया। बैठक के बाद, मैंने मेल को फोन किया। "वे मेरा कोर्ट-मार्शल करने वाले हैं।"
“डेव, हम कभी भी छोड़ सकते हैं। हमें यह करने की कोई ज़रूरत नहीं है।” “नहीं। हम इसे हर हाल में करेंगे! यह नियति है, मेल, याद है ना?”
“सावधान रहो, डेव। देर-सवेर सब ठीक हो जाएगा।”

मुझे लगता है कि जल्दी की बजाय बाद में होगा।
तीन घंटे बाद मैं डेबी से मिलने वाशिंगटन के लिए रवाना हो गया। लेकिन तनाव का मुझ पर बुरा असर पड़ा था; मैं बेहोश हो गया। जब मेरी नींद खुली तो डेबी की मीठी आवाज़ सुनाई दी। उसने मेरा हाथ थाम रखा था, उसका चेहरा तनाव से भरा हुआ था और आँखें नम थीं।
मैं कहाँ हूँ?
“आप घर पर हैं। आप सामने के आंगन में हैं, लेकिन आप घर पर ही हैं।”
उसने मुझे उठने में मदद करने की कोशिश की, लेकिन मैं लड़खड़ाकर घुटनों के बल गिर गया। आखिरकार, हम दोनों साथ-साथ घर में दाखिल हुए।
मैंने पूछा, "कितने बजे हैं?"
"साढ़े पाँच बज रहे हैं।"

"मैंने अच्छा समय निकाला होगा; मुझे लगता है मैं एक बजे निकला था।" “डेविड, पिछले तीन दिनों से सब लोग तुम्हें ढूंढ रहे हैं। आज मंगलवार की सुबह है; तुम शुक्रवार दोपहर को फोर्ट ब्रैग से निकले थे। तुम कहाँ थे?” मैंने अपने दर्द से कराहते सिर को सहलाया। "मुझे नहीं पता। मुझे याद है कि मैं वहां से निकला था, बस इतना ही।"
“डेविड,” उसने धीरे से कहा, “यह बहुत लंबा खिंच गया है। तुम बीमार हो, डेविड। तुम्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। कृपया मुझे तुम्हारे लिए व्यवस्था करने दो। अब तुम अकेले यह सब नहीं सह सकते। तुम अस्पताल की देखरेख में नहीं हो, तुम्हारे पास लेवी या मेल भी नहीं हैं। तुम मर रहे हो, डेविड।”
मैंने कमरे के उस पार देखा और दर्पण में अपनी छवि देखी। एक बूढ़ा आदमी मेरी ओर देख रहा था। "ठीक है।"

मुझे जो अगली बात याद है, वह उस वार्ड बॉय का मुस्कुराता हुआ चेहरा है जो मेरी बांह से रक्तचाप मापने वाली कफ निकाल रहा था।
“मेजर मोरहाउस? क्या आपको पता है कि आप कहाँ हैं?”
मैंने पूछा, "क्या मैं अस्पताल में हूँ?"
"जी हां, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कौन सा अस्पताल?"

“नहीं, मैं नहीं जानती।” मुझे अपने कंधे पर किसी का हाथ महसूस हुआ, और जब मैं उसकी तरफ मुड़ी तो डेबी का चेहरा सामने आ गया।
“डेविड, तुम वाल्टर रीड में हो। अब तुम सुरक्षित हो, और ये लोग तुम्हारी मदद करेंगे। ये दूसरों जैसे नहीं हैं; इन्हें तुम्हारी परवाह है।”
“जी हां, मेजर। आप थोड़े थके हुए लग रहे हैं, और आपकी पत्नी का कहना है कि आपने काफी समय से कुछ खाया या नहाया नहीं है। डॉक्टर से मिलने से पहले एक बार नहा लें और कुछ खा लें?”
मेंने सिर हिलाया।
“बहुत बढ़िया! यही तो जज़्बा है।”
मैंने वो सब किया जो वे मुझसे करवाना चाहते थे, और जब मैं वायु सेना के एक युवा मेडिकल छात्र से बात कर रहा था, तब डेबी मेरे साथ बैठी रही। उसने मेरी बात सुनी, फिर डेबी की और फिर मेरी। वो हमारी बातचीत से भी तेज़ गति से नोट्स बना रहा था। डेबी ने रेंजर बटालियन से लेकर वर्तमान तक का मेरा पूरा इतिहास उसके लिए लिख डाला।

“यह एक बहुत ही दिलचस्प मामला है,” डॉक्टर के आने पर मेडिकल छात्र ने कहा। “मैं उन्हें खुद ही इसके बारे में बताने दूंगा—लेकिन यकीन मानिए, यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव होगा।”
उपस्थित चिकित्सक, जिन्हें मैं डॉ. डामिओली कहूँगी, एक छोटी कद-काठी की, गंभीर महिला थीं, जिन्हें सरकारी क्षेत्र में मनोचिकित्सा का विविध अनुभव था। डेबी ने गोली लगने की घटना और शुरुआती दृश्यों और बुरे सपनों से शुरुआत की, फिर सन स्ट्रीक और डॉ. बार्कर और लेवी के साथ हुई बातचीत का वर्णन किया। उन्होंने दो घंटे तक हर उस घटना का ब्योरा दिया जो उन्हें याद थी, और अपने रिकॉर्ड में मौजूद हर व्यक्ति के फ़ोन नंबर निकाल लिए थे। कुछ दोस्त थे, कुछ नहीं। लेकिन उन सभी को उनके पति के साथ हुई घटना की पुष्टि करनी ही थी।
जब मैं और डेबी लाउंज में बैठे थे, तब डॉ. डामिओली ने रिमोट-व्यूइंग यूनिट से जुड़े मनोवैज्ञानिक को फोन किया और फिर हमें अपने कार्यालय में वापस बुलाया। मेडिकल छात्रा भी वहां मौजूद थी।
मैंने रिमोट-व्यूइंग मनोवैज्ञानिक से फोन पर बात की। क्या आपको पता है कि अब उनकी तैनाती फोर्ट ब्रैग में हो गई है?

मैंने गुस्से से डेबी की तरफ देखा। उसने उन सबको—अभियोजकों को, मेरे वरिष्ठों को, और इसमें शामिल हर किसी को—सब कुछ बता दिया होगा: मुझे गुस्सा दिलाने वाली बातें, मुझ तक पहुँचने के तरीके, और मुझे चुप कराने के तरीके।
“खैर,” डॉ. डामिओली ने आगे कहा, “उन्होंने सन स्ट्रीक के अस्तित्व की पुष्टि की। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि उन्होंने 1985 या 86 में आपके जैसे ही लक्षणों वाले एक अन्य अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया था। लेकिन फिर उन्होंने सुझाव दिया कि आपकी समस्या लंबित कोर्ट-मार्शल से जुड़ी हो सकती है। उन्हें लगता है कि आप शायद बीमारी का बहाना बना रहे हैं।”
“ये तो सरासर बेतुका है!” डेबी चिल्लाई। “इसी ने तो डेविड को इस सब में फंसाया था। अब ये उसे धोखा दे रहा है।” उसने मेरी तरफ गुस्से से देखा, उसकी आँखें आग बबूला थीं। “तुमने ऐसे लोगों को अपना दोस्त कहा था? तुम इस आदमी को अपना दोस्त कहती थी, और इसने बड़े आराम से तुम्हारी पीठ में छुरा घोंपा!”
डॉक्टर ने झुककर डेबी का हाथ पकड़ा। “श्रीमती मोरहाउस, कृपया! शांत हो जाइए।” उनकी आवाज़ से डेबी को सुकून मिला। “मुझे परवाह नहीं कि वह क्या कहते हैं। वह सिर्फ़ एक मनोवैज्ञानिक हैं, डॉक्टर नहीं। मुझे साफ़ दिख रहा था कि वह किसी बात को लेकर चिंतित हैं, और बीमारी का बहाना करने वाली उनकी टिप्पणी ने मेरे इस विचार को और पुख्ता कर दिया। अगर आपकी बात सच है—और मुझे पूरा विश्वास है—तो हमारे सामने एक अनोखी स्थिति है।” वह रुककर मेरी तरफ देखने लगीं। “डेविड, तुम क्यों रो रहे हो?”
मैंने अपना चेहरा हाथों से ढक लिया, मैं बेहद हैरान थी। "मुझे नहीं पता। मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं गर्भवती हूँ।" मेरा चेहरा आँसुओं से भीगा हुआ था।
“आपने जाहिर तौर पर बहुत कुछ झेला है। मैं फिलहाल आपको अनिश्चित काल के लिए यहीं रखना चाहता हूँ, ताकि इस मुद्दे पर और गहराई से विचार कर सकूँ। श्रीमती मोरहाउस, क्या आप यह बात समझती हैं?”
“जी हां। मैं लगभग सात सालों से डेविड को यहां लाने की कोशिश कर रहा हूं।” दिन हफ़्तों में और हफ़्ते महीनों में बदल गए। डॉ. डामिओली न केवल यह समझ गईं कि क्या हुआ था, बल्कि वह यह भी जान गईं कि अब मेरे भीतर क्या हो रहा

है। अपने सहयोगियों की सलाह के बावजूद, उन्होंने मुझे दवा देने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि जो मैं देख रही थी, वह जैविक समस्याओं से अलग भी हो सकता है। वह एक नायिका थीं। फोर्ट ब्रैग में क्या हो रहा था, उस पर मैंने ज़रा भी ध्यान नहीं दिया—अब मेरे लिए इसका कोई महत्व नहीं था; मेरे लिए महत्वपूर्ण था देवदूत का अर्थ और उस वरदान का महत्व समझना। सात वर्षों में पहली बार मैं खुलकर और बेझिझक उन चीज़ों के बारे में बात कर सकती थी जो मैंने देखीं, महसूस कीं और सुनीं। मुझे परिवार के सदस्यों को डराने, अपने साथियों को मुझसे दूर करने या अपने वरिष्ठों का सम्मान खोने की चिंता नहीं करनी थी। सन स्ट्रीक में भी, मैं मेल के अलावा किसी से भी सब कुछ साझा नहीं कर पाई थी। यहाँ मुझे मदद मिली, और कुछ अधूरे जवाब भी। मुझे रेखाचित्र बनाने और ईथर में जो कुछ मैंने देखा, उस पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मैं इस बात पर बहुत विवाद का विषय बन गई कि क्या डॉ. डामिओली द्वारा निर्धारित परामर्श और पढ़ने के कार्यों की तुलना में दवाएँ या यहाँ तक कि शॉक थेरेपी अधिक उपयुक्त थीं।
मुझे वाल्टर रीड के मनोचिकित्सा विभाग के निदेशकों के सामने पेश किया गया। अंततः यह निर्णय लिया गया कि मुझे चिकित्सकीय आधार पर सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा, क्योंकि मैं अब वह काम करने के योग्य नहीं था जिसके लिए मुझे प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं भावनात्मक रूप से इतना अस्थिर था कि वर्दी पहनना जारी नहीं रख सकता था।
सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई। मैंने कागज़ात भरे और कई और परीक्षाएं दीं, लेकिन साथ ही डेबी और बच्चों के साथ समय बिताने का भी आनंद लिया, जो हर दिन मिलने आते थे। जून की शुरुआत में एक दिन हम हॉल में बैठे थे, तभी एक जाना-पहचाना चेहरा दिखाई दिया। वह सन स्ट्रीक का एक मेजर था। "हैलो, डेविड, डेबी। मैं सोच रहा था कि क्या हम थोड़ी देर अकेले में बात कर सकते हैं?"
मैंने बच्चों और डेबी की तरफ देखा। “मुझे नहीं लगता कि यह अच्छा विचार है। मैं बच्चों को सोडा लाने भेज दूंगी, लेकिन डेबी यहीं मेरे साथ रहेगी।” मैं आपसे इस बारे में बात करना चाहता था कि आप यहां क्यों हैं।
"क्या आप अभी भी सन स्ट्रीक के साथ हैं?"
"नहीं, मैं डीआईए मुख्यालय के उस विभाग में हूं जिसकी इस पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी सीमित है।"

"दूसरे शब्दों में कहें तो, आपको कुछ कार्यों की देखरेख के लिए मुख्य कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्या यही बात है?"
"हां, और मुझे यह पता लगाने के लिए कहा गया है कि आप अस्पताल में उन्हें वास्तव में क्या बता रहे हैं।"
“मैं समझ गया।” मैं परेशान हो रहा था, लेकिन दिखाना नहीं चाहता था। “मैं यहाँ इसलिए हूँ क्योंकि बहुत समय पहले मेरे साथ कुछ ऐसा हुआ था जिसका मुझे ध्यान रखना चाहिए था। लेकिन मैंने एक अच्छे सैनिक की तरह व्यवहार किया और जो करने को कहा गया वो किया। मैंने अपने करियर को बचाने की कोशिश की और एक बेहतरीन रिमोट व्यूअर बनने का प्रयास किया; और अब मैं यहाँ हूँ।” मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा, “और हाँ, मैं उन्हें यूनिट के बारे में हर वो बात बता रहा हूँ जो मुझे पता है।”
उसने गला साफ किया और पैर मोड़कर घुटनों के सामने हाथ जोड़ लिए। उसके मोटे चश्मे ने उसके चेहरे को छोटा और आँखों को बड़ा दिखाया। “मैं, उह, समझ गया। तो, मैं चाहता हूँ कि आप जान लें कि यूनिट की रक्षा के लिए जो भी ज़रूरी होगा, मैं वह करूँगा। हम आपको इसे नष्ट नहीं करने दे सकते।”
डेबी अपनी कुर्सी से उछलकर खड़ी हो गई और प्रैट और मेरे बीच में आकर बोली, “तुम किस तरह के इंसान हो? डेविड तुम्हारे प्यारे अंग को कुछ नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं कर रहा है; वह इस वजह से यहां नहीं है। वह यहां इसलिए है क्योंकि अंग ने उसकी पहले से मौजूद समस्या को और भी बदतर बना दिया है।”
"सच कहूँ तो, डेबी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है।"
“क्या सच में? क्या पिछली बार जब मैंने तुम्हें देखा था तब से तुम और तुम्हारे बाकी साथी डॉक्टर बन गए हो? तुम इस तरह के निष्कर्ष पर कैसे पहुँच गए—क्योंकि तुम्हें कोई समस्या नहीं थी? तुम्हें और उन कुछ मानसिक शक्तियों वाले लोगों को, जिनकी रक्षा के लिए तुम यहाँ आए हो, कोई समस्या नहीं थी, तो किसी और को भी नहीं हो सकती, क्या यही बात है?”
“मैं समझ सकता हूँ कि आप परेशान हैं।” वह खड़ा हो गया। “मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूँगा; लेकिन मेरा मूल कथन वही रहेगा; हम आपको किसी भी दावे के आधार पर यूनिट को नष्ट नहीं करने देंगे, चाहे वह दावा कुछ भी हो।” उसने डेबी को सिर हिलाकर अभिवादन किया। “शुभ दिन।”

"तुम डीआईए में अपने दोस्तों को बता देना कि मैं अपने परिवार के साथ किसी भी तरह की और गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करूंगा," मैंने उसके जाते समय कहा। वह एकदम रुक गया और पीछे मुड़कर देखने लगा। "तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“बिल्कुल वही जो मैंने कहा। पहले तुम्हारे लड़कों ने मेरे घर में घुसकर मेरे दफ्तर को तहस-नहस कर दिया; फिर उन्होंने मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने की कोशिश की। मैं ऐसा दोबारा नहीं होने दूंगा, शायद मुझे अपने पुराने रेंजर प्रशिक्षण का इस्तेमाल करना पड़े। तुम समझ रहे हो ना... मेरे दोस्त?”
मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं; ऐसा लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो आप और मेल मिलकर तैयार कर सकते हैं।
“तुम यहाँ से दफ़ा हो जाओ और कभी वापस मत आना। मैंने तुम्हें दोस्त समझा था, पर तुम तो बस एक स्वार्थी और स्वार्थी इंसान हो। मैंने सोचा था कि मैं किसी पेशे का हिस्सा हूँ, पर लगता है मैं एक ऐसे गुप्त गिरोह में शामिल हो गया हूँ, जिसमें खास तरह के हाथ मिलाने वाले गुप्त क्लब हैं। ज़रा सी भी हद पार की तो तुम्हारे साथी तुम्हारे सिर पर बोरी डालकर तुम्हें पीट-पीटकर मार डालेंगे। खैर, तुम जो चाहो कर लो, पर याद रखना: बोरी हट चुकी है और मुझे साफ़ दिख रहा है कि लाठी कौन चला रहा है।”
उन्होंने चश्मे के ऊपर से डेबी और मुझे देखा और मुस्कुराए। “अरे, तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि असलियत क्या है, मेरे दोस्त। तुम्हें बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं है। और यह बात याद रखना: इस दुनिया में, भले ही तुम देख लो कि कौन झूल रहा है, पर तुम उसे कभी नहीं देख पाओगे जो तुम्हें फंसाएगा।” उन्होंने आँख मारी, मुड़े और चले गए।

उस घटना के कुछ दिनों बाद, मुझे फिर से वही स्थिति महसूस हुई और मैं एक बार फिर उस रहस्यमयी अवस्था में पहुँच गया। मेरे ऊपर की छत नीले और सफेद रंग के भंवर में घुल गई, जब तक कि एक बड़ा, अजीब आकार का छेद दिखाई नहीं दिया। उसमें मैंने उस भयानक जगह का अंधेरा देखा जिससे मैं बहुत डरता था। मैं बुरी तरह कांप उठा और मदद के लिए चिल्लाया। मेरे ऊपर अंधेरा और गहरा गया, और उस आयाम के प्रेत उस छेद से निकलकर छत से होते हुए दीवारों तक रेंगने लगे; कई मेरे बिस्तर पर आ गिरे जहाँ मैं लेटा था। मैंने उन्हें खुद से दूर

करने के लिए लात मारी और चीखा, अपनी पूरी ताकत से चिल्लाया; मैंने उन पर वार किया, लेकिन मेरे हाथ उनके धुंधले शरीरों के आर-पार चले गए। वे मुझे खरोंचते रहे, मेरा नाम लेकर चिल्लाते रहे और कहते रहे कि इस रूप में मेरा कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने मुझ पर बार-बार वार किए जब तक कि दर्द से मेरी आँखें बंद नहीं हो गईं; अंत में कमरा फिर से शांत हो गया। मैं वहाँ कांपता हुआ लेटा रहा, अगले वार का इंतज़ार करता रहा।
हे भगवान! मुझे यहाँ मदद चाहिए! कोई तो है! मुझे मदद चाहिए!
मैंने आंखें खोलीं तो देखा कि मेडिकल का छात्र अपने कंधे के ऊपर से चिल्ला रहा था, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसकी आंखें चौड़ी हो गई थीं।
“हे भगवान, डेव—क्या हुआ? क्या हुआ?”
“मुझे नहीं पता,” मैंने कहा, बुरे सपने के कारण अभी भी नींद से भरी हुई थी। “क्या हुआ है?”
“तुम्हारा चेहरा खून से लथपथ है। क्या हुआ? क्या हुआ?”
कुछ ही पलों में कमरा सेवकों से भर गया। मेरा शरीर खून से लथपथ था; पैर, चेहरा, चादरें, सब कुछ खून से सना हुआ था। मेरी नोटबुक के पन्ने फाड़ दिए गए थे और उन पर मेरे खून से रेखाचित्र बनाए गए थे। मैंने अपना सिर छुआ तो पाया कि मेरे बालों में खून जमा हुआ था। मैं लगभग बेहोश हो गई। मैंने अपने हाथ चादरों पर गिरा दिए और मैं बेकाबू होकर रोने लगी, तभी वे मुझे कमरे से बाहर ले गए।
दो दिन बाद मैं और डेबी डॉ. डामिओली के कार्यालय में बैठे थे। मेरे पैरों और सिर पर पट्टियाँ बंधी थीं, और अब मेरी लगातार निगरानी की जा रही थी। मैं किसी भी परिचारक की उपस्थिति के बिना कहीं नहीं जा सकता था और न ही कुछ कर सकता था।
“डेविड, मुझे अब तुम्हें दवाइयाँ देनी होंगी। मेरे पास कोई विकल्प नहीं है, और अब तुम्हारे पास भी कोई विकल्प नहीं है।”
मैं वहाँ हाथों को गोद में रखकर और सिर झुकाए बैठी थी, पूरी तरह से असमंजस में। “मुझे नहीं पता क्या हुआ। उन्होंने मुझे पहले कभी छुआ नहीं था; मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि वे ऐसा कर सकते हैं।”
"आप अंधेरे वालों की बात कर रहे हैं?"
“हाँ! मुझे पता ही नहीं था कि वे मुझे छू सकते हैं। वे ऐसा कैसे कर सकते हैं? वे ऐसा कैसे कर सकते हैं?”

डेबी धीरे-धीरे रोने लगी। उसने डॉ. डामिओली से कहा, "वह उन्हें सालों से देखता आ रहा है। लेकिन उन्होंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया।"
डॉक्टर की भौंहें तन गईं। “मुझे पूरा यकीन है कि इस बार भी उन्होंने ऐसा नहीं किया। मेरा मानना है कि आप ईथर में जो देखते हैं वह आपके लिए बहुत वास्तविक है, और मेरा मानना है कि मानव मन की क्षमताओं में अभी बहुत कुछ ऐसा है जिसे हमने अभी तक खोजना शुरू भी नहीं किया है। लेकिन मुझे विश्वास नहीं है कि किसी दूसरी दुनिया की चीज़ ने आपके शरीर को चीरा है।” उन्होंने एक प्लास्टिक का नमूना कप निकाला, ढक्कन खोला और एक रेज़र ब्लेड अपनी मेज पर डाला, फिर उसे हमें दिखाने के लिए ऊपर उठाया। “क्या आप जानते हैं कि यह कहाँ से आया है, डेविड?”
"नहीं।"
उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "खैर, यह तुम्हारे बिस्तर के बगल वाली मेज में फंसा हुआ था; मुझे लगता है कि इसी से तुम्हें चोट लगी है।"
ब्लेड चमक उठा। "मुझे अभी भी नहीं पता कि यह कहाँ से आया, डॉक्टर। मैं खुद को क्यों काटूँगी?"
“यही बात मुझे समझ नहीं आ रही, यही बात मुझे सबसे ज़्यादा परेशान कर रही है। किसी चीज़ ने आपको वियोग का दौरा दिलाया, जिसका अंत—या शुरुआत—आपके शरीर पर निशान बनाने से हुई। शायद—और मैं दोहराता हूँ, शायद—उन लोगों के इशारे पर जिन्हें आप 'अंधेरे लोग' कहते हैं।”
"क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि वह ईथर में जो कुछ देखता है, उसका उस पर इस तरह का प्रभाव होता है?" डेबी ने पूछा।
“मुझे अभी इसका जवाब नहीं पता। समस्या यह है कि मैं डेविड की जांच और इलाज बिना उसे मनोरोग और अवसादरोधी दवाएं दिए जारी रखना चाहता था। अब मैं कुछ नहीं कर सकता।”
मैंने कहा, "डॉक्टर साहब, क्या आप कृपया इन सब बातों को मेरे लिए स्पष्ट कर सकते हैं? मुझे कुछ बातें समझ नहीं आ रही हैं; मुझे लगता है कि आपको कुछ अंदाजा है कि क्या हो रहा है, लेकिन मुझे अभी भी पूरी तरह समझ नहीं आया है।" "मुझे भी यकीन नहीं है कि मैं ऐसा कर सकती हूँ," डेबी ने कहा।
“यह सरल भी है और बहुत जटिल भी। आपको यह नहीं मानना चाहिए कि अंधेरे से कुछ निकला और उसने आपको घायल कर दिया; ऐसा हो ही नहीं सकता। हालांकि, दृष्टियों में जो कुछ आप देखते हैं, वह आपको तब प्रभावित कर सकता है जब आप एक

वियोगात्मक अवस्था में चले जाते हैं—जिसे आप परिवर्तित अवस्था कहते हैं।”
"क्या आपका मतलब यह है कि जब मैं बेहोश होता हूँ, तो मैं वास्तव में बुरे सपनों में कोई भूमिका निभा सकता हूँ? क्या मैं वास्तव में अपने साथ कुछ कर सकता हूँ क्योंकि सपने में मुझे कुछ ऐसा करने के लिए कहा जाता है?"
“यह बात जितनी सरल मैं कहना चाहता हूँ, उससे थोड़ी ज़्यादा सरल है, लेकिन मेरा सिद्धांत लगभग यही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप जो अनुभव कर रहे हैं, वह रासायनिक नहीं है। मेरे सहकर्मी मानते हैं कि गोली लगने से आपके मस्तिष्क ने कुछ ऐसे रसायन का उत्पादन बंद कर दिया है जो उसके ठीक से काम करने के लिए ज़रूरी हैं। मेरा मानना है कि गोली के प्रभाव और उसके बाद के आघात ने आपके अंदर कुछ ऐसा खोल दिया है जिसके लिए आप तैयार नहीं थे, और आपके दिमाग में जो कुछ भी चल रहा है, उसका कोई तार्किक या दार्शनिक स्पष्टीकरण ज़रूर है। मैं जहाँ भी देखता हूँ, मुझे इसी निष्कर्ष पर पहुँचने वाले संकेत मिलते हैं; आपके रेखाचित्रों में आपके साथ जो हो रहा है, उसके बारे में कुछ बहुत महत्वपूर्ण संदेश छिपे हैं। आप सोचते हैं कि ये वे छवियाँ हैं जो आप आकाश में देखते हैं, और मैं इस बात से सहमत हूँ। हालाँकि, मेरा यह भी मानना है कि जो छवियाँ आपके सामने सहजता से आती हैं— वे छवियाँ जो बिना किसी उकसावे के आपकी चेतना में प्रवेश करती हैं—वे आपके लिम्बिक तंत्र की गहराई से आने वाले संदेश या प्रतीक हैं।”
"लेकिन क्या आपको लगता है कि उसने रेजर ब्लेड से खुद को काट लिया?"
मुझे इस बात का पूरा यकीन है।
लेकिन मुझे यह ब्लेड कहाँ से मिला?
“भगवान जाने। हो सकता है कि अस्पताल परिसर में टहलते समय ऐसा हुआ हो। अगर आप विक्षिप्त अवस्था में थे, तो शायद आपने इसे महसूस किया होगा और अनजाने में ही छिपा लिया होगा। ऐसा लगता है कि आपकी बदली हुई अवस्थाएँ किसी न किसी तरह से जुड़ी हुई हैं—आप हर बार वहीं से शुरू करते हैं जहाँ आपने छोड़ा था। यह वाकई बहुत दिलचस्प है। डेविड, लोगों को सबसे बड़ी समस्या यही है कि आप बिल्कुल सामान्य दिखते हैं; आप समझदार, बुद्धिमान और स्पष्टवादी हैं, जो आपके जैसे अनुभवों से गुजर रहे लोगों के लिए आम बात नहीं है। इसलिए कई लोग आपको बहानेबाज समझकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। लेकिन आप वाकई गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। और हालाँकि आप मनोविकार या भ्रम से ग्रस्त

नहीं हैं, लेकिन आपने जो बताया है वह ऐसे व्यक्ति की क्लासिक परिभाषा से मेल खाता है। समझे? आप एक नए प्रकार के मरीज हैं, और आपको कुछ विशेष उपचार की आवश्यकता होगी।”
डेबी ने मेरा हाथ पकड़ लिया। "अच्छा, कम से कम हम कुछ सकारात्मक दिशा में तो बढ़ रहे हैं। डॉक्टर साहब, इस मामले को सुलझाने के आपके प्रयासों के लिए हम वास्तव में आपके आभारी हैं।"
“खैर, मेरा काम मदद करना है, न कि सभी संभावनाओं को जाने बिना डेविड पर फैसला सुनाना। दुर्भाग्य से, मुझे डर है कि एंटीसाइकोटिक्स और एंटीडिप्रेसेंट्स हमारी प्रगति में बाधा डालेंगे।” डॉ. डामिओली ने अपने पीछे शेल्फ से एक किताब निकाली और मुझे दे दी। “मैं चाहती हूँ कि आप यह किताब पढ़ें; बाद में मैं आपके लिए कुछ और किताबें लाऊँगी। मुझे लगता है कि आपके लिए मेरी बातों का पूरा अर्थ समझना बहुत ज़रूरी है, और मुझे लगता है कि आपको जंग के दर्शनों का वर्णन बहुत दिलचस्प लगेगा। शायद आपको पता चले कि अंधेरे को छूना उतना असामान्य नहीं है।” वह गर्मजोशी से मुस्कुराईं। “आपमें एक अनोखा गुण है—एक वरदान, अगर आप चाहें तो। आप वह देख सकते हैं जो हममें से ज़्यादातर लोग कभी नहीं देख पाएंगे और, सच कहूँ तो, देखना भी नहीं चाहते। चुनौती है इसे नियंत्रित करने की क्षमता।”
“रिमोट व्यूइंग के बारे में क्या? क्या यह इसे प्रभावित कर रहा है, या क्या यह वियोगात्मक अवस्थाओं को नियंत्रित करने से प्रभावित होगा?” डेबी ने पूछा।
“फिलहाल, मुझे लगता है कि इनका आपस में कोई संबंध नहीं है। मुझे लगता है कि शायद रिमोट व्यूइंग से डिसोसिएटिव डिसऑर्डर बढ़ जाता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इनका आपस में कोई और संबंध है। अगर हम डिसोसिएटिव डिसऑर्डर को नियंत्रित करना सीख लें, तो मुझे लगता है कि रिमोट व्यूइंग बिना किसी परेशानी के हो सकती है; लेकिन देखते हैं क्या होता है।” उन्होंने अपनी डेस्क पर रखी फाइल उठाई और उसे खोला। “एक और बात है जो मुझे परेशान कर रही है। डेविड कुछ ही दिनों में मेडिकल कारणों से रिटायर हो जाएंगे, इसलिए मुझे डी.सी. क्षेत्र में स्थित एक पूर्व सैनिक अस्पताल में उनकी देखभाल की व्यवस्था करनी होगी। मैं आपसे वादा चाहती हूं कि आप उनकी देखभाल जारी रखेंगे और मेरे साथ और आपको नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति के साथ तब तक काम करेंगे जब तक आप इस स्थिति को संभाल नहीं लेते।”

“आपको मेरा वचन है। और तहे दिल से आपका धन्यवाद।”
“जी डॉक्टर, धन्यवाद,” डेबी ने कहा।

मुझे हैल्सियन और प्रोजैक के साथ-साथ कई अन्य दवाएं भी दी गईं, ताकि उन मतिभ्रमों को रोका जा सके जिन्हें "जैविक" मनोचिकित्सक मतिभ्रम मानते थे। इनका असर विनाशकारी था। मैं एक धुंध में भटकता रहता था, मानो मेरा दिमाग किसी ऐसे कंबल में लिपटा हो जो रोशनी को रोक रहा हो। मुझे न कोई दृश्य दिखाई देता था, न कोई बुरे सपने, बस दवाओं का धुंधलापन छाया रहता था।
मैं डॉ. डामिओली से रोज़ाना मिलती थी और अक्सर उनके भरोसेमंद सहयोगियों से भी; कभी-कभी कुछ ज़्यादा ही नाराज़ डॉक्टर भी आ जाते थे। अक्सर, जब मैं अकेले बैठकर रेखाचित्र बना रही होती या लिख रही होती, तो कोई अनजान व्यक्ति आकर मुझसे बातें करने लगता था। ये डॉक्टर मुझसे पूछते थे कि मैंने क्या देखा और क्या किया। ऐसा लगता था कि उन्हें इलाज से ज़्यादा जानकारी में दिलचस्पी थी, और मुझे लगता है कि इनमें से कई मुलाक़ातें डॉ. डामिओली की पीठ पीछे हुईं।
जून के अंत में, उन्होंने डेबी और मुझे अपने पास बुलाया और एक चौंकाने वाली खबर सुनाई। “मुझे खेद है कि मेरे पास आपके लिए कुछ बुरी खबर है।” उनके हाथ कांप रहे थे। “आपको चिकित्सकीय आधार पर छुट्टी नहीं दी जाएगी।”
“तो फिर उसका क्या होगा? यह तो बहुत बुरा हुआ। आपके इलाज की योजना का क्या हुआ?” डेबी ने पूछा।
“डेविड को फोर्ट ब्रैग स्थित वोमैक आर्मी अस्पताल के मनोरोग वार्ड में स्थानांतरित किया जाएगा, जहां वे योजना के अनुसार कोर्ट-मार्शल की कार्यवाही आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे खेद है। मैंने अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।”
मेरा दिल बैठ गया।
डेबी रोते हुए बोली, “वे ऐसा कैसे कर सकते हैं? वे इतने क्रूर कैसे हो सकते हैं?”
"ये मुझे ठीक क्यों नहीं होने दे रहे?" मैंने नशे की धुंध में पूछा।

“ऐसा लगता है कि बयासीवीं बटालियन के कमांडिंग जनरल आप पर लगे आरोपों को वापस नहीं लेंगे ताकि आपको चिकित्सकीय आधार पर छुट्टी दी जा सके; वे आपको मुकदमे का सामना करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जाहिर तौर पर उन्होंने अस्पताल कमांडर को फोन करके यह मांग भी की है कि आपको वापस उनके नियंत्रण में लाया जाए। मुझे बहुत खेद है। मुझे स्पष्ट शब्दों में पद छोड़ने के लिए कहा गया है।”
डेबी गुस्से से कांप रही थी। “मैं खुद को अपमानित और असहाय महसूस कर रही हूँ। वह डेविड को इस्तीफा देने देने के लिए आरोप वापस ले लेगा ताकि उसे ‘गैर-सम्मानजनक’ डिस्चार्ज दिया जा सके, लेकिन उसे चिकित्सा सहायता के लिए डिस्चार्ज नहीं होने देगा। यह आदमी किस तरह का जानवर है?”
अगले दो दिनों तक डेबी ने सांसदों को पत्र लिखे, दुनिया भर में फैले अपने अधिकारी मित्रों को फोन किया, यहाँ तक कि जनरल के वरिष्ठ अधिकारी को भी चिट्ठी लिखी। लेकिन कुछ भी कारगर नहीं हुआ। फैसला अब अटल हो चुका था: मुझे फोर्ट ब्रैग लौटना ही था। अपने परिवार से तीस मिनट की दूरी पर रहने के बजाय, सहायक देखभाल पाने के बजाय, मैं फिर से अंधेरे में अकेला रहूँगा। यही उनकी इच्छा थी।
बुधवार की सुबह, मैंने अस्पताल के उन कर्मचारियों को अलविदा कहा जो मेरे दोस्त बन गए थे, जिन्होंने मेरी देखभाल की और मुझे उन कई स्तरों को समझने में मदद की जिनसे मैं जूझ रही थी। निर्देशानुसार मैं स्ट्रेचर पर लेट गई और मुझे बेल्ट से बांध दिया गया; मेरे साथ मौजूद एक नर्स ने मेरा हाथ थाम लिया, उसे प्यार से सहलाया और मेरी आँखों में देखा।
“मेजर मोरहाउस, एक बात याद रखिएगा।” उनकी आँखों में भावुकता भर आई। “ईश्वर पर भरोसा रखिए! वह जानते हैं कि आप किस दौर से गुजर रहे हैं; आप उन पर भरोसा रखिए और सब ठीक हो जाएगा।”
जब मुझे व्हीलचेयर पर बिठाकर उस वैन के दरवाजे तक ले जाया जा रहा था जो मुझे एंड्रयूज एयर फोर्स बेस ले जाने वाली थी, तभी डॉ. डामिओली मेरे पास आईं। उन्होंने भी मेरा हाथ पकड़ा। “जल्दी ठीक हो जाओ, मेरे दोस्त; हिम्मत रखो और ठीक हो जाओ।”
वैन के खोखले दरवाजे मौत की सजा की तरह अंतिम रूप से बंद हो गए। मैंने रोने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं निकला; ड्रग्स का असर बरकरार था।

□□

□□□□□□□□□

□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□; □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□, □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□□

□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□; □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ “□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□, □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□, ‘□□□□□□ □□□□□□□□□, □□□ □□□□□□□ □□□□’ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□, □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□”

□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□?

"□□□, □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□—□□□□□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□□□, □□□□, □□□□ □□□□, □□□□□□□ □□□□, □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□"

"□□□□□□□□"

“□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□? □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□, □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□”

सुनवाई शुरू हुई—अगले दस हफ्तों में होने वाली कई सुनवाईयों में से पहली। यह ठीक वैसे ही आगे बढ़ी जैसा मेरे वकील ने कहा था। कोर्ट-मार्शल की बेइज्जती सहना यकीनन मेरे जीवन के सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था। सबसे बुरा यह एहसास था कि उस समय तक मैंने जीवन में जो कुछ भी किया था, उसका कोई मतलब नहीं था। अगर सोलह साल बाद सिर्फ मुझे ही छोड़ दिया गया होता, तो शायद मैं समझ जाता, लेकिन सेना ने पूरे परिवार से मुंह मोड़ लिया। इस अनुभव से एक अच्छी बात यह हुई कि मुझे पता चला कि कौन मेरे साथ खड़ा रहेगा, कौन मुझ पर विश्वास करेगा।
मुकदमे के दौरान, डेबी, मेरे माता-पिता, मेरे दोस्त और मेरे भाई-बहन मेरे साथ खड़े रहे। उन्होंने मुझे पत्र लिखकर मेरे गुणों और बलिदानों की प्रशंसा की; मेरे पिछले रिकॉर्ड का ब्यौरा दिया गया, और मेरे सभी दोस्तों ने दया की गुहार लगाई। उन्होंने समझाया कि सन स्ट्रीक का हिस्सा बनने के बाद से मैं एकांतप्रिय हो गया था, मैंने उन सभी चीजों से नाता तोड़ लिया था जिन्हें मैं पहले जानता और जिन पर भरोसा करता था। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने अपने ही नियम तोड़े थे, और मुझे एहसास हो गया था कि मुझ पर या मेरे परिवार पर कोई दया नहीं दिखाई जाएगी।
अगस्त के अंत में, डेबी और मेरे माता-पिता के साथ, मैंने अस्पताल से छुट्टी मांग ली। मेरा दिन नशा करने और उन कक्षाओं में बैठने में बीतता था जो नशाखोरों के लिए बनाई गई थीं, ताकि वे सैन्य पुनर्वास केंद्रों में से किसी एक में जाने की तैयारी कर सकें। अस्थाई व्यायाम कक्ष में वार्ड बॉय द्वारा सामूहिक चिकित्सा कराई जाती थी; व्यायाम के लिए मुझे दिन में दो बार अन्य रोगियों के साथ एक पिंजरेनुमा छत पर कुछ मिनटों के लिए जाने की अनुमति थी। डेबी को काम से छुट्टी मिलने पर ही फेयेटविले तक संक्षिप्त मुलाकात के लिए छह घंटे लगते थे। एक चिकित्सक ने हमें स्पष्ट रूप से बताया था कि वह सेवानिवृत्ति के इतने करीब हैं कि सन स्ट्रीक से जुड़े इस मामले में शामिल नहीं हो सकते। दूसरे चिकित्सक ने मुझसे यथासंभव बचने की कोशिश की। मैंने बस नियमों का पालन किया और खुद को एक आज्ञाकारी रोगी साबित किया।
सितंबर के पहले सप्ताह में, डेबी ने अपने पति, अपने बच्चों के पिता को फोर्ट ब्रैग अस्पताल से छुट्टी दिलवाई। मेरे वहाँ रहने के दौरान हम दोनों ने जो महीने झेले थे, वे सब व्यर्थ थे। डेबी का दुखी होना स्वाभाविक था।

इतने वर्षों तक, उसने यह विश्वास किया था कि सेना अपने लोगों का ख्याल रखेगी, एक सैनिक और उसके परिवार की परवाह करेगी, उसे ठीक होने में मदद करेगी। अब, उसे एहसास हुआ कि उसके साथ विश्वासघात हुआ है, और वह सेना से नफरत करने लगी, इतनी नफरत जितनी उसने कभी सोची भी नहीं थी कि वह किसी से कर सकती है। मैंने उसे उसके परिवार और दोस्तों से दूर किया और उसे सेना के जीवन से परिचित कराया, एक ऐसे पेशे से जिसके बारे में मेरा मानना था कि यह मुझे झूठे आरोपों और अन्यायपूर्ण व्यवहार से बचाएगा। इसके बजाय, सेना खुफिया एजेंसियों का हथियार बन गई जिसका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को बर्बाद करने के लिए किया गया। मेरा साथ देने के बजाय, मेरे डिवीजन के कमांडर ने मुझसे सब कुछ छीन लेने की कसम खाई।
अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मुझे 82 वीं एयरबोर्न डिवीजन के लिए "परिवारों की देखभाल के लिए नेताओं की मार्गदर्शिका" लिखने का काम सौंपा गया - एक ऐसा काम जिसने जले पर नमक छिड़कने का काम किया।
डेबी के साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्यों और दोस्तों ने भी डिवीजन कमांडर को अनगिनत बार पत्र लिखकर उनसे कोर्ट-मार्शल की कार्यवाही पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई। उन्होंने उनसे मिलने का समय मांगा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने मेरी पत्नी और मेरे पिता को मिलने से मना कर दिया। उन्होंने एक सैनिक के पिता को, उस पिता को जिसने दो युद्धों में इस राष्ट्र के शत्रुओं से लड़ाई लड़ी थी, मिलने से मना कर दिया। उन्होंने एक सैनिक की पत्नी को, उस पत्नी को जिसने इस राष्ट्र की सेवा में हजारों घंटे बिताए थे, अपने पति के अधीनस्थों की पत्नियों को सलाह दी थी, उनके खर्चों का हिसाब रखा था, उनके लिए खरीदारी की थी, उनके बच्चों के लिए खाना बनाया था और बीमार होने पर उनकी देखभाल उसी तरह की थी जैसे वह अपने परिवार की करती; एक ऐसी पत्नी जिसने अपने पति के साथ सेवा कर रहे पुरुषों की देखभाल की और उन्हें हमारे परिवार का हिस्सा बनाया। सबसे बुरा तो यह था कि उन्होंने उस महिला को छोड़ दिया जो इस उद्देश्य में विश्वास करती थी और अपने बच्चों को भी इस उद्देश्य में विश्वास करना सिखाती थी, जबकि हर रात वे अपने पिता के बिना बिस्तर पर सोते थे। उन्होंने हमारे परिवार को छोड़ दिया।
भगवान को अवश्य ही पता था कि मैं इससे अधिक नीचे नहीं गिर सकता, कि मैं अपने परिवार को उस गड्ढे में और गहराई तक नहीं घसीट सकता जो मेरे लिए खोदा

जा रहा था। नवंबर 1994 के तीसरे सप्ताह में, बोवी स्थित हमारे घर पर फोन की घंटी बजी।
“डेविड, तुम्हें शायद मैं याद न रहूँ और मैं नहीं चाहती कि याद रहूँ। हममें से कई लोग तुम्हारे साथ कई साल पहले काम कर चुके हैं, जब तुम लेफ्टिनेंट और युवा कप्तान थे, और हम जानते हैं कि क्या हो रहा है। मैं बस तुम्हें बताना चाहती हूँ कि तुम्हारे साथ क्या हो रहा है, और फिर मैं फोन रख दूँगी और तुम्हें अपना फैसला लेने दूँगी। तुम कोर्ट-मार्शल में नहीं जा सकते। यह एक साजिश है। तुम अदालत में अपनी और अपने नाम की रक्षा के लिए जा रहे हो, है ना?”
"बिल्कुल।"
“जब आप मुकदमे से पीछे नहीं हट सकते, तो वे आप पर गोपनीय जानकारी के गलत खुलासे का आरोप लगाने की कोशिश करेंगे।” अगर सैन्य न्यायाधीश इस क्रूर रणनीति को अनुमति दे देते, तो इससे सेना के अभियोजकों को सुनवाई स्थगित करनी पड़ती ताकि मेरे वकील नए आरोप की तैयारी कर सकें। लेकिन तब तक मेरे उत्पीड़क मुझे वहीं फंसा चुके होते जहाँ वे चाहते थे—एक ऐसे बचाव में फंसा हुआ जिसमें मेरी जीत असंभव थी। फोन करने वाले ने भी यही बात कही। “डेविड, तुम इस आरोप से नहीं बच पाओगे। उन्हें पता है तुमने क्या किया है और वे अभियोजकों को तुम्हें दोषी ठहराने और जेल भेजने के लिए ज़रूरी सबूत दे देंगे।”
"अच्छा ऐसा है।"
“आपको आरोप बेतुके लगे। वे थे, हालांकि शायद पूरी तरह से नहीं। लेकिन वे बिल्कुल सटीक थे—इतने बेतुके कि आपके वकील को अदालत में उनका मुकाबला करने के लिए उकसाया, और यही वे आपको चाहते थे। आप अपनी सारी ऊर्जा उन आरोपों पर लगा रहे होते जिन्हें आप आसानी से बरी कर सकते थे, जबकि वे एक ऐसा मामला तैयार कर रहे होते जो आपको सालों तक जेल में डाल देता। आपको इसका तब तक अंदाजा भी नहीं होता जब तक बहुत देर न हो जाती।”
"मैं क्या कर सकता हूँ?"
“उन्हें अब भी आपको इस्तीफा देने देना होगा; आप पर लगे आरोप इतने गंभीर नहीं हैं कि वे कुछ और करें। इससे उन्हें गुस्सा आ सकता है, लेकिन उन्हें बात माननी ही पड़ेगी। अगर संबंधित अधिकारी देरी करता है, तो दूसरे लोग भी

दखल देंगे। डेविड, तुम्हारे अभी भी कुछ दोस्त बचे हैं; सब कुछ व्यर्थ नहीं गया है।”
"तो क्या मुझे अपने वकील को बताना चाहिए कि मैं इस्तीफा देना चाहता हूँ?" “हाँ, और जितनी जल्दी हो सके। अगर उन्हें पता चल गया कि आप इस्तीफ़ा देने वाले हैं, तो वे मामला और गंभीर कर देंगे—मतलब ज़रूरत पड़ने पर और भी आरोप लगा देंगे। याद रखिए, उन्हें पक्के सबूत की ज़रूरत नहीं है; उन्हें सिर्फ़ एक आरोप चाहिए, और पूरी प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाएगी। जितनी जल्दी हो सके इस्तीफ़ा दे दीजिए—और डेविड, आपको शुभकामनाएँ।”
अलविदा कहने से पहले ही फोन की बैटरी खत्म हो गई।
अगले दिन मैं फोर्ट ब्रैग लौट आया। मेरे माता-पिता मेरे साथ थे, जैसे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से ही थे। दवाइयों और मेरी अस्थिर भावनात्मक स्थिति के कारण मुझे लगातार निगरानी की ज़रूरत थी। मुझे इस बात से बहुत शर्मिंदगी हुई—मैं उनतालीस साल का आदमी था जिसकी देखभाल उसके सत्तर साल के माता-पिता कर रहे थे—लेकिन मैं उनके बिना कुछ नहीं कर सकता था। जब मेरे पिता हॉल में आँखों में आँसू लिए इंतज़ार कर रहे थे, मैं आखिरी बार अपने वकील के कार्यालय में गया और अमेरिकी सेना की भलाई के लिए अपनी कमीशन से इस्तीफा देने पर सहमत हो गया। फिर मैंने अपने सुपरवाइज़र को सूचित किया, जिन्होंने दुखी होकर कहा, "काश आपके लिए कुछ और होता, लेकिन मैं आपका फैसला समझता हूँ।" फिर मैं घर चला गया, सोलह साल पहले गर्व से पहनी हुई वर्दी उतार दी, और उस जीवन से बाहर निकल गया जिसके लिए मैंने सब कुछ कुर्बान कर दिया था।
तीस दिन बाद मेरे खिलाफ लगे आरोप हटा दिए गए, और मित्रों और परिवार से समर्थन भरे पत्रों की एक और बौछार के बाद सेना के उप सचिव ने मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया और मुझे "सम्मानजनक नहीं" कहकर सेवामुक्त कर दिया, जिससे सेना के प्रति हमारी सारी निष्ठा मिट गई। ऐसा लगा मानो हमारे जीवन के पिछले उन्नीस साल कभी थे ही नहीं।
और डिविजन के नेतृत्व और यहाँ तक कि सेना के अंडरसेक्रेटरी द्वारा लिए गए हर फैसले में मेरे पक्ष में कोई सबूत पेश नहीं किया गया। एक साल से ज़्यादा समय में सरकार ने मेरी तरफ से एक बार भी कोई जाँच नहीं की। मेरे वकील ने कभी किसी से पूछताछ नहीं की, न ही अदालत से जाँचकर्ता नियुक्त करने की अर्जी दी; और मेरे समर्थन में कोई भी सबूत न तो मेरे कमांडिंग जनरल, न जज, न

ही PERSCOM के कमांडर, और न ही सेना के अंडरसेक्रेटरी के सामने पेश किया गया। मेरी तरफ से जो एकमात्र बयान लिए गए, वे मैंने खुद एक निजी जासूस को 5,000 डॉलर देकर लिए थे, और उनका कभी इस्तेमाल नहीं किया गया, जबकि वे सरकार के मामले को पूरी तरह से खत्म कर सकते थे। सुनवाई के दौरान मुझे कभी भी अपना पक्ष रखने की अनुमति नहीं दी गई। मुझे लगता है कि यह पूरे अनुभव का सबसे निराशाजनक हिस्सा था—मैं अपना बचाव नहीं कर सका, यह नहीं समझा सका कि आरोप झूठे थे और सिर्फ मुझे बदनाम करने के लिए लगाए गए थे। और मेरी मानसिक स्थिति ने मेरे विरोधियों को हर तरह से मदद की। कई मायनों में मैं उनके जाल में फँस गया था—लेकिन ज़ाहिर है, उनके पास मेरी मनोवैज्ञानिक स्थिति का पता था, और मुझे लगता है कि वे मुझे मुझसे बेहतर जानते थे।
ऐसे बहुत से लोग थे जो मदद कर सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने करियर को बर्बाद होने के डर से ऐसा नहीं किया। इसलिए अब डेबी और मैं एक-दूसरे के सहारे बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रहे थे। मैंने अपनी सेवानिवृत्ति की सुविधाएं, घर पर लिया गया वीए लोन, बेरोजगारी भत्ते का अधिकार, सैन्य कब्रिस्तान में दफन होने का अधिकार सब कुछ खो दिया था। मुझे अमेरिकन लीजन में भी शामिल होने से मना कर दिया गया था। एक समय था जब मैं एक ऐसा अधिकारी था जिसे उच्च पद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त था; अब मैं एक बेकार और समाज से बहिष्कृत व्यक्ति था, जो जहर खाकर खुद को बेहोश करने के अलावा अब भी भयानक दृश्यों और बुरे सपनों से ग्रस्त था।
मेरी प्यारी पत्नी ने इन झटकों को एक बहादुर योद्धा की तरह सहा। उसने कहा, “तुम्हें जेल भेजना जायज़ नहीं था। हम बहुत कुछ झेल चुके हैं। अब चलो तुम्हें ठीक करते हैं और अपनी ज़िंदगी में आगे बढ़ते हैं।” लेकिन मैं निराश था और अब और कष्ट नहीं सहना चाहता था।
दवाइयां खत्म होते ही मुझे बिना दवाइयों के ही काम चलाना पड़ा; हमारे पास प्रिस्क्रिप्शन रिन्यू कराने के लिए किसी सरकारी डॉक्टर को बुलाने के पैसे नहीं थे; न ही दवाइयों का खर्च उठा सकते थे। मेरी पहले से ही एक बीमारी थी, इसलिए हम बीमा भी नहीं करवा सकते थे।
मैं अक्सर अपनी मृत्यु के बारे में सोचता रहता था, यह सोचता रहता था कि माइक फोली और उन सभी लोगों के साथ मिलना कैसा होगा जिन्हें मैंने वर्षों से अलौकिक दुनिया में देखा था। एक पल का दर्द और सदमा, और सब कुछ हमेशा के

लिए खत्म हो जाएगा। मैं फिर कभी किसी को शर्मिंदा नहीं करूंगा। मुझे फिर कभी कोई दृष्टि या दुःस्वप्न नहीं सहना पड़ेगा। मुझे शांति मिलेगी। मैंने कई बार आत्महत्या करने का फैसला किया, लेकिन हर बार कुछ न कुछ मुझे रोक देता था। सबसे पहले, जब भी मैं हद से आगे बढ़ जाता, माइकल, मारिया और डेनियल के चेहरे जादुई ढंग से मेरे सामने आ जाते थे। और फिर डेबी का मासूम चेहरा, उसकी दयालु आँखें मुझे नुकसान पहुँचाने वाली चीज़ों से दूर ले जाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा देती थीं। वह हमेशा मुझसे कहती थी कि मेरी सबसे अनमोल चीज़ कभी खोई नहीं है: मेरे परिवार का प्यार।
“हम हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगे, डेविड,” उसने मुझे दिलासा देते हुए कहा। लेकिन उसे दिलासा किसने दिया? मैं तो अपाहिज था, अकेले जीवन जीने में असमर्थ। डेबी परिवार को संभालने, बिल चुकाने और अपने पति की देखभाल करने के लिए संघर्ष कर रही थी, जो हर पल गहरे निराशा में डूबता जा रहा था। जल्द ही वह भी भावनात्मक रूप से बिखरने लगी। उसने एक मजबूत, होनहार युवा पैदल सेना अधिकारी से शादी की थी; सोलह साल बाद, उसके पास एक तबाह, खोखला इंसान था जो न तो पिता बन सकता था और न ही खुद की देखभाल कर सकता था, जो इस बात का दुखद गवाह था कि वह क्या बन सकता था। हर दिन उसके लिए अपनी मानसिक स्थिति, अपने आत्मसम्मान को बनाए रखना और किसी तरह अपने बच्चों में आत्मविश्वास जगाना और उनके पिता के लिए नए सिरे से प्यार और समझ पैदा करना एक संघर्ष था।
अप्रैल 1995 में, डेबी ने मुझे कार में बिठाया और उन्नीस घंटे गाड़ी चलाकर रसेलविले, विस्कॉन्सिन ले गई।
"वह कैसा है?" मेल ने धीमी आवाज़ में पूछा।

“खुद ही देख लो,” डेबी ने कहा और उसकी बाहों में फूट-फूटकर रोने लगी। उसने धीरे से उसे एडिथ को सौंप दिया, जिसने उसे घर के अंदर जाने में मदद की। मेल ने मेरी तरफ देखा। "कैसे हो भाई?"
"इतना अच्छा नहीं।"
मेल समझ गया था कि उसके सामने केवल आधा इंसान खड़ा है, और वह जानता था कि मुझे अंधकार में जकड़े रखने वाले किसी भी तत्व से मुक्त करने के लिए क्या करना होगा। जब मैं घर में आराम कर रहा था, उसने अपने भाई को बचाने के लिए एक बहुत ही पवित्र अनुष्ठान की तैयारी की। उसने एक काले भालू की हड्डी, पंजे

और खाल के टुकड़ों से कपड़े के चार छोटे-छोटे बंडल बनाए; इन्हें उसने अपनी संपत्ति के चारों कोनों में रख दिया। उस रात वह मुझे अपने टीपी (तंबू) में ले गया; हम अंदर बैठे, पवित्र करने वाली हरी ऋषि और सफेद देवदार के चपटे पत्तों से जलती हुई छोटी सी आग के पास। उसने प्रवेश द्वार के ऊपर एक बड़ा काला-सफेद चील का पंख बांध दिया, जो अवांछित आत्माओं को दूर रखने के लिए लटका हुआ था।
टीपी के अंदर आग इतनी गरम हो गई थी कि मुझे इतना पसीना आ रहा था कि मेरी कमीज़ और पैंट भीग गए। मैंने देखा कि मेल ने हाथ से सिले हुए थैले से एक पाइप निकाला। उसका लंबा तना घोड़े के बालों, पंखों और बारीक मोतियों की कारीगरी से सजा हुआ था; उसने श्रद्धापूर्वक पाइप के कटोरे में पवित्र तंबाकू, लाल विलो की भीतरी छाल और सूखे सुमाक के पत्तों का मिश्रण भरा। उसने पाइप जलाया और एक लंबा कश लिया, फिर धुएं को परम आत्मा को श्रद्धापूर्वक अर्पित किया। जलते हुए पाइप को पकड़े हुए, उसने आदरपूर्वक दुनिया के चारों कोनों और धरती माता को धुआं अर्पित किया। उसने पाइप मुझे दिया और मैंने भी उसकी तरह ही यह अर्पण किया; सुगंधित धुआं मेरे सिर के चारों ओर घूम गया, मदहोश कर दिया और मेरी मृत आत्मा को मुक्त कर दिया। मैं वहीं बैठा महसूस कर रहा था कि मेरे भीतर बदलाव और परिवर्तन शुरू हो रहे हैं। मेरी दबी हुई भावनाएं धीरे-धीरे जागृत होने लगीं जब मैंने देखा कि मेल धीरे-धीरे और जानबूझकर पाइप की राख को आग के जलते अंगारों में डाल रहा है।
मेरे गले में उसने वह पत्थर की औषधि रख दी जो उसने मुझे वर्षों पहले दी थी, और मिट्टी से बने रंग से उसने मेरे माथे पर दो क्षैतिज रेखाएँ खींचीं, ऊपर वाली काली और नीचे वाली लाल। फिर उसने मेरी ठुड्डी को लाल रंग से रंगा और मेरे बाएँ हाथ में तंबाकू की एक छोटी थैली रख दी। यह मृत्यु की रस्म में एक प्रतीकात्मक भेंट थी और मेरी आत्मा के पुनर्जन्म की तैयारी थी। जैसे ही उसने ऐसा किया, हवा का एक अजीब झोंका टीपी की दीवारों को हिला गया, और बाहर एक बड़े जानवर की गुर्राहट और गड़गड़ाहट सुनाई दी। मानो यह सब उसकी अपेक्षा के अनुरूप ही था, मेल ने शांति से अपना पाइप समेट लिया और पवित्र तंबाकू को सुरक्षित रख दिया। मेरे बगल में उसने हथियारों से भरा एक छोटा युद्ध बंडल रखा, जिनका उपयोग आत्मा को आकाश में बुराई से लड़ने के लिए करना था; उसकी अंतिम तैयारी का कार्य "जॉर्ज" की खोपड़ी का अनावरण करना था, जो

बारीक सिलाई वाली हिरण की खाल से ढके हुए थे। उसके कंधे से एक चमकीले रंग का और बारीकी से मोतियों से सजा हुआ थैला लटका हुआ था; मेरा मानना है कि उसमें उसकी आध्यात्मिक औषधि रखी हुई थी।
आपकी उपस्थिति में होना मेरे लिए सम्मान की बात है।
"तुम्हें एक महान ज्ञान और आध्यात्मिक व्यक्तित्व वाले व्यक्ति ने मेरे पास पहुंचाया है, एक ऐसा व्यक्ति जिसकी दृष्टि इस और अन्य लोकों पर भी है।" मैं आभारी हूं, लेकिन मैं डरा हुआ भी हूं।
“तुम भालू की औषधि लेकर आए हो; जो तुम्हें यहाँ लाया है, वह तुम्हें भालू योद्धा, भालू कबीले का सदस्य मानता है। तुम्हें यहाँ उतना ही बहादुर होना होगा जितना वह तुम्हें मानता है।”
"मैं कोशिश करूँगा।"
“तुम यहाँ मरने के लिए आए हो। क्या तुम्हें यह पता था?”
मैं आत्मा से पहले ही मर चुका हूँ।
"आपको बताया गया था कि ऐसा ही होगा, है ना?"
"मेरे पिता की रक्षा करने वाले देवदूत ने मुझे बताया था कि मुझे इस वरदान को प्रकट करने के लिए बहुत कुछ त्यागना पड़ेगा।"
और अब तुम्हें पूरी तरह से मरना होगा और आत्मा के रूप में पुनर्जन्म लेना होगा ताकि तुम अपने संसार के कार्य को आगे बढ़ा सको।
मुझे शर्म आती है कि मैं इतनी बुरी तरह गिर गया; मुझे शर्म आती है।
वैद्य हँसा। “सभी आत्माएँ गिरती हैं; इसमें शर्म की कोई बात नहीं है। संसार में आत्मा की मृत्यु और पुनर्जन्म से बढ़कर कोई सत्य नहीं है। संसार की सभी वस्तुओं में आत्मा होती है। संसार की सभी वस्तुएँ मरती हैं और फिर जीवित हो जाती हैं। मैं शारीरिक मृत्यु की नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मृत्यु की बात कर रहा हूँ, उस मृत्यु की जो ज्ञान और समझ की खोज में जीवन जीने के कारण होती है। जैसा कि तुम्हें शुरुआत में सिखाया गया था: तुम अपने पूर्व स्वरूप से भिन्न हो जाओगे। जैसा कि तुम्हें बताया गया था, दृष्टि के वरदान से प्राप्त ज्ञान की एक कीमत चुकानी पड़ती है। तुम्हारी आत्मा मर रही है क्योंकि उसे उच्चतर स्तर पर पहुँचने के लिए पुनर्जन्म लेना होगा; यही बात कुछ लोगों को दूसरों से श्रेष्ठ बनाती है। परिवर्तन लाने वाले ज्ञान की खोज का भय भी कुछ लोगों को दूसरों से कमतर बनाता है। तुमने यह यात्रा की; तुमने वेदी पर लेटकर स्वेच्छा से अपना बलिदान दिया ताकि तुम वरदान से पहले

जो थे उससे कहीं अधिक बन सको। बहुतों को यह वरदान दिया गया और उन्होंने परिवर्तन के भय से इसे ठुकरा दिया।”
आपके स्पष्टीकरण के लिए धन्यवाद।
“तो अब तुम्हारे मरने का समय आ गया है।”
मैं वैद्य के पीछे-पीछे बुजुर्गों की एक सभा में गया; सभी ने पवित्र पुरोहितों के वस्त्र धारण किए हुए थे। मेरी आँखों ने उन्हें वृद्ध भारतीय साधुओं के रूप में देखा; परन्तु मैं इतना बुद्धिमान था कि समझ सकूँ कि वे कोई भी रूप धारण कर सकते हैं जो मेरा हृदय स्वीकार करे। ये प्राणी, इस यात्रा में मैंने जो कुछ भी देखा, उसकी तरह ही, उस अदृश्य शक्ति के प्रतीक थे जो न केवल हमारे हृदयों में व्याप्त है, बल्कि हमारे संसार और उसमें विद्यमान हर चीज को नियंत्रित करती है। जीवन और आत्माओं का अंतर्संबंध; ज्ञान, जीवन और मृत्यु का अंतर्संबंध स्पष्ट होता जा रहा था। क्षण भर के लिए, मुझे अपने जीवन और समस्त मानवजाति के जीवन का अर्थ स्पष्ट रूप से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इन महान पुरुषों की उपस्थिति में मैंने अनंत काल में समय के प्रवाह को देखा और उसमें अपना स्थान जान लिया।
जब मैं अनंत की ओर देखता हुआ खड़ा था, तब वे पुरुष मेरे चारों ओर आ गए, प्रत्येक के हाथ में उसकी औषधि थी। जब घेरा पूरा हुआ, तो एक तेज रोशनी मेरी आँखों के सामने से गुजरी और मैं उन प्राणियों के चरणों में गिर पड़ा। आध्यात्मिक रूप से मृत, मैंने इस संसार के आकाश की ओर देखा और देखा कि वे प्राणी प्रतीकात्मक रूप से मुझमें जीवन का संचार कर रहे हैं, उनकी साँस मेरी साँस बन गई, जब तक कि मैं उनके सामने आत्मा के पुनर्जन्म के साथ खड़ा नहीं हो गया।
घेरा टूट गया और मुझे लाने वाले वैद्य ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे उस जगह ले गए जो पर्दे के ठीक सामने थी। वहाँ पहुँचकर उन्होंने मेरी ओर मुड़कर कहा: मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊंगा जिसे तुम्हें हमेशा अपने दिल में संजोकर रखना होगा। एक योद्धा दल अपने शत्रुओं के शिविर में आया; उन्होंने दूर से ही उनके तौर-तरीकों को जानने की कोशिश की; और जब उन्हें लगा कि वे और कुछ नहीं जान सकते, तो उन्होंने उस नदी को पार कर लिया जो उन्हें शत्रु शिविर से अलग करती थी।

“एक छोटी लड़की ने उन्हें नदी पार करते देखा और अपने शिविर के योद्धाओं को सतर्क किया, जिन्होंने बचाव में उठ खड़े होकर नदी पार करते समय युद्ध दल के कई सैनिकों को मार गिराया। हालाँकि, एक योद्धा ने इतनी बहादुरी से लड़ाई लड़ी कि वह नदी पार करके शिविर को नदी से अलग करने वाली घनी झाड़ियों में घुस गया।”
झाड़ियों में उसने इतनी बहादुरी से लड़ाई लड़ी कि शिविर की रक्षा कर रहे योद्धा पीछे हट गए, वे झाड़ियों में घुसकर उससे आमने-सामने लड़ने से डर रहे थे। पूरी रात उन्होंने बहादुर योद्धा को घायल करने और सताने के लिए झाड़ियों में पत्थर और जलती हुई मशालें फेंकीं। जैसे-जैसे रात गहरी होती गई, झाड़ियों से आने वाली आवाजें, जो पहले युद्ध की चीखें और जयकारे थे, भालू की दहाड़ और गुर्राहट में बदल गईं, जिससे झाड़ियों को घेरे हुए योद्धा और भी घबरा गए और डर गए।
भोर होते ही शिविर के योद्धा शत्रु योद्धा को काबू करने के लिए झाड़ियों में दौड़ पड़े, लेकिन वे उसे वहाँ नहीं पाए। अपनी वास्तविक शक्ति को पहचानते ही उसकी आत्मा मर चुकी थी; पुनर्जन्म लेकर, वह आत्मा और रूप से एक भयंकर भालू में परिवर्तित हो गया। उस भालू योद्धा ने अपने चारों ओर मौजूद कई लोगों को मार डाला, और वे महिलाएं और बच्चों को साथ लेकर गाँव से भाग गए।
“भालू योद्धा की आत्मा और वहाँ जो कुछ हुआ, वह नदी के किनारे से कभी दूर नहीं हुआ। उस दिन से, जब भी कोई जाति वहाँ बसने की कोशिश करती, भालू योद्धा अंधकार से शक्ति और महिमा के साथ प्रकट होता और उन्हें डराकर भगा देता। उसके रूपांतरण के दिन से ही उसकी आत्मा और जीवन उसकी किंवदंती की शक्ति से और भी बढ़ गए। उसने चाहे जो कुछ भी त्यागा हो, उसके पुनर्जन्म के कारण जो छाप उसने छोड़ी है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।”
और कुछ न कहते हुए, वैद्य मुझे पर्दे के पीछे ले गया। जब मैंने अपनी आँखें खोलीं तो मुझे तंबू का भीतरी भाग दिखाई दिया; मेल मुस्कुराते हुए अंगारों के पार मेरे सामने बैठी थी।
“वापस स्वागत है, मेरे भाई।” उसकी आँखों में आँसू भर आए। “मैंने तुम्हारे लिए प्रार्थना की थी!”

मैंने अपनी आंखों से आंसू पोंछे। “मुझे दोबारा जीवन देने का तरीका जानने के लिए धन्यवाद। मैं आपको इस जीवन में या किसी और जीवन में कभी नहीं भूलूंगी।”
मेल ने अंगारों पर मुट्ठी भर ऋषि पत्तियां छिड़कीं, जिससे हमारे चारों ओर शुद्धिकरण का धुआं फैल गया। “अब सब खत्म हो गया है। अतीत का सारा जहर चला गया है। आगे और भी आएगा, हमेशा आता है; लेकिन अब तुम इसे अलग तरह से देखोगे। मैंने कुछ साल पहले तुम्हारे लिए कुछ चीजें बनाई थीं; अब उन्हें पाने का सही समय है।”
उसने लाल व्यापारी के कपड़े से बने कंबल को उठाया और उसे खोल दिया। “यह तुम्हारी ढाल है। यह विलो की लकड़ी से बनी है जिस पर हिरण की खाल चढ़ाई गई है; इस पर बने निशान, तुम्हारी पत्थर की औषधि पर बने निशानों की तरह, भालू और उसके शत्रुओं के हथियारों को विफल करने की शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। नीचे की ओर ये पाँच पंख धारीदार टर्की के पंख कहलाते हैं; इन्हें सजाने वाले सफेद रोएँ चील के रोएँ हैं; सफेद चमड़ी ऊदबिलाव की है, और यह कपड़ा जो एक तरफ लिपटा हुआ है, व्यापारी का कपड़ा है।”
“यह तुम्हारी युद्ध कुल्हाड़ी है।” मेल ने उसे उठाया। “इसका हैंडल हिरण की खाल से लिपटा हुआ है और इस पर भालू कबीले के काले और लाल रंग के मनके जड़े हुए हैं। पंख कौवे और लाल पूंछ वाले बाज़ के हैं। यह तुम्हारा भाला है; इसमें चील के रोएँ के साथ अट्ठाईस धारीदार टर्की के पंख लगे हैं, और इसके डंडे के दोनों सिरों पर भालू और ऊदबिलाव की खाल है। इसका सिरा गाड़ी के पहिये की धातु से बना है, और इस पर भालू कबीले का चिन्ह खुदा हुआ है, जैसा कि तुम्हारी युद्ध कुल्हाड़ी पर है। मैं चाहता हूँ कि ये तुम्हारे पास रहें; मैंने इन्हें तुम्हारे पुनर्जन्म और तुम्हारे योद्धा वंश की याद दिलाने के लिए बनाया है।” उसने उन्हें कंबल में लपेटा और आग के ऊपर से मुझे दे दिया।
“मेल, मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। तुम इतने लंबे समय से मेरे साथ हो और मेरा ख्याल रखती आई हो। मैं तुम्हारे प्रति बहुत आभारी हूँ और तुम्हारे प्यार और दोस्ती के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूँगी। इसके लिए और इन अद्भुत उपहारों के लिए धन्यवाद।”

वह मुस्कुराया। “अच्छा, आपके लिए 'मेगविच' कहना शायद ज़्यादा उचित होगा, जिसका मतलब स्थानीय भाषा में 'धन्यवाद' होता है। शायद भारतीय उपहारों का आदान-प्रदान करते समय यह ज़्यादा अच्छा लगता है।”
“ठीक है, मेगविच… जॉर्ज ने मुझे एक भारतीय योद्धा की कहानी सुनाई थी जो भालू बन गया और फिर कभी भी उसे मारने वालों को अकेला नहीं छोड़ा। क्या तुमने कभी वह कहानी सुनी है?”
मेल ने एक छड़ी से अंगारों को हिलाया और मिट्टी के घड़े से उन पर पानी डाला। "हाँ। वैसे, यह एक सच्ची कहानी है।"

“उन्होंने मुझसे कहा था कि इसे हमेशा याद रखना। क्या आप जानते हैं क्यों? और क्या यह कहीं लिखा हुआ है?”
“यह कहीं लिखा हुआ नहीं है, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्होंने इसे आपके जीवन के लिए एक दृष्टांत के रूप में आपको दिया है। कहानी के हर हिस्से को लें और पिछले सात वर्षों में आपने जो अनुभव किया है, उससे तुलना करें; मुझे लगता है कि आपको कुछ समानताएँ मिलेंगी… अरे! क्या आप बीयर पीने के लिए तैयार हैं?”
“सच कहूँ तो, मैं एक ट्रक भर के लिए तैयार हूँ; लेकिन एक ही काफी होगा। मुझे लगता है कि मैंने अपने शरीर के आधे वजन के बराबर पसीना बहा दिया है।” हम उठे और टीपी से बाहर निकल गए। घर में प्रवेश करने से ठीक पहले मैं उस जगह को पीछे मुड़कर देखने के लिए रुका जहाँ मेरी मृत्यु हुई थी। मैंने गर्मजोशी से मुस्कुराया, उम्मीद करते हुए कि जॉर्ज वहाँ मुझे देख रहा होगा।

अगली सुबह मैं और डेबी जाने के लिए तैयार हो गए। हम यहाँ ज़्यादा सामान लेकर नहीं आए थे, लेकिन यकीन मानिए, हम अपने साथ बहुत कुछ लेकर जा रहे थे। मैंने एडिथ को गले लगाया और चूमा, मेल का इतना अच्छा ख्याल रखने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। डेबी ने भी मेल और एडिथ को गले लगाया और अपने पति का इतना अच्छा ख्याल रखने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।
“अरे! मैं तो लगभग भूल ही गया था!” मेल दौड़कर ऊपर गया। जब वह लौटा तो उसकी बगल में एक कंबल था। उसे खोलकर देखने पर उसमें एक बड़ी हिरण की खाल दिखाई दी। उसने खाल को फर वाला हिस्सा नीचे की ओर करके मुझे वह चित्र दिखाया जिस

पर जॉर्ज द्वारा सुनाई गई कहानी बनी थी। “इसे अपनी दीवार पर लगाओ, जहाँ तुम इसे कभी नहीं भूलोगे। मुझे पता होना चाहिए था कि मुझे एक पैदल सैनिक के लिए यह कहानी लिखनी पड़ेगी।”
“हाँ, और ये तस्वीरों में भी है—उच्चारण करने के लिए कोई मुश्किल शब्द नहीं हैं,” डेबी ने मुस्कुराते हुए कहा। हम रसेलविले से निकलकर बोवी वापस आ गए, ताकि नई शुरुआत कर सकें।
जिन लोगों ने मुझे इस दुनिया में फिर से सहारा दिया, उनमें मेरे प्रिय मित्र माइक फोली भी थे, जो पनामा में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हो गए थे। निराशा के उन क्षणों में से एक में वे मुझसे मिलने आए थे, और उनके शब्द भविष्यवाणीय और स्पष्ट थे। उन्होंने और देवदूत ने जो कहा, उससे मुझे यह समझने में मदद मिली कि यहाँ जो कुछ घटित होता है, वह हमारे कर्मों की तुलना में कितना महत्वहीन है।
मेरे पुनर्जन्म की कुंजी मेरे भीतर ही थी। मेरी आत्मा की प्रतीकात्मक मृत्यु के अलावा, मुझे जिस एकमात्र चीज़ की आवश्यकता थी, वह मेरे पास पहले से ही थी: मेरे परिवार का सच्चा प्यार। और हाँ, मैं अपनी सारी परेशानियों का कारण लगभग भूल ही गया था: यह संदेश देना कि हम केवल शरीर नहीं हैं; हम आत्माएँ हैं जो पृथ्वी से शिथिल रूप से बंधी हुई हैं, और यहाँ हम जो जानते हैं उससे कहीं परे आयाम और संसार हैं। हमारे सपनों से भी कहीं अधिक है— लेकिन यदि हम इस जीवन के महत्व को नहीं समझ पाते, तो इन सब बातों का कोई अर्थ नहीं है।
आप जीवन भर आकाशीय तत्वों से जुड़कर अन्य लोकों का अन्वेषण कर सकते हैं, लेकिन एक दिन आपको घर लौटना ही होगा। आप देवताओं, अन्य मनुष्यों और अन्य प्रजातियों से मिल सकते हैं—और इसके लिए आप स्वयं को अद्वितीय समझ सकते हैं—लेकिन वे इस जीवन में आपका मार्ग प्रशस्त करने के लिए वहां मौजूद नहीं होंगे। सच्चा सुख तो हमें इस जीवन में दूसरों की सहायता करने में ही मिलता है। यह बात मैंने कठिन परिश्रम से सीखी है।
मैं जहाँ था और आज जहाँ हूँ, उसके बीच कई आँसू भरी, गुस्से से भरी रातें और दिन गुज़रे हैं। जीवन के इस मोड़ पर मैं बस इतना चाहता हूँ कि रिमोट व्यूइंग की कहानी हर उस व्यक्ति को सुनाऊँ जो सुनना चाहे, इसलिए नहीं कि यह अद्भुत या विवादास्पद है, बल्कि इसलिए कि इसमें पूरी मानवता के लिए एक संदेश छिपा है। वहाँ दूसरे संसार हैं, दूसरे आयाम हैं, जिनमें सभ्यताएँ

हैं, बुद्धिमत्ताएँ हैं, प्रेम है, घृणा है, सफलता है और असफलता है, वह सब कुछ जो हम अपनी दुनिया में अनुभव करते हैं। वहाँ परोपकारी और दुष्ट दोनों प्रकार की शक्तियाँ भी मौजूद हैं। कुछ का स्पष्ट उद्देश्य यहाँ हमारी प्रगति को नष्ट करना या रोकना है, और वे सदियों से अपने इस काम में लगे हुए हैं।
मुझे यह स्पष्ट हो गया कि दूरस्थ अवलोकन एक वरदान भी है और अभिशाप भी। देवदूत के संदेश से यह भी स्पष्ट हो गया कि सत्य मनुष्यों के हृदयों में होता है, दूसरों के संसार में नहीं। समारोह में यह स्पष्ट हो गया कि असफल होने में कोई शर्म नहीं है, चाहे आपने स्वयं को नई सीमाओं तक पहुँचाया हो या अपने हृदय की बात मानकर वही किया हो जो आपको सही लगा हो। बौद्धिक, आध्यात्मिक, नैतिक और सैद्धांतिक रूप से अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए कभी-कभी एक नई और जीवंत भावना को अपनाना पड़ता है। मैंने ईथर में बिताए वर्षों में बहुत कुछ सीखा; अब मुझे यह समझ आया कि आत्मा का जन्म, विकास, मृत्यु और पुनर्जन्म का चक्र शाश्वत है।

उपसंहार

दिसंबर 1995 में, मैंने घुटनों पर बैठकर विनम्रतापूर्वक डेबी से दोबारा शादी का प्रस्ताव रखा। पाँच साल से अधिक के अलगाव के बाद, उसने हाँ कह दी, और मेरे जीवन में दूसरी बार उसने मुझे दुनिया का सबसे खुश इंसान बना दिया। हमने व्योमिंग के पहाड़ों में, पेंट रॉक लॉज में शादी करने की योजना बनाई है। वहाँ हम एक चट्टान पर खड़े होकर उस दुनिया को निहारेंगे जिसे हम भूल चुके थे। वहाँ हम अपने सारे अकेलेपन और खाली रातों को भुलाकर पति-पत्नी के रूप में जीवन व्यतीत करेंगे। हमारा जीवन एक लंबा और कष्टदायक दौर रहा है, और अब आराम करने और फिर से प्यार करने का समय है।
डेबी और मैंने बच्चों से मेरे साथ घटी हर बात पर चर्चा करने का फैसला किया। मेरे कई फैसलों ने उन्हें इस तरह प्रभावित किया कि उन्हें जीवन भर उससे जूझना पड़ेगा। उनके सवालों के जवाब देना ही इस घाव को भरने की प्रक्रिया का पहला कदम होगा। मुझे अपने साथ हुई घटना पर कोई शर्म नहीं है, लेकिन मैं पांच साल से ज़्यादा समय तक उनके जीवन से दूर रहा और वे मुझे पहचान भी नहीं पाए। जब भी वे मुझे देखते थे, मैं या तो अस्पताल में होता था या फिर बेहोशी की हालत से बाहर आ रहा होता था। वे मेरे बिना ही बड़े हुए थे।
मैंने उनके बचपन के साल अमूर्त चीजों—विचारों, मान्यताओं और आदर्शों—की खोज में बिताए। मैंने उनके विकास में हिस्सा न लेने का त्याग किया ताकि मैं रिमोट व्यूअर के रूप में अपना काम जारी रख सकूँ, ताकि मैं उस प्रतिभा को सबके सामने ला सकूँ। मैं जीवन भर यह सोचता रहूँगा कि क्या मैंने सही किया? क्या मेरे पास कोई विकल्प था? मैंने वह रास्ता क्यों चुना और उससे मुझे क्या सबक मिले? और सबसे महत्वपूर्ण बात: अपने बच्चों को जो दुख भरी जिंदगी मैंने दी है, उसके बाद क्या वे मुझे कभी माफ कर पाएंगे और मुझसे दोबारा प्यार कर पाएंगे?
मैं अपने बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करता था, उन्हें यह समझाने की कोशिश करता था कि जो कुछ मैं सह रहा हूँ और उन्हें सहने पर मजबूर कर रहा हूँ, वह मानवता की भलाई के लिए है। शुरुआती वर्षों में, मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि मैं समकालीन सोच की नींव पर प्रहार कर रहा हूँ। हालाँकि मैं अपने द्वारा चुने गए रास्ते के लिए खेद व्यक्त नहीं कर सकता, लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने उनकी भावनाओं और संवेदनाओं

को किस तुच्छ तरीके से दबाया। मैंने खुद को यह समझा दिया कि बच्चे जल्दी ही बातों को भूल जाते हैं। लेकिन मैंने पाया कि बच्चे अपने माता-पिता के कार्यों से बहुत प्रभावित होते हैं। मेरे फैसलों और डेबी को मुझे संभालने में जो समय देना पड़ा, उसने मेरे प्रत्येक बच्चे के व्यक्तित्व पर अमिट छाप छोड़ी है। मुझे पता है कि वे इन घटनाओं को अपने बुरे सपनों में बार-बार दोहराएंगे।
काश, जीवन के इस चरण के अंत में, मैं पीछे मुड़कर कह सकूँ कि मैंने नियति के अनुसार ही कार्य किया, मैंने वही किया जो देवदूत—और मुझे लगता है, ईश्वर— ने मुझसे करने को कहा था, मैंने उस योजना का पालन किया जो मेरे इस संसार में आने से बहुत पहले ही स्थापित हो चुकी थी। मेरी इच्छा चाहे जो भी हो, मेरा यही विश्वास है: मैंने अपने बच्चों से कुछ छीन लिया है; मैंने उन्हें उन क्षेत्रों में चुनौती दी है जिनमें किसी बच्चे को प्रतिस्पर्धा नहीं करनी चाहिए; मैंने ऐसे घाव दिए हैं जहाँ कभी घाव नहीं होने चाहिए थे। जब मैं इस जीवन से विदा हो जाऊँगा, तो मैं अपने बच्चों के लिए एक जटिल और कष्टदायक विरासत छोड़ जाऊँगा। वे उन जटिलताओं से कैसे निपटेंगे, यह उन पर निर्भर है, लेकिन मुझे इस बात का दुख है कि उन्हें अपने पिता की स्मृति के बारे में निर्णय लेने होंगे। मैं अपने माता-पिता को हमेशा दयालु, बुद्धिमान और प्रेममय के रूप में याद रखूँगा; लेकिन मैं केवल अनुमान ही लगा सकता हूँ कि मेरे बच्चे मेरे बारे में कैसे बात करेंगे और मेरे साथ बिताए जीवन को कैसे याद करेंगे। अब हर बात पर चर्चा करने का समय आ गया था। एक शाम देर से डेबी और मैंने बच्चों को एक साथ इकट्ठा किया। मैं उनके चेहरों पर देख सकती थी कि अतीत के दर्द ने उन्हें खुद को बचाने के लिए तुरंत दीवारें खड़ी करने के लिए मजबूर कर दिया था।
"तुम्हारी माँ और मैं चाहते थे कि तुम जानो कि हम फिर से एक परिवार बनने के लिए बहुत मेहनत करने का इरादा रखते हैं, और मैंने तुम्हारी माँ से दोबारा शादी करने के लिए कहा है।"
“तुम्हारा कभी तलाक हुआ ही नहीं!” मारिया ने सपाट लहजे में कहा। “तुम दोबारा शादी कैसे कर सकते हो?”
“खैर, हम अपनी प्रतिज्ञाओं को फिर से दोहराने जा रहे हैं, जिसका मतलब है कि एक छोटी सी शादी होगी, जहाँ हम समारोह में और गवाहों की उपस्थिति में एक-दूसरे के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होंगे।” मैंने उनकी आँखों में देखने से

डरते हुए नज़रें नीचे कर लीं। “मेरा मतलब यह है कि मैं तुम्हारी माँ से प्यार करता हूँ, हमेशा से करता आया हूँ, और उनसे और तुमसे अलग रहना मेरे लिए बहुत दर्दनाक रहा है। मैं फिर से उनका पति बनना चाहता हूँ। मैं फिर से तुम्हारा पिता बनना चाहता हूँ।”
डैनियल की आँखों में पानी आ गया, लेकिन उसने आँसू पोंछ लिए, उन्हें गिरने और किसी को पता चलने देने से इनकार कर दिया। मारिया ने भी बड़ी मुश्किल से अपनी भावनाओं को काबू में किया; वह भी दर्दनाक यादों से जूझ रही थी। माइकल आगे की ओर झुका बैठा था, उसकी कोहनियाँ घुटनों पर टिकी थीं, उंगलियाँ आपस में गुंथी हुई थीं और उसकी निगाहें ज़मीन पर टिकी थीं।
मैंने आगे कहा, “हम दोबारा शादी करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आप हमारे साथ रहें, हमें एक-दूसरे के प्रति और आपके प्रति दोबारा प्रतिबद्ध होते हुए देखें।”
“माँ को हमसे दोबारा वादा करने की ज़रूरत नहीं है!” माइकल ने कहा। “वह हमेशा हमारे साथ रही हैं।” उसकी आँखों से एक आँसू बह निकला। “तुम ही हो जिसने हमें छोड़ा। तुम ही हो जिसने रिमोट व्यूइंग और बाकी सब बकवास को हमसे ज़्यादा ज़रूरी समझा। तुम ही हो जिसने हमें हमेशा के लिए छोड़ने की कोशिश की। अब तुम हमसे क्या चाहती हो?”
उसका दर्द और उसके शब्दों की सच्चाई चुभ गई। मारिया का शरीर सिसकियों से कांप रहा था। डैनियल अपनी माँ के पास दौड़ी और उन्हें गले लगा लिया, मानो कह रही हो, "मेरी रक्षा करो।" डेबी ने अपनी छोटी बेटी को गले लगाया, उंगलियों से उसके बाल संवारते हुए उसे दिलासा देने वाले शब्द फुसफुसाए। उसने उसे शांत करने के लिए धीरे से झुलाया और चुपचाप रोती रही, जबकि मैं अपने और अपने परिवार के बीच की दूरी को पाटने के लिए शब्द ढूंढने की कोशिश कर रही थी।
मैंने अपने चेहरे से आंसू पोंछे और बड़ी मुश्किल से खुद को संभालते हुए बोली, “मुझे पता है कि मैंने हमारे परिवार को बहुत दुख पहुंचाया है।” मैंने गहरी सांस ली और अपने शब्दों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। “मैं समय को वापस नहीं ला सकती और बीते समय के फैसलों को नहीं बदल सकती।
अगर मुझे पता होता कि मैंने जो फैसले लिए हैं उनसे कितना नुकसान होगा, तो मैं वो फैसले नहीं लेती। लेकिन फिर भी, मुझे पता होना चाहिए था कि मैं हम सबके साथ क्या कर रही थी। मैंने वही किया जो मुझे लगा कि मुझे करना चाहिए।

मैंने अपने भीतर गहराई से देखा और सोचा कि मैं वही कर रही हूं जो भगवान मुझसे करवाना चाहते हैं। मुझे मानना ही होगा कि मैं सही थी। मैंने एक बहुत ही कीमती चीज को छिपाव से बाहर निकाला, और मुझे लगा कि इसकी कीमत सिर्फ मैं ही चुका रही हूं। ऐसा सोचना मेरी मूर्खता और स्वार्थ था। मुझे आप सबको बताना चाहिए था कि क्या हो रहा है। मुझे तब भी वही करना चाहिए था जो मैं अब कर रही हूं, और आप सबको यह तय करने देना चाहिए था कि आप मेरा साथ देंगे या नहीं। लेकिन हुआ ये कि मैंने सारे फैसले आप सबके बिना ही लिए। मैं गलत थी।” “आप बहुत गलत थे!” मारिया सिसकते हुए बोली। “जब हम छोटे थे, तब हम जानते थे कि आप एक सैनिक हैं। हम समझते थे कि आप क्यों गए थे, और हम हमेशा जानते थे कि अगर आपकी मृत्यु नहीं हुई, तो आप हमारे पास वापस आएंगे। हम जानते थे कि आप हमसे प्यार करते थे, लेकिन जब आप पाँच साल पहले हमें छोड़कर गए थे, तब हमें यह पता नहीं था। हाँ, आप कभी-कभार क्रिसमस पर मिलने आते थे, या कभी- कभार हमें फोन करते थे—लेकिन आप अब हमारे पापा नहीं थे, आप कोई और थे!” “तुम हमारी ज़िंदगी में अजनबी थे,” माइकल ने सहमति जताते हुए कहा, अभी भी मेरी तरफ देखे बिना। “तुम आते-जाते रहे, तुमने हमारे दोस्त बनने की कोशिश की या हमें बताने की कोशिश की कि क्या करना है; लेकिन”—वह व्यंग्य से हँसा — “हम सोचते थे कि आखिर ये कौन होता है जो साल में पाँच दिन यहाँ आकर कुछ बदलाव लाने की कोशिश करे? मतलब, तुम हमारे पिता समान थे, लेकिन तुम गली के उस पार रहने वाले किसी आम आदमी से अलग नहीं थे। मुझे अपने कोचों से तुमसे कहीं ज़्यादा सीखने को मिला!” वह सिसकते हुए मेरी तरफ देखने लगा, उसकी आँखों में प्यार, दर्द और उदासी भरी थी। “तुमने हमें उस चीज़ के लिए छोड़ दिया जिसे हम देख भी नहीं सकते थे! अगर तुमने माँ को किसी दूसरी औरत के लिए छोड़ा होता, तो शायद हम सह लेते, लेकिन जिसके लिए तुमने हमें छोड़ा वह अदृश्य था। हम तुम्हारे फ़रिश्ते को देख नहीं पाए! हमें नहीं पता था कि बुरे सपनों में क्या होता था! हमें ईथर या जो भी तुम उसे कहते हो, उसमें तुम्हारी कोई दिलचस्पी नहीं थी। हमें बहुत दुख हुआ! और हमारे सामने गुस्सा करने के लिए कुछ भी नहीं था, बस हमारे पिता की पुरानी यादें थीं।” उसने अपने गालों से आँसू पोंछे और अविश्वास से सिर हिलाया। “क्या तुम जानते हो कि फोर्ट ब्रैग आकर तुम्हें भूखा मरते देखना मेरे लिए कैसा था? या डॉक्टर से यह सुनना कैसा था कि मेरे पिता ने आत्महत्या करने की कोशिश की

थी? क्या तुम्हारे पिता ने कभी तुम्हारे साथ ऐसा किया था?” उसने दर्द भरी निगाहों से मेरी आँखों में देखा। “तो क्या उन्होंने किया था?”
“नहीं, मेरे पिता ने मुझे कभी भी उस तरह की स्थिति में नहीं डाला जैसा मैंने तुम लोगों को डाला है। मेरे पिता ने सही निर्णय लिए होते। मुझे उम्मीद है कि मेरी वजह से तुम लोग अपने परिवारों के साथ गलत निर्णय नहीं लोगे।”
“यकीन मानिए,” मारिया ने कहा, “मैं अपने बच्चों और पति के साथ कभी वो नहीं करूंगी जो आपने हमारे साथ किया। मैं जानती हूँ कि आपके पिता को इस तरह टूटते देखना कितना दर्दनाक होता है। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगी। मैं कभी नहीं चाहती कि मेरे बच्चों को ऐसा लगे कि दुनिया खत्म हो गई है, जैसे वे भी मरना चाहते हैं क्योंकि उनके पिता मरना चाहते हैं।”
डेबी ने डेनियल के गाल पर चुंबन किया और बोलते हुए उसे मेरी ओर घुमाया। “यह बच्चों के बोलने का समय है, इसलिए मैं यहाँ एक बात कहूँगी और फिर चली जाऊँगी। आपको और आपके पिता को इस बारे में बात करनी होगी कि क्या हुआ है। आप सभी को इस मामले को सुलझाना होगा और किसी नतीजे पर पहुँचना होगा।” वह अपने विचारों को इकट्ठा करने के लिए रुकी। “मैं यह समझाने की कोशिश करना चाहती हूँ कि मुझे क्यों लगता है कि आपके पिता ने आत्महत्या करने की कोशिश की। आपको यह समझना होगा कि सेना पिताजी को ऐसी दवाएँ दे रही थी जो उनके सोचने के तरीके को बदल रही थीं। उनका मकसद उस देवदूत को दूर करना था ताकि आपके पिता उसके बारे में बात करना बंद कर दें। दवाएँ बहुत शक्तिशाली और ज़हरीली थीं; उन्होंने चीजों को देखने और समझने के उनके तरीके को बिगाड़ दिया। डॉक्टरों ने उनकी मानसिक स्थिति बिगाड़ने की कोशिश की, और सेना ने उनका करियर छीनने की कोशिश की। दवाओं के प्रभाव में, उन्हें लगा कि उनका जीवन समाप्त हो गया है।”
“मुझे ऐसा लगा जैसे मुझे मौत की सजा सुना दी गई हो,” मैंने कहा। “मेरे मन में, यहाँ मेरे लिए कुछ भी नहीं बचा था। मेरी हर प्यारी चीज़ मुझसे छीन ली गई थी; मेरा परिवार, सेना में मेरा जीवन, मेरा स्वाभिमान, मेरी प्रतिष्ठा, मेरा भविष्य, आप सभी का भरण-पोषण करने की मेरी क्षमता। मुझे लगा कि मेरे पास किसी को देने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। जिधर भी मुड़ा, और भी भयानक परिस्थितियाँ मेरा इंतज़ार कर रही थीं। दोस्तों ने मेरा साथ छोड़ दिया; लोगों ने मेरे बारे में झूठ बोला; जिन लोगों को मेरी और मेरे परिवार की

रक्षा करनी चाहिए थी, उन्होंने अपने करियर को बचाने के लिए मुझसे मुँह मोड़ लिया। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने बांध के द्वार खोल दिए हों और मैं निकास द्वार पर जंजीरों से जकड़ा हुआ हूँ। मैं पूरी तरह से टूट चुका था, और मैं सब कुछ खत्म करना चाहता था! ईश्वर का शुक्र है कि आप और आपकी माँ हैं; आप सभी ने मुझे शक्ति, आशा और साहस दिया।”
मुझे याद है, तुम्हारी माँ अस्पताल में मेरे पास आई और बोली, ‘वे तुमसे सब कुछ छीन सकते हैं, सिवाय तुम्हारी ईमानदारी और तुम्हारे परिवार के। अगर कल सब कुछ खत्म हो जाए, वो सब कुछ जिस पर तुम विश्वास करते थे, तब भी हम यहाँ रहेंगे, हम तुमसे प्यार करते रहेंगे और तुम्हारी ईमानदारी और वो सिद्धांत जिन पर तुमने अपना फैसला आधारित किया था, सब तुम्हारे साथ रहेंगे।’ जब उन्होंने ये कहा, तो मेरे ठंडे और अंधेरे दिमाग में एक रोशनी जगी। मैं नशे की धुंध और घटनाओं के दर्द से बाहर निकलने लगा और मुझे एहसास हुआ कि सेना ने क्या किया या डॉक्टरों ने क्या करने की कोशिश की, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मायने सिर्फ हम रखते थे, हमारा परिवार।’
“मैंने वही किया जो मुझे लगता है कि फरिश्ते ने मुझसे करने को कहा था। मैंने सिद्धांतों के आधार पर और पूरी मानवता के हित में रिमोट व्यूइंग को सबके सामने लाने का काम किया, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर इसका सही इस्तेमाल किया जाए तो यह हम सबके लिए अद्भुत काम कर सकता है। मैंने यह सब अकेले किया, और यहीं मुझसे गलती हुई। मुझे विश्वास नहीं था कि तुम और तुम्हारी माँ मेरा साथ दे पाओगे; मुझे विश्वास नहीं था कि तुम मेरे सपने और मेरी उम्मीदों को साझा करोगे, और मैंने तुम्हें उनके लिए कुर्बान कर दिया। मैं गलत था, और मैं यह जानता हूँ।” मैं फूट-फूटकर रोने लगा, अपने दुख और पछतावे को काबू नहीं कर पा रहा था। अब मैं बस आपसे क्षमा मांग सकता हूँ, पिता बनने का दूसरा मौका मांग सकता हूँ, और आपकी माँ और मेरे द्वारा किए जाने वाले संकल्प, यानी अपने वचनों को नवीनीकृत करने के लिए आपका आशीर्वाद मांग सकता हूँ। मैं अब कोई बहाना नहीं बना सकता; आप मेरे जीवन का हिस्सा हैं और मैं आपको फिर कभी नहीं छोडूंगा। मैं यह सोच भी नहीं सकता कि हम फिर कभी एक परिवार नहीं होंगे। आपके बिना, जो हमारे द्वारा सहे गए कष्टों की गवाही देते हैं, मैं इस जीवन में अपना योगदान पूरा नहीं कर सकता। मैं केवल आप सबके साथ ही मजबूत होता हूँ। आपके बिना मैं कमजोर हूँ। आपके बिना मैं खोया हुआ हूँ। आपके बिना मैं कुछ भी नहीं हूँ।

मारिया धीरे से उठी और मेरे पास आई। उसने मेरा सिर पकड़ा और उसे ऐसे सहलाया जैसे मैं कोई बच्चा हूँ। माइकल और डेनियल ने मुझे और एक-दूसरे को गले लगाया, और डेबी भी खुशी से इसमें शामिल हो गई।
“हम तुम्हारे ही हिस्से हैं,” माइकल ने ऐसे शब्द कहे जो अठारह साल के किसी लड़के को कभी नहीं कहने चाहिए। “समय के साथ हम सब ठीक हो जाएंगे। हम जानते हैं कि तुमने वही किया जो तुम्हें सही लगा। और, जैसा कि दादा बॉश कहते हैं, ‘जब आप किसी चीज़ पर पूरी तरह से विश्वास करते हैं, तो आपको आग की लपटों से होकर उसे हासिल करना ही पड़ता है।’ तुमने अपने विश्वास को पाने के लिए आग की लपटों से भी आगे बढ़कर काम किया, और मुझे पता है कि हम सब इसका सम्मान करते हैं। एक तरह से हमें तुम्हारे किए पर गर्व है। तुम्हारे साथ जो हुआ वह घटिया और बेरहम था, और हम सब इसे याद रखेंगे। मुझे तुम्हारे कार्यों पर कोई शर्म नहीं है!”
“मैं भी नहीं,” मारिया ने कहा।
"मुझे आप पर शर्म नहीं है, पापा," डेनियल ने मेरे गाल पर चुंबन करते हुए और अपने और मेरे चेहरे से आंसू पोंछते हुए कहा।
मैंने रुंधे हुए स्वर में कहा, "धन्यवाद। मुझ पर और मेरे इरादे पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। तो क्या आप सब शादी में केक खाएंगे?"
"क्या मुझे दूल्हे का सबसे अच्छा दोस्त बनने का मौका मिलेगा?" माइकल ने नम आंखों से मुस्कुराते हुए पूछा।

डेबी द्वारा मेरे विवाह प्रस्ताव को स्वीकार करने से कुछ महीने पहले, मुझे अपने नए करियर में से एक पर काम शुरू करने का अनूठा अवसर मिला: मैंने मिखाइल गोर्बाचेव फाउंडेशन के पहले वार्षिक स्टेट ऑफ द वर्ल्ड फोरम में भाग लिया। मैं जॉर्ज बुश, श्री गोर्बाचेव, ज़बिग्न्यू ब्रेज़िंस्की, सीनेटर एलन क्रैनस्टन और जापान और कनाडा के प्रधानमंत्रियों जैसे लोगों के बीच बैठा था। विश्व नेताओं, अध्यात्मवादियों, वैज्ञानिकों, लेखकों और शांतिदूतों का एक विविध समूह पाँच दिनों के लिए एकत्रित हुआ ताकि कुछ ऐसे समाधान निकाले जा सकें जो "नई विश्व व्यवस्था" को आशा और दिशा प्रदान कर सकें। मानवता के भविष्य पर कई गोलमेज चर्चाओं में से एक में, मैंने अहिंसक हथियारों पर चर्चा की - जो जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया था, मेरी सैन्य सेवा के अंतिम वर्षों में मेरे जुनून में से एक बन गया था। इन महान पुरुषों

और महिलाओं की उपस्थिति में होना मेरे लिए एक विनम्र अनुभव था, और मैं प्रार्थना करता हूँ कि एक दिन मुझे फिर से उनकी संगति का लाभ मिले।

सम्मेलन समाप्त होने के बाद मैंने लिखना शुरू किया। अपने अनुभवों को फिर से जीना दर्दनाक था, लेकिन साथ ही मन को शांति देने वाला भी। हर दस भयानक और नकारात्मक घटनाओं के बीच, मुझे हमेशा आशा की एक छोटी सी किरण मिल जाती थी—उदाहरण के लिए, किसी ने मुझे सबसे दर्दनाक समय में एक पत्र दिया था। अपने साथियों के प्रोत्साहन भरे शब्दों को दोबारा पढ़ना अच्छा लगा। एक कर्नल ने सेना और कुछ व्यक्तियों द्वारा मेरे साथ किए गए व्यवहार के लिए माफी मांगी। यह जानकर कि उन्हें पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से शर्मिंदगी महसूस हुई, मुझे नई ताकत मिली और जब अवसाद फिर से हावी होने लगा तो मुझे लिखना जारी रखने का प्रोत्साहन मिला। और एक कर्नल, जो अब ब्रिगेडियर जनरल हैं, ने लिखा, "यह भी गुजर जाएगा!" अब मुझे एहसास होता है कि उन शब्दों ने मुझे अपनी परेशानियों से उबरने में कितनी मदद की।
जब मैं यह लेख लिख रहा था, अक्टूबर 1995 में, केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने रक्षा खुफिया एजेंसी के सहयोग से, सरकार के मानसिक अनुसंधान और पूर्व मानसिक युद्ध कार्यक्रम, स्टारगेट (जिसे पहले सन स्ट्रीक के नाम से जाना जाता था) के बारे में एक सुनियोजित और प्रभावी मीडिया अभियान शुरू किया। देश भर के समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों में, अनुसंधान विशेषज्ञ और कार्यक्रम से कथित तौर पर जुड़े लोग अमेरिकी जनता को कार्यक्रम के बारे में बताने के लिए सामने आए।
मैंने मेल और बाकी लोगों से फोन पर इस बारे में हँसते हुए बात की। हममें से किसी ने भी उन लोगों के बारे में नहीं सुना था जो टेलीविजन पर आकर कार्यक्रम से जुड़े होने का दावा कर रहे थे और अपने "दीर्घकालिक" शोध और विश्लेषण के आधार पर मात्र 15 प्रतिशत सटीकता दर बता रहे थे। उन्होंने निश्चित रूप से मेरे या मेल के आंकड़ों की जाँच नहीं की थी।
मेरा इरादा सीआईए के इरादों या आंकड़ों पर सवाल उठाना नहीं है। मैं सिर्फ अपना अनुभव साझा कर सकता हूँ। जब मैं युवा कप्तान था, तब सेना के खुफिया मामलों के उप प्रमुख, जो सेना में सर्वोच्च पदस्थ खुफिया अधिकारी थे, से हुई बातचीत के दौरान मुझे एक अमूल्य सबक मिला। उन्होंने मुझे और वहाँ मौजूद दो अन्य लोगों से कहा: “सीआईए तब तक कुछ नहीं करती, कुछ नहीं कहती,

कुछ होने नहीं देती जब तक उसके अपने हित पूरे न हों। वे इस देश में अब तक के सबसे बड़े झूठे और चोरों का समूह हैं और एक घृणित संस्था हैं।” ये उनके शब्द हैं, मेरे नहीं, लेकिन ये मेरे मन में बस गए। अगर उनकी बात सच है, तो अपने हितों की पूर्ति के लिए सीआईए सिर्फ वही बातें पेश करती है जो उसे लगता है कि आम अमेरिकी नागरिक को सुननी चाहिए, या जो उसे लगता है कि जनता को सीआईए के मनचाहे निष्कर्षों की ओर ले जाएंगी।
सीआईए का काम पूरे देशों की विचारधाराओं में हेरफेर करना है। मुझे शक है कि अगर उन्हें फायदा हो तो वे अपने ही घर में भी ऐसा करने से पीछे नहीं हटेंगे। गुप्त कार्यक्रमों की सबसे अहम बात यह है कि वे न सिर्फ बुरे लोगों को, बल्कि अच्छे लोगों को भी, चल रही गतिविधियों का पता लगाने से रोकते हैं। यह व्यवस्था गुप्त जानकारी रखने वाले को अपार शक्ति देती है। मुझे नहीं लगता कि सीआईए के निदेशक या डीआईए, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी या पेंटागन के किसी भी शीर्ष नेता का इस दुष्प्रचार अभियान में हाथ है। उनके पास इससे कहीं ज़्यादा ज़रूरी काम हैं। हालांकि, उनके अधीनस्थ अधिकारी अपने वरिष्ठों को वही बताते हैं जो वे उन्हें सुनाना चाहते हैं, और फिर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ज़रूरी समझे जाने वाले किसी भी कार्यक्रम को लागू करने की अनुमति प्राप्त कर लेते हैं। आप पूछ सकते हैं कि वरिष्ठ अधिकारी को यह क्यों नहीं पता होता कि उन्हें किस तरह के फैसले के लिए निर्देशित किया जा रहा है। दरअसल, खुफिया विभाग के ज़्यादातर वरिष्ठ अधिकारियों को यह नहीं पता होता कि उनके अधीनस्थ क्या कर रहे हैं। अगर आप सीआईए के निदेशक होते, तो क्या आप अपने अधीन हर एक कार्यक्रम की बारीकियों को जानना चाहते? नहीं: एक व्यक्ति के लिए इतने सारे कार्यक्रमों की निगरानी करना संभव नहीं है। यही बात डीआईए और एनएसए पर भी लागू होती है। एक बार फिर, यह खुफिया हलकों में जानकारी के बंटवारे का ही नतीजा है। केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही असली कहानी पता है, और उन्हें भी नहीं पता कि उन्हें कब पता चल गया है।
1995 के पतझड़ में न केवल दुष्प्रचार का एक बड़ा अभियान चलाया गया, बल्कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाली अधिकांश जानकारी भी भ्रामक थी। दरअसल, लिन बुकानन ने इन सभी झूठों का जवाब देने के लिए एक वेब पेज बनाया था। इस पेज की खासियत यह थी कि स्टारगेट/सन स्ट्रीक से जुड़े लगभग सभी लोग और कई सालों से इंटरनेट पर काम कर रहे वास्तविक रिमोट व्यूअर्स नियमित रूप से इस पर

लॉग इन करते थे और अपने अनुभव साझा करते थे। यह पेज लोकप्रियता हासिल कर रहा था और दुनिया भर के लोग नियमित रूप से इसका मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन एक दिन किसी ने उस मेनफ्रेम कंप्यूटर को हैक कर लिया, जिस पर यह वेब पेज रखा था। यह लिन का कंप्यूटर नहीं था, बल्कि उस कंपनी का था जो लिन के पेज समेत कई वेब पेज प्रकाशित और प्रबंधित करती थी। हैरानी की बात यह है कि हैकर ने केवल लिन बुकानन की फाइलें ही मिटाईं। मेरे विचार से, किसी व्यक्ति या समूह को यह बात पसंद नहीं आई कि वास्तविक सरकारी रिमोट व्यूअर्स इंटरनेट पर आकर सीआईए और अन्य एजेंसियों के दावों का बिंदुवार खंडन कर रहे थे।
लिन और सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ने फाइलों को दोबारा इंस्टॉल करने और पेज को फिर से ऑनलाइन करने के लिए तीन दिन तक जी-तोड़ मेहनत की। वे सफल तो हो गए, लेकिन बहत्तर घंटों के भीतर ही किसी ने सिस्टम को फिर से हैक कर लिया, और इस बार उन्होंने पूरे सिस्टम और उस पर मौजूद हर चीज़ को नष्ट कर दिया। मुझे नहीं पता कि लिन अब आगे क्या करेंगे। मुझे उम्मीद है कि वे पेज को फिर से बनाएंगे और उसे दोबारा ऑनलाइन कर देंगे। हमें सच्चाई सामने लाने की ज़रूरत है।
सैकड़ों लोग दावा करते हैं कि वे रिमोट व्यूअर हैं और आपको भी ऐसा बनने का प्रशिक्षण दे सकते हैं। वे कहते हैं कि उनके पास इस क्षेत्र की सारी जानकारी है। जब आप इनमें से किसी "विशेषज्ञ" को देखें या सुनें, तो खुद से पूछें: "इस विशेषज्ञ (और उनके संस्थान) को शोध के लिए धन कहाँ से मिलता है— निजी तौर पर या सरकार से? क्या वे किसी और अनुदान या अनुबंध की प्रतीक्षा कर रहे हैं?" यदि आप सच्चाई जानना चाहते हैं, तो थोड़ी सी मेहनत से आप इसका पता लगा सकते हैं। मेरा मानना है कि सरकार मानसिक और अलौकिक शोध को वित्त पोषित करना जारी रखे हुए है, चाहे सीआईए आपको कुछ भी विश्वास दिलाए। और जो लोग पैसे कमाने के लिए धन की तलाश में हैं, वे अगले अनुबंध को सुरक्षित करने के लिए धन देने वाले के कहने पर कुछ भी कह देंगे। किसी भी क्षेत्र की तरह, यहाँ भी वैध शोधकर्ता हैं और धोखेबाज भी। कुछ लोग पैसा कमाने की कोशिश कर रहे हैं, कुछ अपना नाम बनाने या अपनी प्रतिष्ठा बचाने की। कुछ लोग वास्तव में मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। रिमोट व्यूइंग के बारे में अधिक जानने में रुचि रखने वालों को प्रशिक्षण देने वालों पर बहुत ध्यान से नजर रखनी चाहिए और जो कुछ भी वे देखते या सुनते हैं, उसका सावधानीपूर्वक

मूल्यांकन करना चाहिए। जब तक पूर्ण सत्य सामने नहीं आ जाता—जब तक जनता इसे सामने लाने के लिए मजबूर नहीं करती ताकि इसका उपयोग समाज के लाभ के लिए किया जा सके—तब तक विज्ञान की चमत्कारी क्षमता खुफिया समुदाय के अभिलेखागार में कहीं छिपी रहेगी।
इस मुद्दे पर मेरी एक आखिरी टिप्पणी है: मेरा मानना है कि खुफिया उद्देश्यों के लिए रिमोट व्यूइंग आज भी पूरी तरह से वित्तपोषित, बेहद गुप्त और बेहद सुरक्षित है—और अब बेहद घातक भी। मुझे नहीं लगता कि सरकार स्टारगेट/सन स्ट्रीक वाली गलती दोहराना चाहती है। मैं तीन ऐसे रिमोट व्यूअर्स को जानता हूँ जो अभी भी सरकार समर्थित रिमोट व्यूइंग कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। मेल, लिन और मेरा मानना है कि वे अब सीआईए के लिए एक ऐसे ही कार्यक्रम के तहत काम कर रहे हैं जो पुराने सन स्ट्रीक के समानांतर है। हमें हमेशा से शक था कि कोई दूसरा कार्यक्रम भी है, जो हमारे कार्यक्रम से कहीं अधिक गुप्त और शक्तिशाली है; मुझे इसके बारे में एक बहुत विश्वसनीय सूत्र से पता चला जिसने कई साल पहले एक संयमी और गुप्त समूह को प्रशिक्षित करने की बात कही थी। उसने इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया, और मैं समझता हूँ कि उसे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए। आम चर्चा यह है कि खुफिया एजेंसियों में रिमोट इन्फ्लुएंसिंग का बोलबाला है। मेरा मानना है कि सीआईए इस कपटपूर्ण तकनीक में गहराई से शामिल है। अगर वे हजारों मील दूर से किसी को हत्या करने के लिए प्रभावित कर सकते हैं—और रिमोट इन्फ्लुएंसिंग में यह क्षमता है—तो उनके पास एक बेहद मूल्यवान हथियार होगा।
रिमोट व्यूइंग कोई खत्म हो चुका मुद्दा नहीं है; यह गायब नहीं हुआ है।

सीआईए द्वारा रिमोट-व्यूइंग की कहानी का अपना संस्करण सामने लाने के तुरंत बाद, मुझे डॉ. डामिओली का फोन आया, जो मनोचिकित्सक थे जिन्होंने वाल्टर रीड में सबसे पहले मेरा इलाज किया था।
“क्या आपने अखबार देखे हैं?” उसने पूछा।
“हां,” मैंने कहा।
“है ना रोमांचक? अब मैं हर बात कर सकता हूँ। अगर अनुमति हो तो मैं आपसे जल्द से जल्द मिलना चाहूँगा।”
"मैं आपसे कल मिल सकता हूँ, लेकिन मैं डेबी को भी साथ लाना चाहूँगा।" "निश्चित रूप से!"

अगले दिन शाम पांच बजे डेबी और मैंने डॉक्टर के क्लिनिक का दरवाजा खटखटाया।
“कृपया बैठ जाइए, मैं आप सभी से इस बारे में बात करना चाहता हूँ।” डॉ. डामिओली ने सीआईए की मानसिक युद्ध में संलिप्तता के बारे में लेख वाला द वाशिंगटन पोस्ट की एक प्रति दिखाई।
डेबी और मैंने सिर हिलाया। "यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा हमने कहा था, है ना?"
“मुझे आप पर एक पल के लिए भी शक नहीं हुआ। जब आपके स्टारगेट मनोवैज्ञानिक ने मुझसे स्वीकार किया कि यह कार्यक्रम मौजूद है और मुझे सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए, तो मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ तो बात है। जब आप मेरे साथ थे, तब मैं आपके लिए कुछ नहीं कर सका; मेरे हाथ बंधे हुए थे।”
“तुम्हारे हाथ किसने बांधे? तुम्हारा मतलब क्या है?”
“सरकार, मेरे सुपरवाइजर... उन्होंने मुझे आपको दवाइयां देने का आदेश दिया और आपका निदान बदलने का भी आदेश दिया। वे चाहते थे कि मैं आपको मनोरोगी और भ्रमित बताऊं, लेकिन मैंने इनकार कर दिया।” डॉक्टर ने कुछ देर सोचा। “इसकी वजह से मुझे अस्पताल में अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।”
“लेकिन आप तो वार्ड के अटेंडिंग फिजिशियन थे; आप एक वरिष्ठ मनोचिकित्सक थे। वे आपका कुछ बिगाड़ कैसे सकते थे? और आप तो आम नागरिक थे; आपको तो पूरी तरह सुरक्षित होना चाहिए था!” डेबी ने कहा।
“यही बात इसे अविश्वसनीय बनाती है। जब मैंने निदान बदलने से इनकार कर दिया, तो उन्होंने मुझसे वह पद छीन लिया जिसके लिए मैंने इतने वर्षों तक मेहनत की थी। मुझे अपने सहकर्मियों से अलग कर दिया गया और मेरा पेशेवर करियर बर्बाद हो गया। मुझे अपने पेशेवर रिकॉर्ड की रक्षा के लिए एक वकील नियुक्त करना पड़ा, लेकिन बारह साल की सरकारी सेवा के बाद मुझे इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैंने सब कुछ खो दिया—मेरी पेंशन, सब कुछ। मैं चाहती थी कि आप जानें कि मैंने आपको नहीं छोड़ा। वे आपको मुझसे छीनकर फोर्ट ब्रैग भेज गए, जहाँ वे आप पर पूर्ण नियंत्रण रख सकते थे।”
हम सब स्तब्ध रह गए। मैंने कहा, "माफ़ कीजिए, डॉक्टर साहब। मैंने तो सिर्फ़ सोलह साल खोए, लेकिन आपने पूरी ज़िंदगी खो दी। हमें बताने के लिए धन्यवाद। क्या आपको कोई आपत्ति है अगर हम किसी वकील से आपका बयान दर्ज करवा लें— मेरा मतलब है, रिकॉर्ड के लिए?"

“बिल्कुल नहीं! मैं बस आपको यह बताना चाहता हूँ कि अगर आप सम्मानजनक डिस्चार्ज के लिए लड़ना चाहते हैं, तो मैं हर कदम पर आपके साथ हूँगा। आपको वही मेडिकल डिस्चार्ज मिलना चाहिए था जो मैंने माँगा था, और आज मैं उसका और भी ज़ोरदार समर्थन करता हूँ! मुझे तो आपके रिकॉर्ड में बदलाव करने का आदेश भी दिया गया था। और याद है ना कि मैंने आपको एंटीसाइकोटिक्स की सबसे कम संभव खुराक दी थी?”
“कोई फर्क नहीं पड़ा,” डेबी ने गुस्से से कहा। “फोर्ट ब्रैग पहुँचने के बाद उन्होंने दवा की खुराक जितनी हो सके उतनी बढ़ा दी। डेविड लगभग एक ज़ोंबी बन गया था।”
“सब कुछ खत्म हो गया, और शुक्र है कि हमें अपनी जिंदगी जीनी है,” मैंने कहा। “मुझे दुख है कि मेरी इस खोज में आप भी मारे गए। लेकिन तहे दिल से हम आपके वहां मौजूद रहने के लिए आपका शुक्रिया अदा करते हैं।”
डॉक्टर थोड़ी देर रुके। “डेविड, मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ। तुमने दो काम करके उन्हें हराया। तुमने आत्महत्या नहीं की, जो मुझे लगता है कि वे असल में चाहते थे कि तुम करो। और तुमने कभी हार नहीं मानी। तुमने कभी भी अपनी कहानी बताना बंद नहीं किया। तुमने उन्हें यह बात बताने पर मजबूर कर दिया।”
मैं यह तो नहीं बता सकती कि डेबी को कैसा लगा होगा, लेकिन यह सुनकर मुझे बहुत राहत मिली। डॉ. डामिओली की कहानी से यह साबित हो गया कि मेरा मुकदमा जितना लोग जानते थे उससे कहीं ज़्यादा गंभीर था। लेकिन मैं मरी नहीं और मेरा परिवार सुरक्षित है। उनकी जीत नहीं हुई; मेरी हुई है।

लिन बुकानन, मेल रिले और मैं बाल्टीमोर में एक असाधारण मिलन के लिए पहुंचे। लिन दक्षिणी मैरीलैंड के मैकेनिक्सविले से गाड़ी चलाकर मेरे घर बोवी पहुंचे। हम दोनों ने स्कूली बच्चों की तरह एक-दूसरे का अभिवादन किया, डेबी के मीठे रोल और मेरी कॉफी का भरपूर आनंद लिया, फिर विस्कॉन्सिन से आए मेल से मिलने के लिए रवाना हुए। सालों बाद मैंने उन्हें एक साथ देखा था। हम बाल्टीमोर काउंटी पुलिस विभाग की ओर से अतीत की यादों को ताजा करने के लिए एकत्रित हुए थे।
हमारी पहली मुलाकात विभाग की आपराधिक प्रोफाइलिंग इकाई के प्रमुख, डिटेक्टिव लेफ्टिनेंट सैम बोवरमैन से हुई। मेल और मैंने सन स्ट्रीक

कार्यक्रम के बारे में बात की; चूंकि यह कार्यक्रम गोपनीय था, इसलिए लिन ने रिमोट व्यूइंग के बारे में केवल सामान्य शब्दों में ही चर्चा की। हालांकि, हमने रिमोट व्यूअर के रूप में अपनी क्षमताओं का वर्णन किया। और हमने अपनी सीमाओं को भी स्पष्ट रूप से बताया; हम जानते थे कि कई लोग पैसे लेकर "100 प्रतिशत सटीक परिणाम की गारंटी" दे रहे थे, और हम ऐसे दावों से जुड़ना नहीं चाहते थे, जो झूठी उम्मीदें जगाकर पैसा कमाते हैं। यह हुनर इसके लिए नहीं है। दूसरी ओर, हम जानते थे कि हम विभाग की मदद के लिए क्या कर सकते हैं; और हम इसे साबित करने के लिए तैयार थे।
मैंने कहा, “हम चाहते हैं कि आप जानें कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। यह कोई जादू नहीं है!”
लिन ने बीच में कहा, "नहीं, ऐसा नहीं है। यह एक ऐसा अनुशासन है जिसमें अनुमान या अटकलों का कोई स्थान नहीं है।"
मैंने लेफ्टिनेंट के चेहरे पर संदेह के कोई संकेत देखने के लिए ध्यान से देखा, लेकिन लिन के बोलते रहने पर उन्होंने पलक भी नहीं झपकाई; वे एक स्पंज की तरह सब कुछ सोख रहे थे, फैसला सुनाने से पहले सबूतों का इंतजार कर रहे थे। लिन के बोलते समय, मैंने किताबों की अलमारियों और दस्तावेजों पर नजर डाली। बोवरमैन कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे; उनके पास मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री थी, और उस डिप्लोमा के आसपास अनगिनत पुरस्कार और पदक, विभाग के प्रशस्ति पत्र और यूनिट की यादगार चीजें टंगी हुई थीं। उन्होंने अपने डेस्क और अलमारी पर अपने बच्चों की तस्वीरें गर्व से सजा रखी थीं; उनकी फाइलों पर लगे लेबल से पता चलता था कि वे स्थानीय विश्वविद्यालय में आपराधिक प्रोफाइलिंग और अपराध विज्ञान पढ़ाते थे। साफ-सुथरे कपड़े पहने और सजे-धजे, उनमें एक सौम्य गंभीरता थी जिससे आपको सहज महसूस होता था, फिर भी यह पूरी तरह से स्पष्ट था कि वे एक गंभीर पेशेवर कानून अधिकारी हैं। मुझे स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि अगर हमने वह किया जो हमने कहा था कि हम कर सकते हैं, तो बोवरमैन इसे उचित रूप से स्वीकार करेंगे। हालांकि, अगर हम अपने दावों पर खरे नहीं उतरे, तो वे विनम्रता से खुद को अलग कर लेंगे और हमें परियोजना से मुक्त कर देंगे।
मैंने बैठक समाप्त की। “देखिए, हम एक या दो सत्रों में बैठकर आपको किसी शव तक पहुँचने का निर्देश नहीं दे सकते। दर्शकों द्वारा दी गई जानकारी पारंपरिक तरीकों से प्राप्त जानकारी की पूरक होगी, और दूरस्थ अवलोकन के

जितने अधिक प्रयास किए जाएँगे, जाँच उतनी ही कम समय में पूरी हो सकती है। मुश्किल यह है कि इसके लिए एक समर्पित दूरस्थ अवलोकन टीम की आवश्यकता होती है, जिसमें नियंत्रित प्रतिक्रिया और कुछ प्रशासनिक सहायता हो। आदर्श रूप से, आप विभाग में ही दूरस्थ अवलोकनकर्ताओं की एक टीम को प्रशिक्षित और उपयोग में लाएँ; वे आपके अधीन होंगे, आपसे अपने कार्य लेंगे और विश्लेषण के लिए आपको अपना डेटा सौंपेंगे। यदि आप ऐसा कुछ व्यवस्थित कर सकें और इसे जारी रख सकें, तो आप कानून प्रवर्तन और जाँच के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेंगे।”

लेफ्टिनेंट बोवरमैन अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए। “जानकारी देने के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आप वो सब कर पाएंगे जो आप कह रहे हैं; अगर ऐसा हुआ तो हम जैसे लोगों के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। मैं मानता हूँ कि यह थोड़ा अटपटा लग सकता है, लेकिन मैं खुले दिमाग से सोच रहा हूँ, तो चलिए इसे आजमाते हैं। क्या आपको मार्गदर्शन के लिए किसी चीज़ की ज़रूरत है, जैसे कोई तस्वीर या कोई कपड़ा?”
“नहीं, इस पहले सत्र के लिए नहीं,” मेल ने कहा। “हम देखना चाहते हैं कि हम कितनी जल्दी लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं, और विश्लेषण करने के बाद हम आगे का फैसला कर सकते हैं। क्या सभी सहमत हैं?”
लिन और मैंने सिर हिलाया।
“ठीक है, अब आगे क्या?” लेफ्टिनेंट ने पूछा।
"हमें मुख्य प्रश्न पर चर्चा करने की आवश्यकता है," मेल ने कहा।
लिन सहमत हो गईं। “हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अनजाने में कोई प्रारंभिक जानकारी न जुटा लें। हमें बिना विवरण के लक्ष्य के मापदंड प्राप्त करने होंगे। विवरण न होने पर हम सैद्धांतिक रूप से अपने लक्ष्य से भटक जाएंगे, किसी अन्य स्थान या वस्तु की ओर, या शायद मूल लक्ष्य के किसी अस्पष्ट पहलू की ओर भी।”
“फ्रंट-लोडिंग क्या है?” बोवरमैन ने पूछा।
मैंने जवाब दिया, “असल में, हम यह नहीं जानना चाहते कि लक्षित व्यक्ति पुरुष है या महिला, जीवित है या मृत, लापता है या मिल गया है, संदिग्ध अपराधी है या पीड़ित। हम तो बस ऐसा प्रश्न चाहते हैं जिससे हम मानसिक उलझन को कम करते हुए लक्ष्य तक पहुँच सकें। उदाहरण के लिए, अगर लक्ष्य चोरी हुए

सामान का स्थान होता, तो हम नहीं चाहेंगे कि आप हमसे बुधवार को वेल्स फार्गो बैंक में हुई डकैती में चुराए गए पैसों का स्थान बताने को कहें। यह तो सीधे-सीधे जानकारी देना है; इससे हम मानसिक रूप से एक साथ छह अलग-अलग दिशाओं में भटक जाते हैं। बेहतर लक्ष्य कथन होगा, ‘किसी वस्तु के वर्तमान स्थान का वर्णन करें’—बस इतना ही!”
बॉवरमैन का मुंह खुला रह गया। "बस इतना ही? बस यही चाहिए?"
मेल जोर से हंस पड़ी।
हम तीनों ने मिलकर तय किया कि हम ERV मिशन के बजाय एक साथ एकल CRV मिशन चलाएंगे, जिसमें हम तीनों बिना मॉनिटर के ही अंतरिक्ष में प्रवेश करेंगे। मेरे लिए यह एक जोखिम भरा प्रयास था, लेकिन अवलोकन उत्पाद की सटीकता और वैधता साबित करने के लिए आवश्यक था। हम तीनों में से मैं ही एकमात्र विस्तारित रिमोट व्यूअर था; मेल और लिन लगातार कोऑर्डिनेट रिमोट व्यूइंग का उपयोग करते थे, इसलिए इसका प्रभाव न्यूनतम था। इसके अलावा, हम एकल मिशन इसलिए भी करना चाहते थे ताकि यह संदेह न रहे कि हमने सहयोग किया है या अपने परिणाम साझा किए हैं। यदि हम अलग-अलग कमरों में काम करते और केवल तीसरे पक्ष की उपस्थिति में रेखाचित्रों और डेटा की तुलना करते, तो भी हम पर सहयोग का आरोप लग सकता था—संदेहवादी तो संदेहवादी ही रहेंगे—लेकिन एक निष्पक्ष समीक्षक देख सकता था कि हम डेटा के साथ छेड़छाड़ नहीं कर रहे थे। सुबह साढ़े नौ बजे मेल, लिन और मैं अलग-अलग पूछताछ कक्षों में गए और अपने मिशन की तैयारी करने लगे। रिमोट-व्यूइंग के मानकों के हिसाब से कमरे बहुत ही साधारण थे: रोशनी को एडजस्ट नहीं किया जा सकता था, और हमें छोटी धातु की मेजों और धातु की तह वाली कुर्सियों पर काम करना पड़ता था। हर कमरे में एक बड़ा दोतरफा दर्पण लगा था, जिसके पीछे से लेफ्टिनेंट बोवरमैन और उनके द्वारा चुना गया कोई भी व्यक्ति हमें काम करते हुए देख सकता था। मुझे यकीन है कि वे जिज्ञासावश ही देख रहे थे; निगरानी होने से हमारी विश्वसनीयता पर कोई असर नहीं पड़ा। (शायद अगर सन स्ट्रीक में हमें और अधिक निगरानी मिली होती तो कार्यक्रम थोड़ा और बेहतर हो पाता।) सत्रों को वीडियो पर भी रिकॉर्ड किया गया था—अमेरिका को पहली बार प्रशिक्षित सैन्य रिमोट व्यूअर्स को इंटरनेट पर जाते और वापस आते हुए देखने का मौका मिला।
मैंने अपने कार्यभार पर आखिरी नज़र डाली और मेल और लिन को उनके कमरों में जाते हुए हाथ हिलाकर विदा किया। मैं मेज पर इस तरह बैठा कि मेरा चेहरा

□□□□□ □□ □□□□□ □□; □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□

[illegible]

*[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]? [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

का उपयोग किया है: मेरे सहयोगी मेल रिले और लिन बुकानन, और मुझसे पहले के जो मैकमोनेगल। वे कहानी में शामिल हैं, लेकिन यह कहानी का मेरा संस्करण है, उनका नहीं। किसी घटना के तीन साक्षी एक पूछताछकर्ता को उसी घटना के तीन अलग-अलग संस्करण प्रदान करेंगे। यह बात निश्चित रूप से वर्षों के विकास और व्याख्याओं से जुड़ी घटनाओं के विवरण पर भी लागू होती है। स्पष्टता और निरंतरता के लिए, इस पुस्तक में एक ही स्थान पर एक ही घटना के रूप में वर्णित कई बैठकें वास्तव में कई स्थानों पर, कई उपस्थित लोगों के साथ हुई कई बैठकों का परिणाम थीं। ऐसा करने का कोई इरादा धोखा देने का नहीं है; यह स्थान की कमी के कारण आवश्यक है। कृपया क्षमा करें।

"आपका जीवन कभी भी समान नहीं होगा।"

इस प्रकार, अमेरिकी सरकार के अति-गुप्त, मानसिक जासूसी कार्यक्रम, स्टारगेट के कार्यक्रम निदेशक के सामने बैठे कैप्टन डेविड मोरहाउस के लिए पहले भयावह शब्द सामने आए।

“हम यहाँ चयनित कर्मियों को समय और स्थान से परे जाकर, समय और स्थान में दूर स्थित व्यक्तियों, स्थानों या वस्तुओं को देखने और उनके बारे में खुफिया जानकारी जुटाने का प्रशिक्षण देते हैं। हम चाहते हैं कि आप भी हमारे समूह का हिस्सा बनें।”

उस युवा सेना अधिकारी का दिल लगभग रुक गया था।

— साइकिक वॉरियर से

प्रस्थान बिंदु

यह कार्य अदृश्य में आस्था की खोज नहीं है। यह आध्यात्मिक प्रतीकों या निस्वार्थ भेंटों की अपील नहीं है; यह अन्य लोकों, परोपकारी नेताओं, रचनाकारों की वास्तविकता का प्रमाण है—और इससे भी महत्वपूर्ण, इस भौतिक अस्तित्व और आयाम से परे जीवन का प्रमाण है। मैंने आकाश में जो कुछ देखा है, उस पर मैं कई पुस्तकें लिख सकता हूँ, जैसा कि अनगिनत अन्य सैन्य-प्रशिक्षित रिमोट व्यूअर भी लिख सकते हैं। हमारे लिए आध्यात्मिक अनुभव होना आम बात थी। हम उन चीजों की वास्तविकता को उतनी ही सहजता से जानते और स्वीकार करते थे, जितनी सहजता से हम मिसाइल साइलो, सोवियत पनडुब्बियों या मालवाहक जहाजों के भीतर छिपी कोकीन की खेपों के अस्तित्व को स्वीकार करते थे। हमने ये बलिदान इसलिए दिए ताकि आप भी हमारी ही तरह यह जान सकें कि हमारे आस-पास हमारी भौतिक आँखों से दिखाई देने वाली चीजों से कहीं अधिक कुछ है।
मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि इस वृत्तांत में वर्णित वरदान एक अनमोल और अद्भुत उपकरण है जिसे हम अपने जीवनकाल में देखने के लिए सौभाग्यशाली रहे हैं। मैं उतने ही दृढ़ विश्वास के साथ यह भी कह सकता हूँ कि, किसी भी ऐसी चीज़ की तरह जो मनुष्य के हाथों में आ जाती है, यह वरदान एक अभिशाप में परिवर्तित हो सकता है जो मानवता की सेवा, रक्षा और उन्नति करने के बजाय उसे त्रस्त कर देगा। जब तक दूरस्थ अवलोकन रक्षा विभाग का एक गुप्त हथियार बना रहेगा, तब तक मुझे यही भय बना रहेगा। चुनाव हमारा है। रहस्य खुल चुका है: दूरस्थ अवलोकन मौजूद है, यह काम करता है, इसका परीक्षण किया जा चुका है, यह सिद्ध हो चुका है और दो दशकों से अधिक समय से खुफिया जानकारी जुटाने में इसका उपयोग किया जा रहा है। मानसिक युद्ध के उपयोग के संबंध में हाल ही में सरकार द्वारा की गई स्वीकारोक्तियाँ इस बात का महत्वपूर्ण और अकाट्य प्रमाण हैं कि मैंने यहाँ जो कहा है वह सत्य है। पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली राष्ट्र की सरकार ने स्वीकार किया है कि वह जानती है कि मनुष्य समय और स्थान से परे जाकर दूर के व्यक्तियों, स्थानों, वस्तुओं और घटनाओं को देख सकते हैं, और इस प्रकार एकत्रित जानकारी को वापस लाया जा सकता है। मुझे आशा है कि आप इस जानकारी के महत्व को समझेंगे।

इस वरदान की वास्तविकता और ज्ञान को दुनिया के सामने लाने के लिए महान बलिदान दिए गए। यह आप लोगों की ज़िम्मेदारी है कि इसे अगले बीस वर्षों तक फिर से रहस्य में न जाने दें। यह बूढ़ा सिपाही गर्व से फूल जाएगा जब मैं अपने बच्चों को मानव प्रगति और आध्यात्मिकता की समझ के लिए अपना सब कुछ देते हुए देखूंगा। वे इस जीवन में ऐसी क्षमता के साथ प्रवेश कर रहे हैं जो दूसरों को दिखाई नहीं देती। उनमें उन उत्तरों को जानने की अदम्य इच्छा है जो हमारी गहरी चिंताओं, कमजोरियों और आशाओं को रोशन करेंगे। ज्ञान की खोज अभी समाप्त नहीं हुई है, और इस ब्रह्मांड में कुछ भी स्थिर नहीं है। वे नए योद्धा हैं... उन पर नज़र रखें।

नोट्स

1
कोऑर्डिनेट रिमोट व्यूइंग, कोऑर्डिनेट्स, मैट्रिक्स आदि की विस्तृत व्याख्या में जाने के बजाय, मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि किसी लक्ष्य को दिए गए नंबर महत्वहीन होते हैं; वे बेतरतीब ढंग से उत्पन्न और असाइन किए जाते हैं। वे कहाँ से, कैसे और किस स्रोत से आते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, एक बार जब वे लक्ष्य को असाइन हो जाते हैं, तो वे मन के मैट्रिक्स में उस लक्ष्य (चाहे वह कहीं भी हो) के लिए एक पता बन जाते हैं। यह सिद्धांत डॉ. कार्ल जंग के मानव मन के "सामूहिक अचेतन" की अवधारणा से उत्पन्न हुआ है। यदि कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य या उसके पहलुओं से अवगत है और फिर उस लक्ष्य को एक संख्या प्रदान करता है, तो सैद्धांतिक रूप से, वे संख्याएँ उस लक्ष्य (या उसके ज्ञान, या उसकी अवधारणा) के लिए एक पता का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये निर्देशांक किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए लक्ष्य को सुलभ बनाते हैं जो परिवर्तित अवस्था में प्रवेश करने और उस विशेष पते की खोज करने में सक्षम हो। सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से, यदि मुझे सोमवार को 12345 67899 के निर्देशांक दिए जाते हैं, और यदि ये संख्याएँ चावल के एक छिपे हुए थैले को सौंपी जाती हैं, तो मुझे चावल के थैले और उसके आसपास के वातावरण का वर्णन करने में सक्षम होना चाहिए। यदि मेल को मंगलवार को वही निर्देशांक दिए जाते हैं, तो वह भी उसी चावल के थैले का वर्णन करने में सक्षम होना चाहिए। यदि लिन को आज से एक वर्ष बाद के निर्देशांक दिए जाते हैं, तो सैद्धांतिक रूप से, वह उसी (अब फफूंदी लगे) चावल के थैले का वर्णन करने में सक्षम होगा।
दरअसल, संख्याओं का महत्व बहुत कम होता है। पहले के वर्षों में, ये वास्तव में निर्देशांक होते थे: कार्टेशियन, ग्रिड मर्केटर, या अक्षांश और देशांतर। समय बीतने के साथ, यह स्पष्ट हो गया कि संख्याओं से किसी स्थान को पृथ्वी की सतह पर सटीक रूप से निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, निर्देशांक के ये रूप कुछ मायनों में सीमित भी हो सकते थे। निर्देशांक कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्याएँ बन गए, जिन्हें बिना किसी अतिरिक्त विचार के विशिष्ट लक्ष्यों को सौंपा जाने लगा।
2

मुझे जो दवाइयाँ दी गईं, वे बहुत ज़्यादा थीं—जब तक मैं अस्पताल से निकला, तब तक मुझे हर दिन एक कप भर दवाइयाँ लेनी पड़ती थीं। मुझे चालीस मिलीग्राम लॉक्सिटेन (एक शक्तिशाली एंटीसाइकोटिक), साठ मिलीग्राम प्रोजैक (एक एंटीडिप्रेसेंट), छह मिलीग्राम कोजेंटिन (लॉक्सिटेन के कारण होने वाले कंपन को कम करने के लिए) और तीस मिलीग्राम रेस्टोरिल (एक ट्रैंक्विलाइज़र) दी जा रही थीं। ज़्यादातर सुबह ये दवाइयाँ मुझे पूरी तरह से बेहोश कर देती थीं। हालाँकि मुझे कोई डिसोसिएटिव एपिसोड या बेहोशी जैसी स्थिति का अनुभव नहीं हुआ, फिर भी मैं दिन-ब-दिन एक धुंध में डूबा रहता था।

मानसिक योद्धा। सीआईए के स्टारगेट कार्यक्रम के अंदर: एक सैनिक की जासूसी और जागृति की सच्ची कहानी।
कॉपीराइट © 1996 डेविड एलन मोरहाउस द्वारा। कवर फोटोग्राफ ग्लेन गिस्लर द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक का कोई भी भाग लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में उपयोग या पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय आलोचनात्मक लेखों या समीक्षाओं में शामिल संक्षिप्त उद्धरणों के। अधिक जानकारी के लिए, सेंट मार्टिन प्रेस, 175 फिफ्थ एवेन्यू, न्यूयॉर्क, एनवाई 10010 से संपर्क करें।

सेंट मार्टिन प्रेस द्वारा प्रकाशित हार्डकवर संस्करण 1996
सेंट मार्टिन पेपरबैक संस्करण / जनवरी 1998

ईआईएसबीएन 9780312964139 पहला ईबुक संस्करण: अक्टूबर 2011
ईएएन: 80312-96413-9

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉग कार्ड नंबर: 96-3085